UNIVERSAL
LIBRARY

OU_180579

UNIVERSAL
LIBRARY

न पांच न तीन

(Neither Five Nor Three—By Helen MacInnes)

मूल लेखिका

हेलेन मेकिन्स

अनुवादक

श्री श्याम

पर्ल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड

बम्बई १

मूल्य : ७५ नये पैसे

कापीराइट, १९५१—हेलेन हाइएट
मूल ग्रंथ का प्रथम हिन्दी अनुवाद।
पुनर्मुद्रण के समस्त अधिकार प्रकाशक द्वारा सुरक्षित।

प्रथम हिन्दी संस्करण—१९६०

इस उपन्यास के सभी पात्र पूर्णतया काल्पनिक हैं—किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से उनका कोई भी सम्बन्ध नहीं।

प्रकाशक : जी० एल० मीरचंदानी, पर्ल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड,
२४९, डा० दादाभाई नवरोजी रोड,
बम्बई १.

मुद्रक : अनंत जे० शाह,
लिपिका प्रेस, कुर्ला रोड, अंधेरी।

अध्याय–१

सुबह—सर्द और साफ़—रात्रिकालीन आकाश का भेदन करती हुई धीरे-धीरे आयी।

पाल हैन ने सोचा कि यह धीरे-धीरे इसलिए आ रही है कि हम लोग सूरज से आगे, पश्चिम की ओर, दौड़ रहे हैं। तत्पश्चात् वह अपने नीचे बादलों की फर्श को देख कर अपनी कल्पना पर मुस्करा पड़ा। वह उन श्वेत आकारहीन दैत्यों को सूरज की रोशनी से रंगी हुई लहरों के एक फेनिल समुद्र के रूप में परिवर्त्तित होते हुए देख रहा था। उन लहरों के शिखर गतिहीन थे। वे उठे हुए थे, किन्तु कभी गिरते नहीं थे। आज से पचास वर्ष बाद, आकाश-मार्ग से यात्रा करने वाले किसी यात्री को पता चलेगा कि पश्चिम की ओर उड़ने वाले विमानों के लिए सुबह और भी धीरे-धीरे आती है। अथवा क्या वह पचास वर्ष बाद फिर विमान द्वारा यात्रा करेगा? तत्पश्चात् पाल हैन ने अचानक देखा कि ये बादल, जो उनकी दृष्टि से सागर को छिपा रहे थे, अब नीचे नही दिखायी पड़ रहे हैं। उसने सोचा कि अब हम नीचे आ रहे हैं, अन्ततोगत्वा हम भूमि के समीप पहुँच रहे है; हम अमरीका के निकट पहुँच रहे है। हाँ, वहाँ लहरदार लोहे की काली, भूरी चादर के समान अतलान्तक महासागर फैला हुआ है। वह अकस्मात् उठ बैठा, उसने अपनी पीठ की मासपेशियों को शिथिल कर अपने पैरों को फैला दिया।

उसकी उत्तेजना ने, यद्यपि उसने उसे नियंत्रित रखने का प्रयास किया, उसकी बगल मे बैठे हुए ब्राउनली को जगा दिया। विमान के अन्य यात्री—कांग्रेस के दो सदस्य और उनके सचिव, और बर्लिन से उनके साथ आने वाला ब्रिगेडियर-जनरल, मौन, चिन्ता-निमग्न सार्जेण्ट, जो फ्रैंकफर्ट में विमान पर सवार हुआ था, राइनलैण्ड से वापस आने वाले आर्थिक सहयोग प्रशासन (E. C. A.) के तीन अधिकारी—अभी तक निद्रा में निमग्न थे। उनके चेहरों पर किसी प्रकार की भी अभिव्यक्ति नहीं थी, उनके कष्ट, उनकी आशाएँ, उनकी विफलताएँ, उनकी सफलताएँ सभी कुछ विस्मृत-सी हो गयी थीं।

"अब अधिक देर नहीं होगी!"—पाल ने ब्राउनली से क्षमा-याचना के रूप में कहा। उसकी मुस्कान ने उसे अपेक्षाकृत अधिक नवयुवक, बहुत कुछ उस

पाल हैन के समान ही बना दिया, जिससे वह सर्वप्रथम आठ वर्ष पूर्व लन्दन में मिला था।

ब्राउनली अभी तक हिल-डुल नहीं रहा था। वह अभी तक अपने मस्तिष्क के समस्त अंगों को, जिन्हें निद्रा ने शिथिल कर दिया था और इधर उधर अस्त-व्यस्त रूप में बिखेर दिया था, एकत्र कर रहा था। उसने पाल की मुस्कान का धीरे-से उत्तर दिया। उसने जम्हाई ली, अपनी बाँहों को फैलाया और अपनी गर्दन को सहलाया तथा सोते समय उसके कन्धे पर की सख्त हड्डी पर अत्यधिक जोर से टिके हुए अपने कोमल गाल को मल कर उसमें पुनः रक्त का संचार किया। उसने अपनी मुस्कान बिखेरते हुए कहा—"आप इतने दिनों तक बाहर रहे, इसीलिए आप वापस लौटने के लिए इतने व्यग्र प्रतीत होते हैं!"

"मेरा अनुमान है कि मैं बहुत अधिक दिनों तक बाहर रहा हूँ।" पाल हैन ने कहा। तत्पश्चात् उसने अपनी भूरी-भूरी आँखों से अपने मित्र पर प्रखर दृष्टि-पात किया—"और आपका ध्यान किस ओर लगा हुआ है?"

"आठ वर्षों की अवधि में किसी व्यक्ति में जो अन्तर आ सकता है, उसकी ओर।"

"मैं नहीं जानता कि मैं उसे पूर्णतया विचित्र समझता हूँ।"

"यदि आठ वर्षों की अवधि में कोई अन्तर न आये, तो आप पूर्णतया प्रसन्न नहीं होंगे।"—ब्राउनली ने पाल के चेहरे का अध्ययन किया—"जब सन् १९४२ में लन्दन में पहली बार हमारी मुलाकात हुई थी, तब आप एक बहुत ही चुस्त वर्दी पहने हुए थे; आप एकदम नये लेपिटनेण्ट, एक उत्साही युवक और सिद्धान्त-प्रिय योद्धा थे!"

"वेग के साथ आगे बढ़ता हुआ!"—पाल ने संशोधन किया। वह उस समय जैसा था, उसकी याद कर उसने अपना सिर हिलाया। "कम से कम"—उसने पुनः कहा—"मैं सीख गया हूँ कि जीवन उतना सरल नहीं है।" इसके अतिरिक्त उसकी सतर्क आंखें यह कहती हुई प्रतीत हुई कि मैं अकेला ही ऐसा व्यक्ति नहीं हूँ, जिसमें आठ वर्षों में अत्यधिक परिवर्तन हो गया है। ब्राउनली अधिक दुबला और अधिक चिन्तित है तथा उसके बाल अब प्रायः सफेद हो गये हैं और फिर भी, युद्ध की समाप्ति के बाद से वह वाशिंगटन में ही रह रहा है, पाल के समान जर्मनी में नहीं। जब पाल केवल दो दिनों पहले बर्लिन में उससे मिला (ब्राउनली काँग्रेसजनों को विस्थापित व्यक्तियों के शिविर दिखा रहा था), तब उसको ब्राउनली में हुए बाह्य परिवर्त्तनों से उतना ही आश्चर्य

हुआ था, जितना आश्चर्य उसे उनकी मुलाकात से हुआ था, यद्यपि वह एक सौभाग्यपूर्ण मुलाकात थी। यदि ब्राउनली न होता तो इतनी शीघ्रता के साथ उसके स्वदेश लौटने की व्यवस्था नहीं हो पाती। और यह एक अच्छी मुलाकात भी थी। वह ब्राउनली को पसन्द करता था, भले ही वह पूरे युद्ध-काल में उसका वरिष्ठ अधिकारी रहा हो।

"हाँ, आठ वर्ष पूर्व का जीवन सरलतर प्रतीत होता था।"—ब्राउनली कह रहा था—"प्रत्येक वस्तु के बावजूद वह सरलतर प्रतीत होता था। हमें केवल उस बेहूदे युद्ध में विजय प्राप्त करनी थी और तत्पश्चात्—यदि हम भाग्यशाली होते तो—पुनः शांति के साम्राज्य में आ जाना था। उस समय प्रत्येक वस्तु अधिक स्पष्ट थी। हम को पता रहता था कि खतरा कहाँ है।"

पाल हैन ने केवल स्वीकृति-सूचक सिर हिलाया। विमान के अन्य यात्रियों के जाग पड़ने और विमान के भूमि पर उतरने के सम्बन्ध में चेतावनी दी जाने से उनके चारों ओर जो चहल-पहल प्रारंभ हुई, उससे वह प्रसन्न था। अब वह और अधिक वाद-विवाद में फँसना नहीं चाहता था। ब्राउनली अपने वार्तालाप को अपनी इच्छा के अनुसार मोड़ने में अब भी अत्यन्त कुशल और प्रयत्न-शील था।

ब्राउनली अब अपनी 'सुरक्षा-पेटी' बांधने पर ध्यान केन्द्रित करता हुआ प्रतीत हुआ, किन्तु वह साथ-ही-साथ आठ वर्ष पूर्व लन्दन में मिले पाल हैन की याद कर रहा था, जो 'स्वतंत्र फ्रांसीसी' (FreeFrench) नामक संगठन के साथ अपने कार्य तथा ब्रिटैनी-स्थित भूमिगत प्रतिरोध आन्दोलन के अपने कार्य के सम्बन्ध में उत्तेजित था। उसने उस काम को अच्छी तरह से सम्पन्न किया था तथा अधिकृत फ्रांस के भीतर कुछ अत्यन्त सक्रिय सेवा भी की थी। मुक्ति के बाद हैन के साथ ब्राउनली का तात्कालिक सम्पर्क समाप्त हो गया था, किन्तु उसने उसके सम्बन्ध में जानकारी बनाये रखी थी। जर्मन बन्दियों की जाँच करने वाला गुप्तचर-विभाग का कप्तान पाल हैन तत्पश्चात् फ्रैंकफर्ट आया और यहाँ उसे प्रति-प्रचार का कार्य सौंपा गया, जिसमें म्यूनिख, विस्थापित व्यक्तियों के शिविर और बर्लिन प्रमुख थे। मैत्रीपूर्ण भूरी आँखें, निरस्त्र कर देने वाली मुस्कान, काले बारीक कटे हुए बालों और अत्यधिक नियमितता के कारण प्रायः विशेषता-विहीन हो गये अवयवों वाला युवक, चुस्ती के साथ वर्दी धारण करने वाला वह लेफ्टिनेण्ट एक मेजर बन गया था, जिसके सीने पर कतिपय हल्के रंगीन फीते लगे हुए थे। उसकी मुस्कान में अब उतनी तत्परता नहीं रह गयी

थी। उसके काले बाल कनपटियों पर कहीं-कहीं भूरे हो चले थे। नियमित अवयवों की सुखद अनामता समाप्त हो गयी थी और अब वे निश्चित तथा कठोर दिखायी देते थे। उसकी आँखें अब भी सतर्कतापूर्ण थीं; वे अधिक गम्भीर, जीवन के प्रति उदासीनता लिये थीं; वे भलाई के प्रति कम आशान्वित थीं और फिर भी—पाल की इस महत्वपूर्ण आशावादिता के साथ कि यहाँ तक कि यूरोप का भी पूर्ण रूप से लोप नहीं हुआ है—इस भलाई का पता लगाने की कोशिश उनमें अभी तक परिलक्षित होती थी।

"आप इतने दिनों तक बाहर क्यों रुके रहे ?"—ब्राउनली ने अकस्मात् पूछा।

"कभी मेरे घर लौटने की व्यवस्था नहीं हो सकी।"

ब्राउनली मुस्कराया—"मुझे याद है कि आपमें सदा आश्चर्यजनक कर्त्तव्य-भावना रही है।"

"इसमें इतनी आश्चर्यजनक बात क्या है ?"

"क्योंकि आप कभी किसी भी वस्तु के प्रति विशेष रूप से सम्मान रखते हुए नहीं प्रतीत हुए।"

"मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं एक अधीर नवयुवक व्यक्ति था।"—पाल ने मुस्कराते हुए कहा।

"सही भावनाओं के साथ।"—ब्राउनली ने कहा—"और मैं तो अब भी उन पर बाजी लगा रहा हूँ।" उसके स्वर में परिहास था, किन्तु उसकी सजग भूरी आँखें गम्भीर थीं। "कल मैंने दोपहर के भोजन के समय जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, उस पर कुछ विचार किया आपने ?"

पाल हैन हिचकिचाया—"बहुत अधिक नहीं।" तब उसने स्पष्टतापूर्वक कहा—"मेरा अनुमान है कि आपने अपनी बात को साफ-साफ नहीं कहा है।"

"मैं ऐसा नहीं कह सकता था। पाल, आपको इस चीज को स्वयं समझ लेना है। आप जानते हैं कि मैं सैनिक भर्ती करनेवाला कोई मंडल नहीं हूँ। मैं स्वयंसेवक चाहता हूँ।"

"देखिये, मैं स्वयंसेवक का कार्य काफी कर चुका हूँ। जब मैं सेना से मुक्त हो जाऊँगा, तब मैं पूर्ण आराम करूँगा। मैं इतनी अधिक डचूटी कर चुका हूँ कि वह मेरे शेष जीवन भर के लिए काम देगी।" उसकी मुखाकृति पुनः एक बार अधिक संकल्पपूर्ण, संयमित हो गयी। उसने अपना सिर फेर लिया और खिड़की के बाहर झाँकने लगा।

"यह कोई सैनिक कार्य नहीं है।"—ब्राउनली ने धैर्यपूर्वक कहा—"एक बार जब आपको इससे छुट्टी मिल जाये तो आप इधर-उधर दौड-धूप कर लें, निश्चिन्त हो जायें और अपना जीवन पुनः प्रारम्भ कर दें। फिर आइये और मेरे साथ बात-चीत कीजिये। उस समय तक या तो आपको मालूम हो जायेगा कि मैं किस बारे में बात-चीत करता रहा हूँ या आप इसकी पर्वाह ही नहीं करेंगे। उसी समय आप मुझे कोई निश्चित उत्तर दे सकते हैं।"

"मैं अभी आपको उत्तर दे रहा हूँ। मुझे खेद है किन्तु मैं—देखिये! वह देखिये—क्या आप उस ओर देखियेगा?" पाल ने राजर ब्राउनली की बाँह पकड़ ली, मानो वह इस बात का निश्चय कर लेना चाहता था कि वह भी इससे वंचित नहीं होगा।

वह न्यूयार्क था, उसके स्पष्ट दिखायी देनेवाले भवन वर्गाकार खण्डों में और साफ-सुथरे थे, उसके गुम्बज और शिखर प्रातःकालीन सूर्य के प्रकाश में चमक रहे थे, उसकी मौन सड़कें असंख्य प्रकाशमान् खिड़कियों के नीचे सीधे काले धागों की भाँति आगे बढ़ रही थीं। वह न्यूयार्क था—सर्द, दूरस्थ और सुन्दर।

"हम बहुत नीचे आ रहे हैं।"—ब्राउनली ने अपने ब्रिगेडियर जनरल और कांग्रेसजनों की ओर चिन्तातुर होकर देखते हुए कहा।

"मेरे लिए तो ठीक है!"—पाल ने कहा। उसने अपनी आंखें खिड़की से नहीं हटायीं। आगे वह कुछ नहीं बोला।

ब्राउनली ने अपने पाकेट से अपनी 'नोटबुक' और पेंसिल निकाली तथा उस पर जल्दी से लिखा। "इसे अपने पाकेट में रख लीजिये।"—उसने हैन से कहा—"यह मेरा टेलिफोन नम्बर है।" उसने पन्ने को अपनी नोटबुक से फाड़ा और पाल की ओर बढ़ाया।

"प्रतिरक्षा-विभाग के कार्यालय में?" पाल ने सोचा कि यह अनावश्यक प्रतीत होता है।

"नहीं! मेरे निजी कार्यालय में। मैं भी एक नागरिक बन रहा हूँ।"—पाल ने घूर कर देखा।

ब्राउनली ने कांग्रेसजनों की ओर सिर हिलाते हुए कहा—"इस वर्दी में मेरा यह अन्तिम काम है।"

"किन्तु"—पाल ने कहना प्रारम्भ किया और....फिर रुक गया। आप ब्राउनली से प्रश्न नहीं पूछते थे।

"क्योंकि अब मैं जो काम करना चाहता हूँ, वह एक नागरिक की हैसियत

से अधिक अच्छी तरह से किया जा सकता है।"—ब्राउनली ने शांतिपूर्वक कहा।

"किन्तु आपकी वरिष्ठता, आपकी—" पाल पुनः रुक गया। यदि राजर ब्राउनली उन समस्त चीजों का परित्याग कर रहा है, तभी वह वास्तव में चिन्ता-ग्रस्त है। पाल ने उसकी ओर देखा और तब कागज के टुकड़े को सुरक्षित रूप से अपने कोट के पाकेट में रखकर उसका बटन बन्द कर दिया। तत्पश्चात् उसने विमान के अन्य प्रत्येक यात्री की भाँति आगामी एक मिनट तक या दो मिनटों तक अपना ध्यान विमान के भूमि पर उतरने पर केन्द्रित किया।

"संवाददाता!"—ब्राउनली ने अपनी सुरक्षा-पेटी को खोलते हुए खिड़की से बाहर झाँक कर कहा—"अब मुझे पुनः अपने कांग्रेसजनों के साथ हो जाना चाहिए। क्या मैंने आपको यह बताया है कि वे हमारे क्षेत्र में नये विस्थापित व्यक्तियों के समूहों के आगमन से अत्यधिक चिन्तित हैं?" वह एक ओर मुँह करके मुस्कराने लगा।

"यही समय है, जब किसी को चिन्तित होना चाहिए।" पाल ने निराशा-पूर्वक उत्तर दिया। तत्पश्चात्, जब वह ब्राउनली के, जो पुनः अत्यन्त योग्य कर्नल बन गया था, पीछे-पीछे चलने के लिए खड़ा हुआ, तब उसने अपने आपसे इसको भूल जाने के लिए कहा। वह बहुत अधिक पीड़ित और संत्रस्त हो चुका था, अब वह थोड़ी-सी शांति का अनुभव करना चाहता था। वह अपने अधिकांश मित्रों से पाँच वर्ष पीछे था, किन्तु अब भी वह अपने लिए काफी शांति प्राप्त कर लेगा—उसकी कोई कमी नहीं।

वह सार्जेण्ट की बगल में रुक गया—"क्या आप सीधे अस्पताल जा रहे हैं? चलिये, मैं आपको पहुँचा दूंगा।"

"कर्नल ने कहा कि वे मेरी देख-भाल करेंगे, महोदय!"—सार्जेण्ट ने उत्तर दिया। सामान्यतः उसके चौड़े मुँहवाले वर्गाकार चेहरे पर संघर्षजनित एक प्रकार की प्रसन्नता ही झलकती; किन्तु सम्प्रति अपनी पत्नी की बीमारी के समाचार से वह चिन्तित, गम्भीर और उदासीन था।

"कर्नल को संवाददाताओं के साथ बातचीत में विलम्ब हो सकता है। मैं आपको पहुँचा दूंगा।"

सार्जेण्ट ने अपना सामान उठाया और पाल के पीछे-पीछे चलने लगा।

उसने केवल अपनी विपत्तियों का वर्णन करने के लिए स्पष्टीकरण करना प्रारम्भ किया—"उसकी माँ ने लिखा था कि यदि मेरी पत्नी मुझे एक बार भी देख सके, तो कुछ उम्मीद हो सकती है।"

"तो जितनी जल्दी हो सके, उतना ही अधिक अच्छा होगा।"

"हाँ, महोदय !" उसने धैर्यपूर्वक कांग्रेस-जनों की ओर देखा, जो अभी तक ब्रिगेडियर-जनरल से अन्तिम प्रश्न पूछ रहे थे, जबकि उनके सचिव बड़े-बड़े सूटकेसों की पुनः गिनती कर रहे थे। आर्थिक सहयोग प्रशासन के अधिकारी कर्नल के साथ, जिनके पास केवल सैनिक मस्तिष्क ही था, विनम्रतापूर्वक बात-चीत कर रहे थे, भले ही वे ऐसा करके उनके प्रति कृपा कर रहे हों। पाल हैन ने ब्राउनली का ध्यान आकृष्ट करने की व्यवस्था कर ली और उसने सार्जेण्ट की दिशा में सिर हिलाया। ब्राउनली इसे शीघ्र ही समझ गया। जनरल के साथ शांतिपूर्वक बात करते हुए ब्राउनली का निरीक्षण करते हुए पाल ने सोचा कि वह उसी प्रकार का व्यक्ति है। कुछ मिनटों में ही विमान से बाहर निकलने का मार्ग साफ हो गया। नागरिकों को किसी प्रकार इस बात के लिए राजी कर लिया गया कि वे "गैंगप्लैंक" से चित्र न खिचवायें, पत्रों के लिए अपने वक्तव्य देते समय वहाँ चित्र खिचवाने के लिए खड़े न हों। उन्हें प्रमुखता की दृष्टि से निम्नतर स्तरवाली जमीन पर एक समूह में एकत्र किया गया और सार्जेण्ट तथा पाल के लिए खुला मार्ग मिल गया।

हां, ब्राउनली उसी प्रकार का व्यक्ति था, पाल ने विमान से बाहर निकलते हुए सोचा। उसने अपनी अन्तिम अफसराना सलामी दी, और उत्तर में उसे राजर ब्राउनली की आँखों में एक मुस्कान के दर्शन हुए।

जब पाल विमान तथा अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्तियों के छोटे-से समूह से, जिनके चित्र खीचे जा रहे थे, दूर सार्जेण्ट के साथ कदम मिला कर चिकने कंकरीट के विस्तारों तथा चमकते हुए शीशों वाले मकानों की लम्बी पंक्ति की ओर चलने लगा, तब भी वह ब्राउनली और कल उसने जो कुछ कहा था, उसके बारे में ही सोच रहा था। यह एक विचित्र बात थी कि ब्राउनली उस प्रकार के कार्य में अपना जीवन व्यतीत करे...! तत्पश्चात् पाल को याद आया कि उसने इस प्रकार के विचारों के साथ विमान से उतरने की इच्छा नहीं की थी। विमान से उतरने पर, अमरीकी भूमि पर पहुँचने के बाद वह यह कहने वाला था—"तो, यूरोप की यात्रा अब अन्तिम बार हो चुकी। यह वह स्थान है, जहाँ मैं अपने जीवन का पुनः आरम्भ करूँगा। यह वह स्थान है, जहाँ मुझे शांति मिलेगी।" किन्तु अधिकांश नाटकीय सम्भाषणों के समान ही यह सम्भाषण भी बिना कहे ही रह गया। इसका कारण ब्राउनली था...एक संवाददाता उनके पास तक पहुँच गया। "और बर्लिन कैसा है ?"—उसने पूछा।

"इनसे पूछिये।"—पाल हैन ने मुस्कराते हुए कहा और विमान की ओर संकेत कर सिर हिलाया—"हम तो ऐसे मुसाफिर मात्र हैं, जो विमान पर सवार हो कर यहां तक चले आये!"

"कोई समाचार नहीं?"—उत्सुक नवयुवक संवाददाता ने निराशा के साथ उनकी ओर घूर कर देखा। जब एक ब्रिगेडियर-जनरल एक सार्जेण्ट और एक मेजर को प्रथम उतरने देने के लिए स्वयं इतनी जल्दी के साथ विमान से नीचे उतरा था, तब इस बात का विश्वास हो गया था कि कोई अच्छी खबर जरूर मिलेगी।

सार्जेंट ने अपने सामान के बोझ को दूसरी ओर रखते हुए कहा—"समाचार है, जैक।" उसके कहने में दृढ़ता थी!

पाल ने संवाददाता की ओर देखते हुए कहा—"ज्यों ही वह अपनी इच्छा के अनुसार काम करना सीख जायेगा, त्यों ही वह उन्नति कर सकेगा।" तत्पश्चात् उसने विस्फारित नेत्रों से सार्जेंट की ओर देखा। "यह तो केवल एक बच्चा है—क्योंकि वह मुझसे दस वर्ष छोटा है!" उसने उद्विग्न हो कहा—"यह मेरे जीवन का एक नया पहलू है।" उसने शीशे और इस्पात के दरवाजों पर पालिश करने वाले व्यक्तियों, दरवाजों और प्रतीक्षालयों के भीतर के आदमियों, सूचना-डेस्कों के पीछे बैठे हुए व्यक्तियों की ओर देखना प्रारम्भ कर दिया। इस नये उपक्रम में वह लड़कियों की ओर देखना प्रायः भूल ही गया। वह निश्चय ही इस बात का द्योतक है कि तैंतीस वर्ष का हो जाना वास्तव में जीवन की अधिकता की सीमा पर पहुँचने के समान है।

"एक सैंडविच और थोड़ी-सी असली अमरीकी कॉफी लेने के सम्बन्ध में आपका क्या विचार है?"—उसने सार्जेंट से पूछा। और वह, इन विशाल भवनों को, जो इतने सवेरे भी लोगों से, उसके अपने लोगों से भरे हुए और चहल-पहल से पूर्ण थे, चारों ओर से देखते-देखते अपनी भूतकालीन चिंताओं को भूल गया और तुरन्त मुस्करा पड़ा।

"मुझे यह सब अच्छा प्रतीत होता है, महोदय!"—उसने कहा।

"हां!"—पाल ने अपने चारों ओर की आवाजों को सुनते हुए कहा—"यहां की प्रत्येक वस्तु अच्छी प्रतीत होती है।" और वह भी मुस्करा पड़ा।

रोना मेटफोर्ड हल्की नींद की झपकी ले रही थी, क्योंकि कल रात उसने अपने आपको जता दिया था कि आज का दिन जल्दी उठने का है; क्योंकि

दिन भर अधिक व्यस्त रहना पड़ेगा। मैनहट्टन के ऊपर इतनी नीचे उड़ते हुए विमान की आवाज ने उसे जगा दिया। उसने अपने बिस्तर की बगल में टंगी हुई छोटी-सी दीवार-घड़ी की ओर देखा। "ओह, नहीं!"—उसने कहा—"अभी तो प्रातः काल के पांच ही बजे हैं।"

"कोई कानून होना चाहिए!"—उसने विमान की गर्जना को, जब वह शांति और निद्रा को भंग करता हुआ उड़ रहा था, लक्ष्य करते हुए क्रोधपूर्वक कहा। फिर उसे याद आया कि इस सम्बन्ध में एक कानून है अवश्य। अतः वह विमान-चालक की इस गलती पर कटुतापूर्वक सोचने लगी।

किन्तु उसकी परेशानी अधिक समय तक न रही। उसके दिमाग में आज की योजनाएं और अधिक स्पष्ट हो गयीं। वह आराम के साथ लेट कर बिस्तर की उष्णता और मुलामियत का आनंद लेती हुई पड़ी रही। कम्बलों की उष्णता को छोड़, छोटा-सा कमरा सर्द और तरो-ताजा था। इसका आंशिक कारण, सफेद दीवारों पर टंगे हुए उसके हरे पर्दे थे और अप्रैल की हवा में तीखापन अभी तक बना हुआ था—! गत सप्ताह बर्फ गिरी थी। वह हल्के-हल्के हिलते हुए पर्दो के चमकदार रंग से बता सकती थी कि आज का प्रभात सूर्य से प्रकाशित होगा तथा आसमान साफ रहेगा। (जिस दिन प्रातः काल आकाश मेघाच्छन्न रहता था तथा वर्षा की आशंका रहती थी, उस दिन इन्हीं पर्दो का हरा रंग सर्द और निर्जीव प्रतीत होता था।) इससे वह प्रफुल्लित हो उठी। कम से कम, उसके मेहमान आज रात को दावत में रबर के जूते और वजनदार कोट पहनकर नहीं आयेंगे, जिससे छोटा-सा हाल ठसाठस भर जाये, अथवा टपकते हुए छाते लेकर नही आयेंगे, जिनसे छोटे-से स्नानागार में स्थान न रहेगा!

"ओह, मैं आशा करती हूँ कि दावत अच्छी तरह सम्पन्न हो जायेगी।"—उसने छत की ओर ताकते हुए कहा। तत्पश्चात् वह बिस्तर पर उठ कर बैठ गयी और उसने ड्रेसिंग टेबुल पर रखी हुई स्काट की फोटो की ओर देखा। निश्चय ही दावत अच्छी तरह सम्पन्न होगी। उसने फोटो की ओर चुम्बन की ध्वनि की और अपने बालों में लगे हरे फीते को बाहर खींच लिया। कल की रात—उसने मुस्कराते हुए याद किया—कल की रात एक अच्छी रात थी... उसने अपने बायें हाथ और उसकी मंगनी की अंगूठी की ओर देखा। हां, उसकी वर्तमान सब चिन्ताएं अकारण हैं। कल रात प्रत्येक वस्तु पुनः पूर्ववत् हो गयी थी, प्रत्येक वस्तु सुखद और आनन्ददायक थी तथा पिछले महीने की

समस्त आशंकाएं विभ्रम की छाया में विलीन हो गयी थीं। स्काट ने उससे कहा था कि वह उसे प्यार करता है, सैकड़ों तरीकों से उसने उसे समझाया था। उसकी ओर कनखियों से देखना, बात-चीत करने की लालसा तथा उसके साथ हँसना, यहां तक कि उसकी ओर देखते हुए यकायक मौन हो जाने आदि से वह जान गयी थी कि यह प्यार...! उसने थिएटर में कहा था कि वह सारे स्थान में सुन्दरतम लड़की है। नाचते समय उसने कहा था कि वह अत्यंत आश्चर्यजनक लड़की है। बाद में तो उसने यह भी कहा कि वही उसका प्रेम-पात्री है।

वह मुझसे प्रेम करता है, कुछ भी हो, वह मुझसे प्रेम अवश्य करता है, उसने सोचा और अकस्मात् उसने अपने नग्न कन्धों को आलिंगन-बद्ध कर लिया। तत्पश्चात् वह अपने काले बालों में ब्रश लगाने के लिए ड्रेसिंग टेबुल की ओर मुड़ी—वे अब बहुत लम्बे हो गये थे, किन्तु स्काट उन्हें कटवाने नहीं देता था। उसकी बड़ी-बड़ी भूरी आँखें, जो सुरूप भौहों और काली बरौनियों के कारण अत्यन्त प्रभावोत्पादक लगती थीं, आइने में मुस्करा रही थीं। कल रात को स्काट ने बरौनियों की वक्रता और उसके गालों की गोलाई के सम्बंध में क्या कहा था?—तब उसने अपने आप से कहा—"अब बहुत हो चुका, बस कर, नहीं तो अन्ततः तुम यह सोचने लग जाओगी कि तुम 'रिकामियर' हो।" स्काट भी कितनी मधुर और लचीली बातें कर सकता है! लेकिन ज्योंहीं उसने आलोचनात्मक दृष्टि से अपने आप की ओर देखा, त्यों ही उसे पता चला कि उसमें इतना अधिक अहंकार है कि वह अपनी पतली कमर, अपने मोटे कूल्हों और अपने स्तनों की गोलाई पर प्रसन्न हो उठी। और वह पुनः हँस पड़ी तथा फोटो को चूम लिया।

अलार्म घड़ी ने टनटन की ध्वनि कर जगने का संकेत किया। उसने पुनः अपने आपसे कहा कि अब बस! बहुत हो गया। और एक ड्रेसिंग गाउन लपेटते हुए वह कॉफी बनाने के लिए दौड़कर रसोईघर में पहुँच गयी। उसने जल्दी-जल्दी स्नान किया, जिससे वह और अधिक चुस्त हो गयी। कपड़े पहनते हुए उसने सोचा कि आज मैं जल्दी ही आफिस पहुँच जाऊँगी और अपना दिन भर का कार्य इतनी सफाई से और जल्दी ही पूरा कर दूंगी कि बर्नेट मुझे आफिस छोड़ने की अनुमति तुरन्त ही दे देगा और ५ बजे तक मैं घर वापस आ सकूंगी। मेहमान ६ बजे आ रहे हैं। स्काट निश्चय ही उनसे पहले आयेगा। वह आज रात को मेजबान बनेगा। फिर फोटो की ओर, अपेक्षाकृत अधिक गम्भीर

दिखायी पड़नेवाले चेहरे की ओर, जो स्काट की प्रकृति के साथ मेल नहीं खाता था, अन्तिम बार देखा—वह उतना रक्ष और दृढ़ निश्चयी नहीं है, जितना फोटो में दिखायी देता है। उसका चेहरा फोटो में दिखायी पड़नेवाले चेहरे की अपेक्षा बहुत अधिक सुन्दर है। वास्तविकता तो यह थी कि महिलाएँ उसके लिए जिस सामान्य विशेषण का प्रयोग करतीं, वह है—'अति मोहक'; उनके ऊपर उसके आकर्षण और उसकी मुस्कान, उसकी लम्बाई, उसके सुन्दर बालों और नीली आँखों का यही प्रभाव पड़ता है, किन्तु रोना ने बिस्तर पर से कम्बलों और चद्दरों को समेटते हुए अपने-आपसे कहा कि मैं जिस चीज को सबसे अधिक पसन्द करती हूँ, वह यह है कि स्काट उन किसी की ओर तनिक भी ध्यान नहीं देता। जब वह पहले-पहल स्काट से मिली थी, तब उसने उसकी ओर भी बहुत ध्यान नहीं देना चाहा था। फिर भी, उसने ध्यान दिया ही। जब वह केटली के उफनते पानी को रोकने के लिए रसोईघर की ओर जल्दी-जल्दी बढ़ी, तब वह मुस्करा रही थी।

नाश्ते के बाद उन दोनों छोटे कमरों की, जिन्हें रोना इतने अधिक अभिमान के साथ "मेरा घर" कह कर पुकारती थी, यथापूर्व सफाई की गयी। (श्रीमती कैस्प्रोविच्ज तीन घण्टे तक सफाई और पालिश करने के लिए देरी से आनेवाली थी। एक डालर प्रति घण्टे के हिसाब से रोना सप्ताह में केवल दो बार ही उससे काम करा सकती थी।) यह एक सादा निवास-स्थान था—भूरे पत्थरों के इस मकान की ऊपरी मंजिल को छोटे-छोटे फ्लैटों के रूप में परिणत कर दिया गया था—किन्तु इसमें की प्रत्येक वस्तु रोना की थी। यह रोना का कार्य था, रोना के विचारों का मूर्त रूप था। निवास-कक्ष की ओर देखते हुए उसने सोचा कि यह एक ऐसी वस्तु है, जिसकी सृष्टि मेरे हाथों से हुई है! और तत्पश्चात् वह सोचने लगी कि स्काट और वह कहाँ रहेंगे और कब, ऐसा ही वह प्रतिदिन कम से कम एक बार सोचा करती थी। शायद इस गर्मी तक वह महसूस करने लगेगा कि उसने काफी रकम बचा ली है। उसने असन्तोषपूर्वक सोचा कि कल रात को जितना खर्च हुआ, उससे उसके बजट में कोई सहायता नहीं मिली, किन्तु वह कर ही क्या सकती थी? क्या वह उसे हल्की-सी फटकार सुनाती? और उसे क्रोधित कर, संध्या के आनन्द को नष्ट करने का खतरा मोल लेती? वह झगड़ालू औरतों अथवा दखलन्दाजी को पसन्द नहीं करता है। वह अपनी भावनाओं का आनन्दोपभोग करना पसन्द करता है, भले ही उनके लिए उसे चालीस डालर व्यय करने पड़ें।

१२

उसने पुनः चिन्ता करना प्रारम्भ कर दिया। चिन्तामुक्त होने के लिए उसने एक पेन्सिल तथा एक कागज उठाया और शाम की दावत के लिए क्या-क्या खरीदना है—सोचने लगी। उसे पटाखों, पनीर के लिए आर्डर अवश्य देना होगा। फूल, भुनी हुई मछलियाँ, जैतून, नींबू और बादाम। थर्ड एवेन्यू पर स्थित बढ़िया खाद्य-सामग्रियों की दूकान से कलेजी की पकौड़ियाँ, सोडा वाटर। स्काट के पिता के लिए स्काच-शराब, निश्चित रूप से लानी होगी। सम्भवतः अन्य व्यक्ति भी उसे अधिक पसन्द करते हों। अन्य व्यक्तियों के लिए मार्टिनिस और सिगरेट! वह सिगरेटों को तो प्रायः भूल ही गयी थी। और क्या?

पार्टी में पहनने के अपने जूतों को मोची के पास अवश्य ही ले जाना होगा तथा टखनों की पट्टियों को ठीक कराना होगा। और धोबी को इस बात की याद दिलानी होगी कि वह उसका 'सिल्क-सूट' साढ़े पाँच बजे तक दे जाये। और क्या—और क्या? श्रीमती कैंस्प्रोविक्ज के लिए एक सूचना, जो सावधानी पूर्वक लिखी होनी चाहिए—धोये और पालिश किये जानेवाले शीशों के सम्बन्ध में कोई गलती न रहने पाये। ओह, और बर्फ...उसे अतिरिक्त बर्फ के लिए अवश्य आर्डर देना होगा।

तत्पश्चात्, वह अपने चारों ओर अन्तिम बार एक नजर देखती हुई छोटे-से कक्ष के भीतर प्रविष्ट हुई। उसने दरवाजे के पास टेलिफोन की मेज पर श्रीमती कैंस्प्रोविक्ज के लिए लिखा गया आदेश रख दिया। उसने मेज के ऊपर टँगे हुए शीशे की ओर देखा, अपने साफ-सुथरे सफेद नाविक हैट के कोण को ठीक किया और अपने चेहरे के साथ अठखेलियाँ करनेवाली पर्दे की डोरी को ठीक किया। उसने ताजा धुले हुए सफेद दस्तानों को पहन लिया, जो उसके जरी का काम की हुई वास्कट के साथ, जिसे उसने भूरे ऊनी सूट के साथ पहन रखा था, मेल खाते थे; अपने मोजों का निरीक्षण किया और द्वार खोल दिया। देहरी पर प्रातःकालीन समाचार-पत्र पड़ा था। वह आठ बजे के नाश्ते के समय पर आ गया था। उसने उसे उठाया, अपने साथ उसे न ले जाने का निश्चय किया और शीर्षकों पर दृष्टिपात किया—'नौसेना का विमान बाल्टिक सागर में अभी तक लापता है' : 'दस नवयुवक जो अपने परिवारों के पास कभी वापस लौटकर नही आयेंगे।'...'न्यूयार्क के जल-संग्रहालयों में पानी का धरातल अभी तक नीचे है'...'वाशिंगटन में और अधिक जाँच-पड़ताल'....'डा० फुख्श का मामला अभी तक चल रहा है, भले ही वह समाप्त हो गया।'....'चिली के राष्ट्रपति के विरुद्ध न्यूयार्क में एक कम्यूनिस्ट प्रदर्शन'....'हैम्बर्ग में पुनः एक बार

नाजी-संकट का सूत्रपात' : 'कब्रों को अपवित्र किया गया'—आदि-आदि !

ज्यों ही उसने अखबार को क्रोधाभिव्यक्ति के साथ मेज पर रखा, त्यों ही टेलिफोन की घण्टी बज उठी। उसे भय था कि आफिस के लिए देर हो जायगी, किन्तु उसने टेलिफोन उठा लिया। वह आशा कर रही थी कि टेलिफोन उसकी बहिन पेगी का है, जिसने यह बताने के लिए टेलिफोन किया है कि बच्चे की बीमारी के कारण अथवा उसकी रखवाली करने के लिए किसी के न मिल सकने के कारण वह और जान पार्टी में नहीं आ सकेंगे; किन्तु उसे स्काट की आवाज में उत्तर मिला—"हलो, प्रिये !" स्काट ने कहना प्रारम्भ किया और वह अपनी समस्त चिन्ताओं को भूल गयी।

स्काट एटली भी पाँच बजे ही जाग पड़ा था। रोना के निवास-स्थान से कुछ ही मकानों की दूरी पर स्थित उसका निवास-स्थान था। ऊपर उड़ते हुए विमान के इंजिन में खराबी का पता लगाने के लिए वह कान लगाकर सुनता रहा और फिर जब वह इस सम्बन्ध में पूर्णतः आश्वस्त हो गया कि वह कई सप्ताहों से हुई विमानों की गर्जना के कारण सिर-दर्द से अपने बिस्तर पर पड़े-पड़े नहीं मरनेवाला है, तब वह विमान-चालक को जोर-जोर से—जितने जोर से उसका दर्द से फटा जाता हुआ सिर अनुमति दे सकता था—गालियाँ देने लगा। उसने कुछ कठिनाई से घड़ी से समय का पता लगाया। हे परमात्मा !....उसने क्रोध-पूर्वक अन्धकार से भरे हुए कमरे की ओर, जीवन की अस्त-व्यस्तता की ओर—इधर-उधर बिखरे हुए कपड़ों, इधर-उधर रखी हुई पुस्तकों, दीवान के सिले हुए खोल की ओर, जिसे उसने कल रात को, नहीं-नही आज प्रातःकाल ही, फाड़ दिया था और उसे फर्श पर अपनी कमीज की बगल में ही छोड़ दिया था—देखा। उसने ठसाठस भरे हुए राखदान को और दूर हटा दिया और तत्पश्चात् चद्दर को सिर पर तान कर सो गया, मानो वह एक अविवाहित व्यक्ति के निवास-स्थान के समस्त आनन्दों को रोक देना चाहता हो।

उसने सोचा कि जागना सदा ही अत्यन्त कष्टदायक होता है। अथवा मैं बूढ़ा होता जा रहा हूँ। उनतीस वर्ष। अब मैं रात्रि-क्लब के वातावरण का और घर की चार-दीवारी का अधिक सेवन नहीं कर सकता। उनतीस वर्ष में ही मैं निर्धनों के सीधे-सादे आनन्दों का परित्याग करने लगा हूँ। चालीस डालर ! आजकल मामूली मनोरंजनों के लिए इतना अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है। चालीस डालर, किन्तु रोना को इसमें बड़ा मजा आया। पिछले सप्ताह हुए झगड़े की उससे सुलह हो गयी। उसमें निश्चय ही दोष मेरा था।

वह इस बात को कभी नहीं कहती, किन्तु वह कह भी सकती है। मैं जानता हूँ कि सारा का सारा दोष मेरा ही था। और, कुछ भी हो, मैं इसे अब क्यों स्वीकार कर रहा हूँ ? क्या केवल इसलिए कि इस भयंकर प्रातःकाल में, जब सारी नींद तिरोहित हो गयी है और यह सिर ऐसे चक्कर खा रहा है, जैसे कोई खाली नाव किसी भँवर में पड़कर चक्कर लगाती है, प्रसन्नता का अन्तिम स्पर्श प्राप्त हो जाये ? वह वेदना से कराह उठा और आँखें बन्द करके फिर लेट गया। चूँकि उसे इस बात का विश्वास था कि नींद चली गयी है, लेकिन वह पुनः धीरे-धीरे आ गयी और वह सो गया !

जब घड़ी का अलार्म बजना बंद हुआ, तब आठ बजने में दस मिनट बाकी थे। उसने महसूस किया कि उसकी हालत थोड़ी-सी अच्छी है, किन्तु उसने पुनः अपने आप से कहा कि जागना सदा ही नरक के समान कष्टदायक होता है। धीरे-धीरे वह उठ बैठा। वह अपने पायजामे के फटे हुए पावों की ओर देखता हुआ अपने बिस्तर की चौखट पर बैठा रहा। फिर वह अपने चप्पलों की तलाश करने लगा, किन्तु वे उसे नहीं मिले और वह नंगे पाँव ही स्नान-घर में चला गया। आइने में अपना प्रतिबिंब देखकर वह और बुरा महसूस करने लगा, किन्तु पानी की एक ठण्डी फुहार से उसकी जान में जान आयी। उसी समय उसे याद आया कि उसे रोना से अवश्य बात करनी है-और उसने तुरन्त फोन उठाया—"हलो प्रिये !" उसने कहना प्रारम्भ किया। और जब वह रोना की आवाज को सुन रहा था, तभी उसने उसके कल रात के रूप के सम्बन्ध में सोचना प्रारम्भ कर दिया—"हलो, सुन्दरी....कल रात कैसी गुजरी—मजा आया ?...मुझे मजा आया कि नहीं ? कल शाम को हमें जितनी खुशी प्राप्त हुई, उतनी खुशी इधर बहुत दिनों से नहीं मिली थी। आओ, हम लोग कुछ और ऐसे ही आयोजन करें। खर्च की पर्वाह मत करो, रोना। हम जीवन का आनन्द ले रहे हैं अथवा हम केवल जी रहे हैं ?" प्रत्युत्तर में उसने रोना की हँसी सुनी और वह इच्छा करने लगा कि काश, वह भी इस समय इसी प्रकार की हँसी हँस सकता। "मेरी मधु !"—उसने कहा—"एक बात यह है कि—आज दोपहर का भोजन मैं तुम्हारे साथ नहीं कर सकूँगा, क्योंकि मुझे नगर से बाहर जाना है....लेकिन हाँ, मैं पार्टी में समय पर पहुँच जाऊंगा। चिन्ता मत करना। दोपहर के भोजन के बारे में मुझे खेद है, यद्यपि...मैं कल रात को ही तुमसे कहने वाला था, किन्तु मैं बहुत अधिक आनन्द-निमग्न था जिससे भूल गया। मुझे माफ करो, प्रिये !"

उसने रिसीवर को रख दिया। और वह मुस्कराने लगा। रोना अत्यन्त आकर्षक थी। पुरुषों के जाल के सम्बन्ध में ओरपेन जो छीटाकशी किया करता था, उसके बावजूद रोना अद्भुत थी। लेकिन निकोलस ओरपेन, रोना, अपने पिता, अपने जीवन की समस्त जटिलताओं का विचार आते ही स्काट एटली के चेहरे पर से मुस्कराहट गायब हो गयी। यह सब उसे निराशा के गर्त्त में ढकेल देने के लिए, टेलिफोन पर रोना की हँसी सुनते समय उसे जो सुख प्राप्त हुआ था, सुख के उस क्षण से उसे दूर कर देने के लिए पर्याप्त था। रोना के सम्बन्ध में ओरपेन की धारणा गलत थी। रोना में सौमनस्य था, रोना समझदार थी। वैवाहिक सुख के लिए एक मात्र सूत्र यह है कि—जिस लड़की को आप चाहते हैं, उसे उसी समय ग्रहण कर लिया जाये, जब उसकी धारणाओं में कोमल टहनी की तरह लोच हो और तब उसे ऐसे सांचे में ढाल दें, जिससे वह जीवन पर्यंत आपकी बनी रहे। अधिकांश चीजों के सम्बन्ध में ओरपेन की धारणाएं सही थीं, किन्तु रोना के सम्बन्ध में वह गलत था। एटली ने दाढ़ी बनायी और सावधानीपूर्वक कपड़े पहनने लगा। उसने गहरे भूरे रंग का एक 'फ्लैनेल सूट', एक नयी सफेद कमीज और एक नेवी सिल्क टाई चुनी। उसने मुस्कराते हुए अपने आप से कहा,—'रूढ़िवादी'! वह अपनी गति और कार्यक्षमता के लिए स्वयं अपनी सराहना करता हुआ नौ बजे से पहले ही घर से रवाना हो गया। (उसे किसी भी हालत में कॉफी के एक प्याले के लिए समय निकालना है—इसके लिए वह आफिस पैदल भी जाने को तैयार है।) उसने दरवाजा बन्द कर दिया और उसमें दोहरा ताला लगा दिया। और वह अस्त-व्यस्त कमरे को, जिसमें कल की कमीज और इधर-उधर बिखरे हुए मोजे और बिछाने की चद्दर अभी तक फर्श पर गन्दी पड़ी थी, उन्हें पीछे छोड़ कर चल पड़ा। मारिजा, जो प्रति दिन सफाई करने के लिए आती थी, आफिस से वापस आने तक सब कुछ व्यवस्थित कर देगी। वह एक शांत प्रकृति की इस्थोनियन औरत थी। वह इतनी भी अंग्रेजी नहीं सीख पायी कि वह नागरिकता के कागज-पत्रों को पढ़ कर समझ सके। वह एक विश्वसनीय औरत थी। ओरपेन ने उसे रखने की सिफारिश की थी, वह उसके पति को जानता था।

जब स्काट एटली गली के नुक्कड़ पर पहुँचा, तब उसने सोचा कि आज रात को मुझे ओरपेन से मिलना ही होगा। सवेरे का वातावरण सर्द और तरोताजा था। मार्ग के दोनों ओर लगाये गये छोटे-छोटे वृक्षों में कलियाँ फूट रही थीं, उनकी काली पतली शाखाएं हरे-हरे पत्तों से ढंकी हुई थीं। वह

कचरा डालने के एक खाली टिन, दूध की दो बोतलों और रस्सी से बंधे हुए एक कुत्ते के निकट से होकर जा रहा था—मुझे ओरपेन से मिलना ही होगा। यह प्रतीक्षा और यह आश्चर्य करते रहना मुझे क्षीणकाय बनाता जा रहा है। आज रात को मैं उससे मिलूँगा।

उसी समय रोना की पार्टी की याद आयी। इसमें कोई संदेह नहीं कि पार्टी के बाद उसके पिता उसको और रोना को रात्रिकालीन भोजन के लिए ले जाने का हठ करेंगे। उसकी बहिन और बहनोई को भी सम्मिलित कर लिया जायेगा। यह उन पारिवारिक संध्याओं में से एक होगी, जिसमें कर्त्तव्य अपना भोंड़ा सिर निकाले ही रहता है। और जब-जब उसके पिता चतुराई के साथ विवाह-संबंधी बातें करते, तब-तब रोना ऐसा अभिनय करती, मानों उसे तनिक भी परेशानी नहीं हो रही है, फिर भी उसके गाल लाल हो जाते और उसकी आंखों को कमरे की दूसरी ओर कोई न कोई आकर्षक वस्तु देखने के लिए मिल जाती। किन्तु विवाह करना, इस समय इतना आसान नहीं था। सम्भवतः धन्यवाद-दिवस तक, सम्भवतः उस समय तक। रोना और छः महीनों तक इन्तजार कर लेगी; वह उसकी है, वह उस पर विश्वास करती है। किसी दिन वह उसके समक्ष स्पष्टीकरण कर देगा और तब उसके समक्ष प्रत्येक बात स्पष्ट हो जायेगी, वह समझ जायेगी। ओरपेन जो कुछ कहता है, उसके बावजूद वे एक साथ सुखी रह सकेंगे।

वह कोने की अखबार की दूकान पर एक क्षण के लिए रुका और प्रातःकालीन पत्रों के शीर्षक पढ़ गया। उसने एक अखबार खरीदने की भी पर्वाह न की। वे ही पुरानी बातें दिन प्रति दिन छपती रहती हैं। और तत्पश्चात् वह श्राफ्ट की दूकान में गया, काउण्टर पर बैठा और तेज कॉफी का प्याला पिया। उसकी नजर उबलते हुए कॉफी-पात्रों के पीछे आइने में पड़ते हुए अपने प्रतिबिंब पर पड़ गयी—एक सुन्दर बालों वाला, हृष्ट-पुष्ट और अच्छे कपड़े पहने व्यक्ति दिखायी दिया। वह समृद्ध दिखायी दे रहा था। वह तीव्र गति से आइने से दूर हट गया, क्लर्क को पैसा चुकाया और चलता बना।

अध्याय–२

रोना मेटफोर्ड साढ़े चार बजे के बाद आफिस से निकल पड़ी।

रोना जब बड़े कमरे के, जहाँ पन्द्रह मेजें और पन्द्रह टाइपराइटर साफ-सुथरी कतारों में पड़े हुए थे, खुले दरवाजे से होकर गुजरी, तभी उसकी ओर कनखियों से देखते हुए नयी टाइपिस्ट ने पूछा—"वह कहाँ जा रही है ?"

इनचार्ज श्रीमती हरशी ने भृकुटि तानकर उस ओर देखा। वह वस्तुकला-विभाग की महत्वपूर्ण टाइपिंग का अधिकांश कार्य करती थी और इसलिए उसने महसूस किया कि उसे रोना का बचाव करना चाहिए। इसके अतिरिक्त वह रोना मेटफोर्ड को चाहती थी और वह उन नयी लड़कियों को, जो तीन सप्ताह तक नौकरी करने के बाद यह सोचने लगती थी कि पत्रिका का संचालन वे ही कर रही हैं, पसन्द नहीं करती थीं। "जब तुम यहाँ नौ वर्षों तक काम कर चुकोगी तथा वस्तुकला-विभाग की सहायक सम्पादिका बन जाओगी और साढ़े चार बजे ही अपना काम पूरा कर लेने का ढंग सीख जाओगी, तब इसमें सन्देह नहीं कि जब कभी तुम कोई कॉकटेल पार्टी दोगी, तब श्री बर्नेट तुम्हें भी जल्दी चले जाने की आज्ञा दे देंगे।"

"नौ वर्ष ! हे भगवान !"—नयी टाइपिस्ट ने नफरत के साथ कहा—"और अभी तक उसका विवाह भी नहीं हुआ है !"

कुमारी गट्टमैन ने फाइलिंग कैबिनेट से नजर ऊपर उठायी—"हम अपने से प्रस्ताव करने वाले पहले ही व्यक्ति को पकड़ने के लिए नहीं दौड़ पड़तीं।" वह श्रीमती हरशी की ओर तनिक मुस्करा कर अपनी डेस्क पर वापस लौट आयी। वे दोनों पुरानी कर्मचारिणियाँ थीं, जो कुमारी पर्ट को अपने स्थान पर रख रही थीं। फिर भी रोना मेटफोर्ड के सम्बन्ध में बात करते हुए उसने कहा ..."अनुमान से बताओ कि आज मैंने सड़क पर किसको देखा था ?"

श्रीमती हरशी नहीं बता सकीं।

"पाल हैन ! उसने मुझे नहीं देखा...टाइयों से भरी हुई एक दूकान में, टाइयों के चुनाव में अत्यन्त व्यस्त था।"

श्रीमती हरशी इतना अधिक प्रभावित हुईं कि उसने अपना काम रोक दिया, भले ही इस कारण यहाँ देर तक रुकना पड़े। "पाल हैन, न्यूयार्क में ? अच्छा !"

"मैंने ऐसी अफवाहें सुनी थीं कि पत्रिका का संचालक चाहता है कि वह यहाँ वापस आ जाये।"

"अफवाहें तो बहुत-सी सुनी गयी हैं; किन्तु क्या वह आयेगा ?"

कुमारी गट्टमैन ने अपने पतले कन्धे हिलाये। "वह वर्दी में था, जनरल या कुछ ऐसा ही, सम्भवतः वह सेना में कार्य करता है।"

"यहाँ वह दुविधा में पड़ सकता है।"—श्रीमती हरशी ने कहा—"मेरे कहने का मतलब यह है कि रोना मेटफोर्ड और उन सारी बातों के कारण उसे तकलीफ हो सकती है।"

"वह बहुत पहले भूल चुका है। वह ऐसा आदमी नहीं है कि किसी खंडित मंगनी से अपने को चिन्तित करे। कुछ भी हो, क्या इसी कारण से उसने वह मंगनी नहीं तोड़ी थी—यूरोप की वे सारी स्त्रियाँ ?"

"ओह, जितनी बातें सुनते हैं, उन सभी पर विश्वास नहीं किया जा सकता।"—श्रीमती हरशी ने समभाव से कहा—"यदि लड़कियाँ उसे चाहती थीं, तो इसमें उसका क्या कसूर।" उसने सिर हिलाया, मुख पर आयी एक भूरी लट को यथास्थान किया और उसका गोल सफेद चेहरा दुखपूर्ण दिखायी पड़ने लगा। जब रोना मेटफोर्ड और पाल हैन ने अपनी मंगनी तोड़ दी थी, तब उसे दुख हुआ था; क्योंकि उसने यहाँ इस आफिस में ही उनके प्रेम का उपक्रम देखा था, जीवन को प्रकाशमान करने के लिए रोमान्स के संस्पर्श जैसी कोई वस्तु नहीं थी और वे एक साथ इतने अच्छे, बिल्कुल ठीक, दिखायी पड़ते थे, मानों वे श्रीमती हरशी को कभी निराश नहीं करेंगे।

"वह सभी पुरुषों के समान ही एक है"—कुमारी गट्टमैन ने निराश हो कहा। उसने अपनी साफ-सुथरी शक्ल को तथा उसके सर्वोत्तम काले सूट को देखा और फिर सावधानी के साथ रखे अपने हाथों को सराहा। उसने निर्णय किया कि कुछ भी हो, बिना अंगूठी के वे अधिक अच्छे दिखाई देते हैं। अकस्मात् उसने कहा—

"मेरा विचार है कि मैं सफेद कशीदे काढ़ा हुआ, एक वास्कट, खरीदूँगी। आश्चर्य है कि आज जो वास्कट उसने पहन रखा है उसे उसने कहाँ खरीदा। सफेदी लिये हुए। इस वसन्त ऋतु में यही एक नयी चीज है।"

"धुलाई बहुत अधिक की जाती है।" श्रीमती हरशी ने कहा। फिर उसे अचानक इस बात का ख्याल आया कि आज रात को अपने पोते की देख-भाल करनी हैं, अतः वह और अधिक समय नहीं बरबाद कर सकती। और उसकी

सुदक्ष अंगुलियाँ बिजली के टाइपराइटर पर नाचने लगीं। "मेरा पुत्र और पुत्र-वधू आज 'साउथ पैसिफिक' देखने जा रहे हैं!" घड़ी पर आँखें गड़ाये हुए, उसने कहा।

"और मैने आज रात को 'काकटेल पार्टी' के लिए स्थान सुरक्षित कराये हैं," कुमारी गट्टमैन ने भी अचानक घड़ी की ओर देखा—"लोग कहते हैं कि यह अच्छी है।" और उसने भी टाइप करना प्रारम्भ कर दिया।

'पुरानी हमजोलियां' नयी टाइपिस्ट ने विनम्रतापूर्वक सोचा। किन्तु वह निराशा अनुभव कर रही थी; क्योंकि जिस समय उसने अपने मित्रों से कहा कि मैं एक सेक्रेटरी बनने जा रही हूँ, उस समय उसने जो कल्पना की थी, उसकी अपेक्षा तीन सप्ताह की टाईपिंग और 'शार्ट हैंड' का काम अधिक मालूम हुआ था और उसमें तड़क-भड़क कम थी। उसने इन सब पत्रों को—शुष्कतम, तनिक भी महत्व न रखनेवाले नितान्त मूर्खतापूर्ण पत्रों को अपने ऊपर लाद देने के कारण श्रीमती हरशी की ओर अवहेलना पूर्ण दृष्टि से देखा और उसे यह देख कर और भी विस्मय हुआ कि श्रीमती हरशी उसकी मेज की ओर ही देख रही है।

किन्तु श्रीमती हरशी नौ वर्ष पहले के उस प्रातःकाल का स्मरण कर रही थी, जब उसने एक काले बालों और बड़ी-बड़ी भूरी आँखों वाली लड़की को उस डेस्क की ओर इंगित किया था—"रोना मेटफोर्ड।" उस लड़की ने परेशानी के साथ कहा था—"मैं रोना मेटफोर्ड हूँ।" उस समय उसकी उम्र सत्रह वर्ष की थी और वह सीधे हाई स्कूल से आयी थी। वह उन कालेज-स्नातकों की अपेक्षा जो आजकल किसी पत्रिका में काम करना चाहते हैं, सीखने के लिए अधिक लालायित थी। श्रीमती हरशी ने नयी लड़की की ओर कठोर दृष्टि से देखा। (उसे जाना ही होगा। आलसी, अकुशल, अपनी समस्त कठिनाइयों के लिए दूसरे व्यक्तियों को दोष देने वाली। मानो हम अपनी अधिकांश कठिनाइयों को स्वयं नहीं अर्जित करते, दुख की बात है कि कालेज में उसे इस बात की शिक्षा नहीं दी गयी।) तत्पश्चात् वह अपना ध्यान हटाकर उस अन्तिम पत्र की ओर ले गयी, जिसे अभी टाइप करना था। तब उसने कागज के एक पन्ने, कारबन और दूसरे पन्ने को सफाई के साथ यथास्थान रखा और लालित्यपूर्ण ढंग से मुद्रित शीर्षक—"ट्रेण्ड: एक जीविकोपयोगी पत्रिका" के साथ सुदक्षतापूर्वक मेल बिठाते हुए तारीख को टाइप किया। श्रीमती हरशी को 'ट्रेण्ड' में काम करते हुए पन्द्रह वर्ष हो गये; किन्तु वह इस बात का ठीक-ठीक निर्णय कभी नहीं कर पायी कि

वास्तव में इसका अर्थ क्या था ? सम्भवतः यही कारण था कि इतने अधिक लोग, केवल यह जानने के प्रयास में ही उसे खरीदते थे।

"मैं पर्वाह नहीं करती।"— कुमारी गट्टमैन ने अपना सुनहले बालों वाला सिर श्रीमती हरशी की ओर घुमा कर कहा—"मैं सफेद कशीदों वाली एक वास्कट खरीदने ही जा रही हूँ।"

श्रीमती हरशी ने शांत करने की मुद्रा में सिर हिलाया, पत्र के एक शब्द पर भौंहे टेढ़ी की और टाइप करती रही।

जिस सफेद कशीदे वाली वास्कट ने कुमारी गट्टमैन की ईर्ष्या जागृत कर दी थी, वह अब 'एलिवेटर' से बाहर निकल रही थी और जल्दी-जल्दी प्रकोष्ठ से बाहर निकलने वाले पुरुषों में किंचित भिन्न प्रकार की भावनाएं जागृत कर रही थी।

एलिवेटर-आपरेटर जो जमैका में व्यतीत किये गये सोमवार के सम्बंध में उस कहानी को समाप्त कर रहा था, जिसे उसने तेईसवीं मंजिल पर प्रारम्भ किया था। "एक पर पचास। और हवा की तरह दौड़ा।"

"तो इससे भाड़ा चुकता हो गया ?" रोना ने मुस्कराते हुए पूछा।

"अवश्य। बिल्कुल, भाड़ा चुकता हो गया।" वह मुस्कराया और बोला—'इसी सप्ताह !"

"नमस्कार, जो।" इसके पूर्व कि वह इस अपरिहार्य वाक्य को जोड़ सके कि उसका जीवन आरोह-अवरोहों की श्रृंखला मात्र है, रोना एलिवेटरों की पंक्ति के बगल से होकर जल्दी-जल्दी प्रवेश-द्वार की ओर बढ़ गयी।

"नमस्कार, कुमारी मेटफोर्ड।" — जो का स्वर हास्य से वंचित प्रतीत हो रहा था, किन्तु प्रायः आधे घंटे में ही उसे ऊपरी मंजिलों से नीचे आने वाले अनेक ग्राहक मिलेंगे। वह उन सभी को जानता है, उन्हें आते और जाते हुए देख चुका है। उनमें से ऐसे व्यक्ति बहुत नहीं हैं, जो यह कह सकें कि वे इस बिल्डिंग में इक्कीस वर्षों से काम कर रहे हैं। कुमारी मेटफोर्ड शीघ्र ही प्रस्थान कर रही थीं—तभी उन लोगों ने कहा—सुन्दर बालों और नीली आँखों वाले 'उस' नवयुवक से उसकी मंगनी हो गयी है, किन्तु आज रात वह यहाँ नीचे प्रकोष्ठ में उसकी प्रतीक्षा नहीं कर रहा था। वह भी उसके वहाँ होने की आशा नहीं कर रही थी; क्योंकि वह बड़े 'स्विंग' द्वारों से होकर उस कॉफी की दूकान की बगल से, जहाँ वे सामान्यतः मिला करते थे, पांचवीं सड़क पर जा रही थी।

रोना जल्दी-जल्दी चलती हुई, पार्श्व मार्ग की दायीं ओर मैडिसन की दिशा

में पूर्व की ओर मुड़ी, जिससे यह सिद्ध होता था कि अब वह न्यूयार्क की पुरानी निवासिनी हो गयी है। आज रात तो उसने पूरी सड़क पर छोटी-छोटी दूकानों में आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किये गये हैटों, वस्त्रों, टाइयों और कमीजों तथा पुस्तकों और शीशे के सामानों की ओर भी नहीं देखा। मैडिसन एवेन्यू पर, जो व्यस्त और पाँचवी एवेन्यू की अपेक्षा कम औपचारिक है किन्तु जिसमें अपना निजी लालित्य है और जो अति व्यय-साध्य दिखायी देती है, उसे 'ट्रैफिक सिगनल' के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ी। और सड़क पर ऊंचे-नीचे विभिन्न रंगों के प्रकाशों और छायाओं की ओर देखते हुए इतने ऊँचे और नीले वसन्तकालीन संध्या के आकाश की ओर देखते हुए गगनचुम्बी अट्टालिकाओं को इतने सराहनीय ढंग से संतुलित करने वाले सफेद बादलों की ओर देखते हुए वह पुनः अपने नगर के प्रेम में फँस गयी। प्रत्येक संध्या को मैडिसन और पूर्वी ५४वीं सड़क पर प्रतीक्षा करते हुए वह आकाश की ओर, फिर बिल्डिगों की ओर और फिर बसों, टैक्सियों और लोगों की ओर देखा करती और तब उसकी आत्मा उत्थित हो जाती, चाहे वह उस शाम कितनी भी थकी हुई, परेशान अथवा चिन्तित क्यों न हो। आज वह प्रसन्न और उत्तेजित है, जिससे अब उसका मन गाने को कर रहा था। उच्च स्वर में गाते हुए सड़क के पार प्रसन्नतापूर्वक फुदकने की कल्पना करके वह मुस्करा पड़ी। उसकी बगल में खड़ी औरत ने, जो सफेद-नीली 'मिंक' ओढ़नी कन्धों पर डाले हुए थी और गुलाब के फूलों के आधिक्य के नीचे, जिसका चेहरा अभिव्यक्ति-हीन दिखायी देता था, रोना की ओर उत्सुकतापूर्ण दृष्टि से एक क्षण के लिए देखा। उन दोनों का निरीक्षण करने वाले एक व्यक्ति ने अपने विचारों को अपने तक ही सीमित रखा। और तत्पश्चात् ट्रैफिक सिगनल का रंग बदल कर हरा हो गया, बसें और टैक्सियां पंक्ति-बद्ध होकर खड़ी हो गयीं और उन तीनों ने, जिनका ध्यान अब केवल अपने निजी कार्य पर ही केन्द्रित था, शीघ्रता के साथ, कौशल के साथ मैडिसन को पार किया।

रोना मैडिसन पर कुछ आगे चली जिससे वह देख सके कि नयी बिल्डिग कैसे बन रही है। ऐसे प्रत्येक व्यक्ति की भाँति, जो नगर में कुछ वर्षों तक रह चुका है, वह भी पुरानी बिल्डिगों के गिराये जाने और नयी बिल्डिगों के निर्माण में मालिकाना रुचि लेती थी। अभी कुछ महीने पहले ही 'बुलडोजर' इस स्थान के मलबे को हटा रहे थे। तत्पश्चात् छड़ों को नींव के लिए गहराई तक धँसाया जा रहा था, इस्पात के गाटरों का ऊपर उठना प्रारम्भ हो गया था, कंकरीट को जमा दिया गया था। अब इस्पात और कंक-

रीट के सम्मिश्रण से निर्मित बिल्डिंग आकाश को छूती जा रही थी और वह विशाल खुला स्थान, जहां 'बुलडोजरों' ने काम किया था, अब अपनी संरक्षणात्मक प्राचीर के पीछे एक काली और खोखली निचली मंजिल के रूप में परिणत हो गया था। वहां बिजली की बत्तियों के प्रकाश में मनों सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था, किन्तु मजदूरों के लिए यह अस्तव्यस्तता भी सुव्यस्थित प्रतीत हो रही थी। महीने-दो महीने बाद ही इस सब कुछ का, धूलि के अन्तिम कण तक का निशान मिट जायेगा। और निचली मंजिल में शौकीन वस्त्र, पोर्सिलिन और शीशे, सुन्दर-आकर्षक हैट, और बहुमूल्य जवाहरात को सुकोमल हल्के रंगों में, पालिश किये हुए शीशों और मोटी कालीनों की पृष्ठभूमि में प्रदर्शित कर दिया जायगा। रोना ने सोचा कि यह आधुनिक जादू है और लकड़ी की प्राचीर में बनाये गये अनघड़ प्रवेश-द्वार में खड़ी होकर वह एक बिजली-कारीगर को एक अपूर्ण स्तम्भ में बाहर से दिखायी देने वाली सीसे की पाइपिंग की लम्बी-लम्बी छड़ों पर काम करते हुए देखती रही। बिजली-कारीगर को कार्य-रत देखते हुए उसे उसी प्रकार के संकट का अनुभव हो रहा था, जिस प्रकार के आतंक का अनुभव सिण्ड्रेला ने वृद्ध महिला को उसकी छड़ी के साथ देख कर किया था।

किन्तु अधिक अच्छी तरह से देखने के लिए—यद्यपि, निश्चय ही, आज रात उसे एक मिनट से अधिक नहीं व्यतीत करना चाहिए—और मलबे को साफ कर एक 'ट्रक' पर लादने वाले मजदूरों के मार्ग में न आने के लिए वह लकड़ी के अस्थायी प्रवेश-द्वार से और आगे बढ़ गयी और चहारदीवारी में निरीक्षकों के लिए काट कर बनाये गये वर्गाकार छेदों में से एक छेद को देखने लगी। उसकी बगल में, एक छोटा बालक एक दूसरे वर्गाकार छेद में से, जो उदारतापूर्वक तीन फुट की ऊंचाई पर ही बनाया गया था, उसे दूर हटाने के लिए उसकी मां द्वारा किये जाने वाले समस्त प्रयासों का प्रतिरोध करते हुए, देख रहा था। उसकी माँ कह रही थी—"लेकिन, बिली, हम इसे देख चुके हैं! और आदमी अब जा रहे हैं। वे लगभग सभी जा चुके हैं।" यह बात सच थी, यद्यपि अत्यन्त छोटा निरीक्षक इस बात पर विश्वास करना नहीं चाहता था। अथवा सम्भवतः विशाल निचली मंजिल, जिसे अभी तक कमरों के रूप में विभक्त नहीं किया गया, अपने आकार द्वारा उसे आकृष्ट कर रही थी। वह और भी अधिक विशाल इस लिए प्रतीत हो रही थी कि अतिरिक्त समय में काम करने में व्यस्त केवल थोड़े-से व्यक्ति ही रह गये थे, जो उसके सूनेपन को

बढ़ा रहे थे। "मैं ठीक इसी प्रकार के भवन का निर्माण करूंगा !"—छोटे बालक ने कहा और घर की ओर दौड़ा और घर पहुँच कर तुरन्त इस कार्य के प्रारम्भ करने का निश्चय किया। उसकी मां उसके पीछे-पीछे दौड़ी।

रोना ने सोचा कि मेरे चलने का भी समय हो गया है और वह मुड़ पड़ी। एक लम्बा वर्दीधारी व्यक्ति उसे संकीर्ण पार्श्व-मार्ग से गुजरने देने के लिए बगल में हट गया। अभी वह गुजर ही रही थी कि उसकी बांह अचानक पकड़कर उस आदमी ने उसे पीछे खींच लिया। विस्मित होकर उसने उसकी ओर देखा जिसके बाल काले ओर भौंहें घनी थीं, जिसका चेहरा सुन्दर दिखायी देने वाले चेहरे की अपेक्षा अधिक सुन्दर था, जिसके सौम्य मुखमंडल पर मुस्कान थिरक रही थी, जिसकी गम्भीर भूरी आँखें अब अपना आश्चर्य खोती जा रही थीं—"रोना !" उसने कहा—"रोना...!"

वह उसकी ओर घूर कर देखती हुई खड़ी रही। उसने अपना मुँह आधा खोला। अन्ततोगत्वा जब वह बोली, तब उसका स्वर अविश्वास से भरा हुआ था—"पाल हैन !"

वे पार्श्व-मार्ग को अवरुद्ध किये हुए वहां खड़े रहे। फिर उसने उसकी बांह छोड़ दी। "देखो !"—उसने मुस्कराते हुए कहा—"अच्छा तो यह है कि हम लोग मार्ग अवरुद्ध करने के आरोप में गिरफ्तार किये जाने से पहले ही यहां से हट जायें।" इसमें एक मिनट लगा, ऐसा एक मिनट, जिसमें उन्हें पुनः स्वस्थ होने को थोड़ा समय मिल गया, ऐसा एक मिनट, जिसने उनके स्वरों की समस्त स्वाभाविकता को छीन लिया और उन्हें अकस्मात् आत्मचेता बना दिया।

"मैं आश्चर्य कर रहा था कि कौन है वह लड़की !" उसने कहना प्रारंभ किया और वह उसकी ओर देखने लगी। वह सोच रही थी, उसमें तनिक भी परिवर्तन नहीं हुआ है, वही पहले जैसा पाल, जब वह मुस्कराता है, उस समय को छोड़कर यह दिखायी देता है, किन्तु यह वही पहले जैसा पाल है, जो कह रहा है कि कौन है यह लड़की ! उसने लड़की की ओर देखा और पुनः कहने लगा—"जिस लड़की में एक बढ़िया काम की सराहना करने की पर्याप्त बुद्धि है।" उसने यह बात सीधे-सादे ढंग से कही और वह अपने आप में लज्जा से सिकुड़ गयी। उसने बहुधा इस मुलाकात की कल्पना की थी और वह इससे डरती थी। अब यह मुलाकात यहाँ हो गयी है तब उन आशंकाओं के लिए अब कोई कारण ही नहीं रहा। प्रथम क्षण में—हां, वह एक आश्चर्य ही था

किन्तु अब—उसने अपने आप से कहा कि अब हम केवल मित्र रहेंगे, सब कुछ समाप्त हो चुका है और हम केवल मित्र हैं।

वह उसके स्वागत मे हृदय से मुस्करा पड़ी और बोली—"मुझे तुम्हें देख कर प्रसन्नता हुई पाल। तुम स्वस्थ दिखायी दे रहे हो। और अत्यन्त प्रतिभाशाली!"

"ओह, ऐसी बात है!" उसने अपनी वर्दी की ओर देखा—"मेरे पुराने कपड़ों में से कोई भी ठीक नहीं बैठता और नये सूटों में परिवर्तन की आवश्यकता है। कुछ दिनों बाद ही मैं अपेक्षाकृत कम विचित्र दिखायी देने लगूंगा।"

"क्या तुम सेना से मुक्त हो रहे हो?" उसने आश्चर्य-चकित हो पूछा।

"तो क्या तुमने ऐसी आशा की थी कि मैं सदा सेना में ही बना रहूँगा, क्या ऐसी ही बात है?"

"दिखायी तो ऐसा ही देता है!"—उसने कहा।

उसने सड़क के पार उन छोटे चुस्त मदिरालयों में से एक की ओर देखा।

"आओ, थोड़ा-सा पी लें और मुझे यहाँ के हालात कहो। यहां के प्रत्येक व्यक्ति के साथ मेरा सम्पर्क प्रायः समाप्त हो गया है।"

"मुझे खेद है कि मैं ऐसा नही कर सकती। मुझे देर हो रही है। मुझे जल्दी ही घर पहुँचना है।"

"क्या अब भी उसी के साथ रह रही हो—क्या नाम था उसका?"

"मोली एण्डर्स? ओह, नही, उसने तो विवाह कर लिया है।" रोना परेशानी महसूस करने लगी, किन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि पाल हैन ने उसे देखा नहीं। इसके लिए वह कृतज्ञ थी। हां, पाल ने रोना के बारे में सोचा, क्योंकि वह उसकी पुरानी दोस्त थी। जब उसने उसे अन्तिम बार देखा था, उसके बाद से पाल को सम्भवतः इतनी अधिक लड़कियां मिली थीं कि वह भूतकाल का एक धुधला-सा अंश मात्र ही रह गयी थी। तत्पश्चात् वह अपने आप पर मुस्करा पड़ी, क्योंकि वह उस वर्णन को बहुत अधिक पसन्द नहीं करती थी; किन्तु कम से कम, यह एक सुखद रूप से सुरक्षित स्थिति थी। उसने अपना हाथ बढ़ाया—"नमस्कार, पाल। मुझे जाना ही होगा।"

वह उसका हाथ थामे हुए कहता रहा—"थोड़ा तरस खाओ, रोना! मैं सारा दिन न्यूयार्क में चक्कर लगाता रहा हूँ। मैंने केवल अपने दर्जी, कुछ क्लर्कों और 'वेटरों', तथा टैक्सी-ड्राइवरों से ही बात की है। क्या तुम आज

रात थोड़ी देर से नहीं जा सकती ?...नहीं ?" उसने उसका हाथ छोड़ दिया।

"बहुत अच्छा !"—उसने मुस्कराते हुए कहा, "मैं तुम्हारे साथ-साथ चलूंगा। क्या यह ठीक रहेगा ?"

"अवश्य। वह दूर नहीं है। मैं नगर में थोड़े से ब्लाकों को छोड़ कर ही रहती हूँ।" उसने जल्दी-जल्दी चलना शुरू कर दिया और वह उसके साथ चलने लगा। "मुझसे मिलने के लिए कुछ लोग आने वाले हैं।"—उसने स्पष्टीकरण किया—"और उनके लिए मुझे सब चीजें तैयार रखनी हैं।" एक क्षण के लिए उसके मन में आया कि वह उससे भी घर चलने के लिए कहे, वह वहाँ लगभग प्रत्येक व्यक्ति को जान जायेगा। तत्पश्चात् उसने इसके विरुद्ध निर्णय किया और बदले में पूछा—"क्या तुम पुराने परिचितों में से अधिकांश लोगों से मिल चुके ?"

"मैं आज सवेरे ही आया हूँ।"

"क्या तुम्हारा मतलब है कि न्यूयार्क में तुम्हारा आज पहला दिन है ? कितने दिनों बाद ?"

"१९४५ के बाद"—उसने स्वीकार किया– "उस समय मैं यहाँ छुट्टी पर आया हुआ था, किन्तु मैंने उसका अधिकांश समय कोलोरेडो में ही व्यतीत किया। ठीक-ठीक कहूँ, तो मैं १९४२ से न्यूयार्क में नहीं आया हूँ। यह एक विचित्र अनुभूति है। मैं अपने पुराने मकान को देखने के लिए आज वाशिंगटन स्क्वेयर गया था। वह अब नही रहा—केवल एक बड़ी-सी खाली जगह है और अनेक 'बुलडोजर' वहाँ आ गये हैं। और वह बिल्डिंग, जिसको तुम देख रही थी, वहाँ क्या था ? मैं याद करने की कोशिश कर ही रहा था कि तभी तुम प्रायः मेरी बगल से होकर गुजर गयी।"

"यह एक 'गैलरी' थी जहाँ कला-संग्रह और कला की वस्तुएं रखी जाती थीं। आया याद ?

"और अब वह कहाँ है ?"

"नगर के ऊपरी भाग में चला गया है। नगर अब ऊपरी भाग की ओर फैल रहा है।"

"ऐसा ही मैंने देखा। ऊनसठवीं सड़क पर अब ट्राली कारें नहीं दिखायी देतीं, पार्क एवेन्यू पर व्यावसायिक कार्यालय हो गये हैं, ईस्ट नदी पर संयुक्त-राष्ट्र संघ का ऊंचा भवन खड़ा हो गया है और रेडियो सिटी एक सम्माननीय मध्य युग में प्रवेश कर रहा है।"

"तुम्हारे लिए यह अवश्य ही एक भयानक स्वागत रहा होगा।"

उसने स्वीकार करते हुए कहा—"यह सोचने के लिए कि जब मैं बाहर था, तब प्रत्येक वस्तु अपने स्थान पर निश्चल खड़ी रही, मुझे यही मिल रहा है, किन्तु वास्तव में यह भयानक की अपेक्षा अधिक उत्तेजनादायक है। लोगों को निर्माण-कार्य में लीन देखना अच्छा है। उनमें विश्वास की भावना देखना अच्छा।"

"मैं यही सोचती रहती हूँ।"—उसने उत्सुकतापूर्वक कहा—"किन्तु कुछ व्यक्ति देश के उन्माद-ग्रस्त होने के सम्बन्ध में बातें करते रहते हैं—बम, जासूस और वे सारी बातें। और मै नहीं समझ पाती कि यदि वे अपनी आँखों से अपने चारों ओर देखें, तो वे इस पर कैसे विश्वास कर सकते हैं। हम सभी परेशानी में हो सकते हैं। किन्तु उन्माद-ग्रस्त होने पर आप में इस प्रकार का विश्वास नही आ सकता—हो सकता है क्या?"

उसने सेण्ट्रल पार्क के चिड़ियाघर से लौटती हुई बच्चा-गाड़ियों और तीन पहियों वाली साइकिलों के, जिन पर गुब्बारे फहरा रहे थे, एक समूह से बचते हुए उसे सुरक्षित रूप से पार्क एवेन्यू की दोहरी चौड़ाई को पार कराया और एक अपेक्षाकृत अधिक शान्त पार्श्व-मार्ग से होकर लेक्सिंगटन के 'नियनसाइनों' तक ले गया। "आज कल तुम बहुत गम्भीर हो गयी हो।"—उसने मुस्कराहट के साथ उसके चेहरे की ओर देखते हुए कहा।

"पूर्ण रूप से नहीं, मुझे ऐसी आशा है।"—उसने भी मुस्कराकर उत्तर दिया। "कुछ भी हो", उसने उसे याद दिलायी, "जब तुमने मुझे अन्तिम बार देखा था, तब मेरी उम्र केवल अठारह वर्ष की थी। वह ठीक-ठीक गम्भीरता की उम्र नहीं थी।"

"यदि तुम जानना चाहती हो, तो मैं तो यही कहूँगा कि तुम अब भी बिल्कुल वैसी ही दिखायी देती हो। यदि हैट न होता, तो मैं तुम्हें तुरन्त पहचान लेता। क्या अब तुम इसे अपने सिर के पीछे नहीं रखती! और यह पर्दा किसलिए है? धोखा देने के लिए?"—किन्तु उसके स्वर में आदर की भावना निहित थी और रोना ने अप्रत्याशित रूप से प्रसन्नता का अनुभव किया। फिर उसने उसकी ओर देखा—वह अभी तक मुस्करा रही थी, किन्तु उसने कहा कुछ नहीं। वह बहुत अधिक उम्र का प्रतीत हो रहा था, जितना उसे नहीं होना चाहिए, उससे बहुत अधिक उम्र का, किन्तु वह उसे यह बात कह नहीं सकी। वह प्रत्येक वस्तु को, सड़क पर प्रत्येक व्यक्ति को एक नजर देख लेता था, न कि केवल सुन्दरतम लड़कियों को। वह—उसे शब्द के सम्बन्ध में पूर्ण निश्चय

नहीं था—सम्भवतः, सक्षम प्रतीत होता था। सक्षम और विश्वसनीय। वह प्रायः हँस पड़ी। उसने सोचा कि सम्भवतः इसका कारण वर्दी ही है। भूतकाल में पाल हैन अपने आकर्षण के लिए प्रसिद्ध था, किन्तु विश्वसनीय? चतुर और अस्थिर, लोग उसके सम्बन्ध में कहा करते थे: उसके लिए जीवन अत्यन्त निष्कण्टक था। सम्भवतः अब भी वह ऐसा ही है।

उसकी भूरी आँखें उसका निरीक्षण कर रही थीं। उनमें प्रसन्नता की झलक अवगत हो रही थी।

"क्या निर्णय हुआ?"—उसने पूछा।

उसके गालों पर तनिक सुर्खी आ गयी। "तुम में—तुम में अन्तर आ गया है।"—उसने लड़खड़ाते हुए कहा।

"यह बुरा है या अच्छा?"

उसका रंग गहरा हो गया। वह खुलकर हँस पड़ी—"मुझे मालूम नहीं।"

"नहीं!"—उसने कहा और वह पुनः गम्भीर हो गया। वह रुक गया। तत्पश्चात् उसने अचानक कहा—"मैंने १९४५ में सुना था कि तुम्हारा विवाह हो गया। नौसेना के एक व्यक्ति के साथ।"

"वह केवल गप थी, पाल। किन्तु अब मैं विवाह करने जा रही हूँ।"—उसने अपने बायें हाथ पर से दस्ताना हटाया और कहा—"यह रही!"

"अत्यन्त सुन्दर।"—उसने अँगूठी की ओर देखते हुए कहा और तत्पश्चात् भीड़ से भरे हुए लेक्सिंगटन पर वाहनों के समूह के बीच से उसे निकालते हुए उसने कहा—"और क्या वह भी सुन्दर...?"

"अवश्य!"

"वह अवश्य ही एक अच्छा व्यक्ति होगा!"

"क्यों?"

"क्योंकि जब तुम उसके सम्बन्ध में बात करती हो, तब तुम्हारे चेहरे पर चमक आ जाती है।"

"वह एक अनोखा व्यक्ति है।" उसने कमनीयतापूर्वक कहा।

पाल हैन एक 'क्लीनर' की दूकान की ओर दिलचस्पी से देखने लगा। तत्पश्चात् उसने कहा—"मुझे प्रसन्नता है, रोना!"

उसे स्काट की अँगूठी दिखाते समय वह जिस सीधे-सादे ढंग से बोली थी, उसी सीधे सादे लहजे में उसने कहा—"मुझे इस बात की खुशी है कि तुम खुश हो, पाल।" और इस कथन के साथ उसने उन दोनों के भूतकाल को पूर्णरूप से

भुला-सा दिया।

"'ट्रेण्ड' में तुम्हारा काम कैसे चल रहा है?"—उसने अकस्मात् पूछा। "मैंने सुना है कि वास्तुकला विभाग का संचालन वस्तुतः तुम्हीं कर रही हो। यह तुम्हारे लिए अच्छा है।"

"यह तो और भी गप्प है। मैं श्री बर्नेट की एक सहायिका मात्र हूँ। एक बार जब वह किसी कमरे की बनावट के सम्बन्ध में निर्णय कर लेते हैं, तब मैं कल्पना करती हूँ कि कमरे में क्या क्या रखा जाना चाहिए। तुम देखते हो, मैं अभी पूर्ण रूप से योग्य नहीं हो पायी हूँ।"

"तुम्हारा आशय है, एक वास्तुकलाकार के रूप में?"—उसे आश्चर्य हुआ—"अब भी उस विचार के पीछे चल रही हो? तो तुम्हें कालेज की डिग्री मिल गयी?"

"हाँ, मैंने डिग्री प्राप्त कर ली। अंशकालिक कार्य और रात्रिकालीन वर्ग में पढ़कर।"

"मेरा ख्याल है कि 'वासर' जितना मजा नहीं आया होगा।"

"नहीं।"—वह मुस्करा पड़ी—"फिर भी, स्थिति ऐसी थी कि वैसा किये बिना कुछ नहीं होता!" वह उनके सामने स्थित भूरे पत्थर के शान्त मकान की ओर देखती हुई रुक गयी। उसने सबसे ऊपर की मंजिल पर हरी खिड़कियों की ओर संकेत करते हुए कहा—"मेरा निवास-स्थान। अब मुझे जल्दी जाकर पागल की तरह भोजन-सामग्री को यथास्थान रखना प्रारम्भ करना होगा।"

"मुझे खेद है कि मैंने तुम्हें इतनी देर करा दी, किन्तु तुमसे पुनः मिलकर बड़ी खुशी हुई।" उसने अपना हाथ बढ़ाया और उसका हाथ पकड़ लिया।

"इस नगर के सम्बन्ध में यही एक विचित्र बात है—कि किस अप्रत्याशित रूप से लोगों से मुलाकात हो जाती है।"

"हाँ। अब मुझे वास्तव में ज्ञात हो गया कि मैं न्यूयार्क में वापस लौट आया हूँ।"

उसने सुपरिचित सड़क की ओर देखा और इसे उस रूप में देखा, जिस रूप में वह उसे प्रतीत होगी : मकानों की एक सघन शृंखला, व्यस्त वातावरण फिर भी एकाकी, अजनबी व्यक्ति जल्दी-जल्दी अपने घरों को जाते हुए। उसने आकस्मिक प्रेरणा से कहा—"पाल, तुम पार्टी में क्यों नहीं आते? जान टाइसन भी आयेगा।"

"जान?"—उसे पुनः इस नाम को सुन कर प्रसन्नता हुई—"और जान

कैसा है ?"

"उसने 'पेग्गी'--मेरी बहन से ब्याह कर लिया था, याद है न ? वह कोलम्बिया विश्वविद्यालय में इतिहास पढ़ाता है। हाँ, और उनके दो बच्चे भी हैं। क्या तुम्हें नहीं मालूम ?"

"मैं पत्र लिखने में अत्यन्त आलसी हूँ।"—उसने याद दिलायी। विशेषत. उसने सोचा, जब मैं प्रत्येक वस्तु से अपने को पृथक् कर लेना चाहता हूँ, तब मुझे सब कुछ याद आ गया।

"तुम अन्य अतिथियों के सम्बन्ध में भी बहुत कुछ जान जाओगे। वे तुम्हारे पुनः घर लौटने का स्वागत करेंगे। आते क्यों नहीं ? इससे कुछ दिनों के लिए टेलिफोन से संपर्क साधने की झंझट से तुम्हें बहुत कुछ मुक्ति मिल जायेगी।"

पाल हैन हिचकिचाया। उसने सुनसान सड़क की ओर देखा। "ठीक है" उसने कहा--"मैं उन सभी से मिलना पसन्द करूँगा।"

"६ बजने को है"—पाल ने कहा। त्यों ही उसने अपनी घड़ी की ओर देखा--"हे भगवान्!" और उसने हाथ हिलाया और ढालुवां सीढ़ियों पर उसी हल्के, लालित्यपूर्ण अंग-संचालन के साथ चढ़ने लगी, जिसे देख उसकी विगत स्मृति ताजी हो गयी। उसने नमस्कार किया और मुड़ पड़ा। उसके पीछे तीसरी एवेन्यू के ऊपर एक 'एलिवेटेड' ट्रेन खड़खड़ाती हुई जा रही थी। वह दो बालकों को, जो काँपते हुए अपने नये 'रोलर स्केटों' की आजमाइश कर रहे थे, तथा पार्श्व-मार्ग के पार एक 'हाइड्रेण्ड' की दिशा में रस्सी को खींचते हुए एक कुत्ते से बच कर निकल गया।

लेक्सिंगटन एवेन्यू पर उसे जो पहला मदिरालय मिल सका, उसी में वह चला गया। वह एक छोटा-सा स्थान था, जिसके बाहर 'नियन साइनबोर्ड' प्रकाशित हो रहे थे, उसके भीतर प्रत्येक इंच जगह उपयोग में लायी जाती थी, उसमें खाने के लिए स्थान बने हुए थे और वह अपने ग्राहकों का स्वागत संगीत के स्वरों तथा वातानुकूल स्थान में करता था। पहले आये हुए ग्राहक प्रवेश-द्वार के निकट काउण्टर के चारों ओर एकत्र थे। पाल ने देखा कि वहाँ परम्परा-विहीन ट्वीड-जैकेट और इतनी मजबूत टाइयाँ थीं, जिनसे आपको बांधा जा सके। वहाँ कुछ महिलाएँ भी थीं। नुकीले स्तनों और सुन्दर पिंडलियों वाली तथा सुनहले बालों वाली एक महिला ने उसकी ओर अहंकार भरी दृष्टि से देखा। पाल ने सोचा कि अब सैनिक कृपा-पात्र नहीं रह गये हैं, क्योंकि उसे

अभी तक फैशनेबुल पत्रिकाओं में नयी मुद्राओं का निरीक्षण करने का समय नहीं मिला है। उसने निर्णय किया कि फिर भी यह एक दुख की बात है कि एक सुन्दर लड़की के बाल इतने रूखे और अस्त-व्यस्त हैं--मानो रात में किसी चूहे ने उन्हें कुतर दिया हो—और उसने मदिरालय के सुदूर कोने में अपने लिए एक स्थान चुना, जहाँ उसकी फौजी वर्दी के कारण उस महिला को परेशानी न हो।

उसने पुरुषों की ओर देखा; वे समृद्ध और स्वस्थ एवं शान्तिपूर्ण दिखायी पड़ रहे थे। उनके वाद-विवाद साधारण थे और आवाजों में कठोर व्यंग्य का पुट नहीं था। यदि यहाँ कोई विदेशी व्यक्ति आ जाये, तो उसके लिए साधारणीकरण प्रारम्भ कर देना आसान होगा। यह भूल जाना संभव होगा कि यहाँ जो व्यक्ति एकत्र हैं, उनमें से अधिकांश व्यक्तियों की उम्र अवश्य ही युद्ध के लिए उपयुक्त रही होगी। उसने सोचा कि जब हम सैन्य-विघटन करते हैं, तब हम सैन्य-विघटन ही करते है। एक प्रकार से—केवल चौबीस घण्टे पहले उसने जिस रूप में बर्लिन को देखा था, उसकी याद करते हुए, सामानों के छोटे-छोटे बण्डल और नयी आशंकाएं लेकर आनेवाले नये शरणार्थियों की याद करते हुए—उक्त विचार ने उसे चिन्तित कर दिया। एक अन्य दृष्टिकोण से उसे प्रसन्नता हुई : जो व्यक्ति अच्छे सैनिक रह चुके थे, उन्हें इतनी जल्दी सेना से बन्धन-मुक्त होते देखना एक अच्छी बात थी। पाँच वर्ष पूर्व कतिपय स्तम्भ-लेखकों द्वारा की गयी भविष्यवाणियों में अब कोई अधिक दम नही रह गया था। सामञ्जस्य की समस्याएँ दिन भर काम करने के बाद 'बियर' या 'राई' की शराब पीने और इस संध्या को निश्चित विश्राम के लिए अस्पष्ट योजनाएँ बनाने से सम्बन्धित थीं।

"अभी लौटे हैं क्या ?"—कलाल ने पाल के खाली गिलास को भरते हुए, उसके सैनिक फीतों और तत्पश्चात् उसके चेहरे की ओर देखते हुए पूछा—"आप इसके अभ्यस्त हो जायेंगे !"—उसने आश्वासन-भरे शब्दों में कहा—"एक समय मेरे पास भी इस प्रकार की कुछ चीजें थीं।" उसने पाल के वक्षस्थल पर लगे हुए फीतों की ओर देखकर सिर हिलाया। "जरा अनुमान तो कीजिये कि बुढ़िया ने अपने विवाह-वस्त्रों के साथ उन्हें भी कमरे में बन्द कर दिया।" तत्पश्चात् उसका काला, भारी और मोटा चेहरा उस समय तक गिलासों की पालिश करने पर केन्द्रित रहा, जब तक कि वह चमकने नहीं लगा। उसने अपने बलिष्ठ, चौड़े हाथों से उन्हें एक चमकते हुए शीशे के सामने एक स्वच्छ आधार पर इतमिनान के साथ सुव्यवस्थित रूप से रख दिया। वह प्रत्येक

वार्तालाप के उत्तर में अपने कन्धे को हिलाते हुए एक बात कह देता—"सूखा, इस वर्ष 'डाजर्स' के लिए सम्भावनाएँ, वाल्टिक सागर में लापता विमान, अन्ततोगत्वा निर्णायकों का खेलों में पहुँचना, 'काकटेल पार्टी' नामक यह नया नाटक और उन मनोवैज्ञानिकों में से किसी को क्या अधिकार है कि वह किसी सुन्दर दिखायी देनेवाली लड़की को चीटियों द्वारा खाये जाने के लिए छोड़ दे ?"

उस सुनहले बालोंवाली लड़की की भेंट एक मित्र से हो गयी थी, जो प्रायः उसके समान ही सुन्दर थी, जिसमें उतना ही अहंकार था और जिसके बाल उसके समान ही चूहों द्वारा नोचे गये प्रतीत होते थे। (क्या यह कोई फैशन हो सकता है ? पाल विस्मयपूर्वक विचार करता रहा।) वे 'रैंच-टाइप' मकानों के सम्बन्ध में गरमागरम बहस कर रही थीं और इस बहस में वे दोनों अपनी शिष्टता का कुछ अंश खोती जा रही थीं। अपनी आँख को अपने गिलास पर जमाये हुए पाल हैन यह आशा करता रहा कि यह चाहे जिस किस्म का भी मकान हो, वह अपने नाम के समान भद्दा तो नहीं ही होगा। अथवा क्या उसे 'नये किस्म का नाम' कहना चाहिए था ? उसने अपनी मुस्कराहट को दबा दिया, क्योंकि कलाल यह समझ सकता था कि उसकी उच्च कोटि की 'मार्टिनी' (कई प्रकार की शराबों का मिश्रण) की निन्दा की जा रही है। हाँ, पाल ने सोचा, आखिरकार आदमी शीघ्र ही पुनः अपनी पुरानी दिनचर्या पर आ जाता है : वह पुनः विशेषणों के रूप में संज्ञाओं के प्रयोग को पसन्द न करनेवाला एक सम्पादक बनने का आधा मार्ग तै कर चुका था। उसने दाम चुकाया और सुनहले बालोंवाली लड़की की सावधानी पूर्वक उपेक्षा करती हुई आँख से बचता हुआ आरामदेह मदिरालय से बाहर निकल आया। वह बाहर निकल कर व्यस्त पार्श्व-मार्ग पर आ गया और हिचकिचाया। वह अभी तक इस सम्बन्ध में कोई निश्चय नहीं कर पाया था कि उसे रोना के निमंत्रण को स्वीकार करना चाहिए अथवा नहीं। अभी मुश्किल से छः ही बजे थे।

वह ब्लाक के आस-पास अपने आपसे तर्क-वितर्क करता रहा। रोना ने निमंत्रण द्वारा एक बात को अत्यन्त स्पष्ट कर दिया था—"वे मित्र थे, केवल मित्र, इससे अधिक कुछ भी नहीं। जब वह मिली थी, तब यदि उसे अन्य किसी भी भावना की अनुभूति हुई होती, तो उसने कभी पार्टी में सम्मिलित होने के लिए मुझे नहीं कहा होता ! यह अच्छा ही हुआ कि बात इतनी साफ हो गयी, विशेषतः, यदि वह पुनः 'ट्रेण्ड' में काम प्रारम्भ करने जा रहा हो। (वह कामना करता था कि पत्रिका अपने उस भद्दे नाम को बदल दे : जो चीज किसी समय

आकर्षक प्रतीत होती थी, वही अब हास्यास्पद प्रतीत होने लगी। कई वर्षों के बाद देखी जाने वाली किसी पुस्तक के वाह्य आवरण-पृष्ठ पर की सुन्दर छपाई के समान, जब उस छपाई में प्रदर्शित कुशलता को देखकर आप सिहर उठे हों।) किन्तु अब वह सम्भवतः 'ट्रेण्ड' के विशेष लेख विभाग में पुनः सहायक सम्पादक नहीं बनेगा। सम्भवतः परिवर्त्तन के लिए उसे कोई अन्य काम मिल जायेगा। तब वह आश्चर्य करने लगा, जैसा कि वह गत महीने से आश्चर्य कर रहा था कि 'ट्रेण्ड' में अपने काम पर वापस लौटने के लिए उसे विलम्ब से यह अवसर क्यों प्रदान किया गया। युद्ध की समाप्ति पर जिस व्यक्ति ने उसका स्थान ग्रहण किया था, उसमें क्या खराबी है? १९४५ में जब वह 'ट्रेण्ड' में शीघ्रतापूर्वक अपने काम पर वापस नहीं लौटा था, तब 'ट्रेण्ड' ने थोड़ी-सी शान बघारी थी, (जैसा कि उन्होंने उसे रुक्षतापूर्वक स्मरण कराया था), विशेषतः इसलिए कि उन्होंने उसके स्थान को १९४१ में किये गये समझौते के अनुसार उसके लिए रिक्त रखा था। फिर भी, कुछ सप्ताह पूर्व जब उसने हिचकिचाते हुए उनके पास सिफारिश के लिए एक पत्र लिखा था, जिससे उसे पुनः एक बार न्यूयार्क में काम मिलने में सहायता मिल सके तब उनका उत्तर प्रवाहपूर्ण था। (सीधे घर चले आओ, जितनी जल्दी हो सके, उतना ही अच्छा होगा, हम तुम्हें प्यार करते है। युद्ध-सेवा के वर्षों के लिए अग्रिम वेतन मिलेगा। अगले वर्ष, क्रोवेल के अवकाश ग्रहण करने पर, विशेष लेख विभाग के सम्पादक का पद मिलेगा। घर चले आओ, घर चले आओ, मई में पुराने स्थान पर काम प्रारम्भ कर दो।) इसमें कम-से-कम चापलूसी तो थी। पुनः आश्वस्त करनेवाली, लाभदायक भी। किन्तु उस गरीब बेचारे का क्या होगा, जो इस बीच सहायक सम्पादक का काम करता रहा है? खाई में ढकेल दिया जायेगा? ऐसा क्यों? इसमें कोई सन्देह नहीं कि उसकी पत्नी और बच्चे होंगे : भाग्य सदा इस प्रकार के अभागे व्यक्तियों को सताता रहता है।

पाल ने सोचा, मैं इसे पसन्द नहीं करता। निश्चय ही, पत्रिका का काम एक कठिन कार्य होता है। आज यहाँ सफल हैं, तो कल विफल हो जाना पड़ता है। फिर भी, अपने हास्यास्पद नाम के बावजूद 'ट्रेण्ड' एक अच्छा स्थान है। इसकी प्रतिष्ठा ठोस है। किन्तु मैं इसे पसन्द नहीं करता, पाल ने सोचा : मैं बाल-बच्चोंवाले किसी व्यक्ति की नौकरी को खतम कर, उसे गरीबी के गड्ढे में ढकेलने में सहायक नहीं बनना चाहता।

उसने मटियाले पत्थरों के मकान की ऊपरी मंजिल के हरे किवाड़ों की ओर

देखा। सम्भवतः रोना जानती थी कि ट्रेण्ड में क्या हो रहा है, सम्भवतः वह उसे बता सकती है...!

"क्या एक मात्र यही जानने के लालच में तुम इन सीढ़ियों के ऊपर चढ़ रहे हो ?"—उसने अकस्मात् अपने आपसे पूछा। किन्तु अब उस प्रश्न का उत्तर देने के लिए बहुत अधिक विलम्ब हो चुका था—वह रोना के मकान के द्वार में प्रविष्ट हो चुका था, उसकी अंगुली सफेद अक्षरों में लिखित 'मेटफोर्ड' नाम के बोर्ड की बगल में लगे हुए बटन को पहले से ही दबा रही थी।

अध्याय–३

पाल हैन ने पुनः घण्टी बजायी। उसके पीछे पार्श्व-मार्ग पर रोलर स्केट अभी तक काँपते हुए चल रहे थे। कुछ और कुत्ते उस दिलचस्प 'हाइड्रेण्ट' की ओर जाने का प्रयास कर रहे थे। घर की ओर जाते हुए लोग किसी की ओर नहीं देख रहे थे। थर्ड एवेन्यू के ऊपर एक 'एलिवेटेड' ट्रेन गर्जन करती हुई जा रही थी।

तत्पश्चात् रोना ने ऊपर से सामने के दरवाजे की चिटकनी खोल दी और उससे चेतावनी का एक कर्कश स्वर निकल पड़ा। उसने हैण्डिल पकड़ने में बहुत देर कर दी और देखा कि दरवाजा पुनः अपने आप बन्द हो गया है। उसने सिर हिलाया और मुस्कराने लगा। उसने अपने आपसे कहा—"तुम्हें अभी बहुत-सी बातें सीखनी शेष हैं।" उसने पुनः घण्टी बजायी। और इस बार वह तैयार था, तुरन्त अन्दर चला गया। जब वह मुस्कराता हुआ अन्य कमरों के दरवाजों की बगल से होकर गुजरता हुआ सँकरी सीढ़ियों पर चढ़ रहा था, त्यों ही उसने रोना की आवाज सुनी। वह कह रही थी—"दूसरे पड़ाव पर साँस लेने के लिए रुक जाओ !"

वह अपने घर के द्वार पर खड़ी होकर उसकी प्रतीक्षा कर रही थी। जब वह दिखायी पड़ने लगा, तब उसने कहा—"ओह !" स्पष्टतः वह विस्मित दिखायी दे रही थी।

"क्या मैं बहुत जल्दी आ गया हूँ ?" उसने चौंक कर अपनी घड़ी की ओर देखा। अभी ६ बजकर केवल एक मिनट हुआ था। वह एक सीढ़ी नीचे उतरने लगा।

"नहीं।"—उसने खुले हुए किवाड़ को पकड़ कर हँसते हुए कहा—"मुझे बर्फ तोड़ने में सहायता करने के लिए किसी व्यक्ति की आवश्यकता है। अन्दर आ जाओ, पाल। स्वागत है!"

"मुझे खेद है, रोना! सेना की आदतें छोड़ने के लिए मुझे कुछ और दिन चाहिए।" वह अपने आपको कोसता हुआ छोटे-से हाल में प्रविष्ट हुआ। वह भूल गया था कि न्यूयार्क में काकटेल पार्टियों के लिए छः बजे के समय का अर्थ, भाग्यशाली होने पर, साढ़े छः बजे होता है। वह अपनी टोपी रखने के लिए किसी स्थान की तलाश करते हुए चारों ओर देखने लगा। उसने उसे टेलिफोन की छोटी मेज पर रख दिया, किन्तु वह वहाँ अत्यन्त भद्दी और अत्यन्त बड़ी दिखायी देने लगी। उसने पुनः उसे उठा लिया तथा और अधिक बेचैनी का अनुभव करता हुआ उसे पकड़ कर खड़ा रहा।

रोना ने उसे ले लिया तथा शयन-कक्ष के भीतर एक कुर्सी पर पटक दिया—"आज रात के लिए कोट और हैट रखने का कमरा"—उसने स्पष्टीकरण किया—"अब, मुझे 'श्रिम्प' (समुद्री केकड़ा) के साथ थोड़ा-सा संघर्ष करना पड़ रहा है। अब मैं यह कामना करती हूँ कि मैंने यह नहीं सोचा होता कि भुनी हुई मछलियाँ खरीदने की अपेक्षा इन्हें खरीदना एक अच्छा विचार है, तो कितना अच्छा होता!" वह उसे छोटे-से रसोई घर में ले गयी। उसने अपने आकर्षक काले सूट के ऊपर कमर के चारों ओर एक 'एप्रन'—जो सफेद आरगडी का बना हुआ था तथा जिस पर गुलाब के फूल कढ़े हुए थे—बाँध लिया। पाल ने प्रथम उसकी ओर तत्पश्चात् साफ-सुथरे, सफेद छोटे-से रसोई-घर की ओर और अंत में खाद्य-सामग्री की ओर, जिसे रोना कुछ सावधानी के साथ व्यवस्थित रूप से रख रही थी, देखा।

"आज वे जिद्दी बन रहे हैं।"—उसने कहना जारी रखा। उसने थोड़े-से अवशिष्ट 'श्रिम्प' को उनके कठोर पारदर्शक खोलों से बाहर निकालने पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। "लजीले, हाँ, वे लजीले ही हैं। और फिर भी, यदि आप उनके साथ जल्दी करें, तो आप उन्हें तोड़कर टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।"

जब वह बात कर रही थी, तब पाल अपने चारों ओर देख रहा था। उसकी तत्परता से वह जितना परेशान हुआ था, उसकी अपेक्षा अधिक परेशानी का अनुभव रोना कर रही थी, किन्तु वह उससे चिंता का अनुभव न करने के लिए यथाशक्ति प्रयास कर रही थी। "क्या यही वह जगह है, जहाँ तुम बर्फ रखती हो?"—उसकी आवाज रोना की आवाज के समान ही आकस्मिक

थी । उसने रोना को यह नहीं बताया कि आज इस समस्त कार्याधिक्य से लज्जा-रुण हुई, अपनी पार्टी से उत्तेजित वह सुन्दरतम लड़की प्रतीत हो रही है—इतनी सुन्दर, जितनी विदा लेने के बाद से उसने नहीं देखी थी ।

"हाँ ! उस रेफ्रिजेरेटर के दरवाजे से सावधान रहना, पाल ! यह पीछे से तुमसे टकरायेगा ।"—उसने अपने काम से नजर हटायी और देखा कि वह उसकी ओर देख कर मुस्करा रहा है । उसने कनखियों से फिर देखा ।

"तुम्हारा 'एप्रन' !"—उसने आश्चर्य से पूछा—"क्या आजकल सुसज्जित गृहिणी यही पहनती हैं ?"

वह मुस्करायी और बर्फ के लिए उसे एक बर्तन दे दिया । "तश्तरी उस कमरे में रखी हुई है ।" —उसने कहा—"बिल्कुल सीधे, तुम्हारी नजर उस पर पड़े बिना नहीं रह सकती ।"

जब वह छोटे-से रसोईघर में वापस लौटा, तब रोना चटनी के एक बर्तन के चारों ओर एकत्र किये गये मूँगे के रंग के 'श्रिम्प' को गौर से देख रही थी । "क्या तुम इसे जरा चखोगे, पाल ? यह सरसों की चटनी होनी चाहिए ! ठीक है ? मैं इतनी अधिक चीजें चखती रही हूँ कि मेरी निर्णय-शक्ति समाप्त हो गयी है ।"

वह व्यग्र होकर उसकी ओर देख रही थी । पाल ने उसे आश्वस्त किया कि चटनी बहुत ही बढ़िया है । "अब नींबू का छिलका !" उसने 'मार्टिनी' की याद करते हुए कहा ।

"क्या मेरे लायक कोई और सेवा है ?"

"क्या पेय पदार्थों की तश्तरी ठीक मालूम पड़ी ?"

"हाँ । प्रत्येक वस्तु बहुत ही अच्छी प्रतीत होती है ।"

"तब क्यों नहीं अपने लिए कोई पेय पदार्थ ले लेते और पीते-पीते मुझे बताओ कि तुम इस समय तक क्या करते रहे हो ?"

"ओह, मैं अपने को अभ्यस्त बनाता हुआ, इधर-उधर चक्कर लगाता रहा हूँ ।" वह मुस्कराया । "मैं ट्रैफिक सिगनलों के सम्बन्ध में भूल जाता हूँ और कहीं से 'एलिवेटेड' ट्रेन का अकस्मात् गर्जन सुनकर मैं अब भी उछल पड़ता हूँ ।"

"मेरे कहने का आशय यह है कि लन्दन छोड़ने के बाद से तुम क्या करते रहे हो ?"

"बस, एक के बाद दूसरा काम ।"—उसने सरलता से कहा ।

"अच्छा, तो तुमने ये सब चीजें कहाँ एकत्र कीं ?"—उसने उसके फीतों की ओर संकेत करते हुए कहा।

"ये तो यों ही समय पर मिल जाया करते हैं।"

वह हँस पड़ी—"तुम भी बिल्कुल स्काट की ही तरह हो। वह भी युद्ध के सम्बन्ध मे कोई बात नही करता। तुम जानते हो, वह इटली में था !"

"बात-चीत के लिए इससे अधिक सुखकर चीजे पड़ी हुई हैं। अच्छा, यह तो बताओ रोना कि आज-कल हमारे 'ट्रेण्ड' की स्थिति, आन्तरिक सजावट को छोड़कर, कैसी है ?"

"इस महीने विशुद्ध 'वर्जिनियन' है। मार्च महीने का अंक विशुद्ध 'टेक्सन' था। और मई महीने के अंक में बोस्टन और हार्वाड यैंड-विषयक लेखों का बाहुल्य रहनेवाला है।" वह सावधानी से चलते हुए अपने चाकू से छिले नींबू के साफ, चमकते हुए टेढ़े-मेढ़े छिलकों की सराहना करने लगी। "तुम प्रायः सोचोगे कि मैं सूखी 'मार्टिनीस' पसन्द करती हूँ।"—उसने मत व्यक्त किया।

"क्या अब भी तुम्हें उसका स्वाद दवा जैसा लगता है ?"

"दिल से अब भी वही छोटे गाँव की लड़की हूँ।"—उसने स्वीकार किया। "किन्तु 'ट्रेण्ड' के सम्बन्ध में प्रश्न करते समय तुम इतने अधिक गम्भीर क्यों हो गये ? क्या यह सच है कि तुम वापस आ रहे हो ? ओह, हाँ, अफवाहें चारों ओर फैल रही हैं।"—अकस्मात् वह भी उतनी ही अधिक गम्भीर, प्रायः चिन्तित हो गयी।

"क्या तुम इस विचार को पसन्द नहीं करती ?" उसके स्वर में कठोरता थी।

"ऐसी बात नहीं है, पाल !"—उसने उसकी ओर देखते हुए शीघ्रतापूर्वक कहा—"हमें पुराने दिनों के सम्बन्ध में पुनः नहीं सोचना चाहिए। तुम्हें अपनी स्वतंत्रता पुनः मिल गयी है और वास्तव में तुम यही चाहते थे। मैंने अपना साथी चुन लिया और अब मैं पूर्ण रूप से प्रसन्न हूँ। अतः सब कुछ ठीक ही है। है न ?"

"हाँ !"—उसने कहा—"सब कुछ ठीक ही है—"वह मुड़ कर खिड़की के बाहर देखने लगा। वह बाहर के दृश्य को गौर से देखने लगा। छतें, चिमनियाँ और पानी की टंकियाँ। और नीचे, ईंटों की दीवारों के घेरे में छोटे-छोटे उद्यानों के परकोटों में घास और कृत-संकल्प वृक्षों के छोटे-छोटे वर्ग दीख रहे थे।

"तुम इतनी अधिक चिन्तित क्यों दिखायी दे रही थी ?"—उसने अचानक प्रश्न किया।

"मैं ब्लैकवर्थ के बारे में—जिसे तुम्हारे सैना में चले जाने पर तुम्हारा काम दिया गया था—सोच रही थी।"

"क्या तुम उसे पसन्द करती हो ?"

"हां। वह बड़ा भला आदमी है। इसी कारण तो यह बात इतनी अधिक दुखद बन जाती है। क्या बताऊँ, मेरी ही गलती के कारण—मुझे विश्वास है कि यह मेरी ही गलती थी—उसे अपने काम से हाथ धोना पड़ा। ओह, यदि तुम वापस न भी आओ, पाल, तो भी वह अपनी नौकरी खो चुका है।"

उसे विस्मय हुआ। "तुम्हारी गलती....?"

"पाल....!" उसने उसकी ओर अनिश्चय के साथ देखा। "मैं प्रत्येक व्यक्ति से इस सम्बन्ध में बात नहीं कर सकती। अवश्य ही मैंने स्काट और पेगी और जान को बता दिया है। देखो पाल, बात ऐसी हुई कि—ओह, शुरू करना इतना कठिन है कि तुम सोचोगे कि हम सभी पागल अथवा इसी तरह के कुछ हैं, और फिर भी—" एक घण्टी बजी।

"वह स्काट है !"—रोना ने जल्दी से कहा। "वह पेय पदार्थों को देखने के लिए जल्दी ही आने वाला था।"—उसने नीबू के छिलकों की थाली पाल को जल्दी-जल्दी देते हुए कहा और तत्पश्चात् दरवाजे के ताले को खोलने वाला बटन दबाने के लिए चली गयी।

"इस ब्लैकवर्थ नामक व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या बात है ?"—उसने पूछा।

"जब तुम एक बार मालिक से मिल लोगे, तब मैं तुम्हें सारी कहानी बता दूंगी, किन्तु मैं आशा करती हूँ कि साहब स्वयं अधिकांश बातें तुम्हें बता देंगे।"

"बड़ी ही गुप्त बात मालूम पड़ती है।"

उसने उसकी ओर इस तरह देखा, मानो वह उसके विचारों को नापने का प्रयास कर रही हो।

"गुप्त ही है।"—उसने कहा। तत्पश्चात् उसने उसे बैठने के कमरे की ओर धीरे से धकेल दिया और स्वयं घर का द्वार खोलने के लिए जल्दी से चली गयी।

आने वाला व्यक्ति स्काट नहीं था। वे पेगी और जान थे, जो सीढ़ियां चढ़ने के बाद थोड़े-थोड़े हांफ रहे थे।

"हम जल्दी इसलिए आये कि बच्चे के पास बैठने वाली औरत को साढ़े

सात बजे घर चला जाना है।" बैठक में प्रवेश करने पर पेगी स्पष्टीकरण कर रही थी। तत्पश्चात् वह रुकी और पाल हैन की ओर घूर-घूर कर देखने लगी। वह रोना से थोड़ी लम्बी थी और जब कि रोना के बाल और आँखें अत्यन्त काली थी पेगी के बालों और आखों का रंग हल्का था। किन्तु उसकी नाक उसी तरह सीधी, भौंहें उसी तरह चौडी, ठोड़ी उसी तरह गोल थी और वह भी उसी तरह खुले दिल से मुस्कराती थी। अब वह मुस्कराते हुए आगे बढी, उसका आश्चर्य पूर्णरूप से नियंत्रित हो चुका था, उसके हाथ आगे बढ़ गये। उसने पाल को सदा ही पसन्द किया था : आखिर उसी के जरिये तो वह जान से मिली थी।

"रोना ने मुझे यहां पहुंचने के प्रथम दिन ही सड़कों पर चक्कर काटते हुए पाया और वह दयार्द्र हो गयी।" पाल हैन ने शीघ्रतापूर्वक कहा। किन्तु न तो पेगी के समक्ष और न जान के समक्ष स्पष्टीकरण करने की कोई बहुत अधिक आवश्यकता थी। रोना के किसी भी कार्य से उन्हें स्थायी आश्चर्य कभी नहीं होता था।

जान पहले की अपेक्षा अधिक दुबला हो गया था, उसके सुन्दर बालों की अधिकांश लहर अब समाप्त हो गयी थी तथा कुछ बाल भी समाप्त हो गये थे, उसका आकर्षक तिकोना चेहरा लजीली मुस्कान से भरा हुआ था। वह धीरे-धीरे आगे आया। तत्पश्चात् जब कि रोना पेगी के वस्त्रों के प्रति अपनी सहमति प्रकट कर रही थी तथा यह विश्वास नही कर रही कि यह 'विण्टेज १९४६' नामक वही पुराना कपड़ा है, जिसकी अब मरम्मत कर दी गयी है, तब दोनों पुरुषों ने हाथ मिलाते हुए एक दूसरे की ओर सावधानी पूर्वक देखा। वे कालेज में मित्र रहे थे, न्यूयार्क में (जब उन्होंने एक दूसरे को विशिष्ट शहरी फैशन में देखा) मित्र रहे थे और तत्पश्चात् थोड़े-से प्रारम्भिक पत्रों को छोड़कर युद्ध-काल में उनका सम्पर्क समाप्त हो गया था।

"बधाइयां !"—पाल ने पेगी की ओर देखते हुए कहा। "और मैं सुनता हूँ कि तुम्हारा तो अब एक परिवार भी है।"

"हा।"—जान ने कहा। उसने रोना की ओर देखा। उसका एक मात्र पुरुषसम्बन्धी होने के नाते उसने रोना की प्रसन्नता के लिए उत्तरदायित्व का अनुभव किया। वह किसी भी व्यक्ति को इस प्रसन्नता में बाधा नहीं डालने देगा, किसी ऐसे व्यक्ति को भी नहीं, जिसे उसने एक समय पाल हैन जितना अधिक पसन्द किया हो !

"तुम सभी लोगों को प्रसन्न और व्यवास्थत देख कर खुशी हुई।" पाल कह रहा था। उसने जान की ओर देखा और जान ने उसकी निश्च्छलता को स्वीकार किया। उसे संतोष हुआ। उसकी मुस्कान अधिक सरल हो गयी। उसने जर्मनी के सम्बन्ध में कुछ प्रश्न पूछना प्रारम्भ किया। उसने प्रशान्त महासागर में व्यतीत किये गये उस समय के (वह नौसैना में रह चुका था) तथा कोलम्बिया विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के अपने वर्त्तमान कार्य के सम्बन्ध में कतिपय प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

दरवाजे की घण्टी के बजना प्रारम्भ करने तथा स्वागत के लिए रोना के जल्दी-जल्दी चले जाने पर पेगी ने इन दोनों की ओर संकेत करते हुए कहा — "तुम दोनों इतना अधिक गम्भीर हो रहे हो, जितना किसी पार्टी के लिए समीचीन नहीं है। यदि तुम रिवर साइड और १०८ वी स्ट्रीट तक आ सको, तो पाल, अवश्य आओ और हम से मिलो। तुम और जान जितना चाहो, उतना गम्भीर बन सकते हो, और यदि तुम अनुमति दोगे, तो मैं भी इस गंभीरता में शामिल हो जाऊंगी। शुक्रवार की रात अच्छी रहेगी – इस वर्ष शनिवार को प्रातःकाल जान को कक्षाओं में पढ़ाने नही जाना पड़ता है। उसी समय सदा ही कुछ न कुछ छात्र मिलने के लिए यहां आते रहते हैं—बहुत-से बाद-विवाद होते हैं, 'बियर' पी जाती है और सैण्डविच खाये जाते हैं। किन्तु स्काट को क्यों इतनी देर हो रही है?" उसने दरवाजे की ओर देखते हुए कहा—जहां दो पुरुष और तीन महिलाएँ दिखायी देने लगी थीं, किन्तु स्काट का अभी तक पता नही था।

जान ने रोना से एक संकेत पाकर पेय पदार्थों का मिलाना प्रारम्भ कर दिया, पेगी ने हार्दिक मुस्कान के साथ रोटियाँ आगे बढ़ा दीं तथा पाल ने आगंतुकों से हाथ मिलाना प्रारम्भ कर दिया। और अधिक व्यक्ति आ रहे थे। कुछ को वह पहचानता था, अन्यों को—यद्यपि वे उसे पहचानते हुए प्रतीत होते थे—पहचानना अधिक मुश्किल था। किन्तु जब वह उन्हें छांटने लगा, तब धीरे-धीरे उसे उनके सम्बन्ध में कोई न कोई बात याद आने लगी, जिससे पहचानना अधिक आसान हो गया। यह बड़ी विचित्र बात थी कि महिलाओं को पहचानना सबसे अधिक कठिन कार्य लगा और नवयुक्तियां उसी दम्भपूर्ण रुख को अपना रही थीं, जिसे लेक्सिंगटन मदिरालय में सुनहले बालों वाली लड़की ने अपनाया था। उसने अपने को विभिन्न मैत्रीपूर्ण समूहों के मध्य घिरा हुआ पाया, वह किसी अभिवादन अथवा वाक्य द्वारा एक समूह से घिर

जाता था। "हलो, वहां तो देखो !"...."देखो, तो यहां कौन है ?"..."अच्छा, अच्छा, हमारा सैनिक विशेषज्ञ। पाल, तुम कैसे हो ?" और तब बात-चीत इस प्रकार प्रारम्भ हो जाती, मानो वह न्यूयार्क से केवल कुछ सप्ताहों तक ही बाहर रहा हो। वे उसकी वापसी को उतनी ही सामान्य बात समझ रहे थे, जितना नाश्ते के लिए 'आर्डर' देने को, किन्तु उनके स्वरों में एक उष्णता थी, उनके हाथ मिलाने में एक स्वागत था, जो हार्दिक स्वागत था। वह आश्वस्त हो गया और आनन्द से अपने मन को सराबोर कर दिया।

तत्पश्चात् उसने अपने आपको कमरे के एक कोने में पूर्णतया अपरिचित व्यक्तियों के एक समूह से घिरा हुआ पाया। उसे यह देखकर आंशिक रूप से—किन्तु केवल आंशिक रूप से—खुशी हुई कि रोना ने दो सुन्दरतम लड़कियों को उसकी ओर भेज दिया था। उनमें से एक सुनहरे बालोंवाली थी और एक के बाल लाल थे। स्वयं रोना अब अधिक प्रसन्न दिखायी दे रही थी। क्या स्काट आ गया है ? पाल सोचने लगा कि वह कौन-सा व्यक्ति है....भूरा सूट पहने हुए वह खूबसूरत आदमी अथवा शांत मुस्कान और मित्रतापूर्ण दृष्टिवाला वह व्यक्ति जो नीला सूट पहने हुए है ? वही स्काट हो सकता है। रोना उसके चेहरे को देखकर हँस रही थी। वही स्काट हो सकता है। पाल ने उसको गौर से देखा। वह विश्वसनीय किस्म का व्यक्ति था, उसका मुँह सुन्दर था, उसकी आँखें खूबसूरत थी। हाँ, वही ठीक रहेगा, बिल्कुल ठीक।

तभी पाल की कोहनी के पास एक दुबली चिन्ताग्रस्त औरत ने पुनः उसका ध्यान उसके चारो ओर एकत्र समूह की ओर आकृष्ट किया। उसने जानना चाहा कि वह जर्मनी को विभाजित क्यों कर रहा था ? एक दूसरी औरत ने, जो अपेक्षाकृत अधिक नौजवान और खूबसूरत, किन्तु अत्यधिक भाव-प्रवण थी, उसकी वर्दी की ओर निराशापूर्वक घूरकर देखा और घोषित किया कि वह शांतिवादी है। उसकी बगल में खड़े एक भारी गोल चेहरेवाले व्यक्ति ने एक प्रखर मुस्कान के साथ पाल को बताया कि सारी कठिनाई यह है कि अमरीका प्रतिक्रियावादियों और युद्धवादियों के हाथ में है। आँखों में चकाचौंध उत्पन्न कर देनेवाली सुनहरे बालोंवाली सुन्दर लड़की ने हठपूर्वक कहा कि उसे मेट्रोपोलिटन में 'हैप्सबर्ग संग्रह" को अवश्य ही देखना चाहिए, यह इस संसार से परे की वस्तु है। और लाल बालोंवाली शांत लड़की ने (यदि इस प्रकार का कोई स्थितिगत अन्तर्विरोध हो सकता था) उससे पूछा कि उसने अभी तक "काकटेल पार्टी" देखी है अथवा नहीं ? गोल चेहरेवाले व्यक्ति ने एक दूसरी

प्रखर मुस्कान के साथ कहा कि सारी कठिनाई यह है कि अमरीका ने कभी निरस्त्रीकरण नहीं अपनाया है। सुनहरे बालोंवाली लड़की ने लाल बालोंवाली लड़की को एक ओर हटाते हुए कहा कि उसे "क्लायस्टर्स" को भी अवश्य देखना चाहिए, नयी साज-सज्जा तो स्वर्गीय है और जंगली 'चेरी' तथा 'प्लम' के वृक्ष शीघ्र ही समाप्त हो जायंगे। क्या उसे हडसन के ऊपर जार्ज वाशिंगन-पुल का, उपवन की दीवार के ऊपर से दिखायी देनेवाला वह दृश्य याद है? दुबली, चिन्ताग्रस्त महिला ने 'काकटेल पार्टी' की व्याख्या प्रारम्भ कर दी। किन्तु किसी व्यक्ति ने "दि कौंसल" को अधिक पसन्द किया। 'बकवास है'—गोल चेहरेवाले व्यक्ति ने प्रखरतर मुस्कान के साथ कहा, "राजनीतिक दृष्टि से मेनोट्टी मूर्ख था, क्या उसके कामों से नहीं जान पाते!" पृष्ठभूमि से सुनते हुए एक नवयुवक प्रतीत होनेवाले व्यक्ति ने कहा—"बिलकुल बेकार बात है! यह नयी कम्यूनिस्ट नीति है। उसके चक्कर में मत फँसो, मर्रे।" इस प्रकार की मूर्खता पर अत्यन्त भाव-प्रवण लड़की मर्रे के साथ हँसने लगी। "चारित्र्य-हत्या।"—नवयुवक व्यक्ति ने मजाक के साथ अपनी बात पर अटल रहते हुए कहा—"किन्तु हम बुद्धिमान होते जा रहे हैं।" मर्रे नामक गोल चेहरेवाले व्यक्ति ने कहा—"तुम बुद्धिमान होते जा रहे हो? तुम्हारा आशय है, उन्माद-ग्रस्त।" और वह एक भावनात्मक तर्क-वितर्क में उलझ गया।

पाल ने एक गहरी साँस ली और दूर खिसक जाने का प्रयास किया।

किन्तु लाल बालोंवाली लड़की ने, जो अपनी लम्बी काली भौंहों के बीच से पाल का निरीक्षण कर रही थी, जानना चाहा कि क्या उसे बर्फ पर फिसलने मे आनन्द आता है? वह अस्थायी रूप से दुबली, चिन्ताग्रस्त महिला द्वारा परास्त कर दी गयी, जिसने पाल को बर्लिन की स्थिति के सम्बन्ध में सब कुछ बताना प्रारम्भ कर दिया। लाल बालोंवाली लड़की ने अपनी ठोड़ी को ऊपर उठाकर कहा कि यह भयंकर शीत ऋतु है, ढलुवाँ स्थानों पर बर्फ का नाम-निशान तक नहीं है। और मर्रे ने अपने भाषण को समाप्त करते हुए पाल से यह जानने की माँग की कि वह फ्रांसीसियों को अस्त्र क्यों भेज रहा था।

पाल को, जिसके पलायन करने का मार्ग सुनहरे बालोंवाली और लाल बालोंवाली, दोनों लड़कियों द्वारा, जो सुन रही थीं और निरीक्षण कर रही थी, कट गया था, तनिक भी बात नहीं करनी पड़ी। उसने सोचा कि प्रत्येक पार्टी में सदा ही कुछ-न-कुछ पागल आते ही हैं, किन्तु रोना को यह छोटी-सी भीड़ कहाँ से मिल गयी?

अतिथियों के दूसरे बड़े समूह के ठीक बाद स्काट एटली आया।

"मुझे खेद है, प्रियतमे।"—उसने रोना का चुम्बन लेते हुए और अधिक चुम्बन लेने के लिए उसे हाल में रोकते हुए कहा—"वह वेहूदा आफिस....जब मैं छुट्टी पाना चाहता हूँ, तब मुझे कभी छुट्टी नही मिल सकती।" उसने उसे अपनी भुजाओं में आबद्ध कर लिया। "ऐसा प्रतीत होता है कि उस कमरे में पूरी एक भीड़ जमा हो गयी है। क्या पिताजी यहाँ पहुँच गये हैं?"

"हाँ, पेगी उनसे बात कर रही है और वे प्रसन्न प्रतीत हो रहे हैं। चिन्ता मत करो।"

"देर से आने के सम्बन्ध में वे मुझे एक व्याख्यान दे डालेंगे।" स्काट ने मजाक के साथ कहा, किन्तु रोना मजाक से प्रसन्न होती हुई नहीं प्रतीत हुई। इस प्रकार का बहाना क्यों किया जाय कि उसके पिता ऐसा व्यवहार करते है, जैसा व्यवहार वह कभी नही करता? "हमारे यहाँ एक अतिरिक्त अतिथि आये हैं, स्काट। वास्तव मे कई है, किन्तु केवल एक ही ऐसा है, जिसके सम्बन्ध में मै चिन्ता करने लगी हूँ।" उसने जल्दी से उसे पाल हैन के सम्बन्ध में बता दिया।

स्काट ने उसकी ओर घूरकर देखा—"पाल हैन? उसे तुमने क्यों बुलाया?" वह क्रुद्ध हो उठा।

"ऐसा मत करो, प्रिय। यह बिलकुल ठीक है। तुम्हें तो मालूम ही है।" उसने उसका चुम्बन लिया। "उसके साथ नम्रतापूर्ण व्यवहार करो। गप्प बंद करने का यही सर्वोत्तम मार्ग है, क्या नही है? आखिरकार, अब वह न्यूयार्क में ही रहने जा रहा है और उसके साथ हमारी मुलाकातें होती ही रहेंगी।"

स्काट आश्वस्त दिखायी पड़ा। "क्या इसी कारण से तुमने उसे बुलाया था?" यह विचार कोई बुरा नही है। हैन के साथ स्वाभाविक व्यवहार करो और तनिक भी दुर्भावनापूर्ण अटकलबाजी की प्रवृत्ति रखनेवाले किसी भी व्यक्ति को निराश हो जाना पड़ेगा। रोना ने गप्प के प्रारम्भ हो सकने के पूर्व ही उसे समाप्त कर दिया। स्काट ने पुनः उसे अपनी भुजाओं में खींच लिया और जोर-जोर से, उसका चुम्बन लेने लगा। "क्या तुम्हें इस बात से खुशी हुई कि मैं ईर्ष्यालु हूँ?"—उसने पूछा।

"मुझे प्रसन्नता हुई।"—उसने कहा। किन्तु उसकी भावुकता से वह जितना आश्चर्य-चकित हुआ, उतनी ही आश्चर्य-चकित वह भी हुई। उसने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे धकेल कर कमरे की ओर ले गयी। "मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि वह यह वर्दी पहना हुआ व्यक्ति है।"—

उसने धीमे स्वर में पुनः कहा ।

"मैं पहले थोड़ा-सा पीऊंगा ।"—स्काट ने मैरी फाइन के लाल बालों की बगल में वर्दीधारी व्यक्ति की ओर देखते हुए कहा । "और मुझे पिताजी को भी नमस्कार करना होगा ।" उसने वर्दी की अवहेलना की । किसी पार्टी में ऐसी वेश-भूषा में आने का यह बड़ा ही भद्दा तरीका है, इसमें सन्देह नहीं कि उसे अपने फीतों पर गर्व है । "मुझे इस बात का दुख है, रोना कि मैं दोपहर के भोजन के समय नहीं आ सका । यह उन भयंकर दिनों में से एक था, जब तुम्हारा जीवन स्वयं तुम्हारा जीवन नहीं होता ।" उसने उसके कान के पीछे बालों के एक कोमल गुच्छे को पीछे हटाया और उसकी सुन्दरता की सराहना की ।

"तुमने कल रात मुझे क्यों नहीं बताया ?" उसने अर्द्ध-चकित होकर पूछा ।

"मैं बताना चाहता था, किन्तु मैं भूल गया । मैं सदा ही असुखकर बातों को भूल जाता हूँ ।" उसने उसका हाथ दबाया, उसकी ओर देखकर मुस्कराया, जिससे उसे प्रसन्नता हुई और तत्पश्चात् वह अपने मित्रों से नमस्कार करता हुआ, साधारण हाव-भाव के साथ पेय पदार्थों की तश्तरी की ओर चला गया । उसने देखा कि उसके पिता खिड़की के पास पेगी टाइसन के साथ दत्तचित्त होकर बात कर रहे हैं । स्काट ने हाथ हिलाया और मुस्कराया और तत्पश्चात् अपने लिए ग्लास में एक पेय पदार्थ उंडेल लिया । अब रोना नीला सूट पहने हुए काले बालों वाले एक व्यक्ति से बात कर रही थी—उसने याद किया, वह टेलिविजन में काम करने वाला कोई व्यक्ति है । उसका एक दूसरा "पुराना मित्र", किन्तु हैन की अपेक्षा अधिक सीधा । जब रोना की मुलाकात हैन के साथ हुई थी, तब उसकी उम्र आकर्षण के योग्य थी; उसके बाद अनेक व्यक्ति उसके चारों ओर चक्कर काटते रहे, किन्तु कोई बात निश्चित नहीं थी, उस समय तक नहीं, जब तक वह स्काट को नहीं मिल गयी थी । स्काट ने अपने आप से कहा कि मैं दूसरी बार पीऊँगा और उसके बाद जाकर हैन से मुलाकात करूंगा; अन्यथा सम्भवतः मैं ईमानदारी से काम लूं और उसके दाँत तोड़ डालूं ।

वहाँ खिड़की के पास पेगी टाइसन विलियम एटली से कह रही थी—"मैं सोचती हूँ कि पाल हैन को बचाने की आवश्यकता है । उसकी नजरें ठीक उसी प्रकार थोड़ी-सी चौंधिया रही हैं, जिस प्रकार कहीं फँस जाने पर जान की नजर चौंधिया जाती है ।"

किन्तु विलियम एटली ने, जो अभी तक दरवाजे पर स्काट और रोना को बात करते हुए देख रहा था, कहा—"वे एक साथ इतने अधिक प्रसन्न दिखायी

देते हैं। मैं नहीं समझ पाता कि वह तारीख क्यों नहीं निश्चित करती ? जब रोना ने मुझे इस पार्टी के लिए निमंत्रित किया, तब मैं यह आशा कर रहा था कि वे आज के दिन विवाह की तारीख की घोषणा कर देंगे।"

पेगी का ध्यान पुनः विलियम एटली की ओर आकृष्ट हो गया और उसके शान्त प्रतीत होने वाले चेहरे की ओर उसने देखा। गोल चश्मों के पीछे उसकी शान्त आँखें चिन्ता-ग्रस्त थीं। वह एक साठ वर्षीय व्यक्ति था, उसका कद छोटा था, वह उत्साहपूर्ण था, उसका शरीर भारी-भरकम तथा चेहरा और बाल सफेद थे। उसकी मुस्कान त्वरित थी, उसका स्वर गम्भीर, निश्चयात्मक और सुखद था। उससे पहली बार मिलने वाले अधिकाश व्यक्तियो को इस बात से आश्चर्य होता था कि यह कोमल व्यवहार वाला व्यक्ति विलियम एटली है। 'वह' विलियम एटली नही ? यह वह व्यक्ति नही, जिसने 'क्लैरियन' को पूर्वीय समुद्र-तट का एक सर्वोत्तम जानकारी रखनेवाला, अत्यन्त विश्वसनीय और पूर्णतः भरोसा करने योग्य समाचार-पत्र बना दिया है ? यह बात सच थी कि 'क्लैरियन' एक छोटा-सा पत्र, एक ग्रामीण समाचार-पत्र है, किन्तु उसमें व्यंग्य और प्रभाव, दोनो हैं। एटली वह नागरिक है, जिसने अपनी अन्तरात्मा का कहना मान कर रूजवेल्ट के पक्ष में मत दिया था; एटली वह व्यक्ति है जिसने अपने क्षेत्र में वार्ड-राजनीति के विरुद्ध संघर्ष किया, जो दबाव डालनेवाले गुटों से नफरत करता है, जो द्विदलीय विदेश-नीति में विश्वास करता है। आप उसके अग्रलेखों पर विश्वास कर सकते हैं। सम्प्रति आप उससे कितने भी असहमत क्यों न हों, कुछ महीने बाद आप को उसके उस ठोस सद्विवेक से आश्चर्य होगा, जिसके कारण वह झूठे निष्कर्षों पर पहुँचने से बचा रहा।

पेगी ने कहा—"क्या मैं पाल हैन को यहाँ बुला लाऊँ ? वह जर्मनी में प्रति-प्रचार या ऐसा ही कोई कार्य करता रहा है।"

"मैं उससे मिलना पसन्द करूँगा।"—विलियम एटली ने कहा। उसकी आँखें उसके चेहरे का निरीक्षण कर रही थीं। "पेगी—रोना, रोना, स्काट से विवाह क्यों नही कर रही है ?"

"किन्तु वह तैयार तो है !" पेगी ने विस्मयान्वित होकर उसकी ओर घूर कर देखा।

"यदि स्काट सारा प्रबन्ध कर ले, तो वह कल ही उससे विवाह कर लेगी।"

"गत सप्ताह मैने स्काट के साथ दोपहर का भोजन किया था। मुझे ऐसा आभास मिला कि..." विलियम एटली ने अपना वाक्य पूरा नही किया। उसने

थोड़ा अप्रसन्न हो कमरे के चारों ओर देखा। स्काट ने निराशापूर्वक कहा था कि रोना अपने कार्य में सफल हो रही थी, तो इस हालत में, वह उससे नौकरी छोड़ने को कैसे कहता और उसे केवल अपना वेतन देकर किस प्रकार सान्त्वना देता? "कुछ भी हो, वे अभी विवाह क्यों नहीं कर लेते?" विलियम एटली-ने आक्रोश के साथ पूछा।

"यही बात तो मैं भी जानना चाहती हूँ।"—पेगी ने कहा। तत्पश्चात् रोना के प्रति उसके स्नेह का स्मरण कर उसने स्वयं अपने संताप को नियन्त्रित कर लिया। 'किन्तु, श्री एटली, रोना अपने आप तो तारीख निश्चित नहीं कर सकती। यह निश्चित करना तो पुरुष का काम है, नहीं है क्या?" और यदि मै विलियम एटली को पसन्द नहीं करती, उसने सोचा, तो मैं उससे कह देती कि वह अपने मूल्यवान पुत्र से जितना रुष्ट है, उससे अधिक मैं रुष्ट हूँ।

"तो फिर स्काट मे क्या खराबी है? लड़का उसमे प्रेम करता है। इतना मैं जानता हूँ।" तत्पश्चात् उसने दुखपूर्वक अपना सिर हिलाया। "ऐसा प्रतीत होता है कि मैं उसे किसी भी बात में बहुत अच्छी तरह नहीं समझ सका हूँ।"

पेगी मौन थी। स्वयं अपने समक्ष भी स्काट एटली की आलोचना करने से क्या लाभ था? यदि वह स्काट की इस नापसन्दगी के विरुद्ध संघर्ष नहीं करती, तो अन्ततोगत्वा वह रोना को भी खो बैठेगी। उसने अपने आपको, प्रायः सान्त्वना के शब्दों में, यह कहते हुए सुना—"चिन्ता मत कीजिये, श्री एटली। आपको मालूम है कि स्काट के अपने विचार हैं, किन्तु उसका और रोना का विवाह शीघ्र हो जायगा। और यदि वह आपके पत्र में काम करने के सम्बन्ध में अपना विचार बदल दे, तो भी मुझे आश्चर्य नहीं होगा। मुझे विश्वास है कि जब वह यह महसूस करने लगेगा कि उसने अपनी स्वतन्त्रता की घोषणा पर्याप्त रूप से कर दी है, तब वह किसी दिन अवश्य ऐसा करेगा।"

एटली ने, गर्व-मिश्रित स्वर में, शीघ्रतापूर्वक कहा—"मैं उसकी स्वतंत्रता-भावना को पसन्द करता हूँ। वह जिस प्रकार स्वयं नाम कमाना चाहता है, उसे मैं पसन्द करता हूँ। यदि वह "क्रैरियन" में अनुभव प्राप्त करने के बजाय न्यूयार्क मे किसी पत्र में काम करना पसन्द करता है, तो मैं इस बात को अच्छी समझता हूँ। मैं उसके लिए उसके जीवन का संचालन करने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ। केवल, मैं यह महसूस नहीं करता कि वह सुखी है। पूर्ण रूप से तो नहीं। रोना के साथ सुखी हो सकता है। किन्तु अपने काम से? तुम मुझे यह कामना करने के लिए दोष नहीं दे सकती कि मेरा एक मात्र पुत्र अच्छे

सुखी जीवन का उपभोग करे। क्या तुम इसके लिए मुझे दोष दे सकती हो ?" उसने भावना के इस आकस्मिक प्रदर्शन पर मुस्कराने का प्रयत्न किया।

"नहीं।"—पेगी ने विनम्रता से कहा—"हम सब यही तो देखना चाहते हैं।" उसका विचार पांच-वर्षीय बाबी की ओर दौड़ गया। क्या बाबी पचीस वर्ष का हो जाने पर परामर्श और सहायता को बुरा मानेगा ? शायद। मैं भी बुरा मानती थी, उसने अपराधी की भावना से सोचा। हां, जब स्काट का विवाह हो जायगा और चिन्ता करने के लिए उसके कुछ बच्चे हो जायेंगे, तब वह अपने पिता को और उनकी विगत बातों को अधिक अच्छी तरह से समझना प्रारम्भ कर देगा। उसने विलियम एटली की ओर देखा, जो सम्प्रति मौन और मुह बन्द किये हुए था। "मैं जा कर पाल हैन की रक्षा करूँगी।"—उसने कहा और वह सघन, छोटो-सी भीड के बीच से कुशलतापूर्वक मार्ग बनाती हुई चली गयी।

"पाल ! " उसने उसे मैरी फाईन और बर्फ पर फिसलने की उसकी कहानियों से दूर खींचते हुए कहा। " अथवा क्या तुम उस लाल बालोंवाली लड़की के साथ रुकना चाहते हो ?" जब वे दोनों खिड़की की ओर बढ़ रहे थे, तब पेगी ने हँसते हुए उससे पूछा—"मेरी मूर्खता है, किन्तु चिन्ता मत करो। वह आ जायगी। वह अबोधगम्य चेहरों वाले बलिष्ठ पुरुषों को पसन्द करती है।"

"औरतों की आँखों को क्या होता जा रहा है ?"—पाल ने पूछा।

"तुम्हारा आशय काली पेंसिल से किये गये काजल से है ? पत्रिकाओं का कहना है कि यह उन्हें आकर्षक बना देता है। मुझे तो वे वृद्ध भेड़िये के समान दिखायी देती है...उनके साथ तुम्हें देखना और अधिक अच्छा लगेगा।"

"यह मुझे सर्कस की याद दिलाता है। उनके लिए केवल इतनी-सी बात की आवश्यकता है कि उनके चेहरों पर थोड़ी सपाट सफेदी कर दी जाये।"

"तुम पागल हो गये हो, पाल। क्यों, किसी समय तुम—"

"अवश्य। यह 'किसी समय' बहुत समय पहले की बात है।"

"हां।"—उसने कहा। और उसने उसकी ओर अटकल लगाने की मुद्रा से देखा। "मैं तुम्हें विलियम एटली से मुलाकात कराने के लिए ले चल रही हूँ।"—उसने कहा। "क्लैरियन" की याद है तुम्हें ?"

"क्यों, अवश्य।" वह अकस्मात् प्रसन्न हो उठा। "क्या वह अभी तक वास्तविक पुराने फैशन वाला अमरीकी उदारवादी है ?" वह अत्यधिक प्रसन्न

हुआ। वह उत्तेजित हो उठा। और उस नवयुवक व्यक्ति से (श्री एटली के दृष्टिकोण से पाल हैन अत्यंत नवयुवक था) मिलने के लिए मुड़ते समय विलीयम एटली ने उस सद्भावना के कुछ अंश का अनुभव किया, जो उन्हें प्रदान की गयी थी। उन्होंने शांतिपूर्वक, बुद्धिमत्तापूर्वक बात करना प्रारम्भ किया। और वे, जान टाइसन की भांति, जानते थे कि प्रश्न किस प्रकार पूछे जाते है। पाल उन प्रश्नों के सीधे उत्तर देता और जब वह जर्मनी के अमुक क्षेत्र अथवा सैनिक शासन की अमुक समस्या के संबंध में वास्तव में नहीं जानता था, तब वह अपने अज्ञान को स्पष्टतापूर्वक स्वीकार कर लेता था। उसके उत्तर देने का ढंग विलियम एटली को पसन्द था और उनके प्रश्न अधिक विशिष्ट होने लगे। अब उनकी दिलचस्पी विनम्रता की सीमा को पार कर गयी थी।

पेगी टाइसन ने कुछ मिनटों तक प्रतीक्षा की और तब वह वहाँ से खिसक गयी। इस बार उसे जान की रक्षा करनी थी। वह सदा ही भयंकरतम बातूनियों के, सामान्यतः ऐसी औरतों के, जो नितान्त अनाकर्षक होती हैं, जाल में फँस जाता हुआ प्रतीत होता था। एक बार उनके पंजे मे आ जाने पर वह फँसा ही रह जाता है। वह इतना विनम्र है कि अन्य पुरुषों की भांति जान बचाकर भाग नही पाता। कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि जान काकटेल पार्टियो को नापसन्द करता है। अब, पेगी के अपनी बगल में आ जाने पर उसने उसकी ओर हार्दिक कृतज्ञता की दृष्टि से देखा। "पाल, तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है, प्रिय।" उसने उसकी बगल में विचित्र कपड़े पहनी हुई औरत की ओर देख कर क्षमायाचनापूर्वक मुस्कराते हुए कहा। पेगी ने सोचा कि 'वोग' की अन्तिम ६ प्रतियो के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित समस्त चित्रों को एकत्र कर दिया जाय, तो सम्भवतः यह बात समझ में आ सकती है कि इस औरत के विचार से सर्वोत्तम वस्त्र पहनने वाली महिला क्या पहन सकती है। लम्बे कर्णफूल, पेंसिल से अत्यधिक रंगी हुई आँखें, हीरे और पन्ने की एक पिन से बंधा हुआ, उसके वयोवृद्ध होते हुए गले के चारों ओर लपेटा गया एक मखमली पट्टा; एक कसी हुई चोली, जो सख्त प्रतिरोध कर रही थी; मजबूत टफेटा, जो प्रत्येक गतिविधि के साथ चरमर-चरमर कर उठता था।

किन्तु उस औरत ने जान को इतनी आसानी से नहीं जाने दिया। उसके चेहरे की निचली रेखाओं को स्पष्ट करने वाले तथा कान पर लटकने वाले अंगूरों के गुच्छों वाला हैट दुख एवं बलपूर्वक हिला। "मुझे कोलम्बिया विश्वविद्यालय में भरती होकर आपके पति के व्याख्यानों को सुनने के

लिए आना ही होगा।" उसने मस्तिष्क मे उन्नीस वर्ष की उम्र की समस्त मधुरिमा भरकर कहा—"वे इतने मजेदार हैं, श्रीमती टाइसन, इतने मजेदार। स्कूल मे मै इतिहास के सम्बन्ध में कभी चिन्ता नहीं करती थी, किन्तु मुझे विश्वास है कि वे मुझे कुछ भी पढ़ा सकते है।"

"इसमे कोई सन्देह नही।"—पेगी ने फुसफुसा कर कहा और निश्चयपूर्वक रवाना हो गयी।

"भगवान कसम!" एक बार सुरक्षित दूरी पर पहुँच जाने पर जान ने भावुकता के साथ कहा—"रोना को यह कहाँ मिल गयी?"

"तुम वास्तविक सौन्दर्य को चुनते हो, जान। इस कमरे में उपस्थित समस्त व्यक्तियों के बारे में सोचने के बाद तुमने उसे चुना।"

"मैंने उसे चुना नहीं; वह तो बस यूँ ही टपक पड़ी।"—जान ने उस वयोवृद्ध पंजे की याद करते हुए कहा, जो लेखकों के एक छोटे-से समूह के साथ बात करते समय आकर उसके कन्धे पर पड़ गया था। ओह, डा० टाइसन, मैं आपसे मिलने की प्रतीक्षा इतने दिनों से करती रही हूँ!....वह पत्थर की भांति निश्चल हो गया, मानो वह साक्षात् 'गोरगन' (एक अत्यन्त कुरूप और भयंकर दानवी) थी। अन्य व्यक्तियों से भी कोई सहायता नही मिली थी; वे जानते थे कि वे इस विपत्ति से मुक्ति पा गये हैं। लोग ऐसा क्यो सोचते हैं कि विश्वविद्यालय के अध्यापक जी उबा देने वाली बातों को सुनना पसन्द करते हैं?

"बड़ा ही विचित्र हैट था वह!"—पेगी ने कहा—"क्या तुम अंगूरों के गुच्छों से आकृष्ट हो गये थे?"

"हमें केवल लकड़ी के एक हौज की आवश्यकता है और तब हम अपने जूते और मोजे निकाल सकते है।"—जान ने निराशा के साथ कहा। तत्पश्चात् उसने अपनी पत्नी पेगी की ओर देखा, पुनः स्वस्थ-चित्त हो गया और मुस्करा पड़ा। "आओ, प्यारी, अब हम लोग घर चलें।"

"कोई भी व्यक्ति घर जाता हुआ प्रतीत नहीं होता—अभी नहीं।"—पेगी ने धीमे से कहा।

"यहाँ किसी भी व्यक्ति के पास घर नही है, जहाँ वह जाये। यह स्पष्ट है।"—तब वह उसकी निराशा को देखकर, स्वयं अपनी निराशा को छिपाता हुआ, नम्र हो गया। आजकल वे बहुत अधिक पार्टियों में नहीं जाते हैं, पाँच वर्ष के बाबी और दो वर्ष की बारबेरा के कारण।

"परिवर्तन के लिए एक सही माने में सुन्दरी लड़की से मिलने के सम्बन्ध

में तुम्हारा क्या ख्याल है ?"—पेगी ने मैरी फाइन के लाल बालों की ओर संकेत करते हुए कहा।

"वह मेरे पास है।"—जान ने शात स्वर में उत्तर दिया।

पेगी लज्जा से लाल हो गयी और उसकी आँखें हँसने लगीं।

रोना की आवाज सुनायी पड़ी—"कहा जाता है कि पति-पत्नी का सार्वजनिक रूप से प्रेमालाप करना नियम-विरुद्ध है, किन्तु मेरी परवाह मत करो। मैं इसे पसन्द करती हूँ।" तत्पश्चात् उसका स्वर गम्भीर हो गया। "बेचारे जान...क्या थेलमा ने तुम्हें पकड़ लिया है ? मैंने तुम्हारे पास पहुँचने की कोशिश की, तभी मैंने पेगी को चार्ज लेते हुए देखा। नहीं, मेरी ओर उस तरह मत देखो। वह पूर्णतया अनिमंत्रित है। वह तो बस—!"

"टपक पड़ी ?"—जोन ने पूछा।

"हां, यही उपयुक्त शब्द है। वह मर्रे के साथ आयी। वह वहाँ कोने में गोल चेहरेवाला व्यक्ति है। राजनीति के सम्बन्ध में बातें कर रहा है. निस्सन्देह उसी के साथ।"

पेगी ने कहा—"वह वही व्यक्ति है, जो मुझे हास्य-प्रधान चित्र के सामाजिक महत्व के सम्बन्ध में बताने के लिए हठ कर रहा था। जब तक बाबी उसे नहीं सुनता, तब तक मुझे प्रतीक्षा करनी होगी ! मैं इतना तो अवश्य कहूँगी कि तुम कुछ विचित्र मित्रों का चुनाव करती हो, रोना।"

"ओह, वह—वह तो स्काट का एक पिछलग्गू मात्र है।" तत्पश्चात् उसका स्वर चिन्ता-मिश्रित हो गया। "मैं नहीं सोचती कि स्काट ने अभी तक पाल हैन को देखा है।"

"नही देखा है ?" जान ने मुस्कराते हुए पूछा।

"अब वह उस दिशा में जा रहा है।" रोना ने स्काट को आराम के साथ अपने पिता और पाल हैन की ओर जाते हुए देखकर राहत के साथ कहा—"किन्तु मैंने पाल को यहाँ किसलिए बुलाया ?" उसने प्रायः अपने आपसे पुनः कहा।

"चिन्ता मत करो।"—पेगी ने परामर्श दिया—"थोड़ी-सी प्रतिद्वंद्विता से स्काट को कोई नुकसान नहीं होगा। उसमें यह सोचने की प्रवृत्ति बहुत अधिक है कि तुम पर उसका एकमात्र अधिकार है।" इस छोटी-सी सत्य बात को कह कर वह टेलिविजन में काम करनेवाले व्यक्ति से बात करने के लिए दूर चली गयी और जान ने देखा कि मैरी फाइन यह जानना चाहती थी कि वह आजकल

बर्फ पर काफी फिसलता है अथवा नही ।

रोना ने, जो अभी तक व्यग्रतापूर्वक निरीक्षण कर रही थी, श्री एटली को, स्काट के निकट पहुँचते ही, पाल को छोड़ कर जाते हुए देखा । श्री एटलीने, जिनकी पीठ स्काट की तरफ थी, उसे नही देखा था, किन्तु, रोना ने सोचा कि स्काट इस बात पर कभी विश्वास नही करेगा । वह महसूस करता था और कोई भी वस्तु उसे अन्यथा सोचने के लिए प्रेरित नही कर सकती थी, कि उसके पिता ने उसके विद्रोह के लिए उसे कभी माफ नहीं किया है । और यद्यपि स्काट यह जताता था कि उसे इस बात की तनिक भी परवाह नही है, तथापि वह इस बात से चिन्तित रहता था । उसमें एक अपराध की भावना थी, जिसे वह कभी स्वीकार नही करेगा, किन्तु इसके कारण वह ऐसा हो जाता है कि—नही बिल्कुल अगम्य नही, रोना ने वफादारी के साथ सोचा, बिल्कुल अगम्य नही, किन्तु कभी-कभी उसे समझ सकना थोड़ा कठिन हो जाता है ।

अब, उसके पिता के एक दूसरे समूह के साथ बात करने के लिए चले जाने पर स्काट की पीठ को तना हुआ देख कर, स्काट को पाल के निकट पहुंचते और हिचकिचाते हुए देखकर, उसने किसी अनहोनी का अनुभव किया । उसने दुखी होकर सोचा कि रात्रि के भोजन का समय भयंकर होगा और बाद में, जब उसके पिता हम से विदा लेकर चले जायेंगे, तब तो मुझे अकेली ही इसका सामना करना पड़ेगा । तत्पश्चात् उसने अपने आपको समझाया कि यदि तुम वास्तवमें प्रेम करती हो, तो भी तुम्हारे सुख को सन्तुलित करने के लिए थोड़ा-बहुत दुख सदा ही विद्यमान रहता है । पेगी और जान—अकेले वे ही अपने सुखको अखण्ड और अनाक्रान्त रखते हुए प्रतीत होते है; वे अपने एक निजी संसार में खोये रहते हैं । किन्तु किस प्रकार, उसने आश्चर्य-मिश्रित दुख से सोचा, किस प्रकार तुम उस संसार को पा सकती हो ?

उसने अपने एक अतिथि से हार्दिक मुस्कान के साथ कहा—"लाओ, मैं इस पेयपदार्थ को ताजा कर दूं ? नही, मैने इस मौसम में "बेले रूसी' नही देखा । तुम्हें वह कैसा लगा ?"

स्काट एटली ने अपने पिता को पाल हैन को छोड़ कर जाते हुए देखा और वहां जाने का उसका बहाना समाप्त हो गया । तत्पश्चात्, हैन ने, उसकी हिचकेचाहट को देखकर कहा,—"सिगरेट लीजियेगा ?"

"नहीं, धन्यवाद ।"

"मेरा नाम हैन है ।"

"मुझे मालूम है। मेरा नाम एटली है।"

"ओह!" पाल ने भूरा सूट और गहरे नीले रंग की टाई पहने हुए नवयुवक की ओर से नजर हटा कर विलियम एटली की ओर देखा।

"हां, मैं 'क्लैरियन' का पुत्र हूँ।"—स्काटने कटु मुस्कान के साथ कहा—"किन्तु मैं उसमें काम नहीं करता।"

"नही?" पाल को उस छोटे-से वाक्य में निहित कटाक्ष की भावना से आश्चर्य हुआ।

"नही।" स्काट सावधानी के साथ पाल हैन की ओर देख रहा था। 'कैरी ग्राण्ट' की नकल, उसने उपहास की भावना से सोचा।

"क्लैरियन एक ऐसा पत्र है, जिस पर गर्व किया जाना चाहिए।"—पाल ने कहा। वह बदले में नवयुवक एटली के चेहरे के हाव-भावों को देखने लगा। अंतर में किस बात का गुस्सा है, इस पर वह आश्चर्य कर रहा था।

एटली ने उस बात की उपेक्षा की—"मैंने सुना है कि आप पुनः 'ट्रेण्ड' में आ रहे हैं..."

पाल हैन ने सावधानी के साथ अपनी सिगरेट सुलगायी।

"...और ब्लैकवर्थ के स्थान पर जा रहे हैं।"

"क्या बात कुछ इसी प्रकार की लगती है?" पाल हेन ने चढ़ी हुई नीली आँखों का निरीक्षण किया। उन्हें काली बनाकर उनमें सुधार किया जा सकता है। आसान है, उसने अपने आपसे कहा, अब आसान है: यह रोना की पार्टी है।

"हाँ!" तभी स्काट ने अंगूरों के गुच्छोंवाले हैट को निकट आते हुए देखा और थेलमा की नाचती हुई आँखें रुचि लेती हुई दिखायी पड़ीं। उसने अपने आपको नियंत्रित किया और आश्वस्त हो मुस्कराने लगा। "मैं ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में कुछ भी नहीं जानता।"—उसने कहा—"किन्तु उसके साथ जो कुछ हो रहा है, उसे मैं पसन्द नहीं करता। स्पष्ट रूप से कहूँ, तो मुझे यह प्रपीड़न के समान प्रतीत होता है। आप मर्रे से क्यों नहीं पूछते? वह विगत चार वर्षों से 'ट्रेण्ड' में है।" उसने सिर हिलाकर कमरे के कोने की ओर, गोल चेहरे, भारी-भरकम शरीरवाले व्यक्ति की ओर, जो अभी तक भाषण कर रहा था, संकेत किया।

"क्या आपका मतलब उस व्यक्ति से है, जो अमरीका को पसन्द नहीं करता?"

स्काट परेशान व नाराज दिखायी देने लगा। "केवल वर्दी पहन लेने से

कोई व्यक्ति अमरीका को पसन्द करनेवाला नही हो जाता।"

"और न आप इधर-उधर जाकर अमरीका पर प्रहार कर उसके दाँत ही तोड़ सकते है।"

स्कॉट मुस्करा पड़ा। "मैं देखता हूँ कि मर्रे अपनी चाल चलने से बाज नहीं आया है। उसे लोगों को आघात पहुँचाने में मजा आता है।" उसने हैन की ओर देखा और उसकी मुस्कराहट और अधिक फैल गयी। "ऐसा प्रतीत होता है कि आज रात उसे अपने ध्येय में काफी सफलता मिली है।"

पाल हैन ने उदास मन से कहा—"निश्चितरूप से, मेरी परिहास-भावना समाप्त हो गयी है। यही बात है।"

स्काट ने, जो अभी तक मुस्करा रहा था, कहा—"किन्तु वास्तव में मैं आपसे जो बात कहने आया हूँ, वह यह है : जब आप 'ट्रेण्ड' में ब्लैकवर्य के स्थान पर काम करने लगें, तब रोना से दूर ही रहिये, क्या आप ऐसा कर सकेंगे?" इस कथन के अन्तिम वाक्य में भयंकर विष भरा हुआ था, जिसकी कटुता स्वर की संयतता के कारण और भी बढ़ गयी थी।

पाल हैन ने घूर कर देखा। "संयोगवश, आपका प्रथम नाम स्काट तो नहीं है?" वह जोर से मुस्करा पड़ा और नम्र हो गया। "आपको पहले ही यह बात बता देनी चाहिए थी ताकि प्रत्येक बात का खुलासा हो गया होता।"

स्काट एटली ने कुछ नहीं कहा। वह ओठों पर मुस्कान लिये हुए खड़ा रहा, उसकी आँखें सर्द और कठोर थी।

"चिन्ता मत कीजिये।"—पाल ने पुनः एक बार अपने स्वर में परिवर्त्तन लाकर कहा—"अभी तक मैंने किसी दूसरे व्यक्ति की सम्पत्ति नहीं चुरायी है। नमस्कार।" उसने अपना गिलास नीचे रख दिया और अचानक घूम पड़ा। उसने एक पत्रिका के लेखक और एक समालोचक से, जिन्होंने इस सप्ताह उसके साथ दोपहर का भोजन करने की तारीख निश्चित की, नमस्कार किया, दो मित्रों को देखकर केवल सिर हिलाया और उन्हें कल मिलने का वचन दिया, मर्रे के परिहासी मित्र-वर्ग की उपेक्षा की, अपनी टोपी छूही और रोना की तलाश करने लगा। वह हाल में जान और पेगी को विदा दे रही थी।

"तुम भी?" उसने विनम्रतापूर्वक पूछा। वह किसी बात से थोड़ी-सी चिन्तित थी।

'हाँ मुझे जाना ही होगा। यह एक शानदार पार्टी है!" उसने कहा। "धन्यवाद, रोना।"

"हमारे साथ घर चलो और हम कुछ रूखा-सूखा तैयार कर खा लेंगे।" —पेगी ने आकस्मिक भावुकता से कहा—"और हम बाबी को जगायेंगे और तब उसे एक जीवित मेजर को देखने का अवसर मिल जायेगा।"

"आओ।"—जान ने कहा—"हमें पार्टी में बात करने के लिए अधिक समय नहीं मिला।" निजी तौर पर वह सोच रहा था कि आज रात वह उन कागजों का वर्गीकरण कब करेगा। किन्तु वह पेगी की ओर देखकर यह सोचते हुए मुस्करा पड़ा कि उसका हृदय "एम्पायर स्टेट" जितना विशाल है।

"आज रात को नहीं!"—पाल ने कहा—"किन्तु फिर भी धन्यवाद। मैं यात्रा करते रहने से थक गया हूँ। अतः मैं सोचता हूँ कि मुझे जल्दी ही सो जाना चाहिए।"

"घर पहुँचने की प्रथम रात?" मैरी फाइन ने हाल में प्रवेश करते हुए अपने मन्द स्वर में पूछा। उसने मुस्कराते हुए उसकी बांह पकड़ ली। "ओह, पाल!"—उसने उसके प्रथम नाम पर बल दिया।

उसने सोचा कि मेरी पदोन्नति कर दी गयी है। रोना एक विचित्र हल्की मुस्कान के साथ उसका निरीक्षण कर रही थी।

"मैं बहुत अधिक थक गया हूँ।"—उसने परेशानी के साथ कहा।

"आपको गोश्त के एक बढ़िया टुकड़े तथा एक बोतल शराब की जरूरत है।" मेरी के लाल बालों ने हाल की हल्की रोशनी को पकड़ लिया, उसकी पेंसिल से रँगी हुई बड़ी-बड़ी आँखें उसकी ओर देखने लगीं। "और मैं बहुत अच्छा गोश्त पकाती हूँ।"—उसने कहा—"आपने मुझे वचन दिया है कि आप आइयेगा, जानते है....! नमस्कार, रोना। हमारा समय बहुत ही सुन्दर ढंग से कटा।"

पाल ने घूर कर देखा, और तत्पश्चात् उसे स्मरण हो आया कि उसे विनम्र होना चाहिए। जान सहानुभूतिपूर्ण मुस्कराहट के साथ उसका निरीक्षण कर रहा था।

रोना ने कहा—"नमस्कार, पाल!" उसकी विचारपूर्ण मुस्कराहट गहन हो गयी।

बहुत अच्छा, उसने अल्हड़पन से सोचा, बहुत अच्छा। उसने मैरी की बाँह को मजबूती के साथ पकड़ लिया। "नमस्कार!"—उसने सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए पुकार कर कहा।

मेरी फाइन का सुन्दर चेहरा पीड़ा से विकृत हो गया। "ओह!" उसने

कोमल स्वर में कहा,—"यह तो एक तकलीफदेह क्रिया है।"

उसने अपनी पकड़ ढीली कर दी।

"तुम्हें स्वयं अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं है, पाल।"—उसने अपने सिर को पार्श्व में घुमा कर उसकी ओर देखा और वह मुस्करा पड़ी। वह उसकी बांह पर झुक गयी।

बाहर आकर उसने उसकी बांह छोड़ दी और अनिश्चय की मुद्रा में खड़ा हो गया। उसका गुस्सा समाप्त होता जा रहा था। एक क्षण के लिए उसने अपने मुलायम बाल उसके कन्धे पर टिका दिये। फिर उसने ऊपर उसकी ओर देखा और आँखें फैलाकर अनजान की भाँति कहा—"वास्तव में मेरे पास बर्फ के बाक्स में गोश्त का एक टुकड़ा है। और मेरे पास शराब की एक बोतल भी है—कमरे के तापमान की।...." थर्ड एवन्यू के कोने पर एक टैक्सी रुकी। उसने अपना हाथ उठाकर संकेत दिया। वह धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ी, जहां वे दोनों खड़े थे।

"देखिये—" उसने कहना प्रारम्भ किया।

"हाँ, देखिये—" उसने हँसते हुए कहा। उसके बाल सड़क की बत्ती के प्रकाश में चमक रहे थे, उसका कोट खुला हुआ था, जिससे घुटनों तक के काले ड्रेस की पृष्ठभूमि में उसका गला सफेद दिखायी दे रहा था। उसने क्रीड़ापूर्वक उसके हाथ को पकड़ लिया, उसे अपने ओठों तक ले गयी और जोर से काट लिया।

"यह क्या—!" उसने क्रोध के साथ कहना प्रारम्भ किया। वह उसे अपने पीछे टैक्सी में खींचती हुई पुनः हँस पड़ी। एक क्षण के लिए उसने हरे खिड़की-बाक्सों से प्रस्फुटित प्रकाश की ओर देखा। उसका मुंह बन्द हो गया और वह उसके पीछे-पीछे चला गया। "क्यों कि—" वह उसके हाथ को कोमलतापूर्वक उठाते हुए और उसकी ओर देखते हुए कह रही थी—"क्योंकि मैं आपको क्रोधित देखना पसन्द करती हूँ।" वह सिर को मोड़कर देखने लगी और उसकी मुस्कराहट ने हँसी का रूप धारण कर लिया—"मैं उन पुरुषों को पसन्द करती हूँ, जो बहुत अधिक क्रोधित हो जाते हैं।"

पहले कोने पर उसने ड्राइवर के ऊपर झुक कर कहा—"यहां रुक जाओ, जो।" उसने दरवाजा खोलकर उस व्यक्ति को एक डालर दिया और बाहर कूद पड़ा।

"यह क्या—" उसने अपना स्वर तेज करते हुए कहना प्रारम्भ किया।

"क्योंकि मैं आपको क्रोधित देखना पसन्द करता हूँ।"—उसने कहा। "मैं आपको अत्यधिक क्रोधित देखना पसन्द करता हूँ।"

तत्पश्चात् वह जल्दी-जल्दी चलता हुआ वहां से दूर हो गया। उसने उसे बुलाया, किन्तु उसने मुड़कर भी देखा नहीं।

वह लेक्सिंगटन गया और उस छोटे-से मदिरालय में गया, जिसके दरवाजे के ऊपर 'नियन' बत्तियां प्रकाशित हो रही थी। अब उसने देखा कि वहा "बिन्नी" लिखा हुआ है।

कलाल अभी तक गिलासों पर पालिश कर रहा था। आधुनिक वेष-भूषा वाली सुनहरे बालों वाली लड़की अभी तक वहां अपने मित्र के साथ बैठी हुई थी। उसने उसकी ओर देखा, किन्तु इस बार वे दोनों मुस्कराये।

"आदत पुरानी होती जा रही है।"—कलाल ने अपने सिर को निराशा-पूर्वक खुजलाते हुए कहा—"यह क्या होगा?"

अध्याय—४

पार्टी समाप्त हो गयी थी। छोटा-सा हाल नमस्कारों से भर गया और उनकी ध्वनियां सीढ़ियों पर प्रतिध्वनि होने लगीं। हमारा समय बहुत अच्छी तरह से गुजरा। बहुत, बहुत अच्छी तरह से। रोना धीरे-धीरे अपने घर में वापस लौटी, जो अपनी रिक्तता में पुनः प्रायः बड़ा दिखायी देने लगा था। उसने फर्श पर से एक टुकड़े-टुकड़े हो गयी 'श्रिम्प' उठायी, हरे और सफेद रंग के धारीदार कोच पर से एक राखदान को, जो लबालब भर गया था, उठाया। सफेद रंग के छोटे-से 'मैण्टिलपीस' पर से आधे खाली गिलासों को एकत्र किया। आतिश-दान सिगरेट के टुकड़ों, सिगरेट की राख और जली हुई दियासलाइयों से भरा हुआ था। उसने सोचा कि केवल गहरे हरे रंग की दीवारें साफ दिखायी दे रही हैं, केवल दीवारें और तस्वीरों के सफेद फ्रेम तथा धीरे-धीरे हिलते हुए सफेद और पीले पर्दे। उसी समय स्काट ने दोनों खिड़कियों को एक दम खोल दिया। वह चूल्हे के साथ समकोण बनाती हुई लाल कुर्सी पर बैठ गयी। उसके हाथ में कुछ गन्दे गिलास थे; उसमें इतनी शक्ति भी शेष नहीं रह गयी थी कि वह निर्णय कर सके कि उन्हें कहां रखना चाहिए। स्काट ने उसके पास

आने, उसे पकड़ने तथा उसका चुम्बन लेने का कोई प्रयास नहीं किया। वह अभी तक खुली हुई खिडकियों के पास खडा था।

सड़क पर से प्रसन्नतापूर्ण स्वर प्रवाहित हुआ। मर्रे—"टैक्सी" "टैक्सी" पुकार रहा था। एक महिला का स्वर हँसी मे परिणत हो गया।

"वह थेलमा को क्यों ले आया ?" रोना ने क्लान्तिपूर्वक कहा। "वह अधेड़ मद्यपी..." उसने उसास भरी और तत्पश्चात् भीगे हुए गिलासों को चूल्हे पर रख दिया।

"थेलमा उसे अपनी अनेक पार्टियों में ले जाती है।"—स्काट ने कहा।

"किन्तु उसका प्रतिदान हमारे मूल्य पर क्यों दिया जाये ? उसने जान तथा कई अन्य व्यक्तियों को अत्यधिक परेशान किया। जब मर्रे उसे यहां ले आया, तब उसने उसका ध्यान क्यों नहीं रखा ? कुछ भी हो, हमने मर्रे को ही क्यों निमंत्रित किया ? ओह, मुझे खेद है, स्काट—मैं जरा अधिक सोच रही हूँ।"

स्काट ने धीरे-धीरे, अभी तक इधर-उधर न देखते हुए कहा—"मैं यह सोचने लगा हूँ कि मर्रे को बुलाना एक बहुत बड़ी भूल थी।"

"उसकी पद्धति इतनी पुरानी है ! दो या तीन वर्ष पहले वह इससे काम चला सकता था। किन्तु अब नहीं।"

"तुम्हारा मतलब क्या है ?"—स्काट ने कमरे की ओर देखा।

"बस इतना ही कि वह अपने को जितना मौलिक सम्भाषणकर्ता समझता है, उसका लेश मात्र भी वह नहीं है। वह हमारे अधिकांश अतिथियों को केवल संत्रस्त करने में ही सफल हुआ है।"

"क्यों कि वह उन सब से भिन्न प्रकार से सोचता है ? तो इसका अर्थ यह हुआ कि हम सबको एक ही प्रकार से, एक ही बात को सोचना चाहिए ?"

"नहीं प्रिय !"—वह उठी और उसके पास आ गयी। "मैं यह विश्वास नहीं करती कि कमरे में हममें से किन्हीं भी दो व्यक्तियों ने एक ही दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित किया—केवल, हाँ, केवल सही को सही और गलत को गलत मानने के सामान्य मार्ग को छोड़कर।"

"वह सब कुछ सापेक्षिक है।"—स्काट ने कहा—"प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी विचारधारा पर निर्भर करता है।"

उसने कहा—"जीवन की छोटी छोटी बातों के अतिरिक्त अन्य बातों के सम्बन्ध में मैं इस पर विश्वास नहीं करती। तुम जितना चाहो, उतनी सापेक्षिक

वे तुम्हें प्रतीत हो सकती हैं। किन्तु बड़ी-बड़ी वस्तुओं के संबंध में तुम्हें यह निर्णय करना ही पड़ेगा कि क्या सही है और क्या गलत है। अन्यथा, तुम्हारे पास कोई नैतिक विवेक-बुद्धि नहीं है, ऐसा माना जायेगा। मर्रे की भाँति। वह तो एक तोता मात्र है, बस तोता मात्र।"—उसने चिन्तित और अप्रसन्न होकर स्काट की ओर देखा। ऐसा प्रतीत होता था कि वह यहां रोना की उपस्थिति को भूल गया था।

अन्त में उसने कठोरतापूर्वक कहा—"यदि मर्रे ने तुम्हें इतना अधिक पीड़ित किया, तो मुझे खेद है। मैं फिर उसे कभी नहीं बुलाऊँगा।"

"उसने तुम्हारे पिता को क्रोध से पागल बना दिया।"

"पिताजी ?"—स्काट की आवाज कठोर हो गयी।

यही तो कठिनाई है, रोना ने सोचा। उसकी चिन्ता उससे दूर हो गयी, किन्तु स्काट की बगल में खड़ी, कमरे के सामने की प्रकाशित खिड़कियों तथा मकानों की छतों से बाहर निकली हुई चिमनियों की ओर देखती हुई वह और भी अधिक दुखी हुई। वह उस समय की प्रतीक्षा कर रही थी, जब स्काट उन समस्त बातों को भूल जायेगा, जिनके कारण आज रात उसे गुस्सा आया था, जब वह उसे अपनी भुजाओं में लेकर उसका चुम्बन करेगा। उसने प्रसन्न करने के विचार से कहा,—"तुम्हारे पिता को इस बात से निराशा हुई कि वे नगर में नहीं रुक सके। वे चाहते है कि हम, आज के बजाय, अगले सप्ताह उनके साथ भोजन करें।"

"हां।"

'स्काट, आज रात को उन्हें स्टाण्टन वापस पहुँचना ही था। तुम्हारे पिता अगर रुक सकते, तो अवश्य रुक जाते।"

"मेरा भी ऐसा ही ख्याल है।"—स्काटने लिखने की डेस्क पर से एक प्लेट में से पावरोटी का एक टुकड़ा उठाया, आलोचनात्मक दृष्टि से उसकी परीक्षा की और फिर उसे फेंक दिया। वह आज रात होने वाले इस पारिवारिक भोज के लिए, प्रच्छन्न तनावों के लिए, छोटी-मोटी आलोचनाओं को छिपाने वाले, प्रत्यक्षतः निर्दोष प्रतीत होने वाले कथनों के लिए दिन भर अपने आपको तैयार करता रहा था। इसके बजाय, उसके पिता स्टाण्टन वापस चले गये थे। उसने क्रोधपूर्वक डेस्क को एक धक्का दिया।

"स्काट !"—रोना की आवाज रोनी-जैसी हो गयी थी।

उसकी क्लान्ति को अकस्मात् परिलक्षित कर वह घूमकर उसके सामने

आ गया। "प्रिये!" उसके चेहरे पर कोमलता आ गयी। "मुझे खेद है। आज शामको मेरा समय बुरा गुजरा, बस इतनी बात है।" उसने उसे अपने भुज-पाश में आबद्ध कर लिया।

"क्या तुम्हें पार्टी में तनिक भी आनन्द नही मिला?"—वह प्रायः रुंआसी हो गयी थी। उसने उसकी आँखों और मुँह को चूम लिया। "हाँ, यह एक अच्छी पार्टी थी।"

"मुझे इस बात का अत्यधिक दुख है, स्काट कि मैने पाल को बुला लिया।"

"वह आनन्द-मग्न प्रतीत हो रहा था।"

वह अपना सिर हिलाते हुए मुस्करा पड़ी। "वही पहले जैसा पाल! वह—पहले की तरह ही—सुन्दरतम लडकी के साथ रवाना हुआ।" तत्पश्चात् उसने कमरे में चारों ओर देखा। "सब कुछ कितना अस्त-व्यस्त पड़ा है।"

स्काट ने पुनः उसका चुम्बन लिया। उसकी मुस्कराहट वापस आ गयी थी। उसकी भृकुटियों की वक्रता समाप्त हो गयी थी। "इसे भूल जाओ। हम लोग बाहर चलेंगे और एक साथ शातिपूर्वक भोजन करेंगे। तत्पश्चात् मैं आज रात तुम्हे जल्द ही घर पहुंचा दूँगा।"

"क्या मैं इतनी अधिक थकी हुई दिखायी देती हूँ?"

"नहीं, तुम अत्यधिक सुन्दर दिखायी दे रही हो। हैन के बारे में तुम्हारा कहना गलत है। इस पार्टी से सुन्दरतम लड़की के साथ रवाना होने वाला व्यक्ति तो मैं हूँ। अब हैट पहन लेने के सम्बन्ध में क्या विचार है? वही, जिसमें केवल दो गुलाब के फूल हैं।"

"बहुत अच्छा।" अब उसके नयन सस्मित हो गये थे। "किन्तु आज रात को थेलमा का हैट देखने के बाद मैं नये ढंग के हैटों से थोड़ा डरने लगी हूँ।"

"तुम थेलमा नहीं हो।"

रोना ने सहानुभूतिपूर्वक कहा, "वह इतनी अधिक दुखी है। थेलमा जैसे लोगों को किस बात का कष्ट हो जाया करता है?"

उसने उस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। उसने कमरे के चारों ओर देखा। "कल श्रीमती कैस्प्रोविक्ज को यहाँ आने के लिए कह दो। आज प्रत्येक वस्तु को यों ही छोड़ दो, रोना। वचन दो।"

वह इतनी अधिक थक गयी थी कि उसने स्वीकार कर लिया और इस बात को भूलने का प्रयास करने लगी कि इस सप्ताह में पहले ही उसका व्यय बहुत अधिक हो चुका है। आजकल पार्टियों पर बहुत अधिक व्यय होता है।

उसने कहा—"मुझे आश्चर्य है कि पेगी और जान किस प्रकार काम चलाते हैं। फिर भी वे काम चलाते ही हैं। आज रात को उनकी ओर ध्यान से देखा—अन्य किसी भी व्यक्ति की भांति वे सुन्दर वेश-भूषा में आये थे। तुम्हें मालूम है, जब मुझे इस बात की याद आती है कि जान मेरी अपेक्षा कम धन कमाता है, तब मैं सदा ही यह अनुभव करती हूँ कि मैं कितनी अपराधिनी हूँ। क्या तुम इस बात की कल्पना कर सकते हो ? उसके पास बड़ी-बड़ी उपाधियाँ हैं, वर्षों तक उसने प्रशिक्षण प्राप्त किया और अध्ययन किया, जब वह कुछ भी नहीं कमाता था और आज उसकी आमदनी क्या है ? एक सहायक प्राध्यापक के रूप में चार हजार डालर प्रति वर्ष।"

स्काट ने उसे छोड़ दिया। "हाँ", उसने कमरे में चारों ओर परेशानी के साथ टहलना प्रारम्भ करते हुए कहा––"यह अत्यन्त अनुचित है, किन्तु तुम ऐसे देश में और आशा ही क्या करती हो, जहां एक फिल्मी अभिनेता राष्ट्रपति से भी अधिक आमदनी करता है ?"

"स्काट, मेरे कहने का आशय यह नहीं है। मैं तो केवल पेगी और जान की प्रशंसा कर रही थी। इससे उनमें कटुता की सृष्टि नहीं होती। चिन्ता, हाँ चिन्तित वे अवश्य रहते हैं, किन्तु कटु नहीं। यदि उन्होंने अपने में कटुता उत्पन्न होने दी होती, तो वे इतने अधिक सुखी नही हो सकते थे।"

"उन्हें इस बात का भी ज्ञान नही है कि उनका हित किस वस्तु में निहित है।"––उसने कहा। मूर्खो की प्रशंसा क्यों की जाये, भले ही वे अच्छे स्वभाव वाले मूर्ख हों ? अकस्मात् वह रुक गया और रोना की ओर देखने के लिए मुड़ गया। "खैर, तुमने उनका जिक्र क्यों किया ?" विवाह....क्या यह औरत के लिए इतना अधिक महत्वपूर्ण होता है ? रोना और वह––वे एक दूसरे के पास थे, वे वफादारी के साथ प्रेम करते थे। क्या यह पर्याप्त नहीं है ? बशर्ते वे साथ-साथ प्रतीक्षा कर सकें, क्या प्रतीक्षा का कोई महत्व है ? फिर भी जान और पेगी टाइसन के सम्बन्ध में सोचते हुए, उनके प्रति संवेदना रखते हुए वह जिस प्रकार उनसे ईर्ष्या करता था, उसका स्मरण करते हुए, वह अपने ही प्रश्नों का कोई सच्चा उत्तर नहीं दे सका। बौद्धिक दृष्टि से उसे एक तर्क मिल सकता है। रोना के साथ वह बौद्धिक रूप से तर्क-वितर्क नही कर सकता था। ओरपेन यही कहता था और जिसे वह ओरपेन के समक्ष अस्वीकार करता रहता था। उसने निश्चय किया कि मैं आज रात को ओरपेन से मिलने जा रहा हूँ। रोना को यहां वापस पहुँचाने के बाद मैं उससे मिलूंगा। तत्पश्-

यात् उसे इस बात की याद आयी कि आज रात को तो ओरपेन एक बैठक में जाने वाला है। किन्तु वह शुक्रवार को निश्चित रूप से ओरपेन से मुलाकात करेगा। तब वह ओरपेन को बता देगा।

रोना कह रही थी—"मैंने उनका जिक्र क्यों किया ?" उसने असहाय-सी होकर अंग-सचालन किया. "वास्तव में मैं नहीं जानती।"—उसने धीरे-धीरे उत्तर दिया। "या सम्भवतः इसका कारण केवल यह था कि आज रात इस कमरे में एकत्र हुए लोगों में से अधिकांश व्यक्तियों की अपेक्षा पेगी और जान ही पूर्णतर जीवन व्यतीत करते हुए प्रतीत होते थे। पूर्णतर और समृद्धतर। और क्या यह अधिक अच्छी बात नही है ? फिर भी, अर्जन-शक्ति की दृष्टि से देखा जाये, तो हममें से अधिकाश उनका क्रय-विक्रय कर सकते हैं। बस, इतनी ही-सी बात थी।"

स्काट ने कहा—"आज रात को मैं एक बात का निश्चय करता रहा हूँ। हम विवाह करने जा रहे हैं। हम इस ग्रीष्म ऋतु में एक निश्चित तारीख पक्की कर लेंगे। हमने बहुत दिनों तक प्रतीक्षा की है।" वह मुस्कराया और उसके चेहरे पर से आक्रोश और चिन्ता के चिह्न विलुप्त हो गये। "क्या तुम एक बार मेरी अर्जन-शक्ति पर भरोसा करोगी ?"

"ओह स्काट !" उसने अपनी बाहें उसके गले में डाल दीं। अब वह क्लान्त और दुखी नहीं रह गयी थी। उसकी मुस्कान अब अनिश्चित नहीं रह गयी थी। स्काट ने उसे पकड़कर अपने से सटा लिया तथा उसके कोमल काले बालों को चूमने लगा।

"हम काम चला लेंगे।"—उसने कहा। "हम बिल्कुल ठीक रहेंगे, रोना। मेरे ऊपर विश्वास करो।" उसने उसे कसकर, प्रायः प्रचण्ड रूप से पकड़ लिया।

यह सुखपूर्वक स्मरण करने योग्य एक अन्य संध्या थी—प्रसन्नतापूर्ण वार्तालाप और सुन्दर हास-परिहास से युक्त एक लम्बा, सचेतन रात्रिकालीन भोजन। स्काट की निराशा और मनहूसियत पूर्णतया समाप्त हो चुकी थी। अब प्रायः रिक्त हो गये रेस्तरां में (यह एक छोटा-सा फ्रांसीसी स्थान था, जिसका मालिक अमरीकियों को उसके अत्युत्तम भोजन को आराम और फुर्सत के साथ खाते हुए देखकर प्रसन्नता का अनुभव करता था) कॉफी पीते हुए स्काट रोना को उनकी गत ग्रीष्म ऋतु की मेक्सिको-यात्रा की याद दिला रहा था। वह कह रहा था कि इस ग्रीष्म ऋतु में वे अगस्त महीने में मछली मारने के लिए कनाडा जाने की कोशिश करेंगे। अथवा सम्भवतः वे सितम्बर में जायेंगे और उसे ही

सुहागरात मनाने की यात्रा का रूप प्रदान करेंगे ।

"और इसे शिकार करने में व्ययतीत करेंगे ?"—रोना ने पूछा, उसे उस सम्बन्ध में पूर्ण निश्चय नहीं था । एक आखेट-शिविर लाल मूँगे का सुन्दर और आकर्षक नेकलेस पहनने के लिए ठीक-ठीक सर्वोत्तम स्थान नहीं है । यह ऐसी मधु-यामिनी होगी, जिसमें फ्लैनेल पहनना होगा, फीते और 'चिफन' नहीं । "क्या सितम्बर का महीना शिकार खेलने के लिए असामयिक नहीं होगा ?" फिर भी, रोना को इस बात की याद आयी कि, पहले भी ग्रीष्म ऋतु में स्काट आखेट-यात्राओं पर कनाडा जा चुका है, अतः मौसमों के सम्बन्ध में उसके विचार पूर्णतः गलत होंगे ।

"सम्भवतः यह अधिक अच्छा होगा कि हम लोग इसे किसी दूसरे समय के लिए छोड़ दें ।"—स्काट ने कहा । "इस वर्ष हमें थोड़ी मितव्ययता से काम लेना पड़ सकता है ।" वह मुस्कराया । "तुम बुरा तो नहीं मानोगी ?"

उसने अपना सिर हिलाया । वह सदा ही यह क्यों सोचता है कि वह प्रत्येक वस्तु के सम्बन्ध में उसके धनगत मूल्य की दृष्टि से ही निर्णय करती थी ? फिर उसने सोचा कि ऐसे व्यक्ति की सहचरी होना आश्चर्यजनक बात है, जो स्वयं अपने मूल्य के सम्बन्ध में इतना विनम्र है और वह तब अपने क्रोध पर लज्जित हो गयी । "ग्रीष्म ऋतु में हम अत्यधिक व्यस्त रहेंगे" ।"—उसने कहा । "इतनी सारी योजनाएँ बनानी हैं....ओह, स्काट, तुम्हारे पिता और पेगी और जान कितने अधिक प्रसन्न होंगे ।"

वह हँसने लगा—"हम उनके लाभ के लिए तो तारीख निश्चित नहीं कर रहे हैं, कर रहे हैं क्या ?"

"नहीं । किन्तु वे सभी हमारी भलाई के लिए कामना करते हैं ।" उसने सहर्ष पुनः कहा—"मुझे प्रसन्नता है कि तुम्हारे पिता मुझे पसन्द करते हैं । इससे सारी बातें आसान हो जाती हैं ।"

"अब मुझे 'क्लैरियन' के स्टाफ में सम्मिलित कराने की योजना बनाना मत प्रारम्भ करो ।"—उसने उसे ताना मारते हुए कहा ।

"मैं ऐसा नहीं कह रही थी ।'—उसने विरोध प्रकट किया । "मैं जानती हूँ कि तुमने उसके सम्बन्ध में निश्चय कर लिया है ।"

"मैंने कर लिया है" ।—उसके बाद अपनी कुहनियों पर आगे की ओर झुकते हुए, उसकी बडी-बड़ी काली आँखों को देखते हुए उसने पूछा—"न्यूयार्क में काम करने के मेरे निश्चय के सम्बन्ध में तुम्हारा विचार क्या है ?"

"मैं इसकी सराहना करती हूँ।"—उसने सच्चाई के साथ कहा—"फिर भी, कतिपय कारणों से मुझे खेद भी है।"

"पिताजी के लिए ?"

"नहीं, प्रिय।" वह मुस्करायी। "मै अधिकांश समय तुम्हारे बारे में ही सोचती रहती हूँ।"

"मार्निंग स्टार में क्या खराबी है ? क्या मेरा वहाँ काम करना तुम्हें पसन्द नहीं है ?"

"मैं केवल यह सोचती थी कि तुम 'स्टार' को विशेष रूप से पसन्द नही करते।"

"तुम जानती हो, मुझे किसी न किसी तरह धन कमाना ही है।"

वह हिचकिचायी। तत्पश्चात् उसने, अन्ततोगत्वा, उस विचार को व्यक्त कर दिया, जो उसे कुछ महीनों से पीड़ित कर रहा था। "प्रिय, यदि समाचार-पत्रों में काम करना तुम्हें अच्छा नहीं लगता, तो इसे छोड़ क्यों नहीं देते ?"

उसने एक क्षण तक उत्तर नही दिया। "जब मैं सेना से विमुक्त हुआ तब मैंने सोचा था कि मैं इसके लिए कोशिश करूँगा।"—उसने असमीचीन ढंग से कहा। उसने उसके चेहरे का निरीक्षण किया। "इसके अतिरिक्त तुम्हारा कहना गलत है। मैं समाचार-पत्रों में काम करना नापसन्द नहीं करता। इससे भी अधिक बुरे काम हैं। बस इसे शुरू करना ही इतना कठिन है। फिर तो पुलिस-अदालतों और आग लगने के मामलों के अतिरिक्त इसमें कुछ भी नहीं होता—वही रोज-मर्रा की बात।"

"सम्भवत: वे शीघ्र ही तुम्हारी पदोन्नति कर देंगे और तुम्हें बड़ा काम सौंपेंगे।" विदेशी समाचारों में ही स्काट को वास्तविक आनन्द मिलता है। उसे मालूम है कि वह तो यही चाहता है। "सम्भवत:।"—उसने भाव-निमग्न होकर कहा—" ओह, हाँ, बल्कि मैं स्थिति को उसी रूप में ग्रहण करूंगा, जिस रूप में वह है। यदि मैं 'क्लैरियन' में सम्मिलित हो जाता, तो प्रत्येक व्यक्ति यही कहता कि मेरी तरक्की मेरे पिता के कारण हुई। उनका जीवन निर्विघ्न और निष्कण्टक रहा है। बहुत-सा धन। उन्हें उनके पिता का समाचार-पत्र उत्तराधिकार के रूप में प्राप्त हुआ है। अब तो वह समय आ गया है, जब हमारे परिवार में एक व्यक्ति स्वयं अपने पैरों पर खड़ा हो।"

"किन्तु तुम्हारे पिता तो अपने ही पैरों पर खड़े हुए हैं। आज वे जहां हैं, वहां वे कभी नहीं पहुँच पाते, यदि उन्होंने स्वयं परिश्रम नहीं किया होता। वे

अकेले परिश्रम कर के वहां पहुंचे हैं। और वे चाहते हैं कि तुम भी ऐसा ही करो। वे चाहते हैं कि तुम निम्नतम स्तर से काम प्रारम्भ करो और उनके समान ही परिश्रम कर के ऊपर उठो। और यदि तुम काम में काफी अच्छे हो, तो तुम्हें यह दिखाने का अवसर प्रदान किया जायेगा कि तुम क्या कर सकते हो। यह कहना मूर्खतापूर्ण है कि केवल उनका पुत्र होने कारण तुम्हें सुअवसर नहीं प्रदान किया जाना चाहिए। तुम्हें भी वही सुअवसर प्राप्त होना चाहिए, जो उनके पत्र में काम करने वाले अन्य किसी भी संवाददाता को मिलता हो।"

"तुम कहती हो कि उन्होंने अन्य किसी भी संवाददाता की भांति निम्नतम स्तर से काम प्रारम्भ किया था। मैं कहता हूँ कि फिर भी, वे सम्पादक के पुत्र थे।"

"बहुत अच्छा प्रिय।"— रोना ने खुश करने के विचार से कहा। "वे फिर भी सम्पादक के पुत्र थे।" और, उसने सोचा, अपने पिता की अपेक्षा अधिक अच्छे सम्पादक। उन्होंने "क्लैरियन" को पूर्णतः स्थानीय पत्र की श्रेणी से निकाल कर एक ऐसा पत्र बना दिया है, जिसके विदेशी समाचार सुन्दर ढंग से प्रतिवेदित तथा सुसम्पादित होते है और जिन्हें व्यापक रूप से पढ़ा जाता है। किन्तु वह स्काट की चिन्ता-ग्रस्त भृकुटि वक्रता और उसके मौन को, जो उसे चेतावनी दे रहा था, देखते हुए इस बात को नहीं कह सकी। और पुनः वह इस बात पर आश्चर्य करने लगी कि स्काट आखिरकार एक संवाददाता क्यों बना था। वह व्यवसाय के क्षेत्र में क्यों नही गया ? यदि वह पूर्णतया एक दूसरे क्षेत्र में प्रविष्ट हुआ होता, तो उसके लिए वह अधिक आसान हुआ होता। उसके लिए अधिक आसान और उसके पिता के लिए भी अधिक आसान। जान टाइसन ने भी यही कहा था। जान वस्तुओ को स्पष्ट रूप से देखने की क्षमता रखता है।

"हम जान और पेगी को शुक्रवार को बता देंगे।"--रोना ने कहा।

स्काट ने ऊपर की ओर देखा।

"विवाह के सम्बन्ध में।"— उसने स्पष्टीकरण किया।

"शुक्रवार को ?"—उसने कहा—"इस शुक्रवार को ?"

"उस दिन वे हमारे आने की आशा कर रहे हैं।"—उसने उसकी ओर विस्मयपूर्वक देखा। "यह मत कहो कि तुम नहीं आ सकते।" किन्तु उसके मुख के हाव-भावों ने उसका उत्तर दे दिया। उसने कहा—"निश्चय ही, यदि तुम इस सप्ताह इतनी अधिक देर तक काम कर रहे हो, तो तुम्हें शुक्रवार को

भी फुर्सत नहीं मिलेगी ?"

"तुम जाकर पेगी और जान से मिलो। मैं बाद में संध्या समय वहां आकर तुम्हें ले लूंगा और तुम्हें घर तक पहुँचा दूंगा।"

"बहुत अच्छा।"—उसने धीरे से कहा। उसने मुस्कराने की कोशिश की। "वास्तव में तुम न्यूयार्क में सब से अधिक काम करने वाले सज्जाददाता हो। गत सप्ताह पाँच दिनो तक तो काफी रात गये तक काम किया था तुमने। उसके पहले के सप्ताह में चार दिन। वे तुम से रात मे काम करने के लिए भी कह सकते हैं।"

"शुक्रवार की शाम को काम नही है।"—उसने कहा। "जब पेगी ने मुझे निमंत्रित किया, तब मै यह बताना भूल गया कि मैं पहले ही निकोलस ओर-पेन को उसके निवास स्थान पर होने वाली एक पार्टी में सम्मिलित होने का वचन दे चुका हूँ। चिन्ता मत करो, मै जल्दी ही वहा से निकल भागूगा। मैं तुम्हें अपने साथ ले चलता, किन्तु—"

"यह केवल पुरुषों के लिए है। सदा की भांति!" उसने बात को काटते हुए कहा। वह प्रस्थान करने की तैयारी प्रारम्भ करने लगी। वह अपने दस्ताने ढूंढ़ने, अपने हैण्डबैग में रखे छोटे-से आइने में अपने चेहरे का अवलोकन करने, हरे नकाब की बडी गाठ में फंसे हुए गुलाब के दो फूलों को अपने काले बालों पर ठीक करने में दत्तचित्त हो गयी।

"ईर्ष्यालु ?"—वह इस बात का मजाक बना रहा था।

"शायद"। उसने भी मुस्कराने का प्रयत्न किया। "किन्तु निकोलस ओर-पेन सदा औरतों से इतना अधिक क्यों बचता रहता है ?" और उनमे सोचा, वह अपने को 'निक' के प्यार भरे नाम मे क्यों नही संबोधित होने देता ?

"सम्भवत: वह औरतों से डरता है।"—स्काट ने उसे चिढाते हुए कहा।

"जब मैं उससे मिली थी, तब उसने मुझे कोई ऐसा सकेत नही दिया था, जिससे यह प्रतीत होता हो कि वह किसी भी वस्तु मे डरता है।"

स्काट को इससे प्रसन्नता हुई। "वह एक अत्यत संकोची और शांत प्रकृति का आदमी है। और रोना, तुम उससे केवल एक बार दस मिनट के लिए मिली थी। सम्भवत: इससे भी कम समय तक।"

"मेरे विचार से इतना समय बहुत काफी होता है। तुम उसे बहुत अधिक चाहते हो, नहीं ?"

"वह एक उदार हृदय का व्यक्ति है। संगीत में वह काफी रुचि

लेता है।"

रोना ने अपने दस्तानों की ओर, जिन्हें वह पहन रही थी, देखते हुए धीरे से कहा—"ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने को नवयुवकों द्वारा घिरा हुआ रखता है।"

"जो संगीत, बीयर और बहुत अधिक पाइप पीना पसन्द करते हैं। कालेज के दिनों को पुनः प्राप्त करने के प्रयास में, बस इतना ही।" स्काट अब अपने आप पर हँस रहा था। तत्पश्चात् उसका स्वर अधिक गम्भीर हो गया। "तुम्हें मालूम है, ओरपेन वास्तव में एक समय प्राध्यापक था।"

"मैं सोचती हूँ कि वह एक 'इन्स्ट्रक्टर' था।"—रोना ने याद करने की कोशिश करते हुए कहा। "उसने मुनरो कालेज क्यों छोड़ दिया?"

"जहाँ तक मैं जानता हूँ—उस समय मैं केवल एक जूनियर था—उसकी अध्यक्ष के साथ नहीं पटी। और तुम जानती हो कि वह अपने को कितना बड़ा तानाशाह समझता था।"

"किन्तु ओरपेन किसी अन्य स्थान पर शिक्षण-कार्य के लिए क्यों नहीं गया?"

"एक बार जब अध्यक्ष ने उसे अपने पंजे में दबोच लिया, तब फिर उसे कोई सुअवसर नहीं मिला। ओरपेन अपने लेखों द्वारा जीविकोपार्जन करता है। तुम जानती हो, उसे जीवन में बहुत अधिक चीजों की आवश्यकता नहीं रहती।"

"उसमें कटुता नहीं है?"

स्काट हँसा। "ईश्वर की शपथ, नहीं। वह किसी भी हालत में इसके सम्बन्ध में कभी बात नहीं करता। वह चुप-चाप रहता है, कभी-कभा अपने मित्रों से मिलता रहता है।"

रोना सोच रही थी कि वे सभी पुरुष हैं। वह चाहती थी कि उसे भय की इस भावना का अनुभव न हो। उसने स्काट के चेहरे की ओर—नीली आँखें, सुन्दर अंग, ऊँची भौंहों पर स्वाभाविक रीति से फहराने वाले सुन्दर बालों वाले सुघड़ सिर की ओर—देखा। उसने क्रोधपूर्वक अपनी पाकेट-बुक को बन्द कर दिया। वह अपने आप पर क्रुद्ध थी। उसने सोचा कि वह एक संकोची, शांत प्रकृति के व्यक्ति के प्रति, जिससे वह तीसरी एवन्यू पर स्काट के साथ टहलते समय एक बार मिली थी, ईर्ष्या की भावना रखती है। स्काट कुछ दूर तक उनके साथ कदम मिलाकर चला था, उसने मित्रतापूर्ण ढंग से स्काट

के हाथ को पकड़ लिया था, जब उसने उसे उसका निरीक्षण करते हुए देखा, तब स्काट का हाथ छोड़ दिया था, जब वह बोली, तब मुस्करा पड़ा था और फिर अस्पष्ट रूप से दूर देखने लगा था, मानो वह वहां थी ही नहीं। फिर भी, इन सब बातों के बावजूद यह विचित्र बात थी कि उसके मन में यह भावना उत्पन्न हुई कि वह उसके सम्बन्ध में बहुत कुछ जानता है। उसने उसके साथ ऐसा व्यवहार किया था, मानो वह एक ऐसी पुरानी परिचिता हो, जिसे वह नापसन्द करता है। विचित्र बात। और उपहासास्पद। वह मेज़ पर से उठ गयी।

ऐसा प्रतीत हुआ कि स्काट ने उसके विचारों को पढ़ लिया था। "रोना यदि तुम चाहती हो कि मैं ओरपेन की कभी-कभी होने वाली पार्टियों में जाना बन्द कर दूं—"

"तुम जानते हो कि मैं तुमसे ऐसा करने के लिए कभी नहीं कहूँगी।"—उसने तेजी से कहा। वह उसी प्रकार क्रुद्ध हो गयी थी, जिस प्रकार हम सभी उस समय क्रुद्ध हो जाते हैं, जब कोई व्यक्ति जोर से ऐसे चेक का भुगतान करने का प्रस्ताव करता है, जिसके सम्बन्ध में वह जानता है कि कोई अन्य व्यक्ति उसका भुगतान कर देगा। सुरक्षित प्रस्तावों से उसे सदा परेशानी होती थी। वह खाली मेजों की छोटी-छोटी पंक्तियों के बीच से जल्दी-जल्दी चलने लगी।

"नमस्कार, नमस्कार।" मालिक ने विलम्ब से आने वाले अपने दोनों अतिथियों को सम्बोधित करते हुए कहा। "जब तक पुनः न मिलें, तब तक के लिए नमस्कार कुमारी जी। जब तक पुनः न मिलें, तब तक के लिए नमस्कार, महाशयजी,"

"नमस्कार।"—वेटर ने थोड़े कम उत्साह के साथ कहा। आखिर, अब साढ़े ग्यारह बज चुके थे। उसका पाकेट बख्शीश की रकम से भारी हो रहा था, किन्तु उसके पांव भी भारी हो रहे थे।

"रोना, ओरपेन के बारे में चिन्ता करना बंद कर दो।"—स्काट ने रेस्तरां के द्वार पर उसे पकड़ते हुए कहा। "अथवा क्या तुम चाहोगी कि मैं उन्हीं पार्टियों में जाऊं, जहां केवल महिलाएं हों?"

उसने सिर हिलाया और अपना हाथ उसके हाथ में डाल दिया। अंधेरे पार्श्वमार्ग से होफर लेक्सिंगटन एवेन्यू की ओर जाते हुए वह अपने आपको बता रही थी कि मैं भाग्यशालिनी हूँ। स्काट अन्य किसी औरत की ओर ध्यान नहीं देता, इसका मुझे पूरा विश्वास है। और यदि मैं कभी चिन्तित अथवा दुखी

हो गयी हूँ, तो इसका एक मात्र कारण यह था कि हम तीन वर्षों से प्रेम करते रहे हैं और प्रायः एक वर्ष से अब हमारी मँगनी हुई है और कभी-कभी यह अवधि बहुत लम्बी प्रतीत होती है। उनके विवाह के सम्बन्ध में स्काट जितनी अस्पष्टता के साथ बात करता था, उतनी अस्पष्टता के लिए कभी-कभी कोई वास्तविक कारण भी नहीं प्रतीत होता था, किन्तु वह पुनः केवल उसकी अधीरता थी। मैं अत्यधिक भावुक हूँ : यदि मैं पुरुष होती और प्रेम करती तो मैं मँगनी की अँगूठी के बारे में भी चिन्ता नहीं करती; मैं लड़की से विवाह कर लेती और यदि आवश्यक होता, तो एक ही कमरे में रह लेती। किन्तु यह बात सम्भवतः बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं है, रोमाण्टिक चाहे वह जितनी भी हो। स्काट बुद्धिमान है, वह बहुत अच्छी तरह जानता है कि वह कहाँ जा रहा है। और फिर भी, वह रोमाण्टिक भी हो सकता है। वह मुस्करा पड़ी।

"वह मुस्कराहट किस लिए थी ?"—उसने पूछा।

"तुम्हारे लिए"—उसने कहा—"उन दिनों के लिए जब हम मेक्सिको में साथ-साथ थे।" उसने उसका हाथ पकड़ लिया और लेक्सिंगटन की ओर मुड़कर वे कदम से कदम मिला कर चलने लगे। कॉफी-गृहों और मदिरालयों के ऊपर लगे हुए नियन चिह्न उसी प्रकार चमक रहे थे, जिस प्रकार किसी क्रिसमस-वृक्ष के रंग चमकते हैं। पार्श्व-मार्ग अभी तक जीवन्त थे। लोग सिनेमा देखकर, देर तक काम करने के बाद, मित्रों से मिलने के बाद, घर जा रहे थे। भूगर्भ में एक उपमार्गीय ट्रेन गरजी। टैक्सियाँ थियेटरों से वापस लौट रही थीं, और पार्श्व-मार्गों पर स्थित छोटे-छोटे रात्रिकालीन क्लबों में जा रही थी। एवेन्यू से बहुत दूर जनरल इलेक्ट्रिक बिल्डिंग परिवर्त्तनीय बत्तियों से प्रकाशित हो रही थी। क्रिसलर टावर का लम्बा, लालित्यपूर्ण कलश सघन लाल हुए आकाश में संकेत कर रहा था।

'ब्लू एंजल' चलने के सम्बन्ध में क्या विचार है ?" पचपनवीं स्ट्रीट के निकट पहुँचने पर स्काट ने अचानक पूछा। "वहाँ चार्ल्स ट्रेनेट गा रहा है।" रोना ट्रेनेट के गानों को पसन्द करती है : उनसे वह प्रसन्न हो सकती है, ओरपेन से उसका दिमाग दूर हट सकता है। आज रात मैंने उसके नाम का उल्लेख ही क्यों किया ? "अथवा क्या तुम बहुत अधिक थक गयी हो ?"

"शायद।"—उसने स्वीकार किया। "मुझमें वही पुरानी मरणान्तक भावना आती जा रही है।"

"हम लोग कल रात को चलेंगे।"—उसने कहा—"नहीं—कल नहीं।"

उसे इस बात की याद आयी कि कल स्काट देर तक काम करने वाला है। वह इस पूरे सप्ताह व्यस्त रहा था। एक प्रकार से यह सौभाग्य की बात थी कि वह कोलम्बिया विश्वविद्यालय में रात्रिकालीन वर्गों में सम्मिलित हो रही थी—अपने को व्यस्त रखने के लिए उसे सदा ही बहुत से काम मिल जाया करते हैं।

"हम लोग अगले सप्ताह किसी समय चलेंगे।" उसने कहा।

उसने सिर हिला दिया।

"अब शुक्रवार की रात को ओरपेन की पार्टी के सम्बन्ध में चिन्ता करना बन्द कर दो। मैं जल्दी ही वहाँ से चल दूँगा और पेगी के घर पर आकर तुम से मिलूँगा। ग्यारह बजे तक फुर्सत पा जाऊँगा, मुझे विश्वास है।"

उसने पुनः सिर हिला दिया।

"तुम थक गयी हो।"—उसने कोमल स्वर में कहा।

हां, वह सोच रही थी कि मैं अकस्मात् बहुत अधिक थकावट का, बहुत अधिक निराशा का अनुभव करने लगती हूँ। मैं तुरन्त सो जाऊँगी। रहने के कमरे में वह जो भयंकर अव्यवस्था है, उसे मुझे यों ही छोड़ देना पड़ेगा। मैं जल्दी उठ जाऊँगी और प्रातःकाल उसे साफ कर दूँगी। एक नया दिन प्रारम्भ करने का यह एक असुखकर मार्ग होगा। उसने निराश होकर सोचा कि अपना जीविकोपार्जन स्वयं करने वाली लड़की के लिए यही आनन्द है। रोना के घर पर पहुँचने पर स्काट ने अपना हाथ उसकी कमर में डाल दिया। "घर आ गया, प्रिये। जागो, रोना। जब तक तुम बिस्तर पर नही लेटोगी, तब तक तुम सो नहीं सकती। क्या मैं ऊपर आकर देखूँ कि वहां कोई चोर तो नहीं घुस आया है?"

इस पर रोना स्वयं भी मुस्करा पड़ी। यह स्काट का सब से पुराना मजाक है।

"आज रात नही, प्रिय।"—उसने कहा। "शीघ्र ही तुम से मिलूँगी।" उसने उसका चुम्बन लिया और जल्दी-जल्दी सीढ़ियों पर चढ़ने लगी।

अध्याय—पाँच

शुक्रवार को प्रातःकाल ग्यारह बजे से कुछ पहले पाल हैन ने पाँचवीं एवेन्यू पर उस भवन में प्रवेश किया, जिस में 'ट्रेण्ड' का कार्यालय स्थित था।

"हेलो, जो।"—उसने एक्सप्रेस एलिवेटर में प्रवेश करते हुए कहा—"और इस मौसम में जमैका का क्या हाल है ?"

जो ने घूर कर देखा। "श्री हैन !" वह मुस्कराया। "मैंने सुना था, आप नगर में वापस आ गये हैं, किन्तु मेरी आँखें पहले जैसी नहीं रह गयी हैं। आप को पहचानने में मुझे एक मिनट लग गया।"

"जो, तुम्हें सच बात बताऊँ, मै स्वयं अपने को भी मुश्किल से पहचानता हूँ।" उसने एलिवेटर के दरवाजे के ऊपर लगे हुए आइने में देखा। भूरे फ्लैनेल का सूट, सफेद कमीज अभी तक उतनी ही विचित्र दिखायी दे रही थी, जितना विचित्र उनके पहनने से उसे अनुभव हो रहा था। और टाइयों के सम्बन्ध में उसकी रुचि समाप्त हो गयी थी : नीले पोल्का धब्बों वाली जिस टाई को उसने इतने उत्साह से खरीदा था, वह अब उसे थोड़ी भद्दी लग रही थी।

"आप इसके अभ्यस्त हो जायेंगे।"—जोने सहानुभूति पूर्वक कहा। "ठीक मेरी तरह। मेरा विवाह हुए पैंतीस वर्ष हो गये। आज हमारे विवाह की वर्ष-गांठ है। मैं सवेरे उठा और पत्नी की ओर देखकर मैंने कहा—'जरा सोचो कि मैं बिल्कुल विवाहित हूँ।' आप को देख कर प्रसन्नता हुई, श्री हैन। आशा है, हमें यहाँ आपको और अधिक जानने का अवसर मिलेगा।" उसने एलिवेटर को धीरे से रोका और उसका द्वार खोल दिया।

"मैं अभी तक नहीं जानता हूँ।"—पाल ने कहा। उसके पीछे एलिवेटर का द्वार बन्द हो गया। वह एक डेस्क के पीछे अत्यन्त आकर्षक ढंग से बैठी हुई एक स्वागतकर्त्री की ओर देख रहा था। आकर्षक इसलिए कि किसी समय यह स्थान लिनोलियम से ढंका रहता जहाँ कोई भी सुन्दर लड़की एलिवेटर से बाहर निकलने वाले यात्रियों का स्वागत करने के लिए प्रतीक्षा-रत नहीं रहती।

"कहिये ?" उसने जो प्रभाव उत्पन्न किया था, उस पर उसे गर्व हुआ।

"मैं पाल हैन हूँ। मुझे वृत्त-लेख सम्पादक श्री क्रोवेल से मिलना है।"

"कृपया एक मिनट रुकिये।" उसने धीरे से एक टेलिफोन उठाया। "बैठिये न ?"

पाल ने अपनी मुस्कराहट को रोक दिया। उसने सफेद चमड़े की एक आराम कुर्सी चुनी, हल्के भूरे रंग के कालीन की ओर और तत्पश्चात् गहरे भूरे रंग की दीवार पर लाल फ्रेमों में टंगी हुई तस्वीरों की ओर देखा। "बहुत सुन्दर!"—उसने कहा, किन्तु लड़की ने उसकी ओर केवल संवेदनापूर्वक देखा। वह यह कहती हुई प्रतीत हुई कि मैं जहाँ से आयी हूँ, वहाँ इस प्रकार के स्थान का उपयोग 'भृत्य-गृह' के रूप में किया जाता है। वह पुनः मौन हो गया और तब खुल कर मुस्कराने लगा।

उसने प्रतिवेदित किया—"आज श्री क्रोवेल नहीं आये हैं, किन्तु उनकी सेक्रेटरी कहती है कि आप ज्यों ही आयें त्यों ही श्री वीडलर आपसे मिलना चाहते हैं।"

पाल की भौंहें उसके आश्चर्य को व्यक्त करने लगीं।

"श्री क्रोवेल की सेक्रेटरी आपको रास्ता दिखा देगी—"

"उससे कहिये कि ठीक है, मुझे रास्ता मालूम है।" वह उठा और एक दरवाजे की ओर चल पड़ा। "सीधे सामने की ओर, और फिर मेरी बायीं ओर?" उस लड़की ने उत्तर नहीं दिया और इस बार अधिक आवश्यक रूप से टेलिफोन करना प्रारम्भ कर दिया। वह उसके पीछे चिन्तित होकर देखने लगी। तब पाल ने सोचा कि मानवीयता का व्यवहार करते समय वह बहुत अधिक सुन्दर दिखायी देती थी।

उसने एक लम्बे गलियारे में प्रवेश किया, जिसके दोनों ओर कार्यालय थे। कुछ दरवाजे बन्द थे; उनमें बातचीत चल रही थी। अन्य द्वार खुले हुए थे, जिनमें से कारोबारी ढंग का भीतरी भाग दिखायी देता था। प्रतीक्षालय की विलासिता का स्थान कार्यकुशलता ने ग्रहण कर लिया था। उसकी तबीयत कुछ अधिक अच्छी महसूस हुई: अपने नाम और प्रतीक्षालय को छोड़कर 'ट्रेण्ड' एक अच्छी पत्रिका है, काम करने के लिए वह एक अच्छा स्थान है। दो या तीन व्यक्ति उसकी ओर शीघ्रतापूर्वक देखते हुए, तनिक-सा ध्यान न देते हुए उसकी बगल से होकर गुजरे। सबसे बड़े कार्यालय में से एक श्वेत-केशी, प्रसन्न-वदना महिला जल्दी से बाहर निकली। "क्यों," उसने आश्चर्य चकित होकर रुकते हुए, उसकी ओर कागज बढ़ाते हुए कहा, "क्या यह...."

"और जरा सोचो तो सही कि यह वही है!" अपने चिढ़ाने वाले शब्दों के बावजूद पाल ने उत्साहपूर्वक उससे हाथ मिलाया। उसने सदा ही श्रीमती हरशी को पसन्द किया था। "किसी ऐसे व्यक्ति को देखना खुशी की बात है,

जिसे मैं यहाँ जानता हूँ।"

"तुम वापस आ रहे हो ?"—उसने उत्सुकतापूर्वक पूछा। वह सोच रही थी कि हे भगवान्, क्या वह सदा की ही भाँति सुन्दर नहीं दिखायी देता ? वह अधिक गम्भीर हो गया है, किन्तु फिर भी वह मुझसे जल्दी से हाथ मिलाता है, मानो उसका आशय ही यही था।

"मुझे अभी तक नहीं मालूम है। पर मैंने सुना है कि कुछ लोग मेरा आना पसन्द नहीं करते।"

"क्यों, वह दुर्भावना मात्र है !" तो उसने भी अफवाहों को सुना है। "कुमारी गट्टमैन !" उसने एक साफ-सुथरा सूट और चकाचौंध उत्पन्न करने वाली सफेद वास्कट पहने सुनहले बालों वाली एक सेक्रेटरी को रोका।

"क्यों, श्री हैन ! आपसे पुनः मिलकर प्रसन्नता हुई।"

"हेलो, एन्नी !"

कुमारी गट्टमैन का चेहरा पैन-केक 'मेक-अप' के बावजूद लज्जारुण हो गया। वह हँसी और बोली—"तो आप हमें भूले नहीं।" बहुत समय से कार्यालय में किसी व्यक्ति ने उसे एन्नी कह कर नही पुकारा था।

"भूल ही नहीं सका।" उसने कहा—"आप दोनों के बिना इस स्थान के कुशलतापूर्वक संचालन की कल्पना ही नहीं कर सकता हूँ।" अपनी तरह से यह बात काफी सच थी। "बाद में आप दोनों से मिलूँगा। अभी मैं—" उसने गलियारे में मालिक के 'केबिन' की दिशा में सिर हिलाया।

कुमारी गट्टमैन उसे जाते हुए देखती रहीं। उसी समय वे इस बात की याद कर रही थीं कि उन्होंने उसे नापसन्द करने का विचार किया था। "तुम जानती हो, कल मैंने बालों को स्थायी रूप से घुघराला बनाने की औषधि खरीदी है, उसने तो मेरे बालों को चौपट कर दिया।" उसने अपने बाल की एक सख्त लट को स्पर्श करते हुए क्रोधपूर्वक कहा—"दस डालर। मैं तुमसे पूछती हूँ ! मैं उन पर मुकदमा चला सकती हूँ।"

"परवाह मत करो, सखी। वास्कट सुन्दर दिखायी देती है।" श्रीमती हरशी ने मुस्कराते हुए कहा।

श्री वीडलर की सेक्रेटरी उसकी प्रतीक्षा कर रही थी।

"श्री हैन ?" वह भी नयी थी, और बहुत ही नौजवान। पाल अनुभव करने लगा कि वह बूढ़ा हो गया है, वास्तव में वृद्धावस्था के तट पर लड़खड़ा रहा है। वह शीघ्र ही विगत दिनों के संबंध में बातें करने लगेगा। वह उसे

बहुत अधिक सफेद चमड़े और लाल फ्रेमों वाली अनेक तस्वीरों से सजाये गये एक छोटे-से कमरे से होकर ले गयी। (उसने आश्चर्य के साथ देखा कि वे तस्वीरें डैमियर द्वारा रचित थी : गद्देदार स्थान की पृष्ठभूमि में जीवन की वास्तविकताएं।) किन्तु भीतर का कार्यालय अभी तक वही पुराने ढंग का था। वीडलर जब अपने डेस्क पर से, जिस पर सामान बिखरे हुए थे, उठा और उसने हार्दिकता के साथ पाल से हाथ मिलाया और उसको बैठने के लिए भूरे चमड़े की फटी हुई—किन्तु आरामदेह—कुर्सी दी, उसके पहले ही पाल हैन को यह चेतावनी मिल चुकी थी कि उसकी अन्तरात्मा ने ठीक ही कहा है। जब तक आपको आवश्यक नहीं समझा जाय, तब तक आप इस भीतरी कार्यालय में इतनी शीघ्रतापूर्वक नहीं बुलाये जाते। केवल महत्वपूर्ण ही नहीं, तुम्हारी तात्कालिक आवश्यकता हो। उसे इस बात से प्रसन्नता हुई कि उसने इतनी जल्दी 'ट्रेण्ड' में आने का निश्चय कर लिया। विगत कुछ दिनों में तात्कालिक आवश्यकता की भावना मुझे संत्रस्त करती रही थी।

उसे यह देखकर प्रसन्नता हुई कि वीडलर में बहुत अधिक परिवर्त्तन नहीं हुआ है; कम से कम देखने में। वह एक छोटे कद का, भारी शरीर वाला, लाल वर्गाकार चेहरे वाला, सफेद बालों वाला, जो वर्षों तक बारीक कटवाये जाने के कारण कड़े हो गये हैं, चतुरता व्यक्त करने वाली आँखों वाला व्यक्ति है, जो सदा मुस्कराता रहता है। वह स्वभाव से एक सुखी, आशावादी व्यक्ति है। उसने तृतीय दशाब्दी में, जब प्रत्येक व्यक्ति किसी भी प्रकार के भविष्य के सम्बन्ध में अत्यधिक निराश हो गया था—'ट्रेण्ड' को प्रारम्भ किया था। "कलाओं के लिए समर्पित" एक छोटी-सी पत्रिका से, जिसमें साहित्य, चित्रकला और संगीत के विभाग थे, विस्तृत होकर उसने "जीवन की एक पत्रिका" का रूप धारण कर लिया, जिसमें विभागों की संख्या ने बढ़ते-बढ़ते अनेक उपविभागों को समाविष्ट कर लिया। किन्तु अभी तक सामान्यतः कलाओं पर ही बल दिया जाता है। वह राजनीति, व्यक्तित्वों और सम्पादकीय आलोचनाओं से दूर रहती है।

एक अच्छी व्यावसायिक भावना के अतिरिक्त बिल वीडलर एक और भावना से प्रेरित हुआ था : साहित्य, चित्रकला और संगीत को पृथक्-पृथक् क्यों रखा जाय ? वे सभी एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसे प्रमाणित क्यों न किया जाय ? इसे ऐसी भाषा में प्रमाणित किया जाय, जिसे साधारण प्रतिभा-सम्पन्न व्यक्ति अथवा सभी समझ सकें। अमरीका में ऐसे बहुत-से व्यक्ति हैं, जो स्कूल

अथवा कालेज छोड़ने के बाद भी अपनी शिक्षा जारी रखना चाहते है। "आपको किसी चित्र अथवा सगीत के स्वर को पहचानने से उन्नति प्राप्त होती है।" वीडलर अपनी व्यापक मुस्कान के साथ समझाते हुए कहता। "यह जानना अच्छी बात है कि जब लोग ईलियट अथवा फाक्नेर अथवा ली कोरबूजियर के सम्बन्ध में बात करना प्रारम्भ करते हैं, तब आप मूक नहीं हो जाते। निश्चय ही, मैं अहंकार-भावना को प्रोत्साहित कर रहा हूँ, किन्तु अहंकार-भावना किसमें नहीं होती ? इसमें बन्द दूकान जैसी कोई चीज नही है। आप इसे कलमी संस्कृति कह सकते हैं, किन्तु हमारा पत्र पढ़ने के कारण किसी भी पाठक को हानि नही उठानी पड़ेगी। हम उसे धोखा नहीं देते।" आपको केवल शिक्षण-प्रक्रिया को आकर्षक बनाना है। केवल दो हजार मस्तिष्कों को सन्तुष्ट करने वाली और शेष को अरुचिकर प्रतीत होने वाली यह मूर्खतापूर्ण श्रेष्ठ सामग्री तनिक भी नही रुचेगी—मूर्खतापूर्ण इसलिए कि यह स्वयं अपने को विफल बना देती है, यह बिना हानि के, पहले वित्तीय हानि, तत्पश्चात् स्वयं इसकी तथा इसके समस्त सम्भाव्य प्रभाव की हानि के कार्य नहीं कर सकती। और 'ट्रेण्ड' ने किसी भी प्रकार की हानि से बचकर अपने समस्त प्रारम्भि आलोचकों को परेशान कर दिया था तथा उनका मनोरंजन भी किया था। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे साधारण प्रतिभा-सम्पन्न व्यक्तियों की संख्या काफी है, जिन्होंने इसकी व्यय-पूर्ति तथा इसके विस्तार में योग प्रदान किया है।

तदनंतर वीडलर ने पाल को एक सिगरेट पेश की और खिड़की के बाहर देखने के लिए अपनी कुर्सी घुमा दी। जिस प्रकार उसने अधिक ज्ञान प्राप्त करने की लोगों की इच्छा को प्रोत्साहित कर पत्रिका की बिक्री को बढ़ाया है, उसी प्रकार उसने स्वयं पत्रिका का निर्माण मानवीय सम्बन्ध के विषय में स्वयं अपने विचारों के अनुसार किया है। वह अच्छे व्यक्तियों को नियुक्त करता है, उनके साथ अच्छा व्यवहार करता है तथा अपने को इस प्रकार रखता है कि उसके पास सरलता से पहुंचा जा सके। जैसा कि वह कहा करता है, अपने को ईश्वर से भी बड़ा समझने की प्रवृत्ति से काम नहीं चल सकता। आज कल प्रत्येक वस्तु पर नजर रखना तथा उसके लिए काम करनेवाले व्यक्तियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करना अपेक्षाकृत अधिक कठिन कार्य हो गया है। युद्ध के बाद से और संगीत, चित्रकला तथा वास्तुकला में बढ़ती हुई रुचि के परिणाम स्वरूप उसके कर्मचारियों की संख्या दुगुनी हो गयी है, किन्तु पाल हैन युद्ध के पहले काम करने वाले व्यक्तियों में से एक है। उसने चतुर दृष्टि से पाल की

ओर देखा, अपने लिए एक सिगरेट जलायी और अपने पैरों को खिड़की के चौखटे पर रख दिया।

"हां, तो पाल, यह खुशी की बात है कि तुम इतनी जल्दी हमसे मिलने के लिए यहाँ चले आये।"

"सच तो यह है कि मैं जितनी जल्दी आना चाहता था, उससे भी जल्दी आ गया।"—पाल ने कहा। उसने केवल अपने पुराने विभाग के क्रोवेल से मिलने तथा कार्यालय की स्थिति के संबंध में सामान्य जानकारी हासिल करने का विचार किया था।

"छुट्टी मना कर थक गये न? हां, अब तुम यहां जितनी जल्दी काम करना प्रारम्भ कर दो, हमारे लिए उतना ही अधिक अच्छा होगा।"

पाल हैन को इस स्वागत से थोड़ा आश्चर्य हुआ। वह अभी तक निश्चित तारीखों पर विचार-विमर्श करने के लिए तैयार नहीं था। उसके लिए छुट्टी मनाना आवश्यक था, अपने भविष्य का चुनाव सावधानीपूर्वक करने के लिए उसे समय चाहिए था। यह जीवन में दूसरा कार्य प्रारंभ करने के तुल्य था। इसमें जल्दी नहीं किया करते। "मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस काम के संबंध में मेरी स्थिति क्या है। बस इतनी ही बात है।" उसने छोटे-से कमरे के चारों ओर देखा और उसकी दृष्टि एक मुस्कराती हुई औरत और दो झगड़ालू बालकों के चित्रों, नौकारोहण में प्राप्त चांदी के 'कप' तथा दीवार पर टंगी 'पिरानेसी' की तस्वीरों पर पड़ी। "यह देखकर प्रसन्नता हुई कि इसमे परिवर्तन नहीं हुआ है। जब मैं कार्यालय में आया, तब पहले-पहल मैं भयभीत हो गया था। सोचा कि आप अब पेरिस के नवीनतम चित्रों को पसन्द करने लगे हैं।"

वीडलर के सीधे-सादे, अच्छे स्वभाव के द्योतक चेहरे पर व्यापक मुस्कान फैल गयी। "ओह।"—उसने आत्म-सजगता से कहा—"इसमें जो नारीत्व का स्पर्श है? इसके कारण तुम चिन्तित मत हो। यह उन व्यक्तियों को प्रभावित करने के लिए है, जो अपने को प्रभावित किया जाना पसन्द करते हैं, किन्तु वास्तविक व्याख्या बहुत कुछ पहले जैसी ही है। हम अब भी यहाँ काम करने के लिए सही व्यक्तियों की तलाश में हैं।" उसकी मुस्कराहट के बावजूद उसके चेहरे पर चिन्ता के लक्षण प्रकट हो गये। वह सावधानीपूर्वक पाल हैन का निरीक्षण कर रहा था।

"सच तो यह है कि"—उसने कहना जारी रखा—"हम तुम्हें वापस बुलाना चाहते हैं। तुम हमारी नीतियों और हमारे व्यवहार को जानते हो।

क्रोवेल की तबीयत बिल्कुल ही ठीक नहीं रहती है—वह विगत तीन वर्षों से अक्सर बीमार रहा करता है। इस सितम्बर महीने में वह पद-त्याग करना चाहता है। अतः, इसीलिए हम तुमसे उसके सहायक सम्पादक के रूप में वापस आने के लिए कह रहे हैं तथापि कुछ महीनों के भीतर ही तुम वृत्त-लेख-सम्पादक बन जाओगे। वह एक महत्वपूर्ण पद है।"

पाल ने सिर हिलाया। वह इस बात से प्रभावित हुआ। "मैं जानता हूँ।" उसने शांतिपूर्वक कहा।

"किन्तु मुझे यह सुअवसर क्योंकर प्राप्त हो रहा है? मेरा ख्याल है कि ब्लैकवर्थ नामक एक व्यक्ति सहायक सम्पादक के पद पर पूर्ण रूपेण आरूढ़ था।"

वीडलर का चेहरा पूर्ण रूप से परिवर्तित हो गया। सारी प्रसन्नता एवं परिहास-भावना समाप्त हो गयी और वह विवृत और दुखी दिखायी देने लगा। "ब्लैकवर्थ इस कार्य के उपयुक्त व्यक्ति नहीं है।"

"किन्तु आपने उसे चार वर्षों तक—लगभग पाँच वर्षों तक—रखा है।" अनुपयुक्त व्यक्ति 'ट्रेण्ड' में चार महीने तक भी नहीं रुकता है। पाल ने यों ही कहा—"इस आशय की अफवाह फैल रही है कि..."

वीडलर अत्यन्त शान्त था।

".....मैं ब्लैकवर्थ को निकलवाने के लिए षड्यंत्र रच रहा हूँ।" पाल ने कहना जारी रखा। "मैं इसे पसन्द नहीं करता। मैं इसे रंच मात्र भी पसन्द नहीं करता।"

"लेकिन यह झूठ बात है।"—वीडलर ने उसे राजी करने के लिए कहा।

"अवश्य। मेरे विषय में अनेक अतिरंजित अफवाहें फैलायी गयी हैं, किन्तु यह छोटी-सी विशेष अफवाह ऐसी है, जिसे मैं अपने साथ सम्बद्ध करना नहीं चाहता। और इसलिए मैं आपसे यह पूछने के लिए आया हूँ कि ब्लैकवर्थ को क्यों निकाला जा रहा है? इसका अवश्य कोई प्रबल कारण होगा। फिर भी कोई भी व्यक्ति मुझे इसके सही कारण को बता नहीं रहा है।"

"लोग तुमसे केवल यह कहते हैं कि तुमने ब्लैकवर्थ का काम छीन लिया?" —वीडलर अचानक उठ खड़ा हुआ तथा बड़बड़ाने और अपने डेस्क के चारों ओर आवेशपूर्वक टहलने लगा। "अवश्य!"—वह बरस पड़ा।

"वे यही चाहते हैं...वे तुम्हें इस काम को स्वीकार करने से दूर रखना चाहते हैं!" तत्पश्चात् वह रुका और उसका चेहरा अपेक्षाकृत अधिक लाल हो गया। उसने बलपूर्वक अपने स्वर को पुनः आश्वस्त किया। बीलडर ने

पूछा—"तुमने यह अफवाह कहाँ सुनी ?"

"दरअसल मैं जहाँ कही गया, वहीं मुझे यह बात सुनायी पड़ी। आपको मालूम है कि किस प्रकार न्यूयार्क में उसके निजी छोटे-छोटे क्षेत्र हैं, जो एक दूसरे के सम्बन्ध में सब कुछ जानते है, मानो वे किसी गाँव में रहते हों। मेरा क्षेत्र लेखन-क्षेत्र है—पत्रिकाओं में काम करने वाले व्यक्तियों, एजेण्टों, समाचार-पत्रों में काम करनेवाले व्यक्तियों और आलोचकों का क्षेत्र। मेरे मित्र कहते हैं कि उन्हें इस बात का विश्वास नहीं है कि ब्लैकवर्थ-विषयक अफवाह तनिक भी सच्ची है, किन्तु उन्होंने अफवाह तो सुनी है और वह उनको चिन्तित बना रही है। जो लोग मेरे मित्र नही है, वे मेरे सामने ही मुझे चुनौती देते है। मैं इन सब को पसन्द नही करता, मैं इसे तनिक भी पसन्द नही करता।" वह उठा, उसने अपनी घड़ी देखी। "मेरा ख्याल है कि आप बड़े व्यस्त है।"

"बैठ जाओ, पाल, इसके लिए मेरे पास बहुत अधिक समय है...तुम इस समय काम को अस्वीकार करने की बात सोच रहे हो, जब हमें तुम्हारी आवश्यकता है। मैं यहाँ और सेना में, दोनों स्थानों पर, तुम्हारे काम के बारे में जानता हूँ। तुम्हें मनोवैज्ञानिक युद्धकला का पर्याप्त अनुभव है, जिसके कारण इस कार्य के लिए हमें तुमसे उत्तम व्यक्ति नहीं मिल सकता। तुम प्रति-प्रचार विभाग में थे, क्यों नही थे ? तुम जानते हो कि दो और दो मिलकर चार होते हैं। इसी कारण वे तुम्हारा यहाँ वापस आना नहीं देखना चाहते।"

"भला ये 'वे' कौन हैं ?"

वीडलर अपनी कुर्सी पर वापस आ गया। इस बार वह पीछे की ओर नहीं झुका अथवा उसने आराम के साथ अपने पाँव नहीं फैलाये। इस बार वह हत्थों पर अपनी कुहनियों को टिकाकर हाथों को बाँध सीधे बैठा। उसकी आँखें हैन पर टिकी हुई थीं, उसके बाल क्रोध के मारे तनकर खड़े होते हुए प्रतीत हुए।

"जब मैं इस सम्बन्ध में सोचने लगता हूँ, तब मैं अत्यन्त पागल हो जाता हूँ।" —उसने कहा। "किन्तु मैं अपने आवेश को दबाने और तुम्हारे सामने स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करने का प्रयत्न करूँगा। पाल, तुम एक ऐसे आदमी के सामने बैठे हो, जो—केवल छः सप्ताह पहले—दो और दो नहीं जोड़ सकता था। निश्चय ही, वह पीड़ादायक बात है, उससे गहरा आघात पहुँचता है।" वह रुका और मुस्कराया। "मैंने किसी को पूरी कहानी केवल इसी कारण नही बतायी कि मैं इस अफवाह को फैलने नही देना चाहता कि हमारे यहाँ कम्यूनिस्टों का

प्रवेश हो गया है। नहीं, हमारे यहाँ उनका प्रवेश नहीं हुआ है!" उसने शीघ्रतापूर्वक पुनः कहा। "हाँ, मैं स्वीकार करता हूँ कि इसके लिए प्रयास किया गया है। मुझे छः सप्ताह पहले इस बात का पता चल गया। ब्लैकवर्थ चला गया है। इस प्रकार मैंने इस विघातक कार्य को रोक दिया है। मेरी नज़र एक दूसरे व्यक्ति पर है—वह जोर-जोर से बोलने वाला एक व्यक्ति है, जो सम्भवतः मूर्खता के अतिरिक्त अन्य किसी बात का अपराधी नहीं है—वह विज्ञापन विभाग में है और मैं नहीं समझता कि वह वहाँ क्या नुकसान पहुँचा सकता है।"

"क्या उसका नाम मरें तो नहीं है? घर पहुँचने की पहली ही रात को मेरी उससे एक पार्टी में मुलाकात हो गयी थी। मैं इतना अवश्य कहूँगा कि वह अपना विज्ञापन बहुत अच्छी तरह से नहीं करता।"

"किन्तु जब तक मुझे उसके सम्बन्ध में निश्चित रूप से न मालूम हो जाय, तब तक मैं कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। कोई व्यक्ति जो कुछ कहता है, उसके लिए तुम उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर सकते।"

"यदि कोई व्यक्ति यह कहता फिरे कि वह बच्चों के साथ बलात्कार करने में विश्वास करता है, तो आप उसके विरुद्ध तुरन्त कार्रवाई करेंगे।"

"किन्तु राजनीति और नैतिकता दो भिन्न वस्तुएं हैं, पाल। तुम यह नहीं कह सकते कि कम्यूनिस्टों के साथ सहानुभूति रखने वाला व्यक्ति बच्चों के साथ बलात्कार करनेवाले व्यक्ति के समान ही है।"

"मैं केवल यह कह रहा हूँ कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसके कथनों के लिए कार्रवाई की जा सकती है—यदि उसके विश्वास पर्याप्त रूप से हानिकारक हों। यह सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि हम किस चीज़ को हानिकारक समझते हैं और किसको लाभकर। यदि सन्निपात के कीटाणु को उसके सहचर मनुष्यों से पृथक कर दिया जाये, तो उसे अत्यन्त कष्ट होता है, किन्तु डाक्टर इस बात पर हठ करते हैं कि सन्निपात के कीटाणुओं को जन-स्वास्थ्य के लिए हानिकारक समझा जाना चाहिए। और हममे से अधिकाश इस बात के लिए अत्यन्त कृतज्ञ हैं कि वे ऐसा हठ करते हैं। कोई भी व्यक्ति सन्निपात के कीटाणुओं पर अत्याचार की बात नहीं करता फिरता है।"

वीडलर ने कोई उत्तर नहीं दिया।

पाल ने उसकी ओर देखा। उसमें क्या ख़राबी थी? वह आश्चर्य करने लगा। क्या चुनौती के लिए उसका पुराना उत्साह समाप्त हो गया है? क्या

वह दुर्बल होता जा रहा है ? अथवा क्या वह अकस्मात् एक ऐसे क्षेत्र में पहुँच गया है, जिसके अस्तित्व के सम्बन्ध में उसे कभी विश्वास नहीं रहा—एक नये जंगल में फँसे हुए एक सतर्क शोधकर्त्ता की भाँति ? पाल ने कहा—"आपकी बात मुझे अत्यन्त रोचक लग रही है। तो ब्लैकवर्थ एक कम्यूनिस्ट प्रमाणित हुआ।"

"वह कहता है कि वह कम्यूनिस्ट नहीं है। मुझे नहीं मालूम। उसने कसम खाकर कहा कि वह कम्यूनिस्ट नहीं है।"

"कम्यूनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी की शपथ खा कर ?" पाल ने मुस्कराते हुए पूछा। "हम लोगों को, जो बाइबिल की कसमें खाते हैं, इससे कोई अधिक सहायता नही मिल सकती। अस्तु, ब्लैकवर्थ ने वास्तव में किया क्या है ? स्पष्ट है कि उसने केवल बात करने से अधिक कुछ किया है, अन्यथा आपने उसे निकाला नही होता।" उसके स्वर में कटुता थी। तत्पश्चात् उसने कहा—"मुझे खेद है, 'बिल'। यूरोप से लौटे हुए मुझे अभी केवल एक सप्ताह ही हुआ है। मैं अब भी चेहरों पर भय की छाप लिये हुए, भूख से तड़पते हुए, गन्दे व्यक्तियों को हमारे क्षेत्र में पहुँचने का प्रयास करते हुए देख सकता हूँ। वे मीलों तक पैदल चल कर, अपनी पीठों में गोलियाँ लगने की दुराशा करते हुए चोरी-चोरी सन्तरियों के बगल से होकर आये हैं, वे जंगलों और खाइयों में छिपते हुए आये हैं। वे चिथड़े पहने हुए हैं। ब्लैकवर्थ जैसे व्यक्तियों के लिए जिन्होंने उनके साथ विश्वासघात किया और जिनके विश्वासघात के परिणाम-स्वरूप उन्हें आज की सरकार मिली है, घृणा के अतिरिक्त उनके पास कुछ भी नहीं है। आपको उनकी आँखें देखनी चाहिए। उनकी हड्डियों को देखना चाहिए, उनके रक्त-रंजित पैरों को देखना चाहिए। आप जानते हैं, अत्याचार से भाग कर आने वाले समस्त शरणार्थी विमानों से नहीं आते।"

वह रुक जाने की इच्छा से रुका, किन्तु वीडलर ने उसे आगे बढ़ने का संकेत दिया।

वह कहता गया—"मैं विगत एक वर्ष से राजनीतिक शरणार्थियों के मध्य बहुत अधिक काम करता रहा हूँ। हमें इस बात का पता लगाना पड़ता है कि क्या वे वास्तविक शरणार्थी हैं। ओह, हाँ, वहाँ भी प्रवेश करने का प्रयास किया जाता है। हमने अनेक झूठे और बनावटी शरणार्थियों को पकड़ा है, किन्तु इनमें से अधिकांश व्यक्ति वास्तविक हैं।" वह रुका। जब वह पुनः बोला, तब उसका स्वर रुक्ष और तथ्यात्मक था, उसके शब्दों में एक ऐसी प्रचण्डता थी, जिसने

वीडलर को विस्मित कर दिया।

उसने कहा—"जिस समय एक महिला बताती है कि किस प्रकार उसका पति लापता हो गया, उसके बड़े लड़के को बिना मुकदमा चलाये जेल में डाल दिया गया, उसके साथ किसी प्रकार के पत्र-व्यवहार की अनुमति नहीं दी गयी और जेल के नाम के विषय में भी अस्पष्ट अनुमान ही लगाया जा सकता है, उस समय यदि आपने उसके चेहरे की ओर देखा होता, जब आप उसके छोटे लड़के की क्षीण काया की ओर और उसकी आँखों की ओर देखते हैं और यह सुनते हैं कि किस प्रकार वह रात में चलकर, दिन में छिपती हुई उसे अमरीकी क्षेत्र में ले आयी; जब आप उनके शरीर पर लिपटे हुए चीथड़ों को देखते हैं और जानते हैं कि एक-दूसरे के साथ तथा स्वतंत्रता की इच्छा के साथ, जिसे कोई भी चीज नहीं मार सकती, उनकी सारी पूजी यही है, तब आप यह महसूस करने लगते हैं कि राजनीतिक प्रपीड़न क्या होता है। वह जेकोस्लवेकिया के एक छोटे से गाँव में एक स्कूल-शिक्षक की पत्नी थी। उनके पास एक छोटा-सा घर था, जिसे वह साफ-सुथरा रखती थी। जर्मनों के आक्रमणों से वे बच गये थे। उसका पति नजरबन्दी शिविर से वापस लौटा, जहाँ उसने अपने जीवन के छः वर्ष व्यतीत किये थे। और अब उसका अपहरण क्यों किया गया? क्योंकि विगत चुनावों में उसने कम्यूनिस्ट उम्मीदवार के विरुद्ध मत दिया था। बस इतनी-सी ही बात थी कि उसने विरुद्ध मत दिया था। उसने कोई भाषण नही किया, कम्यूनिस्टों के विरुद्ध किसी संगठन में भाग नहीं लिया, वह केवल मौन रहा था। उसने कहा था कि एक जीवन-काल के लिए एक नजरबन्दी शिविर पर्याप्त है, किन्तु जब वह अपना मत देने के लिए आया, तब उसने अपनी अन्तरात्मा का कहना माना। मतदान का निरीक्षण करने के लिए जासूस नियुक्त किये गये थे। बस इतनी ही बात थी।"

पाल हैन रुक गया। तत्पश्चात् उसने पुनः कहना आरंभ किया—"उसके समान तथा उसके पुत्र के समान हजारों व्यक्ति हैं। और यहाँ आने पर मैं देखता हूँ कि कुछ व्यक्ति अब भी अमरीका की गलतियों और उसके "राजनीतिक शहीदों' के सम्बन्ध में ऊँची-ऊँची बातें करते हैं। ईश्वर की शपथ, मैं चाहता हूँ कि बाल की खाल निकालने वाले इन सभी व्यक्तियों को ले जाऊँ और उन्हें उन व्यक्तियों को दिखाऊँ जो जीवन से संघर्ष करते हुए अमरीकी क्षेत्र में पहुँचते हैं। मैं उन्हें उन मानव-प्राणियों को दिखाता, जिनके प्रति वे अपने विचारों से विश्वासघात कर रहे हैं। मैं उन्हें कुछ असली शहीदों को दिखाता।" फिर

उसने अपनी आवाज़ को धीमी कर दिया। "बिल, क्या अमरीका में लोग यह नहीं जानते कि कौन-सी चीज़ दाव पर लगी हुई है ?"

"मैं सोचता हूँ कि हम लोग जानते है। हममें से अधिकांश जानते हैं। हममें से अधिकाश व्यक्ति यह अनुभव करते हैं कि हमारे विरुद्ध किस प्रकार की व्यूह-रचना की जा रही है। हम चालों को सदा नहीं पहचान पाते, किन्तु हम सीख रहे हैं।" बिल वीडलर की आँखे मुंद गयीं। उसने कहा—"मेरा विचार है कि ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में पूरी बात सुनने के लिए तुम उपयुक्त व्यक्ति हो। तुम मुझे राज्य के प्रति कथित गैर-वफादारी के आधार पर भण्डाफोड़ करने के लिए राजनीतिक विरोधियों को ढूढ़ते फिरनेवाला नहीं कहोगे। यह एक विचित्र बात है," उसने चेतावनी दी।

पाल हैन ने प्रतीक्षा करते हुए सोचा कि यह एक विचित्र पृष्ठभूमि में एक विचित्र बात है : उसने पांचवी एवेन्यू पर स्थित व्यस्त कार्यालय भवनों के पार देखा, नीचे आने-जाने वाली सवारियों की धीमी आवाज़ को सुनने लगा, उसने उन व्यस्त पार्श्व-मार्गों—काम करने वाले लोगों, मुलाकात करने के लिए जल्दी-जल्दी जाने वाले लोगों, मित्रों के साथ सुखद पार्टी की योजना बनानेवाले लोगों, अपने घरों में शांति पूर्ण रात व्यतीत करने की इच्छा रखने वाले लोगों—की कल्पना की।

वीडलर ने जल्दी-जल्दी, किन्तु स्पष्ट शब्दों में अपनी बात प्रारम्भ की। "विगत तीन वर्षों में क्रोवेल अक्सर बीमार रहा है। वह अपने सहायक सम्पादक के रूप में ब्लैकवर्थ पर अधिकाधिक निर्भर करने लगा। विगत दस महीनों में ब्लैकवर्थ ने उसका अधिकांश काम अपने हाथ में ले लिया। अभी तक मुझे इस बात का पता नहीं था कि बात कहाँ तक आगे बढ़ गयी है। मैंने क्रोवेल को सदा ही पसन्द किया है और मैं उसे अवकाश ग्रहण करने के लिए बाध्य नहीं करना चाहता। मैं इस बात की प्रतीक्षा कर रहा हूँ कि वह स्वीकार कर ले कि अब उससे काम नहीं हो सकता। किसी भी हालत में हमारे वृत्त-लेख-विभाग के सम्पादक के पद के लिए ब्लैकवर्थ का दूसरा स्थान था।" उसने अपनी नाक साफ की, तत्पश्चात् अपना सिर खुजालाया। स्पष्ट था कि यही बात उसे परेशान कर रही थी। उसने खांसकर गला साफ किया और एक गहरी साँस ली।

"हम ब्लैकवर्थ को एक अच्छे लेखक, एक अधिक अच्छे सम्पादक, एक परिश्रमी और चतुर नवयुवक के रूप में जानते थे। वह पहले एक प्रकाशन-गृह

में और युद्ध-काल में दो वर्षों तक वाशिंगटन में काम कर चुका है। मैंने इस बात की ओर अवश्य ध्यान दिया कि विगत दस महीनों में वृत्त लेखों के भावों में परिवर्तन हो रहा था। उनसे मुझे दुःख होता था, किन्तु तथ्य तो तथ्य ही है। और ये ऐसे लेख थे, जो अमरीका के बारे में तथ्यों को प्रकट कर रहे थे। मैंने यह सोचना प्रारम्भ कर दिया कि देश एक नारकीय स्थिति से होकर गुजर रहा है, उसमें ऐसे बुनियादी दोष, अन्याय और भ्रष्टाचार हैं कि उनका उपचार करना प्रायः कठिन हो गया। हमारे पाठकों के कतिपय पत्र मेरी भावनाओं को अवश्य प्रतिबिम्बित करते, किन्तु अन्य पत्रों में कहा जाता कि "बहुत खूब, 'ट्रेण्ड' ! हमें और अधिक वास्तविक सत्य बताते जाओ।"

"तभी एक दिन, ठीक लगभग छः सप्ताह पूर्व, एक लेखक ने, जिसे मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ, मुझसे पूछा कि उसके लेखों में क्या त्रुटि थी—आजकल हम उसके किसी भी लेख को नहीं प्रकाशित करते हैं। उसने इस बात का मजाक बनाने का दिखावा किया, किंतु मैं इस बात का अनुभव कर सकता था कि वह काफी दुखी है। मैंने उसे शांत किया और उससे उसके अस्वीकृत लेखों की सूची भेजने के लिए कहा।

"सम्भवतः इस सम्बन्ध में मैंने और अधिक कुछ भी नहीं किया होता (आखिर लेखक प्रमुख समाज-रचयिता हो सकते हैं), किन्तु बरनेट, जो सम्प्रति हमारे वास्तुकला विभाग का प्रमुख है, मुझसे मिलने के लिए आया। ब्लैकवर्थ भवन-निर्माण के सम्बंध में एक लेखमाला प्रकाशित कर रहा था। स्वभावतः बरनेट और उसके विभाग को आश्चर्य हुआ और उन्हें उसमें रुचि उत्पन्न हुई। रोना मेटफोर्ड—याद है न वह ? तुम्हें मालूम है, उसने बहुत प्रगति कर ली है—हां, तो रोना इस शीत ऋतु में कोलम्बिया में अपने एक विषय के रूप में युद्धोत्तर कालीन भवन-निर्माण का विशेष अध्ययन कर रही थी और उसने हठपूर्वक कहा था कि उन लेखों का लेखक झूठ बोल रहा है। उसने ज्योंही प्रथम लेख को पढ़ा, त्योंही इसके सम्बध में ब्लैकवर्थ से कहा, किंतु उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी; क्योंकि एक के बाद दूसरा और उसके बाद तीसरा लेख प्रकाशित किया गया। अतः बरनेट को चिन्ता हुई। उसने 'ट्रेण्ड' की अंतिम तीन प्रतियाँ लाकर मुझे दीं, जिनमें रोना ने उन अशों को रेखांकित कर दिया था, जिनमें अति सरलीकरण किया गया था तथा गलत रूप से तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था। स्वयं उसका निर्णय यह था कि लेख निश्चित रूप से भ्रामक थे।

"मुझे तथ्य चाहिए थे। अतः मैंने रोना को बुलवाया। उसने मुझे उनकी एक सूची बना कर दी। उसने स्वीकार किया कि युद्धोत्तर-कालीन भवन-निर्माण में गलतियाँ हुई थीं, किंतु स्थिति उतनी बुरी नहीं थी, जितनी बुरी 'ट्रेण्ड' में बतायी गयी थी। जैसा कि रोना ने बताया, इन तीन लेखों का उद्देश्य हमारे पाठकों को यह सोचने के लिए प्रेरित करना था कि अमरीका का संचालन धोखेबाजों और दुष्ट व्यक्तियों के द्वारा हो रहा है।"

यहाँ वीडलर ने अपना सिर हिलाते हुए एक गहरी साँस ली, उसके ओठों पर एक वक्र मुस्कान थी।

"मैंने रोना को बाहर भेज दिया और उससे इस सम्बन्ध में चुप रहने के लिए कहा, किन्तु उसने मुझे आंकड़ों की जो सूची और जो चिह्नित पत्रिकाएँ दी थीं, उनका मैने अध्ययन किया। मैंने दो अन्य वास्तु-कलाकारों, दो भवन-निर्माण-विशेषज्ञों और दो बिल्डिंग कण्ट्राक्टरों को बुलाया। जब तक उन्होंने रोना के विचारों की पुष्टि की, तब तक मैं काफी पागल-सा हो चुका था।

"तत्पश्चात् मैने उन नये वृत्त-लेखकों के सम्बन्ध में जांच की, जिनके लेख हमने हाल में प्रकाशित किये थे। उनमें से कुछ हमारे लिए पहले भी लिख चुके थे, किन्तु यह विचित्र बात थी कि जब क्रोवेल बीमार होता था और ब्लैक-वर्थ काम देखता था, तब उनके लेखों को सामान्यतः स्वीकार किया जाता था। विगत छः महीनों में हमने ऐसे लेखकों के कतिपय लेख प्रकाशित किये हैं, जिन्हें मैं बिलकुल नही जानता—स्पष्टतः वे नयी खोज ही थे। जब मैंने वास्तव में सावधानीपूर्वक उनकी कृति की ध्वनि पर दृष्टिपात किया, तब मैने उनके नामों की जांच करने का निश्चय किया। मैंने इस सम्बन्ध में कुछ विशेषज्ञों से सहायता ली। और उनमें से कम से कम एक लेखक छद्म नाम का प्रयोग कर रहा था। वह कम्यूनिस्ट पार्टी का एक माना हुआ सदस्य है, किन्तु उसे हमारे पाठकों के समक्ष उस रूप में नही उपस्थित किया गया। 'लेखकों का परिचय'-पृष्ठ पर हम जो छोटे-छोटे परिचय प्रकाशित करते हैं, उनके विषय में तुम जानते हो। उसका परिचय केवल इतना ही दिया गया था, 'विलियम स्लेड, लेखक, लेक्चरर और दुर्लभ सिक्कों के संग्रहकर्त्ता।' मैं कल्पना करता कि वे बिल्कुल दो सिरों वाले गरुड़ हैं।...उसका वास्तविक नाम निकोलस ओरपेन है। उसके सम्बन्ध में कभी नहीं सुना था?"

पाल ने सिर हिला कर कहा—"मेरे लिए यह नया नाम है।"

"बहुत कम लोगों को उसके बारे में याद है, किन्तु मैं कुछ वर्षों से उसे

जानता हूँ।" बिल वीडलर ने कहा—"मैं ओरपेन के सम्बन्ध में बहुत अधिक जानता हूँ।" उसने नफरत से अपना सिर हिलाया और कुछ क्षणों के लिए मौन हो गया। फिर वह उत्तेजित हो गया। 'ओरपेन का लेख चतुरतापूर्ण था। उसमें अमरीकी लेखन-कला के ह्रास के कारणों पर विचार-विमर्श करने का बहाना किया गया था। हम में यह भावना उत्पन्न होती कि हमारी जैसी प्रणाली का अनिवार्य परिणाम पतन ही हो सकता है। इसके बाद ही मैंने मामले की छानबीन करने का निश्चय किया। मुझे मालूम नहीं था कि मामला कितना आगे बढ़ गया है। किन्तु इस तथ्य के अतिरिक्त कि मुझे ब्लैकवर्थ को नौकरी से च्युत करना है, मुझे इस बात का ठीक-ठीक ज्ञान नहीं था कि इस कार्य को कैसे सम्पन्न किया जाना चाहिए। यह उतना सरल कार्य नहीं था, जितना सरल यह प्रतीत होता था। मैं किसी प्रकार का निन्दनीय प्रकरण नहीं चाहता था, कोई ऐसी बात नहीं होने देना चाहता था, जिससे 'ट्रेंड' की प्रतिष्ठा नष्ट हो जाय और हमारे पाठक हमसे विमुख हो जायं। देखते हो न ?"

पाल ने सिर हिलाया।

वीडलर ने कहा—"एक प्रकार से मैं अनुभव करता हूँ कि मैं परछाइयों से लड़ रहा हूँ।"

"किन्तु"—पाल ने स्मरण कराया—"यदि किसी पदार्थ का अस्तित्व नहीं, तो उसकी परछाई भी नहीं होगी। खैर, फिर आपने क्या किया ?"

"स्पष्ट है कि फिर मैंने संघीय खुफिया विभाग के एक व्यक्ति से परामर्श मांगा। उसने मुझे बताया कि संघीय खुफिया विभाग केवल लोगों की कार्रवाइयों से सम्बन्ध रखता है, उनके राजनीतिक विचारों से नहीं। और कतिपय फर्मों अथवा स्टोरों से सामान खरीदने अथवा कतिपय लेखकों के लेख पढ़ने से इनकार करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कोई कानून नहीं है। लोगों को अपने निजी पूर्वाग्रह, अपने निजी विचार रखने की अनुमति प्राप्त है। यदि मैं उसे चुनौती देता, तो ब्लैकवर्थ सदा ही यह उत्तर दे सकता था कि वह पाठकों को किसी भी बात में विश्वास करने के लिए बाध्य नहीं कर रहा है—वह तो केवल ऐसे लेख प्रकाशित कर रहा है, जिन्हें वह अच्छा समझता है।"

"तो, आपने उसे कैसे निकाला ?"

"उससे हमारे नये लेखकों के सम्बन्ध में पूछ कर। क्या वह उनसे मिला था ? अवश्य ही वह उनसे मिला था—वह उसके व्यय के हिसाब का एक

अंग है। तत्पश्चात् मैंने उस व्यक्ति के सम्बन्ध में पूछा, जिसे विनम्रतापूर्वक एक लेखक, लेक्चरर और दुर्लभ सिक्कों का संग्रहकर्त्ता बताया गया था। ब्लैकवर्थ ने कहा कि वह एक अच्छा व्यक्ति है, जिससे मिलने में आनन्द आता है, वह संकोची और एकान्त-प्रिय है, उसका लेख सुलिखित था तथा एक नियमित लेखक के रूप में रखने के लिए वह एक अच्छा व्यक्ति प्रतीत होता है। अतः तत्पश्चात् मैंने कहा, यदि तुम उससे मिल चुके हो, तो तुमने उसका चेहरा भी अवश्य पहचाना होगा क्योंकि उसने तुम्हें पन्द्रह वर्ष पूर्व मुनरो कालेज में पढाया था। और तुम उस निन्दनीय प्रकरण को जानते हो, जो वहाँ १९४१ में प्रारम्भ हुआ था।"

पाल ने कहा —"तब ब्लैकवर्थ ने विरोध किया कि यह निन्दनीय प्रकरण नही, अपितु प्रपीड़न था। उसने संभवतः यह कहा कि ओरपेन अब कम्यूनिस्ट नही रह गया है और उसे जीवित रहना है तथा आप उससे उसकी जीविका को नहीं छीन सकते। क्या यही उसका उत्तर था?"

तब वीडलर ने पाल की ओर देखा। "कुछ-कुछ ऐसा ही", उसने कहा— "तुम्हें कैसे मालूम हुआ?"

"वे अपनी पद्धति की पुनरावृत्ति करते रहते हैं। जर्मन समाचार-पत्रों में प्रवेश पाने का प्रयत्न करने वाले छिपे हुए नाजियों और छद्मवेशी कम्यूनिस्टों से मुझे यही बातें सुनने को मिली थी। वही पुरानी कहानी। वे सदा ही मानवीय शिष्टाचार और मानवीय विवेक की दुहाई देते हैं, यद्यपि वे स्वयं तानाशाही-विरोधी लेखकों को लात मार कर गटर में डाल देते हैं। वे दूसरे व्यक्तियों का जीवन नष्ट करने में विवेक से काम नहीं लेते। तो फिर आपने उसके साथ क्या किया?"

"मैं अपना मानसिक सन्तुलन खो बैठा। मैंने उसे रोना मेटफोर्ड का विश्लेषण दिखाया। मैंने उससे कहा कि तुम्हारा यहाँ से चला जाना ही अच्छा होगा। वह मेरे कारणों को ठीक-ठीक जानना चाहता था, किन्तु मैंने अपना मानसिक संतुलन पुनः प्राप्त कर लिया और मैंने उससे कहा कि उसे केवल इस कारण निकाला जा रहा है कि वह हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। उसने बड़ी कोशिश की कि मुझसे असली कारण जान ले, लेकिन मैंने कुछ नहीं बताया।"

"तत्पश्चात् उसने कहा कि प्रकाशकों को तानाशाह नहीं होना चाहिए तथा सभी प्रकार के मतों को व्यक्त करने की स्वतन्त्रता होनी चाहिए?" पाल ने पूछा।

"किन्तु उसके लिए मेरे पास एक उत्तर था। मैंने कहा कि यदि वह वृत्त-लेखकों का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र है, तो निश्चय मुझे भी अपने कर्मचारियों का चुनाव करने के लिए वही स्वतन्त्रता प्राप्त है। उसने अपनी रुचि और विवेक का अनुसरण किया था: मैं भी वही कर रहा था।"

काफी देर तक दोनों मौन रहे।

तत्पश्चात् वीडलर पुनः बोला—"क्या तुम विश्वास करते हो कि मैंने यह निर्णय ठीक नहीं किया?" वह अब भी उसके निर्णय के सम्बन्ध में परेशान हो रहा था।

पाल हैन ने सिर हिलाया। वह स्वदेश लौटते समय अपनी विमान-यात्रा के सम्बन्ध में, राजर ब्राउनली के सम्बन्ध में—जो उसकी बगल में बैठा था और जिसने उसकी रुचि एक ऐसी बात में उत्पन्न करने का प्रयास किया था, जो अवास्तविक और अयथार्थ प्रतीत होती थी—सोच रहा था। फिर भी, ब्राउनली के सतर्कतापूर्ण साधारणीकरण अब बोधगम्य प्रतीत होने लगे थे, किन्तु जब कि वीडलर यह विश्वास करता है कि उसे अकेला ही इस प्रकार के विश्वासघात का शिकार बनाया गया है, (उसका क्रोध आंशिक रूप से इस भावना पर आधारित था कि वह अकेला ही एक प्रचार-युद्ध का सामना कर रहा है, जिसे उसके पाठकों अथवा मित्रों द्वारा समझे जाने की तनिक भी आशा नहीं थी) तब ब्राउनली इसे दूर तक फैलाये गये एक जाल के रूप में देखता है, जिसमें लोग बहुधा इस कारण फँस जाते हैं कि वे अपने को अकेला और असहाय अनुभव करते हैं।

पाल ने कहा—"मैं एक व्यक्ति को जानता हूँ—वह एक समय मेरा कर्नल था, जो प्रचार के सम्बन्ध में बहुत अधिक जानता है। उसने १९४० में फ्रांस के पतन का विशेष रूप से अध्ययन किया। वह इस विश्वास पर पहुँचा कि जर्मन सेनाओं के फ्रांस की सीमा पर पहुँचने के पूर्व ही उसकी पराजय हो गयी थी। मैं यह सोचा करता था कि वह इस विषय में कुछ अधिक तल्लीन रहता है, किन्तु—सम्भवतः मैं गलती पर था।"

"क्या मैं उसे जानता हूँ?"

"मैं नहीं सोचता कि आप उसे जानते हैं।" अधिक अच्छा होगा कि वीडलर को भी ब्राउनली का नाम तब तक न बताया जाये, जब तक ब्राउनली इसे ठीक न समझे। पाल ने कहा—"युद्ध प्रारम्भ होने से पहले वह उपभोक्ता-संघ के लिए काम किया करता था। वह समस्त मिथ्या विज्ञापनों, संदिग्ध

निर्माताओं द्वारा दिये जाने वाले भ्रामक वक्तव्यों का पता लगाता था। उसका विश्वास था कि जनता को इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि वह क्या वस्तु खरीद रही है। प्रचार के सम्बन्ध में भी उसके विचार बहुत कुछ इसी प्रकार के हैं। आडम्बर और सुन्दर आवरण के कागज को हटा दीजिये और जनता को देखने दीजिये कि उसके भीतर वास्तव में क्या है। समस्त पदार्थों को बाक्स के बाहर ईमानदारी के साथ अंकित कर दिया जाना चाहिए। यदि जनता फिर भी उसे खरीदने पर तुली रहती है, तो वह ऐसा कार्य स्वयं अपनी जिम्मेदारी पर करती है।"

"यह तो काफी बुद्धिमानी की बात प्रतीत होती है।"—वीडलर ने कहा। उसमें अचानक रुचि जागृत हो गयी। "यह तो एक अनुकरण करने योग्य विचार है।"

"और वह यही करना चाहता है। उसे ऐसा प्रतीत होता है कि इन विगत कुछ वर्षों में लोगों को बहुत अधिक आवेष्टित विचार प्रदान किये गये हैं तथा उन्हें यह नहीं बताया गया है कि वास्तव में आवेष्टनों के भीतर क्या है। ठीक उसी प्रकार, फ्रांस की जनता के मध्य इस प्रकार के विचार प्रचारित किये गये कि 'यह युद्ध साम्राज्यवादी है', 'देशभक्ति धनी व्यक्तियों के लिए है', 'हिटलर फ्रांस का विनाश नहीं करना चाहता', 'इंगलैण्ड के लिए क्यों युद्ध किया जाये ?' किन्तु १९४० का अन्त होते-होते फ्रांसीसियों ने यह अनुभव करना प्रारम्भ कर दिया कि उन्हें धोखा दिया गया था। देशभक्ति प्रत्येक व्यक्ति के लिए थी, यदि वह फ्रांसीसी बना रहना चाहता था। वे अपनी स्वतंत्रता के अतिरिक्त और किसी वस्तु के लिए युद्ध नहीं कर रहे थे। उस समय तक विचारों के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए बहुत अधिक विलम्ब हो चुका था। अतः यह मशीनगनों से भी लड़ने का, भूमिगत युद्ध का, यातना, मृत्यु और उनके परिवारों के विनाश का खतरा मोल लेने का एक मामला था।"

"मैं चाहूँगा कि तुम इस विषय पर एक लेख-माला लिखो।" वीडलर ने कहा। तत्पश्चात् उसने खेदपूर्वक कहा—"अवश्य ही, हम राजनीति से दूर बच कर चलते हैं।"

"ब्लैकवर्थ क्या करता रहा है? क्या वह सूक्ष्म कला के सौन्दर्य और यात्रा के आनन्द पर ध्यान केन्द्रित करता रहा है ?"

वीडलर ने पाल की ओर प्रायः क्रोधपूर्वक देखा। "तुम वापस आकर साफ-साफ बातें करने लगे हो।",—उसने कहा, किन्तु वह पाल हैन द्वारा

बतायी गयी बातों पर विचार कर रहा था।

"हां। और मैं इतना और कहने जा रहा हूँ," पाल ने कहा–"ट्रेण्ड में प्रवेश करने के लिए प्रयत्न करनेवाले ब्लैकवर्थ जैसे अन्य व्यक्ति भी होंगे। यह मत सोचिये कि अब चूंकि आपने उसका पता लगा लिया है, इसलिए आप शिथिल हो सकते हैं। यह आगामी दस या बीस वर्षों तक के लिए सत्ता-प्राप्ति के एक संघर्ष का रूप धारण करने जा रहा है। सम्भवतः इससे भी अधिक समय तक के लिए। सत्ता-प्राप्ति के लिए होने वाले कतिपय संघर्ष सदियों तक चलते रहे।"

वीडलर ने कहा–"पाल, क्या तुम ट्रेण्ड में इस काम को स्वीकार करोगे ?"

पाल हिचकिचाया। "मैं पूर्वापेक्षा उसे स्वीकार करने के अधिक निकट पहुँच गया हूँ।" उसने स्पष्टतापूर्वक कहा—"सब बातों पर विचार करने के लिए मुझे कुछ दिनों की आवश्यकता है। स्थिति मेरे सामने अधिक स्पष्ट हो गयी है। किन्तु—बिल, आपने मुझे जो बात बतायी है, उसे आप प्रकाशित क्यों नहीं कर देते ? ठीक उसी रूप में जिस रूप में आपने मुझे बताया है ? आप अपने पाठकों को बता दीजिये। आप जनता को बता दीजिये कि क्या हो रहा है।"

वीडलर की भृकुटियाँ पुनः वक्र हो गयीं। 'तुम जानते हो कि इसका नतीजा क्या होगा ? हमारे विरुद्ध एक अभियान प्रारम्भ हो जायगा। हमें फासिस्ट, युद्ध-प्रचारक, अमरीकी साम्राज्यवादी और राज्य के प्रति कथित गैर-वफादारी के आधार पर भण्डाफोड़ करने के लिए राजनीतिक विरोधियों को ढूंढ़ने वाला कहा जायगा।"

"आप उन्माद जागृत करने वाले शब्द को जोड़ना भूल गये," पाल ने मुस्कराते हुए कहा—"यह एक विचित्र बात है कि इस समय वे 'उन्माद' शब्द का कितना अधिक प्रयोग करते रहे हैं—वास्तव में प्रायः उन्मादपूर्वक।" तत्पश्चात् उसने गम्भीरता पूर्वक कहा—"निश्चय ही हमें डरा-धमका कर मौन रहने के लिए विवश किया जा सकता है। यह उनकी एक चाल है। हमसे यह आशा की जाती है कि हम एक साथ नहीं मिलेंगे और अपने अनुभवों का सम्मिलित रूप से उपयोग नहीं करेंगे। हम सभी को निजी तौर पर चिन्ता करते रहना है और सार्वजनिक रूप से प्रत्येक वस्तु के सम्बन्ध में चुप हो जाना है। ठीक उसी प्रकार, अिस प्रकार बदमाशों के शिकार व्यक्ति उनके खिलाफ गवाही देने से डरते हैं।"

वीडलर ने धीरे-धीरे कहा—"मैं तुम्हारे उस कर्नल मित्र से बात करना पसन्द करूँगा।"

"अब वह कर्नल नहीं रह गया है। उसने अपने कमीशन से त्याग-पत्र दे दिया। उसने ऐसा महसूस किया है कि उसे एक नागरिक के रूप में ही यह कार्य करना चाहिए।"

"मै उससे बात करना पसन्द करूँगा।" वीडलर ने पुनः अपनी बात दोहरायी।

"मैं इसकी व्यवस्था करूँगा। मेरा विचार है कि यदि आपने उससे मुलाकात की, तो सम्भवतः वह आपको उत्साहित कर देगा। आप इन विचारों के अकेले नहीं है।"

वीडलर आश्चर्य-चकित दिखायी पड़ा, तत्पश्चात् वह मुस्करा पड़ा। "ईश्वर जानता हैं, कुछ उत्साह मिल जाने से मेरा काम चल सकता है।"

"सदा के लिए एकता।" पाल ने जाने के लिए खड़े होते हुए मुस्करा कर कहा—"यह हमारा उद्देश्य-वाक्य है।"

गलियारे को पार करते समय उसने अपने आप से कहा—"मैं यह सब तनिक भी नहीं चाहता।" उसने बर्लिन में राजर ब्राउनली की बातों को अधीरतापूर्वक सुना था। स्वदेश लौटते समय विमान-यात्रा में वह ब्राउनली के ऊपर प्रायः क्रुद्ध ही हो गया था। फिर भी, विगत आधे घंटे से वह ब्राउनली की ससस्त चिन्ताओं और विचारों को ही प्रतिध्वनित कर रहा था। और अब वीडलर के कारण, अंततोगत्वा, उसे ब्राउनली से सम्पर्क स्थापित करना ही होगा। और जल्दी ही। उसने सोचा कि मैं यह सब तनिक भी नहीं चाहता था, किंतु दूसरा रास्ता ही क्या है? क्या उस युद्ध की ओर से आँखें फेर ली जातीं, जो चल रहा था, क्या तुम्हारे देश पर आधिपत्य स्थापित करने के लिए होने वाले संघर्ष की ओर से आँखे फेर ली जाती? और तब बाद में—जब अत्यधिक विलम्ब हो जाता—अपने अधेपन पर, अपनी निष्क्रियता पर, अपने अहंकार पर, अपनी कायरता पर शोक प्रकट किया जाता?

"दूसरा कोई रास्ता नही है।" ब्राउनली ने कहा था—"कोई रास्ता नहीं। उन्होंने अपने शस्त्रों का चुनाव कर लिया है। छिपे रूप से प्रवेश करना और प्रचार के साधनों पर नियंत्रण स्थापित कर लेना। हमें उनकी वास्तविकता को सीखना-समझना होगा अथवा हमें इतिहास के समस्त युगों के मूर्खतम व्यक्तियों के रूप में माना जायगा। क्योंकि लिखावट दीवार पर स्पष्ट रूप से दिखायी दे रही है। यह हमारे और तुम्हारे जैसे व्यक्तियों का काम है,

पाल । यह सूचना देने के माध्यम द्वारा जीविकोपार्जन करने वाले—प्रकाशकों, लेखकों, निर्माताओं और निर्देशकों, पत्रकारों, स्तम्भ-लेखकों, शिक्षकों और उपदेशकों, सम्पादकों, टेलिविजन और रेडियो-कर्मचारियों के रूप में जीविकोपार्जन करने वाले हमारे जैसे व्यक्तियों का काम है । यह हमारा काम है । हमें मिथ्या बातों का पता लगाना चाहिए और उनके विरुद्ध सतर्क रहना चाहिए । हमें उनका भंडाफोड करना ही होगा ।"

भीड़ से भरे हुए एलिवेटर में दोपहर के भोजन के लिए जाते हुए व्यक्तियों के स्वर एक दूसरे से टकराते हुए गूंज रहे थे और वे टूटे हुए स्वरों की खड़-खड़ाहट के समान प्रतीत हो रहे थे ।

"—मैंने इसको पहन कर देखा और यह बिल्कुल फिट बैठा, अतः मैने—"

"—महीनों से ऐसा विचित्र सिनेमा नहीं आया था । मैं तो वास्तव में दहल उठा ।"

"—और उसने कहा, 'मेरे कहने का यह आशय बिल्कुल नहीं था । मैंने कहा, अस्तु, यह एक अच्छी बात है कि तुम कभी नहीं—"

"अमरीकी सैनिकों से निपटना मेरे लिए बहुत कठिन है । अब लो—"

"इसमें कम से कम पचास डालर लगे । और नीला रंग मेरा—"

"अवश्य, मैंने इसे अखबार में पढ़ा था । उसका विवाह—"

"—प्रोकोफिए की नयी कृति । आशा है, लिबर्टी में भीड़ नहीं होगी । मैं यहाँ कुछ अन्य रेकार्ड भी सुनना चाहता हूँ । "

"हाँ, वह गम्भीर है । कहता है कि जब तक उसने अपना.....बदल नहीं दिया तब तक उसकी 'ड्राइव' (गोल्फ के खेल में गेंद पर प्रहार करना) उसे 'ग्रीन' (गोल्फ के छेद के चारों ओर तैयार की गयी जमीन) के निकट कभी नहीं पहुँचा सकी ।"

"मैं स्थान पाने के लिए तीन महीने से कोशिश कर रहा हूँ । यह इसके काबिल नहीं है ।" वातावरण की कितनी विचित्र बातें—कोई संतुलन नहीं । और पाल हैन भीड़ से अलग हो गया और जल्दी-जल्दी द्वार से बाहर निकल गया । उसके पीछे घूर कर देखते हुए जो ने 'डिस्पैचर' से कहा—"ऐसा मालूम पड़ता है, मानो उसे 'ट्रेण्ड' का काम आखिर नहीं मिला । टोनी—उसका चेहरा तो देखो ?"

टोनी ने, जो एलिवेटरों का समय ठीक कर रहा था, नहीं सुना । उसने अपनी व्यस्तता में लीन रहते हुए कहा—"अधिक अच्छा होगा कि इसे पुनः प्रारम्भ

करो। जन्तुशाला में पशुओं को खिलाने का समय हो गया है। यदि तुम उन्हें प्रतीक्षा-रत रखोगे, तो वे शेरों की भाँति गरजना प्रारम्भ कर देंगे।"

व्यस्त सड़क पर पाल ने अपने चारों ओर के चेहरों को देखा। मैं बटन के छेद बनाने वाला क्यों नहीं बना और उस समय मुझे केवल बटनों के आकार के सम्बन्ध में चिन्ता करनी पड़ती ? और मेरा आय-कर ? और मनोवैज्ञानिक युद्ध के सम्बन्ध में सीखने के बजाय मैंने पदाति सेना में रह कर बजूकाओं के सम्बन्ध में क्यों नहीं सीखा ? मुझे ब्राउनली अथवा वीडलर के सम्बन्ध में जानने की क्या आवश्यकता थी ? मैंने अपने कानों को बन्द क्यों नहीं रखा और प्रसन्न क्यों नहीं बना रहा ?

उसने प्लाजा की दिशा में चलना प्रारम्भ कर दिया। यदि उसे अपनी चिन्ताओं को भूल जाना था, तो उन्हें वह आराम से भी भुला सकता था।

अध्याय—६

शुक्रवार की शाम को रोना पहले ही से टाइसन-परिवार के निवास-स्थान पर आ गयी थी। पेगी, जिसने एक साफ-सुथरा नीला ड्रेस पहन रखा था, जिसके बाल थोड़े-से अस्त-व्यस्त थे, जिसके गालों पर लाली थी तथा जिसकी कमर के चारों ओर एक 'एप्रन' था, अपनी बहन का स्वागत करने के लिए हल्के प्रकाश वाले, लम्बे, संकरे हाल में एक क्षण के लिए आयी। जान रोना का नया सफेद 'फ्लीस' कोट निकालने में उसकी सहायता कर रहा था।

"यह तो बहुत ही प्यारा है।" पेगी ने सराहनापूर्ण दृष्टि से कहा, किन्तु रोना के धुलाई-व्यय के विचार से वह सिहर उठी। फिर उसने हाल में चेतावनी पूर्ण दृष्टि से देखते हुए अपने स्वर को मन्द कर के कहा—"मैंने अभी-अभी बाबी को बिस्तर पर लिटाया है और मेरा विचार है कि वह सो गया है। आओ और सैण्डविचों के बनाने में मेरी सहायता करो।" फिर उसने जान से कहा—"प्रिय, अपनी उन समस्त पाण्डुलिपियों को हटा दो, अन्यथा हमें 'बियर' रखने के लिए कोई स्थान नहीं मिलेगा।"

"मैं पहले बच्चों को एक नजर देखूंगी।" रोना ने अपने हाथ के दोनों बण्डलों को यथासम्भव अधिक से अधिक छिपाने का प्रयास करते हुए कहा।

"रोना, अब वास्तव में तुम्हें—"

"मैं उन्हें जगाऊँगी नहीं।" रोना ने जल्दी से कहा और बच्चों के शयन-कक्ष की ओर चली गयी।

"अधिक अच्छा हो कि तुम उन्हें न जगाओ।" पेगी ने मुस्कराते हुए कहा और रसोईघर में वापस चली गयी।

"बाबी की ट्रेन पर ध्यान देना।" जान ने कहा। जान और रोना दोनों बच्चों के कमरे की ओर जाते-जाते रुक गये।

"पटरियाँ सारे स्थान पर फैली हुई हैं।" उन्होंने दरवाजे पर कान लगा कर सुना। जान ने सिर हिलाया और उसे धीरे से खोल दिया। "सो गये हैं, ईश्वर को धन्यवाद!" उसने कहा।

रोना ने अकेले ही कमरे में प्रवेश किया और अपनी आँखों को कमरे के अन्धेरे से अभ्यस्त होने दिया। बाबी अपने छोटे-से बिस्तरे पर पूर्ण शान्त होकर पड़ा हुआ था, पायजामे से ढकी हुई उसकी एक बाँह उसके सिर के ऊपर थी। बारबारा तकिये पर पाँव फैला कर सोयी हुई थी। वह एक गोल-मटोल, गुलाबी रंग की, सुन्दर बालोंवाली लड़की थी, जिसके बाल पसीने के कारण उसके सिर से चिपके हुए हैं। ऊपर की चद्दर एकदम मुड़कर ढेर बन गयी थी, कम्बल एक तरफ पड़ा हुआ था। एक भूरा भालू, जो थपथपाते-थपथपाते फट गया था, परछाईं से युक्त छत की ओर निर्निमेष घूर कर देखता-सा प्रतीत हुआ।

रोना ने धीरे से बारबारा को ठीक से सुलाया, तकिये को ठीक किया, चद्दर और कम्बल को सीधा किया। बारबारा ने तनिक अंगड़ाई ली और अपनी छोटी मोटी नाक पर बैठी मक्खी के उड़ाने के प्रयत्न में जोर से एक घूसा मारा। तत्पश्चात् वह और अधिक शिथिल हो सो गयी, उसकी भौंहें अन्तिम बार काँपीं और वह पुनः गहरी नींद में निमग्न हो गयी। रोना ने एक बण्डल को चारपाई के पायताने रख दिया। वह बँधा हुआ नहीं था। अतः उसे प्रातःकाल छोटी-छोटी अंगुलियों से खोला जा सकता था।

तत्पश्चात् वह कमरे के उस पार बाबी के पास पहुँची और उसके पार्सल को, जिसमें अनेक गाँठें लगी हुई थीं, क्योंकि यह उन्हें खोलने के रहस्य से आनन्दित होता था, उसके पैरों और दीवार के बीच रख दिया। वह उसकी ओर देखती हुई खड़ी रही। अधखुले द्वार से होकर आने वाली धुंधली रोशनी में वह उसके छोटे से चिकने चेहरे की रूपरेखा को देख सकती थी। उसके बाल जान के बालों की भाँति ही लहरदार थे। (बारबारा के बाल सीधे थे, मानो प्रकृति अपने उपहारों में भ्रम में पड़ गयी थी।) उसकी भौंहें उसके

पीले चेहरे के ऊपर शान्त पड़ी हुई थीं। वह दुर्बल और असहाय तथा किसी प्रकार अत्यन्त करुणाजनक दिखायी दे रहा रहा था।

एक आँख खुली और उसकी ओर टुक-टुक कर देखने लगी।

"मैं सो गया हूँ।" उसने फुसफुसा कर कहा।

"वह तो मैं देख ही रही हूँ।"

उसने कम्बल के नीचे ढके हुए हाथ से एक बन्दूक खीच कर निकाली। "मैं पहरा दे रहा हूँ।"

वह अपनी दूसरी आँख को खोलते हुए जोर से तुतलाया। उसने बन्दूक को नीचे रख दिया। "किन्तु आप बिल्कुल ठीक हैं।"

"तुम किसकी आशा कर रहे थे ?"

"अण्डरस्लंग डिक यहा बहुत अधिक उपद्रव करता रहा है।"

"क्या, फिर ?" अण्डरस्लंग डिक रोना का एक आविष्कार था, जिसके लिए बाबी के अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति ने अब खेद करना प्रारम्भ कर दिया था।

उसने सिर हिलाया। "किन्तु मेरा अनुमान है कि अब वह सोने चला गया होगा।" वह शिथिल हुआ, उसने एक लम्बी जम्हाई ली। "और तुम मेरे लिए क्या लायीं ?"

रोना की जबान लड़खड़ायी। "तुम्हें मालूम है कि तुम से ऐसे प्रश्न पूछने की आशा नहीं की जाती।"

"केवल माँ के सामने ! यह क्या है ? क्या मैं देख सकता हूँ ?"

"श्....श ! तुम्हारी आवाज तेज होती जा रही है।" रोना ने बंडल को उठाया। "क्या मैं इसे खोल दूँ ? यहां इतना अधिक अंधेरा है कि इसकी गांठें दिखायी नहीं देतीं।"

"इस बार वे किस प्रकार की हैं ?"

मुझे आशंका है कि वे "अधिकतर 'ग्रैनी' गांठें हैं। तुम्हें मुझे फिर से नये सिरे से उन्हें खोलना सिखाना होगा।" उसने पार्सल खोलना प्रारम्भ कर दिया।

"किन्तु मैने तुमको सिखा दिया है ! रोना मौसी, तुम तो एकदम बहरी हो।" उसने रोना की ओर प्रेमपूर्वक देखा।

"हां। और मैं नहीं जानती कि हम लोग इस सम्बन्ध में क्या करने जा रहे हैं।"

उसने अकस्मात् मुस्कारातें हुए उसकी ओर देखा। "आ, आप इतनी बहरी तो नहीं हैं", उसने सान्त्वना देते हुए कहा। उसने अपने उपहार को

पाने के लिए हाथ फैलाया। "ओह !" वह बिल्कुल सीधा तनकर बैठ गया। "चरवाहे का पट्टा। सफेद। ओह !... और यह क्या हैं ?"

"नीलम और पन्ने। शेरिफों के पट्टों पर सदा नीलम और पन्ने जड़े रहते हैं।"

"अच्छा ! धन्यवाद..." उसने उसे अपनी पतली कमर के चारों ओर बांध लिया और पिस्तौल को 'होल्स्टर' में रख दिया। "अब ठीक है।" उसने घोषित किया और कम्बल को अपनी ठोड़ी तक खींचते हुए पुनः लेट गया। "शेरिफ अपना पट्टा बांध कर सोते हैं।" उसने रोना को बताया।

"किन्तु मैं सोचती हूँ कि वे अपनी पिस्तौल अलग रख देते हैं। उसमें मोर्चा लग सकता है या कोई दूसरी खराबी आ सकती है।"

"ओह !...."उसने उक्त बात पर विचार किया। "पसीना ?" उसने कहा और पिस्तौल रोना की ओर बढ़ा दी !

"मैं इसे तकिये के नीचे रख दूँगी, किन्तु इसे छूना मत। तुम्हें मालूम है, मोर्चा पिस्तौल के लिए बहुत ही खराब है।"

उसने सिर हिलाया, उसकी आँखें नीलम और पन्नों से चमकते हुए एक सफेद पट्टे की कल्पना में मूँद गयीं। उसने उनींदे स्वर में कहा—"यह तो बहुत ही अच्छा है। धन्यवाद, रोना मौसी।" वह मुस्कराया और उसने तकिये के ऊपर आराम से अपना सिर रख दिया।

उसने झुक कर उसे चूम लिया और धीरे से उसके माथे पर से बालों को पीछे हटा दिया। और दरवाजे को केवल थोड़ा-सा खुला रखा और दबे पाँव रसोईघर की ओर चली गयी।

पेगी ने रोटी के टुकड़ों पर मक्खन लगा दिया था। अब वह कुछ अधिक उबाले गये अंडों को काट रही थी। उसने रोना को एक 'एप्रन' दे दिया। "मैंने अंडे तैयार कर दिये हैं। तुम मछलियों को काटो और उनमें थोड़ा नींबू का रस डाल दो। क्या वे दोनों वास्तव में सो गये है ? आज शाम तो वे पूरे शैतान बन गये थे—वही दंगा, धमाचौकड़ी की एक रात। प्रायः प्रत्येक शुक्रवार को ऐसा होता ही है, जान रहने के कमरे को साफ कर रहा है।"

रोना मुस्करायी। पेगी जब व्यस्त रहती है, तब उसके वाक्य भी सदा ही व्यस्ततापूर्ण हुआ करते हैं। "जान के पुस्तक-लेखन का काम कैसे चल रहा है ?"

"ऐसी आशा है कि इस ग्रीष्म ऋतु में वह समाप्त कर देगा। तुम जानती हो, सत्र के समय लिखने के लिए अधिक समय नहीं मिल पाता।"

"तो क्या जान ने इस वर्ष ग्रीष्म काल में स्कूल में नही पढ़ाने का निश्चय किया है?"

पेगी ने सिर हिलाया। ग्रीष्म काल में स्कूल में न पढ़ाने का अर्थ यह होता था कि उन्हें अतिरिक्त आठ सौ डालर नहीं मिल पायेंगे। फिर भी, पुस्तक को तो समाप्त करना ही है और शीघ्र ही। मैडिसन के सम्बंध में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई नयी चीज प्रकाशित होने के पूर्व ही।

"अब जान १८१२ के युद्ध तक पहुँच गया है किंतु अभी बहुत काम करना बाकी है।'—पेगी ने कहा।

"और क्या तुम लोग अपने घर को न्यू जर्सी के उस कुटीर के साथ बदलने जा रहे हो?"

"मैं तो ऐसा ही सोचती हूँ। वह कुटीर जिन लोगों का है, वे सभ्य प्रतीत होते हैं। वह एक स्कूल-शिक्षक है और वह इस ग्रीष्म ऋतु में कोलम्बिया में पढ़ना चाहता है। इस प्रकार यह काम बहुत अच्छी तरह से हो सकता है। वह कोई बहुत बड़ा घर नहीं है, किन्तु वहाँ तक पहुँचना आसान होगा और वहाँ का दृश्य सुन्दर है तथा वहाँ एक उद्यान भी है। बच्चों को वह बहुत पसन्द आयेगा। बाबी बहुत अधिक चंचल होता जा रहा है। वह दिनभर इधर-उधर दौड़ता रहता है।"

"वह दुबला हो गया है। मैं समझती हूँ कि वह बड़ा होता जा रहा है।"

"उसके सभी कपड़े छोटे पड़ने लगे हैं, यद्यपि मैं नहीं जानती कि वह इतना दुबला क्यों हो गया है। उसके भोजन के लिए मैं अपनी सर्वोत्तम पाक-कला का प्रयोग करती हूँ।"

पेगी ने परेशानी के साथ छत की ओर देखा।

रोना ने जल्दी से कहा—"बारबारा मक्खन की गेंद-जैसी दिखायी देती है। स्वर्गीय मक्खन की गेंद जैसी—कितनी प्यारी!"

"आज रात को जब मैं उसके कुछ कपड़े धोने की कोशिश कर रही थी, तब यदि तुमने उसे स्नान घर में इधर-उधर फुदकते हुए देखा होता, तो तुम उसे कभी अच्छी नहीं कहती।" इससे पेगी को खुली हुई खिड़की के निकट लकड़ी के स्टैंड पर सूखने वाले मोजों और स्वेटरों की ओर देखने की याद आ गयी। उसने कटे हुए अण्डों का बर्तन नीचे रख दिया और कपड़ों को फिराने

तथा सूखते समय सिकुड़न पड़ने से उन्हें बचाने के लिए उस ओर चली गयी।

रोना ने अपना सिर हिलाया। "तुम यह सब कैसे करती हो ?" उसने आश्चर्य के साथ पूछा।

पेगी हंस पड़ी। "हममें से अधिकांश को ऐसा करना पड़ता है।"--उसने कहा—"गत वर्ष साठ लाख बालकों का जन्म हुआ। एक अच्छी बात है--जान कहता है कि उसे तथा अन्य समस्त शिक्षकों को कभी बेकार नहीं होना पड़ेगा।"

"मैं तुम्हारे प्रति दया नहीं प्रकट कर रही थी, पेगी।" रोना ने कहा।

"वास्तव में मैं तुमसे ईर्ष्या कर रही हूँ।" श्री बरनेट और श्री वीडलर को यह बात भले ही विचित्र लगे, पर वह पेगी से ईर्ष्या करती थी। "तुम सुखी हो, नहीं हो क्या ?"

पेगी ने उसकी ओर घूर कर देखा। "तुम सुखी नहीं हो क्या ?" उसने अकस्मात् पूछा।

"अवश्य !" तत्पश्चात् रोना के स्वर की प्रतिरक्षात्मकता समाप्त हो गयी और उसने लजाते हुए कहा—"स्काट इस बात के लिए अत्यधिक दुखी है कि आज रात वह यहाँ नहीं आ सकेगा। क्योंकि हमने शादी की तारीख निश्चित कर ली है।"

"ओह, रोना !" पेगी ने नमक हिलाने के बर्तन को नीचे रख दिया। "यह तो एक अति उत्तम समाचार है। तारीख कौन-सी तय की ? मैं आशा करती हूँ कि वह ग्रीष्म ऋतु के लिए हमारे न्यू जर्सी जाने से पहले ही होगी।"

रोना के गाल लाल हो गये—"सितम्बर।"

"सितम्बर तक इन्तजार क्यों करना ?"

"यह सितम्बर के प्रारम्भ में ही हो जायगा।"

"कब ?"

"ओह, अभी तक स्काट को इस बात का निश्चय नहीं है कि इस वर्ष उसे कब छुट्टी मिल सकेगी—सितम्बर के प्रारम्भ में किसी समय।" रोना मक्खन पुती हुई रोटी पर सावधानी के साथ मछलियाँ फैलाती रही और उन्हें यथा-सम्भव अधिक से अधिक दूर तक फैलाने की कोशिश करती रही। "हम अगले सप्ताह एक मकान की तलाश प्रारम्भ करने जा रहे हैं।"—रोना ने कहा। उसका स्टुडियो बहुत छोटा है—उसमें केवल एक कमरा और कपड़े रखने की एक कोठरी है, अतः वह किसी काम का नहीं होगा।

"तुम्हारे मकान में क्या खराबी है ? "

"स्काट वहाँ आकर रहने के विचार को पसंद नहीं करता ।"

"मगर वह किराया देगा"—पेगी ने कहा—"और वह अपना कुछ फर्निचर भी ला सकता है ।" फिर, जब उसने देखा कि रोना और अधिक परेशान हो गयी है, तब उसने जल्दी से कहा—"हां, मैंने सुना है कि आजकल जगह का मिलना अधिक आसान हो गया है । किराये अवश्य ही अधिक होते हैं, किन्तु मैं समझती हूँ कि तुम्हें इस जिले में अस्सी या नब्बे डालर प्रति माह पर दो या तीन कमरे मिल सकते हैं ।" उसने याद किया कि रोना के निवास-स्थान में उस से अधिक जगह थी । तो इसी कारण से स्काट वहां नहीं रहना चाहता है । वह अपने धन का क्या उपयोग करता है ? उसका वेतन कोई बुरा नहीं है और उसका भविष्य अच्छा है, किन्तु वह कभी कुछ बचाता हुआ नहीं प्रतीत होता है ।

रोना के गाल पुनः लाल हो गये थे । (स्काट इस जिले में नहीं रहेगा । उसने कहा था—"बहुत दूर है, तुमसे मिलने के लिए कभी कोई नहीं आता और तुम कहीं भी जल्दी नहीं पहुँच सकती ।") किन्तु उसी समय दरवाजे की घण्टी बज उठी और पेगी परेशान-सी होकर घड़ी की ओर—इस समय ठीक आठ बजे थे—और तत्पश्चात् आधे तैयार सैण्डविचों की ओर देखने लगी । उसने अपना एप्रन उतारा और रसोई-घर से चली गयी । इस कारण रोना को टालमटोल का कोई उत्तर नहीं देना पड़ा । हॉल में से उसने जान की और फिर पाल हैन की आवाज सुनी । वह रसोई-घर के बन्द द्वार की ओर घूर कर देख रही थी कि पेगी वापस आ गयी ।

"हां, यह पाल है," पेगी ने कहा । उसके स्वर में आक्रोश और प्रसन्नता का सम्मिश्रण था । "वह अभी जान के साथ रहने के कमरे में चला गया है । दोष मेरा है, बहन । मैंने पाल को बताया था कि शुक्रवार की रात हम से घर पर मिलने के लिए सदा ही अच्छा वक्त है । वह दूसरों के आने से पहले जान से बातचीत करने के लिए जल्दी चला आया ।"

"क्यों, उसे जान से मिलने के लिए क्यों नहीं आना चाहिए ? लड़ाई से पहले वे बहुत अधिक साथ-साथ रहा करते थे ।" अब चूंकि प्रथम विस्मय समाप्त हो गया था, इस लिए रोना मुस्करा रही थी । "देखो बहन, पाल के सुप्रसिद्ध आकर्षण के विरुद्ध मैं बहुत अधिक सुरक्षित हूँ । वह केवल एक और अच्छा आदमी है, बस ।"

पेगी ने सैण्डविचों को काटना प्रारम्भ कर दिया। "तुमने उसके साथ अपनी मंगनी को क्यों तोड़ दिया? इस विषय में तुमने कभी मुझे कोई वास्तविक कारण नहीं बताया। और मैंने उसके बाद से इस विषय की चर्चा न करने की ठान ली है। अवश्य, उस समय तुम वास्तव में बहुत छोटी थी।" उसने अपनी बहन की ओर प्रश्न-सूचक दृष्टि से देखा। 'पाल भी ऐसा ही महसूस करता था, नहीं क्या? उसने सोचा कि वह एक नाबालिग लड़की को अपना रहा है। और फिर, तुम्हारी अपेक्षा उसकी उम्र बहुत अधिक थी—प्रायः सात वर्ष।" "हां, मैं बहुत छोटी थी और अपने विचारों में बहुत अधिक अनमनीय। और, मुझमें बहुत अधिक अहंकार था।" रोना ने हँसने का प्रयास किया। "मैं भयंकर अहंकारी थी, तुम जानती हो। मैं प्रत्येक वस्तु पर इतनी अधिक गम्भीरता के साथ विचार करती थी। जब पाल को लिखे गये अपने अन्तिम पत्र में—उस समय वह लन्दन में था—व्यक्त किये अपने अहंकार के सम्बन्ध में सोचती हूँ, तब मैं वास्तव में हँसी के मारे लोट-पोट हो जाती हूँ। अतः यह कोई आश्चर्य की बात नही है कि वह उन्मत्त हो गया और मेरी बातों पर विश्वास कर गया। सम्भवतः उसने अपने आपको इस बात के लिए बधाई दी होगी कि वह ऐसे साफ निर्मित जाल में से निकल गया, जैस जाल में वह कभी नही फँसना चाहता था!"

"अब रोना, रोना! तुम्हें इस बात का बहुत अधिक विश्वास है कि जीवन के सम्बन्ध तुम्हारी धारणाएं ही एकमात्र उपयुक्त धारणाएं है।"

रोना मुस्करायी। "इससे मैं सदा की अपेक्षा बुरा महसूस करती हूं।"

पेगी ने जल्दी से कहा—"बात केवल इतनी ही है कि उस वक्त तुम बहुत अधिक अनुभवहीन थी।"

रोना ने हँसना प्रारम्भ कर दिया।

पेगी ने और अधिक जल्दी से कहा—"इसके अतिरिक्त, यदि तुम मुझसे पूछो, तो पाल बहुत अधिक अनुभवी था। तुम मुझे गलत मत समझना। मैं पाल को अब भी पसन्द करती हूँ। किन्तु—"

"जो अनेक बातें उड़ायी थीं वे गप मात्र हैं। अब मैं इस बात को जान गयी हूँ। वह ऐसा आदमी है, जो अपने को—हाँ—परिस्थितियों में फँसा लेता है।"

"जैसे तुम्हारी पार्टी में मैरी फाइन?" पेगी ने ताने के स्वर में कहा।

"जैसे कि मैरी फाइन।" रोना ने गम्भीरता पूर्वक कहा—"और हमने

उसे धक्का देकर उस परिस्थितियों में फँसा दिया।"

"हमने क्या किया?"

"हम भयभीत होकर उसकी ओर देखती हुई खड़ी रहीं—मात्र दो प्रपीड़ित महिलाएँ। उसने मुझे अपने आपसे यह कहते हुए देखा, 'यह पाल है, विश्वास करो कि पाल सुन्दरतम दिखायी देनेवाली लाल बालों वाली लड़की को चुन लेगा।' इसलिए वह चला गया। मैरी फाइन के साथ।"

"जोन ने भी यही कहा। हाँ, उसने पाल का बचाव किया। हम शाम को प्रायः पूरे समय इसके बारे में वाद-विवाद करते रहे।"

"तुमने वाद-विवाद किया?" रोना को आश्चर्य हुआ।

"प्रायः झगड़ा ही कर बैठे।" पेगी ने हँसते-हँसते कहा—"किन्तु तुम जानती हो कि 'मार्टिनी' क्या होती है! मैं मानती हूँ कि काकटेल पार्टियों के बाद पति-पत्नियों में जितने झगड़े होते हैं, उतने झगड़े सामान्यतः रविवारों के एक महीने में भी नहीं होते होंगे। तुम जानती हो, जोन ने मुझे बताना प्रारम्भ किया कि मैरी फाइन किस प्रकार की लड़की है—और अपने कथन को प्रमाणित करने के लिए उसने उसकी कही हुई बातों को दुहराया। मेरा ख्याल है कि उसका आशय मुझे आश्वस्त करने का था, किन्तु मैं उस रात को रहने के कमरे के कोच पर ही लगभग सो गयी थी। तुम जानती हो, उसने निश्चित रूप से प्रायः आधे घण्टे तक उस पर ध्यान केन्द्रित किया था। इसमें भी मेरा ही दोष था। मैंने 'पाइनाट नैयर' हैट पहनी हुई उस बूढ़ी औरत से जोन की रक्षा की और परिवर्त्तन के लिए उससे जाकर आनन्द लेने के लिए कहा।" पेगी ने हँसना प्रारम्भ कर दिया।

"अच्छा मुझे इस बात की खुशी है कि तुम मेरी पार्टी के कारण बैठकखाने के कोच पर नहीं सोयी।" रोना ने धीरे से कहा।

पेगी प्रसन्न-वदन उसकी ओर देख रही थी। उसने प्रेम-भाव से सोचा कि वह अभी तक पहले के ही समान रोमाण्टिक है। क्या वह सोचती है कि मेरे और जोन के मध्य मतभेद के क्षण कभी नहीं उपस्थित होते? "जोन इस चीज को बर्दाश्त करने वाला नहीं है," पेगी ने कहा—"वह मुझे पकड़ कर अपने साथ बिस्तर पर ले गया। वह क्रुद्ध था—यह उसका पुराना तरीका है। और आखिरकार तुम बिस्तर पर किसी के ऊपर क्रुद्ध नहीं बनी रह सकती, रह सकती हो क्या?"

"मेरा ख्याल है कि नहीं।" रोना अब मुस्करा रही थी। "तब तो तलाकों

की संख्या में कमी करना सरल होना चाहिए। बस 'दोहरे बिस्तरों' का कानून बना दिया जाये और समस्त 'मार्टिनी' को समाप्त कर दिया जाये।"

"एक बात मैं तुमसे अवश्य कहती हूँ, रोना। अगली बार जब तुम कोई पार्टी दो, तो मैरी फाइन को मत बुलाना।"

"ऐसा मेरा कोई इरादा नहीं है।" रोना ने कहा।

"वह तुम्हारी मित्र नहीं है, है क्या ?" पेगी अब बहुत कुछ बड़ी बहन के समान बात करने लगी थी।

"कोई विशेष नहीं !" रोना ने कहा, जो अल्पोक्ति का एक चमत्कार था। "स्काट कहता है कि वह अपनी परिस्थितियों की सृष्टि है।" उसने पुनः कहा।

"यह विचित्र बात है कि अच्छे व्यक्तियों का वर्णन करते समय हम इस कहावत का प्रयोग कभी नहीं करते।" पेगी ने रोना के चेहरे की ओर सावधानी पूर्वक देखते हुए कहा। तो यह स्काट था, जिसने सोचा कि सुन्दरी फाइन को पार्टी में सम्मिलित किया जाना चाहिए..."क्या स्काट लोगों को इसलिए निमंत्रित करता है कि वह उन्हें नापसंद करता है ?" उसने मुस्कराते हुए पूछा। "यह उसका कितना मौलिक विचार है !" तत्पश्चात् उसका मुस्कराना समाप्त हो गया और वह ध्यानपूर्वक किसी ध्वनि को सुनने लगी। "मुझे ऐसा लगता है कि यह तुम्हारी छोटी-सी गुड़िया बारबारा है। मैं बाजी लगा कर कहती हूँ कि इस बार यह पानी पीने की मांग है। यह असम्भव है। क्योंकि सोने से पहले वह प्रायः पानी से नहा चुकी थी।" "मैं जाऊँगी। तुम सैण्डविचों का काम समाप्त करो।"

"यदि वह पुनः पीने के लिए पानी माँगे, तो उससे यह कह देना कि पानी का अकाल हो गया है, क्या तुम ऐसा कह दोगी ?" पेगी ने रोना से कहा। तत्पश्चात् उसने सैण्डविचों को मोम के कागज और उन्हें आर्द्र रखने के लिए एक भिगोयी हुई तौलिया में लपेट दिया। अण्डों और मछलियों के सैण्डविच बहुत अच्छे रहेंगे : खेद है कि उसने कुछ गोश्त भी नहीं खरीद लिया। किन्तु उसने तुरन्त अपने को इस बात का स्मरण दिलाया कि एक डालर पैंसठ सेण्ट प्रति पौण्ड के भाव का महँगा गोश्त नहीं खरीदा जा सकता। उसने रसोईघर की मेज को साफ किया और बर्तनों तथा चाकुओं को धोया।

रोना वापस लौटी। "वही फिर पानी !" उसने रिपोर्ट दी। और उसने सफेद चरवाहा-पट्टे को बाबी की कमर से निकाल कर, जब कि वह सो रहा

था, उसकी चारपाई के सिरहाने लटका दिया था।

"बहुत अधिक तो नहीं दिया ?" पेगी ने पूछा।

"केवल एक घूँट।" रोना ने उसे आश्वासन दिया।

"बहुत अच्छा। अब तो प्रातःकाल पाँच बजे मैं बारबारा की चारपाई तक दौड़ते-दौड़ते अवश्य थक जाती हूँ।" पेगी ने अच्छी तरह से सूखते हुए बच्चों के कपड़ों को देख, साफ-सुथरे रसोईघर की ओर देखा। "मेरा ख्याल है कि अब सब काम हो गया। जान पेय पदार्थों की देख-रेख करेगा।" उसने बारबारा की कुर्सी को सीधा किया। वह चमकदार लाल रंग से रंगी हुई थी, जिससे उसकी वे खरोंचें दिखायी न पड़ें, जिन्हें बाबी ने उस पर अपने समय में अंकित कर दिया था। "मुझे नये पर्दे बनाने पड़ेंगे।" उसने खिड़की की ओर देखकर अपना सिर हिलाते हुए कहा—"मैं प्लास्टिक की उस सामग्री का ख्याल करती हूँ। यह बहुत सस्ती पड़ती है।"

इस बात को सुन रोना मुस्करा पड़ी।

"और इसमें कौन-सी विचित्र बात है ?" पेगी ने पूछा।

"तुम। कोई इस बात का अनुमान भी नहीं लगा सकता है कि कुछ वर्ष पूर्व तुम केवल इतना जानती थी कि मार्सेल प्राउस्ट पर पी० एच० डी० के लिए निबन्ध किस प्रकार लिखा जाता है।"

"और उसका उत्तर पाने का प्रयास करने के लिए मैंने अपने दिमाग को कितना परेशान किया।" पेगी ने कहा—"जब कि वह वास्तव में जो बात चाहता था, वह केवल माँ की गोद में पुनः वापस जाने की थी, बेचारा छोटा-सा आदमी। ओह, हाँ—उस निबन्ध ने मुझे इतना अवश्य सिखा दिया कि पुत्र का पालन न करने की पद्धति क्या है।"

वे दोनों अपने बालों में कंघी करने तथा हाथ धोने के लिए संकरे हाल से होती हुई शयन-कक्ष में गयीं। पेगी मौन थी, इसका आंशिक कारण यह था कि बच्चे दूसरे ही कमरे में सो रहे थे और आंशिक कारण यह कि वह किसी चीज को एक नयी ही पृष्ठभूमि में देख रही थी। वह सोच रही थी—यह विचित्र बात है, रोना अपने को इसलिए अपराधिनी अनुभव करती है कि वह मेरी अपेक्षा अधिक वस्तुएं खरीदने की क्षमता रखती है। और मैं इसलिए अपने को अपराधिनी अनुभव करती हूँ कि पिताजी की मृत्यु के पूर्व मुझे कालेज की शिक्षा प्राप्त हुई थी और रोना दिन में आफिस में काम करके तथा रात में कक्षाओं में सम्मिलित होकर ही उपाधि प्राप्त कर सकी। किन्तु सम्भवतः यही कारण है

कि हम इतनी अच्छी मित्र हैं और हममें से प्रत्येक एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना रखती है। अब यदि रोना को स्काट के रूप में उतना ही अच्छा पति मिल जाय, जितना मुझे जान के रूप में मिला है, तो प्रत्येक बात ठीक हो जायगी। बाबी के शब्दों में प्रत्येक बात अत्यन्त उत्तम हो जायगी।

वह धीरे-धीरे हंसने लगी तथा बाबी के शब्द-भण्डार में हुई इस नयी वृद्धि के सम्बन्ध में रोना को बताने लगी।

पाल हेन और जान टाइसन के व्यवहार एक दूसरे के प्रति बहुत जल्दी यथापूर्व हो गये थे, किन्तु उनकी बात-चीत, मजाक अथवा गम्भीरता के सारे समय पाल जान का निरीक्षण कर रहा था और जान अपने निजी शान्त ढंग से इस बात के प्रति सचेत था।

"क्या मुझमें इतना अधिक परिवर्त्तन हो गया है?" उसने अकस्मात् पूछा।

पाल ने कहा—"मेरे विचार से नहीं।" वह अपने बाल सहलाने लगा, जैसा कि वह चिन्तित होने पर किया करता है। वह अपने आपसे कह रहा था कि मैं आशा करता हूँ कि नहीं।

"तुम्हें कौन-सी चीज परेशान कर रही है?"

पाल ने इस खतरे को उठाने का निश्चय किया। "देखो, मुझे तुम्हारे परामर्श की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, यह बात रोना से सम्बन्धित है। दूर से। फिर भी, यह उससे इतनी अधिक सम्बन्धित है कि मैं सोचता हूँ कि तुम्हें जानना ही चाहिए।"

रोना के जिक्र पर जान का चेहरा बदल गया।

"इसका सम्बन्ध 'ट्रेण्ड' से भी है।" पाल ने जल्दी से कहा।

जान आश्वस्त हुआ। "ओह, 'ट्रेण्ड' से!" उसने कहा।

"रोना ने कहा कि उसने ब्लैकवर्थ के मामले के बारे में तुम्हें बताया है।"

"हाँ।" जान को आश्चर्य और थोड़ी-सी परेशानी हुई। "मैं इतना अवश्य कहूँगा कि मेरे मत से केवल इस कारण कि ब्लैकवर्थ ने आधुनिक भवन-निर्माण के सम्बन्ध में किसी लेखक के विचारों को प्रकाशित किया, उसे काम से हटा देना वीडलर का एक कठोरतापूर्ण कार्य है। यह वीडलर के स्वभाव के अनुकूल नहीं है।"

"क्या रोना को कुल इतना ही मालूम है?"

जान ने सिर हिलाया। "क्या बात इससे भी अधिक है?"

"हाँ। मैं आज प्रातःकाल वीडलर से मिला था।"

"मिले थे तुम ? शीघ्र ही सब कुछ ठीक करने जा रहे हो, नहीं क्या ?"

पाल ने कहा—"ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अब बरबाद करने के लिए अधिक समय नहीं रह गया है।" वह हिचकिचाया। तत्पश्चात् उसने कहा—"मैं अभी तुम्हें पूरी बात नहीं बता सकता। वीडलर पूर्ण गोपनीयता चाहता है, वज्र मूर्ख है वह। किन्तु मैं तुम्हें संकेत दे देना पसन्द करूँगा—तुम किसी भी व्यक्ति की भाँति जल्दी से खतरे की गन्ध पा सकते हो। मैं तुम्हें एक सामान्य दिशा बता दूँगा और तुम स्वयं उस दिशा का अनुसरण कर सकते हो। क्योंकि तुम और पेगी रोना के एक मात्र सम्बंधी हो।"

"तो, यह एक गम्भीर मामला है ?" जान सतर्क हो गया।

पाल ने सिर हिलाया। वह फर्श पर अपने पैरों के निकट पड़े हुए गुलाब के मुरझाये हुए फूलों की ओर घूर कर देखने लगा और यह सोचने लगा कि बात को किस प्रकार प्रारम्भ किया जाय।

"तुम शिक्षा-क्षेत्र में काम करते हो, जान। क्या तुम्हारा विचार है कि प्रचार एक शक्तिशाली अस्त्र है ? और क्या यह खतरनाक भी हो सकता है ? मान लो कि इस देश के किसी शत्रु ने अपने प्रति सहानुभूति रखने वाले व्यक्तियों को यहाँ सावधानीपूर्वक नियुक्त कर रखा है ? मान लो कि ये प्रचारक रेडियो, प्रेस, फिल्म, स्कूलों और कालेजों, थियेटर, प्रकाशन जैसे अन्य व्यवसायों और पेशों में गुप्त रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रहे हैं ?"

"यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण प्रश्न है।" जान ने प्रायः क्रुद्ध होकर कहा—"तुम पूछते हो कि यह कितना खतरनाक हो सकता है ?" उसने पाल की ओर अविश्वाससूचक दृष्टि से देखा, किन्तु पाल मौन रहा। "यह बीसवी शताब्दी है, जिसमें संचार के साधन सदा की अपेक्षा सरलतर एवं अधिक शक्तिशाली हैं। जिन लोगों को कोई खतरा नहीं दिखायी देता, जो सोचते हैं कि यदि हम और अधिक भयंकर अणुबमों का आविष्कार कर लें, तो हम पूर्ण रूपसे सुरक्षित हो जायंगे, उनके संबंध में कठिनाई यह है कि शांति के सम्बन्ध में उनकी धारणाएँ अभी तक उन्नीसवीं शताब्दी की ही बनी हुई हैं। युद्धों के स्वरूप में इसके अतिरिक्त कोई बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है कि उनसे उत्पन्न होने वाली विभीषिका की भयानकता बढ़ गयी है, किन्तु इस शताब्दी में हम जिस शांति के के दर्शन करने जा रहे है, उसके स्वरूप में काफा परिवर्तन हो चुका है। अनेक नये खतरे हमारे साथ स्थायी रूप से चल रहे हैं; क्योंकि हमने ऐसी अनेक शांतिकालीन सुविधाओं का आविष्कार किया है, जो जीवन को इतना अधिक

रोचक बनाती हैं। आज हमें केवल सेनाओं का ही भय नहीं है : शब्दों, शब्दों के दुरुपयोग, विकृत किये गये तथा तोड़े-मरोड़े गये शब्दों का भय भी हमारे समक्ष उपस्थित है।"

पाल ने अब भी कुछ नहीं कहा।

जान धैर्यपूर्वक आगे कहता गया—"तुम्हें मालूम है कि सौ वर्ष पूर्व बहुत कम लोग पढ़े लिखे थे, बहुत कम लोग शिक्षित थे और बहुत कम लोग सोचते थे कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्थितियों के बारे में तर्क-वितर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उन दिनों प्रचार अधिक धीरे-धीरे और कम व्यापक रूप से फैलता था, किन्तु आज हमारे मध्य एक ऐसा विशाल जन-समुदाय है, जो पत्र पढ़ता है, पुस्तकों और लेखों पर विचार-विमर्श करता है, सिनेमा और थियेटर देखने जाता है, रेडियो सुनता है, टेलिविजन देखता है और अपने बच्चों को स्कूलों तथा कालेजों में पढ़ने भेजता है।"

पाल ने बीच में टोकते हुए कहा—"और एक ऐसा जन-समुदाय, जो अपनी पढ़ी हुई अथवा सुनी हुई समस्त बातों का विश्लेषण किये बिना अपने निजी जीवन की व्यवस्था करने में बहुत अधिक हाथ रखता है। उसे उन व्यक्तियों की ईमानदारी पर विश्वास करना ही पड़ता है, जो लिखित अथवा उच्चारित शब्द का व्यवसाय करते हैं। ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार पत्रकार अथवा सिनेमा-निर्देशक अथवा शिक्षक को रेफ्रिजेरेटर अथवा कार अथवा कमीज खरीदते समय व्यवसायियों और मजदूरों की ईमानदारी पर विश्वास करना पड़ता है। क्या यह बात सही नहीं है ?"

जान ने उसकी ओर देखा और फिर मुस्करा पड़ा। "और मैं सोचता था कि मुझे तुम्हें जर्मनी में प्राप्त हुए तुम्हारे समस्त अनुभवों के साथ विश्वास दिलाना है।"

"तुम कभी नहीं जान सकते कि आज कल किसको विश्वास दिलाने की आवश्यकता है।" पाल ने निराशापूर्वक कहा।

कुछ समय तक मौन बना रहा। जान ने, जो अपने घुटनों पर फैले हुए अपने हाथों को गौर से देख रहा था, अकस्मात् ऊपर की ओर देखा। "मैं समझता हूँ कि मैं उस खतरे की गन्ध पाने लगा हूँ।" उसने कहा—"ब्लैकवर्थ उन व्यक्तियों में से एक है, जिन पर व्यवसायियों और मज़दूरों को विश्वास करना ही पड़ता है। और उसने विश्वासघात किया है ?"

पाल ने कहा—"जान, मैं अभी तुम्हें पूरी बात नहीं बता सकता।"

जान उठा और पत्रिकाओं की पुरानी प्रतियों से भरी हुई पुस्तकों की आलमारी के पास गया।

"रोना सदा प्रत्येक महीने हमें 'ट्रेंड' की एक प्रति भेजती रहती है। पेगी इन्हें पढती रही है—इधर इन दिनों मै अत्यधिक व्यस्त रहा हूँ। किन्तु मैं देखता हूँ..." उसने एक कुशल विद्वान की दक्षता के साथ एक विषय-सूची का अवलोकन किया। "इन दिनों ब्लैकवर्थ क्या प्रकाशित करता रहा है ?"

पाल ने कमरे के भीतर जाकर और जान के कंधे के ऊपर से देखा। "इस अंक को देखो।" उसने सुझाव दिया और विलियम स्लेड के नाम की ओर संकेत किया। "विलियम स्लेड को जानते हो ?"

"उसके विषय में कभी नहीं सुना।"

"निकोलस ओरपेन नामक व्यक्ति के संबंध में कभी सुना है ?"

"क्यों ?" जान ने धीरे से कहा—"हाँ....क्या उसने युद्ध से पहले विश्व-विद्यालय जगत् में एक पूरा हंगामा नही मचा दिया था ? वह एक कम्यूनिस्ट है अथवा था। उस समय उसने इस बात को स्वीकार किया था।"

"विलियम स्लेड ही निकोलस ओरपेन है। और यदि तुम उस लेख को पढो, तो तुम देखोगे कि वह अभी तक कम्यूनिस्ट है।"

जान ने पाल की ओर घूर कर देखा। तत्पश्चात् उसने अविश्वास-सूचक दृष्टि से 'ट्रेण्ड' की ओर देखा।

"'ट्रेण्ड' को दोष मत दो।" पाल ने उसे स्मरण कराया।

'तो ब्लैकवर्थ के निकाले जाने का यह कारण है...और रोना ने इस सारी बात को प्रारम्भ किया।" वह चिन्तित दिखायी देने लगा। "जब तक तुम अनुमति नही दोगे, तब तक मैं इस बात को अपने तक ही सीमित रखूँगा। किन्तु—हाँ मुझे संकेत देने के लिए धन्यवाद।"

"आज मैंने रोना के विरुद्ध पहली अफवाह सुनी" पाल ने कहा—"आज प्रातःकाल वीडलर के यहाँ से रवाना होने के बाद मैं जलपान के लिए प्लाजा में चला गया। वहाँ मेरी एक ऐसे आदमी से मुलाकात हुई, जिसे मैं अच्छी तरह से जानता हूँ। हमने साथ-साथ भोजन किया। तत्पश्चात्, बिना प्रसंग के बात करते हुए, उसने रोना का नाम लिया। उसने अभी परसों रात को एक पार्टी में एक मूर्खतापूर्ण कहानी सुनी थी। उसने सोचा कि इस अफवाह के जोर पकड़ने से पहले ही मुझे इसे दबा देना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि रोना ने ब्लैकवर्थ से वासनामय अनुरोध किया। जब उसने उसके अनुरोध का

अस्वीकार कर दिया, तब उसने—मेरे वापस आने के ठीक समय पर—उसे निकलवाने के लिए एक षड्यन्त्र रचा।"

जान ने कहा—"नहीं ! कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की गन्दी बात का आविष्कार नहीं कर सकता।"

"किसी ने किया है।" पाल ने कहा—"इससे तो मर्रे नामक एक व्यक्ति की गन्ध आती है, जिसे मैंने रोना की पार्टी में देखा था। मुझे विश्वास है कि उसने बात के दूसरे भाग की रचना की—मेरे आने के ठीक समय पर।"

"मै उसका—" जान ने पुनः अपने ऊपर संयम कर लिया।

"मैंने भी ऐसा ही महसूस किया था। किन्तु उससे लडने का यह तरीका नही है।"

"मैं जानता हूँ कि यह तरीका नही है।" जान ने क्रोध से आग-बबूला होकर कहा। "किन्तु हम और क्या कर सकते हैं ?"

पाल ने पुनः अपने बाल सहलाये। "और मैं सोचता था कि एक बार अमरीका में वापस आने पर मैं अपनी सतर्कता को समाप्त कर सकूँगा। मेरा अनुमान है कि अतलान्तक महासागर को पार करते समय मैं उन्नीसवीं शताब्दी की मानसिक स्थिति में था।"

"किन्तु यह कहानी अत्यन्त घृणित है।" जान ने उदासीन होकर कहा। "यह रोना पर प्रति-प्रहार करने की कम्यूनिस्ट प्रणाली है, है न ?"

"हाँ, वे इसे चारित्र्य-हत्या कहते हैं। यह सामान्यतः एक घृणित कृत्य है। यदि वे किसी व्यक्ति के विरुद्ध कोई बात नहीं पा सकते, तो वे उसे गढ़ लेते हैं। स्वदेश वापस लौटने के बाद एक सप्ताह के भीतर मैंने जो बातें सुनी है, उनमें से कुछ इतनी घृणित हैं कि उन पर विश्वास ही नहीं होता—वे ऐसी बाते हैं, जो यदि एक बड़ी योजना का अंग नहीं होतीं, तो मैं और तुम उन पर हँस पड़ते। यदि हम इसके प्रति जागरूक नहीं हुए, तो यह हमारे लिए एक दुखान्त योजना सिद्ध होगी।"

जान ने कहा—"वे अनेक बातों में सफल हो सकते हैं, किन्तु अन्ततोगत्वा लोग उनकी चालों को समझ जायंगे। आप सभी व्यक्तियों को हर समय मूर्ख नहीं बना सकते।"

"उन्नीसवीं शताब्दी के लिए यह एक बुद्धिमत्तापूर्ण कथन था।" पाल ने कहा—"किन्तु क्या लिंकन आज तानाशाही प्रचार को इतने स्पष्ट रूप से देखते हुए इस प्रकार की बात कहता ? यदि जी हुजूरी करने वाला व्यक्ति अथवा एक

शरणार्थी अथवा नजरबन्दी शिविर का शिकार बनने के अतिरिक्त और कुछ भी करने के लिए अत्यधिक विलम्ब हो जाय, तो यह महसूस करने से क्या लाभ हो सकता है कि आपको मूर्ख बताया गया है ?"

"अथवा संघर्ष करने।"

यदि बीसवीं शताब्दी में मूर्ख बनाये जाने का अर्थ इतिहास का भयंकरतम गृह-युद्ध है, तो यह एक खेद-जनक बात है। राज्य के विरुद्ध राज्य—ओह, हाँ, दस अथवा पन्द्रह वर्षों के कुशल प्रचार के परिणामस्वरूप काल्पनिक शिकायतों और कष्टों की सृष्टि होगी—और वर्ग के विरुद्ध वर्ग, समूह के विरुद्ध समूह खड़े हो जायंगे। किसी कम्यूनिस्ट सेना को संयुक्त राज्य अमरीका पर बलपूर्वक आक्रमण करने की आवश्यकता नहीं होगी। प्रचारकों का कार्य पूरा हो जाने पर वे सरलतापूर्वक अंदर आ सकते हैं।"

"जो लोग कम्यूनिस्ट प्रचार का कार्य कर रहे हैं, क्या वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं ?"

"यह स्पष्ट है कि कुछ ने प्रत्येक बात पर विचार नहीं किया है; वे एक दिवास्वप्न का अनुसरण कर रहे हैं। किन्तु जो लोग सत्ता हड़पने के लिए लालायित हैं, वे भली भाँति जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं : जब तक वे यह महसूस कर सकते है कि वे बड़े सत्ताधीश है, तब तक उन्हें इस बात की तनिक भी चिन्ता नहीं है कि भविष्य में क्या होगा।"

"किन्तु सपने देखनेवाले उतने ही अपराधी हैं, जितने कि सत्ता हड़पने वाले; क्योंकि परिणाम दोनों का एक ही होगा।"

"निकोलस ओरपेन एक स्वप्नद्रष्टा है अथवा क्या वह एक सत्ता-लोलुप व्यक्ति है ?" पाल ने अकस्मात् प्रश्न किया।

"ओरपेन ?"

"वह मुझे दिलचस्प लगता है। आज मैं जितने व्यक्तियों से मिला, उनमें से बहुत कम व्यक्ति मुझे उसके सम्बन्ध में कुछ बता सकते है। बीडलर को उसके बारे में याद है। और तुम्हें याद है। किन्तु अभी तक मुझे बस इतना ही पता चल सका है। हममें से अधिकांश लोगों ने उसे भुला दिया है। क्या यही तो उसका लक्ष्य नहीं रहा है ? तुम जानते हो, आज तीसरे पहर मैंने समाचार-पत्रों की जो फाइलें देखीं, उनमें मुझे उसका एक चित्र भी नहीं मिल सका। मैंने भोजन का समय 'ट्रेण्ड' में प्रकाशित उसके लेख को पढ़ने में व्यतीत किया। वह बड़ा चतुर व्यक्ति है—जिन व्यक्तियों के लेख

ब्लैकवर्थ ने प्रकाशित किये, उन सबसे अधिक चतुर। तुम उसके बारे में क्या जानते हो, जान ?"

"हाँ, जहाँ तक मुझे याद है—"

"वहाँ तक, प्रियतम ?" पेगी ने रोना के साथ कमरे में प्रवेश करते हुए कहा।

रोना मुस्करायी और उसने कहा—'हलो, पाल, तुम दोनों बड़े गम्भीर दिखायी दे रहे हो। तुम लोग किस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हो ?"

पाल ने कहा—"जान मुझे ओरपेन नामक एक व्यक्ति के सम्बन्ध में बता रहा था।"

रोना की मुस्कान समाप्त हो गयी। "निकोलस ओरपेन ?" उसने धीरे से पूछा।

"क्या तुम उसे जानती हो ?"

"बहुत पहले मैं एक बार उससे मिली थी। किन्तु मैं बहुधा उसके सम्बन्ध में आश्चर्य करती रही हूँ।"

पाल ने एक क्षण के लिए उसकी ओर देखा। "बहुत अच्छा, आओ हम लोग ओरपेन के बारे में सुनें, जान।"

"मैं पहले कुछ बियर पीऊँगा।" जान ने कहा—"अथवा क्या तुम 'राई' लोगे, पाल ?"

"बियर उत्तम है। मैं इस कमरे को पसन्द करता हूँ, पेगी।" जान के रसोईं घर में जाने पर वह दो महिलाओं के साथ बातचीत करता रहा। पेगी को उसकी प्रशंसा से प्रसन्नता हुई। कमरा उसे भी पसन्द था। उसने उसे अभिमानपूर्वक बताया कि जब वे पहले-पहल इस मकान में आये थे, तब यह अजीब दिखायी देता था, किन्तु रोना ने उसे लकड़ी के सामानों को रंगने में सहायता पहुँचायी थी और दीवारों के ऊपर सारे पाइपों को 'एस्वेस्टो' से ढंकने के बाद उन्हें पर्दों से ढंक दिया था और जान ने किताबों की आल्मारियां ठीक की थीं। जहाँ तक फर्निचर का सवाल है....हां, स्पष्टतः वह थोड़ा-सा ही था, किन्तु वह किसी विशेष अवधि का होने का दावा भले ही न कर सके, परन्तु सैण्डपेपर और मोम के उपयोग ने अप्रत्याशित आकर्षण को बहुत अधिक पुनरुज्जीवित कर दिया था।

"जब बच्चे बड़े हो जायंगे।" पेगी ने कहा—"तब हम अपने कमरे को मन के मुताबिक बना सकते हैं। किन्तु अभी, मैं यहाँ आती हूँ, तो देखती हूँ कि रद्दी की टोकरी की बगल में तीन पहियों वाली साइकिल रखी हुई है, अथवा एक कोच पर कपड़े की गुड़िया सुलायी गयी है अथवा कॉफी की मेज के

नीचे ईंटों का महल बना हुआ है। मैंने रोना से पूछा कि तुम इसे किस प्रकार की आन्तरिक सजावट कहोगी, किन्तु उससे कोई भी सहायता नही मिली।"

वह रोना को बातचीत में शामिल करने का प्रयास करते हुए उसकी ओर देख कर मुस्करायी, किन्तु उसे इसमें कोई सफलता नही मिली। "क्या तुम अभी तक होटल में रह रहे हो, पाल ?" रोना को क्या हो गया है ? वह चिन्ता करने लगी।

हा, इस बीच, पाल ने स्पष्टीकरण किया। फिर भी, वह अपने एक मित्र से उपकिरायेदार के रूप में एक सजा-सजाया कमरा लेने की आशा कर रहा था। निश्चय ही, यह सब इस बात पर निर्भर करता था कि उसे काम कहाँ मिलेगा।

"तुम न्यूयार्क छोड़ने का विचार तो नही कर रहे हो ?" पेगी ने अनिच्छित रूप से रोना की ओर देखते हुए विस्मयपूर्वक पूछा। किन्तु रोना, सौभाग्यवश, सुन नही रही थी और उसी क्षण दरवाजे की घण्टी बज उठी, जिससे स्वय पेगी परेशानी से बच गयी। वह नये आगन्तुकों का स्वागत करने के लिए जल्दी-जल्दी हाल में पहुँच गयी।

रोना ओरपेन के बारे मे सोच रही थी। वह कौन-सी बात है, जिसने जान और पाल को इतना अधिक गम्भीर बना दिया है ? उसे अकस्मात् सिहरन पैदा होने लगी। वह एक खिड़की को बन्द करने के लिए खड़ी हुई। पाल उसकी सहायता करने के लिए आगे बढ़ा और एक या दो क्षणो तक वे दोनों एक दूसरे की बगल में खड़े रहे। "पाल—" उसने कहना प्रारम्भ किया और फिर रुक गयी। तत्पश्चात् उसने मुस्कराने और जो कुछ वह कहने जा रही थी, उसे भूल जाने का बहाना करते हुए अपना सिर खुजलाया। उसने सोचा कि इधर फिलहाल मै अपनी समस्त चिन्ताओं के सम्बन्ध में बहुत अधिक सोचने लगी हूँ। अच्छा हो कि इस चिता को रोक दो, रोना। और क्या तुम पाल से भी परामर्श नही ले सकती ! वह जल्दी से खिड़की के पास से हट गयी और दरवाजे के सामने जाकर खड़ी हो गयी। अन्य अतिथि आ रहे थे। परिचयों, हल्की-फुल्की बातो, मुस्कानों और हँसी का कहकहा सुनायी पड़ रहा था।

जान को एक श्रेष्ठ आतिथेय और पाल को एक सहायक अतिथि के रूप में देख कर रोना ने सोचा कि सम्भवत: ओरपेन के सम्बंध मे कोई बहुत गम्भीर बात नही थी। उस क्षण ऐसा प्रतीत होता था कि जान और पाल को ससार में कोई चिन्ता नही थी।

अध्याय–७

अब ऐसा प्रतीत होता था कि टाइसन के बैठकखाने में बहुत बड़ी भीड एकत्र हो गयी थी; क्योंकि वह पूरी तरह भर गया था, किन्तु वहाँ केवल कुल दस व्यक्ति ही थे। राबर्ट कैश, मिल्टन लीटनर और जोसेफ लोकास्ट्रो, सभी, तृतीय वर्ष के छात्र थे। कैश एक छोटा, सुन्दर बालों वाला व्यक्ति था, उसका चेहरा पतला और सफेद था, उसका मुँह गम्भीरता का घोतक था और वह चश्मा लगाये हुए था। मिल्टन लीटनर के बाल काले थे, उसकी भौहें घनी थीं, नाक लम्बी और आँखें असाधारण रूप से सुन्दर थी, उसकी ऊँचाई को देखते हुए उसके कन्धे बहुत अधिक चौड़े थे तथा उसकी अभिव्यक्ति सतर्कतापूर्ण थी। जोसेफ लोकास्ट्रो के बाल भी काले थे, उसकी नाक पतली और चोंच की तरह नुकीली, उसकी मुस्कान व्यापक और उसके पाँव लम्बे थे, जो उसके फर्श पर बैठने के समय उसके लिए थोड़ा कष्टदायक सिद्ध हो रहे थे, किन्तु उसने अपनी पिंडलियों के काफी की मेज से दबे होने की तकलीफ को सहन कर लिया, क्योंकि उसकी प्रेमिका एडिथ उसकी बगल में फर्श पर बैठी हुई थी। वह सप्ताहान्त के लिए वास्सार से न्यूयार्क आयी थी और वह पेगी टाइसन से मिलाने के लिए विशेष रूप मे उसे यहाँ लाया था।

पेगी इस सम्मान से प्रसन्न हुई और एडिथ की (पेगी यथापूर्व दूसरे नाम को हृदयंगम नहीं कर पायी थी) बातों को सुनते समय वह उसके सुन्दर बालों और अत्युत्तम त्वचा की सराहना करती रही। जब कभी पेगी के पति का कोई शिष्य किसी ऐसी लड़की के साथ प्रेम करने लगता, जो सुन्दर, अच्छे स्वाभाव वाली और प्रतिभाशाली, दोनों, होती थी, तब उसे सदा ही प्रसन्नता का अनुभव होता था। उसे इस बात की चिन्ता सताये रहती थी कि कहीं जो की प्रेमिका रोयेंदार पैरों वाली, चिड़चिड़े स्वाभाव वाली, ईष्यालु, झगड़ालू तथा सुखी संसार में विष घोलने वाली नागिन न निकल आये। अत: एडिथ (जिसे जो पर गर्व था) और जो (जिसे एडिथ पर गर्व था) और पेगी (जिसे दोनों पर गर्व था) काफी की मेज की बगल में बैले, रेस्तराओं के मूल्य, पेट्रोनियस पर एडिथ के निबन्ध, निवास-स्थानों, काड अन्तरीप, संघवादियों पर जो के निबन्ध, मार्सेल प्राउस्ट पर मौरोइस की नयी पुस्तक और रंगे हुए फर्निचर पर विचार-विनिमय करते हुए अत्यन्त आनन्दपूर्वक समय व्यतीत कर रहे थे।

अन्य दो अतिथि बरले-दम्पति, अंग्रेजी विभाग का एक नवयुवक शिक्षक और उसकी पत्नी, थे। फ्रैंक बरले, जो अपने नाम के अनुरूप ही भारी-भरकम शरीर का था, एक आराम कुर्सी पर बैठा हुआ था। उसके सामने चिन्तित रूप से आगे की ओर झुका हुआ राबर्ट कैश था, जो अपने गम्भीर, संकल्पपूर्ण ढंग से उससे काफका के सम्बन्ध में पूछ रहा था। बरले की आँखें बन्द थीं, मानो वह इस लम्बे प्रश्न का उत्तर सोच रहा हो। (वास्तव में वह यह सोच रहा था कि किस प्रकार अपने नायक से पुनः वार्तालाप करवा सकता है : टाइसन-दम्पति की पार्टी में सम्मिलित होने के लिए मोइरा उसे लिखते हुए उपन्यास से खीच लायी थी और यद्यपि टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान पर आना सदा ही सुखकर होता है, तथापि उसने एक खाली पृष्ठ के सिरे पर अपने उपन्यास के नायक के मँह को खुला ही छोड़ दिया था।) बरले ने अपने आपको उत्तेजित करते हुए कहा—"हाँ, तो, काफका में आपको उसकी परिस्थिति को अवश्य याद रखना चाहिए। व्यक्तिगत अनिश्चय का स्वरूप एक ऐसी वस्तु है, जो उसके विशेष युग की देन है। नही, मैं नहीं सोचता कि किसी अन्य व्यक्ति को काफका का अनुकरण करने का प्रयास करना चाहिए। जब तक वह काफका के समान काफका की पद्धति से ही न रहने लगे। और फिर, यह एक प्रतिध्वनि मात्र होगी।" राबर्ट कैश ने, जो किसी दिन एक उपन्यास लिखने का विचार रखता था, इस पर विश्वास नहीं किया। उसने बरले को यह बताना प्रारम्भ किया कि वह कहाँ गलती कर रहा है। पाल हैन और मिल्टन लीटनर जान के साथ जर्मनी के सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर रहे थे। इससे रोना मोइरा बरले के साथ सोफे पर अकेली रह गयी। वह एक प्रसन्नचित्त नवयुवती महिला थी, उसका रूप-रंग सुन्दर था, उसके बाल बिखरे हुए थे, उसके व्यवहार मे लापरवाही थी और वह अपने विचारों को इस प्रकार व्यक्त करती थी, जिसे वह सदा "स्पष्टतापूर्ण" कहा करती थी। रोना श्रीमती बरले की बातें सुनने के लिए अपनी सारी शक्ति से प्रयास क रही थी, किन्तु कमरा इतना अधिक छोटा था कि अन्य वार्तालापों के कुछ अंश भी बीच में आकर सुनायी पड़ ही जाते थे और किसी प्रकार वे सभी अधिक रोचक प्रतीत होते थे। उसे अपने आप को काड अन्तरीप के ग्रीष्मकालीन थियेटर, काफका की अनिश्चितताओं, नजरबन्दी शिविर के मनोविज्ञान से दूर हटाकर पुनः श्रीमती बरले की लगातार चल रही बातों पर फिर से ध्यान देना पड़ता था। रोना को पहले ही इस बात की सूचना दी जा चुकी थी कि बरले-दम्पति ऊपर की मंजिल पर रहते

हैं, उनके दो जुड़वा बच्चे हैं, जिनकी उम्र प्रायः दो वर्ष की—बारबारा की उम्रके बराबर है, साढे दस बजे तक बच्चे खिलाने के लिए एक महिला को नियुक्त किया गया था, श्रीमती बरले नगर से नफरत करती हैं, वह एक कालेज के अध्यक्ष की लड़की है, उसका पति कोलम्बिया में अंग्रेजी पढ़ाता है और एक उपन्यास लिख रहा है।

"और यदि वह तुम्हें जेन कहकर पुकारे, तो चिन्तित मत होना।" श्रीमती बरले ने कहना जारी रखा—"उसके उपन्यास में जेन नाम की एक नायिका है, जो ठीक तुम्हारे समान ही दिखायी देती है। वह सदा ऐसा ही करता है, लोगों को प्रायः अपनी पुस्तक के पात्रों के नामों से पुकारता है, मानो उसका काल्पनिक संसार इस संसार की अपेक्षा अधिक वास्तविक हो। मैं उससे यह कहती हूँ कि वह इस प्रकार लोगों को बहुत अधिक प्रसन्न नहीं कर रहा है, किन्तु वह ऐसा करने से बाज नहीं आता। अच्छा यह तो बताओ कि स्काट एट्टली कैसा है?"

"स्काट एट्टली?" चल रहे वार्तालापों में रोना की सारी रुचि समाप्त हो गयी।

"मुझे इस बात का खेद है कि आज रात को वह यहाँ नहीं आ सकेगा। इतने वर्षों से मैं उसे देखने की प्रतीक्षा कर रही हूँ। मैंने सुना है कि वह बदल गया है। मुझे बहुत अधिक खुशी हुई। वास्तव में वह बड़ा शरारती था।"

रोना ने कहा—"स्काट? क्या आप स्काट को जानती हैं?"

"क्यों, अवश्य! हम लोग साथ-साथ बढ़े थे। मेरे पिताजी मुनरो कालेज के अध्यक्ष थे और वह स्टाण्टन की सीमा पर ही है। क्या तुम्हें ये सारी बातें मालूम नहीं हैं?"

"हाँ, मैं श्री एट्टली से मिलने के लिए स्टाण्टन गयी थी। और तब स्काट मुनरो गया था।"

"क्या तुम्हें मुनरो के बारे में मालूम है?—इसका नामकरण मुनरो सिद्धांत के नाम पर बिल्कुल नहीं हुआ है। इसकी स्थापना ओबैदिया मुनरो ने की थी। उसने पूर्वी द्वीप-समूह में बड़ा धन कमाया और तब पुराने एलिह येल का अनुकरण करने के लिए उसने एक कालेज का निर्माण किया।"

रोना ने कहा कि यह एक दिलचस्प बात है। और थोड़ी देर तक वातावरण मौन बना रहा। तत्पश्चात् श्रीमती बरले ने पुनः स्टाक की चर्चा छेड़ दी। "तो नवयुवक एट्टली के साथ तुम्हारी मँगनी हुई है? मुझे इस बात की प्रसन्नता है

कि उसे एक विश्वसनीय व्यक्ति मिल गया है।"

रोना नम्रतापूर्वक मुस्करायी और उसने आशा प्रकट की कि यह एक सम्मान-प्रदर्शन है।

"जब वह छोटा था, तब वास्तव में उसकी स्थिति अत्यन्त करुणाजनक थी।" श्रीमती बरले ने कहना जारी रखा।

"स्काट ?" रोना ने विस्मयान्वित होकर पूछा। वह एट्टली-परिवार के आरामदेह मकान और विशाल उद्यान तथा पश्चिम दिशा में स्थित बन और पहाड़ियों की याद कर रही थी। स्काट के घर के सामने एक टेढ़ी-मेढ़ी नदी है जिसके किनारे वृक्ष और खेत स्थित थे। और पूर्व की ओर केवल पाँच मील की दूरी पर स्टाण्टन का गिर्जाघर और जन-सकुल सड़के तथा छोटी-छोटी फैक्टरियाँ थी; क्योंकि वह न्यू इंगलैंड के उन विशिष्ट नगरों में से एक है, जहाँ गाँवों में छोटे-छोटे उद्योगों की स्थापना की गयी है।

"हाँ निश्चित रूप से !" श्रीमती बरले ने एक गहरी साँस ली और प्रत्येक बात बताने की प्रसन्नता से आगे कहने लगी। "तुम्हें क्या बताऊँ, वह वास्तव में इतना अधिक शरारती था कि हम उससे भय खाते थे और जब हमें उसके घर पर जाना होता, तब हम यह बहाना किया करते कि हम बीमार हैं और इसलिए हमारे जाने की आवश्यकता नही रहती। कल्पना तो करो ! मैं सोचती हूँ कि यह उसकी माँ का दोष है: उसे प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम ही चाहिए थी, उसके छोटे लड़के के लिए कोई भी चीज बहुत अच्छी नहीं थी। उसके खिलौने ! लेकिन जब तक हम लोग उसे अपने ऊपर शासन करने की अनुमति नही दे देते, तब तक वह हमें उन खिलौनों को छूने तक नहीं देता। अतः हम लड़ पड़ते। जब कभी वह हमारे घर पर आता था, तब वह हमारे सभी बढ़िया से बढ़िया खिलौनों के साथ रोब से खेला करता था। और स्कूल में—कम से कम सप्ताह में एक बार उसकी एक आँख मार से अवश्य सूज जाती थी। कभी-कभी मुझे उसके लिए प्रायः दुःख होता था। और तब वह मेरे साथ कोई ऐसा व्यवहार कर देता कि मैं यह कामना करने लगती कि मार से उसकी दोनों आँखें सूज जायं।" वह प्रसन्नतापूर्वक हँसने लगी और रोना की ओर देखने लगी, मानो उसे भी इसमें आनन्द लेने की आशा हो। रोना इस बात के लिए कृतज्ञ होने में अत्यधिक व्यस्त थी कि आखिरकार आज रात स्काट यहाँ नहीं आया था।

रोना ने जान से, जो समूहों के मध्य कुछ सैण्डविचों का वितरण कर रहा था, कहा—"मैं मदद करूँ, तुम्हारी ?"

किन्तु जान ने कहा—"नहीं, रहने दो, रोना । मिल्टन मेरी सहायता कर रहा है ।'

अतः कोच पर बैठने के अतिरिक्त और कुछ भी कार्य करने के लिए नहीं रह गया था । और आप न सुनने की कोशिश भले ही करें, लेकिन मोइरा बरले की अनवरत आवाज को बन्द करना मुश्किल था ।

वह कह रही थी—"उसके बाद मुझे बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया, अतः उसके बाद क्रिसमस पार्टियों को छोड़कर स्काट से मेरी मुलाकात अधिक नहीं हुआ करती। वह बड़ा सुन्दर था और अभिमानी भी। उसे बहुत अच्छा नाचना नहीं आता था । किन्तु हमसे सीखने के बजाय वह दरवाजे पर खड़ा हो जाता और हमारी ओर घृणापूर्वक देखता रहता । मैं निश्चयपूर्वक कह सकती हूँ कि वह लॅगड़ा होने की कामना करता था, जिससे वह लार्ड बायरन होने का बहाना तो कर सकता ।"

"हम सभी के अपने-अपने दृष्टिकोण होते है।" रोना ने अपने क्रोध का दमन करते हुए और हँसते हुए कहा । श्रीमती बरले-जैसी लड़कियों से घिरा हुआ बेचारा स्काट । उसने बचाव करते हुए पुनः कहा—"स्काट कालेज में तो बहुत ही अच्छा था ।"

"बहुत ही अच्छा । और वह अत्यन्त प्रसन्न भी प्रतीत होता था । मैने तुम्हें बताया कि वह पूर्ण रूप से बदल गया है, क्या मैंने नहीं बताया ?" श्रीमती बरले ने प्रसन्न होकर कहा ।

इस बार रोना भी उत्तर में मुस्करा पड़ी ।

"हाँ, मैं स्काट की माँ को अवश्य दोष देती हूँ ।" श्रीमती बरले ने कहना जारी रखा । उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं था कि कब किसी व्यक्ति को अकेला छोड़ दिया जाना चाहिए । "आखिर, उसके पिता ऐसे व्यक्ति नहीं है, जो यह सोचें कि उनका लड़का अन्य सभी लड़कों से श्रेष्ठ है । जब श्रीमती एट्टली की मृत्यु हो गयी, तब उसके पिता ने उसे अपने नियन्त्रण में ले लिया । किन्तु—" उसने अपने सुदृढ़ कंधे हिलाये और आह भरी । वह यह कहती हुई प्रतीत हुई कि मामला बिगड़ चुका था ।

"किन्तु क्या ?" पेगी टाइसन ने कमरे के पार से पूछा । "तुम निराश प्रतीत हो रही हो, मोइरा !"

"मैं अभी तुम्हारी बहन को बता रही थी कि—"

"माताएँ किस प्रकार विनाशकारी हो सकती हैं।" रोना ने जल्दी से कहा ।

"उदारता और प्रेम की वशवर्त्ती होकर।" मोइरा बरले ने कहा। उसने क्रोधपूर्वक रोना की ओर देखा : "क्या तुम सोचती हो कि मैं कौशलहीन बनने जा रही हूँ ?"

"उदाहरणार्थ मार्सेल प्राउस्ट ?" जो लोकास्ट्रो ने अपनी व्यापक मुस्कान के साथ पूछा।

"हम अभी उसके सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर रहे थे। प्रोफेसर टाइसन, मुझे मालूम नहीं था कि आपकी पत्नी प्राउस्ट के सम्बन्ध में अधिकारी विद्वान् हैं।"

"मैं नहीं हूँ।" पेगी ने प्रसन्नतापूर्वक प्रतिवाद किया।

राबर्ट कैश ने दिलचस्पी के साथ देखा और डा० बरले को छोड़कर चल दिया। लोग इधर-उधर होने लगे, समूह टूटने लगे और फिर बनने लगे। केवल जो लोकास्ट्रो और एडिथ एक साथ रह गये और वह उसके हाथ को दृढ़तापूर्वक पकड़े हुए था।

रोना कृतज्ञतापूर्वक मिल्टन लीटनर की दिशा में भाग निकली, जिसने उससे औपचारिक रूप से स्काट एट्टली के सम्बन्ध में जिससे वह यहाँ अन्य पार्टियों में मिल चुका था, पूछा। और तत्पश्चात् एक बार उस विनम्रता के समाप्त होने पर उसने ग्रीष्म ऋतु के लिए अपनी योजनाओं के सम्बन्ध में बात करना प्रारम्भ कर दिया—वह इस वर्ष पश्चिम जाना चाहता था। चेयेन्नी में एक काम था, जो उसे पसन्द था। परिवार से दूर रहकर यह देखना कि देश के दूसरे भाग के लोग किस प्रकार का जीवन व्यतीत करते हैं, यह जानना एक अच्छी बात होगी।

"इस बात में तनिक भी सन्देह नहीं है कि जो हाथ पालना झुलाता है, वही हाथ विश्व पर शासन भी करता है।" श्रीमती बरले विस्मित-से पाल हैन को यह सूचना दे रही थीं। "श्रीमती शिक्लग्रबर ने एडोल्फ में जो भावनाएं उत्पन्न कीं, उनके परिणामस्वरूप निश्चय ही अनेक जीवन परिवर्तित हो गये। जब कभी आप किसी व्यक्ति को समाज-विरोधी आचरण करते हुए देखें, तब आप निश्चितरूप से यह मान सकते हैं कि उसकी माँ ने उसे नही सिखाया कि किस प्रकार का आचरण उसे करना चाहिए। वे बाल अपराधी, जिनके सम्बन्ध में हम चिन्ता करते हैं—उनकी माताएँ बहुत बुरी थी, बस यही बात है।"

"देखो, पेगी।" जान ने कहा—"तुम्हारे ऊपर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मोइरा यह नहीं सोचती कि पिताओं की भी कोई बिसात है, अतः मैं इससे

बाहर हूँ।"

फ्रैंक बरले ने कहा—"सेण्ट आगस्टाइन ने अपेक्षाकृत अधिक बलपूर्वक लिखा है कि सभी बच्चे पापी उत्पन्न होते हैं। और सम्भवतः कुछ पापी ही रह जाते हैं।"

"ओह, नहीं।" एडिथ और रोना ने एक साथ चिल्लाकर कहा और तत्पश्चात् एक सामूहिक वाद-विवाद प्रारम्भ हो गया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति सम्मिलित हो गया। जब वाद-विवाद की उग्रता अपनी चरम सीमा पर पहुँच गयी तथा राजनीति और रूस के प्रश्न दर किनार कर दिये गये, तभी मिल्टन लीटनर ने दरवाजे की ओर देखा। "हे, बाबी!" उसने कहा। कमरे में निस्तब्धता छा गयी और प्रत्येक व्यक्ति देखने के लिए मुड़ पड़ा।

बाबी वहाँ रोशनी की ओर देखता हुआ खड़ा रहा। उसका पायजामा उसके छोटे-छोटे कूल्हों पर से सरक रहा था। वह अपने चरवाहा पट्टे को एक हाथ में पकड़े हुए था।

"क्यों बाबी—" पेगी ने आगे आते हुए कहा—"क्यों—"

"मुझे स्नान-घर में जाना है।" बाबी ने अपनी स्पष्ट पर हल्की आवाज में घोषित किया। तत्पश्चात् उसने अपनी माँ की ओर और फिर रोना की ओर देखा। तब बोला—"किसी ने मेरा पट्टा निकाल लिया।" उसने आरोप लगाते हुए कहा। उसने उसे बाहर निकाल कर दिखाया।

"आह, कितना-सुन्दर!" जो ने कहा। "पट्टा तो बहुत सुन्दर है, बाबी।"

"एक सैण्डविच लो, रेंजर।" बाब कैश ने कहा।

"मैं रेंजर नहीं हूँ। मैं शेरिफ हूँ। और किसी ने मेरा पट्टा निकाल लिया है।" उसने रोना की ओर और फिर अपनी माँ की ओर घूर कर देखा।

पेगी बाबी के पास पहुँचने के लिए जो के पास से खिसकी। उसने नये चरवाहा-पट्टे की ओर और फिर रोना की ओर मन ही मन यह कहते हुए देखा कि—"ऐसा प्रतीत होता है कि मौसियाँ भी माताओं के समान ही संकट उपस्थित कर सकती हैं।"

रोना बाबी के पास पहले पहुँची। उसने उसकी बगल में घुटनों के बल बैठते हुए कहा—"मैंने ही ऐसा किया, बाबी। देखो, मुझे अचानक इस बात की याद आ गयी कि...." उसने देखा कि पाल हैन की आँखें उसका निरीक्षण कर रही हैं और वह रुक गयी।

"आपको किस बात की याद आ गयी?" बाबी ने अत्यन्त तन कर खड़ा

होते हुए पूछा। वह अभी तक आरोप लगा रहा था, उसे अभी तक विश्वास नही हुआ था "कि एक शेरिफ कम्बलों के नीचे अपने पट्टे को छिपा कर नहीं रखा करता। वह उसे अपने बिस्तर के ऊपर लटका कर रखता है और तब उसे देखनेवाला प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि वहाँ एक शेरिफ सो रहा है।"

बाबी ने इस बात पर विचार किया।

"मैं तुम्हें इसके बारे में इसलिए नही बता सकी कि तुम सोये हुए थे।" रोना ने पुनः कहा। उसके चेहरे पर से क्रोध के लक्षण अचानक विलुप्त हो गये। वह मुस्करा पड़ा।

"अच्छी बात है।" उसने अपने पिता की इस प्रकार नकल करते हुए कहा कि जो लोकास्ट्रो का हँसते-हँसते दम फूलने लगा और उसे अपनी हँसी को छिपाने के लिए झूठे ही खाँसने का बहाना करना पड़ा। "किन्तु मैं बहुत अधिक क्रुद्ध हो गया था!"

"शेरिफ, एक सैण्डविच लेंगे क्या?" मिल्टन ने लोकास्ट्रो के समान ही व्यापक मुस्कान के साथ पूछा।

"मै एक दुहरा किया हुआ अण्डा लूँगा।" शेरिफ ने कहा; क्योंकि उसने सोने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले रेफ्रिजेरेटर में सम्भावनाओं की जाँच-पड़ताल कर ली थी।

जान ने कहा—"हमने अण्डे खत्म कर दिये है, बाबी।"

"ओह!" उसने इस प्रकार देखा, मानो उसको इसी की आशा थी।

"मै कल तुम्हारे लिए भोजन के वक्त एक अण्डा तैयार कर दूँगी।" पेगी ने कहा।

"वायदा करती हो?" बाबी ने तुरन्त पूछा।

"जरूर।" जान ने कहा—"कल दोपहर को हम बहुत मजेदार भोजन करेंगे। आओ, शेरिफ, सब से नमस्कार करो और हम लोग फिर घर जाने की तैयारी करे।"

"अभी तक मैंने 'हेलो' नही कहा है।" बाबी ने उसे याद दिलाया।

"अच्छा, सब एक साथ ही कह दो ताकि समय की बचत हो जाय।" उसने बाबी को अपनी भुजाओं मे कस कर उठा लिया।

"हेलो और विदा-नमस्कार।" बाबी ने हँसना प्रारम्भ करते हुए कहा। उसने विजय-सूचक मुद्रा में पट्टा हिलाया। "हेलो और विदा-नमस्कार, हेलो

और विदा-नमस्कार।" हाल में से बाहर ले जाये जाते समय वह यही रट लगाता रहा।

पेगी उनको जाते हुए देखती रही और जो और एडिथ पेगी को देखते रहे। जो ने एडिथ का हाथ और अधिक जोर से पकड़ लिया। उसने सोचा कि जून में हमारा विवाह हो जायगा। मैं किसी प्रकार कोई रास्ता निकाल लूँगा।

"बाबी बढ़ रहा है। मेरा ख्याल है कि इसी कारण वह दुबला हो गया है।" मोइरा बरले ने अपनी दोनों हृष्ट-पुष्ट लड़कियों के सम्बन्ध मे अभिमान-पूर्वक सोचते हुए कहा।

पेगी चिन्तित दिखायी देने लगी। उसने निश्चय किया, मैं उसे डाक्टर को दिखाने के लिए ले जाऊँगी। अगले सप्ताह मैं उसे ले ही जाऊँगी।

बरले उठ खड़ा हुआ। "हमारी दाई साढ़े दस बजे चली जानेवाली है।" उसने अपनी पत्नी को याद दिलायी।

पाल हैन ने रोना से शांतिपूर्वक कहा—"हम लोग एक ही दिशा में जा रहे हैं। मुझे बताना कि तुम कब रवाना होना चाहती हो।"

"धन्यवाद, पाल। किन्तु स्काट ने कहा है कि वह मुझे लेने के लिए आयेगा। और मैं, किसी भी हालत मे, थोड़ी देर तक रुकने जा रही हूँ।" उसने साफ लहजे में उसको जवाब दिया। "सच बात तो यह है कि मैं निकोलस ओरपेन के बारे में जानना चाहती हूं।"

"निकोलस ओरपेन।" रोना की बगल से श्रीमती बरले ने दुहराया, उनका हाथ हार्दिक आलिंगन के लिए बाहर फैला हुआ था। "वह कम्यूनिस्ट? क्यों उसे पत्थर की दीवार से सटाकर खड़ा करके गोली मार देनी चाहिए?"

पाल, रोना और मिल्टन लीटनर ने एक दूसरे की ओर देखा। बाब कैश के ओठ जकड़ गये।

"उसने मेरे पिता की हत्या की है।" श्रीमती बरले ने कहा—"इसमें केवल कुछ ही महीने लगे और पिता जी चिन्ता करते-करते अपनी कब्र में पहुंच गये।"

"अब, मोइरा।" उसके पति ने विनम्रतापूर्वक कहा।

'मैं जानती हूँ कि क्या हुआ था।" उसने क्रोधपूर्वक कहा—"ओरपेन को इसलिए बरखास्त कर दिया गया कि उसके विरुद्ध अनेक अभिभावकों ने शिकायत की थी। उस समय उसने कहा था कि वह कम्यूनिस्ट नहीं है! किन्तु केवल एक महीने बाद जब वह एक शहीद कहलवाना चाहता था, उसने स्वी-

कार कर लिया कि वह बिल्कुल कम्यूनिस्ट है।"

बरले-दम्पति के अतिरिक्त, जिनके लिए प्रत्यक्षतः यह बुद्धिमत्तापूर्ण बात थी, प्रत्येक व्यक्ति निराश दिखायी देने लगा।

"अभिभावकों ने उसके विरुद्ध शिकायत की थी ?" रोना ने क्षीण स्वर में पूछा। उसकी समस्त आशंकाएं वापस लौट रही थीं। पाल ने उसकी ओर चिन्तातुर होकर देखा। "हाँ। ओरपेन कभी यह अनुभव करता हुआ नहीं प्रतीत हुआ कि शिक्षकों की नौकरी केवल इस कारण कायम रहती है कि लोग अपने बच्चों की शिक्षा के लिए फीस देते हैं। एक बार जब उन्हें इस बात का पता चल गया कि उनके पुत्र ओरपेन की कक्षाओं से कम्यूनिस्ट बन कर आ रहे हैं, तब वे इस सम्बन्ध में शिकायत करने लगे। आखिरकार, वे ओरपेन को पढाने के लिए पैसे दे रहे थे !"

"अब मोइरा।" बरले ने पुनः कहा—"तुम जानती हो कि इस से सदा ही तुम उत्तेजित हो जाती हो।"

"मैं किसी रात ओरपेन से मिलना चाहूँगी। एक कुल्हाड़ी लेकर !" मोइरा बरले ने जाते हुए कहा।

"हे भगवान् !" एडिथ ने कहा—"क्या यह औरत पागल नहीं हो गयी है ?"

"आधुनिक लिजी बोरडेन।" मिल्टन लीटरन ने कहा।

कुछ समय तक असुविधाजनक निस्तब्धता बनी रही। श्रीमती बरले की भयंकर भावना से प्रत्येक व्यक्ति संत्रस्त दिखायी पड़ता था।

"यह बात करने का गलत ढंग है।" मिल्टन ने निराशापूर्वक कहा।

"हाँ।" पाल ने कहा।

मिल्टन ने उसकी ओर देखा और उसकी भौहें तन गयीं। उसने अपने सुविचारित ढंग से कहा—"मेरे कहने का आशय यह है कि वह कम्यूनिस्टों की सहायता करती है।"

"मैं भी यही सोच रहा हूँ।' पाल ने स्वीकार किया।

"मैं सोचती हूँ कि वह बहुत अधिक अतिशयोक्ति से काम लेने वाली औरत है।" रोना ने कठोरतापूर्वक कहा—"वह कुछ अत्यन्त भयंकर धारणाएं संजोये रखती है।"

"इस सबके लिए मुझे खेद है।" पेगी ने जान के साथ कमरे में वापस आते हुए कहा।

"मैंने मोइरा को इतनी अधिक उत्तेजित होते कभी नहीं देखा था। आखिर हुआ क्या ?"

"मैंने निकोलस ओरपेन के नाम का जिक्र किया।" रोना ने कहा—"बस इतनी ही-सी बात थी।"

"ओह !" जान ने कहा। उसकी निराशा समाप्त हो रही थी। "निकोलस आरपेन।"

"मुझे विश्वास है कि मोइरा ने जो कुछ कहा, वास्तव में उसका आशय वह नही था।" पेगी ने प्रसन्न करने के विचार से कहा।

"उसका आशय वही था।" रार्बट कैश के स्वर में सहानुभूति का अभाव था। "इसी प्रकार के प्रतिक्रियावादी व्यक्ति अमरीका का शासन-संचालन कर रहे हैं।"

"सुनिये।" पेगी ने प्रत्येक व्यक्ति को प्रसन्न करने के विचार से कहा—"हमें ध्यान रखना चाहिए कि प्रतिक्रिया कार्य से प्रेरित होती है, ऐसी बात नहीं है क्या ? यदि तुम सिर पर प्रहार करो, बाब ! तो क्या मैं इस बात को भूल जाऊँगी ?" उसने कुछ राखदानों को खाली किया। "इस वर्ष याँकी टीम पर कौन दाव लगा रहा है ? जान, तुम्हें इस वसन्त में मुझे उनका एक खेल दिखाने के लिए ले ही चलना होगा। मैं एक बार योगी बेर्रा को अवश्य देखना चाहती हूँ।"

"क्या वह एक ईस्ट इण्डियन है ?" एडिथ ने पूछा और उसके इस प्रश्न से हँसी का फव्वारा फूट पड़ा। "हाँ, मैं 'बेस बाल' के बारे में बहुत कम जानती हूँ !" उसने प्रतिवाद किया।

"उसे योगी केवल इस कारण कहा जाता है कि वह खेल के पहले शीर्षासन करता है।" जान ने उसके गालों पर लाज की लाली की सराहना करते हुए कहा।

"बाबी को विश्वास है कि वह अपने पैरों को चुस्त बनाये रखने के लिए ऐसा करता है।" पेगी ने मुस्कराते हुए कहा। प्रत्येक बात अब पुनः बिल्कुल ठीक हो गयी थी, कोई भी व्यक्ति कोई उग्र वाद-विवादों प्रारम्भ नहीं करने जा रहा था। राजनीतिक वाद-विवादों के सम्बन्ध में एक अजीब बात यह है कि समस्त वक्तव्य लोगों के मत अथवा अनुमान मात्र होते हैं। भावनाओं को उत्तेजित होते देखना हास्यास्पद होता है। यदि लोग अपनी पाचन-शक्ति को खराब ही करना चाहते हैं अथवा अपनी नींद को नष्ट ही करना चाहते हैं, तो उन्हें कम से कम तथ्यों और तिथियों और आँकड़ो के सम्बन्ध में तर्क-वितर्क

करने दीजिये। जान की अपनी धारणा कुछ ऐसी ही है। उसने अपने पति की ओर सन्मान और प्रेमपूर्ण नजरों से देखा।

जान पिछले कुछ मिनटों से मौन था। मिल्टन लीटनरने भी इस अवस्था को लक्ष्य किया था। और चूँकि उसकी इस विषय में दिलचस्पी है और वह महसूस करता है कि जान ओरपेन के सम्बन्ध में बहुत कुछ कह सकता है, इस लिए उसने विषय को समाप्त नही होने दिया। एक नवयुवक की समस्त दृढ़ता के साथ उसने कहा—"प्रोफेसर टाइसन, क्या आपको निकोलस ओरपेन के सम्बन्ध मे कुछ मालूम है ?"

"क्यों ?" जान ने आश्चर्य-चकित होकर पूछा।

"मै उससे मिल चुका हूँ। मैं सोच रहा था।"

राबर्ट कैश ने अपनी घड़ी देखी। "मुझे जाना होगा," उसने कहा—"आज रात मुझे एक विषय को समाप्त कर देना है।"

जो लोकास्ट्रो अपने पैरों पर खड़ा हो गया और उसने अपने पीछे एडिथ को खींच लिया।

"हमारे जाने का भी समय हो गया है।" उसने कहा—"एडिथ नगर से बाहर मित्रों के साथ ठहरी हुई है, अतः यह रास्ता बहुत लम्बा है। नही, चिन्ता मत कीजिये, श्रीमती टाइनस! मुझे बाहर जाने का रास्ता मालूम है। शीघ्र ही आपसे मिलूँगा। अच्छा धन्यवाद।"

मिल्टन लीटनर उन्हें नमस्कार करते हुए और जाते हुए देखकर मुस्करा रहा था। उसने कहा—"जो एक अच्छा आदमी है, किन्तु सम्प्रति उसकी सारी दिलचस्पी विवाह करने में ही केन्द्रित हो गयी है।"

"उनके पास निकोलस ओरपेन के अलावा बात करने के लिए अन्य बहुत से विषय है।"

पेगी ने बतौर सुझाव के कहा और सभी लोग मुस्करा पड़े। "किन्तु बाब इतनी जल्दी क्यों चला गया ? वह सामान्यतः एक बजे तक रुकता है और वह एलिवेटर की ओर जाते हुए पूरे हाल में भी वाद-विवाद करता हुआ जाता है।"

मिल्टन ने, जो दो वर्षों से बाब का एक अच्छा मित्र है, कुछ नहीं कहा। उसने अपने पैरों के सामने पड़े फर्श की चटाई की ओर घूरकर देखा, उसे इस बात का ज्ञान था कि टाइसन उसका निरीक्षण कर रहा था। तत्पश्चात् उसने अकस्मात् ऊपर की ओर देखा और कहा—"मैं निकोलस ओरपेन के सम्बन्ध में

सुनना पसन्द करूगा।"

पाल और रोना भी प्रतीक्षा कर रहे थे। "हाँ," जान ने कहा—"वास्तव में मुझे उसके विषय की सारी बाते मालूम नहीं हैं। और आज रात मोइरा बरले ने जो कुछ कहा, जिस से तुम सभी लोग इतने अधिक परेशान हो गये हो, उसे मैंने नहीं सुना। किन्तु उसके विषय के कुछ तथ्य ये हैं। जैसा कि तुम्हें याद होगा, सन् १९४० में एक जोरदार वाद-विवाद चल रहा था। कालेज और विश्वविद्यालय ऐसे दस्तों से भरे हुए थे, जो युद्ध को एक साम्राज्यवादी युद्ध बताने वाली झण्डियाँ लेकर घूमते रहे थे। छात्रों और विद्यालयों मे युद्ध-प्रचारकों और प्रतिक्रियावादियों की निन्दा करने वाली पर्चियों की बाढ़ आ गयी थी। शिक्षा-संस्थाओं में ऐसे वक्ता प्रकट हो रहे थे, जो हमें युद्ध न करने का उपदेश दे रहे थे।

"मुनरो कालेज के अध्यक्ष को—वे मोइरा बरले के पिता थे—उस समय काफी कठिनाई से होकर गुज़रना पड़ा। वे एक 'नव व्यवस्थावादी' थे और संयुक्त राज्य अमरीका की उन्नति के सम्बन्ध में अपने नवयुवकों के अनेक विचारों के प्रति सहानुभूति की भावना रखते थे। किन्तु वे युद्ध को अस्तित्व-रक्षा के एक अस्त्र के रूप में देखते थे। विद्यालय के अधिकांश व्यक्ति सिद्धान्ततः उनके साथ सहमत थे, किन्तु फिर भी इस सम्बन्ध में मतभेद था कि क्या किया जाना चाहिए। किन्तु एक छोटा-सा गुट इस बात पर हठ करता रहा कि यह एक साम्राज्यवादी युद्ध है और उस गुट ने अध्यक्ष की कटु आलोचना की। निकोलस ओरपेन उस गुट का नेता था।

"सन् १९४१ का आरम्भ होते-होते स्वयं मुनरो कालेज में व्यवहारतः युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गयी। निश्चय ही, अध्यक्ष ने इन सारी बातों को गुप्त रखने का प्रयास किया—मेरा विचार है कि उन्होंने वहाँ एक बड़ी गल्ती की। क्योंकि उन्होंने अपने उद्देश्यों को जितना ही अधिक छिपाया, उन्हें उतना ही अधिक गलत समझा जाने लगा था। और तत्पश्चात् उन्होंने अपना मानसिक सन्तुलन खो दिया।

"मुझे याद है, 'ईस्टर के' आस-पास समाचार पत्रों में इस संबंध में कुछ वक्तव्य प्रकाशित हुए। 'कालेज के प्रोफेसर को पद-त्याग करने के लिए विवश किया गया।' 'भाषण-स्वतत्रता खतरे में।' इसी प्रकार की कुछ बातें। उस समय मैं कोलम्बिया में अपनी 'डाक्टरेट' के लिए तैयारी कर रहा था और कुछ शिक्षण-कार्य भी किया करता था। हम सभी चिन्तित थे। भाषण-स्वतंत्रता

पर किसी भी प्रहार को हम पसन्द नहीं करते थे। हमने इसे एक ऐसे खतरे के रूप में देखा, जो प्रत्येक विश्वविद्यालय में फैल सकता था। अतः हम मुनरो कालेज के अध्यक्ष के विरुद्ध की जाने वाली सामान्य आलोचना में सम्मिलित हो गये। ओरपेन ने एक जोरदार प्रचार-कार्य किया। उसने अकस्मात् बताया कि वह एक कम्यूनिस्ट है और मामले को निर्णायक स्थिति में पहुँचा दिया। एक शहीद के रूप में उसका स्वागत किया गया और गैर-कम्यूनिस्ट भी उस संबन्ध में थोड़ी अपराध-भावना का अनुभव करते थे। देश का प्रत्येक विश्वविद्यालय और कालेज इस सम्बन्ध में तर्क-वितर्क कर रहा था।

"और तब, केवल दो महीने बाद रूस पर उसके मित्र जर्मनी ने आक्रमण कर दिया। रात भर में ही शिक्षा-संस्थाओं से दस्ते और नारे लापता हो गये। और निकोलस ओरपेन ने, जो दो महीनों तक एक पुनीत शहीद बना हुआ था, अकस्मात् अपने आप को उपेक्षित और विस्मृत पाया। और उस वर्ष के दिसम्बर महीने तक, जब जापानियों ने पर्ल हार्बर पर आक्रमण किया, तब तक यदि किसी व्यक्ति को उसकी याद थी भी, तो वह केवल उसे एक दूसरा झूठा पैगम्बर कह कर गालियाँ ही देता था।"

"उसके कम्यूनिस्ट मित्रों का क्या हुआ?" पेगी ने पूछा—"क्या उन्होंने उसका परित्याग कर दिया?"

पाल हैन ने कहा—"उन्हें क्यों परित्याग करना चाहिए? वे भी असावधानी में पकड़े गये थे। मैं कसम से कह सकता हूँ कि जब उसने खुले आम स्वीकार किया कि वह एक कम्यूनिस्ट है, उस समय वह केवल आदेशों का पालन ही कर रहा था। जब साम्राज्यवादी युद्ध ने धर्म-युद्ध का रूप धारण कर लिया, तब वह केवल इतना कर सकता था कि वह पृष्ठभूमि में चला जाय और वहीं बना रहे—उस समय तक जब तक गैर-कम्यूनिस्ट उसके भाषणों को भूल न जायं। वह लोगों को साम्राज्यवादी युद्ध-विषयक अपने प्रयासों की याद नहीं दिलाता रहा है, क्या वह ऐसा करता रहा है?"

"किन्तु लोग इतनी आसानी के साथ नहीं भूला करते।" रोना ने चिन्तित होकर कहा। वह सोच रही थी कि स्काट को चेतावनी दे देनी चाहिए कि ओरपेन मित्र बिल्कुल नहीं है। इस प्रकार का व्यक्ति अपने निजी उद्देश्य के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु के प्रति कोई वास्तविक आस्था नहीं रखता। किन्तु तुम स्काट को किस प्रकार चेतावनी दे सकती हो? वह स्पष्टतः विश्वास करता है कि यदि आरपेन ने भूत काल में गलतियाँ की हैं, तो वह

बहुत समय पहले की बात है। स्काट में सहिष्णुता है, स्काट वफादार है... पाल उससे एक प्रश्न पूछ रहा था। "क्या वे नही भूलते ?" उसने नम्रता-पूर्वक कहा।

"हम बहुत अधिक भूल जाते हैं।" मिल्टन लीटनर ने कटुतापूर्वक कहा—"जर्मनी के भूतपूर्व नाजियों और उनके द्वारा ग्रहण किये जाने वाले 'हमारे ऊपर दया कीजिये' के रुख की ओर देखिये। उन्होंने एक गैस-चैम्बर में मेरे पितामह की हत्या कर दी। उन्होंने मेरे चाचाओं और उनके परिवारों की हत्या कर दी। मैं नहीं भूलूगा।"

"मैं चाहती हूँ कि बाब इन सब बातों को सुनने के लिए यहां रुका रहता।" पेगी ने कहा—"जब मैं क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं के सम्बन्ध में बात कर रही थी, तब इससे मैं अपेक्षाकृत कम मूर्ख प्रतीत होती। तुम जानते हो, यदि कम्यूनिस्ट अन्य किसी भी राजनीतिक पार्टी के समान, डेमोक्रैटों अथवा रिपब्लिकनों अथवा सोशलिस्टों के समान किसी भी पार्टी का संचालन करते, तो उन्हें केवल चुनाव के समय गालियाँ सुनने को मिलतीं। किन्तु जब कभी उनसे सम्बन्धित कोई छिपी हुई अथवा गुप्त बात प्रकाश में आती है, तब प्रत्येक बार उन पर अधिकाधिक अविश्वास किया जाने लगता है। क्या वे इस बात को नहीं देखते कि उन्हें वही मिलता है, जो वे अर्जित करते हैं ?" जान यह सुनते हुए मुस्करा रहा था। वह इस बात से निराश प्रतीत हो रही थी कि क्या शिक्षित व्यक्ति भी इतने अन्धे हो सकते हैं। पेगी इतनी ईमानदार थी, उसकी ईमानदारी इतनी पारदर्शी थी कि उसके लिए यह कल्पना करना कठिन था कि शिक्षित व्यक्तियों के संसार में व्यवहार के अन्य प्रतिमान भी हैं। यह अन्धता का प्रश्न नहीं था, यह आज्ञा-पालन का, अपने लिए दूसरे व्यक्तियों को विचार करने की अनुमति देने का प्रश्न था।

टेलिफोन की घण्टी बजी और पेगी उसका उत्तर देने के लिए चली गयी। हाल में से उसने धीरे से रोना को बुलाया। और रोना ने, जल्दी से उठते हुए, अर्द्ध-चिन्तित होकर कहा—"वह सम्भवतः स्काट है।" सम्भवतः उसे देर भी होने जा रही है। कमरे से जाते समय उसने अपनी घड़ी देखी।

जब केवल पुरुष ही वहाँ रह गये, तब मिल्टन लीटनर ने जल्दी से कहा—'क्या आप लोगों को आश्चर्य हो रहा है कि निकोलस ओरपेन से मेरी मुलाकात केस प्रकार हुई ?" जान ने वचन-बद्ध न होने का प्रयास किया, किन्तु पाल ने 'द विच कल्ट इन वेस्टर्न यूरोप' (पश्चिमी यूरोप में राजनीतिक

विरोधियों का प्रपीड़न) नामक पुस्तक को, जिसे उसने जान के डेस्क से उठाया था, देखना बन्द कर दिया।

लीटनर ने मुस्कराते हुए और अपने कन्धे के ऊपर से हाल में, जहाँ रोना सम्प्रति सुरक्षित रूप से टेलिफोन कर रही थी, देखते हुए कहा—"यह सब कुछ ठीक यहाँ, इस कमरे में प्रारम्भ हुआ।"

"क्या ?" जान ने तनकर बैठते हुए और राखदान को उलटते हुए कहा।

"आप जानते हैं, बाब कैश और मैं स्काट एट्टली से यहाँ मिले थे।"

"यह क्या है ?" जान ने चिन्तित और परेशान होकर, राख को फर्श पर रगड़ने की कोशिश करते हुए, सिगरेट के टुकड़ों और दियासलाई की काँड़ियों को अरुचिपूर्वक उठाते हुए पूछा। "स्काट एट्टली ?"

"ओह, उसे मालूम नहीं है। वह काफी शरीफ आदमी है। कुछ मित्र उससे अनुचित लाभ उठा रहे हैं, बस इतनी ही-सी बात है।"

"कैसे ?" पाल हैन ने पूछा। उसने राजनीतिक विरोधियों के प्रपीड़िन से सम्बन्धित पुस्तक को डेस्क पर वापस रख दिया, यथासम्भव शीघ्रातिशीघ्र उसे उधार माँगने का मन में निश्चय किया और लीटनर के सामने एक कुर्सी पर बैठने के लिए आगे आ गया।

"एक शुक्रवार की शाम हम लोग यहाँ एट्टली से मिले और उसे बड़ा पसन्द किया। उसने हम लोगों को चलकर, कुछ अन्य साथियों से मिलने के लिए कहा—थोड़े से व्यक्ति और बहुत-सा विचार-विनिमय। यह बाब और मेरे लिए अत्यन्त उपयुक्त बात थी। हम लोग एट्टली के स्टुडियो में गये। वहाँ हमारा समय बहुत अच्छी तरह से व्यतीत हुआ। मेरी मुलाकात मर्रे नामक एक व्यक्ति से हुई और वह मुझमें रुचि लेता हुआ-सा प्रतीत हुआ। सभी बातें अत्यधिक चापलूसी से भरी हुई थीं। एक सप्ताह बाद इसी मर्रे ने फोन पर बाब से और मुझसे पार्क एवेन्यू पर एक पार्टी में चलने के लिए कहा। हम लोगों ने वहाँ जाने का निश्चय किया। वह एक संदिग्ध मकान था, जहाँ खाने-पीने की चीज़ें प्रचुर मात्रा में थीं, बहुत से लोग थे—यहाँ-वहाँ कुछ प्रसिद्ध व्यक्ति थे, संगीत, वार्तालाप और तर्क-वितर्क की अधिकता थी।"

"पार्टी कौन दे रहा था ?" पाल ने पूछा।

"एक विचित्र किस्म की महिला जिसके बालों में तितलियाँनुमा पिनें लगी हुई थीं। मजाक की बात नहीं !"

"क्या उसका प्रथम नाम थेल्मा था ?"

"हाँ। मैं उसके दूसरे नाम को ठीक-ठीक कभी नहीं जान पाया क्योंकि वहाँ का कोई भी व्यक्ति उसके उस नाम का प्रयोग नहीं कर रहा था। प्रत्येक व्यक्ति उसे केवल थेल्मा कह कर ही पुकारता था।" पेगी कमरे में वापस आ गयी। "कोई गुप्त चर्चा तो नहीं हो रही है?" उसने प्रश्न किया और कहने लगी कि काश, उसने इस कहानी को प्रारम्भ से सुना होता तो कितना अच्छा होता।

"तो वह एक अच्छी पार्टी थी?" पाल ने पूछा, किन्तु यह प्रश्न की अपेक्षा एक वक्तव्य अधिक प्रतीत हुआ।

"हाँ। बाब ने कहा कि यह प्रथम श्रेणी की पार्टी थी।"

"और तुमने?"

"मेरा अनुमान है कि मेरा नया मित्र मर्रे नहीं जानता था कि कुछ व्यक्ति संरक्षण को पसन्द नहीं करते। वह मेरे सामने यहूदियों की बराबर प्रशंसा करता रहा—मानो उनकी कोई अलग जाति हो, जैसा कि हिटलर कहता था। तत्पश्चात् मैंने देखा कि वहाँ तीन व्यक्तियों और दो सुन्दर लड़कियों का एक गुट था, जो मुझे यह अनुभव कराने का प्रयास करा रहा था कि मेरे जैसे बुद्धिमान व्यक्ति से उनकी मुलाकात कभी नहीं हुई थी। मैं उतना अच्छा बिल्कुल ही नहीं हूँ, यह चापलूसी थी!"

"और इस बीच बाब कैश क्या करता रहा?" पाल ने पूछा। जान मौन बना रहा, उसका मुँह बन्द हो गया था। उसने पेगी को एक छोटा-सा संकेत दिया, जिसके कारण बोलने के सम्बन्ध में उसने अपना विचार बदल दिया।

"उसके साथ भी एक दूसरे छोटे गुट द्वारा इसी प्रकार का व्यवहार किया जा रहा था। वे हमारी जैसी अर्थ-व्यवस्था में एक कलाकार बनने की कठिनाइयों के सम्बन्ध में उसके साथ सहमत हो रहे थे। उसने इसे स्वीकार कर लिया।"

"और तब?"

"अगले सप्ताह हमारे कुछ नये मित्रों द्वारा हमें एक दूसरी पार्टी में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रित किया गया। मैं नहीं जानता था कि मैं जाना चाहता था अथवा नहीं। मैं बहुत अधिक चापलूसी नहीं पचा सकता। किन्तु बाब लालायित था, अतः मैं उसके साथ चला गया। मेरा अनुमान है कि यदि बाब ने अपने धर्म के सम्बन्ध में अधिक भाव-प्रवण होना सीखा होता, तो वह भी सचेत हो सकता था। किन्तु वह ईसाई है और उसे कभी दोहरे अर्थ सुनाने को नहीं मिले।"

पेगी उत्तेजित दिखायी पड़ी। "मिल्टन तुम जानते हो कि जब तक कोई व्यक्ति एक शरीफ मानव बना रहता है, तब तक इस बात का कोई अधिक महत्व नहीं रहता कि उसका धर्म क्या है।"

"आप इसे जानती हैं, मैं इसे जानता हूँ—किन्तु कुछ लोग नहीं जानते।" उसने कटुतापूर्वक कहा। "और यह बात मेरे परिवार के सम्बन्ध में भी लागू होती है।" उसने कठोरतापूर्वक पुनः कहा। "अब भी मैं एक संघर्ष कर रहा हूँ। वे चाहते है कि मैं भिन्न प्रकार से रहूँ और मैं उनसे कह रहा हूँ कि जहन्नुम में जाय, वह, हम अमरीकी हैं। हाँ, हम अमरीकी हैं। हमारे चारों और एक दीवार का निर्माण करना बन्द करो, मतभेदों पर बल देना बन्द करो, मैं उनसे यही बताने का प्रयत्न करता रहा हूँ और वे मेरी ओर ऐसे देखते हैं, मानो मैं कोई देशद्रोही हूँ।" उसने जान टाइसन की ओर देखा। "किन्तु मैं किसी दीवार का निर्माण नहीं कर रहा हूँ और कोई भी व्यक्ति मुझे ऐसा करने के लिए बाध्य नहीं कर रहा है।"

तभी रोना कमरे में आयी। वह पीली और दुखी नज़र आ रही थी। वह बहुत धीरे-से बैठ गयी और सिगरेट सुलगा लिया।

"ओरपेन के निवास-स्थान पर यही कठिनाई थी।" मिल्टन लीटनर ने कहना जारी रखा। रोना ने शीघ्रता से उसकी ओर देखा। उसे एक दूसरी काँड़ी जलानी पड़ी; क्योंकि उसका सिगरेट बुझ गया था।

"क्या इस बार वहीं पार्टी हुई थी?" पाल ने पूछा।

"हां। यह केवल पुरुषों की पार्टी थी। संगीत, बात-चीत। किन्तु मेरे प्रति अत्यधिक सहानुभूति का प्रदर्शन किया जा रहा था। देखिये, आज रात, क्या आप मुझको यह अनुभव कराते रहे है कि मैं एक यहूदी हूँ और मुझे अपने लिए दुखी होना चाहिए और हम किस प्रकार की व्यवस्था के अन्तर्गत रह रहे हैं, जिस में भेद-भाव एक निश्चित नीति है? मुझ से इसी आशय की बातें की गयीं। मैं जल्दी ही रवाना हो गया। और मैं फिर कभी उन पार्टियों में नहीं गया।"

"क्या तुम्हें फिर कभी बुलाया गया था?"

"अवश्य। मरें और अन्य दो-एक व्यक्तियों ने मुझे बुलाया था। वे बहुत अधिक पार्टियाँ देते हैं। वे उन्हें विचार-विनिमय-दल कहते हैं। यद्यपि बाब उनमें नियमित रूप से जाता रहा है। वह उन्हें पसंद करता है। उसकी मुलाकात लेखकों और ऐसे व्यक्तियों से होती थी, जो उसे उसके उपन्यास के

सम्बन्ध में परामर्श दे सकते थे और वह अपने मन की बातें कहता तथा वे सन्मानपूर्वक सुनते रहते। अब वह एक बुद्धिवादि बन गया है। उसका विचार यही है।" रोना ने अपने बिना पिये हुए सिगरेट को बुझाते हुए कहा—"जब आप ओरपेन से बात करते हैं, तब वह कैसा प्रतीत होता है?" उसका स्वर अत्यन्त नियंत्रित, अत्यन्त निर्जीव था। पाल ने उसकी ओर तीव्र दृष्टि से देखा।

"ओह, वह एक अस्पष्ट बातें करनेवाला व्यक्ति है।" मिल्टन ने उत्तर दिया—'लेकिन वह बहुत अधिक बातें नहीं करता, प्रायः पृष्ठभूमि में ही रहता है। कम से कम, जब मैं उससे मिला था, तब उसने इसी प्रकार का व्यवहार किया था। वह एक डरावनी सड़क पर रहता है। किन्तु वह स्वयं काफी अच्छी तरह से रहता है। उसका कमरा सभ्य-जैसा दिखायी देता है।"

जान कटुतापूर्वक सोच रहा था, तो इस सबका सूत्रपात यहाँ से आरम्भ हुआ—यहाँ मेरे निवास-स्थान से। ओरपेन के द्वार तक जाने का मार्ग यहाँ से आरंभ हुआ। स्काट और मैं, दोनों, कितने मूर्ख सिद्ध हुए हैं...मैं उसे संकेत दे दूंगा। मर्रे और थेल्मा....तितलियाँ और अंगूरों के गुच्छे, हे भगवान्! और तब जान ने तीखेपन के साथ यह सोचना प्रारंभ कर दिया कि क्या उसके अन्य शिष्यों में से भी किसी को उस दिशा में ले जाया गया है। किन्तु नहीं, उसने प्रखरता से विचार किया, यह स्काट की प्रतिभा का अपमान करना है। स्काट मिल्टन लीटनर को पसन्द करता है और राबर्ट कैश केवल मिल्टन के पीछे लग गया, जैसा कि वह सामान्यतः किया करता है। स्काट की गलती यह है कि उसने मर्रे जैसे एक व्यक्ति को अपनी किसी भी पार्टी में आमंत्रित किया, बस इतनी ही बात थी। मैं उसे संकेत दे दूँगा।

"सभ्य!" पेगी ने कटुतापूर्वक कहा। वह सोच रही थी कि राबर्ट कैश के साथ क्या होगा। सम्भवतः वह पहले से ही हो रहा हो—वह अपने क्रोध को छिपाने का प्रयास करता हुआ केवल इस कारण जल्दी उठकर चला गया कि किसी ने असम्मानजनक स्वर में निकोलस ओरपेन का जिक्र कर दिया। उसने चिन्तित दृष्टि से जान की ओर देखा, जो बिल्कुल मौन, विचार-मग्न होकर बैठा हुआ था। उस वातावरण के लिए यह एक बुरा लक्षण प्रतीत हुआ!

"मैं कुछ और बियर लाने जा रही हूँ।" पेगी ने घोषित किया—"अथवा क्या कोई मेरे साथ थोड़ी-सी चाय पियेगा?"

"मैं अब जाऊंगी।" रोना ने कहा और अचानक ही वह उठ खड़ी हुई।

"किन्तु स्काट?"

"आखिर वह नहीं ही आ सका। उसे रोक लिया गया। वह युद्ध में भूमिगत रूप से भाग लेनेवाले एक फ्रांसीसी पत्रकार के साथ बातचीत करने में बुरी तरह फँस गया। सम्भवतः वह इससे कोई संवाद प्राप्त करेगा। अतः...." रोना प्रत्येक व्यक्ति के लाभ के लिए मुस्करायी—".....मैंने उसे रुक जाने के लिए कहा—तुम जानती हो, मुझे यहाँ से काफी दूर जाना है।"

"कितनी लज्जाजनक बात है, रोना!"

"मैं रोना को सुरक्षित रूप से घर पहुँचा दूँगा।" पाल ने कहा।

"वास्तव में पाल! तुम्हें तकलीफ करने की आवश्यकता नही है।" रोना ने कहा।

"हाँ, मै चाहती हूँ कि तुम सुरक्षित रूप से घर पहुँच जाओ।' पेगी ने कहा—"आधी रात हो गयी है।"

रोना हँस पड़ी। "क्या तुम अभी तक पार्क में होनेवाली लूट-खसोट के बारे में चिन्ता कर रही हो?"

"रात में पार्क से बचकर किसी और रास्ते से ही जाना।" पेगी ने कुछ कम प्रसन्नता से कहा।

"बहुत अच्छा, बहन।" रोना ने अपना कोट उठाने के लिए जाते हुए कृत्रिम आज्ञाकारिता के साथ कहा। किन्तु जब उसने हाल में पाल को प्रतीक्षा करते हुए देखा, तब उसने पुनः कोई प्रतिवाद नहीं किया।

पेगी ने धीरे-धीरे बिस्तर तैयार करना प्रारंभ कर दिया। पाँच घण्टे बाद बारबारा पूर्ण रूप से जाग जायगी। अतः उसने जान और मिल्टन को बैठकखाने में बातचीत करते हुए छोड़ दिया और जिस समय जान उसके पास आया, उस समय तक वह गहरी नींद में सो गयी थी। जब उसने उसे धीरे से बिस्तरे पर उसके हिस्से की ओर सरका दिया, तब भी वह नहीं जागी। किन्तु जब उसने उसका चुम्बन लिया और उसके नंगे कंधों पर पड़ी हुई चादर को ठीक किया तथा उन्हें ढँकने के पहले कन्धों का भी चुम्बन लिया, तभी पेगी निद्रा-वस्था में ही हिली और मुस्करायी तथा अपने को उसके शरीर से सटा दिया। जान ने आराम से अपने पैर पसार दिये, और उसने अपना हाथ पेगी की कमर पर रख दिया। किन्तु उसे नींद नही आ सकी। उसने जो कुछ सुना था, उन सब के बारे में मन ही मन सोचता हुआ, बार-बार सोचता हुआ, वह खिड़कियों की ओर घूर-घूर कर देख रहा था.....

रोना के मकान के मुख्य प्रवेश-द्वार पर पाल ने हाथ मिलाया। उसकी

कल्पना की अपेक्षा यहाँ वापस लौटने का मार्ग अधिक सरलतर सिद्ध हुआ था। किसी तरह, उसने पुनः कहा। रोना ने एक मित्र की भाँति उसके साथ स्वाभाविक व्यवहार किया। एक ढंग से, उसका यह व्यवहार सरलतर था और दूसरी ओर उसे इस बात का स्मरण हुआ कि उसने क्या वस्तु खो दी है। वह जब-जब उसे देखता, तब-तब वह अधिक तीव्रता के साथ इस बात का अनुभव करता था। उसने सोचा कि मुझे अब रोना से मुलाकात नही करनी पड़े, ऐसा समय आ सकता है। यह अनुभव करके उसकी दशा और भी अधिक बुरी हो जाती थी कि प्रत्यक्षतः वह भी बिल्कुल ही ऐसा अनुभव नहीं करती है। संप्रति उसका समस्त जीवन स्काट के जीवन के साथ आबद्ध है। यही उसकी रुचि का एकमात्र विषय है।

"जब तक तुम अपना द्वार न खोल लो, तब तक मैं यहाँ नीचे खड़ा रहूँगा।" उसने आग्रहपूर्वक कहा।

"तुम भी पेगी के समान ही शरारती हो। मै नही सोचती कि यहाँ मुझे चोर मिल जायंगे।" किन्तु वह मुस्करायी, उससे हाथ मिलाया और शांतिपूर्वक ऊपर चली गयी। अपने दरवाजे पर पहुँचने पर वह उसको नमस्कार करने के लिए मुड़ी। "नमस्कार, पाल!" उसने धीमे से कहा। तत्पश्चात् वह नजरों से ओझल हो गयी।

पाल उसकी पद-चापों को सुनता हुआ यंत्रवत् खड़ा रहा। तत्पश्चात् उसने एक मन्द स्वर में रोना को कहते हुए सुना—"ठीक है। सब कुछ ठीक है।" और एक द्वार बंद हो गया।

वह हाल से निकलकर मुड़कर सामने के दरवाजे को बंद करता हुआ और दरवाजे में ताला लग जाने का निश्चय करने के लिए हैण्डिल को खटखटाता हुआ, बाहर सड़क पर चला आया। उसने सड़क पार की और उसके बैठकखाने की रोशनी को देखता हुआ कुछ मिनटों तक खड़ा रहा। तत्पश्चात् थोड़ी देर बाद ही रोशनी बुझा दी गयी।

पुलिस का एक सिपाही अँधियारे में से बाहर निकला और उसे निकट से देखने लगा। "ठीक है, मित्र!" उसने कहा—"वह सो गयी है, क्या तुम देख नहीं सकते?" पाल मुस्कराया और चला गया।

"मैं उसकी निगरानी विशेष रूप से करूँगा।" पुलिस के सिपाही ने मुस्कराते हुए उसके पीछे से कहा।

पाल पार्क एवेन्यू की दिशा में चलने लगा। उसकी पद-ध्वनियाँ उसे और

अधिक एकाकीपन का अनुभव करा रही थीं। यह रात का भयानक समय था, ऐसा समय जब आपको एकाकीपन का अनुभव होने लगता है।

अध्याय–८

उस रात पाल हैन भी जान टाइसन के समान ही कम सो पाया। ६ बजे वह उठा और मोटे कपड़े के पर्दों को खिड़की पर से हटा दिया। बाहर आकाश भूरा था और सर्दी पड़ रही थी, उतनी ही सर्दी, जितनी इस कमरे में थी। इस वर्ष वसन्त ऋतु का आगमन विलम्ब से हुआ जान पड़ता था। अप्रैल मार्च के प्रारम्भिक दिनों के समान दिखायी दे रहा था। यह ट्वीड-सूट पहनने का मौसम था।

उसने दाढ़ी बनायी, स्नान किया और कपड़े पहने। तदंतर अपने कमरे की ओर एक बार देखा तथा इस निश्चय पर पहुँचा कि जो लोग होटलों में अकेले रहते हैं, न्यूयार्क के काफी-गृह और मदिरालय प्रत्येक रात अवश्य उनसे ही भरे रहते होंगे। फिर वह वहां से रवाना हो गया। इस समय गलियारे शांत तथा एलिवेटर निष्क्रिय थे। किंतु होटल ने पहले से ही अपना काम प्रारम्भ कर दिया था। जल्दी आने वाले और जाने वाले व्यक्ति प्रकोष्ठ में डेस्क के सामने समूह-बद्ध होकर खड़े थे, जबकि उनके परिवार बड़े-बड़े ताड़-वृक्षों के पीछे आधे छिपे हुए-से उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। मुलायम कालीनों से ढंकी हुई, संगमरमर की सीढ़ियों के पार एक विशाल भोजन-कक्ष था। इस वक्त वह बंद था, जिसमें कुर्सियाँ मेजों के ऊपर उलट कर रखी हुई थीं तथा जगह-जगह 'वैकु-अम- क्लीनर' पड़े हुए थे। किन्तु और अधिक आगे प्रवेश-द्वार के निकट काफी की दूकान गोश्त और अंडों की महक के साथ स्वागत कर रही थी। सिगरेट-स्टैण्ड पर प्रदर्शन के लिए रखी हुई सैकड़ों पत्रिकाओं में से दो-एक पत्रिकाओं के साथ एक समाचार-पत्र खरीदने के बाद उसने उसमें प्रवेश किया। वह सोच रहा था, नाश्ता करने के बाद वह प्रकोष्ठ के पार नाई की दूकान में बाल कट-वायेगा और जूतों पर पालिश करायेगा और काफी की दूकान के द्वार पर स्थित एक 'बूथ' से ब्राउनली को टेलिफोन करेगा। फिर उसने गौर किया कि मैं न्यूयार्क के तौर-तरीकों को पुनः बिल्कुल अपनाता जा रहा हूँ : मैं तनिक भी विस्मयान्वित हुए बिना समय बचाने के उन समस्त साधनों और सुविधाओं को स्वीकार करता जा रहा हूँ।

उसने काउण्टर न चुनकर एक मेज-कुर्सी को चुना, जिस पर बैठ कर वह शांतिपूर्वक पढ़ सके। उसने सूअर के गोश्त की एक बोटी और कुछ अण्डे, दो गिलास नारंगी का रस और बहुत-सारी काफी का आर्डर दिया। यह साहबी है, उसने पुनः सोचा। यकायक उसके मन में विचार आया कि यदि वह "विलास-प्रियता!" कह कर चिल्लाये, तो उसके बगल की मेज पर बैठा हुआ भ्रमण-शील विक्रेता क्या कहेगा। पाल जानता है कि उसे इससे क्या मिलेगा। एक विस्मित दृष्टि, एक शीघ्र लेकिन समझौता-सूचक मुस्कान और शान्त करने के लिए "अवश्य, अवश्य" का प्रति-उत्तर। तत्पश्चात् वही विक्रेता पुनः अपना समाचार-पत्र पढ़ने का बहाना करने लगेगा, किंतु एक या दो मिनट के बाद वह मेरी ओर देखेगा और कहेगा—"क्या आप यहां के लिए एक अजनबी व्यक्ति हैं?" और एक अजनबी व्यक्ति से उसका आशय होगा एक विदेशी व्यक्ति। क्योंकि यह भी संभव है कि वह स्वयं किसी छोटे कस्बे अथवा देहात-से आया हो, किंतु वह न्यूयार्क के लिए एक अजनबी व्यक्ति नहीं है। वह जानता है कि उसे किस बात की आशा करनी चाहिए। यदि उसे इस बात का पता नहीं चला होता, तो वही विस्मय के साथ चिल्लाने का काम करता, अत्यन्त स्पष्ट विस्मय के साथ चिल्लाने का काम। (विदेशों में कहा जाता है कि अमरीकी भ्रम-णार्थी बहुत अधिक शिकायतें करते हैं।)

वेटर लड़की ने हाथ में पेंसिल लेकर प्रतीक्षा करते हुए अपने प्रश्न को दुहराया। उसने अपने ऑरगैण्डी के कड़क 'ऐप्रन' पर एक शिकन को ठीक किया और सफेद 'बकस्किन' के जूते को ध्यानपूर्वक देखने लगी। उसने अपने नाइलन के मोजों की ओर देखते हुए निश्चय किया कि अगली बार वह थोड़े और अधिक गहरे रंग के मोजे लेगी।

"क्षमा करना!" उसने पूछने के भाव से कहा।

"गरम मक्खन लगाया हुआ टोस्ट अथवा गरम रोल अथवा 'ब्रेन मफिन्स' मार्मालेड अथवा स्ट्राबेरी जैम? काफी के साथ क्रीम? खजूर अथवा आप खाद्यान्न पसन्द करेंगे?" उसने दो पृष्ठों की भोजन-सूची को उठाया और उसे बन्द कर मेज पर रख दिया। "यह सब दस डालर का नाश्ता है।" उसने स्पष्टीकरण किया। उसने साफ-सुथरे राखदान को सीधा किया, उसके सामने एक नैपकिन रखा तथा एक अतिरिक्त छुरी भी रख दी। "आप ही चुन दीजिये।" उसने मुस्कराते हुए कहा—"मेरी समझ में नहीं आता।" उसने उसकी ओर विस्मित नेत्रों देखा।

"बहुत अच्छा !" उसने कहा—"जो कुछ आप ठीक समझें, वह प्रत्येक वस्तु ले आइये। और उसे सूअर के गोश्त और अंडों का दुगुना भाग बना दीजिये।" और उसने अखबार पढ़ना प्रारंभ कर दिया और उसके चौड़े बड़े पृष्ठों को सावधानीपूर्वक इधर-उधर पलटने लगा। उसने पुनः सोचा कि यह सब विलास-प्रियता है। तत्पश्चात् वह सोचने लगा कि उसे इस बात को भूलने में कितना समय लगेगा कि यह सब विलास-प्रियता है—तीन सप्ताह ? तीन महीने ? और वह इन सब बातों को पूर्णतया स्वाभाविक समझने लगेगा, जिसके सम्बंध में तनिक भी आश्चर्य करने की आवश्यकता नहीं होगी, ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार उस भ्रमणशील विक्रेता ने, जिसने बैण्ड को अनवरत बजता हुआ छोड़ कर बख्शीश मेज पर रख दी थी और जो एक सिगार जला कर एक जानकार की तरह चल पड़ा था, इसे स्वीकार कर लिया था।

"क्या आज प्रातःकाल के अखबारों में कोई विचित्र बात छपी है ?" वेटर ने उसके लिए नारंगी का रस लाते हुए तथा उसे खुले रूप से मुस्कराते हुए देख कर पूछा। तत्पश्चात् वह शीघ्रता से दूसरी मेज की ओर चली गयी। उसने बख्शीश को चतुराई के साथ मिली गयी हरी वर्दी के पाकेट में सरका दिया और मेज को दूसरे ग्राहक के लिए उसके सफेद मेजपोश और चांदी के सामानों के साथ नये सिरे से सजाने से पहले एक गीले कपड़े से सावधानीपूर्वक पोंछना प्रारंभ कर दिया।

अवकाश-प्राप्त कर्नल महोदय राजर ब्राउनली को टेलिफोन करने से पहले पाल ने नौ बजे तक प्रतीक्षा की। उस समय तक वह वेटर लड़की के साथ, नाई के साथ, जूता पालिश करने वाले लड़के के साथ, द्वार-रक्षक के साथ, एक होटल-क्लर्क के साथ और प्रकोष्ठ में दो यात्रियों के साथ (उनमें से एक ओहियो से आया हुआ एक किसान था और दूसरा एक लोकोमोटिव इंजीनियर था, जो एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए नगर में आया हुआ था) बहुत अधिक बात-चीत कर चुका था। वे अपने विचारों को पूर्ण स्वतन्त्रता के साथ व्यक्त करते थे। संयुक्त राज्य अमरीका के संबंध में यह एक दूसरी बात है—विचारों का यहाँ कोई अभाव नहीं है; किंतु नौ बजे उसने अपने 'गैलप-पोल' (मत-संग्रह) को पूरा कर लिया था। और जब वह टेलिफोन का उत्तर देने के लिए ब्राउनली की प्रतीक्षा कर रहा था, तब उसे अनुभव हुआ कि उसने जितना समझा है, उससे कहीं अधिक वह चिन्तित है। यदि ब्राउनली नगर में नहीं हुआ, तो क्या होगा, यदि वह शनिवार को प्रातः काल

अपने कार्यालय में नहीं हुआ तो क्या होगा ? तब क्या क्या होगा ? प्रतीक्षा और चिन्ताएँ करने का दिन ।

किंतु ब्राउनली ने उत्तर दिया । वह पाल हैन की आवाज सुनकर बहुत आश्चर्य-चकित नहीं बल्कि प्रसन्न प्रतीत हुआ ।

"मैंने सोचा कि तुमसे मिलने के लिए यह उपयुक्त समय है ।" पाल ने कहा ।

"बहुत अच्छा । साढ़े बारह बजे कैसा रहेगा ? सेण्ट्रल पार्क के चिड़ियाघर में ? मैं तुमसे वहाँ दोपहर के भोजन के लिए 'टेरेस' पर मिलूँगा । ठीक ? अच्छा, ठीक उसी समय तुमसे मिलूँगा ।"

बस इतनी ही बात हुई । पाल हैन को इस बात से बड़ी प्रसन्नता हुई, वह हँसा । वही पुराना राजर ब्राउनली है, चाहे वह कर्नल के तमगे पहनता हो अथवा ब्रुक्स द्वारा तैयार किया गया ऐसा सूट पहनता हो, जिसका मूल्य वास्तविक मूल्य से कम बताया जाता है ।

उसके बाद वह होटल से चला आया । आगामी तीन घण्टों तक उसे व्यस्त रखने के लिए अनेक चीजें थीं । कल वह बावरी गया था, उसके पहले दिन—अपर ईस्ट साइड । हारलेम, रिवरसाइड, बैटरी, वाशिंगटन हाइट्स, ग्रीनविच विलेज, ब्राडवे, यार्क विले—इस विगत सप्ताह में वह प्रायः पूरे द्वीप का पैदल चक्कर लगा आया था । उसने जन-संकुल सड़क पर कदम रखते हुए सोचा कि वह एक भ्रमणशील संवाददाता की भाँति है । नर-नारी जल्दी-जल्दी काम पर जा रहे थे । ट्रकें पार्श्व-मार्गों से सटकर जा रही थीं । बसें इतनी भरी हुई थीं कि उनमें खड़े होने की भी जगह नहीं थी । कारें अनवरत पंक्तियों में खड़ी थीं । टैक्सियाँ अधीरतापूर्वक अपने भोंपू बजा रही थी । एक और दिन पूरा होने का भय तो दूसरी ओर डालर की आमदनी का सवाल !

जब पाल हैन बारह बजकर बीस मिनट पर पहुँचा, तब 'टेरेस', जो चिड़िया घर के भोजनालय की पूरी लम्बाई भर है, पहले से ही भर चुका था । यद्यपि दिन अभी तक सर्द था और प्रातःकाल आकाश मेघाच्छन्न था, फिर भी बालक पूरी संख्या में बाहर निकल आये थे । वे मौसम जैसी एक छोटी-सी चीज के भय के कारण शनिवार को चिड़िया घर की सैर करने से रुकनेवाले नहीं थे । चौड़े 'टेरेस' पर छोटी-छोटी हरी मेजों पर बड़े-बड़े छातों द्वारा छाया की व्यवस्था की गयी थी, जिससे प्रेरणा प्राप्त होती है । स्त्री-पुरुष उन तश्तरियों को हटाने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे थे, जिन्हें वे भीतर के स्वयं-सेवा काउण्टर से

भोजन-सामग्रियों से भर कर लाये थे, जब कि स्वतन्त्रता के गर्व से फूले हुए कुछ छोटे-छोटे बालक अपनी भरी हुई तश्तरियों को लेकर अपनी मेजों तक पहुँचने का प्रयास कर रहे थे। सर्वत्र अस्त-व्यस्तता और प्रसन्नता का वातावरण था। ऊँची और साफ, मन्द और दबी हुई, गहरी, सुखद, कटु, प्रत्येक सम्भव स्वरों की प्रत्येक स्तर की आवाजें--और उत्तेजना की प्रत्येक मात्रा से युक्त आवाजें, 'चिकने चाप' खाने वाले दो वर्ष के बालकों की आवाजों से लेकर गरम चटनी की सैण्डविच खाने वाले स्वतन्त्र छोटे-छोटे बालकों की आवाजों तक—एक बड़े आयोजन के पूर्व स्वर साधनेवाले एक व्यस्त आर्केस्ट्रा की आवाजों के समान प्रतीत हो रही थीं।

पाल ने दो व्यक्तियों के उपयुक्त एक छोटी-सी खाली मेज देखी और वह शीघ्रता से उसकी ओर बढ़ने लगा। वह 'टेरेस' के किनारे पर, उस ओर की दीवार के बगल में थी, जिसके ऊपर फूलों के गमले रखे हुए थे। वहाँ बैठ कर वह फूलों के ऊपर से चिड़ियाघर के मध्य भाग के चारों ओर स्थित पार्श्वमार्ग और घासों के उद्यान के विशाल चतुर्भुज और फलों के वृक्षों को देख सकता था। नयी घास अत्यन्त हरी थी और ताजी प्रतीत हो रही थी, फूलों के पौधों की पतली काली, मुड़ी हुई शाखाओं पर गुलाबी रग की धूल जमी हुई थी। अन्ततोगत्वा सूर्य ऊपर उठ रहा था, आकाश पुनः नीला होने जा रहा था, चमकीले गुब्बारे सफेद गाड़ियों में बेचे जा रहे थे, रंग-बिरंग के चमकदार कपड़े पहने हुए बालक डरावने दिखायी पड़नेवाले काले-भूरे मार्गों पर रंग-विरंगे कागज के टुकड़ों की भाँति बिखरे हुए थे। और 'टेरेस' के ऊपर पाल के चारों ओर सरगर्मी से बात-चीत चल रही थी, तरह-तरह की सुखद आवाजें, तश्तरियों की खनखनाहट, तर्क-वितर्क, परामर्श, डाँट-फटकारें सुनायी पड़ रही थीं (हाँ, हम शेर कैसे खाते हैं, उसे देखेंगे...उस गुब्बारे को अपनी कुर्सी से बाँधो और तुम उसे खो दोगे...अब यह सब खा जाओ!...मैं जानता हूँ कि सूरज चमक रहा है, किन्तु अपना कोट पहने रहो!...यदि तुमने वह दूध नहीं पिया...क्या तुमने फिर चम्मच खो दिया?) किन्तु पाल की मेज की बगलवाली मेज पर बैठे हुए चार लड़के चुप थे। उस दिन प्रातःकाल कुछ समय पहले उनके महीन और सस्ते कपड़े साफ थे। लेकिन खेलते रहने के कारण वे अब गन्दे हो गये थे और फट गये थे। उनमें सबसे छोटी एक लड़की थी, जिसकी उम्र मुश्किल से तीन वर्ष की रही होगी, अन्य लड़के थे, जो सम्भवतः नौ वर्ष की उम्र तक पहुँच रहे थे। वे सम्भवतः पार्क में एक दिन व्यतीत करने के लिए

सुदूर पूर्वी अंचल से चल कर यहाँ आये थे। वे चुपचाप प्रतीक्षा कर रहे थे, उनके चेहरों और हाथों पर इसी खेल के मैदान की धूल जमी हुई थी, उनकी आँखें बड़े भाई पर, जो अभी-अभी पाँच 'फ्रैंकफर्टर' और दूध की पाँच बोतलें लेकर आया था, जमी हुई थीं। सम्प्रति वह प्रत्येक 'फ्रैंकफर्टर' पर मक्खन पोत रहा था और उसे ठीक क्रम से (सबसे छोटी को सबसे पहले मिला) वह गम्भीरतापूर्वक वितरित कर रहा था। यदि वह धन्यवाद-दिवस का 'केक' काटता होता, तो भी वह इससे अधिक गम्भीर, इससे अधिक पौरुषेय नहीं हो सकता था।

"हेलो !" राजर ब्राउनली ने एक हाथ से पाल के सामने लोहे की एक कुर्सी खींचते हुए और दूसरे हाथ से मेज पर एक तश्तरी रखते हुए कहा। वह अपने काले फ्लैनेल सूट में दुबला दिखायी दे रहा था, उसका भूरे रंग का फेल्ट हैट उसके सफेद बालों पर टिकाया हुआ था। "मेरा ख्याल है, तुम्हें 'फ्रैंकफर्टर' पसन्द होंगे।" उसने तश्तरी की ओर संकेत करते हुए अपने शान्त स्वर में कहा। "सोचा कि मैं समय बचा लूँगा। धत्तेरे की, मैंने तो काफी गिरा दी है।" उसने प्रत्येक प्याले के नीचे कागज की एक नैपकिन रखी। "हाँ, सब कुछ कैसे चल रहा है ?" उसने मुस्कराते हुए बालकों की ओर और फिर पाल की ओर, जो अभी तक उसके आकस्मिक रूप से प्रकट हो जाने पर थोड़ा आश्चर्य-चकित प्रतीत होता था, देखा। "तुम अच्छे दिखायी देते हो।" ब्राउनली ने बालकों से भुनी-सरसों लेते हुए कहना जारी रखा। "मैं अत्यधिक व्यायाम करता हूँ।" पाल ने ब्राउनली के समान ही अपने स्वर को बातचीत के लिए उपयुक्त मन्द रखते हुए कहा।

"ओह ?"

"बस, प्रत्येक वस्तु को देखता रहा हूँ।"

"बहुत-सी पार्टियाँ भी ? नगर में कुछ रातें भी ?"

पाल हँसा। "ठीक ऐसी बात तो नहीं है। किसी प्रकार, घटनाएँ मेरी योजना के अनुसार नहीं हुई।"

"इधर–उधर घूमने के अतिरिक्त तुम और क्या करते रहे हो ?"

"पढ़ना, सब तरह के विचारों की जानकारी प्राप्त करना। विभिन्न आवाजों को सुनना, नये-नये चेहरों को देखना। बस ऐसी ही जानकारी प्राप्त करना..."

"क्या तुमने अपना कोई निजी विचार भी निर्धारित किया है ?"

"हाँ।"

ब्राउनली के दुबले चेहरे पर सन्तोष के लक्षण दृष्टिगोचर हो हुए। "मुझे तुमसे यह सुन कर प्रसन्नता हुई।"

"मै एक चीज के बारे मे तुम्हारा मत जानना चाहूँगा।"

"ओह ?" ब्राउनली ने अपनी निराशा को छिपा लिया। क्या इतनी-सी ही बात थी ? तत्पश्चात् उसने हैन के चेहरे की ओर देखते हुए अपने मन में निर्णय किया कि अभी और कुछ शेष है।

"इतने चिन्तित मत हो जाओ।" उसने परामर्श दिया—"हम लोग चिड़िया-घर में आनन्द मना रहे है, नही क्या ? मुझे यह स्थान सदा से पसन्द रहा है।" उसने चारों ओर बालकों के झुण्ड की ओर, व्यस्त स्त्री-पुरुषो की ओर देखा। "मुझे प्रसन्नता हो रही है। मुझे यह अनुभव हो रहा है कि मानव-प्राणी सामान्य हो सकते है। हा, तो तुम्हारा प्रश्न क्या है ?"

"जब तुमने मुझसे पहले बात-चीत की थी....."

"हा, मुझे याद है।" ब्राउनली ने जल्दी से कहा। बर्लिन का कोई जिक्र करने की आवश्यकता नही है।

".....तब तो तुम अनेक बातों के सम्बन्ध मे काफी अस्पष्ट थे।"

"मै सोचता हूँ कि मैं काफी स्पष्ट था।"

"हाँ, एक साधारण रूप से। किन्तु तुम जिस बारे में बात कर रहे थे, उसका कोई विशिष्ट उदाहरण मुझे नही बताया। मै अब यह समझ रहा हूँ कि तुमने ऐसा क्यों नही किया। तुम चाहते थे कि मै उन्हें स्वयं देखूँ। तुम्हें इतना विश्वास कैसे हो गया कि मै उन्हें देखूँगा ?"

"न्यूयार्क एक विचित्र नगर है। छोटे-छोटे नगरों का एक बड़ा समूह है। यहाँ हर प्रकार के दल और समूह हैं, यहाँ हर प्रकार के विचार पाये जाते है।"

"और एक ऐसा व्यक्ति होने के नाते, जिसके मित्र अधिकांशतः लेखन अथवा प्रकाशन के क्षेत्र मे है, मैं—"

"बिलकुल ठीक। तुम्हारा उनकी कतिपय समस्याओं को देखना निश्चित था। इसके अतिरिक्त उन्हे शीघ्र देखने के लिए तुम्हें सभी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ था। तुम्हारे अन्तिम कुछ वर्षों में यह निश्चित-सा हो गया था।"

"मै 'ट्रेण्ड' के सम्पादक वीडलर से मिलने के लिए गया था। उसने मुझे मेरा पुराना काम देने और साथ में भविष्य में बहुत अधिक तरक्की देने का प्रस्ताव किया है।"

"मैं आश्चर्य कर रहा था कि ब्लैकवर्थ सहायक सम्पादक के रूप में कितने

दिनों तक टिक सकेगा।"

पाल ने ब्राउनली की ओर शीघ्रतापूर्वक देखा। "मै सोचता हूँ कि वीडलर को तुमसे मिलना चाहिए। उसने इस स्थिति का सामना तो अच्छी तरह किया है, किन्तु अगला कदम क्या होना चाहिए, इसका उसे कतई पता नहीं है। वह प्रत्येक बात को गुप्त रख रहा है। मानो भावी संकट से बचने का वही मार्ग हो....."

"क्या तुम काम स्वीकार कर रहे हो? क्या यही तुम्हारी समस्या है?"

"इसके अलावा कुछ और भी।"

"समस्या का दूसरा हिस्सा?"

"यह सब परस्पर-सम्बन्धित हैं। एक लड़की है, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। उसका नाम रोना मेटफोर्ड है। मेरे ख्याल से वह संकट में है। वह इसे नही जानती; किन्तु उसके ऊपर एक तूफानी बादल उमड़ता हुआ प्रतीत हो रहा है। उसकी स्काट एट्टली के साथ मंगनी हुई है। क्या आप उसे जानते हैं?"

"केवल उसके पिता के नाम से। मैंने सुना है कि वह एक मस्त नवयुवक है। किन्तु मुझे इस बात में सन्देह ही है कि वह अपने पिता के समान कभी बन पायेगा।"

पाल ने कहा—"अच्छा होगा कि वह आपको ऐसा कहते हुए न सुने।" वह कुछ क्षणों तक मौन रहा। सत्य तो यह है कि वह नवयुवक एट्टली को पसन्द नहीं करता। किन्तु उसके साथ रोना की मंगनी हुई है और यह बात मुझे चिन्तित बना देती है।

वह इस बार काफी देर तक मौन बना रहा, जबकि ब्राउनली का ध्यान केवल काफी में शक्कर मिलाने पर केन्द्रित प्रतीत हो रहा था।" मैं तुम्हारी समस्या को पूर्ण रूप से नहीं समझ पा रहा हूँ।"ब्राउनली ने अन्ततः कहा—"यह कोई ऐसी समस्या नहीं है, जिसका मैं समाधान कर सकूँ, है न?" वह अपना सिर हिलाते हुए मुस्कराया।

"हाँ, आप निकोलस ओरपेन नामक व्यक्ति के सम्बन्ध में कुछ जानते हैं?"

इससे ब्राउनली की मुस्कान समाप्त हो गयी। "क्या वह इस समस्या से जुड़ा हुआ है?" उसने अत्यन्त शान्त स्वर मे पूछा। तत्पश्चात् उसने अपने सामान्य स्वर में कहा—"हम अपनी काफी समाप्त कर लें और अपने दोपहर के भोजन के लिए यहाँ से किसी और जगह पैदल चलें।"

पाल हैन सन्तुष्ट हुआ। वह सोच रहा था कि ब्राउनली ओरपेन के सम्बन्ध में कुछ जानता है। यदि मैं सारी परिस्थिति को जान पाऊँ, तो मैं कह सकता हूँ कि रोना की स्थिति क्या है।

"जब मैं एक बालक था," ब्राउनली ने दूसरी मेज की ओर देखते हुए कहा—"तब मैं प्रत्येक शनिवार को सेण्ट्रल पार्क में आया करता था और अपने भाई को भी हाथ पकड़कर लाया करता था। यहाँ आने के लिए हमें काफी दूर तक पैदल चलना पड़ता था।"

"और फिर वापस जाने के लिए भी उतनी ही दूर ?"

"अवश्य। घसीटते हुए पैरों के साथ इतनी दूरी तय करना।" ब्राउनली मुस्कराते हुए दूसरी मेज पर बैठे हुए बालकों की ओर देख रहा था। वे अब रवाना हो रहे थे। सबसे बड़े लड़के ने अपने छोटे भाई के चरवाहा-हैट को उसके सिर के पिछले भाग पर अधिक मजबूती के साथ रख दिया, तत्पश्चात् उसने अपनी बहन के हाथ को मजबूती से पकड़ने से पहले खूब साफ किया और अन्य दो लड़कों को इधर-उधर दौड़ने से मना किया।

"अफसर बनने योग्य अच्छे लक्षण हैं।" ब्राउनली ने उन्हें 'टेरेस' से जाते हुए देखते हुए कहा—"यह ऐसे बालकों में से है, जिसे सदा काम मिलते रहेंगे। वह इतना अधिक कार्यकुशल है कि उसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। यदि कोई व्यक्ति सुन्दर, शान्त जीवन चाहता है, तो उसे केवल इतना ही करना चाहिए कि वह अपनी आँखें और कान मूँद ले तथा किसी अन्य व्यक्ति को रास्ता साफ करने का अवसर दे।"

वे दोनों उठे। पाल 'टेरेस' पर दाना चुगते हुए कबूतरों और गौरैयों को उड़ाता हुआ आगे-आगे सीढ़ियों की ओर चला। "हम किधर चलेंगे ? भालुओं की बगल से होकर माल की ओर ?" पाल ने पूछा।

"हम जैसे चल रहे हैं, बिल्कुल ठीक चल रहे थे।" चिड़ियाघर के उत्तरी भाग में स्थित पिंजड़े के पास पहुँचने पर ब्राउनली ने कहा। शेरों और चीतों को देखने के लिए स्त्री और पुरुष तथा बालक समूह-बद्ध होकर खड़े हैं। अन्य व्यक्ति शेर-बाघ को, जो अपने क्रुद्ध भाव से पिंजड़े में इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था, देख रहे थे; उसकी टूटी हुई पूँछ पर सामान्य आलोचनाएँ की जा रही थीं।

"आज के लिए ये कुछ रोचक जीवंत उदाहरण हैं।" ब्राउनली ने शेर-बाघ के पिंजड़े के निकट एक क्षण के लिए रुकते हुए कहा—"आधा शेर, आधा

बाघ इतना दुखी कि लोग कहते हैं कि वह स्वयं अपनी ही पूंछ चबा गया। स्पष्टतः यह दुहरा व्यक्तित्व रखता है। यह हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि हम यथासम्भव अविभक्त, अखण्डित बने रहें। डा० क्लास फुश का व्यक्तित्व, यदि कभी ऐसा व्यक्तित्व रहा हो।"

वे चलते गये। "और यहाँ," ब्राउनली ने तीन गुरिल्लों का निरीक्षण करते हुए कहा—"यह एक ऐसा व्यावहारिक मामला है, जो इस सिद्धान्त को गलत सिद्ध करता है कि समान परिस्थिति समान परिणामों की ही सृष्टि करती है। भयंकर दिखायी देनेवाले गुरिल्ले को अन्य दो से, जो एकही पिंजड़े में साथ रहना सहन कर लेते हैं, पृथक् करना पड़ा।"

"अच्छा हो कि तुम उसके सम्बन्ध में सावधानीपूर्वक बातें करो। उसकी आँखें तुम्हारे ऊपर जमी हुई हैं।"

"इसे देखकर मैं भय के मारे काँप उठती हूँ।" एक महिला का स्वर ठीक उसके कान के पास सुनायी पड़ा। "उसकी पांचों अँगुलियों की ओर तो देखिये! और आप उसकी आँखों के पीले भाग को क्या कहते है?"

"वह प्रति सप्ताह अधिकाधिक तुम्हारे भाई 'जो' के समान होता जा रहा है।" उसके पति ने कहा—"बच्चे, वह जानता है कि कब उसका अपमान किया जा रहा है, क्या वह नहीं जानता?" और गुरिल्ले की विशाल, घनी काली आँखें मुड़ कर वक्ता के ऊपर जम गयीं।

ब्राउनली और पाल भीड़ से बाहर निकले गये। "पशुओं को सीखचों में बंधा देखकर मुझे सदा दुख होता है।" ब्राउली ने कहा—'उन्हें साफ-सुथरा रखा जाता है और अच्छा भोजन दिया जाता है, जो बात तुम नजरबन्दी शिविर वाले देशों के कैदियों के सम्बन्ध में नहीं कह सकते, किन्तु...' उसने अपने कन्धे हिलाये।

वे ६७ वीं सड़क पर स्थित बालकों के खेल के मैदान की ओर जाने वाले मार्ग से, जो पार्क में उत्तर की दिशा से होकर गुजरता है, चिड़ियाघर से रवाना हो गये। वहाँ ब्राउनली ने 'कैण्डी स्टाल'वाले व्यक्ति से मटर की छीमियों की दो थैलियाँ खरीदीं और एक को पाल की ओर उछाल दिया। "चलो गिलहरियों को खिलायें।" उसने मुस्कराते हुए सुझाव दिया।

उन्होंने रास्ते को तथा उसकी भरी हुई बेंचों, बच्चा-गाड़ियों, शतरंज के खेलों, रोलर स्केटों और तीन पहियों वाली गाड़ियों को पीछे छोड़ तथा घास और वृक्षों के बीच से होकर चट्टानों और बिखरी हुई झाड़ियों की दिशा में

ऊपर चढ़ने लगे। पाल अपने आपको चेतावनी देता जा रहा था, ओरपेन के सम्बन्ध में पहले बातचीत मत प्रारम्भ करो। किन्तु उसकी अधीरता बढ़ती गयी उसने सिलोफेन की थैली को फाड़कर खोल दिया और मटर की कुछ छीमियाँ घास पर बिखर पड़ीं।

'धैर्य धारण करो।" ब्राउनली ने कहा—"उस थैली को और एक घंटे तक चलाना है।"

पाल ने मुस्कराने की कोशिश करते हुए कहा—"इस चट्टान के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है ? विश्राम के लिए यह अच्छा स्थान प्रतीत होता है।"

ब्राउनली ने चारों ओर देखा। कुछ दूरी पर लड़के 'बेसबाल' का एक खेल खेल रहे थे। एक नवयुवक दम्पत्ति नीबू के एक वृक्ष के नीचे चमकीले हरे फूल में बैठा हुआ था। एक परिचारिका एक बच्चे को घास पर चलने में सहायता पहुँचा रही थी, जिसका निरीक्षण एक बंधा हुआ कुत्ता विवशता से कर रहा था। वृक्षों की पत्तियों के पीछे के रास्ते बहुत दूर प्रतीत होते थे और उन पर रहनेवाले व्यक्तियों की ओर अधिक भीड़ होती जा रही थी। अब बेंचें तो और भी खचाखच भर गयी थीं। यह एक शनिवार का अपराह्नकाल था। और सूर्य आखिरकार बाहर निकल रहा था, लोगों के कोट उतारे जा रहे थे, चेहरे प्रथम उष्ण किरणों की ओर मुड़ रहे थे। "इससे काम चल जायेगा।" ब्राउनली ने बैठते हुए कहा—"अपने लिए कोई अच्छा कोना ढूढ़ लो। यह कम से कम सूखा तो है।"

उसने पेड़ के नीचे बैठे हुए लड़के और लड़की की ओर पुनः देखा। अब लड़का अपनी पीठ के बल सो गया था और उसका सिर लड़की की गोद में था। "हाँ, मेरा ख्याल है कि बीस वर्ष की उम्र में गँठिया का रोग नहीं हो सकता।" ब्राउनली ने, अपनी थैली को सावधानी के साथ खोलते हुए और मटर की एक छीमी को एक उत्सुक किन्तु हिचकिचाने वाली गिलहरी की ओर करते हुए, पुनः कहा। गिलहरी आगे बढ़ी और फिर पीछे हट गयी और फिर वह साहस बटोर थोड़ी-सी और आगे बढ़ी।

"तुमने ओरपेन के सम्बंध में पूछा था।" ब्राउनली शांतिपूर्वक कहने लगा—"उस आदमी के बारे में मेरे पास एक पूरी फाइल है। तुम क्या जानना चाहते हो ?"

"तुम जो कुछ भी बता सको।"

निकोलस ओरपेन के सम्बंध में ब्राउनली की कहानी उसी ढंग की थी,

जिस ढंग का कल रात को जान द्वारा दिया गया विवरण था। केवल अंतर इतना ही था कि ब्राउनली ने उसे और आगे बढ़ाया। जब शहीद बनने का ओरपेन का अभिनय इतनी बुरी तरह से विफल हो गया, तब वह पर्ल हार्बर-काण्ड के समय तक कुशलतापूर्वक मौन धारण किये बैठा रहा। किंतु उसके बाद वह स्वतंत्र लेखन का कार्य करने लगा। उसके लेख अक्सर प्रकाशित हुआ करते, क्योंकि वह अच्छा लिखता था और कम्यूनिस्ट लाल सेना से बहुत अधिक प्रतिबिम्बित गौरव प्राप्त कर रहे थे। उसका विषय सदा एक ही होता था – वह एक ऐसे समय में "द्वितीय मोर्चे" के लिए जोरदार अपील कर रहा था, जब इंगलिश चैनल के पार सभरण अथवा सैनिक भेजने के लिए विमान पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थे। फिर भी, वह बहुत अधिक पुनरावृत्ति करता हुआ नहीं प्रतीत होता था; क्योंकि वह अनेक उपनामों का प्रयोग करने की सावधानी बरतता था।

उस समय पश्चिमी मित्रराष्ट्रों की क्षमताओं का ज्ञान रखने वाले उत्तरदायी व्यक्तियों ने यह सोचना प्रारंभ कर दिया कि क्या ओरपेन दूसरा मोर्चा इसलिए तो नहीं चाहता है कि वह विफल हो जाय तथा लाल सेना विरोधाभास में और अधिक गौरवान्वित प्रतीत होने लगे।

"वास्तव में!" ब्राउनली ने मुस्कराते हुए कहा—"हममें से कुछ लोग उसे 'मास्को की आवाज' कहा करते थे। इतना महत्वपूर्ण था, ओरपेन। उसे अपने आप पर पूर्ण विश्वास भी था। उसने ओ० एस० एस० (समुद्र पारीय सेवा) में कोई काम प्राप्त करने का प्रयत्न भी किया, किन्तु उसे वह काम नहीं मिला। दूसरी बार हमने उसका नाम अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग चाहने वाले एक दानशील व्यक्ति की सहायता से चलने वाली एक सद्भावना योजना के सिलसिले में सुना। युद्ध का अंत होते-होते ओरपेन उस योजना के एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में यूरोप पहुँच गया। वह 'फासिस्ट-विरोधी-शरणार्थियों' की सहायता कर रहा था। वह इधर-उधर यात्रा करता रहा और जब वह यहाँ वापस लौटा, तब उसके पास प्रकाशन के लिए कई लेख तैयार थे। जैसा कि मैंने कहा, वह अच्छा लिखता है। वह अत्यन्त विश्वासोत्पादक चरित्र का व्यक्ति था। उसका दृष्टि-कोण? 'मैं वहाँ था, मैंने सब कुछ देखा, मैं मानवता के नाम पर बोलता हूँ।' उसका प्रचार व्यापक रूप से हुआ। उसने सिद्ध किया कि यूनानी कम्यूनिस्ट बिलकुल ही कम्यूनिस्ट नहीं थे, वे केवल यूनानी कृषक-सुधारक या ऐसे ही कुछ थे। उसने सिद्ध किया कि सभी पोल लुबलिन होती हुई मास्को से आयी

हुई सरकार का स्वागत करने की प्रतीक्षा ही कर रहे थे; अन्य लोग जिन्होंने फ्रांस-युद्ध और ब्रिटेन-युद्ध में निरंतर संग्राम किया था, केवल फासिस्ट थे। उसने यह भी प्रमाणित किया कि रूमानिया और बल्गारिया के चुनाव पूर्णतया स्वतंत्र और निष्पक्ष थे; एक बार पूर्वी यूरोप में वास्तविक प्रजातंत्रों की स्थापना हो जाने पर संयुक्त राज्य अमरीका के लिए व्यापार की सम्भावना में बहुत अधिक सुधार हो जायेगा; कम्यूनिस्टों द्वारा सत्ता हस्तगत कर लिये जाने पर 'चेक' जितने प्रसन्न हुए, उतने प्रसन्न वे कभी नहीं थे। यह सब अच्छा प्रारंभिक कार्य था। और यहाँ बहुत-से-व्यक्ति उसका विश्वास करते थे तथा उसकी कही हुई बातों की पुनरावृत्ति करते थे। वे प्रेमियों के एक सहायक समूह के समान थे।"

ब्राउनली रुका और गिलहरियों को देखने लगा। वे अब चट्टान के चारों ओर एकत्र हो गयी थीं, उनके छोटे-छोटे भूरे शरीर तने हुए सीधे थे, उनके अगले पंजे उनके चिकने-चिकने पेटों पर से बंधे हुए थे, मानो वे अधिकाधिक भोजन की भिक्षा मांग रही हों।

"मसारिक की रहस्यमय मृत्यु के बाद ओरपेन की लोकप्रियता कम हो गयी। वास्तव में कुछ महीनों तक वह पूर्णतया शान्त बना रहा। अब उसने पुनः लिखना प्रारम्भ कर दिया है, वह सदा कल्पित नामों से लिखता है, किन्तु यह विचित्र बात है कि वह विदेशी राजनीति को अछूती छोड़ रहा है। मैं इसे पसन्द नहीं करता, पाल, मैं इसे तनिक भी पसन्द नहीं करता। वह अब भी अच्छी प्रारम्भिक तैयारी कर रहा है, किन्तु इस बार वह अमरीका के विरुद्ध है। और तुम उसके भूतकालीन कार्यों से देख सकते हो कि वह एक कुशल मार्ग-निर्माता है।"

"आजकल उसकी नीति क्या है?"

"अब भी वही, 'मास्को की आवाज'। विशेष करके वह अमरीकी प्रेस के भ्रष्टाचार, हमारी स्वतन्त्रता के लिए संघीय खुफिया विभाग की विभीषिका, जासूसों का पता लगाने के उन्माद, हमारे सैनिक भर्ती-सम्बन्धी कानूनों द्वारा युद्ध को दिये जाने वाले प्रोत्साहन पर प्रहार करता रहा है। सामान्यतः यदि थोड़ी-सी भी खराब बात उसे मिलती है तो वह उसे बढ़ा-चढ़ाकर कहता है, और वह निश्चित रूप से आज तक ऐसा करता आया है। यदि अमरीका के सम्बन्ध में कोई अच्छी बात है, तो उसका उल्लेख वह कभी नहीं करता। यदि किसी अमरीकी समस्या की दो व्याख्याएँ हो सकती हैं, तो वह केवल बुरी व्याख्या को

प्रस्तुत करता है। वह कहता है कि वह पीड़ितों और शोषितों के लिए लड़ रहा है, किन्तु वह रूस की दास-श्रम-प्रथा का उल्लेख कभी नही करता। वह राजनीतिक विरोधियों के प्रपीड़न की बात करता है; किन्तु वह पूर्वी यूरोप में शुद्धीकरणों का उल्लेख कभी नहीं करता। वह असहिष्णुता के सम्बन्ध में कटुतापूर्वक बात करता है; किन्तु वह कम्यूनिज़्म के 'विश्वास करो और आज्ञा-पालन करो' नियमों का उल्लेख कभी नही करता। वह बड़े ही प्रभावशाली शब्दों में शान्ति की बात करता है; किन्तु वह इस बात का उल्लेख कभी नहीं करता कि रूस के पास किसी भी पश्चिमी देश की अपेक्षा अधिक सैनिक और अधिक शस्त्र हैं। हां, वह एक ओर शांति की बात करता है, तो दूसरी ओर वह गुप्त रूप से एक युद्ध कर रहा है—वह और उसके समान ही कुछ थोडे सौ व्यक्ति।"

राजर ब्राउनली ने जन-संकुल मार्गो तक पहुँचनेवाले घास के विशाल विस्तार की ओर निराशाभरी दृष्टि से देखा। "वह उनके विरुद्ध एक युद्ध कर रहा है।" उसने बेंचों पर बैठे हुए अथवा सूर्य के प्रकाश में धीरे-धीरे टहलते हुए व्यक्तियों की ओर इशारा करते हुए कहा—"वे जिस प्रकार मतदान करते हैं, उसमें कामरेड ओरपेन का विश्वास नहीं है। उनके मतों का वह सम्मान नहीं करता है। उसे तथा लगभग सत्तर हजार कामरेडों को पूरा विश्वास है कि लगभग पन्द्रह करोड़ व्यक्ति मूर्ख हैं—केवल ओरपेन जैसे व्यक्ति ही सही हैं।"

"हाँ।" पाल ने धीरे से कहा—"वह हम लोगों के प्रति काफी घृणा रखता है, नहीं रखता है क्या? यदि मुझे ओरपेन और उसके मित्रों के विरुद्ध आपके प्रत्याक्रमण में सम्मिलित होना होता, तो उसके लिए यह काफी अच्छा कारण होता।"

ब्राउनली ने कुछ और गिलहरियों को खिलाया। उसने अपेक्षाकृत छोटी और भीरु गिलहरियों को, जिन्हें दृढ़ और साहसी गिलहरियों ने पीछे हट जाने के लिए विवश कर दिया था, अधिक खाना दिया। "फिर भी?" उसने अन्ततोगत्वा पूछा—"तुम्हें कौन-सी चीज रोक रही है, पाल?"

"स्पष्ट बात यह है कि मैं जानना चाहता हूँ कि मैं क्या करने जा रहा हूँ।"

ब्राउनली ने अकस्मात उसकी ओर, कुशल दृष्टि से देखा। "यदि तुम्हारा आशय यह है कि हम शौकिया जासूस हैं, तो मैं बताये देता हूँ कि हम शौकिया जासूस नहीं हैं। हम केवल एक ऐसा काम कर रहे हैं, जिसे करने की आवश्यकता है, वह एक ऐसा काम है. जिसे इस देश में कोई भी अभिकरण नहीं कर

सकता। हम केवल स्वयंसेवकों के एक दल के समान है—ऐसे स्त्री-पुरुष जो समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं, पुस्तकों, रेडियो, चलचित्रों द्वारा जीविकोपार्जन करते हैं। हम केवल विचारों से लड़ने का कार्य कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में यह प्रति-प्रचार है।"

पाल ने कहा—"मैं ऐसे किसी भी संगठन में सम्मिलित होना नहीं चाहता, जिसके परिणामस्वरूप विचारों पर नियंत्रण स्थापित हो सकता हो। अनन्तः ओरपेन और हमारे मध्य कोई अन्तर नहीं रह जायेगा।"

"मैं सहमत हो जाता। किन्तु हम लोग अनेक व्यक्ति स्वयंसेवकों के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं। हम लोग देश के विभिन्न भागों से आये हुए हैं। राजनीतिक दृष्टि से हम लोग एक सम्मिश्रण हैं—डेमोक्रैट, रिपब्लिकन, उदारवादी और नार्मन टामस के अनुयायी समाजवादी। जहां तक धर्म का सम्बन्ध है, तुम्हें तुम्हारे और मेरे जैसे कैथोलिक और यहूदी, और मोरमोन, क्रिश्चियन साइण्टिस्ट और प्रोटेस्टेण्ट मिलेंगे। हमारे बीच कुछ ऐसे व्यक्ति भी हैं, जिनकी मान्यता है कि इस भौतिक एवं दृश्य जगत् से परे कुछ भी नहीं है। इतने विभिन्न प्रकार के लोगों के होते हुए विचार-नियंत्रण करना काफी कठिन कार्य होगा। हमारे बीच एकमात्र सामान्य बात हमारे देश के प्रति वास्तविक वफादारी है। हम उसे बहुत अधिक पसन्द करते हैं।" राजर ब्राउनली ने अपने पैरों के नीचे की भूरी चट्टान की ओर घूरकर देखा। "ऐसा प्रतीत होता है कि हममें से बहुत से व्यक्ति विगत कुछ वर्षों से ओरपेन और उसके मित्रों के सम्बन्ध में चिन्ता करते आ रहे हैं। हमें केवल एक छोटे-से संगठन की आवश्यकता है सन्देहों से चिन्तित किसी व्यक्ति के लिए बिल्कुल अकेले बहुत अधिक काम कर सकना कोई सरल बात नहीं है।"

पाल ने सिर हिलाया। उसने उदास मन से कहा—"वीडलर आपसे सहमत होगा। कल जब मैं उससे मिलने के लिए गया, तब उसने मुझे बताया कि वह महसूस करता है कि वह परछाइयों से लड़ रहा है। प्रसंगवश, उसी ने सर्वप्रथम मुझसे ओरपेन के नाम का जिक्र किया था। ब्लैकबर्थ प्रत्यक्षतः ओरपेन के बहुमूल्य शिष्यों में से एक है। वह धीरे-धीरे कम्यूनिस्ट-विरोधी लेखकों को निष्कासित कर रहा था तथा उनके स्थान पर ओरपेन-जैसे व्यक्तियों के लेखों को प्रकाशित कर रहा था। क्या आपको इस सम्बंध में कुछ मालूम है?"

"हमने अनुमान लगाया था।"

"वीडलर एक मूर्ख की तरह इन सब बातों को छिपा रहा है।"

ब्राउनली ने धीरे से कहा—"इतना अधिक मूर्ख तो नही है।"

"किन्तु उसकी चुप्पी उनके हाथ का खिलौना बनने के समान है।"

"मामले के सम्बंध मे स्पष्ट वक्तव्य देना भी उनके हाथ का खिलौना बनने के समान ही होगा। ब्लैकवर्थ अन्त तक मुकदमा लड़ेगा। और वह उसमे विजयी भी हो जायेगा....बशर्ते कम्यूनिस्ट पार्टी की सदस्यता के उसके कार्ड का पता न लग जाये, और उसका पता नही ही लगेगा। और जब तक संघीय खुफिया विभाग ब्लैकवर्थ को किसी प्रकार कानून तोड़ते हुए नही पकड़ेगा, तब तक वह उसके विरुद्ध कुछ भी नहीं कर सकता।"

पाल चुप रहा।

ब्राउनली ने कहना जारी रखा —"तुम को पता है, ब्लैकवर्थ जैसे व्यक्ति कायर होते हैं। वे किसी वास्तविक खतरे में नहीं फँसते, उन्हें गिरफ्तार करके उनके विरुद्ध मुकदमा नही चलाया जा सकता। वे एक बढ़िया, आरामदेह नौकरी करते है, पूंजीवादी से धन लेते है और जब कोई पूँजीपति उनकी बातें सुनने के लिए आस-पास नही रहता, तब पूँजीवाद के विरुद्ध अत्यन्त वीरता के साथ बात करते है। हम उनके सम्बन्ध में अधिक से अधिक यही कर सकते है कि उनके प्रच्छन्न प्रचार का भण्डाफोड़ करे। दूसरे शब्दो में इसी तरह हम उनके दाँत उखाड़ते है। जब कभी वे मात्र साधारण अमरीकी उदारवादी बनने का बहाना करते हुए कोई लेख—अथवा कोई भाषण, अथवा कोई समीक्षा—लिखे अथवा प्रकाशित करें, तब हमें उसी विषय पर लेख लिख कर समस्त तथ्यों को प्रकाश मे लाना चाहिए। हमे यही कार्य करना है; गलत व्यक्तियों और मिथ्या बातों को वास्तविक रूप मे प्रस्तुत करना है।"

"हम लोगों को एक दूसरा काम भी करना है।" पाल ने कहा।

"हम लोगों को?" ब्राउनली के दुबले चिन्ता-ग्रस्त चेहरे पर वास्तविक प्रसन्नता की द्योतक मुस्कान आ गयी।

"हाँ, तो दूसरा काम क्या है।"

"हमें ऐसे व्यक्तियों का पता लगाना है, जो ब्लैकवर्थ के समान, दूसरे व्यक्तियों की अर्जन-शक्ति को नष्ट करने की स्थिति में हैं। स्पष्ट है कि उसके पास ऐसे गैर-कम्यूनिस्ट लेखकों की एक सूची थी, जिन्हें वह दबाना और नष्ट करना चाहता था। ब्लैकवर्थ जैसे व्यक्तियों के सामने उनकी स्थिति यथावत् रहने की सम्भावना बिल्कुल नहीं रह जाती।"

"हाँ, यह एक समस्या है। वहाँ हमें वीडलर जैसे व्यक्तियों की सहायता

की आवश्यकता है, जिसने इस बात को लक्ष्य कर लिया कि उसकी पत्रिका में क्या हो रहा है। अब से वीडलर सतर्क रहा करेगा।"

"किंतु ब्लैकवर्थ बहुत आसानी के साथ बचा जा रहा है—इस समस्त गोपनीयता के कारण उसे कोई दूसरा काम मिल जायेगा, जबकि जिन लेखकों को उसने काली सूची में दर्ज कर दिया है, उन्हें सम्भवतः जीवन-यापन के लिए धन कमाने में भी कठिनाई का अनुभव करना पड़ा होगा। और यदि किसी लेखक की रचनाएं अस्वीकृत होती रहें, तो उसके विश्वास का क्या हाल होगा? उसके विश्वास को छीन लीजिये और उसका जीवन समाप्त ही समझिये। मेरा ख्याल है कि ब्लैकवर्थ जैसे व्यक्ति इसी बात की आशा करते हैं।" पाल हैन की भौंहें क्रोध के मारे टेढ़ी हो गयीं। "आप मुझसे क्या कराना चाहते हैं?"

"सोमवार को मैं तुम्हारे पास घर पर करने के लिए पहला काम भेज दूँगा।"

"वह क्या है?"

"तुम्हें कुछ पत्रिकाएं और नियतकालिक पत्रिकाएं दी जायेंगी। उन्हें पूरी तौर से पढ़ जाओ। जब किसी बात का उत्तर देने की आवश्यकता प्रतीत हो, तब मुझे तुरन्त सूचित कर दो। हमें तत्काल उत्तर प्रकाशित करना होगा, यदि सम्भव हो, तो उसी पत्रिका अथवा नियतकालिक पत्रिका में।"

"और यदि आपके लिए इसे सम्भव न होने दिया गया तो?"

ब्राउनली मुस्कराया। "ऐसा बहुत कम होता है। अधिकांश अमरीकी वीडलर के समान है: वे छद्मवेशी कम्यूनिस्टों की चाल में फँसना नहीं चाहते। किन्तु जब हम ऐसे व्यक्तियों को देखते हैं, जो इससे आनन्दित होते हुए प्रतीत होते हैं, तब हम उनका पता पा जाते हैं—दिलचस्प बात हैं।" वह उठा और उसने अंगड़ाई ली। उसने मटर की आखिरी छीमियों को जमीन पर बिखेर दिया और गिलहरियों को साहसपूर्वक उन पर टूटते हुए देखने लगा। "वास्तव में हमें कोई वेतन नहीं मिलता।" उसने हैन से कहा। उसने साहसी गिलहरियों की ओर, जो अब उसके पैरों के करीब दाने खा रही थीं, देखते हुए कहा—"हमें इस कार्य के लिए मटर की छीमियों से भी कम पारिश्रमिक मिलता है। यही कारण है कि हम सभी दूसरे काम करते हैं। अतः वीडलर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लो। और तुम गैर-कम्यूनिस्ट लेखकों के लेख पुनः प्रकाशित कर, उन्हें पारिश्रमिक देकर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करना प्रारम्भ कर सकते हो। और हाँ, यह सम्भव है कि तुम भावी वृत्त लेख-सम्पादक के

रूप में ओरपेन को एक रोचक व्यक्ति प्रतीत हो। क्या तुमने किसी ऐसे अन्य व्यक्ति के भी संबंध में सुना है, जिसके साथ 'ट्रेण्ड' में ओरपेन का सम्पर्क हो ?"

"वहाँ मर्रे नामक एक व्यक्ति है।" पाल के शांत स्वर में अरुचि थी तथा उसकी आँखों में स्पष्ट घृणा के भाव परिलक्षित हो रहे थे। "मैं स्वदेश लौटने पर पहली ही रात को एक पार्टी में उससे मिला था।"

"ओह, क्या तुमने उससे वाद-विवाद किया था ?" ब्राउनली ने कोमलता-पूर्वक गिलहरी को जमीन पर फेंक दिया।

"नहीं। मैं उस समय तक न्यूयार्क में वापस आने के संबंध में अत्यधिक विस्मित था।"

"भाग्यशाली हो ! मर्रे के साथ वाद-विवाद मत करना।"

"देखिये।" पाल ने बचाव करते हुए कहा—"क्या यह घर पर करने के काम का एक अंग है ? क्योंकि मुझे इसमें आनंद नहीं आयेगा।"

"नहीं। यह तो एक पार्श्व कार्य है।" अकस्मात् ब्राउनली के स्वर में कटुता आ गयी। "मैं श्री निकोलस ओरपेन के संबंध में उत्सुक हूँ। मेरा विचार है कि वह एक कुशल प्रचारक से बहुत अधिक है। वह आराम के साथ रहता है, वह बहुत अधिक यात्राएं करता है। उसका खर्च कौन देता है ? वह ऊंची कीमत वाली पत्रिकाओं में अधिक नही लिखता, उसकी कोई निजी आमदनी नहीं है। अतः उसे धन कहाँ से प्राप्त होता है ? और क्यों ?"

उन्होंने निकटतम मार्ग की ओर चलना प्रारम्भ कर दिया। पाल कल रात को मिल्टन लीटनर द्वारा बतायी गयी कहानी के संबंध में सोच रहा था। "हाँ !" उसने कहा—"मेरा ख्याल है कि मर्रे अंततोगत्वा मुझे ओरपेन तक ले जा सकता है। एक मात्र कठिनाई यह है कि मैं मर्रे को पसंद नहीं करता और वह मुझे पसंद नहीं करता।"

"यदि उससे कहा गया कि वह तुम्हें मित्र बनाये, तो ऐसा वह अवश्य करेगा।" ब्राउनली ने कहा—"यह तुम्हें केवल इस बात के लिए राजी करने के लिए हो सकता है कि कतिपय लेखकों के लेख प्रकाशित किये जाने चाहिए। मर्रे के लिए तुम केवल ऐसे एक दूसरे मूर्ख के समान होगे, जिसके मन को पार्टियों द्वारा, जहाँ लोग स्पष्टतः तुम्हारे मस्तिष्क की शक्ति द्वारा प्रभावित होते है, मोड़ा जा सकता है। जब वे यह दावा करें कि तुम उदारवादी सहानुभूतियाँ रखने वाले एक वास्तविक बुद्धिवादी हो, तब संकोच मत करो। इससे उनका आशय चापलूसी से होता है। और कुछ मामलों में ऐसी चापलूसी काम कर जाती है।"

ब्राउनली मार्ग पर रोलर-स्केटिंग करने वाले दो बालकों से बच कर अलग हट गया। वह उन्हें जाते हुए देखता रहा। उनके हाथ लय के साथ झूल रहे थे और उनके पैर सूर्य के प्रकाश में चमक रहे थे। छोटी-छोटी लड़कियों का एक समूह "भागो भेड, भागो" नामक खेल-खेल रहा था। एक व्यक्ति अपने छोटे बच्चे को बता रहा था कि किसी प्रकार कबूतरों को दाना खिलाया जाता है। तीन नवयुवती माताएं बच्चा गाड़ियाँ खींच रही थीं तथा चलते चलते बातें कर रही थी। दो वृद्ध व्यक्ति एक बेंच पर अपने बीच शतरंज की पटिया बिछा कर बैठे हुए थे और अपनी अगली चालों के सम्बन्ध में धीरे-धीरे तर्क-वितर्क कर रहे थे, जबकि उनके चारो ओर खड़ा छोटा-सा जन-समूह चुपचाप उनका खेल देख रहा था। ब्राउनली ने इन सब चीजों की ओर देखा और उसका चेहरा कठोर हो गया। "मुझे गलत मत समझो।" उसने अप्रत्याशित रूप से पुनः कहा—"यदि अमरीका में अन्य किसी गुट ने अपने निजी उद्देश्यों के लिए उन कम्यूनिस्ट चालों का उपयोग करना प्रारम्भ किया—यदि भूतपूर्व नाजी और छिपे हुए फासिस्ट प्रचार और गुप्त प्रवेश प्रारम्भ करते हैं, तो हम उनके पीछे भी लग जायँगे। यदि कोई व्यक्ति अपने आदर्शों का प्रसार करना चाहता है, तो उसे खुले आम ऐसा करना चाहिए, उसे बहानों का आश्रय नहीं ग्रहण करना चाहिए।"

बोलते समय ब्राउनली के चेहरे की कठोरता को लक्ष्य करते हुए पाल हैन ने कहा—"मै देखता हूँ कि तुमने तो लड़ने की घोषणा कर दी है।"

"नही। हमारे विरुद्ध युद्ध की घोषणा की गयी है। मैं तो केवल उसी चुनौती को स्वीकार कर रहा हूँ। और तुम भी वही कर रहे हो। और हममें से अधिकांश व्यक्ति वही कर रहे है।" फिर वह मुस्करा पड़ा।

उन्होंने ६७ वी सड़क पर स्थित पार्क के प्रवेश-द्वार पर एक दूसरे को नमस्कार किया और विदा ली। ब्राउनली ने हैप्सबर्ग के चित्र-संग्रह को, उसके न्यूयार्क से प्रस्थान करने से पूर्व ही, देखने के लिए मेट्रोपोलिटन म्युजियम की दिशा में पांचवी एवेन्यू पर चलना जारी रखा। पाल हैन एवेन्यू पार्क वाले भाग की ओर फैली हुई वृक्षों की अनवरत पंक्ति के साथ-साथ चलता हुआ दक्षिण की ओर मुड़ा। वह चुस्ती के साथ चल रहा था, मानो उसके कंधों पर से उसकी अनेक चिन्ताओं का बोझ उतर गया हो। उसने निर्णय कर लिया था और उसने महसूस किया कि वे अच्छी तरह से हुए हैं। उसने बर्लिन के दक्षिण-पश्चिम में जो छुट्टी मनाने की योजना बनायी थी, उसे स्थगित

करना पड़ेगा। वह 'ट्रेण्ड' में यथासम्भव शीघ्रातिशीघ्र कार्य प्रारम्भ कर देगा और मेज की शक्ल की पहाड़ियों की सराहना करने के बजाय वह न्यूयार्क के परिवर्तनशील आकाश पर आश्चर्य प्रकट किया करेगा।

उसने पांचवीं एवेन्यू के पूरब की ओर बनी नयी बिल्डिगों की ओर देखा, कुछ को ओर देख कर उसे आनन्द प्राप्त हुआ और कुछ की ओर उसने आलोचनात्मक दृष्टि से देखा। वास्तु-कला से ऐसा प्रतीत हुआ कि उसके विचार स्वभावतः रोना की ओर मुड़ गये। किन्तु आजकल उसे रोना के सम्बन्ध में सोचने में अधिक समय नहीं लगता था। उसने सोचा कि मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ, जिसे इस बात का पता नही था कि वह किस वस्तु को दूर फेंक रहा था और जब पता लगा, तब बहुत अधिक विलंब हो चुका था। 'ट्रेण्ड' मे वापस जाने पर उसे उससे बच कर रहना होगा। ऐसा किया जा सकता है; क्योंकि अब कर्मचारियों की संख्या बढ़ गयी है, कार्यालय का विस्तार अब अधिक हो गया है। वह उससे बचकर रहेगा। वह उसे कभी देख नहीं पायेगी और, कम से कम, उसे इस बात की याद निरंतर नहीं आती रहेगी कि क्या हुआ है। और इस निर्णय के साथ उसने 'ट्रेण्ड' में काम करने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम हिचकिचाहट को भी दबा दिया।

अब वह सेंट्रल पार्क की एक दम दक्षिणी सीमाओं के निकट पहुँच रहा था। उसके सामने पांचवी एवेन्यू का 'केनियान' था। अपराह्नकालीन सूर्य उसकी बिल्डिगों के विभिन्न रंगों को प्रतिबिंबित कर रहा था, आकाश—जो सवेरे ही बादलों के समुद्र की ओर चले जाने से ऊँचा और नीला दिखायी देता था —उनके विभिन्न आकारो को स्पष्ट कर रहा था। खिड़कियों की पंक्तियाँ प्रकाशमान हो रही थी; झण्डे पार्श्व-मार्गों पर भरे हुए जनसमूहों के सिरों के ऊपर शनैः शनैः लहरा रहे थे; बसों और टैक्सियों की सरिता धीरे स्थिर गति से प्रवाहित हो रही थी। उद्यान मे, जहाँ कास्य अश्व पर विजय की देवी के साथ, जो नारी के समान थी, बैठे हुए जनरल शर्मन की प्रतिमा स्थित है और जो उसे दृढ़तापूर्वक बर्गडोर्फ गुडमैन की जवाहरात की दूकान की दिशा में ले जा रहा था, पहुँचने पर वह हिचकिचाया। तत्पश्चात् जनरल शर्मन की दिशा का अनुसरण करते हुए पार्क सड़क पार कर प्लाजा की ओर चलने लगा फौव्वारा चालू नही था और उसके शिखर पर स्थित कोमलांगी नग्न मूर्ति सम्प्रति 'सूखे से आश्चर्यचकित देवी' का रूप धारण किये हुए थी, किंतु चमकते हुए फूल, इधर-उधर विचरते हुए कबूतर और सुन्दर चमकदार वस्त्र धारण

किए हुए बालक प्रत्येक व्यक्ति को बता रहे थे कि यह छुट्टी का दिन है : यह शनिवार का अपराह्नकाल है, प्रायः तीन बज रहे हैं।

शनिवार का अपराह्नकाल और मैं क्या कर रहा हूँ ? पाल हैन सोचने लगा। गेंद का कोई खेल देखने के लिए कहीं जाने के लिए अत्यधिक विलम्ब हो चुका था। उसके मित्रों के पास जाने के लिए अत्यधिक विलम्ब हो चुका है। उनमें से अधिकांश देहात में वसंत ऋतु ढूँढने का प्रयास कर रहे होंगे अथवा गुलाब के पौधे लगा रहे होंगे, पोर्च चित्रित कर रहे होंगे और अपना प्रथम सूर्य-स्नान कर रहे होंगे अथवा अपने 'गोल्फ हैण्डिकैप' में कमी करने का प्रयास कर रहे होंगे।

अट्ठानवीं सड़क के पार उसने एक नया सिनेमा-घर देखा। उसमें जीन गेबिन की एक फिल्म प्रदर्शित हो रही थी। वह घोड़ों और पुरानी गाड़ियों के शांत समूह की बगल से होकर, जो सेण्ट्रल पार्क में सवारी के लिए अपनी प्रेमिकाओं को लेकर आने वाले नवयुवकों की प्रतीक्षा कर रहे थे, हाथ मे हाथ डालकर धीरे-धीरे टहलने वाले युगलों की बगल से होकर उसकी ओर चलने लगा। अच्छा, प्लाजा की ओर देखते हुए तथा फिर प्रवेश-शुल्क जानने की कोशिश करते हुए पाल हैन ने सोचा कि वह सदा ही शनिवार का अपराह्नकाल इस बात का पता लगाने में व्यतीत कर सकता है कि फ्रांसीसी भाषा को वह कितना भूल गया है।

भाग–२

प्रतिवाद

अध्याय— ६

अप्रैल समाप्त हो रहा था, रविवार का दिन और सर्दी तथा वर्षा के कारण गिर्जाघर जाने वालों के कपड़े भारी कोटों और छातों से ढके हुए थे। स्काट एट्टली ११ बजे रोना के निवास-स्थान पर आया। "निवास-स्थानों की तलाश करने के लिए एक बहुत बुरा दिन !" उसने अपने बरसाती कोट को हाल में टाँगते हुए उदास मन से कहा।

"सम्भवतः यह साफ हो जायेगा।" रोना मौसम के खराब होने के बावजूद प्रसन्न-चित्त दिखायी दे रही थी। उसने साफ-सुथरे और स्वागतकारी बैठक-खाने की ओर इंगित किया। एक खिड़की की बगल में नाश्ते के लिए एक छोटी-सी मेज रखी हुई थी, जो एक रंगीन चारखाने के कपड़े से ढ़की हुई थी। स्काट ने ईस्टर के लिए रोना के पास जो लता भेजी थी, उसे अब खिड़की के गमले में लगा दिया गया था और वह अभी पूर्ण विकास पर थी। "देखो, मैंने प्रत्येक वस्तु तैयार कर रखी है। मैंने अभी-अभी टोस्ट और काफी तैयार की है। एक बार थोड़ा-सा कुछ खा लेने पर तुम महसूस करने लगोगे कि तुम्हारी तबीयत बहुत अधिक सुधर गयी है।"

"तुमने यह अनुमान कैसे लगा लिया कि मैंने नाश्ता नहीं किया है ?" उसने पूछा और उसके साथ-साथ छोटे-से रसोई घर में जाते हुए मुस्कराना प्रारम्भ कर दिया।

"क्योंकि तुम अपनी समुचित देख-भाल कभी नहीं करते।"

उसने रोना को अपनी भुजाओं में आबद्ध करके उसे चूम लिया। "प्रिये, तुम्हें देख कर बहुत प्रसन्नता होती है। उस समय वर्षा से भीगा हुआ रविवारीय प्रातः काल भी भिन्न प्रतीत होने लगता है।"

"यह एक विचित्र बात है...." रोना ने कहना प्रारम्भ किया और तब

उसने अपना ध्यान अण्डों को उबालने पर केन्द्रित कर दिया। "तोड करके ?" उसने पूछा।

"बिलकुल ठीक। किन्तु, विचित्र बात क्या है ?"

"जब हम साथ रहते है, तब जिस प्रकार प्रत्येक वस्तु ठीक हो जाती है ठीक उसी प्रकार मैं चाहती हूँ कि लोग और चीजें हमें अकेला ही छोड दें। हम अकेले रहने पर बहुत आराम से रहते है, नही रहते है क्या ?"

उसने सिर हिलाया। तत्पश्चात् आधा मुस्कराते हुए पूछा—"कौन-से लोग और चीजें रोना ?"

"ओह—केवल जीवन !" उसने अण्डों को तोडा, उसमें पानी की एक या दो बूंदे, नमक और काली मिर्च डाली। उसने कड़ाही मे मक्खन की डली को फेन छोड़ते हुए देखा और उसमें अण्डों को उड़ेल दिया। "बस काम और ड्यूटी और काम और लोग। सम्भवतः हमें अलास्का में या किसी स्थान पर जाकर रहना चाहिए।" वह अकस्मात् आयी और स्काट के कपोलों को चूम लिया। "चित्त को प्रसन्न करो, प्रिय।"

"मुझे खेद है कि मैं कल रात को तुमसे नही मिल सका।" उसने कहा—"गत सप्ताह बहुत अधिक व्यस्त रहा।" उसने सोचा कि यदि केवल हम लोगों को अकेला छोड दिया जाता ! रोना का कहना ठीक है। यहाँ बहुत अधिक ड्यूटी है, इस जीवन में बहुत अधिक व्यक्ति है।

"ओह, स्काट ! मैं शिकायत नही कर रही हूँ, कृपा करके यह मत सोचो कि....." उसने और अधिक नहीं कहा, किन्तु उसकी आँखों में मुस्कराहट नही रह गयी थी। उसने अण्डों को हिलाया और अत्यधिक व्यस्त होने का बहाना किया।

"तुम शिकायत नही करती।" उसने जल्दी से कहा—"हम लोग एक दूसरे को जिस तरह निराश करते है, बस तुम उसे पसन्द नहीं कर सकती। जिस तरह से तुम्हें इसमें आनन्द नहीं आता है, उसी तरह से मुझे भी नहीं आता।"

"मैं जानती हूँ कि तुम्हें आनन्द नही आता।"

"कल रात को तुमने क्या किया ?"

"ओह, बड़ी ही नीरस रही। मैंने कुछ कपड़े साफ किये। और, थोड़ा वास्तु-कला की उस परीक्षा के लिए पढ़ा।" उसने अपने स्वर को प्रसन्नतापूर्ण बनाये रखा, यद्यपि शनिवार की संध्या व्यतीत करने के सम्बन्ध में उसकी कल्पना ठीक ठीक ऐसी ही नहीं थी।

"पूर्ण रूप से योग्य बनने के सम्बन्ध में क्या तुम अब भी गम्भीरतापूर्वक सोचती हो ?" स्काट ने पूछा ।

उसने अण्डों को सफाई के साथ तश्तरी में रखा । उसने कहा—"क्यों, योग्य क्यों न बना जाये ? तुम जानते हो कि मै आधे से अधिक पाठ्य-क्रम समाप्त कर चुकी हूँ । अथवा क्या तुम परिवार में किसी वास्तु-कलाविद को नही चाहते ?"

"उपयोगी सिद्ध हो सकता है ।" उसने हँसी के साथ कहा और तश्तरियों को बैठकखाने में ले गया । रोना ने अपना 'एप्रन' उतार दिया और काफी तथा टोस्ट लेकर आयी ।

उसने कहा—"किसी दिन मै अपने निजी मकान की डिजाइन तैयार कर सकती हूँ और तब हमें निवास-स्थानों की तलाश में भटकने की आवश्यकता नही रह जायेगी । मैं तुम्हारे लिए मकान का एक ऐसा खाका तैयार करूँगी, जिससे तुम्हारी आँखें वास्तव में आश्चर्य से खुली की खुली रह जायेंगी ।"

वे दोनों खाने के लिए बैठ गये ।

स्काट ने कहा—"इस बीच तुमने कौन-सा निवास-स्थान कितने अधिक मूल्य पर तलाश किया है ?"

"हमें तब तक प्रतीक्षा करनो चाहिए, जब तक हम एक सिगरेट न पूरा कर लें और अपनी काफी का अन्तिम प्याला न समाप्त कर लें, क्या हम ऐसा करेंगे ?" रोना ने अपने स्वर को प्रसन्नतापूर्ण बनाये रखा और कल पाँचवी सड़क पर की गयी भाग-दौड़ के सम्बन्ध में बात करना प्रारम्भ कर दिया । किन्तु वह सोच रही थी कि उसकी सूची में जो थोड़े से निवासस्थान दर्ज थे, वे बहुत अधिक आशाजनक नही प्रतीत होते थे । सम्भवत: उन्हें उपनगरों में अथवा नगर के बाहर भवन-निर्माण-विकास-योजना के अन्तर्गत निर्मित किये गये मकानों में से किसी एक मकान में रहना चाहिए । किन्तु स्काट पहले ही इस बात का संकेत दे चुका है कि यदि वे मैनहट्टन से तनिक भी अधिक दूर रहे, तो उसे घर से बाहर अधिक रहना पड़ेगा । अपने काम और उन सारी चीजों के कारण उसे सप्ताह में अनेक रातें भी नगर में ही व्यतीत करनी पड़ सकती है । उसने कहा था कि यह कोई सुखद सम्भावना नहीं है । और वह इस बात से सहमत हो गयी थी ।

"ट्रेण्ड' कैसे चल रहा है ?" उसने अचानक पूछा ।

"अभी तक चल रहा है । सबसे बड़ी चर्चा का विषय यह है कि कुमारी

गट्टमैन की मंगनी हो गयी है। वह सेण्ट लुई में रहने जा रही हैं।"

"मैने सुना है कि हैन वापस आ गया है।" उसका स्वर अत्यन्त उत्साह-हीन था।

"हाँ, वह लगभग दो सप्ताह या इससे कुछ अधिक समय पहले ही आ गया।" रोना ने भी उतने ही अधिक उत्साहहीन स्वर में कहा।

"क्या वह तुम्हें परेशान कर रहा है?"

रोना ने विस्मित दृष्टि से उसकी ओर देखा। "ओह, प्रिय!" उसने हँसना प्रारम्भ करते हुए कहा—"एक बार एलिवेटर में मिलने के अतिरिक्त मैंने उसे बिल्कुल ही नहीं देखा है। तुम जानते हो, उसका आफिस मेरे आफिस से भिन्न एक गलियारे में स्थित है।"

स्काट अभी तक चिन्तित दिखायी दे रहा था।

रोना ने कहा—"तुमसे सच बात कहूँ, मेरा ख्याल है कि वह मुझ से बच रहा है। क्या इससे तुम्हें प्रसन्नता नहीं होती?"

"स्पष्ट बात तो यह है कि बहुत अधिक नहीं। वह वापस आया ही क्यों?"

"स्काट, वह जर्मनी में अपने हिस्से से अधिक काम कर चुका है। तुम उससे यह आशा नही कर सकते कि वह सदा सेना में ही बना रहे। क्या तुम ऐसी आशा कर सकते हो?"

"उसके लिए सेना ही उपयुक्त स्थान है।" स्काट ने क्रोधपूर्वक कहा—"किंतु उसने पुनः 'ट्रेण्ड' में ही क्यों काम प्रारम्भ किया?"

"केवल इस कारण कि मैं और पाँच महीने वहाँ रहने जा रही हूँ, वह अपने पुराने काम को क्यों ठुकरा देता? यह तो कोई बुद्धिमत्तापूर्ण बात नहीं होती।"

"मैं उससे घृणा करता हूँ, बस इतनी ही बात है।" स्काट ने उदास मन से कहा—"मैं उस पर तनिक भी विश्वास नहीं करता।"

"मुझे प्रसन्नता हुई!" रोना ने हँसते हुए कहा—"किंतु तुम्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, प्रिय। वह अब पहले के समान भेड़िया नहीं रह गया है। वह एक अत्यन्त कार्यकुशल सहायक सम्पादक बन गया है।"

"ब्लैकवर्थ से अधिक अच्छा?"

"निश्चित रूप से अधिक अच्छा।" रोना ने इस तथ्य का उल्लेख न करना बुद्धिमत्तापूर्ण समझा कि जितने लेखक पाल हैन की वापसी में अधिक रुचि लेते हुए प्रतीत होते हैं, उनकी संख्या को देखते हुए वह सम्भवतः अधिक अच्छा है। "स्पष्टतः वह एक सहानुभूतिपूर्ण सम्पादक है।" उसने पुनः कहा—

'किंतु यह आफिस की चर्चा है।"

"वह बहुत तेजी के साथ तरक्की करता जा रहा है!" स्काट ने कटुतापूर्वक कहा।

"हाँ, वह काम को जानता है। और प्रकाशन व्यवसाय में सदा ही उसके अनेक मित्र रहे हैं। तुम जानते हो, वह जो काम कर रहा है, उसमें वह वास्तव में आनंद का अनुभव करता है। मेरा ख्याल है कि इसी कारण वह इतना अधिक कार्य-कुशल है।"

स्काट ने बिल्कुल कुछ नहीं कहा। उसके ओठ बन्द हो गये।

अकस्मात् यह महसूस करते हुए कि उसने चतुराई के साथ बात-चीत नहीं की है—यद्यपि भगवान ही जानता है कि वह समाचारपत्र-विषयक काय के प्रति स्काट की उत्साहहीनता के सम्बन्ध में नहीं सोच रही थी—रोना ने जल्दी से कहा—"प्रायः यह काफी का अन्तिम प्याला है। अब बताओ कि इस सप्ताह तुम्हें निवास स्थानों के सम्बंध में क्या पता चला? कोई चीज सम्भव है क्या?" आजकल जब वह स्काट को दुखी कर देने के कारण अपने को क्षमा-याचना करती हुई पाती है, तब उसे जिस परेशानी का अनुभव होता है, उसे उसने दूर करने की कोशिश की। उसने सोचा कि भावुक होना बिल्कुल ठीक है और मुझमें भी काफी भावुकता है, किंतु यदि हमें निरन्तर गलत बात कहने से बचने का प्रयास करना पड़ा, तो जिन्दगी दुश्वार हो जायेगी। अब तक स्काट को मालूम हो गया है कि मैं उसे दुखी करने की कोशिश कभी नहीं करूँगी। वह इतनी बात से ही सन्तोष क्यों नहीं कर लेता? उसने मेजपोश की ओर देखा और आशा करने लगी कि उसने उसकी आँखों में आये हुए आकस्मिक आँसुओं की चमक को नहीं देखा है।

स्काट ने निवास-स्थानों के सम्बन्ध में बात करना प्रारम्भ कर दिया। वह भी रोना के समान ही अवसादित हो गया था।

"अच्छा," उसने उठते हुए तथा तश्तरियों को साफ करना प्रारम्भ करते हुए अन्त में कहा—"हमें इस सम्बन्ध में चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। आखिर, निवास-स्थानों की तलाश करना एक प्रकार का साहसिक कार्य है। हम बुरे और गन्दे स्थानों पर हँस सकते हैं, किन्तु जब हम कोई ऐसी चीज देखें, जिसे हम पसन्द करते हैं, किन्तु जो हमारे लिए अत्यधिक व्ययसाध्य हो, तब हम किसी दिन उसी के समान कोई स्थान पाने की योजना बना सकते हैं। क्या हम ऐसा नहीं कर सकते?"

"हमें अभी कोई बढ़िया स्थान कम भाड़े पर क्यों नहीं मिल सकता ?"

उसने कमरे के चारों ओर देखा। "मेरा विचार है कि हम किसी भी निवास-स्थान को ऐसा बना सकते है कि वह काफ़ी बढ़िया दिखायी देने लगे। इसके लिए केवल थोड़े-से विचार और कार्य की आवश्यकता होती है।"

"और धन !" उ.ने भरी हुई तश्तरी को रसोई-घर में ले जाते हुए उसे कहा।

"जितना तुम सोचते हो, उससे कम धन, स्काट ! क्या तुम्हें याद नहीं है कि मैंने पहले जब अपना यह निवास-स्थान लिया था, तब यह कैसा था ? तथ्य यह है कि तुम्हारे पास जितने ही अधिक विचार होंगे, तुम्हें उतना ही कम व्यय करने की आवश्यता होगी।"

"बहुत अच्छा !" उसने मुस्कराना प्रारम्भ करते हुए कहा—"मैं इसके लिए तुमसे पूछ लूँगा। यहाँ तुमने निश्चित रूप से काफी अच्छा काम किया।" उसने उसकी कमर पकड़ ली और उसकी गर्दन चूम ली। "हैं !" उसने उसका सिर देखने के लिए उसे पकड़े हुए कहा—"तुमने बाल कटवाये हैं ?"

"केवल थोड़ा-सा। तुम्हें पसन्द है ?"

"हाँ।" उसने स्वीकार किया—"वे बिल्कुल ठीक दिखायी देते हैं। तुमने मुझसे क्यों नही बताया कि तुम बाल कटवाने जा रही हो ?"

"यह कोई महत्वपूर्ण रहस्य नहीं था, था क्या ?" उसने उसे फिर चूम लिया। तत्पश्चात् उसने अकस्मात् रसोई-घर की खिड़की की ओर संकेत किया। "देखो, अब वर्षा नहीं हो रही है। हम भाग्यशाली हैं ! मैं तैयार हो जाऊँगी और हम बाहर चलेंगे। हमारा पहला पड़ाव कहाँ है ?"

उसने एक सूची बाहर निकाली, जिस पर तीन पते लिखे हुए थे। उसने कहा—'मैं कार लेता आया हूँ, जिससे हम समय की बचत कर सकेंगे।"

"मेरे पास भी एक सूची है।" उसने शयन-कक्ष में जाते हुए पीछे मुड़ कर कहा। उसने सोचा कि मैं अपना सुन्दर नाविक हैट पहनूँगी। स्काट आ कर शयन-कक्ष के द्वार से सट कर खड़ा हो गया और जिस प्रकार वह अपने चेहरे पर आवरण धारण कर रही थी, उसकी सराहना करने लगा। वह प्रसन्नता-पूर्वक मुस्करायी, उसने अपने ताजे धुले हुए दस्ताने और अपने पाकेट में खोंसने के लिए एक सफेद रूमाल निकाला।

"तुम जानती हो कि तुम क्या हो ?" उसने पूछा। "तुम एक सुन्दर छोटी गुड़िया हो।"

उसकी मुस्कान गहरी हो गयी। उसने शीशे में देखा और अपना हाथ थमा दिया। "आओ, प्रिय!" उसने कहा। उसकी प्रसन्नता संक्रामक थी। वह व्यापक रूप से मुस्कराते हुए उसके पीछे-पीछे हाल में गया। वह टेलिफोन की मेज के ऊपर लगे हुए शीशे के पास रुकी और उसे अपनी बगल में खड़ा होने के खींच लिया। "देखा?" उसने पूछा।

"हां।" उसने उसके गालों को चूम लिया। "हम लोग एक साथ बहुत अच्छे दिखायी देते हैं।"

"यदि तुम मुझसे पूछो, तो बिल्कुल ठीक।" उसने जल्दी से उसे आलिंगन-बद्ध कर लिया। "अब आओ, हम लोग अत्यन्त गम्भीर, अत्यन्त शान्त, अत्यन्त मितव्ययी दिखायी देने का प्रयास करते हुए लगभग विवाहित दम्पति बनने का अभिनय करें। इससे कोई भी बूढ़ा सुपरिण्टेण्डेण्ट अथवा शिकायत करते रहने-वाला मकान-मालिक प्रभावित हो जायेगा, क्यों नहीं होगा? ओह, स्काट, आज हम लोग बहुत-से तमाशे करेंगे।"

उसने सिर हिलाया। वह सोच रहा था कि जब मैं रोना के साथ होता हूँ, केवल उसी समय मैं वास्तव में प्रसन्न रहता हूँ और मैं अन्य अनेक वस्तुओं को भूल जाता हूँ। किन्तु केवल रोना ही जीवन नहीं है। जीवन एक ऐसी वस्तु है, जिसके सम्बन्ध में वह स्वप्न नही देखता, अपितु जिसके साथ उसे निपटना पड़ता है। वह आगे-आगे सीढ़ियों से नीचे उतरा, उसकी भौंहें आक्रोश से तनी हुई थीं, उसके ओठ बन्द थे, उसके जबड़े की रेखाएँ अधिक स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रही थीं।

जब वे सड़क पर स्थित द्वार पर पहुँचे, तब रोना ने उसकी ओर देखा और आश्चर्य करने लगी कि अब कौन-सी बात बिगड़ गयी है। और उसके हृदय की समस्त उत्फुल्लता समाप्त हो गयी।

पांच बजे उन्होंने कार को लोअर लेक्सिंगटन एवेन्यू और ग्रैमर्सी पार्क के निकट एक सड़क पर खड़ा किया।

"तो ये ही वे मकान हैं!" स्काट ने पतों की सूची को देखते हुए और रविवारीय 'टाइम्स' में वर्गीकृत विज्ञापनों की ओर अन्तिम बार देखते हुए कहा। "पश्चिम की ओर, पूर्व की ओर, सभी ओर नगर ही नगर है।" और उसने उदास मन से सोचा कि हमने एक ऐसा सप्ताहान्त चुना, जब एलिवेटर-आपरेटर और द्वार-रक्षक हड़ताल पर हैं। सभी दस्ते बाहर चले गये हैं।

"पश्चिमी ८० वीं सड़क पर स्थित वह स्थान बहुत बुरा नहीं था।"

रोना ने कहा।

"वास्तव में, हम उसे ऐसा बना सकते हैं कि वह बहुत ही सुखद दिखायी देने लगेगा।"

"अभी तो यह बहुत भद्दा दिखायी देता है।" उसने 'टाइम्स' को कार की पिछली सीट पर फेंक दिया। "आज हमने जो एकमात्र अच्छा निवास-स्थान देखा है, वह अन्तिम निवास-स्थान है और उसका किराया सवा सौ डालर प्रतिमाह है।"

वह चुप रही।

"हम अस्सी डालर प्रतिमाह से अधिक नहीं दे सकते। अतः इस समस्या का समाधान करो।"

"हमें मैनहट्टन से बाहर किसी निवास-स्थान की तलाश करनी पड़ेगी, और कुछ नहीं।"

उसने कार चालू कर दी। और रोना इतना अधिक थक गयी थी कि वह स्काट के साथ अथवा स्वयं अपने साथ और अधिक तर्क-वितर्क करने की स्थिति में नहीं रह गयी थी। उसने सोचा कि स्काट जो कुछ चाहता है, उसके सम्बन्ध में केवल यदि वह इतना अधिक कृत-संकल्प नहीं होता.....

वे चुपचाप नगर के मध्य भाग से होकर कार चलाते रहे। तत्पश्चात् स्काट ने कार को पार्क एवेन्यू की ओर मोड़ दिया। वे आराम के साथ उसके चौड़े, साफ धरातल पर कार को चलाते रहे। अधिकांश निवास-स्थानों के सामने, सहमार्गों पर पैदल चलनेवाले धीरे-धीरे, शांतिपूर्वक परेड कर रहे थे। कुछ व्यक्ति इस भूरे रविवारीय अपराह्नकाल में भी दृढ़ निश्चय के साथ अपने स्वास्थ्य के लिए टहल रहे थे।

"यदि हम मेरी सारी तनख्वाह के बराबर किराया दे सकें, तो हमें यहाँ कोई स्थान मिल सकता है।" स्काट ने कटुतापूर्वक कहा।

उसने सोचा कि हम ऐसा नहीं कर सकते, फिर इसके सम्बन्ध में चिन्ता ही क्यों की जाये ? इसके अतिरिक्त, यहाँ जितने व्यक्ति रहते हैं, उनमें से बहुत कम व्यक्तियों ने विवाह के समय से ही यहाँ रहना प्रारम्भ किया है।

स्काट ने कहना जारी रखा—"यदि मैं बीस वर्ष तक काम करूँ, तो भी हम इस प्रकार का स्थान लेने की स्थिति में नहीं पहुँच पायेंगे।"

"कौन परवाह करता है, प्रिय ? मैं तो परवाह नहीं करती। क्या तुम करते हो ?"

उसने सोचा कि यदि किसी को परवाह है ही, तो उसे याद करना चाहिए कि दूसरे व्यक्तियों ने ऐसा कर दिखाया है; अथवा क्या स्काट यह सोचता है कि वह अपने शेष जीवन भर इतने ही वेतन पर यही काम करता रहेगा ? वह इस बात पर विश्वास नहीं कर सकी। स्काट क्या करने की कोशिश कर रहा है—क्या वह उसे और अधिक निरुत्साह करना चाहता है ? तत्पश्चात् वह अपने आप पर, स्काट पर, पार्क एवेन्यू पर क्रुद्ध हो गयी।

"अवश्य ही मैं परवाह नहीं करता।" उसने उत्तर दिया। सम्प्रति कोई वस्तु उसका मनोरंजन कर रही थी। वह थोड़ा-सा हँसा और उसने सिर हिला कर उन व्यक्तियों की ओर इंगित किया, जो रविवार को टहलने के लिए बाहर निकले हुए थे। "उनकी ओर देखो ! अत्यधिक कपड़े पहने हुए, अत्यधिक भोजन करनेवाले पार्क एवेन्यू—"

"स्काट ?" उसने भी अपने स्वर की तीव्रता को दूर करने के लिए हँसने की कोशिश की। क्या लोगों को थोड़े-से कपड़े पहने हुए और पूरा भोजन न पाते हुए देखकर स्काट को अधिक प्रसन्नता होगी ? जिस प्रकार हम लोग यहाँ नहीं रहते, उसी प्रकार सम्भवतः वे भी यहाँ नहीं रहते। "देखो !" उसने रविवार की छुट्टी मनाने के लिए सुन्दर वेश-भूषा धारण किये हुए एक परिवार को नीचे उतार देने के लिए एक कोने के निकट खड़ी होती हुई न्यू जर्सी की एक कार की ओर इशारा किया। "वह उन चीजों में से एक है, जिन्हें मैं न्यूयार्क के सम्बन्ध में पसन्द करती हूँ। जब तुम लोगों से सड़क पर मिलते हो, तब उनकी वेश-भूषा को देखकर तुम यह नहीं बता सकते कि उनमें से अधिकांश कहाँ रहते हैं अथवा वे कितना धन कमाते हैं। उदाहरणार्थ, न्यू जर्सी का वह परिवार...यदि हमने उनकी कार की लाइसेंस-प्लेट को नहीं देखा होता, तो हमने सोचा होता कि वे न्यूयार्क के ही निवासी हैं। और मैं नहीं बता सकती कि वह व्यक्ति किसी किराना-स्टोर का मालिक है, अथवा किसी होटल में काम करता है, अथवा किसी बैंक का संचालन करता है अथवा बाइसिकिलें बेचता है, अथवा ट्रेण्टन का सर्वश्रेष्ठ बढ़ई है। मैं यह अनुमान भी नहीं लगा सकती कि उसका परिवार अमरीका में बीस वर्षों से रह रहा है अथवा दो सौ वर्षों से।"

स्काट ट्राफिक का निरीक्षण करने में इतना अधिक व्यस्त था कि उसे उत्तर देने की भी फुर्सत नहीं थी।

"यदि न्यूजर्सी के परिवार ने भी सम्भवतः हमें इस सुन्दर छोटी-सी कार

में बैठे देखकर हमारे सम्बन्ध में अपने निजी अनुमान लगाये हों, तो मुझे आश्चर्य नही करना चाहिए। यदि वे हमें अत्यन्त धनी समझकर हमसे घृणा करते हों, तो मेरा थोड़ा-सा मनोरंजन होगा, तुम्हारा मनोरजन नही होगा क्या ?"

स्काट ने कुछ नही कहा, अपितु वह धैर्यपूर्वक ट्राफिक लाइट के हरी होने की प्रतीक्षा करता रहा।

रोना ने उसकी चुप्पी को महसूस किया। "खुश हो जाओ।" उसने कहा। उसका स्वर अचानक कठोर हो गया। "हमारे पास निश्चित रूप से एक अत्यन्त सुन्दर कार है, भले ही हम उतना ही सुन्दर निवास-स्थान नहीं रख सकते हों।"

उसके स्वर की तीक्ष्णता ने उसके मौन को भंग कर दिया। "रोना !" उसने तीव्रता के साथ कहा। उसने सोचा, ठीक एक औरत की भाति बात को टालने के लिए नयी कार का विषय उपस्थित कर रही है। उसे इस कार की आवश्यकता थी; यह कोई फजूलखर्ची नहीं है। क्या वह इस बात को नही देखती कि इस कार से उन दोनों को आनन्द मिलेगा ?

"स्काट !" उसने दुखित होकर कहा—"क्या तुम कभी समझौता नही करोगे ? यदि तुम धन के सम्बन्ध में इतने अधिक चिन्तित हो, तो तुम विवाह के बाद मुझे अपना काम जारी रखने की अनुमति क्यों नही देते -- किसी भी तरह केवल थोड़े-से समय के लिए ?"

"मैं धन के सम्बन्ध में चिन्ता करने वाला व्यक्ति नहीं हूँ।"

"तुम चिन्ता करते हो। तुम चिन्ता को छिपाते हो और वह तुम्हारे भीतर ऐंठ ही रहती है और तुममें कटुता उत्पन्न करती है तथा प्रत्येक चीज को बिगाड़ देती है। यह हमारे जीवन का एक ऐसा समय है, जिसे किसी भी वस्तु द्वारा बिगड़ने नहीं देना चाहिए।" वह प्रायः रोने लगी थी।

"कोई भी चीज बिगड़ नहीं रही है।" उसने यह बात जोर देकर कही, मानो वह अपने आपको यह विश्वास दिलाने का प्रयत्न कर रहा हो कि यह बात सत्य थी।

उसने उसकी ओर घूर कर देखा। उसकी निरन्तर आलोचना का उस पर जो प्रभाव पड़ रहा था, क्या उसके सम्बन्ध में वह अनुमान भी नहीं लगा सकता था ? पहले उसने उसकी बातों को यह सोचते हुए सुना था कि वह किसी वस्तु को कितनी स्पष्टता और कितनी ईमानदारी के साथ देखता है; वह सत्य

को जिस रूप में देखता है, उसी रूप में उसे कहने से वह डरता नहीं है। किन्तु, अधिकाधिक, ऐसा प्रतीत होता है कि सत्य के सम्बन्ध में उसकी धारणा एक पक्षीय है। "मैं चाहती हूँ।" उसने धीरे से कहा—"मैं चाहती हूँ कि तुम प्रत्येक वस्तु के सम्बन्ध में कठोरतापूर्वक सामान्यीकरण करना बन्द कर दो। क्यों, कभी-कभी मैं यह सोचने लगती हूँ कि तुम अमरीका के सम्बन्ध में शीघ्रता से निष्कर्षों पर पहुँचने वाले एक विदेशी हो। इसे एक अवसर दो, क्या तुम ऐसा करोगे।"

उसने उसकी ओर देखा। उसके स्वर में कोमलता आ गयी। "तुम थक गयी हो। आओ, हम लोग कुछ पियें, उसके बाद भोजन करें और उसके बाद ब्राडवे में जाकर चित्र देखें। क्या ख्याल है तुम्हारा? अथवा हम कोई नाटक देखने के लिए चल सकते हैं।" उसका स्वर विनम्रतापूर्ण, सौमनस्यपूर्ण था। यह उसका क्षमा-याचना करने का ढंग था।

कुछ क्षणों तक उसने कुछ नहीं कहा। तत्पश्चात् उसने कहा—"हाँ मेरा ख्याल है कि मैं थक गयी हूँ।" उसने सोचा कि स्काट या तो कुछ भी नहीं करता है, या सब कुछ एक साथ ही करता है। या तो वह शनिवार की रात के सारे कार्यक्रम रद्द कर देता है और उसे घर पर ही इधर-उधर उद्देश्यहीन भटकने के लिए छोड़ देता है या वह रविवार को यथासम्भव अधिक से अधिक कार्यक्रम पूरे करता है। तब, यह विचार आने पर वह पुनः अपने आप पर क्रुद्ध हो गयी। वह वास्तव में जितनी थकावट महसूस करती थी, अवश्य ही वह उससे अधिक थकी हुई थी। अकस्मात् उसने लक्ष्य किया कि वे प्रायः ५९ वीं सड़क पर पहुँच गये हैं। "क्यों, हम लोगों ने मेरी सड़क को पार कर लिया है।"

'मैं तुम्हें एक पार्टी में ले चल रहा हूँ।" उसने कहा—"हमें प्रसन्न-चित्त बनाने के लिए उसीकी आवश्यकता है।"

"किन्तु मैंने पार्टी लायक कपड़े नहीं पहन रखे हैं।"

"तुम जैसी हो, उसी रूप में सुन्दर दिखायी देती हो। आज थेल्मा एक बहुत बड़ा आयोजन कर रही है। वह तुम्हें साथ लाने के लिए पूरे सप्ताह टेलिफोन पर परेशान करती रही है।"

"थेल्मा.....अपने बालों में अंगूरों के गुच्छे लगाने वाली औरत?"

स्काट हँसा। "तुम औरतें!" उसने स्नेहपूर्वक कहा—"क्या थेल्मा की उस चीज का विस्मरण कभी नहीं किया जायेगा?"

"किन्तु मैं उसे नहीं जानती। मैं केवल एक बार उससे मिली थी, जब मर्रे उसे हमारी पार्टी में ले आया था।" और तब उसे ख्याल आया कि वह मर्रे को भी पसन्द नहीं करती।"

"वह पुराने ढर्रे की एक चतुर औरत है। किन्तु मैंने सुना है कि वह सदा ही अपनी पार्टियों में प्रसिद्ध व्यक्तियों को काफी संख्या में एकत्र करने में सफल हो जाती है। वहां जाना मजेदार हो सकता है।"

रोना ने चिन्तित होकर उसकी ओर देखा। "क्या मर्रे वहाँ होगा?"

"वहाँ प्रत्येक व्यक्ति और कोई भी व्यक्ति हो सकता है। कम से कम मैंने ऐसा ही सुना है।"

"क्या मर्रे तुम्हारा मित्र है?"

"ओह, मैं उसे जानता भर हूँ, बस।"

"क्या वह निकोलस ओरपेन का मित्र नहीं है?"

"क्या वह है? हो सकता है। मुझे मालूम नहीं है। हाँ, यह लो हम आ गये...कार खड़ी करने के लिए स्थान और सब।" उसने सफाई के साथ कार को घेरे में कर दिया।

जिस बिल्डिंग के सामने वे रुके थे, रोना उसकी ओर आश्चर्य के साथ देख रही थी। उसे इतना अधिक विस्मय हुआ कि वह उत्तर नहीं दे सकी। तो थेल्मा पार्क एवेन्यू पर रहती है। यदि स्काट थेल्मा को इतना अधिक पसन्द करता है कि वह उसकी पार्टी में आ सकता है, तो उसने पार्क एवेन्यू के समस्त निवासियों की इतनी कटु आलोचना क्यों की? वह शान्त होकर बैठी रही। "वास्तव में इस क्षण मैं किसी पार्टी में सम्मिलित होने के लिए बहुत अधिक लालायित नही हूँ।" उसने कहा — "सच बात यह है कि मैं—"

"प्रिये, तुम बहुत सुन्दर दिखायी दे रही हो। तुम वहाँ सुन्दरतम लड़की होगी।"

"यह बात नहीं है।"

एक द्वार-रक्षक असहमति जताता हुआ, कार की बगल में प्रकट हुआ। "आप यहाँ कार नहीं खड़ी कर सकते।" उसने कहा—"हमें टैक्सियों के लिए स्थान की आवश्यकता है।"

स्काट ने आज्ञा का पालन किया, किन्तु वह क्रुद्ध हो गया। उसे प्रायः एक ब्लाक तक कार चलानी पड़ी, तब कहीं जा कर उसे कार खड़ी करने के लिए एक स्थान मिला।

"वहां काफी स्थान था।" उसने अपने कंधे के पीछे द्वार-रक्षक की ओर देखते हुए कहा—"वह अपने को समझता क्या है ?"

रोना ने क्लान्ति के साथ सोचा, अपना काम करने वाला एक व्यक्ति। और तुम उसे पसंद करते हो या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि तुम कार खड़ी कर रहे हो या टैक्सी की तलाश कर रहे हो।

"आओ, रोना।" स्काट मुस्कराते हुए उसकी प्रतीक्षा कर रहा था। उसने उसका हाथ पकड़ लिया और उसको कार से बाहर निकालते हुए उसे कोमलतापूर्वक दबा दिया। "आओ, हम लोग थोड़ा मनोरंजन कर लें।"

वह कार से बाहर निकली। उसने अकस्मात् अनुभव किया कि मकान की तलाश से स्काट भी उसके समान ही थक गया था और निराश हो गया था। उसने अपना हाथ उसके हाथों में छोड़ दिया और वे थेल्मा के मकान के प्रवेश-द्वार की सूर्य और मौसम से रक्षा करने वाले सुनहरे और नीले रंग के दालान की ओर धीरे-धीरे चलने लगे।

"तुमने मर्रे और ओरपेन के संबंध में यह बात कहाँ सुनी ?" उसने पूछा—क्या यह भी आफिस की गप्प ही थी ?"

"वास्तव में मैंने यह बात पेगी के घर पर सुनी। क्या तुम्हें उस रात की याद है, जब तुम एक फ्रांसीसी पत्रकार के साथ बातचीत करने में फँस गये थे और मुझे लेने के लिए बिल्कुल ही नहीं आ सके ? उस रात बहुत काफी विचार-विमर्श चला था। मैंने उसका केवल अन्तिम भाग सुना—जब वह प्रारम्भ हुआ, तब मैं कमरे के बाहर थी। वास्तव में मैं तुमसे टेलिफोन पर बात कर रही थी। मर्रे के नाम के साथ ओरपेन का नाम सम्बद्ध किया जाता हुआ सुनने के लिए मैं बैठकखाने में ठीक समय पर पहुँच गयी।" वह हिचकिचायी। तत्पश्चात् उसने पुनः कहा—"तुम जानते हो कि ओरपेन कम्यूनिस्ट है, क्या तुम नहीं जानते ?"

"वह कम्यूनिस्ट था। किन्तु वर्षों से राजनीति से उसका कोई सम्बंध नहीं रह गया है। मुझे इस बात का पूरा विश्वास है।"

"स्काट, मैं यह सोच रही हूँ कि तुम्हें कैसे बताया जाये, किन्तु—" वह हिचकिचायी। तत्पश्चात् वह चुप हो गयी और फिर वे दोनों शीशे के विशाल दरवाजों की बगल में नीली वर्दी पहने हुए निष्क्रिय रूप से खड़े द्वार-रक्षक की बगल से होकर गुजर गये।

"क्या, हड़ताली लोग यहाँ नहीं हैं ?" स्काट ने उससे शांतिपूर्वक पूछा।

"हड़ताल चल रही है, नहीं चल रही है क्या ?"

"इस मकान के बारे में समझौता हो गया है।" उस व्यक्ति ने कहा। वह क्रुद्ध होकर घूम गया। उसकी तनी हुई पीठ ने उन्हें बताया कि वह कोई बदमाश नहीं था।

स्काट रोना को आश्वस्त करने के लिए मुस्कराया। "कम से कम, हमें ऊपर चढ़ने के लिए पैदल नहीं चलना पड़ेगा।" वह उसे प्रवेश-कक्ष में ले गया—उसका फर्श संगमरमर का था तथा उस पर भूरे रंग के कालीन बिछे हुए थे। एक भीतरी आंगन के सामने पड़ने वाली खिड़कियाँ सफेद सैटीन से, जिस पर गुलाब के बड़े-बड़े, लाल-लाल फूल छपे हुए थे, ढंकी हुई थीं। लाल कुर्सियां, हरे कोच एक 'गार्ड आफ आर्नर' की भाँति गहरे चारकोल की भांति भूरे रंग की दीवारों से सटा कर रखे हुए थे। सफेद और सुनहरे रंग के हण्डों में बत्तियाँ जल रही थीं। एक काली मेज पर मोम के फूलों का एक विशाल गमला रखा हुआ था।

"तुम मुझे कौन-सी बात किस प्रकार से बताने के संबन्ध में चिन्ता करती रही हो ?" लंबे हाल में चलते हुए स्काट ने पूछा।

"ओरपेन के सम्बन्ध में। मैंने उसके विरुद्ध बहुत कुछ सुना है।"

"तुमने मुझे इसके पहले क्यों नही बताया ?"

"स्पष्ट बात यह है कि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि तुम्हें किस प्रकार बताया जाये। तुम उसे पसंद करते हो, नहीं करते हो क्या ?"

"यह बिल्कुल ठीक है।" स्काट ने उसकी कोहनी पकड़ ली और उसे हाल की बायीं ओर स्थित एक एलिवेटर की ओर ले गया। "अस्तु, उसके सम्बन्ध में कौन बात कर रहा था"

"श्रीमती बरले। वह मुनरो कालेज के अध्यक्ष की, जिनकी मृत्यु ओरपेन के जाने के थोड़े समय बाद हो गयी थी, पुत्री है।"

"मोइरा बरले ? भगवान की कृपा है कि उस रात मैं वहाँ नहीं था, जिससे उससे मेरी मुलाकात हो पाती।" उसने एलिवेटर-आपरेटर से कहा—चौदहवीं मंजिल।"

"मैंने उसे कोई विशेष रूप से पसन्द नहीं किया।" रोना ने स्वीकार किया।

"उसने वर्षों तक मेरे जीवन को दुखमय बना रखा था। जब हम उसे आती हुई देखते थे, तब हम सभी लड़के मीलों दूर भाग जाते थे। क्या वह

अभी तक वही पुरानी मोइरा है ? मैं शर्त लगा कर कहता हूँ कि वह वैसी ही है। प्रिये, मैं तुम्हें एक सत्परामर्श दूंगा : वह जो कुछ कहनी है, केवल उसके आधे भाग पर ही विश्वास करो और उस पर भी बहुत अधिक विश्वास मत करो। वह एक हास्यास्पद चरित्र है, ठीक शेरिडन अथवा मोलियर के पात्र की भाँति। मैंने वर्षों पहले उसे अन्तिम बार किसी क्रिसमस पार्टी में देखा था। उसने अपने दाँतों पर पट्टियाँ बाँध रखी थीं और गुलाबी रंग के सैटीन की चप्पलें पहने हुए थी।"

रोना हँसी—"तुम्हें यह बात किस प्रकार याद रही।"

"क्या तुमने उसके पैरों का आकार देखा है ?"

"क्या तुम उसके साथ नाचे नहीं थे ?"

"उतनी वजनदार औरत के साथ नहीं।" स्काट ने निश्चयपूर्वक कहा—"मैं दरवाज़े के पास रहा करता था और जब कभी वह मेरी ओर आये, तब भाग निकलने के लिए तैयार रहता था। जब हम बच्चे थे, तभी से हम आपस में काफी झगड़ते रहे थे। माँ मुझसे उसके प्रति तथा उसके शेष परिवार के प्रति विनम्रतापूर्ण व्यवहार करने के लिए कहा करती थी। किन्तु उस नाच में, जब तक मैं न चाहूँ, तब तक मुझे किसी के प्रति भी विनम्रतापूर्ण व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं थी। क्या उसने इसके सम्बन्ध में बात की ? मैं शर्त लगाकर कहता हूँ कि उसने बात छेड़ी होगी।" वह रोना के चेहरे पर परेशानी के भाव का निरीक्षण करते हुए मुस्कराया।

"वह पेगी की बगल में रहती है।" एलिवेटर से बाहर निकलते हुए रोना ने स्पष्टीकरण किया। वे एक चौड़ी देहरी पर पहुँच गये थे, जिसमें एक ही द्वार था—वह एक प्राइवेट हाल था, जो चौदहवीं शताब्दी के प्रासादों की पद्धति से ऊँची काली और धुंधली टेपस्टरी से सजाया गया था।

"बेचारी पेगी !" दरवाजे की घण्टी बजाते हुए स्काट सहानुभूतिपूर्वक कह रहा था—"अच्छा हो कि तुम उसे चेतावनी दे दो। अच्छा हाँ, जान और पेगी कैसे हैं ? मैंने सुना है कि जान मुझे एक या दो बार फोन करता रहा है, किन्तु ऐसा दुर्भाग्य रहा कि मैं सदा ही बाहर रहा हूँ। मैं शीघ्र ही उसे फोन करूँगा।"

विशाल द्वार खुला। एक पुरुष नौकर, जो एक सम्माननीय बीमाकर्त्ता दिखायी देता था, उन्हें प्रवेश करने देने के लिए एक ओर खड़ा हो गया। पुनः एक लम्बा-चौड़ा हाल मिला, जिसमें मन्द-मन्द प्रकाश हो रहा था, जो अन्ततः

एक मेहराबदार प्रवेश-द्वार से होता हुआ एक कमरे तक चला गया था। कमरा एक दूसरे के अत्यंत निकट समूह-बद्ध होकर खड़े अथवा एक अशान्त लहर की भाँति इधर-उधर घूमनेवाले व्यक्तियों से भरा था। कुछ अतिथि कमरे में न समा सकने के कारण हाल में आ गये थे। पास के कमरों से स्वरों और हँसी के उत्थान और पतन की ध्वनि आ रही थी।

"काफी भीड़ है।" स्काट ने सहमति प्रकट करते हुए कहा—रोना ने अपनी एड़ियों को चीनी कालीनों में गहराई तक धँसते हुए महसूस किया, वह स्पैनिश पेटियों और ऊँची पीठ वाली इटालियन कुर्सियों के ऊपर दिखायी देने वाले सारजेण्ट-चित्रों की पंक्तियों का निरीक्षण कर रही थी। उसने एक मुस्कान दबा दी। उसने अकस्मात स्काट काथ पकड़ लिया।

"मैंने तुमसे कहा था कि यहाँ काफी मनोरंजन होगा।" उसने कहा। उसकी आँखें सामने कमरे में इधर-उधर घूमते हुए व्यक्तियों पर लगी हुई थीं। "थेल्मा हमें पुस्तकालय में अथवा संगीत-कक्ष में मिलेगी। आओ, प्रिये।"

किन्तु यद्यपि स्काट उत्साहदायक ढंग से मुस्करा रहा था, यद्यपि उसके चेहरे पर आशा के चिह्न दृष्टिगोचर हो रहे थे, तथापि रोना को ऐसा प्रतीत हुआ कि जब उसने अकस्मात् उसकी ओर देखा, तब उसकी दृष्टि में चिन्ता व्याप्त थी। "मैं बहुत अधिक भयभीत नहीं हूँ।" रोना ने उत्तर में मुस्कराते हुए, कहा। उसने अपने स्वर को मन्द करके कहा, "मुझे थेल्मा की एक झलक मिल गयी। बस और कुछ नहीं।"

उस क्षण थेल्मा अतिथियों के एक समूह को छोड़कर आगे आयी, उसके दुबले चेहरे पर एक व्यापक मुस्कान थी, उसकी बांहें स्वागत के लिए फैली हुई थीं। उसके रूखे काले बाल सुनहले फीते से बँधे हुए थे; उसने एक छोटा, टेढ़ा-मेढ़ा घुमा हुआ कोट पहन रखा था, जिस पर बहुत अधिक कसीदे काढ़े हुए थे, जो एक पतली सुनहरे रंग की पट्टी से बँधा हुआ था और टखनों पर कसकर फिट किये गये काले रंग के सैटिन के पतलूनों के ऊपर लटक रहा था। सुनहरे रंग की चप्पलों की पट्टियाँ उसके नंगे पैरों के चारों ओर बँधी हुई थीं। उसके विशाल अंगूठों में से एक अंगूठे का नाखून टूटा हुआ था।

"प्यारो!" उसने चिल्लाकर कहा—"मैं अत्यधिक प्रसन्न हुई। यह अत्यंत आश्चर्यजनक है, अत्यन्त आश्चर्यजनक!"

अध्याय दस

जब स्काट ने कहा कि थेल्मा की पार्टी में प्रत्येक व्यक्ति और कोई कोई भी व्यक्ति मिलेगा, तब उसने उसका वर्णन बिल्कुल ठीक ही किया था। वहाँ ऐसे चेहरे उपस्थित थे, जिनके नामों की पुनरावृत्ति करने की आवश्यकता नहीं थी—दो अभिनेत्रियाँ, एक कवि, एक संगीतकार, एक नाटक-निर्माता, दो उपन्यासकार, एक नाटककार, तीन फिल्मी सितारे और एक सुप्रसिद्ध पत्रकार। (किन्तु रोना ने लक्ष्य किया कि उनमें से अधिकांश देर तक नहीं ठहरे। वे केवल शकल दिखाने आये थे और एक बार यह कार्य सम्पन्न हो जाने पर उनकी संख्या कम हो गयी।) दूसरे समूह में ऐसे चेहरे सम्मिलित थे, जिनके नामों को, बता दिये जाने पर, आसानी के साथ पहचाना जा सकता था। (वे प्रथम समूह की अपेक्षा अधिक समय तक ठहरे, किन्तु उनमें से भी कुछ ने प्रस्थान करना प्रारम्भ कर दिया था।) और तीसरे समूह में, जो संकल्पपूर्वक रात्रिकालीन भोजन के लिए प्रतीक्षा कर रहा था, ऐसे चेहरे और नाम सम्मिलित थे, जिन्हें बिल्कुल ही नही पहचाना जा सकता था। किन्तु प्रत्येक व्यक्ति में एक बात समान थी—वे सभी उन व्यक्तियों के समान ही अच्छे खाने-पीनेवाले और अच्छे कपड़े पहननेवाले थे, जिन्हें बाहर सड़क पर देखकर स्काट ने नफरत जाहिर की थी।

पार्टी तनिक भी रोना की मनःस्थिति के अनुकूल नही सिद्ध हो रही थी। वह प्रत्येक व्यक्ति की—स्काट की और स्वयं अपनी भी - आलोचना करती हुई अनुभव कर रही थी। वह अपनी इस मनःस्थिति के लिए इस तथ्य को दोष दे सकती थी कि वह जिन व्यक्तियों को नापसन्द करती थी, उनके निमंत्रणों को वह कभी स्वीकार नहीं करती थी; आज तीसरे पहर वह इस नियम को भंग करने के लिए राजी हो गयी थी और इसके कारण वह अब पीड़ा का अनुभव कर रही थी। अथवा क्या ऐसा सोचना स्काट के प्रति न्याय-संगत था ? उसे राजी नहीं किया गया था। वह उत्सुक थी। यदि इस पार्टी में मर्रे होगा, तो सम्भवतः निकोलस ओरपेन भी यहाँ मिल जायेगा। वह ओरपेन की तलाश निरन्तर करती रही, किन्तु वह उसे देख नहीं सकी।

तो वह यहां विशाल संगीत-कक्ष में खड़ी थी, जिसमें पन्द्रहवें लुई के काल की कुर्सियां और लॉलिक-युगीन फूलदान रखे हुए थे, मलमली पर्दे लगे हुए थे तथा पूर्वीय कालीनें बिछी हुई थीं, जो सब मिलकर 'स्पिनेट' और पियानों को

पृष्ठभूमि में ढकेल रही थीं। इस विचित्र निवास-स्थान में अन्य प्रत्येक वस्तु की भांति सम्पत्ति की भरमार थी, उपयुक्तता की पूर्ण अवहेलना दृष्टिगोचर हो रही थी। और अब वह ट्वीड का ढीला-ढाला सूट पहने हुए एक गंजे व्यक्ति की बातें सुन रही थी. जिसने गर्वपूर्वक घोषित किया कि कमरे में वह एक मात्र व्यवसायी था। (ऐसा प्रतीत होता था कि वह सोचता था कि यह बात प्रतिष्ठा-जनक होगी कि उसे कोई लेखक अथवा अभिनेता समझ लिया जाये।) निश्चय ही वह अत्यंत विनम्र था; वे सभी विनम्र थे। वे अज्ञात चेहरों और अश्रुत नामों वाले व्यक्ति एक अनवरत धारा की भांति रोना के पास आ गये थे। ऐसा प्रतीत होता था कि वे सभी जानते थे कि वह कौन थी और तब वहां बहुत अधिक वार्तालाप हुआ था।

सम्भवत: उसकी चिन्ता का कारण वही था। यह एक प्रकार का उद्देश्य-पूर्ण वार्तालाप था, मानो वे उसके विचारों को जानने का प्रयत्न कर रहे हों। एक प्रकार से, उसने महसूस किया, मानो किसी नये काम के लिए उसकी मुलाकात ली जा रही थी, यदि वह कोई ऐसा उत्तर देती, जिसके प्रति सहमति व्यक्त की जाती, तो वह विनम्रतापूर्ण चेहरों में रुचि की थोड़ी-सी आभा देख सकती थी। यदि वह कोई ऐसा उत्तर देती, जिसके प्रति सहमति नहीं व्यक्त की जाती, तो उसे चेहरों पर पूर्ण मुर्दनी छा जाती हुई दिखायी देती—उनके ऊपर एक सर्द अभि-व्यक्तिहीन आवरण छा जाता और उसे ऐसा अनुभव होता, मानों वह किसी दीवार से बात कर रही हो। इस सहमति अथवा असहमति के सम्बन्ध में एक विचित्र बात इसकी एकरूपता थी। उसके साथ बातचीत करने वाले, उसकी तलाश करने वाले सभी व्यक्ति (क्योंकि जब थेल्मा स्काट को खींच कर दूर लेकर चली गयी और रोना को अकेली छोड़ दिया, तब उसने किसी भी समूह में सम्मिलित होने का कोई प्रयास नहीं किया था) अपने समस्त दृष्टिकोणों में एक दूसरे के साथ सहमत प्रतीत होते थे। उसने इस बात को थेल्मा के एक अतिथि के साथ हुए तीसरे मुकाबले के बाद लक्ष्य किया था। उसने इसकी परीक्षा उन लोगों पर प्रारम्भ की थी, जिन्होंने बाद में उसके साथ बात-चीत की थी। परिणाम असन्दिग्ध था : उनका प्रतिक्रियाएँ सदा समान होती थीं। यदि वह कहती कि मार्शल-योजना एक अच्छी चीज है, तो उनके चेहरों पर मुर्दनी छा जाती थी। यदि वह कहती कि मार्शल योजना एक गम्भीर भूल है, तो वे दिलचस्पी के साथ उसकी ओर देखते और उससे अपना वक्तव्य जारी रखने के लिए कहते। बात-चीत के सिलसिले में जो भी विषय उपस्थित हुआ,

प्रत्येक के सम्बन्ध में यही बात थी—चाहे संयुक्त राष्ट्र-संघ की चर्चा हो अथवा नृत्य की, अतलान्तक संधि की चर्चा हो अथवा नवीनतम उपन्यास की, कम्यूनिस्ट मुकदमों की चर्चा हो अथवा किसी नये नाटक की, प्रत्येक वस्तु का मानदण्ड एक ही राजनीतिक निर्णय-प्रणाली था। ये लोग (क्योंकि उसने उनके सम्बन्ध में इसी प्रकार से सोचना प्रारम्भ कर दिया था) न केवल बिल्कुल एक ही प्रकार से सोचते थे, अपितु वे प्रत्येक वस्तु को राजनीतिक दृष्टि से भी देखते थे। रोना ने सोचा कि मैं सम्भवतः 'प्रवदा' हो पढ़ रही हूँ।

स्काट ने कहा था कि पार्टी मजेदार होगी...किन्तु उसके लिए यह एक दूसरे अर्थ में पूर्णतया हास्यजनक थी। यह सच बात है कि पत्रकार का दिमाग अधिक जानने की ओर होता है और यहाँ निश्चित रूप से एक कहानी लिखने के लिए सामग्री तैयार थी। सम्पत्ति के बल से, बिना किसी रुचि के, बिना किसी भेद-भाव के सुसज्जित किया गया निवासस्थान। लोगों के एक समूह का आतिथ्य करने वाली मूर्ख औरत...वास्तव में वे क्या हैं? रोना आश्चर्य करने लगी।

सम्प्रति वह उस गंजे व्यवसायी की बातें सुन रही थी, जो क्रोध की अपेक्षा अधिक दुख के साथ, समझा रहा था कि शिक्षकों की राजनीति के सम्बन्ध में की जानेवाली इस अवांछनीय जांच-पड़ताल के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालयों की स्वतंत्रता के नष्ट हो जाने का खतरा उपस्थित हो गया है। और जब वह यह सुन रही थी, तब वह अपने चारों ओर के कपड़ों और चेहरों का अध्ययन कर रही थी। कम्यूनिस्ट? उनके हमराही? फिर भी, यदि कोई व्यक्ति पूँजीवाद का तनिक भी ऋणी था, तो वे निश्चित रूप से उसके ऋणी थे। वे शिक्षित प्रतीत होते थे, वे स्पष्टतः अच्छे कपड़े पहने हुए थे और अच्छे हृष्ट-पुष्ट दिखाई देते थे। तत्पश्चात् उसने स्काट की तलाश की। वह द्वार के निकट एक मैत्रीपूर्ण समूह के बीच था। उसके चारों ओर जो रुचि प्रकट करने वाले चेहरे थे, उनको देखते हुए यह प्रतीत होता था कि स्काट किसी दुविधा में नहीं था। फिर भी, स्वयं अपनी पार्टियों में अथवा पेगी और जान टाइसन के साथ अथवा अन्य मित्रों के साथ उसकी बातों को सुनकर वह जानती थी कि स्काट के राजनीतिक विचार स्वयं उसके राजनीतिक विचारों के साथ बहुत अधिक मेल खाते हैं। उसने सोचा कि आज मुझमें जरूर कोई गड़बड़ी पैदा हो गयी है। मैं अनेक प्रकार के अर्थ लगा रही हूँ; थोड़ी सी पागल होती जा रही हूँ।

"क्या आप सहमत नहीं हैं?" उस गंजे व्यक्ति ने पूछा।

"सहमत ?" उसने परेशानी के साथ दुहराया।

"यदि हम सभी लोग विश्वविद्यालयों के वास्तविक साहसी व्यक्तियों का, उन व्यक्तियों का, जो धमकियों से डरकर अपनी राजनीति बताने से इनकार करते हैं, समर्थन करें, तो हम वास्तव में अपनी स्वतन्त्रताओं को बनाये रख सकते हैं, क्या आप ऐसा नही सोचती ?"

"किन्तु किसी शिक्षक को अपनी राजनीति छिपानी क्यों चाहिए ? मैं एक डेमोक्रैट हूँ और मुझे इस बात की तनिक भी परवाह नही है कि इसे कौन-कौन जानता है।"

"निश्चय ही आप खतरों को देखती हैं? यह हमारी निजी बातों पर एक क्षुद्रतापूर्ण प्रहार है।"

"गत सप्ताह जब जन-गणना-कर्मचारी मुझसे मिलने के लिए आया, तब मैंने उसे इस तथ्य से बहुत अधिक बातें बतायीं कि मैं एक डेमोक्रैट हूँ।" रोना ने मुस्कराते हुए कहा—"और गत ग्रीष्म ऋतु में मैं जब मैक्सिको से स्वदेश आयी, तब मैंने चुंगी-अधिकारी को उन सारी चीजों को बता दिया, जिन्हें मैं अपने साथ लायी थी। एक प्रकार से, वह भी निजी बातों पर प्रहार के तुल्य है, किन्तु ऐसा करना ही पड़ता है, नहीं क्या ? बदमाशों से हमारी रक्षा करने के लिए ?"

उस व्यक्ति के चेहरे पर मुर्दनी छा गयी। वह मुस्कराया, उसकी मुस्कान विश्वासोत्पादक नही थी और इस शीत ऋतु मे पानी के अभाव और सम्प्रति कार्यरत वर्षा करनेवालों के सम्बन्ध में एक आपत्तिहीन बात करने के बाद उसने कमरे के एक दूसरे कोने में एक मित्र को देखा और उसके पास चला गया।

रोना ने सोचा कि सम्भवतः मैं पागल होती जा रही हूँ। उसने अकस्मात् एकाकीपन का अनुभव करते हुए भरे हुए संगीत-कक्ष में चारों ओर देखा। अत्यधिक एकाकीपन। स्काट अब द्वार के निकट खड़ा था। उसे उसकी तलाश करनी होगी, सिर-दर्द का बहाना करना होगा तथा कुछ ताजी साफ हवा का सेवन करने के लिए बाहर जाना होगा।

एक शांत, अधेड़ उम्र की औरत ने रोना की बगल में राखदान में सिगरेट बुझायी।

"क्या आपको यहाँ कोई लाया है ?" उसने पूछा।

रोना ने आश्चर्य-चकित होकर कहा कि हां, मैं अपने मित्र के साथ यहाँ आयी हूँ।

"मेरे साथ भी यही हुआ।" औरत ने कहा—"किन्तु मैं जा रही हूँ। क्या आप भी आना चाहती हैं ?"

रोना ने कहा कि अभी वह नहीं जा सकती थी।

"कितने अच्छे मित्र मिले हैं आपको और मुझको।" औरत ने कटुतापूर्वक कहा और चली गयी।

रोना का चेहरा लाल हो गया। वह उस औरत को दृढ़ संकल्प के साथ संगीत कक्ष से बाहर जाते हुए देखती रही।

"हम सब में उसके समान साहस नहीं है।" एक पतले ऊंचे स्वर ने रोना की बगल में शांतिपूर्वक कहा—"सिगरेट लीजियेगा ?" वह स्वर अप्रत्याशित रूप से गहरा हो गया। रोना ने घूर कर देखा, तो उसे एक पुरुष दिखायी पड़ा, जो उससे भी कम लम्बा था, जिसका चेहरा चिकना और पीला था, जिसके बाल पतले लाल थे, जो सींग की कमानी के चश्मे पहने हुए था और जिसका वजन कुछ अधिक था। वह अपने हाथ में एक गिलास थामे हुए था और यह स्पष्ट था कि उस अपराह्न काल में वह कई गिलास थाम चुका था। उसे याद आया कि वह विगत आधे घण्टे से अस्पष्ट रूप से उसके निकट चक्कर लगा रहा था, वह किसी से बात नहीं कर रहा था, वह सुन रहा था, वह उपेक्षित था तथा एक प्रकार का एकाकी व्यक्ति था, जो किसी पार्टी के लिए अनुपयुक्त था।

"नहीं, धन्यवाद।" उसने कहा—"मैं अभी—"

"स्काट को खोजने और आपको बाहर ले चलने के लिए उससे कहने जा रही थीं ?" स्वर प्रारम्भ में मन्द था और अन्त में तीव्र हो गया। किन्तु वह अभी तक अत्यन्त शांत, प्रायः दबा हुआ था। "इतने आश्चर्य के साथ मत देखिये। आप रोना मेटफोर्ड हैं, क्या नहीं हैं ? हां, हम सभी आपके सम्बन्ध में जानते हैं। और आपको जो शिक्षा दी जा रही हैं, वह आपको कैसी लग रही है ?"

रोना ने सूनेपन से उसकी ओर घूरकर देखा। उसके चेहरे पर अभी तक शाश्वत अल्प मुस्कान खेल रही थी, किन्तु उसकी आंखों में वेदना थी।

वह कहता गया—"पार्टी के सम्बंध में आपका क्या विचार है ?"

रोना ने उसको उत्तर नहीं दिया।

"आपको इसमें आनन्द नहीं मिल रहा है ? हमारे समस्त प्रयासों के बावजूद ?" उसके स्वर में उपहास भरा हुआ था। तत्पश्चात् उसमें गम्भीरता आ गयी। "मैं आपके वार्तालापों को सुनता रहा हूँ। क्या आपको आपत्ति है ?

मुझे बताया गया है कि मेरा व्यवहार सदा बुरा रहा है।"

रोना ने स्काट की तलाश की। वह अभी तक वापस नहीं आया था।

"क्या हम लोग बैठ जायें ? कृपा कीजिये। मैं आपसे कुछ बात करना चाहता हूँ।"

उस हास्यजनक स्वर में एक हार्दिकता थी, जिसने रोना का ध्यान आकृष्ट कर लिया। वह एक पीले रंग के सैटीन की कुर्सी पर बैठ गयी और उसे एक दूसरा सिगरेट सुलगाते हुए देखने लगी।

"आपको इस जन-समूह के साथ मिलने की आवश्यकता नही है।" उसने कहा। उसका पतला, ऊँचा स्वर वाक्य के बीच मे ही भंग हो गया और एक गहरे स्वर के रूप में परिणत हो गया। "यह स्थान आपके लिए नहीं है।" उसने कमरे के चारों ओर देखा और अपना सिर हिलाया।

"मैं यहीं का निवासी माना जाता हूँ।" उसने अपने कन्धे हिलाये। "किन्तु मैं दूर चला जाता हूँ। गत बार मैं टेक्सास तक चला गया था। मैं किसी निश्चय पर पहुँचने का प्रयत्न करता हूँ। मैं अपने आपसे तर्क-वितर्क करके सोचने लगता हूँ कि मुझ में पर्याप्त साहस है। मैं वापस आ जाता हूँ। मैं यह देखने की आशा करता हूँ कि प्रत्येक वस्तु में परिवर्त्तन हो गया है, जिससे मुझे कार्य करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किन्तु न तो थेल्मा में कोई अन्तर आया है और न मुझमें कोई अन्तर आया है। और मैं बोल नहीं सकता। अतः मैं पुनः दूर चला जाता हूँ।" वह काफी देर तक गीता रहा। रोना उसकी ओर देखती रही और आश्चर्य करती रही कि वह किस सम्बन्ध में बात कर रहा था। यह स्पष्ट था कि उसके लिए उसकी बातें सार्थक थीं। उसने पुनः कहा—"मैं आप जैसे, अथवा उस महिला जैसे, जो चली गयी, लोगों की तलाश करता रहता हूँ। किन्तु वह चली गयी, नहीं चली गयीं क्या ? और आप भी चली जायेंगी। यही बात है, वे सभी चले जाते है।"

रोना ने कहा—"आप तलाश क्यों करते रहते हैं ?" रोना समझ नहीं पा रही थी। सम्भवतः वह नशे में चूर था और उसका प्रथम अनुमान सत्य सिद्ध हुआ था।

"मुझे थोड़ा और अधिक साहस प्रदान करने के लिए।" उसने एक अनिश्चित मुस्कान के साथ कहा। उसने कमरे में उपस्थित लोगों की ओर देखा। "वे बहुत अधिक भयंकर नहीं दिखायी देते, दिखायी देते हैं क्या ?"

"क्या वे भयंकर हैं ?" उसने अपने चेहरे को गम्भीर बनाये रखने का प्रयास किया।

"केवल तब, जब आपको मालूम हो कि उनके पीछे क्या है।" वह अब उसकी ओर देख रहा था। "आप मेरी बातों पर विश्वास नहीं करती।" उसने प्रायः दुखित होकर कहा।

"मैं—मै ठीक-ठीक नही जानती कि हम लोग किस सम्बंध में बात कर रहे हैं।"

"क्या आप नहीं जानतीं ? अथवा क्या आप भी अपने विचारों को शब्दों द्वारा व्यक्त कर मूर्ख कहलाने से डरती हैं ?"

उसने सोचा कि वह नशेमें चूर होने से बहुत दूर था। "बहुत अच्छा !" उसने कहा—"ये लोग कौन हैं ? कम्यूनिस्ट ?"

"मैं इस कमरे में उपस्थित केवल तीन ऐसे व्यक्तियों को जानता हूँ, जो स्वीकार करते हैं कि वे कम्यूनिस्ट है। अन्य व्यक्ति ? वे कहते हैं कि वे कम्यूनिस्ट नहीं हैं। वे गैर-कम्यूनिस्ट कम्यूनिस्ट है।"

"यहां प्रत्येक व्यक्ति ?" उसने भयभीत होकर द्वार की ओर देखा, किन्तु स्काट अभी तक वहाँ नहीं आया था।

"नहीं, सब नही। वह औरत, जो चली गयी; आप; वहाँ भूरा सूट पहने हुए वह मौन व्यक्ति; 'स्पिनेट' के पास वह चिन्ताग्रस्त नवयुवक....और कुछ थोड़े से अन्य व्यक्ति। किन्तु वे या तो उस औरत की भाँति बाहर चले जायेंगे या वे चाटुकारिता के शिकार होकर यहाँ पुनः आ जायेंगे।"

"चाटुकारिता से प्रसन्न ? आज मैं चाटुकारिता से तनिक भी प्रसन्न नहीं हुई।"

"क्या ? क्या आप एक महान् विदुषी समझा जाना नही चाहतीं ?" उसने पुनः व्यंग्य का आश्रय लेते हुए पूछा।

"उसके सम्बन्ध में मेरा कोई दावा नहीं है।"

"आह—तब आप पूर्णतया सुरक्षित रहेंगी। अर्थात् यदि आपमें साहस हुआ।"

रोना ने उसकी ओर देखा। वह 'साहस' शब्द से प्रेम करने वाला व्यक्ति था।

"नैतिक साहस।" उसने कटुतापूर्वक कहा और अपनी शराब खत्म कर दी।

"आइये, हम लोग मदिरालय का पता लगायें।"

"किन्तु—"

"सर्कस अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ है। आपको रुकना चाहिए और राजनीतिक शिक्षा की दिशा में अपने प्रारम्भिक प्रयास को पूरा करना चाहिए।"

"चार्ल्स, तुम पुनः नशे में चूर हो जाओगे।" थेल्मा ने उसकी कुर्सी की बगल में आते हुए कहा। उसने उसकी ओर निर्लिप्त भाव से देखा। रोना ने सोचा कि वह प्रथम ऐसा पुरुष था, जो थेल्मा में किसी प्रकार की भावना उत्पन्न करता हुआ नहीं प्रतीत हुआ। चार्ल्स पर विचित्र प्रभाव पड़ा। वह अपने पैरों को सीधा करता हुआ उठ गया, जिससे उसकी पाँच फुट चार इंच की लम्बाई अधिकांशतः प्रकट होने लगी। उसने थेल्मा की ओर देखा, घृणा के साथ नहीं, अपितु उसकी घृणा में प्रायः लज्जा भरी हुई थी।

"मैं नशे में चूर होना पसन्द करता हूँ।" उसने कहा और उसका स्वर अपनी उच्चतम सीमा पर पहुँच गया। वह थेल्मा की ओर घूरकर देखता रहा। वह हँसी और उन्हें छोड़कर दूर चली गयी। "मूर्ख लड़का!" उसने कहा, किन्तु उसका मुह क्रोध के मारे बन्द हो गया।

रोना ने जल्दी से कहा—"मुझे जाना है।" उसने सुनहरे फीते से बँधे हुए थेल्मा के सिर को 'स्पिनेट' की ओर जाते हुए देखा। जब चार्ल्स ने कोई उत्तर नहीं दिया, तब उसने उसकी ओर देखा। थेल्मा उसे जिस स्थिति में छोड़कर गयी थी, उसी स्थिति में वह अभी तक खड़ा था। उसका चिकना चेहरा सम्प्रति भावना-हीन था, किन्तु उसके खाली गिलास को पकड़नेवाली अँगुलियाँ सफेद थीं। अकस्मात् गिलास हाथ से छूट गया और बिखर पड़ा। उसने उसे अपने पीछे के चूल्हे में फेंक दिया और रोना उठ कर खड़ी हो गयी। अन्य कोई भी व्यक्ति विस्मित नही प्रतीत हुआ। कोई व्यक्ति हँस पड़ा।

"आपका हाथ!" रोना ने, अपने बैग में रूमाल खोजते हुए कहा।

उसने निराशापूर्वक, उदासीनता से उसकी ओर देखा। तत्पश्चात् वह उतने ही आकस्मिक रूप से उसे छोड़कर चला गया, जितने आकस्मिक रूप से वह उससे बोला था। नीले और सुनहरे रग की कालीन पर खून बह रहा था, जिससे दरवाजे तक एक पतली छोटी रेखा बन गयी।

रोना उसे जाते हुए देखती रही। उसने सोचा कि यदि यह पार्टी एक सर्कस है, तो मुझे आशंका है कि चार्ल्स विदूषकों में से एक है। तत्पश्चात् वह जल्दी ही चार्ल्स को भूल गयी। द्वार पर पाल हैन खड़ा था। उसने कमरे में चारों ओर देखा, हिचकिचाया और फिर सीधे रोना की ओर चला आया।

"हेलो!" पाल ने कहा—"तुम भयभीत दिखायी दे रही हो।"

"मुझे स्काट नहीं मिल रहा है।" रोना ने अपने स्वर को प्रसन्नतापूर्ण रखने का प्रयास करते हुए कहा। "तुम यहां कैसे आ गये?"

"मैंने सोचा कि तुम्हें कुछ सहायता की आवश्यकता है।" वह भी मजाक में ही बात कर रहा था। उसने रोना से बचने का विचार किया था, किन्तु जब वह कमरे में आया और अकस्मात् उसके चेहरे पर वास्तविक भय का वह भाव देखा, तब उसने अपने समस्त संकल्पों को भंग कर दिया।

"मेरा अनुमान है कि मुझे आवश्यकता है।" रोना ने स्वीकार किया। "मुझे एक बहुत ही विचित्र समय से होकर गुजरना पड़ा है। किन्तु मेरा आशय यह है कि—तुम इस स्थान पर क्यों हो?" वह कुछ सप्ताह पूर्व टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान पर एक साथ व्यतीत की गयी उनकी विगत संध्या की याद कर रही थी। उस दिन का पाल हैन का वार्तालाप यहां उसकी उपस्थिति के साथ मेल नहीं खा रहा था।

"तुम इसे पसन्द नहीं करती?"

"बिल्कुल साफ बात यह है कि मैंने इतना शोर-गुल कहीं नहीं सुना था।"

वह मुस्कराया। "तुम तो चापलूसी करती हो। वास्तव में मुझे मरें यहाँ तक लाया।"

"मरें?" अब वह विस्मित हो गयी। तत्पश्चात् वह अविश्वासपूर्वक पाल की ओर देखने लगी।

"हाल में वह बहुत विनम्रतापूर्ण व्यवहार व्यवहार करता रहा है।" पाल अभी तक मुस्करा रहा था।

"मैं 'ट्रेण्ड' में उससे हमेशा बचती रहती हूँ।" उसने विशेष रूप से कहा।

"मुझमें इतना सामर्थ्य नही प्रतीत होता।" पाल ने कहा।

उन्होंने एक क्षण तक एक दूसरे की ओर देखा।

और तत्पश्चात् उनका ध्यान किसी व्यक्ति द्वारा 'स्पिनेट' बजाये जाने की ओर आकृष्ट हो गया। उनके चारों ओर होनेवाली बात-चीत समाप्त हो गयी।

"कुर्सी पर बैठ जाओ।" पाल ने उनके निकट तकुए के समान पैरोंवाली एक बेंच खीचते हुए कहा। "स्पष्ट है कि हमारे सामने कुछ मोती फेंके जाने वाले हैं। हम उन्हें आराम के साथ पकड़ भी सकते हैं।"

और अधिक व्यक्ति हाल में से कमरे में आकर भीड़ जमा कर रहे थे, कुर्सियाँ एक साथ खींची जा रही थीं, एक मिनट तक शोर-गुल रहा और तत्पश्चात् पुनः शांति छा गयी। एक सुनहरे बालों वाली, सुन्दर रूप-रंग वाली

और काले स्वेटर में सुन्दर रूप से प्रदर्शित लड़की 'स्पिनेट' के ऊपर झुकी हुई थी। वह सोने के वजनदार इयररिंग और सोने के ब्रेसलेट पहने हुए थी, जो उसके हाथों के हिलने पर खनखना उठते थे। "गाओ, अन्ना!" किसी ने पुकार कर कहा। "गाओ!" और अन्ना ने स्पष्ट मधुर स्वर मे गाना प्रारम्भ कर दिया जबकि 'स्पिनेट' पर बैठा हुआ व्यक्ति सीधे-साधे स्वरों से उसका साथ दे रहा था। प्रत्येक गीत के अंत में पूरे हृदय से प्रशंसा की जाती थी। गाने के समय अखंड शांति विराजमान थी। हाल के पार अन्य कमरों में बात-चीत और हँसी समाप्त हो गयी थी।

प्रारम्भ में रोना बिल्कुल स्वाभाविक ढंग से सुनती रही। उसे लोक-गीत पसन्द थे। उसे उस लड़की का स्वर पसंद था। जिस प्रकार लोग समूह-गान में सम्मिलित होते थे, उसे वह पसंद करती थी। तत्पश्चात् उसने लक्ष्य किया कि उसे जितना आनन्द प्राप्त होना चाहिए, उतना आनंद उसे नही प्राप्त हो रहा था। अनेक चेहरों पर एक प्रचण्डता थी, जो अनावश्यक थी और जब वे गाते थे, तब वे मुस्कराते हुए दूसरे की ओर ऐसे देखते थे, मानो वे किसी रहस्य के भागीदार हों। रोना ने अन्ना की ओर देखना बन्द कर दिया और अपने चारों ओर के चेहरों का अध्ययन करना प्रारंभ कर दिया। यत्र-तत्र कोई व्यक्ति उसी के समान भावनाएँ रखता था। और वह अनिश्चयपूर्वक थोड़ा चिन्तित होकर अथवा सम्भवतः मनोरंजन के साथ अपने चारों ओर देखता, किन्तु अन्य व्यक्ति एक गोपनीय, प्रचण्ड, उत्तेजनात्मक जगत् में विचरण कर रहे थे।

"पुनः 'ग्वाउला जारा' गाओ, अन्ना।" एक व्यक्ति ने कहा।

अतः उसे तीसरी बार गाया गया और जोश एवं भावना के साथ गाया गया।

"यह एक बढ़िया गाना है।" पाल ने रोना की ओर निहारते हुए कहा।

"हां, मैने इसे सदा ही पसन्द किया है।" उसके स्वर में हिचकिचाहट थी और वह पाल के स्वर के समान ही मन्द था। मेक्सिको में उसने इसे निरन्तर सुन्दर एवं आकर्षक ढग से गाया जाता हुआ सुना था, वहां यह एक लोक-गीत था। यहां उसे एक दूसरा ही अर्थ प्रदान कर दिया गया था।

"किन्तु.....?"

"इसके सम्बन्ध में उनके लिए इतना अधिक प्रचण्ड होने की कोई आवश्यकता नहीं है," उसने क्रोधपूर्वक कहा। उसका स्वर अभी तक कानाफूसी के स्वर के समान मन्द था।

पाल हैन ने कुछ नहीं कहा। उनके सामने, फर्श पर पलथी मार कर बैठे हुए एक व्यक्ति ने असहमति-द्योतक क्रोध-भरी दृष्टि से चारों ओर देखा।

"पाल, क्या मैं सपने देख रही हूँ ? देखो, ये लोग किस प्रकार एक दूसरे के निकट आते हैं। भावनात्मक दृष्टि से। क्या उनके मध्य कोई गुप्त समझौता हुआ है ? क्यों, ऐसी बात नही है क्या ?'

"हमें बाहर निकाल दिया जायेगा।" उसने कहा और फिर उस व्यक्ति की ओर, जो अभी तक असहमति प्रकट कर रहा था, उलटकर क्रोधभरी दृष्टि से देखा। "तुम्हें अवश्य ही अपनी भावनाओं को छिपाने का ढग सीखना चाहिए।" उसने मुस्कराते हुए कहा।

"किन्तु क्या तुम इस विचित्र वातावरण का अनुभव नहीं करते ?" उसने कान में कहा। "ओह—मैं जानती हूँ कि यह मूर्खतापूर्ण है, बिल्कुल मूर्खतापूर्ण है। मैं पागल होती जा रही हूँ। लोगों मे इतना अधिक लड़कपन नहीं हो सकता।"

"तुम लड़कों का अपमान कर रही हो।" उसने कोमलता से कहा। "किन्तु तुम पागल नहीं होती जा रही हो।"

उसने एक क्षण तक उसकी ओर घूरकर देखा। "पाल—" उसने चिन्तित स्वर में कहना प्रारम्भ किया, किन्तु उनके सामने बैठा हुआ व्यक्ति आदेशात्मक मुद्रा में उसे चुप कराने के लिए मुड़ा। अतः वह चुप हो गयी, किन्तु जब उस व्यक्ति ने "मैदानों का गीत" के लय के साथ लय मिलाकर अपने हाथों से फर्श पर तबला बजाना प्रारम्भ कर दिया, तब उसने पाल के साथ मुस्कानों का आदान-प्रदान किया। यह एक ऐसा गीत था, जिसकी नाटकीयता के कारण रोना उसे सदा पसन्द करती थी, किन्तु अब हाथों और एड़ियों का थपथपाया जाना, पार्क एवेन्यू के एक निवास-स्थान में लाल सेना की एक अश्वारोही टुकड़ी की सरपट-ध्वनि को, सुनकर उसे हँसने की इच्छा हो गयी। केवल, उसके अन्तर में, एक गहरा रोष, एक अस्पष्ट क्रोध था, जिसने हँसी को कटुतापूर्ण बना दिया!

अन्ततः उसने द्वार पर स्काट को देखा—थेल्मा के साथ। थेल्मा का सुनहले रंग के फीतों से बँधा हुआ जूड़ा थोड़ा-सा सरक गया था। वह अत्यधिक उत्तेजित थी, पागलों की भाँति तालियाँ पीट रही थी। स्काट गम्भीर, प्रायः चिन्तित, सम्भवतः ऊबा हुआ दिखायी दे रहा था। रोना ने हाथ हिलाया और उसका ध्यान आकृष्ट किया। उसने सिर हिलाया। अब वह मुस्करा रहा था।

फिर उसने उसकी बगल में पाल हैन को देखा। स्काट जब थेल्मा को छोड़कर चला और उसने भरे हुए कमरे के पार रास्ता बनाना प्रारम्भ किया, तब उसकी मुस्कान समाप्त हो चुकी थी। किन्तु कमरे को पार करना एक समय-साध्य कार्य था और गायिका द्वारा की जानेवाली एक घोषणा के समय उसे रुक जाना पड़ा। "मेरा स्वर जवाब दे रहा है," गायिका ने अपनी आकर्षक मुस्कान के साथ कहा। "अतः केवल एक बार और—अन्तिम बार। यह क्या होगा?" निराशा भरे स्वर, "और बाद में" की आवज़ें, गानों के सुझाव, सभी एक दूसरे से टकराकर एक दूसरे में विलीन हो रहे थे। जब लड़की ने शान्ति के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया, तब अकस्मात् शांति छा गयी। उसके ब्रेसलेट आकर्षक ढंग से खनखनाने लगे। "यह क्या होगा?" उसने पुनः पूछा।

"फ्राम द हाल्स आव माण्टेजुमा।" रोना ने अपने स्पष्ट स्वर में पुकार कर कहा।

एक क्षण तक सभी लोग हक्का-बक्का हो गये और उसके बाद तरह-तरह की आवाज़े होने लगीं।

"क्यों," रोना ने मुस्कराते हुए सामने बैठे हुए व्यक्ति से, जो घूमकर उसकी ओर घूरकर देखने लगा था, कहा—"इसमें भी प्रयाण का अच्छा लय है।"

पाल हैन ने अपनी व्यापक मुस्कान को छिपाने के लिए अपना सिर झुका लिया। "शरारती!" उसने कहा—"रोना, यह तुम्हारी बहुत बड़ी शरारत है।" मुस्कान गहरी हो गयी और वह हँसी को रोकने की कोशिश करने लगा। वहाँ अन्य व्यक्ति भी थे, जो अपनी हँसी को रोकने का प्रयास कर रहे थे।

किन्तु कोई व्यक्ति हँस ही पड़ा, वह एक जोरदार, ऊँची हँसी थी, जिसके फलस्वरूप कमरे में एक बार पुनः पूर्ण शांति छा गयी और प्रत्येक सिर पियानो की ओर झुक गया। चार्ल्स पियानो की तिपाई पर चढ़ गया था, उसके बाल अस्त-व्यस्त थे, उसके सफेद चेहरे पर उत्तेजना थी, उसके हाथ में एक उटपटांग तौलिये से पट्टी बँधी हुई थी। वह वहाँ अपने को खतरनाक ढंग से संतुलित करता हुआ, अपने गिलास को ऊपर उठाये हुए खड़ा था। "यह टोस्ट का समय है।" उसने कमरे में चारों ओर देखते हुए अपने ऊँचे पतले स्वर में चिल्लाकर कहा। "उसे रोको, कोई!" यह, द्वार से रवाना होती हुई, उसके पास तक पहुँचने की कोशिश करती हुई, थेल्मा का स्वर था।

चार्ल्स ने घूमकर उसकी ओर देखा, वह फिसल पड़ा और पुनः खड़ा हो

गया। "यह टोस्ट का समय है।" उसने पुनः कहा—"देवियो और सज्जनो, मैं आपको कार्ल मार्क्स के सिद्धांत—बुद्धिवादियों की अफीम—प्रदान करता हूँ!" उसने अपने गिलास को और ऊपर उठाया और वह अपना संतुलन खो बैठा, वह जोरदार आवाज के साथ खुले पियानो पर गिर पड़ा। चार्ल्स की पट्टी के पियानो के तारों में उलझ जाने के फलस्वरूप प्रचण्ड स्वर-लहरियाँ कमरे में व्याप्त हो गयी। अब वह धीरे-धीरे, पियानों की चाभियों के मार्ग से बाहर निकल रहा था। पियानो के तारों से निकलने वाले असंबद्ध स्वरों में मनुष्यों के सामूहिक स्वर डूब गये।

"वह पुनः नशे में चूर हो गया है।" चार्ल्स के अन्ततोगत्वा बाहर निकल आने पर फर्श पर बैठे हुए व्यक्ति ने क्रोधपूर्वक कहा।

"बेचारी थेल्मा!" उसके साथी ने कहा—"वास्तव में उसे किसी दूसरे स्थान पर रखना होगा।"

रोना पाल की ओर मुड़ी। "चार्ल्स कौन है?"

पाल उस लाल बालों और सफेद चेहरे वाले व्यक्ति की ओर देखने लगा, जो प्रत्येक व्यक्ति से कह रहा था कि मुझे और शराब दीजिये और मैं बहुत से और टोस्टों से उपकृत करूँगा, मैं महीनों से उनके सम्बन्ध में सोचता रहा हूँ। उसने निराशापूर्वक कहा—"तुम्हें नहीं मालूम? वह थेल्मा का पुत्र है।"

"ओह, नहीं!" रोना ने और अधिक कुछ नहीं कहा। चार्ल्स अपने को पकड़ने वाले और नियंत्रित करने वाले एक व्यक्ति के हाथ से मुक्त होने का प्रयत्न कर रहा था। अब वह प्रत्येक व्यक्ति को आने तथा भोजन-कक्ष में भुनी हुई मछलिया और तला हुआ सूअर का गोश्त खाना प्रारम्भ करने के लिए निमंत्रित कर रहा था। "उठो!" उसने आवाहन किया—"हे, भुखमरी के बन्दियो, उठो!"

इसी क्षण स्काट उनके निकट पहुँचा।

"चलने का समय हो गया।" उसने क्रोधपूर्वक कहा। उसने पाल हैन की ओर देखा और उसकी आँखें संकुचित हो गयी।

रोना ने, जो अभी तक चार्ल्स को कमरे के बाहर जाने के लिए राजी किये जाते हुए देख रही थी, केवल सिर हिला दिया। 'स्पिनेट' से एक स्वर निकला, गायिका एक केहुनी पर झुकी, और उसने सुनहले बालों के एक गुच्छे को पीछे हटाया। वह मुस्करायी और गाना प्रारम्भ कर दिया, यद्यपि वह गाना "हाल्स

आफ माण्टेजुमा" अथवा "शोर्स आफ ट्रिपोली" के सम्बन्ध में नहीं था। वह "ग्वाडलाजारा" नामक गीत था, जो उस संध्या को चौथी बार गाया जा रहा था।

रोना उठ खड़ी हुई, वह पाल की ओर देखकर मुस्करायी और उसने जाना प्रारम्भ किया। स्काट एक क्षण तक हिचकिचाया, तत्पश्चात् वह भी उसके पीछे-पीछे चलने लगा। संगीत-प्रेमियों ने उनकी ओर क्रोधपूर्वक देखा, गति के समाप्त होने तक प्रतीक्षा करने के लिए उनसे संकेत किया, किन्तु रोना और उसके बाद स्काट हाल में पहुंच गये। अन्य कमरे अब खाली हो गये थे। भोजन-कक्ष प्रतीक्षा कर रहा था, उसमें विशाल मेज पर भोजन-सामग्रियाँ सजाकर रखी हुई थीं—भुनी हुई मछलियों और तले हुए सूअर के गोश्त के सम्बन्ध में चार्ल्स की बात ठीक ही थी। किन्तु स्वयं चार्ल्स कहीं भी दिखायी नहीं दे रहा था।

"मुझे खेद है।" अपने हैट का पता लगाने के लिए कठोर चेहरे वाले बटलर की प्रतीक्षा करते हुए स्काट ने कहा—"वह एक बहुत ही आघातकारी क्रिया-कलाप था।" उसने मुस्कराने का प्रयास करते हुए रोना का हाथ पकड़ लिया। किन्तु वह थका हुआ और चिन्तित दिखायी पड़ रहा था। रोना ने उसके उतरे हुए चेहरे को, उसकी आँखों की रेखाओं को लक्ष्य किया। "आओ, चलें और भोजन करें।" उसने कहा, किन्तु वह अपने क्रोध को छिपा न सका। "आओ हम कोई शान्त स्थान ढूंढें।" वह सड़क पर पहुंचने तक पूरे रास्ते भर उसके हाथ को कस कर पकड़े रहा। वे दोनों चुपचाप चलते रहे।

उसने अत्यन्त विनम्रतापूर्वक उसे कार में बैठाया। इसी समय उसे ज्ञात हुआ कि वह कितना अधिक क्रुद्ध है। जब वह कार को वाहनों की धारा की ओर ले जा रहा था, तभी उसके क्रोध का अचानक विस्फोट हो गया। "पाल हैन प्रत्येक स्थान पर, प्रत्येक समय तुम्हारा पीछा क्यों कर रहा है?" तत्पश्चात् जब वे कारों की एक पंक्ति के गुजर जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे, तभी उसने एक हाथ बढ़ाया और उसके हाथ को पकड़ लिया। "रोना, तुम मेरे प्रति ऐसा व्यवहार क्यों करती हो?" उसने पूछा।

तो यह बात है। उसने राहत की साँस ली। किन्तु फिर भी, वह सोच रही थी, हम लोग भोजन के समय साफ-साफ बातें करने जा रहे हैं। हमें अवश्य ऐसा करना चाहिए। मेरे दिमाग में महीनों से अनेक प्रश्न उठते रहे हैं और मैंने सदा ही उनको अलग हटा दिया है। आज रात उनको प्रस्तुत किया

जायेगा और स्काट मुझे उत्तर देगा। और उसके बाद, जब प्रत्येक बात साफ हो जायेगी, तब हम नये सिरे से प्रारम्भ करने के योग्य हो जायेंगे। हमें पुनः वह प्रसन्नता प्राप्त हो जायेगी, जो हमें गत ग्रीष्म ऋतु में प्राप्त थी और हम वहाँ से प्रारम्भ करेंगे।

उसने अपनी आँखों में आँसुओं को उभरते हुए महसूस किया। वह जल्दी से झुकी और स्काट के गाल को चूम लिया। "मुझे खेद है, प्रिय।" उसने कहा—"किन्तु हम लोग उस भयंकर स्थान पर गये ही क्यों? हमें मालूम होना चाहिए था कि थेल्मा जैसे किसी भी भयंकर व्यक्ति मे किसी भी वस्तु के प्रति सुरुचि नहीं होगी।"

उसने कार को सड़क पर पहुँचा दिया। "चिन्ता मत करो, मैं तुम्हें वहाँ फिर कभी नहीं ले जाऊँगा।"

"चलो, आज से हम लोग थेल्मा और मर्रे का पूर्ण रूप से परित्याग कर दें।" उसने उत्सुकतापूर्वक कहा।

स्काट यातायात का निरीक्षण कर रहा था। सामान्यतः वह खतरा उठाना पसन्द करता था। आज रात वह सामान्य से अधिक सावधानी से काम ले रहा है। "चार्ल्स के सम्बन्ध में तुमने क्या सोचा?" उसने पूछा।

"मैं उसके लिए बहुत ही अधिक दुखी हो गयी।" उसने धीरे से कहा।

"उस मद्यप के लिए? तुम्हें मालूम है, वह एक दुखदायी पागल है।"

"किन्तु उसे ऐसा किसने बनाया?" उसने शांत स्वर में पूछा। वह थेल्मा के सम्बन्ध में सोच रही थी।

"किसने बनाया?"

"हाँ। यदि तुम्हारी मां ऐसी होती, जो अपने घर को उस प्रकार के लोगों से भरती रहती, तो तुम क्या कर सकते थे? वह अब भी उसके प्रति वफादार है, जो एक विचित्र बात है। मेरा ख्याल है कि वह बहुत पहले ही वफादारी की पात्र नहीं रह गयी थी।"

"वफादार? क्या तुम उसे थेल्मा के प्रति वफादार समझती हो?"

"वह इतना वफादार है कि वह संघीय खुफिया विभाग के पास नहीं जाता और जो कुछ जानता है, वह सब बता नही देता।"

"संघीय खुफिया विभाग उसके सम्बन्ध में अथवा थेल्मा के सम्बंध में क्या करेगा?"

रोना ने कहा—"स्काट, मैं इस प्रकार की बातों के सम्बन्ध में नहीं

जानती। किन्तु मैंने ख्याल भर किया कि चार्ल्स को जितनी बातें मालूम हैं, उनके कारण वह अवश्य महसूस करता होगा कि उसे किसी न किसी को ये बातें बतानी ही चाहिए। बशर्ते वह थेल्मा की राजनीति मे विश्वास न करता हो। और स्पष्टतः वह ऐसा नहीं करता।"

"रोना, तुम वाशिंगटन में होने वाले राजनीतिक विरोधियों के उन प्रपीड़नों के अत्यधिक विवरण पढ़ती रही हो।" वह मुस्करा रहा था और उसके भोलेपन पर सिर हिला रहा था।

"मैं पर्याप्त रूप से उनका अध्ययन नहीं करती रही हूँ।" रोना ने तीक्ष्णतापूर्वक कहा।

"मैं अनेक बातों पर अत्यन्त शीघ्रतापूर्वक अविश्वास करती रही हूँ। किन्तु अब से—ओह, स्काट!" कार ने धक्का खाया और बत्तियों का रंग बदलने से पूर्व ही पार्श्व-मार्ग से सड़क पर आती हुई एक महिला उससे टकराने से बच गयी। उनके पीछे एक टैक्सी अचानक शोर करती हुई रुक गयी और ड्राइवर ने अपना क्रोध से तमतमाया हुआ चेहरा बाहर निकाला तथा स्काट की दिमागी शक्ति के विषय में अपने विचार चिल्ला-चिल्ला कर प्रकट करने लगा।

स्काट ने उन उग्र वर्णनों की उपेक्षा की, किन्तु उसका मुँह कस गया और उसका जबड़ा बंध गया। अब रोना को याद आया कि वह झगड़ों से किस प्रकार घृणा करता है और उसने सोचना प्रारम्भ कर दिया कि आज शाम, जब आतिशबाजी प्रारम्भ हुई थी, उसने क्या महसूस किया था। और दोष उसका था। उसे यह बात मालूम थी। चार्ल्स नौसैनिकों के गीत के लिए उसके अनुरोध पर हँस पड़ा था और उससे उसे पियानो की तिपाई पर चढ़ने का साहस प्राप्त हो गया था। बेचारा चार्ल्स, उसका तुच्छ प्रतिवाद भी इतना अधिक प्रभावहीन सिद्ध हुआ था। प्रत्येक व्यक्ति ने कहा था कि वह नशे में चूर है। नशे में चूर? उसकी आवाज दोनों बार पर्याप्त रूप से स्पष्ट थी।

"हम लोग कारलो के होटल में भोजन करेंगे।" स्काट ने यकायक कहा—"मेरा ख्याल है कि उसका होटल रविवार को खुला रहता है। भूख लगी है?"

"हा।" एक साथ नाश्ता करने के बाद से काफी समय बीत गया था। जब वे आज प्रातः काल निवास-स्थानों की एक सूची के अतिरिक्त और सभी बातों से निश्चिन्त होकर रवाना हुए थे, उसके बाद से काफी समय व्यतीत हो चुका था।

भोजन के समय उन्होंने बहुत अधिक बातें की और स्काट ने धैर्यपूर्वक

स्पष्टीकरण एवं तर्क-वितर्क किया। हां, उसने स्वीकार किया कि थेल्मा मूर्ख है। और मर्रे भी मूर्ख है। अन्य लोग ? निश्चय ही रोना चार्ल्स जैसे एक पागल व्यक्ति से प्रभावित होने वाली नहीं थी ? अथवा उसने निवास-स्थान को इतना अधिक नापसन्द किया था कि प्रत्येक व्यक्ति समान रूप से नापसन्द करने योग्य बन गया था।

"नहीं।" रोना ने प्रतिवाद किया—"मैंने महसूस किया कि मैं उनमें से अनेक व्यक्तियों को पसन्द कर सकती हूँ, बशर्ते वे सामान्य व्यक्ति बने रहें। किन्तु वे सामान्य व्यक्ति नही थे। वे हास्यास्पद थे। हास्यास्पद और भयंकर भी। मैंने किसी भी बात की कल्पना नही की थी। आज मैं केवल देख रही थी, बस और कुछ नहीं।"

स्काट ने मुस्कराते हुए कहा—"रोना, इस प्रकार से बात करती मत फिरो। लोग सोचेंगे कि तुम हास्यास्पद हो। और वास्तव में तुम हास्यास्पद नहीं हो।"

"किन्तु ऐसा महसूस करने वाली मैं अकेली नहीं थी। वहा एक औरत थी, जो अत्यंत क्रोध के आवेश में ही चली गयी। वह एक लाल हैट पहने हुए थी, जिस पर एक सफेद 'बो' थी।"

"ओह, हां, मैंने उसे जाते हुए देखा था। उसका दोस्त उस गायिका के गीतों के मोह में उसके साथ नहीं गया।" स्काट इस बात पर जरा मुस्कराया।

"हां, पाल हैन ने इसे महसूस किया।"

"हैन ?"

रोना ने अपने ओठ काट लिये। "मुझे विश्वास है कि उसने ऐसा महसूस किया। जिस प्रकार मुझे यह भी विश्वास था कि तुमने भी ऐसा ही महसूस किया।"

स्काट ने कहा—"हां, सम्भवतः इस संबंध में तुम्हारा कहना ठीक है। सम्भवतः वे सब कम्यूनिस्ट हैं। मेरा अनुमान है कि मैं किसी वस्तु को जल्दी नही समझ पाता।"

"स्पष्ट रूप से—"

"हां ?"

"मैं नहीं सोचती कि तुम्हारा कहना ठीक है !"

वह विस्मित हो गया। तत्पश्चात् उसने हंसना प्रारम्भ कर दिया।

"मैं सच कह रही हूँ, स्काट। तुम इतने अधिक ईमानदार हो कि तुम

महसूस नही कर पाते कि लोग तुम्हें धोखा दे रहे है।"

"मुझे कौन धोखा दे रहा है ?"

वह हिचकिचायी। "निकोलस ओरपेन।" उसने धीरे से कहा।

"रोना,"—स्काट के स्वर में दृढ़ता थी—"निकोलस ओरपेन मेरा मित्र है। मैं उसे वर्षो से, जब वह मुझे कालेज में पढ़ाता था तब से, जानता हूँ। वह कोई दुष्ट अथवा धोखेबाज नहीं है। वह सच्चे विश्वासोंवाला व्यक्ति है। वह मानव-जाति की भलाई में विश्वास करता है। वह ईमानदार है। उसके जीवन में उसके साथ बहुत अधिक कठोर व्यवहार किया गया है, किन्तु चूकि दूसरे लोग उससे मुंह मोड़ लेते हैं, इसीलिए उसके पुराने मित्रों को उससे मुह नही मोड़ लेना चाहिए। मै उसकी राजनीति से ठीक उसी प्रकार सहमत नही हूँ, जिस प्रकार मैं अपने अनेक मित्रों की धर्म-विषयक धारणाओं से सहमत नहीं हूँ। किन्तु उसके कारण मैं उनसे बचता नही रहता हूँ। फिर, ओरपेन से क्यों बचकर रहा जाये ? वह कोई अपराधी नही है। इसके अतिरिक्त, यदि उसने एक बार खड़ा होकर कह भी दिया कि वह कम्यूनिस्ट है, तो इसका अर्थ यह नही है कि वह अब उस पार्टी का सदस्य है। मै उसके साथ इन बातों पर विचार-विमर्श नही करता, किन्तु मैंने इतना अवश्य सुना है कि वह सम्प्रति वर्षो से पार्टी के मामलों ले पृथक् है। अतः चिन्ता क्यों की जाथे ? क्या तुम किसी निन्दनीय प्रकरण से भयभीत हो ?"

"नहीं। निन्दनीय प्रकरण से भी बहुत अधिक कोई चीज है।" रोना ने प्रेरणात्मक ढग से कहा। "मैं ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में सोचती रही हूँ।"

"कौन ?"

"ब्लैकवर्थ—'ट्रेण्ड' का सहायक सम्पादक, जिसे पाल हैन के स्वदेश लौटने के ठीक पहले ही बरखास्त कर दिया गया था। मैं उसके सम्बन्ध में सोचती रही हूँ। मैं 'ट्रेण्ड' के उन समस्त अंकों को पढ़ती रही हूँ, जिनमें उसने स्थानापन्न वृत्त-लेख-सम्पादक के रूप में काम किया था। और मैंने जो कुछ पढ़ा, उसे मैं पसन्द नहीं करती, स्काट। ओह, ब्लैकवर्थ ने जिन लेखकों के लेखों को प्रकाशित किया, उनके साथ सहमत अथवा असहमत भर होने का यह प्रश्न नही है। यह उससे बहुत कुछ अधिक है : वे एक प्रकार के—एक प्रकार के भ्रष्टाचार हैं। विचारों को भ्रष्ट बनाया जा सकता है, स्काट। और तब आचरण के प्रतिमान भी भ्रष्ट हो जाते हैं। मुझे इसी बात से भय लगता है—निन्दनीय प्रकरण से नहीं।"

"ओह, रोना, आओ ! हम अधिकांशतः विश्वसनीय विवेकवाले बुद्धिमान व्यक्ति हैं। हम इतती सरलता से भ्रष्ट नही बन जाते।"

"ब्लैकवर्थ भ्रष्ट बन गया था,"—उसने शांतिपूर्वक कहा, "क्योंकि उसने वीडलर के साथ जो कुछ किया, वह पूर्ण विश्वासघात है। देखो, स्काट, एक सम्पादक को अपने समस्त सहायकों और सहकारियों पर विश्वास करना ही पड़ता है। उसे बहुत अधिक अधिकार प्रदान करना पड़ता है। उसे इस योग्य होना ही पड़ता है कि वह उन व्यक्तियों पर विश्वास कर सके, जो उसका धन लेते हैं। और ब्लैकवर्थ ने उस विश्वास की रक्षा नही की। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है ? यदि ब्लैकवर्थ ईमानदार होता, तो उसने 'ट्रेण्ड से त्यागपत्र दे दिया होता और किसी कम्यूनिस्ट पत्रिका में काम करने के लिए चला गया होता।"

स्काट मेज पर से उठ खड़ा हुआ। "तुम्हारा घर पहुँचने का समय हो गया है।" उसने बिल के लिए वेटर को पुकारते हुए कहा—"हम वृत्तों में बात करना प्रारम्भ कर रहे हैं।"

"मैं नही !" रोना ने कहा—"मैं तो बस वस्तुओं को सीधे देखना प्रारम्भ कर रही हूँ।"

"बहुत सुन्दर !" उसने कहा—"किसी दूसरी रात हम लोग इस विन्दु से और आगे बढ़ेंगे। किन्तु एक बैठक में मैं केवल इतनी ही राजनीति को ग्रहण कर सकता हूँ।" अब वह, वख्शीश के सिक्के गिनते हुए बड़बड़ा रहा था।

"हाँ, स्काट," रोना ने थकावट के साथ कहा। वह उठी और रेस्तरां से बाहर निकल आयी। पार्श्व-मार्ग पर वह, दूकानों के ऊपर निवास-स्थानों की ओर देखती हुई, उसकी प्रतीक्षा करने लगी। खिड़कियों पर पर्दे नहीं लगे हुए थे। वह दूसरी मंजिल पर स्थित कमरों को बिल्कुल साफ देख सकती थी—किताबों की आल्मारियाँ, फूलों के गमले, दीवारों पर टँगी हुई तस्वीरें, छतों के रंग। एक कमरे में लोग इधर-उधर चल रहे थे, उनका ध्यान उनकी ओर उत्सुक दृष्टि से देखनेवाली आँखों की ओर तनिक भी नहीं था। उन सभी को देखने दो, इसमें लज्जा की क्या बात है ? उसने सोचा कि नही, हमारे देशवासी गोपनीयता पसन्द करनेवाले नहीं हैं। हम अपने को छिपाते नहीं फिरते। अथवा अपने विचारों को छिपाते हुए नहीं फिरते। अथवा अपने इरादों को छिपाते हुए नहीं फिरते। हम जो कुछ हैं, वही हैं। हमें स्वीकार कीजिये अथवा हमारा परित्याग कर दीजिये। विदेशी सोचते हैं कि हम मूर्ख हैं। वे हमें सीधे, अज्ञान और बकवासी कहते हैं। किन्तु, कम से कम, हम ढोंगी नहीं हैं। क्या यही कारण

है कि प्रथमतः, जब हमें यह पता चलने लगता है कि हमसे किसी वस्तु को छिपाया जा रहा है, तब हम इतने अधिक क्रुद्ध हो जाते हैं ?

अंततोगत्वा स्काट बाहर निकला। "अभी तक इतनी गंभीर बनी हुई हो ?" उसने पूछा।

"मैं सोच रही थी कि श्री हल किस बात से अधिक क्रुद्ध हुए—पर्ल हार्बर पर गिराये गये बमों से अथवा इस तथ्य से कि जापानी उनके कार्यालय में बाहर 'शांति' के संबंध में वार्ता जारी रखने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे ?"

"तुम हल के कार्यालय तक कैसे पहुंच गयी ?" उसने उसका हाथ पकड़ लिया और उन्होंने कार की दिशा में चलना प्रारंभ कर दिया।

उसने पुनः ऊपर बिना पर्दे की खिड़कियों की ओर देखा। "दूसरी मंजिल के मार्ग से।" उसने इंगित किया। "और आज शाम को थेल्मा की पार्टी के मार्ग से।"

वह चक्कर में पड़ गया दिखायी पड़ा। "मैं समझ नही पा रहा हूँ। किंतु यदि तुम अभी तक उन लोगों के संबन्ध में चिन्ता कर रही हो, जिनसे थेल्मा की पार्टी में तुम्हारी मुलाकात हुई थी, तो उन्हें भूल जाओ। वे महत्वपूर्ण नहीं हैं।" वह मुस्कराया और उसने अपना सिर हिलाया।

"उनका ख्याल है कि वे महत्वपूर्ण हैं। यदि वे अपने सम्बन्ध में इतनी अधिक गंभीरता के साथ नही सोचते, तो मैं उनके सम्बन्ध में चिन्ता करना छोड़ देती।"

"वे अन्य किसी भी वस्तु की अपेक्षा एक परिहास की वस्तु अधिक थे।" उसने अपनी घड़ी देखी। "मैंने जितना सोचा था, उससे अधिक बिलंब हो गया है।" उसने आश्चर्य के साथ कहा।

"क्या सिनेमा जाने के लिए बहुत अधिक देर हो गयी है ?"

उसने ऊपर देखा। रोना ने देखा कि वह अपने पहले निमंत्रण को भूल गया है। उसने भद्दे ढंग से कहा—"बहुत अधिक देर हो रही है, रोना।"

उसने अपनी निराशा को अलग कर दिया। "अच्छा, चलें और मेरे घर पर कुछ पियें। इसमें अधिक समय नहीं लगेगा।"

वह हिचकिचाया।

"अथवा क्या शाम के शेष समय के लिए तुमने कुछ दूसरी ही योजनाएँ बना रखी है ?" उसने पूछा। "ऐसा प्रतीत होता है कि मैं इन विगत कुछ महीनों से राह का रोड़ा बन रही हूँ, क्यों, ऐसी बात नहीं है क्या ?"

"आज रात तुम बकवास करने लगी हो।" स्काट ने हँसते हुए कहा—"तुम जानती हो, आज का दिन एक विकट दिन रहा है। मैं केवल उसके सम्बन्ध में सोच रहा था।" उसने चलते हुए उसे अपने और अधिक निकट खींच लिया और अपनी बाँह को उसकी कमर में लपेट लिया। फिर उसके स्वर में परिवर्तन हो गया और उसने कहा—"रोना, मैं इस सब के लिए पाल हैन को दोष देता हूँ। उसके वापस आने के बाद से ही तुम चिन्तित और परेशान रहने लगी हो।"

"स्काट, यह बात—" वह उसका सामना करने के लिए, उसकी बाँह से अपने को छुड़ाते हुए, रुक गयी।

"हाँ, तुम चिन्तत और परेशान रहने लगी हो। इधर हाल में हमारी सारी कठिनाई यही रही है। गड़बड़ी क्या है, रोना? क्या मैं उसके प्रतिमानों के अनुसार ठीक नहीं सिद्ध होता?"

"स्काट, तुम—"

"तुम बदल गयी हो। तुम मुझे उस प्रकार प्रेम नहीं करती, जिस प्रकार किसी समय किया करती थी।"

"मैं बदल गयी हूँ? नहीं, मैं नहीं बदली हूँ।"

"तो क्या तुम्हारा मतलब यह है कि मैं बदल गया हूँ?" उसने उसकी कलाई पकड़ ली।

"तुम पहले जैसे नही रह गये हो।" उसने धीरे से, दुःख के साथ स्वीकार किया।

"मैं तुमसे प्रेम करता हूँ, क्या नही करता हूँ?" उसने, प्रायः कटुता-पूर्वक पूछा।

उसने पुनः धीरे-धीरे, शान्तिपूर्वक कहा,—"हाँ। हाँ और नहीं। ओह, स्काट, हमें क्या हो रहा है? हमारे मध्य कोई वस्तु बाधक बन रही है, कोई वस्तु, कोई वस्तु।"

"पाल हैन।"

"वह नहीं बाधक बन रहा है।" उसका क्रोध उसके नियंत्रण से बाहर हो गया। इस क्षण वह स्काटसे उतनी ही घृणा करने लगी, जितना वह उससे प्रेम करती थी। उसने उसके हाथ को झटक कर अपनी कलाई से अलग कर दिया। वह मुड़ी और भागने लगी।

स्काट एट्टली स्तम्भित होकर उसके पीछे देखने लगा। "रोना!" उसने पुकारा, "रोना!" तत्पश्चात् उसने उसके पीछे भागना प्रारम्भ कर दिया।

किन्तु जब तक वह उसके पास पहुँचना, उसके पहले ही एक 'मैडिसन बस' कोने पर खडी हो गयी; उसके द्वारा खुले और रोना कूदकर भीतर प्रविष्ट हो गयी। जब वह कोने तक पहुँचा, तब बस पहले ही वहाँ से चल पड़ी थी। उसने बस की बगल में थपथपाया, किन्तु वह रुकी नही। वह उसके पीछे देखता, ड्राइवर को गालियाँ देता हुआ, खडा रहा।

"बहुत बुरा है!" एक व्यक्तिने उसकी बगल में कहा—"किन्तु किसी बस-ड्राइवर को हरी बत्ती दिखा दीजिये और वह रुक नहीं सकता। आप कम्पनी को क्यों नही लिखते?"

"आपसे किसने पूछा?" स्काट ने पूछा और मुड़ पड़ा। वह अपनी कार की दिशा मे जल्दी-जल्दी वापस चलने लगा, उसका चेहरा लाल और उसका मुँह बन्द था। उसने ड्राइवर को पुनः बुरा-भला कहा। उसने सड़क के कोने पर हस्तक्षेप करनेवाले मूर्ख व्यक्ति को बुरा-भला कहा। उसने स्वयं अपने को बुरा-भला कहा।

जब वह कार में प्रविष्ट हुआ, तब वह कुछ मिनटों तक निश्चल होकर बैठा रहा। और अब वह केवल रोना के विषय में सोच रहा था। उसने क्लान्त होकर सोचा कि मैंने उसे खो दिया है। मैंने उसे खो दिया है....तत्पश्चात् वह उत्तेजित हो गया। "मैंने उसे खोया नही है," उसने जोर से कहा। "मैंने उसे खोया नही है। और मै उसे खोऊँगा नही। मैं बहुत-सी चीजों का परित्याग कर दूँगा, किन्तु मैं रोना का परित्याग नही कर सकता।"

उसने कारको चालू किया और उसे धीरे-धीरे रोना के घर की दिशामें चलाने लगा। रास्ते भर की खिडकियाँ अन्धकारमें डूबी हुई थीं। किन्तु यदि उनमें रोशनी दिखायी देती तो भी वह रुक नहीं सकता था। साढ़े दस बज गये थे। ग्यारह बजे उसे निकोलस ओरपेने के निवास-स्थान पर पहुँचना था। (थेल्माने इस सम्बन्ध में बहुत साफ-साफ कहा था। "ग्यारह बजे, निश्चित् रूप से—" उसने कहा था।) वह कल रोना को बुलायेगा। सवेरे ही। सम्भवतः आज रात को ही ओरपेन के साथ मुलाकात समाप्त हो जाने के बाद। उसने पुनः एक बार अंधेरी खिड़कियों की ओर देखा। नही, वह कल उसे बुलायेगा, सम्भवतः दोपहर को ही। उसे भी थोड़ा-सा अनुशासन सीखना होगा।

जब वह उस रास्ते मुड़कर वापस अपने निवास-स्थान पर पहुँच गया, जहाँ वह कार को सुरक्षित रूपसे छोड़कर पैदल ओरपेन के निवास-स्थान तक जा सकता था, तब उसका वह भय समाप्त हो गया जिस भयने उसे रेस्तरां के

बाहर ग्रसितकर लिया था। वह अभी तक रोना के बारे में सोच रहा था। किन्तु अब उसका आधा मनोरंजन हो रहा था और आधा वह क्रोधित दिखायी दे रहा था!

अध्याय—११

रविवार की रात को ग्यारह बजे तक तीसरी एवेन्यू के आधे लोग पहले ही निद्रानिमग्न हो गये थे। केवल मदिरालयों और काफी-गृहों में अभी तक रोशनी दिखायी दे रही थी। थोड़ी-सी टैक्सियाँ, जिन के टायर ट्राली लाइनों के ऊपर खड़खड़ा रहे थे ई. एल. की छायाओं के अन्तर्गत दौड़ रही थी। छोटी-छोटी दूकानें अन्धकार में डूबी हुई थी; वास्तविक 'सेकण्ड एम्पायर' मेजे, 'बीडर मीयर' पेटियाँ,निश्चित् रूपसे असली प्राचीन वस्तुएँ, चमकते हुए दीप-दण्ड और रंगे हुए पोर्सिलिन के पुष्प-पात्र, दीवार-घड़ियाँ और सुनहरे रंगकी तकुएके समान पैरोंवाली कुर्सियाँ सभी काली खिड़कियों में एक के उपर एक रखी हुई थीं। उनका साथ देने के लिए कूड़ा-करकट की गाड़ियाँ ऊपर के निवास-स्थानों के बन्द द्वारों पर प्रतीक्षा करती हुई खड़ी थीं।

कमीज-आस्तीनें पहने हुए एक व्यक्ति एक अंधेरे द्वार-मार्ग पर जल्दी-जल्दी सिगरेट पी रहा था। एक औरत धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही थी, जब कि उसका कुत्ता एक मोड़के चारो ओर नाक से सूँघता हुआ घूम रहा था। लोगों का एक समूह पड़ोस के एक सिनेमा-घर से घर जा रहा था। पुलिस के दो सिपाही अपना-अपना पहरा देते हुए धीरे-धीरे, स्थिर गति से टहल रहे थे। एक पुरुष और स्त्री तर्क-वितर्क करते हुए गुजरे। सांध्यकालीन कपड़े पहने हुए चार व्यक्ति एक कोने पर खड़े होकर टैक्सी की प्रतीक्षा कर रहे थे। एक शराबी अकेला ही मार्ग पर जा रहा था। एक बिल्ली सतर्क और सन्देह भरी दृष्टी से शिकार की तलाश कर रही थी। एवेन्यू के ऊपर एक 'एलिवेटेड ट्रेन', जो प्रायः आधी खाली थी, गरजती हुई चली गयी।

स्काट एट्टली तीसरी एवेन्यू को छोड़कर उस गली में प्रविष्ट हुआ, जिस में निकोलस ओरपेन रहता था और गैरेजों तथा गोदामों की धुएँ से काली हुई एक पंक्ति से सड़क के पार नीरस रूप से खड़े मकानों की एक बीहड़ पंक्ति के निकट पहुँचा। और आगे पूरब की ओर नये मकानों में वर्दीधारी द्वार-रक्षक

और चुस्त शोफर खड़े थे; पश्चिम की ओर, तीसरी एवेन्यू के पार भूरे पत्थर के मकानों को व्यय-साध्य छोटे-छोटे निवास-स्थानों के रूप में परिणत कर दिया गया था। किन्तु यहाँ भूरे पत्थर के मकानों की पंक्ति को वर्षों से नहीं रंगा गया था, वहाँ खिड़कियाँ नहीं थीं, चमकीले रंग के द्वार नहीं थे। सीढ़ियों का पलस्तर टूट रहा था, रेलिंग टूट रही थी, नीचे का क्षेत्र कूड़ा-करकट के ढेर से भरा हुआ था।

यह एक उपेक्षित सड़क-विस्तार था, जो रात में अन्धकारमय और मोड़ के पास खड़ी की गयी मोटरों के अतिरिक्त उजाड़-सा दिखायी देता था। ओरपेन का सामने के मकान में का कमरा सबसे ऊपर की मंजिल पर था। उसकी खिड़कियों में से, जो मोटे पर्दों से ढकी हुई थीं, केवल थोड़ी-सी रोशनी दिखायी देती थी। मकान की अन्य खिड़कियाँ अन्धकाराच्छन्न थीं। यहां अधिकांश व्यक्ति जल्दी ही सोने चले जाते थे। यदि, प्रारम्भ में, ओरपेन के पड़ोसियों को, उससे मिलने के लिए देर से आनेवाले व्यक्तियों को देखकर आश्चर्य हुआ था, तो उन्होंने उसे एक सामान्य बात के रूप में स्वीकार करना सीख लिया था। "वह एक लेखक है!"—वे सिर हिलाते हुए कहते। उक्त कथन से अनेक बातों का स्पष्टीकरण हो जाता था। और, किसी भी हालत में, न्यूयार्क में कभी भी, बहुत कम प्रश्न पूछे जाते थे।

स्काट एट्टली ने अपने अभ्यस्त ढंग से घण्टी बजायी और प्रतीक्षा करने लगा। द्वार अपने-आप खुल गया और वह एक संकरे हाल में प्रविष्ट हुआ, जिसमें केवल एक बत्ती का मन्द प्रकाश हो रहा था, जिसमें एक टूटी हुई बच्चा-गाड़ी और एक टूटी हुई तीन पहियों की साइकिल पड़ी हुई थी। ढालुवाँ सीढ़ियों के निचले भाग में दीवार पर एक बाक्स-टेलिफोन था, किन्तु ओरपेन ने ऊपर अपना निजी टेलिफोन लगवा रखा था : वह व्यायाम करना पसन्द नहीं करता था।

स्काट लाइनोलियम के टूटे हुए फर्श पर यथासम्भव अधिक से अधिक शांति के साथ पैर रखता हुआ संकरी सीढ़ियों पर चढ़ने लगा। रुकने के प्रत्येक संकीर्ण स्थान पर सदा ही पकाये हुए भोजन की गन्ध चारों ओर व्याप्त रहती थी। वह जिन निवास-स्थानों से होकर गुजरा, उनके बन्द दरवाजों के पीछे या तो गहन मौन छाया हुआ था, या वहाँ से नाक के बजने का जोरदार स्वर सुनायी देता था। मकान के अन्य किरायेदार सबेरे जल्दी ही काम पर चले जाते थे। बहुधा जब ओरपेन सोने के लिए जाता था, तब वे उठते और नाश्ता करते होते। ("वह एक लेखक है," वे सिर हिलाते हुए कहते। वह रविवार के दिन भी

ट्वीड का जैकेट और फ्लैनेल के पुराने पतलून पहना करता था। न वह किसी दिन छुट्टी ही मनाता था। अथवा एक लेखक के लिए प्रत्येक दिन छुट्टी का दिन होता है। एक प्रकार का आलस्यमय जीवन, जिसमें हरदम बैठे ही रहना पड़ता है।)

ओरपेन का द्वार बन्द था। किन्तु स्काट ने जब पुनः अपने संकेत-चिह्न का प्रयोग करते हुए उसे खटखटाया, तब वह तुरन्त खुल गया। वह एक विशाल डेस्क, एक मेज, आराम-कुर्सियों, किताबों की आलमारियों और एक बड़े सींग से युक्त एक उत्तम फोनोग्राफ से सुसज्जित एक आरामदेह कमरे में प्रविष्ट हुआ। खिड़कियों पर मोटे-मोटे पर्दे पड़े हुए थे। पढ़ने की बत्तियाँ पूरे कमरे में शांति का वातावरण उत्पन्न कर रही थी। फोनोग्राफ के निकट रेकार्डों का ढेर, मैण्टिलपीस और कुर्सियों पर रखी हुई पुस्तकें, मेज पर मोड़कर रखे गये समाचार-पत्र और पत्रिकाओं का ढेर, ये सभी बातें शातिमय जीवन की इस भावना में वृद्धि कर रही थीं।

ओरपेन अपने चश्मों को उतार रहा था, उसने उन्हें पुनः पहनने से पूव जल्दी-जल्दी उनको साफ किया। उसके पीछे खिड़कियों के निकट डेस्क पर एक बड़े सोख्ते से सावधानीपूर्वक ढके हुए पाण्डुलिपि के पृष्ठ रखे हुए थे। वह मंझोले से भी कम कद का आदमी था, वह दुबला था तथा उसका चेहरा पतला और शान्त था। बस एक अत्यन्त साधारण दिखायी देनेवाला व्यक्ति, जो धीरे-धीरे, कोमलतापूर्वक बात-चीत करता था। उसके विरल बाल आधे भूरे थे, उसकी आँखें आधी सफेद थीं। उसकी त्वचा हल्के पीले रंग की थी। (वह कई-कई दिनों तक अपने दो छोटे कमरों से कभी बाहर नहीं निकलता था।) फिर भी, उसकी गतिविधियाँ शीघ्रतापूर्ण, संकल्पपूर्ण थी। उसकी भाव-भंगिमाएँ बलपूर्ण थीं, उसका उच्चारण, जो सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित था, ऐसा था, जिसकी परिभाषा नहीं की जा सकती।

अब, जब उसने स्काट के फैले हुए हाथ को अपने हाथ में लिया और उसे जल्दी से, संक्षिप्त रूप से हिलाया, तब वह—अपनी मैत्रीपूर्ण मुस्कान, अपनी सतर्क आँखों, अपने ट्वीड जैकेट, पुस्तकों की अपनी पृष्ठभूमि के साथ—ऐसा प्रतीत हुआ, मानो वह न्यू इंगलैण्ड के किसी कालेज का एक अधेड़ उम्रवाला प्रोफेसर हो। उसने मुनरो में अपने अध्यापक-पद का परित्याग कर दिया था, किन्तु उसने उसके तौर-तरीकों का परित्याग कभी नहीं किया था।

"अन्दर आओ, अन्दर आओ!" उसने द्वार को बन्द करते हुए और

उसमें ताला लगाते हुए कहा। उसने स्काट को आरामदेह कुर्सी पर बैठने के लिए संकेत किया और मेज पर प्रतीक्षा करती हुई बियर की दो बोतलों को खोला।

जब वह स्वय भी स्काट के सामने एक आरामकुर्सी पर बैठ गया, तब उसने पूछा—"क्यों ?" एक अधीर अंग-संचालन के साथ उसने अपनी बगल में जलती हुई बत्ती को बुझा दिया। "मेरी आखें !" उसने क्लान्तिपूर्वक कहा—"मुझे अधिक शक्तिशाली चश्मे लेने पड़ेंगे।" तत्पश्चात् वह पूर्णतया निश्चल, सतर्क होकर बैठ गया। स्काट प्रतीक्षा करता रहा, किन्तु सबसे पहले उसे ही बोलना पड़ा।

"थेल्मा ने मुझे तुम्हारा सन्देश दिया।" स्काट ने बेचैनी के साथ कहा। उसने मैण्टिलपीस पर रखी हुई घडी की ओर देखा। ग्यारह बजकर छः मिनट हुए थे।

ओरपेन ने उसकी दृष्टि का अनुसरण किया। "तुम्हें समय-पालन का ढंग अवश्य सीखना चाहिए।" उसने अपनी शाँत, परिहास-हीन मुस्कान के साथ कहा। उसने अपने जैकेट के पाकेट से अपना पाइप बाहर निकाला। "क्यों, क्या गड़बड़ी है ? तुम विशेष प्रसन्न नहीं दिखायी दे रहे हो।"

"आज रात मुझे थोड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ा," स्काट ने कहा। "रोना।" उसने रोना की चर्चा केवल मुलाकात के अंत में करने का विचार किया था, किन्तु ओरपेन ऐसा ढंग जानता है, जिससे वह उससे प्रथम कुछ मिनटों के भीतर ही प्रत्येक बात कहलवा लेता है।

"आह ? क्या उसे थेल्मा की पार्टी में आनन्द नहीं मिला ?"

"उसे वहाँ ले जाने के लिए तुमने ही मुझसे कहा था।" वह अपने स्वर से शिकायत की ध्वनि को दूर नहीं रख सका।

"और अब तुम स्वयं देख रहे हो," ओरपेन ने अपने शब्दों को काफी कटाक्षपूर्ण बनाते हुए कहा।

स्काट ने उसकी ओर तीक्ष्ण दृष्टि से देखा। उसके बगल की रोशनी उसकी आँखों में पड़ रही थी—अतः वह ओरपेन के चेहरे को स्पष्टतापूर्वक नहीं देख सका।

ओरपेन अपने तम्बाकू के बटुए को बाहर निकाल रहा था ओर विधिपूर्वक अपना पाइप भर रहा था।

स्काट उठा और उसने कमरे में चारों ओर टहलना प्रारम्भ कर दिया।

"मैंने तुमसे कहा था, रोना को थेल्मा की किसी पार्टी में ले जाने का समय नहीं आया है। वह उसके लिए अभी तक तैयार नहीं है।"

"न वह कभी होगी।" ओरपेन का स्वर क्रोधपूर्ण था। उसने अपना पाइप सुलगाया और उसकी आंखें संकुचित हो गयी। "यहां आओ और बैठ जाओ, स्काट। मैंने तुम्हें यहां रोना मेटफोर्ड के सम्बन्ध में वाद-विवाद करने के लिए नहीं बुलाया है। मैं, तुम्हारे मित्र की हैसियत से, पहले भी तुमसे कह चुका हूँ कि वह तुम्हारे लिए उपयुक्त लड़की नहीं है। जब मैं उन समस्त महिलाओं के सम्बन्ध में सोचता हूँ, जिनके साथ तुम प्रेम कर सकते थे—" वह बीच में ही रुक गया और कृत्रिम निराशा के साथ उसने अपने हाथ ऊपर फैला दिये। अब उसका मनोरंजन हो रहा था।

"मैं रोना से प्रेम करता हूँ," स्काट ने शांतिपूर्वक कहा। "हम विवाह करने जा रहे हैं। सितम्बर में।" तत्पश्चात् वह पुनः आरामकुर्सी पर आकर बैठ गया।

"क्या तुम सचमुच विवाह करने जा रहे हो?"

ओरपेन के स्वर में एक ऐसी ध्वनि थी, जिसने स्काट को उत्तर नहीं देने दिया।

ओरपेन कहता गया—"क्या तुम एक छोटा-सा विद्रोह तो नहीं करने जा रहे हो? वह मूर्खतापूर्ण होगा। तुम्हारे कार्य की इस स्थिति में। मैं एक मित्र की हैसियत से कह रहा हूँ, स्काट।"

स्काट ने धीरे से अपना सिर हिलाया। "बात केवल इतनी है कि मैं—हां, मैं इन सब चीजों से थक गया हूँ....." वह हिचकिचाया।

"यह सब क्या?"

"यह सब नाटक-अभिनय। मैं कोई निश्चित कार्य, कोई ऐसा कार्य, जिससे वास्तविक परिणाम प्राप्त हो, पसन्द करता हूँ।"

ओरपेन ने तीक्ष्णतापूर्वक कहा—"किसी भी संग्राम में धोखे की टट्टियों का उपयोग होता है। मेरा विश्वास करो, स्काट, इस संघर्ष में कोई भी चीज निरर्थक नहीं है। प्रत्येक वस्तु दाव पर लगी हुई है। और प्रत्येक साधन का उपयोग अवश्य किया जाना चाहिए।" उसने दृढ़तापूर्वक कहा—"प्रत्येक साधन का उपयोग किया जाना चाहिए, चाहे वह कितना ही निरर्थक एवं तुच्छ क्यों न प्रतीत हो। तुम्हें जैसा करने के लिए आदेश दिया जाता है, तुम वैसा ही करो, तुम प्रश्न मत पूछो और हम परिणाम प्राप्त कर लेंगे।"

"मैंने सदा ही तुम्हारे आदेशों का पालन किया है।" स्काट ने कहा। उसने उन विगत ६ महीनों की उन समस्त रातों के संबन्ध में सोचा, जब उसे ओरपेन की बैठकों के लिए, ओरपेन की व्यवस्थाओं के लिए शाम को रोना के साथ व्यतीत किये जाने वाले समय में कमी करनी पड़ी थी, यहां तक कि रोना के साथ मुलाकात के कार्यक्रम को रद्द भी कर देना पड़ा था।

"किन्तु जब तक तुम इस मेटफोर्ड नामक लड़की के चक्कर में पूरी तरह नहीं फँस गये, तब तक तुम मेरे आदेशों को टालते नहीं थे।"

"मैं उन्हें टालता नहीं।" स्काट ने हठपूर्वक कहा।

"तुम बेचैन होते रहे हो।"

"किन्तु—" स्काट ने कहना प्रारम्भ किया।

"किन्तु क्या?"

"मैंने यह महसूस करना प्रारम्भ कर दिया है कि अब तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते।" स्काट ने कुछ हिचकिचाहट के साथ कहा।

"तुम ऐसा क्यों महसूस करते हो?" स्काट बातचीत का मजा लेता हुआ प्रतीत हुआ।

"चार वर्ष पूर्व, जब मैं सेना से निकाला गया था, मैं तुम्हारे पास आया, मैंने तुमसे बताया कि मैं किस प्रकार महसूस कर रहा हूँ। मैं बहुत पहले से जानता था कि तुम मेरे साथ सहमत होगे।"

"और मैं सहमत हुआ।" ओरपेन ने कहा।

"तुमने उससे भी अधिक किया। तुमने तो मुझे यह विश्वास करने की प्रेरणा प्रदान की कि मैं वास्तव में कुछ उपयोगी सिद्ध हो सकता हूँ; तुमने कहा कि मेरे लिए वास्तविक कार्य प्रतीक्षा कर रहा है, एक आवश्यक कार्य, जिसे किया ही जाना चाहिए।"

"केवल एक वर्ष से अधिक समय तक तुम्हारे साथ बातचीत करने के बाद—"ओरपेन ने उसे तीक्ष्णतापूर्वक स्मरण कराया। तत्पश्चात् वह मुस्कराया। उसने पुनः कहा—"तुम्हारी बातों से तो ऐसा प्रतीत होता है कि मैं बहुत ही उतावली के साथ भर्ती करनेवाला व्यक्ति हूँ। ऐसी बात नहीं है कि मुझे तुम्हारी ईमानदारी में कभी सन्देह रहा हो। किन्तु, तुम्हें मालूम है, हमें ईमानदारी से अधिक की आवश्यकता है। हमें अनुशासन, संकल्प की आवश्यकता है।"

"मैंने उसका प्रमाण देने का भी प्रयास किया है।" स्काट ने शांति-पूर्वक कहा।

"हाँ, तुमने बहुत अच्छा काम किया है। तुम्हें दल में स्वीकार कर लिया गया है। तुमने आदेशों का पालन किया है और अपने को सन्देह से परे रखा है। तुमने अधिकांश अनुशासन सीख लिये हैं; केवल धैर्य को छोड़कर। ऐसी मेरी आशंका है।'

"किन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि मैंने कोई महत्वपूर्ण कार्य नही किया है।" स्काट ने तर्क किया।

"तुम मेरे साथ काम करते रहे हो। क्या तुम उसे तनिक भी महत्वपूर्ण नहीं समझते ?" एक क्षण के लिए ओरपेन क्रुद्ध हो गया। तत्पश्चात् पुनः एक बार उसका मुंह खुला और उसने मजाक के साथ कहा—"चूंकि मैं अनेक वर्षों से तुम्हारा मित्र रहा हूँ, इसलिए क्या तुम्हारा यह पक्का विश्वास हो गया है कि मेरा तनिक भी महत्व नहीं है ?"

"मेरे कहने का आशय यह नहीं था।"

"नहीं ? तो, सम्भवतः मेरा काम महत्वपूर्ण नहीं है।" और फिर भी, उसके स्वर की अभिव्यक्ति से प्रतीत होता था कि उसने जो सुझाव दिया था, उस पर वह विश्वास नहीं करता था। अचानक वह अपनी कुर्सी पर से उठा। वह डेस्क के पास गया। वह कुछ कागजों के मध्य तलाश करते हुए बोलता रहा। "क्या तुमने रोना मेटफोर्ड के सम्बन्ध में निश्चय कर लिया है ?" उसने शांतिपूर्वक पूछा।

स्काट ने ऊपर की ओर देखा। ओरपेन के स्वर ने उसे चेतावनी दे दी थी। "इस सबके साथ रोना का क्या सम्बन्ध है ?" उसने शान्त स्वर में पूछा।

"हर तरह का सम्बन्ध है।"

"मैं नहीं समझ पाता—"

"तुम्हें समझना होगा, स्काट। तुम्हारे सामने केवल एक मार्ग है। यदि तुम उस काम को चाहते हो, जो तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है।" ओरपेन डेस्क के पास से अपनी कुर्सी पर वापस आ गया। उसके हाथ में कागज का एक पन्ना था।

"एक कार्य ?"

"हाँ। कठिन; किन्तु महत्वपूर्ण। हम इसे अत्यधिक महत्वपूर्ण मानते हैं।" जब ओरपेन ने इन अन्तिम शब्दों को जोर देकर कहा, तब उसकी ईमानदारी में सन्देह करने की कोई गुंजाइश नहीं रह गयी थी।

स्काट का चेहरा बदल गया। वह अपनी कुर्सी पर आगे झुककर, सतर्क

होकर, आशा के साथ बैठ गया। किन्तु वह ओरपेन द्वारा स्पष्टीकरण किये जाने की प्रतीक्षा करता रहा, मानो वह यह सिद्ध करना चाहता हो कि उसने धैर्य का अनुशासन सीख लिया है। यद्यपि यह सरल कार्य नहीं था। वह ओरपेन की मुस्कान देखकर बता सकता था कि यह कार्य उतना ही महत्वपूर्ण था, जितनी उसने आशा की थी।

तब ओरपेन ने अपने हाथ के कागज के टुकड़े की ओर देखा। उसने अपने ओठों को बन्द कर लिया।

स्काट प्रतीक्षा करता रहा।

ओरपेन ने कहा—"रोना मेटफोर्ड के सम्बन्ध में....अभी तक, मैंने सदा ही तुम्हारे साथ एक मित्र के रूप में बात की है। मैंने तुम्हारे स्पष्टीकरणों को सुना है, मैंने तुम्हारे समझौतों को देखा है और मैंने इस बात के लिए प्रतीक्षा की है कि तुम अनुभव करोगे कि तुम पार्टी के प्रति अपने कर्त्तव्यों से पहले अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को नहीं रख सकते। तुम अपने आपको यह समझाते रहे हो कि तुम रोना से निपट सकते हो, तुम्हारा व्यक्तिगत जीवन तुम्हारा निजी मामला है। अब, मैं तुमसे अधिकृत रूप से बात करने जा रहा हूँ। तुम्हारा व्यक्तिगत जीवन हमारा मामला है। हम सुरक्षा के उल्लंघन का कोई खतरा नही उठा सकते। और मेटफोर्ड खतरनाक व्यक्ति है।"

स्काट ने कहा—"मैं स्वीकार करता हूँ कि वह राजनीतिक दृष्टि से प्रौढ़ नहीं है। मैने उसे शिक्षित करने का प्रयास नहीं किया है। तुमने मुझसे राजनीतिक विचार-विमर्शो से बचने के लिए कहा था। किन्तु, यदि तुम मुझे इससे निपटने दो, तो वह एक स्वीकृत सदस्या बने बिना ही पार्टी के सिद्धान्तों का अनुसरण करना सीख सकती है। यह बात काफी सुरक्षापूर्ण होगी।"

ओरपेन ने अपने सिर को पीछे की ओर झटका दिया और वह हँसने लगा। "सुरक्षापूर्ण ? मेरे प्यारे स्काट, सुरक्षापूर्ण ? आज शाम थेल्मा की पार्टी के बाद ? मुझे उसके सम्बन्ध में पूरी रिपोर्ट मिल गयी है।"

"किन्तु उसे कोई आदेश नही दिया गया था। यदि आप मुझे अनुमति दें—"

"मूर्खता की बात मत करो। वह पूर्णतया अविश्वसनीय है। वह पहले ही बहुत अधिक नुकसान कर चुकी है। उसके कारण ब्लैकवर्थ को 'ट्रेण्ड' में अपने काम से हाथ धोना पड़ा। उसी ने तो ब्लैकवर्थ की नीति की ओर इंगित किया था।"

"संयोगवश। वह यह भी नहीं जानती थी कि वह क्या कर रही थी। उसने

मुझे सारी बात बता दी है।"

"हाँ, अपनी सारी बात। ब्लैकवर्थ प्रकाशन के लिए जिस प्रकार लेखों का चयन कर रहा था, उसे क्या किसी अन्य व्यक्ति ने भी लक्ष्य किया? क्या उस मूर्ख वीडलर ने इस बात को लक्ष्य किया कि ब्लैकवर्थ जिन सामग्रियों का उपयोग कर रहा था, उनका वह 'अपने ढंग से' उपयोग कर रहा था? नहीं। उसे तब तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, जब तक मेटफोर्ड ने उसे इस बात का ज्ञान नहीं कराया। और उसके सम्बन्ध में ब्लैकवर्थ की रिपोर्ट क्या है?" ओरपेन ने कागज के पन्ने को क्रोधपूर्वक, प्रायः धमकी देते हुए, ऊपर उठाया। "उसने कहा कि वह एकपक्षीय तर्क प्रकाशित कर रहा था, जो विकृति के तुल्य था। विकृति! ब्लैकवर्थ ने 'ट्रेण्ड' को एकमात्र सत्य तथ्य प्रदान किये। उसके पूर्व उसमें कभी वास्तविक तथ्य प्रकाशित ही नहीं हुए थे।"

स्काट ने अपने हाथों की ओर देखा। उसने अपनी अँगुलियाँ बाँध लीं। उसने कहा—"ब्लैकवर्थ ने भवन-निर्माण-सम्बन्धी उन लेखों को प्रकाशित कर एक गलती की। रोना प्रायः एक वर्ष से उक्त विषय का अध्ययन कर रही है। यह एक ऐसा विषय है, जिसके सम्बन्ध में वह उसे जाल में फँसा सकती थी—उसके पास तथ्य और आंकड़े थे। यदि उसने उक्त लेख-माला को प्रकाशित नहीं किया होता, तो वह अभी तक 'ट्रेण्ड' में काम करता होता।"

ओरपेन ने उसकी ओर घूरकर देखा। स्काट ने जब यह अनुभव किया कि उसने क्या कह दिया, तब उसका चेहरा लाल हो गया।

ओरपेन ने कहा—"हमारे तथ्य वास्तविक तथ्य हैं। वे अमरीका को उस रूप में दिखाते हैं, जिस रूप में उसे हम देखते है। वह एकमात्र यथार्थवाद, एकमात्र सत्य है।" तत्पश्चात् उसका स्वर शान्त हो गया और उसने कोमलतापूर्वक कहा—"वह तुम्हें बहकाना प्रारम्भ कर रही है। तुमने उसके सम्बन्ध में मेरे दृष्टिबिन्दु को सिद्ध कर दिया है। वह स्वीकार करने योग्य नहीं है।" उसने रोना-सम्बन्धी रिपोर्ट को अपनी कुर्सी की बगल में गिर जाने दिया।

स्काट ने कुछ नहीं कहा। वह उठ खड़ा हुआ। वह अपने हाथ को 'मैण्टिलपीस' पर रखकर खड़ा था, उसका सिर झुका हुआ था, उसकी आँखें नीचे सकरी, काली अँगीठी की ओर देख रही थीं, जिस पर पाइप की राख, सिगरेट के टुकड़े और जली हुई काँड़ियाँ बिखरी पड़ी थीं।

निकोलस ओरपेन भी उठ खड़ा हुआ। जब कोई दूसरा व्यक्ति उसके सामने खड़ा रहता था, तब वह कभी बैठा हुआ नहीं रहता था। वह मेज के पास

गया और एक अखबार उठा लिया। "हम खतरे में है, स्काट !" उसने कहा— "हमारे समक्ष संकट का एक क्षण उपस्थित है। उन्माद की यह लहर, यह राजनीतिक प्रपीड़न..." उसने कागज को नफरत के साथ नीचे गिरा दिया। "हमें तुम्हारे जैसे वफादार, विश्वसनीय और बुद्धिमान व्यक्तियों की आवश्यकता है—ऐसे व्यक्तियों की, जिनकी ओर ध्यान नहीं आकृष्ट हुआ है; ऐसे व्यक्तियों की, जो अलक्षित बने रह सके हैं। हाँ, ब्लैकवर्थ मूर्ख है। मैं मानता हूँ। किन्तु इसके कारण वे नहीं हैं, जो तुमने बताये हैं। उसने अपनी सुरक्षा के सम्बन्ध में गलत अनुमान लगाया।...उसे जमने में पाँच वर्ष लग गये; वह एक दिन में ही लड़खड़ाता हुआ नीचे आ गया। और जब-जब ऐसा होता है, तब-तब हम न केवल एक अच्छी स्थिति से वंचित हो जाते हैं, अपितु हमें बढ़ती हुई जिज्ञासा, बढ़ते हुए सन्देह के विरुद्ध भी काम करना पड़ता है। किन्तु तुम मूर्ख नहीं हो, स्काट। तुमने रास्ते के प्रत्येक कदम की गणना की है। तुम्हारी एकमात्र गलती रोना मेटफोर्ड रही है। और उसके सम्बन्ध में भी तुमने कार्य-कुशलता का परिचय दिया है।"

ओरपेन रुका। उसके स्वर में पुनः परिवर्तन आ गया। और वह रुक्ष एवं कठोर हो गया। "किन्तु तुम एक ऐसे बिन्दु पर पहुंच रहे हो, जहाँ वह एक ऐसी व्यय-साध्य वस्तु के समान है, जिसे तुम नहीं रख सकते। उसके ऊपर हमारा विश्वास नहीं है। तुम मुझसे बराबर कहते रहते हो कि वह अज्ञान है। हमारा यह विश्वास नहीं है कि वह अज्ञान ही बनी रहेगी। उसे पता चल जायेगा। और तुम्हारा काम नष्ट हो जायेगा। तुम्हारी उपयोगिता समाप्त हो जायेगी। तुम्हारे ऊपर अविश्वास किया जाने लगेगा। क्या तुम्हें मालूम है कि जिनके ऊपर अविश्वास किया जाने लगता है, उनका क्या होता है ?"

स्काट ने 'मैण्टिलपीस' को छोड़ दिया। वह कमरे में इधर-उधर चहलकदमी करने लगा। वह फोनोग्राफ के निकट जाकर रुक गया और अपने पैरों के निकट फर्श पर पड़े हुए रिकार्डों के अलबम की ओर देखने लगा। जो संध्याएँ उसने यहाँ उन रिकार्डों को सुनते हुए व्यतीत की थीं, उन संध्याओं को क्या वह रास्ते के प्रत्येक कदम की गणना करता रहा था ? अथवा क्या उसने जान-बूझकर आँखें बन्द कर ली थीं और अपने लिए प्रत्येक कदम की गणना करने का काम दूसरों पर छोड़ दिया ?

ओरपेन अपनी बात को दुहरा रहा था। "जिन लोगों पर अविश्वास किया जाने लगता है, उनका क्या होता है ? उन्हें बहिष्कृत कर दिया जाता है। एक

बार उनका पता चल जाने पर हम उन्हें खोया हुआ मानकर उनका परित्याग कर देते हैं। वास्तविक रूप से उपयोगी होने से पहले उन्हें वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। अथवा उन्हें अपने नाम और अपनी सूरत में परिवर्त्तन करना पड़ सकता है तथा नये सिरे से कार्य प्रारम्भ करना पड़ सकता है, जहाँ उन्हें पहचाना ही नहीं जा सकता। यह एक धीमा, बरबादी का कार्य है। इससे हमारा नुकसान होता है। क्या तुम सोचते हो कि हम लोग उन लोगों में विशेष विश्वास रख सकते हैं, जो स्वयं को अविश्वास के योग्य बना देते हैं ?"

"नहीं।" स्काट ने अन्ततोगत्वा कहा। वह निकटतम कुर्सी पर बैठ गया। उसने अपनी आँखों को हाथों से ढँक लिया।

"तुम्हारा निर्णय क्या है ?" ओरपेन ने तीक्ष्णतापूर्वक कहा—"क्या तुम हमारे साथ हो ?"

"तुम मुझ पर विश्वास कर सकते हो।" स्काट ने धीरे-धीरे कठिनाई के साथ कहा।

"मैं सीधा उत्तर चाहता हूँ। मूर्ख मत बनो, स्काट !"

स्काट ने अपना सिर ऊपर उठाया। "केवल मैं ही एक मूर्ख नहीं हूँ। मर्रे के सम्बन्ध में तुम क्या सोचते हो ?"

"उसके सम्बन्ध में क्या है ?" ओरपेन ने क्रोधपूर्वक सोचा कि मेटफोर्ड की पार्टी में उसके अविवेक के बारे में स्काट द्वारा रिपोर्ट की जाने के बाद मैंने उससे कहा था कि वह अपनी जबान पर अधिक नियंत्रण रखा करे। "मर्रे के सम्बन्ध में क्या बात है ?"

"वह पाल हैन को थेल्मा की पार्टी में लाया था। हैन वहाँ क्या कर रहा था ?"

ओरपेन को राहत मिली। "मर्रे उसकी परीक्षा लेता रहा है। हैन एक सीधा-सादा आदमी है। उसके अपने निजी विचार कुछ भी नहीं हैं।"

"नहीं हैं ? रोना ने मुझे बताया कि वह उसके साथ थेल्मा के सम्बन्ध में, मर्रे के सम्बन्ध में, आज शाम को जो कुछ हुआ, उस प्रत्येक बात के सम्बन्ध में सहमत था।"

इस बार ओरपेन के मौन होने की बारी थी।

"क्या तुम्हें हैन की युद्ध-सेवा के सम्बन्ध में मालूम है ?" स्काट ने पूछा।

"हमें अवश्य मालूम है।" ओरपेन ने खीझ के साथ कहा।

"क्या तुम्हें मालूम है कि उसकी बहुत-सी गतिविधियाँ सैनिक जासूसी के

लिए आवरणमात्र थीं ?"

ओरपेन ने कहा—"और क्या मेटफोर्ड ने तुम्हें यह बात भी बतायी ?"

"इन शब्दों में नहीं। किन्तु उसने अनजाने में ही मुझे संकेत दे दिया। आज रात को जब हम लोग भोजन कर रहे थे, तब मैंने उससे हैन के सम्बन्ध में पूछा। मैं उसके सम्बन्ध में आश्चर्य करता रहा हूँ।"

ओरपेन आधा मुस्कराया। "मैं देखता हूँ कि तुम किस प्रकार अपने को समझा सकते हो कि वह खतरनाक होने के बदले तुम्हारे लिए उपयोगी हो सकती है। रोना मेटफोर्ड तुम्हारी गतिविधियों के लिए अच्छे आवरण का काम कर सकती है—क्या तुम मेरे समक्ष यही बात सिद्ध करने का प्रयास नहीं कर रहे हो ? किन्तु ऐसा तभी हो सकता है, जब तुम्हें यह कार्य नहीं मिलता, जब तुम एक साधारण पार्टी-सदस्य मात्र होते।" वह रुक गया और उसने अपने अन्तिम शब्दों के महत्व को स्काट एट्टली के दिमाग में गहराई तक प्रवेश कर जाने दिया। "तुम्हें मालूम है, हम तुम्हें जो काम देने जा रहे हैं, उसके सम्बन्ध में उसके मन में सन्देह उत्पन्न होगा। वह इसे बिना प्रश्न पूछे नहीं स्वीकार करेगी।"

"यह है क्या ?"

"एक बार उसे जान लेने पर तुम उसे स्वीकार कर लोगे। पीछे मुड़ने का कोई प्रश्न ही नहीं है। यदि तुम इसे स्वीकार कर रहे हो, तो कल रात मुझसे मिलो। ५९वीं स्ट्रीट और मैडिसन एवेन्यू के उत्तर-पश्चिमी कोने पर। साढ़े नौ बजे।"

"कल ? ओरपेन, मुझे समय दो !"

"अब देने के लिए कोई समय नहीं रह गया है। यदि तुम मुझसे नहीं मिलते, तो मुझे रिपोर्ट देनी पड़ेगी कि तुम हमसे अलग हो गये हो। और तुम्हें परिणामों को भुगतना ही पड़ेगा।"

"हे ईश्वर, क्या तुम नहीं देखते कि—"

"हाँ, मैं देखता हूँ।" ओरपेन स्काट एट्टली के पास आ गया और उसने नवयुवक के कन्धे पर एक हाथ रख दिया। "स्काट, क्या मैंने स्वयं अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं, अपनी निजी इच्छाओं का परित्याग नहीं कर दिया है ? मैं तुमसे ऐसा कोई भी कार्य करने के लिए नहीं कह रहा हूँ, जिसे मैंने स्वयं नहीं किया है।"

स्काट एट्टली ने सिर हिलाया। वह बोला नहीं। वह उठा, मानो वह जाने

के लिए तैयार हो।

"मैं तुमसे कल मिलूंगा। साढ़े नौ बजे।"—ओरपेन ने तीक्ष्णतापूर्वक कहा। "तब तुम्हें तुम्हारे कार्य के सम्बन्ध में बताया जायेगा।" वह मुस्कराया। "तुम उन वास्तविक महत्वपूर्ण व्यक्तियों में से कुछ से मिलने जा रहे हो, जिनके सम्बन्ध में तुम आश्चर्य करते रहे हो। तुम बड़े लोगों के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हो, स्काट। तुम मर्रे, ब्लैकवर्थ और थेल्मा जैसे लोगों को बहुत पीछे छोड़ने जा रहे हो।" उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, उसका स्वर एक बार पुनः मैत्रीपूर्ण और साधारण हो गया था। "न्यूयार्क से प्रस्थान करने से पूर्व ही यदि मैं यह सारा काम निपटा सकूं, तो मुझे प्रसन्नता होगी। मैं गुरुवार को जा रहा हूँ, अतः हमारे पास अधिक समय नहीं रह गया है। अच्छा अब नमस्कार, स्काट।" उसकी पकड़ दृढ़ और अल्पकालीन थी।

द्वार स्काट एट्टली के पीछे धीरे-से बन्द हो गया। वह सतर्कतापूर्वक, चुपचाप नीचे उतरने लगा। गली में अखबार का एक फटा हुआ पृष्ठ हवा के घेरे में फँस गया और खड़ी की गयी कारों की छतों पर चक्कर लगाने लगा। हवा तेज थी। दूर स्थित ऊँची बिल्डिंगों की रोशनी धीमी और नग्न दिखायी दे रही थी।

उसने चलना प्रारम्भ किया। वह नहीं जानता था कि वह कहां जा रहा था। न इसका कोई महत्व ही था। जब वह अन्ततोगत्वा अपने घर की गली में पहुँचा, तब चार बज चुके थे और एक नये दिन का उदय हो रहा था।

अध्याय—१२

दूसरे दिन प्रातःकाल रोना अपने निवास-स्थान पर साढ़े नौ बजे के बाद तक प्रतीक्षा करती रही। किन्तु स्काट के पास से कोई टेलिफोन नहीं आया। दो बार वह उसको टेलिफोन करते-करते रह गयी। और तत्पश्चात् उसने प्रत्येक बार इसके विरुद्ध निर्णय किया। उसने कटुतापूर्वक अपने आप से कहा कि सदा वही पहले क्षमा-याचना करती थी। आखिर, इस झगड़े को किसने प्रारम्भ किया?

वह बेचैनी के साथ छोटे-से बैठकखाने में चारों ओर चक्कर लगाने लगी, उसकी प्रातःकालीन डाक बिना खुले ही पड़ी थी, 'टाइम्स' बिना पढ़ा हुआ पड़ा

था, शयनकक्ष अस्त-व्यस्त पड़ा था तथा नाश्ते की थालियां बिना धुली हुई पड़ी थीं। उसने कल की घटनाओं पर पुनः विचार किया और याद करने लगी कि उसने क्या कहा और किया मानो वह उन्हें याद करने की कोशिश में रात के अधिकांश समय तक जागती नहीं रही थी। अस्तु, इस सब का सूत्रपात किस बात से हुआ है ? उसने स्वीकार किया कि जब वह स्काट को छोड़कर भाग आयी थी, तब उसने अत्यन्त भावुकतापूर्ण, अत्यन्त लड़कपन से भरा हुआ काम किया जो गलत था, किन्तु उसने ऐसा क्यों किया ? क्योंकि जब स्काट ने उसे पाल हैन के सम्बन्ध में चुनौती दी, तब वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठी थी ? हाँ, उससे वह क्रुद्ध हो गयी थी। यह बात इतनी असत्य थी। स्काट जानता है कि वह उससे प्रेम करती है, वह केवल उसी के सम्बन्ध में सोचती है। पाल हैन के सम्बन्ध में इस निरन्तर वार्ता से उसने उसे—और स्वयं अपने को—सताना जारी क्यों रखा ? उसने स्काट के लिए अपने अनेक मित्रों का परित्याग कर दिया था, उसने उनसे मिलना-जुलना बन्द कर दिया था क्योंकि वह उन्हें विशेष रूप से पसन्द नहीं करता है। उसने अन्तिम बार जो पार्टी दी थी, उसमें भी कमसे कम आधे अतिथि स्काट की पसन्द के थे। और जो लोग उसके मित्र थे, वे केवल पुरानी निष्ठाओं के कारण ही आये थे, ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार उसने उन्हें इस भावना के साथ निमंत्रित किया था कि वह उनसे बहुत दिनों से नहीं मिली थी। जब उसने उनका स्वागत किया, तब उन्होंने (अर्द्धदुखित होकर, मानो वे भली भाँति जानते थे कि वह धीरे-धीरे उनसे दूर होती जा रही है) उससे शीघ्र ही पुनः मिलने की आशा व्यक्त की थी। और उसने भी, समान हार्दिकता के साथ, समान सदिच्छा के साथ उसी प्रकार की भावनाएँ व्यक्त की थीं। फिर भी, बाद में उसने उनके निमंत्रणों को अस्वीकृत कर दिया था; क्योंकि स्काट उस दिन दोपहर के भोजन के लिए उससे मिल रहा था अथवा स्काट ने उससे उस संध्या को खाली रहने के लिए कहा था अथवा स्काट ने कहा था—"हम लोग शनिवार को नृत्य करने के लिए चलेंगे।"

उसने अपने आप से क्रोधपूर्वक कहा—ओह, इसके लिए स्काट को दोष मत दो ! तुम भी उसके समान ही दोषी हो। तुम प्रेम करती हो और तुम प्रेम करने वाली समस्त औरतों के समान ही मूर्ख हो। फिर उसने 'मैण्टिलपीस' पर रखे हुए शीशे में अपने सफेद चेहरे और अपनी लाल आँखों की ओर घूर-कर देखा।

उसने सोचा, नहीं, रोना, इस झगड़े का कारण पाल हैन या और कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कुछ दूसरा ही है। वास्तव में तुम्हें उसी से चिन्ता हो रही है। और तुम्हें कोई उत्तर नहीं मिल सकता। क्या तुम स्काट एट्ली से प्रेम करती हो? अथवा क्या तुम अपने जीवन के तीन वर्ष किसी प्रेम करने वाली नारी के रूप में अपनी कल्पना करने में व्यतीत करती रही हो? क्या तुम इतना बुरा प्रेम-प्रकरण चाहती ही? उसके अश्रूपूरित, वेदना-मय नेत्रों और उसके काँपते हुए ओठों ने उसे उत्तर दे दिया। वह स्काट से प्रेम करती थी। सारी बात का आरम्भ और अंत यही था।

वह शीशे के पास से हट गयी और अपने हैट तथा अपने बैग की तलाश करने लगी। आज प्रातःकाल उसे दफ्तर के लिए बहुत अधिक देर होने जा रही थी।

उसे एक टैक्सी करनी पड़ी। आज वह दोपहर के भोजन के समय में कटौती करेगी। और उसने अपने आपको यह समझाना प्रारम्भ कर दिया कि झगड़ा अपने आप मिट जायेगा। इसके सम्बन्ध में गम्भीरतापूर्वक सोचना अत्यन्त मूर्खतापूर्ण, अत्यन्त लड़कपन के समान है।

'ट्रेण्ड' की बिल्डिंग में प्रातःकालीन भीड़ अब कम होती जा रही थी। एक्सप्रेस एलिवेटर में रोना अकेली ही थी। उसे इस बात की प्रसन्नता थी कि तीक्ष्ण आँखों और जल्दी-जल्दी बोलने वाला जो छुट्टी पर था। (सोमवार उसके लिए जमैका में घुड़दौड़ का दिन होता था।) बदली करने वाला आपरेटर एक अजनबी व्यक्ति था, जो अपनी ही चिन्ताओं में डूबा रहता था।

वह जल्दी-जल्दी चलती हुई स्वागतकर्त्री (रिसेप्शनिस्ट) की बगल से होकर, लम्बे गलियारे से होती हुई अपने छोटे-से कार्यालय में पहुँची। यह एक कमरे की अपेक्षा एक कोठरी अधिक था, किन्तु कम से कम वह उसका अपना था और उसकी खिड़की से होकर काफी रोशनी आती थी। उसने अपने कार्यालय के अधिकांश भाग को घेरनेवाले डेस्क को साफ किया, अपने हैट और दस्तानों को एक छोटे-से खाने में ठूँस दिया, अपने हैण्डबैग को अपनी कुर्सी पर पटक दिया, एक नोट-बुक और एक पेन्सिल ली तथा बगल में स्थित श्री बरनेट के कार्यालय में चली गयी।

उन्होंने 'ट्रेण्ड' के अक्तूबर-अंक के लिए अपने विभाग के व्यक्तियों के छोटे-से समूह के मध्य काम का वितरण करना पहले ही कर दिया था। हैरी जिम-सन यथापूर्व 'नोट' ले रहा था। फिल आरनिम खिड़की पर बैठा हुआ था,

जो इस बात का एक निश्चित संकेत था कि वह परिश्रमपूर्वक कुछ याद कर रहा था। रोना के प्रवेश करने पर बरनेट ने ऊपर देखा। "सप्ताहान्त आनन्द-पूर्वक व्यतीत हुआ ? कोई मकान मिला ?" उन्होंने पूछा और तत्पश्चात् रोना के चेहरे की ओर शीघ्रतापूर्वक देखने के बाद वे अपने सामने फैली हुई फाइलों के ढेर की ओर देखने लगे। उन्होंने स्पष्टीकरण करना, सुझाव देना जारी रखा और अन्य व्यक्तियों के ध्यान को पुनः डेस्क और अपनी पेंसिल की ओर आकृष्ट किया। सम्प्रति जिस विषय पर विचार-विमर्श हो रहा था, वह वर्तमान-कालीन वास्तुकला, जिसमें बाह्य भाग को भीतर लाने पर बल दिया जाता है, तथा प्राचीन रोम और आधुनिक जापान के उद्यानों के मध्य तुलना का विषय था।

"रोना !" बरनेट ने अंततः कहा—"तुम शास्त्रीय पद्धतियों के लिए उत्तरदायी होंगी। जिस प्रकार रोमन अपने उद्यानों को अपने घरों के भीतर खुले आकाश में रखते थे, जिस प्रकार वे एक आंगन के चारों ओर अपने कमरों का निर्माण करते थे, उसका पता लगाओ। इसके लिए कुछ अनुसंधान की आवश्यकता होगी, किन्तु इससे सजावट सुन्दर हो जायगी। जहाँ सम्भव होगा, वहां हम रंगीन प्लेटों का उपयोग करेंगे। यहां, हैरी के साथ मिलान करती रहो। वह छत के आधुनिक अमरीकी उपयोग तथा गवाक्ष-उद्यानों से सम्बन्धित कार्य कर रहा है। तुम्हें यह देख कर आश्चर्य होगा कि तुम दोनों के विषय किस प्रकार एक दूसरे के साथ जुड़े हुए है।" उन्होंने इन दोनों को यह बताने के लिए अपनी पेंसिल हिलायी कि अभी बस इतना ही है। "ओह, एक बात और, मेरे पास रोमन कलाकृतियों के कुछ नमूने हैं, रोना। तुम्हें वे रोचक प्रतीत हो सकते हैं।" और उन्होंने उस किताब की तलाश करना प्रारम्भ कर दिया। हैरी जिमसन ने अपने नोट उठाते हुए तथा जाने की तैयारी करते हुए कहा—"कैलिफोर्निया में एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपनी छत और अपने जलाशय को ठीक अपने बैठकखाने में ही ला दिया। उसे केवल पत्थर से सटने वाले थोड़े-से कीटाणुओं और उसके चारों ओर घूमने के लिए थोड़ी-सी दास-कन्याओं की आवश्यकता है।"

"और उसकी छत में एक छेद भी," फिल आरनिम ने धीरे-धीरे उसके पीछे आते हुए जोड़ दिया। "उसे मेरे स्थान को खरीद लेना चाहिए। मैं इस पूरे सप्ताहान्त उस बेहूदी छत को पाटता रहा हूँ। अब, यदि मुझे मालूम होता, तो मैं छत में थोड़े से छेद और कर देता; हाल में लताएँ लगा

देता तथा मकान के चारों ओर रोमन नागरिक का पहनावा पहन कर घूमना प्रारम्भ कर देता।" वह रोना की ओर देख कर मुस्कराया और उसने अपने पीछे बरनेट के कार्यालय के द्वार को बन्द कर दिया। जब वह जिमसन की ओर मुड़ा, तब उसका चेहरा गम्भीर हो गया था। "क्यों, आज प्रातःकाल रोना की तबीयत बहुत अच्छी नहीं दिखायी दे रही है।"

"सोमवार है!" हैरी जिमसन ने सुझाव दिया।

"पता नहीं, उसने उस वेहूदी अफवाह को सुना है अथवा नहीं?"

"वह मुश्किल से ही उससे बच सकती है।"

"कुछ भी हो, इस प्रकार की चीज का सूत्रपात किस प्रकार हुआ?" यह एक श्लेषात्मक प्रश्न था, और वे दोनों इसे जानते थे। वे उदास मन से एक दूसरे से अलग हुए। जब वे युद्ध के बाद 'ट्रेण्ड' में काम करने आये थे, तभी से वे रोना को जानते थे। "यह बुद्धिमानी की बात नहीं लगती!" फिल ने अपना कंधा हिलाते हुए क्रोधपूर्वक कहा।

रोना बरनेट के कमरे से बाहर निकली। "तब तुम इसमें कुछ बुद्धिमानी की बात भर दोगे, फिल," उसने कहा। "क्या तुमने प्रकृति के प्रति जापानी दृष्टिकोण का चित्र खींचा?"

"हाँ। एक बमवर्षक विमान में बैठकर दो बार टोकियो के ऊपर उड़ने के कारण।"

"मैंने सदा ही तीन दीवारों वाले कमरे की कल्पना को पसंद किया है। बशर्ते चौथी अस्तित्वहीन दीवार के स्थान की पूर्ति करने के लिए हमारे पास दृश्यावली हो।"

"बशर्ते, तुम्हारे यहाँ का जलवायु ऐसा हो, जो जुकाम से तुम्हारी रक्षा कर सके।" वे दोनों एक साथ सन्दर्भ-पुस्तकालय में गये और उन्होंने अपनी-अपनी आवश्यकता के अनुसार पुस्तकें चुनना प्रारंभ कर दिया। फिल आरनिम बातें करता रहा। यहाँ तक कि उसने उससे विदा लेने से पूर्व रोना को भी हँसा दिया।

रोना ने जिन पुस्तकों को चुना था, उन्हें वह अपने कार्यालय में ले गयी तथा उनको अपने डेस्क पर फैला दिया। उसके सामने बहुत-सा काम पड़ा हुआ था। उसने निश्चय किया कि उसे इसी की आवश्यकता है—कोई कठिन कार्य। पहले, वह कुछ व्यापक विचारों को एक साथ एकत्र कर लेगी। तत्पश्चात् वह क्षेत्र को संकुचित करेगी तथा विषय में और अधिक गहराई तक

प्रवेश करेगी। बाद में उसे फिर पुस्तकालय और मेट्रोपोलिटन म्युजियम में जाना होगा। किन्तु वह स्थिति तब आयेगी, जब उसे ठीक-ठीक इस बात का पता चल जायेगा कि उसे किस चीज की आवश्यकता है।

वह डेस्क के पास की एक कुर्सी पर बैठ गयी। उसने सर्वाधिक रोचक पुस्तक को अपने सामने रखा।

"व्यस्त हैं ?" एक चहकते हुए स्वर ने पूछा। यह कुमारी गट्रमैन थीं, जो द्वार के चारों ओर प्रसन्नतापूर्वक देख रही थीं। जब से उनकी मँगनी हुई थी, तब से उनके तीक्ष्ण चेहरे पर कोमलता आ गयी थी, उनका सारा व्यवहार निश्चित रूप से लड़कियों के समान हो गया था। द्वार के किनारे को पकड़े हुए उनका बायां हाथ बहुत अधिक दिखायी दे रहा था। उन्होंने वर्गाकार काटे हुए हीरे की ओर देखा और कहा—"मैं एक क्षण से अधिक समय नहीं लूँगी। आज प्रातःकाल सब चिट्ठियाँ एक साथ हो गयीं और गलती से यह चिट्ठी श्री हैन के पास चली गयी। उन्होंने मुझसे इसे आपके पास पहुँचा देने के लिए कहा।" उन्होंने द्वार को धीरे-धीरे छोड़ दिया और एक लिफाफा थमाते हुए कमरे में आ गयीं। "बहुत मोटा लिफाफा है!" उन्होंने कहा।

"सम्भवतः किसी क्रुद्ध दक्षिण-निवासी ने 'पोर्टिको' के सम्बन्ध में हमारे विचारों से असहमति व्यक्त की है। धन्यवाद, कुमारी गट्रमैन।"

"क्या आपने श्री क्रावेल के विषय में सुना है? वे अस्पताल में हैं। चिन्ताजनक स्थिति में।"

"यह एक बुरी खबर है।"

"है न ?" कुमारी गट्रमैन अभी तक गयी नहीं। "मेरे सामने एक समस्या है; यह भयंकर है!" उन्होंने कहा—"मैं इसके सम्बन्ध में पूरे सप्ताहान्त भर चिन्ता करती रही हूँ। आप जानती हैं, हूबर्ट अतिथि-कक्ष की बगल में एक अतिरिक्त स्नानागार का निर्माण करवा रहा है। वह अभी सेण्ट लुई से वापस लौटा है; वह कहता है कि मकान अत्यन्त शानदार दिखायी देने जा रहा है। हाँ, तो यह नया स्नानागार, निश्चय ही इसमें टाइल लगे होंगे। एक प्रकार के हरे, अत्यन्त नाजुक रंग के। और मैं इस बात की चिन्ता कर रही हूँ कि क्या तोलिये और पर्दे थोड़े अधिक गहरे रंग के होने चाहिए, क्या उनमें नीलापन अधिक होना चाहिए। अथवा क्या आपके मतानुसार वे अधिक गुलाबी रंग के होने चाहिए? बहुत अधिक गहरे रंग के नहीं—बस एक संकेत मात्र। यह एक समस्या है, है न ?"

रोना ने कहा कि हाँ, वह क बड़ी समस्या है।

"अवश्य ही हरा रंग खराब दिखायी देगा।"

"हाँ, वह अवश्य भद्दा दिखायी देगा।"

"बात केवल यह है कि मेरे यहाँ पाउडर-कक्ष में हरा रंग है—आप हाल के प्रवेश-द्वार पर स्थित बड़ी कोठरी को जानती हैं; हाँ, उसे ही हम पाउडर-कक्ष बना रहे हैं। आपका क्या विचार है ? अथवा लाल रंग अच्छा दिखायी देगा। मैं गहरे रंग की तौलियों को पसन्द करती हूँ। गुलाबी 'मोनोग्राम' के साथ लाल रंग ?

"सम्भवतः आपको यह देखना चाहिए कि स्टोर क्या सलाह देते हैं। उस तरह से निर्णय करना अधिक आसान होता है।" रोना ने विनम्र होने का प्रयास करते हुए कहा। कुमारी गट्टमैन की खुशी एक ऐसी वस्तु थी, जिसे आप नष्ट नही कर सकते।

"सम्भवतः !" कुमारी गट्टमैन ने अनिच्छापूर्वक कहा—"हाँ, मुझे जल्दी जाना होगा। क्या कल आपको कोई निवास-स्थान मिला ?"

"नहीं।"

"ऐसा दिखायी देता है कि आपको मकान की बजाय जुकाम मिल गया।"

"मैं बिल्कुल ठीक हूँ। बहुत अच्छी तरह से सो नही पायी। बस इतनी-सी बात है।" रोना ने अपने सामने पड़ी हुई पुस्तक के कुछ पन्ने पलटे।

अकस्मात् कुमारी गट्टमैन चिन्तित दिखायी पड़ने लगीं। "ओह !" उन्होंने हटते हुए कहा। दरवाजे पर वे मुड़ीं और उन्होंने कहा—"उस गप से आप चिन्तित मत होइये। यहां हममें से कोई भी उसके एक शब्द पर भी विश्वास नहीं करता।" और वे रवाना हो गयीं। कुमारी गट्टमैन का इस प्रकार चला जाना अत्यन्त आकस्मित था।

रोना उनके पीछे घूर कर देखती रही। और तत्पश्चात् उसने वह पत्र उठाया, जिसे लेकर कुमारी गट्टमैन यहां आयी थीं। उसने मुस्कराते हुए सोचा कि पाल हैन उससे बचने के लिए कृत-संकल्प है। कल, थेल्मा के निवास-स्थान पर वह उससे बात करने के लिए केवल इस कारण आया था कि वह अत्यन्त एकाकी दिखायी पड़ रही थी। यदि केवल स्काट देख पाता कि यहां कार्यालय में पाल उसके रास्ते से किस प्रकार दूर रहता है, तो वह सम्भवतः...वह बड़-बड़ायी, उसने विचार की उस दिशा का परित्याग कर दिया और उस बड़े लिफाफे-को जिस पर साफ, पतले हस्ताक्षरों में पता लिखा हुआ था, खोला। डाकखाने

की मुहर न्यूयार्क की थी। और लिफाफे के बायें कोने पर सावधानी के साथ "महत्वपूर्ण" शब्द अंकित किया गया था। उसके भीतर कागज का एक पन्ना था, जो उन्ही पतले, सतर्कतापूर्ण हस्ताक्षरों से भरा हुआ था। और उसके भीतर एक दूसरा लिफाफा भी था, जो मुहरबन्द था, भारी-भरकम और जिस पर कोई पता नही लिखा हुआ था। उसके सामने के भाग के आर-पार लिखा हुआ था : "केवल निर्देशानुसार खोला जाये।"

उसने पत्र को उठाया, उसके शीर्ष भाग पर लिखे हुए पार्क एवेन्यू की ओर विस्मयपूर्वक देखा और हस्ताक्षर देखने के लिए पन्ने को शीघ्रतापूर्वक पलटा। हस्ताक्षर के स्थान पर केवल 'चार्ल्स' लिखा हुआ था।

पत्र उतना ही सीधा और प्रत्यक्ष था, जितने उस पर के हस्ताक्षर। उस पर ठीक-ठीक तारीख पड़ी हुई थी; रविवार की संध्या, ३० अप्रैल, आठ बजे।

पार्टी अभी तक चल रही है। इस बीच, मैं अपने कमरे में शांतिपूर्वक पड़ा हुआ हूँ। बाद में प्रस्थान करनेवाले कुछ अतिथियों के साथ मैं बाहर निकल जाऊँगा और इसे आपके पास भेजने के लिए डाकखाने में छोड़ दूँगा। क्यों? क्योंकि मैं महसूस करता हूँ कि मै आप पर विश्वास कर सकता हूँ। मैं यह भी महसूस करता हूँ कि कोई भी व्यक्ति यह नहीं सोचेगा कि मैं आपके साथ सम्पर्क स्थापित कर सकता हूँ। अतः मैं आपको खतरे में नही डाल रहा हूँ।

अब मुझे ज्ञात हो गया है कि मुझे क्या करना चाहिए। जिस समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ है, वह यह है कि इसे किस प्रकार किया जाना चाहिए। मैं थेल्मा को क्षति पहुँचाना नहीं चाहता। सारी कठिनाई यही है। सदा यही कठिनाई रही है। किन्तु यदि कोई बात हो जाती है—और, अब मैं सोचता हूँ कि इसके होने की सम्भावना है—तो मेरे लिए समस्या का समाधान हो जायेगा। जब मैं आपके साथ बातचीत करने के लिए नैतिक दृष्टि से, किन्तु सम्भवतः शारीरिक दृष्टि से नहीं, स्वतंत्र हो जाऊँगा, उसी क्षण मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता होगी।

मुहरबन्द लिफाफे को शनिवार तक सुरक्षित रखिये। इस पत्र को इसके साथ रखिये, क्योंकि दोनों एक दूसरे का स्पष्टीकरण करते हैं।

यदि उस समय तक आपको मेरा कोई सन्देश न प्राप्त हो, तो पत्र को किसी ऐसे उत्तरदायी व्यक्ति के पास ले जाइये, जिस पर आप विश्वास कर सकें और उसे इसे खोलने दीजिये। उसे बताइये कि आप मेरे बारे में क्या जानती हैं और वह समझ जायेगा कि क्या करना चाहिए। सम्भवतः 'ट्रेण्ड' का सम्पादक

वीडलर ? हाल में ही उसे थोड़ा-सा अनुभव प्राप्त हुआ है और उसके फलस्वरूप वह सुनेगा। ऐसे अनेक व्यक्ति हैं, जिन पर आप विश्वास कर सकती हैं, किन्तु उनमें से कम ही सुनेंगे। मेरी कठिनाई भी यही रही है।

इस बीच, जब तक आप इस बात की प्रतीक्षा करें कि मैं आपके साथ सम्पर्क स्थापित करूँ, तब तक लिफाफे और पत्र को सुरक्षित रखिये। सुरक्षित ! किसी से कुछ मत कहिये, कुछ भी नहीं। कृपया।

मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि सावधान रहिये, जैसा मैं कहता हूँ, वैसा ही कीजिये। मुझे आपसे क्यों कहना चाहिए ? आज रात उस कमरे में केवल आपका ही एक ऐसा चेहरा था, जो मेरे कार्यों से परेशान दिखायी दे रहा था। दूसरे व्यक्ति क्रुद्ध थे या मुझ पर हँस रहे थे। आप परेशान थीं। मेरे सम्बन्ध में किसी से भी मत बोलिये। यह भूल जाइये कि आपने इसे पढ़ा था। जैसा मैं आपसे अनुरोध करता हूँ, केवल वैसा ही कीजिये। कृपया। शनिवार तक, इस पार या उस पार।

—चार्ल्स

पुनश्च :—मैं यह पत्र हस्तलिपि में लिख रहा हूँ। (१) टाइपराइटर की आवाज मार्टिन द्वारा सुन ली जायेगी। (२) क्या मैं नशे में चूर हूँ ?

रोना ने पत्र को दो बार पढ़ा। पहले उसे विश्वास नहीं हुआ। वह प्रायः क्रुद्ध हो गयी। तत्पश्चात् उसमें निहित निराशा प्रकट हुई और उसने उसका मर्म स्पर्श कर लिया। बाद में लिखी गयी पंक्तियों ने अन्ततः उसे निश्चय पर पहुँचा दिया। चार्ल्स के समान साफ-सुथरे अक्षरों में लिखनेवाला कोई भी व्यक्ति नशे में चूर नहीं हो सकता। क्या उसने बहुत अधिक शराब पीने का बहाना मात्र किया था ? और क्यों ? तत्पश्चात् उसने उस छोटे शान्त व्यक्ति के सम्बन्ध में सोचा, जिसका चेहरा चिकना और सफेद था, जिसके बाल पतले और लाल थे, जिसका स्वर कारुणिक रूप से हास्यजनक था, जिसकी सतर्कता-पूर्ण आँखें उसके गोल चश्मों से ढकी हुई थीं और रिक्ततापूर्वक घूरकर देख रही थीं। वह अपने कमरे में, द्वार में ताला लगा कर, संगीत एवं हास्य की दूरस्थ ध्वनियों को सुनता हुआ बठा था और उसने इस पत्र को लिखते समय टाइप-राइटर का प्रयोग करने का भी साहस नहीं किया, मानो वह कोई षडयंत्रकारी रहा हो। और वह आश्चर्य करने लगी कि यह मार्टिन कौन है ?

चार्ल्स कितना करुणाजनक तुच्छ षड्यंत्रकारी था। चार्ल्स की याद करने पर उसकी गम्भीरता भी अधिकांशतः हास्यजनक ही प्रतीत होती थी। तत्पश्चात्

उसने अर्द्ध मुस्कान के साथ पत्र को पुनः पढ़ा। "ऐसे अनेक व्यक्ति हैं, जिन पर आप विश्वास कर सकती हैं, किन्तु उनमें से सुननेवाले कम ही मिलेंगे। मेरी कठिनाई भी यही रही है।" और उसने मुस्कराना बन्द कर दिया। उसने लिफाफे और पत्र को पुनः एक साथ रख दिया और फिर इन सबको अपने हैण्डबैग में डाल दिया। किसी से कुछ मत कहिये, बिल्कुल कुछ भी नहीं। स्काट से भी नहीं ? पेगी अथवा जान से भी नहीं ? और वह पत्र तथा उसके साथ नत्थी किये गये लिफाफे को सुरक्षित रूप से कहाँ रखने जा रही है ? जब चार्ल्स उसके साथ सम्पर्क स्थापित करेगा, तब उसे बिल्कुल स्पष्ट रूप से यह बता देना अधिक अच्छा होगा कि उसे पुनः उसके साथ इस प्रकार की कोई बात करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उसने कटुतापूर्वक सोचा, मानों स्वयं मेरे पास बहुत-सी अपनी निजी कठिनाइयाँ नहीं हैं। किन्तु लिफाफे को कहाँ रखा जाये ? उसके कमरे में केवल फाइलें रखने की एक आल्मारी तथा एक दराज था—किसी में भी ताला नही था। बरनेट का 'सेफ' सदा खुला रहता है—वे सामानों को बन्द रखने के सम्बन्ध में लापरवाह हैं। श्री वीडलर का 'सेफ' ? किन्तु वह उनसे किस प्रकार कह सकती थी, क्या बहाना किया जा सकता था ? आप मालिक के पास यों ही नहीं पहुँच जाया करते और उनसे यह नहीं कहा करते कि कृपया इसे रख लीजिये। क्या ग्राण्ड सेण्ट्रल स्टेशन के उन डिपाजिट बाक्सों में से एक में रख दिया जाये ? उसका अर्थ यह होगा कि उसे विशेष रूप से यात्रा करनी पड़ेगी.....यह एक परेशानी की बात है, चाहे आप इसकी ओर किसी भी दृष्टि से देखिये। उसके अपने घर पर हैट-बाक्स अथवा दवाओं की आल्मारी में रख दिया जाये ? फिर भी, चार्ल्स ने अपना पत्र उसके कार्यालय में भेजा है, मानो वह नही चाहता कि पत्र उसके निवास-स्थान पर इधर-उधर पड़ा रहे। वह किसी टेलिफोन-निर्देशिका से उसके घर का पता सरलतापूर्वक पा सकता था।

उसने अकस्मात् विस्मित होकर सोचा कि मैं इस तुच्छ व्यक्ति के सम्बन्ध में इतनी गम्भीरता के साथ क्यों विचार कर रही हूँ। उसने क्रोधपूर्वक सन्दर्भ-ग्रन्थों को खोला और संकल्पपूर्वक रोमन आंगनों के सम्बन्ध में पढ़ना प्रारम्भ कर दिया।

कुमारी गट्टमैन तब तक प्रतीक्षा करती रहीं, जब तक श्रीमती हरशी, श्री वीडलर के कार्यालय में हुए सोमवार के प्रातःकालीन सम्मेलन से नोटों का एक संग्रह लेकर वापस नहीं आ गयीं। तत्पश्चात् अपने स्वर को इतना धीमा करते

हुए कि मुख्य कार्यालय की अन्य लड़कियाँ न सुन सकें, कुमारी गट्टमैन ने कहा—"मेरा ख्याल है कि रोना मेटफोर्ड ने सुन लिया है।"

"क्या सुन लिया है ?" श्रीमती हरशी का गोल, शान्त चेहरा, रिक्त दिखायी देने लगा।

"अफवाह को.....आप जानती हैं !"

श्रीमती हरशी क्रोधित हो गयीं। "यह अभी कार्यालय तक नहीं पहुँची है, पहुँच गयी है क्या ?" गत सप्ताह दोपहर के भोजन के समय यह रेस्तराओं में फैल चुकी थी। शुक्रवार को जब श्रीमती हरशी 'माडर्न' में काम करनेवाली कुमारी ब्लैण्टन के साथ दोपहर का साप्ताहिक भोजन और गपशप कर रही थीं, तब उन्हें उसे कुछ कठोर शब्द कहने पड़े थे। मानो रोना मेटफोर्ड को जानने वाला कोई भी व्यक्ति कभी इस बात पर विश्वास करेगा कि उसने एक विवाहित व्यक्ति का पीछा किया और उसे काम से निकलवा दिया, जिससे वह काम एक पुराने प्रेमी को मिल सके। इस विचार पर श्रीमती हरशी का चेहरा क्रोध से लाल हो गया। रोना मेटफोर्ड पर कोई भी प्रहार 'ट्रेण्ड' पर प्रहार के तुल्य था। वे इस चीज को इसी दृष्टि से देखती थीं। इसके अतिरिक्त, यह सब बात उपहासास्पद थी। उन्होंने तथा कुमारी गट्टमैन ने शुक्रवार को अपराह्नकाल में यह निश्चय किया था।

कुमारी गट्टमैन ने अपने बायें हाथ की ओर देखा, अपनी तर्जनी को इतना काफी आगे बढ़ाया कि उसकी अँगूठी पर रोशनी पड़ सके। "आज प्रातःकाल हाथ-मुँह धोने के कमरे में लड़कियाँ इस बारे में बात कर रही थीं।" वे रुक गयीं। "क्या वह ऐसा काम करेगी ?" उन्होंने धीरे से पूछा।

"क्या अब आप भी नहीं !" श्रीमती हरशी ने क्रोधपूर्वक पूछा।

"मैं यह नहीं कह रही हूँ कि उसने ऐसा किया।" कुमारी गट्टमैन को दुख हुआ। उन्होंने टाइप करना प्रारम्भ कर दिया। "एक बात निश्चित है।" उन्होंने पुनः रुक कर कहा—"स्काट एट्टली इसे पसन्द नहीं करेगा।" तत्पश्चात् वे पुनः गुलाबी अथवा नीले रंग के मोनोग्रामों के साथ लाल रंग की तौलियों की समस्या पर विचार करने लगीं।

श्रीमती हरशी ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने अपने ओठों को बन्द कर लिया तथा अपने सूचनापत्रों को पढ़ना प्रारम्भ कर दिया। किन्तु उनकी भृकुटियों का टेढ़ापन दूर नहीं हुआ। अपने अत्यन्त आवश्यक पत्रों का काम निपटा लेने के बाद वे उठीं और कमरे से बाहर निकल गयीं। श्रीमती हरशी बहुत अधिक

इधर-उधर चक्कर लगाया करती थीं। किसी भी टाइपिस्ट ने, यहाँ तक कि कुमारी गट्टमैन ने भी—जो अब अर्धरात्रिकालीन नीली तौलियों के सम्बन्ध में सोच रही थी, किन्तु क्या हूबर्ट किसी इतनी साहसपूर्ण बात को पसन्द करेगा? —उनके आकस्मिक प्रस्थान की ओर ध्यान नहीं दिया।

श्रीमती हरशी सीधे पाल हैन के पास गयीं। "मेरा ख्याल है इससे मेरा कोई वास्ता नही है।" उन्होंने अपनी बात के अन्त में कहा—"किन्तु किसी को इससे निपटना ही चाहिए।"

पाल हैन ने सिर हिलाया। जब वे चली गयी, तब वह उठा और वीडलर से मिलने के लिए चला गया। "कुछ न कुछ अवश्य किया जाना चाहिए।" पाल ने अपनी बात के अन्तमें, जिसे वीडलर ने एकाग्रचित्त होकर बीच में कोई रुकावट डाले बिना सुना था, खिन्नतापूर्वक कहा।

"किन्तु क्या?" वीडलर का चेहरा, जो सप्ताहान्त में बागबानी और गोल्फ के कारण लाल हो गया था, चिन्ता से ग्रस्त था। उसने अपनी कुर्सी घुमायी घूर और कर देखने लगा। उसने धीरे-धीरे कहा—"इससे उस पार्श्व-कथन का स्पष्टीकरण हो जाता है। लाकर-रूम में मेरी पहचान के एक प्रकाशक ने कहा कि उसने सुना है कि हमें 'ट्रेण्ड' में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है; व्यवसाय में औरतों को लेने पर यही होता है—व्यंग्य चित्रकारों को बड़े अधिकारी द्वारा सुन्दर सेक्रेटरी का पीछा किये जाने से सम्बधित मजाक के बारे में एक नये दृष्टिकोण से सोचना होगा।"

उसने अपनी कुर्सी को पुनः घुमाया, जिससे वह पाल के आमने-सामने हो गया। "क्या तुम्हारा विश्वास है कि रोना मेटफोर्ड और ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में इस कहानी का आविष्कार जान-बूझ कर किया गया है? इस पर विश्वास करना कठिन है, पाल।"

"पहले रोना के सम्बन्ध में कोई भी दुर्भावनापूर्ण गप नहीं सुनी गयी है। फिर अभी ऐसा क्यों?"

हाँ, वीडलरने सोचा, ब्लैकवर्थ की बरखास्तगी के कारणों को छिपाने के लिए यह एक बात हो सकती है। और निश्चय ही कम्यूनिस्ट उसके लिए रोना को दोष देंगे। "किन्तु इस प्रकार का आविष्कार कौन करेगा? इस प्रकार की बात सोचने पर कौन समय बरबाद करेगा? किसी प्रौढ़ व्यक्ति के लिए यह अत्यन्त नीचतापूर्ण कार्य है।"

पाल ने कुछ नहीं कहा। अफवाह का न केवल आविष्कार किया गया है,

अपितु वह फैल रही है, उसे इसी बात से चिन्ता हो रही है।

"मैं तुम से जिस प्रकाशक के सम्बन्ध में बता रहा था, उसने कहा कि उसे अपनी हाल में प्रकाशित पुस्तकों में से एक के सम्बन्ध में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। वह सोवियत जासूसी के सम्बन्ध में एक तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन था, जिसमें एक अध्याय उस वैज्ञानिक फुश के सम्बन्ध में भी था। यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक थी। तो, किताबों की अनेक दूकानों पर—बढ़िया, विश्वासनीय दूकानों पर, जहां के अधिकारी व्यक्तियों को वह जानता है और वे हमारे, तुम्हारे जैसे ही इमानदार हैं—उसे यह देखकर परेशानी हुई कि पुस्तक की बिक्री बहुत कम हो रही थी। अतः उसने एक आदमी को चुपचाप जांच करने के लिए भेजा। उसका आदमी सम्बन्धित दूकानों का चक्कर काटता रहा और उसको पता पता चला कि या तो पुस्तक का प्रदर्शन बुरी तरह से किया गया था, या उसे बिल्कुल ही प्रदर्शित नहीं किया गया; उदाहरणार्थ पुस्तक की प्रतियों के ढेर के ढेर एक काउण्टर के पीछे बांध कर रख दिये गये थे। और क्या तुम्हें मालूम है कि पुस्तक को न बिकने देने का उत्तरदायित्व किस पर था? केवल एक क्लर्क पर। दस या बीस विश्वासनीय क्लर्कों में से एक ऐसा रक्त-पिपासु था, जिसने उस पुस्तक पर विशेष कड़ी नज़र रखी। उसने उसे ऐसे स्थान पर रख दिया, जहां पुस्तक खरीदने वाले उसे देख ही न सकें। अब इस पर कौन विश्वास करेगा? फिर भी प्रकाशक ने अपने कतिपय व्यवसायी मित्रों से पूछ-ताछ की और एक या दो ने स्वीकार किया कि विगत पाँच वर्षों से, जब कभी वे कोई ऐसी पुस्तक लेते हैं, जिसे कम्यूनिस्ट पसन्द नहीं करते, तब उन्हें कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ये कठिनाइयाँ छोटी-छोटी होती हैं, ये ऐसी चीजें हैं, जिन्हें तुम मूर्ख बने बिना प्रकट नही कर सकते। इस बात पर विश्वास करना कठिन है कि नीचता को एक शास्त्र के रूप में संगठित किया जा सकता है। मुझे यही बात—यह तुच्छता ही—इतना अधिक पागल बना देती है।"

"हाँ, यह नीचता है। किन्तु फिर भी, यह अनेक व्यक्तियों को क्षति पहुँचाती है।" पाल ने कहा। वह अभी तक प्रतीक्षा कर रहा था। "रोना मेटफोर्ड के सम्बन्ध में क्या होगा?" उसने साफ-साफ पूछा।

"तुम तो जानते ही हो कि हम ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में सच्ची बात को प्रकट नहीं कर सकते।"

"आप रोना को सच्ची बात बता सकते हैं। इससे उसके ऊपर किये जाने

वाले इस प्रहार का स्पष्टीकरण हो जायेगा। वह अफवाह को निश्चित रूप से सुन लेगी। कोई उदार मित्र उस से अवश्य कह देगी कि वह इसके एक शब्द पर भी विश्वास नही करती और तत्पश्चात् वह पूरा विवरण उसे बता देगी।"

"सोमवार का प्रातःकाल व्यतीत करने का यह एक बहुत ही बुरा तरीका है।" वीडलर ने अपने डेस्क पर पड़े हुए पत्रों के ढेर की ओर देखते हुए कहा—"बहुत अच्छा, उसे अन्दर बुला लो। नही, तुम यहीं ठहरो। मुझे तुम्हारी सहायता की आवश्यकता होगी, पाल।" उसने अन्तर-कार्यालय फोन उठाया और कुमारी मेटफोर्ड से आकर उससे मिलने के लिए कहा। फिर वह अपनी कुर्सी पर पुनः बैठ गया। "चिन्ता मत करो।" उसने पाल से कहा—"मैं रोना को पूरा विवरण बता दूंगा। क्या हम यह विश्वास कर सकते हैं कि वह इसे अपने तक ही सीमित रखेगी?"

"हाँ।"

"एक बात और, आज मैं दोपहर के भोजन के लिए राजर ब्राउनली से मिल रहा हूँ। आज प्रातःकाल उसने सबसे पहले मुझे ही बुलाया।" वीडलर ने अपनी घड़ी की ओर देखा। "मुझे देर मत होने देना।"

"उसने आपके पास पहुँचने में अधिक समय बरबाद नही किया।" पाल ने कहा—"मैंने केवल शनिवार को उससे आप के सम्बन्ध बताया था।"

"ओह?" वीडलर के मन में दिलचस्पी उत्पन्न हुई।

"हम लोग सेण्ट्रल पार्क में चक्कर लगाते रहे और गिलहरियों को दाने चुगाते रहे।"

"क्या उसका विचार है कि मैंने ब्लैकवर्थ के मामले को दबा कर गलत काम किया?"

"नहीं।" पाल ने स्वीकार किया। वह स्पष्टतः अभी तक उस निर्णय से असहमत था।

"ठीक।" वीडलर ने संतोष के साथ मुस्कराते हुए कहा—"यह बात एक बुरे प्रातः काल में सुख की एक छोटी-सी किरण के समान है।"

पाल द्वार की ओर देख रहा था। "मेरा ख्याल है कि मैं रोना की आवाज सुन रहा हूँ।" उसने कहा उसने वीडलर की ओर देखा, जो अब मुस्करा नहीं रहा था। उन्होंने एक दूसरे की ओर देखा। पाल ने सोचा कि मात्र दो पुरुष, जो यह चाहते हैं कि वे इस क्षण यहाँ से बास मील दूर होते।

रोना ने प्रवेश किया। वह पीली और पीड़ित दिखायी दे रही थी। पाल

हैन ने आश्चर्यपूर्वक लक्ष्य किया कि रोना अपना हैंडबैग साथ में लिये हुए थी। वह आवश्यकता उपस्थित होने पर उपयोग में लाने के लिए एक नोट बुक और एक पेन्सिल भी लेकर आयी थी।

वीडलर बेचैनी के साथ अपने कमरे के चारों ओर चक्कर लगा रहा था, यद्यपि उसने अधिक समय बरबाद नही किया। सबसे पहले उसने उसे ब्लैकवर्थ के सम्बन्ध में सारी कहानी बता दी। तत्पश्चात् उसने उसे उन अफवाहों के सम्बन्ध में बताया, जिन्हें स्वयं उसके सम्बन्ध में फैलाया गया था। और अंत में उसने पाल का स्पष्टीकरण सुनाया।

रोना ऐसी दिखायी पड़ रही थी, मानो उसे विश्वास न हुआ हो। तत्पश्चात् वह भयाक्रान्त दिखायी देने लगी। तत्पश्चात् वह प्रायः हँस पड़ी। "यह इतनी—इतनी मूर्खतापूर्ण बात है।" उसने कहा—"मेरा आशय है, मुझसे सम्बन्धित वह कहानी।" तब उसने पाल हैन की ओर देखा। "मैं तुम्हें भी.....में खींच लायी।" वह अपनी बात को जारी नहीं रख सकी। उसने अपना ओठ काट लिया। वह अत्यन्त शांत होकर अपने हैडबैग की ओर देखती हुई बैठी रही।

वीडलर ने भद्दे ढंग से कहा—"मैं महसूस करता हूँ कि इसका जिम्मेदार मैं हूँ।" वह रुक गया। तत्पश्चात् वह अकस्मात् क्रुद्ध हो गया। 'नहीं हम जिम्मेदार नहीं हैं। इस सब के लिए ब्लैकवर्थ के मित्र जिम्मेदार हैं।" उसने प्रयास करके अपने स्वर को शांत किया। "मुझे इस बात का खेद है कि हमें तुम्हें बताना पड़ा, रोना, किन्तु यही करना सर्वोत्तम प्रतीत हुआ। तुम इसका एक शब्द भी किसीसे नहीं कहोगी?"

उसने अपना सिर हिलाया। "मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आपने मुझे बता दिया," उसने कहा। "यदि आप किसी बात पर विश्वास करना नहीं चाहते हों, तो भी उसको जानना सदा सर्वोत्तम होता है।" फिर उसका चेहरा चमक उठा मानों अचानक किसी नये और सुखदायक विचार का पता चल गया हो। वह सोच रही थी, स्काट....स्काट ने इस अफवाह को सुना है। वह इस पर विश्वास नहीं कर सका, किन्तु इसके कारण उसकी हालत खराब हो गयी और वह केवल इतना कर सका कि वह पाल हैन के प्रश्न पर झगड़ा करने लगा। रोना ने सोचा, मैं उसे फोन करूँगी और उससे कहूँगी कि मुझे खेद है, मैं समझती हूँ, किन्तु उसे यह मालूम है कि अफवाह झूठी है।

पाल हैन उसकी ओर देखता हुआ आश्चर्य कर रहा था कि वह क्या सोच

रही है। ऐसा प्रतीत होता था कि बुरी खबर से कोई अच्छी बात निकल आयी हो।

"इसे ग्रहण करने का यही ढंग है।" वीडलर ने सहमति प्रकट करते हुए कहा—"पहले आप महसूस करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति आपके विरुद्ध है तथा आप किसी भी व्यक्ति पर विश्वास नहीं कर सकते। तत्पश्चात् आप यह महसूस करने लगते है कि हमारे आसपास लगभग सत्तर लाख व्यक्ति हैं, जो आपके साथ हैं—यदि उन्हें मालूम हो, यदि वे महसूस करते हों कि क्या हो रहा है।"

पाल ने कटुतापूर्वक सोचा कि जब स्काट एटुली अफवाह को सुनेगा, तब रोना को इससे अच्छा संतोष प्राप्त होगा।

"हां।" वीडलर कहता गया—"इस पूरे नगर में संभवतः केवल कुछ हजार व्यक्ति ही तुम्हारे विरुद्ध है। एक दिन मैंने यही सोचा और इससे सहायता मिली। बहुत अधिक सहायता मिली। इस बात को भूलो मत रोना। अकेले इस नगर में सत्तर लाख व्यक्ति तुम्हारे पक्ष में है। अब मुझे दोपहर के भोजन के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होना है—"

रोना जाने के लिए उठी। तत्पश्चात् वह अपने हैंडबैग की ओर पुनः देखती हुई हिचकिचायी।

"श्री वीडलर!" उसने कहना प्रारम्भ किया—"मैं सोचती हूँ कि—"

"क्या यह बहुत आवश्यक है, रोना?" वीडलर ने अपनी घड़ी की ओर चिन्तित होकर देखते हुए पूछा।

"नहीं, बिल्कुल ठीक है," रोना ने कहा। वह दरवाजे तक चली गयी और पाल हैन उसके पीछे-पीछे चला।

बाहरी कार्यालय में उसने कहा—"अतिरिक्त चिन्ता की बात क्या है, रोना?"

उसने हँसने का बहाना किया। "क्या मैं इसे इतना अधिक प्रकट कर रही हूँ?" उसने सेक्रेटरी की पीठ की ओर, जो अब वीडलर के कार्यालय में जाती हुई अदृश्य हो रही थी, देखा। कुछ क्षणों के लिए वे इस कमरे में अकेले रह गये।

"पाल, क्या तुम्हारे कार्यालय में कोई ऐसी आलमारी है, जिसमें तुम ताला बन्द रखते हो?"

"क्रावेल के कार्यालय में एक है। सम्प्रति मैं ही ही उसका उपयोग कर रहा हूँ।"

"क्या तुम उसमें मेरी कोई चीज रख सकोगे ?" उसका स्वर धीमा, शीघ्रतापूर्ण था। वह वीडलर के दरवाजे को देखती रही। "केवल कुछ दिनों के लिए। कृपया।"

"अवश्य।" किन्तु, उसने उसकी ओर उत्सुकतापूर्वक देखा।

"मैं अभी नहीं बता सकती।" उसने अपना हैण्डबैग खोला और एक लिफाफा बाहर निकाला। उसने शीघ्रतापूर्वक उसे उसके पाकेट में सरका दिया। "क्या तुम इसे सुरक्षित रखोगे ?"

"निश्चित रूप से।"

उनके पीछे ही वीडलर की सेक्रेटरी अपने डेस्क पर वापस लौट आयी।

रोना पाल की ओर देख कर मुस्करायी और चली गयी। उसके पीछे रवाना होने के पूर्व पाल ने सेक्रेटरी के साथ विनम्रतापूर्ण बातचीत करते हुए एक या दो क्षणों तक प्रतीक्षा की।

गलियारे में वह मर्रे से मिला, जो एक सोमवारीय प्रातःकाल की दृष्टि से उचित रूप से खिन्न दिखायी दे रहा था। मर्रे के गोल चेहरे पर पहचान का कोई लक्षण नहीं दृष्टिगोचर हो रहा था।

"हेलो," पाल ने कहा—"कल रात थेल्मा के निवास-स्थान पर बहुत ही अच्छी पार्टी हुई। मुझे अफसोस है कि मैं वहाँ से जल्दी ही चला आया।"

मर्रे ने उसकी ओर उसी प्रकार पीड़ित दृष्टि से देखा, जिस प्रकार उसने प्रथम मुलाकात के समय पाल के साथ व्यवहार किया था। उस समय वह रोना के बैठकखाने में एक कोने में खड़ा था और जर्मनी में अमरीका की गलतियों का विश्लेषण कर रहा था, जब कि वह पाल की वर्दी की ओर असहमतिसूचक दृष्टि से घूर कर देख रहा था। अब वह बचने की कोशिश करते हुए गलियारे के किनारे-किनारे जा रहा था, किन्तु वह अब भी उसी प्रकार असहमतिसूचक दृष्टि से पाल के कंधों की ओर घूरकर देख रहा था। "हां।" मर्रे ने कहा, जो बहुत अधिक विश्वासोत्पादक आवाज नहीं थी और तब वह और अधिक दूर चला गया। उसकी आँखें अब पाल की टाई की ओर चली गयी थीं।

पाल अपने कमरे की ओर चला गया।

"हैन !" मर्रे ने पुकारा—"कल मैं तुम्हारे साथ दोपहर के भोजन में जो सम्मिलित होने वाला था, वह मैं नहीं कर पाऊँगा।"

"बहुत बुरी बात है।" पाल क्रावेल के कार्यालय में गया, जिसका उपयोग

वह अस्थायी रूप से कर रहा था। उसने दरवाजे को मजबूती के साथ बन्द कर दिया और 'सेफ' के पास गया। उसने रोना के लिफाफे को सावधानी के साथ उसमें रखा और बन्द कर दिया, किन्तु वह मर्रे के सम्बन्ध में सोच रहा था।

चाहे, जो कुछ भी हुआ हो, पाल को एक बात का पक्का विश्वास था : मर्रे ने उसमें जो मैत्रीपूर्ण रुचि प्रकट की थी, वह जितनी शीघ्रता से प्रारम्भ हुई थी, उतनी ही शीघ्रता से वह समाप्त भी हो गयी थी। वह आश्चर्य करने लगा कि उसने थेल्मा की पार्टी में कौन-सा ऐसा काम किया, जिसके कारण मर्रे ने उसे इस प्रकार झटक दिया। क्योंकि यह झटके जाने के समान ही था। और एक अन्य बात के सम्बन्ध में भी वह पक्का विश्वास कर सकता था। वह बात यह थी कि उसे श्री निकोलस ओरपेन के विचार-विमर्श-दलों में उपस्थित होने के लिए कभी निमंत्रित नहीं किया जायेगा। सम्भवतः ओरपेन ने ही मर्रे को सन्देश दिया था कि वह उसके सम्बन्ध में चिन्ता करना छोड़ दे। मर्रे स्वयं अपने मन से कोई काम नहीं किया करता था। वह सम्भवतः अपने दाँतों को साफ करने के लिए भी ओरपेन से अनुमति लिया करता था।

जहन्नुम में जाये, पाल सोचने लगा, कल मैंने थेल्मा के घर पर कौन-सी गलती की !

अध्याय १३

उस दिन शाम को पाँच बजेके आस-पास जब जान टाइसन विश्वविद्यालय से नीले आवरण वाली परीक्षा-पुस्तिकाओं का एक बण्डल अपने साथ लेकर लौटा, तब उसने देखा कि बैठकखाने में उसके परिवार द्वारा उसके दो शिष्यों का स्वागत किया जा रहा था।

मिल्टन लीटनर बारबारा की, जो अपनी प्रिय कहानी-पुस्तिका में व्यस्त थी, बातें सुन रहा था। वह कालीन पर देगास की एक बैले-नर्तकी के संक्षिप्त संस्करण की भाँति अपने छोटे-छोटे पैरों को सीधे अपने सामने करके बैठी हुई थी। उसके सुन्दर चिकने बाल एक नीले रंग के पतले 'बो' द्वारा उसके ललाट के पीछे मोड़कर बाँधे हुए थे और जब वह एक मुद्रित पृष्ठ को पढ़ रही थी, तब लालित्य के इस स्पर्श के नीचे उसका गोल, गुलाबी गालों वाला चेहरा क्रोध से सिकुड़ा जा रहा था। "अब मैं पढ़ूँगी।" वह अपने ऊँचे, हल्के स्वरमें कह रही

थी। उसने अपना गला साफ किया तथा "जैक ऐण्ड जिल" पढ़ना प्रारम्भ कर दिया। उसकी छोटी-सी अनामिका अंगुली मुद्रित पंक्तियों पर घूम रही थी, उसकी आँखें पुस्तक पर, जिसे उसने उलटा पकड़ रखा था, ध्यान के साथ जमी हुई थीं। यदा-कदा वह मुस्कराते हुए मिल्टन की ओर देख लिया करती थी, जिससे उसे विश्वास हो सके कि वह प्रत्येक वस्तु को समझ रहा था।

बाबी, जो अपनी छः गोलियों वाली बन्दूक से पूर्णतया शस्त्र-सज्जित था, राबर्ट कैश को एक टूटी हुई ट्रेन के, जो धक्का देने पर अभी तक काफी अच्छी तरह से दौड़ती थी, यंत्रों के सम्बन्ध में समझा रहा था।

जान ने कहा—"प्रत्येक व्यक्ति को नमस्कार।" मानो प्रत्येक दिन शाम को ऐसा होता हो। उसने पेगी को आलिंगन में लेकर उसका चुम्बन लिया और नीली परीक्षा-पुस्तिकाओं के बण्डल को अपने डेस्क पर पटक दिया। पेगी ने राबर्ट कैश की ओर, और फिर जान की ओर देखा। अब उसकी आँखों में एक प्रश्न था। किन्तु जान केवल मुस्करा पड़ा और वह यह आशा करने लगा कि वह जितने आश्चर्य और परेशानी का अनुभव कर रहा है, उतना आश्चर्यचकित और परेशान वह दिखायी न दे। जिस दिन बरले-दम्पति, रोना और पाल वहाँ आये थे, उस दिन की संध्या के बाद से उसने बाब कैश को उसकी कक्षा के बाहर नहीं देखा था। सामान्यतः बाब कैश उन छात्रों में से था, जो व्याख्यान के बाद उससे प्रश्न पूछने के लिए आया करते थे। किन्तु इन विगत कुछ सप्ताहों से कैश उससे बचने का प्रयत्न करता हुआ प्रतीत हो रहा था। इस क्षण वह चिन्तित, प्रायः बेचैन दिखायी दे रहा था और लीटनर की ओर देख रहा था, मानो वह कह रहा था, "तुम मुझे यहाँ लाये। अब अच्छा होगा कि तुम्हीं स्पष्टीकरण करो।"

बाबी ने राबर्ट कैश को छोड़ दिया और अपने पिता के स्वागत में अपना भाग प्राप्त करने के लिए दौड़ता हुआ जानके पास आया। किन्तु बारबाराने केवल ऊपर देखा और कहा—"मैं व्यस्त हूँ।" और वह मिल्टन की ओर देख कर मुस्करायी।

"आओ, क्लियोपात्रा!" उसकी माँ ने कहा—"आओ, भोजन के पहले हम स्नान कर लें।"

बारबारा ने अन्तिम पद्य के लिए जल्दी से पन्ना उलटा और उसके सामने एक चित्र भी आ गया। उसने परेशानी का कोई लक्षण प्रकट किये बिना ही पुस्तक को सीधी कर लिया और रंगीन चित्र की ओर घूमकर देखने लगी।

"एण्ड ब्रोक हिज क्राउन" उसने धीरे-से कहा और पुनः घूर कर देखने लगी। "कहाँ है यह ?"

मिल्टन ने कहा—"एण्ड ब्रोक हिज क्राउन एण्ड जिल केम—"

"कहाँ है यह ? कहाँ है यह ?" वह क्रोध के साथ चित्र को गोदने लगी, उसकी आँखें इतनी गम्भीर और अभियोगपूर्ण थीं, मानो उसने आक्सफोर्ड इंगलिश शब्द-कोश में किसी गलती का पता लगा लिया हो। मिल्टन परेशान दिखायी देने लगा।

पेगी ने कहा—"सब कुछ वहीं है, प्यारी। देखो, वहाँ जैक गिरता हुआ और उसके पीछे जिल लुढ़कता हुआ दिखायी दे रहा है और वहाँ पानी की बाल्टी है, पहाड़ी है और—"

"ताज कहाँ है ?" बारबारा ने क्रोधपूर्वक पूछा—"वह कहाँ है ?"

"ओह !" मिल्टन ने कहा और पेगी की ओर देखने लगा। "यह उस तरह का ताज नहीं है, बारबारा। सोने की कीलों वाला ताज नहीं। वह यह खोपड़ी है, उसके सिर की खोपडी।" उसने उसे सिर दिखा कर बताया।

"आओ, बारबारा !" पेगी ने जान और राबर्ट कैश की ओर देखते हुए कहा। बारबारा पुस्तक को एक ओर धीरे से रखती हुई उठी, उसने अपनी स्कर्ट में दबी हुई सिकुड़न को खींचा, पुनः अपनी खोपड़ी को स्पर्श किया और तत्पश्चात् अकस्मात् अपने पिता के पास दौड़ गयी। उसने उसके पैरों को पकड़ लिया और वह उसे हवा में झुलाने लगा। उसने मिल्टन की ओर देखकर हाथ हिलाया, जब कि बाबी ने अपने इंजिन का एक पहिया उठाया और पेगी ने एक टेडी-भालू और एक हाथ वाली एक गुड़िया को उठाया, जो जान के डेस्क के नीचे घर का खेल रही थी। पेगी ने उन परीक्षा-पुस्तिकाओं के ढेर की ओर देखा, जिन पर अंक देने थे। उसने सोचा कि आज रात मैं कुछ सिलाई का काम कर लूँगी। फिर वह जल्दी-जल्दी बच्चों के पीछे गयी। सबसे पहले स्नान, फिर वह उनके कपड़े धोयेगी, तत्पश्चात् उनका भोजन और बारबारा को सुलाने का कार्य। उस समय तक मिल्टन और बाब चले गये होंगे—अथवा क्या वे चले गये होंगे ? वह इस बात की चिन्ता करने लगी कि रसोई-घर के स्टोव पर गोश्त का जो टुकड़ा गरम हो रहा है, उसे वह कितना फैला सकती है।

जब पेगी ने बारबारा के आधा सूखे हुए बालों पर एक रात्रिकालीन ड्रेस ओढाया, तभी दरवाजे की घण्टी उठी। बाबी, जो अभी तक हौज में था, अपनी

नाव को नहाने के ब्रश के हैण्डिल से चला रहा था।

"वहीं रुके रहो!" पेगी ने बारबारा और बाबी से कहा—"इतनी बड़ी बड़ी लहरें उछालना बन्द करो!" वह जल्दी-जल्दी दरवाजा खोलने गयी। यह रोना थी।

रोना ने अपने अप्रत्याशित आगमन का स्पष्टीकरण नहीं किया। और पेगी ने अपनी छोटी बहिन के चेहरे पर गम्भीर, दृढ़ अभिव्यक्ति को देखते हुए कोई प्रश्न नहीं पूछा। इसके अतिरिक्त स्नानघर से चिल्लाहट की एक आवाज सुनकर वह दौड़ती हुई वहाँ चली गयी। एक बड़ी लहर ने बारबारा को भिगो दिया था।

"ओह, बाबी!" पेगा ने कस कर एक थप्पड़ मारा, जिसके प्रतिवाद में बाबी चिल्ला पड़ा। उसने बारबारा के ताजा इस्त्री किये गये रात्रकालीन पहनावे की ओर देखा, जो अब भीग कर उसके मोटे पेट से लटक रहा था और उसने असहाय होकर अपना सिर हिलाया। "तुम्हें यहाँ समुद्री बूटों की आवश्यकता पड़ेगी।" उसने रोना को चेतावनी दी।

रोना अब मुस्करा रही थी। उसने अपने जूतों और मोजों को निकाल दिया था और अपनी कमर में एक तौलिया लपेट रही थी। "यदि तुम इन छोटे पशुओं के लिए खाना तैयार कर दो, तो मैं उन्हें ठीक कर दूगी," उसने कहा। "आओ, जंगली!" उसने बाबी को हौज से बाहर खींचा और उसे यह कहते हुए एक तौलिया दी—"अब नाक-भौंह मत सिकोड़ो। तुम्हीं ने इसे भिगोया है।"

पेगी ने कृतज्ञतापूर्वक सिर हिलाया, वह जल्दी से बारबारा के लिए एक दूसरा नाइट गाउन लेकर आयी और उसके बाद गोश्त के टुकड़े को जलने से बचाने के लिए समय पर रसोईघर में पहुँच गयी। उसने गोश्त के टुकड़ों को चिन्तापूर्वक गिना। बच्चे, रोना, मिल्टन, बाब, जान,...गोश्त काफी नहीं होगा। सब्जी भी काफी नहीं है। सम्भवतः कुछ लपसी? उसने निश्चय किया कि मैं और रोना लपसी खा सकती हैं और यह कह सकती हैं कि हम लोग पथ्य ले रही हैं या ऐसी ही कोई बात कह सकती हैं। बुरा हो, उसने गोश्त को सूँघते हुए क्रोधपूर्वक सोचा, तीन दिनों में पहली बार हमें गोश्त मिला है। और तत्पश्चात् इतना अधिक अनुदार होने के लिए उसने अपने आपको कठोरतापूर्वक फटकारा।

रोना बारबारा को लेकर रसोईघर में आयी। वह बिल्कुल गुलाबी, सफेद

और सूखी हुई थी। "पहली पंगत!" उसने बारबारा को उसकी ऊँची कुर्सी में बांधते हुए कहा—"झाड़न कहाँ है, पेगी? मैं 'डेक' को साफ कर दूँगी।"

जब वह बाबी के साथ वापस लौटी, तब उसका चेहरा गम्भीर था। "जान एक अरुचिकर वार्तालाप में उलझा हुआ है।" उसने कहा—"मैं उसे सुने बिना नहीं रह सकी।"

"कोई भी व्यक्ति नहीं कहेगा कि इस घर में काफी शांति है।" पेगी ने भी बैठकखाने में इतनी काफी बातें सुनी थीं कि उसका चिन्तित होना स्वाभाविक ही था। तत्पश्चात् उसने बाबी की दिलचस्पी से भरी हुई आँखों के पीछे रोना के साथ दृष्टियों का आदान-प्रदान किया और उन्होंने आगे कुछ नहीं कहा।

साढ़े छः बजे तक बालकों को भोजन करा दिया गया और पेगी एक कहानी के साथ बारबारा को थपथपा कर सुला रही थी। बाबी, जो सामान्यतः सोने से आधे घंटे पहले का समय अपने पिता के साथ व्यतीत किया करता था, रोना की ओर, जो रसोईघर में उसे पढ़ कर सुना रही थी, भटकती हुई नजर से ही देख रहा था। "क्या ये जायँगे नहीं?" उसने बेचैनी के साथ पूछा। और तत्पश्चात् उसके कानों ने वह ध्वनि सुनी, जिसके सुनने की वह प्रतीक्षा कर रहा था और वह अपनी कुर्सी पर से सरक कर अपनी सोने के समय की चप्पलें पहन कर संकरे हाल मे जाकर अपने पिता की बगल में खड़ा हो गया, जबकि मुलाकाती व्यक्ति प्रस्थान कर रहे थे।

रोना ने इच्छा न रहते हुए भी बातों को सुनते हुए सोचा कि जान का स्वर प्रसन्नतापूर्ण प्रतीत होता है। निश्चय ही कोई कटुतापूर्ण वाद-विवाद नहीं हुआ था। और राबर्ट कैश सम स्वर में नमस्कार कर रहा था। वह अकस्मात् अधिक प्रसन्न हो गयी। उसने सोचा कि मैं भोजन के समय जान को अपनी कठिनाइयों के सम्बन्ध में बताऊँगी और तब मैं जल्दी ही चली जाऊँगी, जिससे वह अपना निजी काम कर सके। किन्तु यदि मैं केवल जान और पेगी को प्रत्येक बात के सम्बंध में बता दूँ—नहीं, प्रत्येक बात के सम्बंध में नहीं; चार्ल्स के पत्र का जिक्र नहीं किया जा सकता, किन्तु अब उसे इसके सम्बन्ध में तनिक भी चिन्ता नहीं थी—तो कम से कम, यदि मैं जान और पेगी को बता दूँ, तो वे मुझे कुछ परामर्श तो दे सकते हैं। जान इस प्रकार का व्यक्ति है, जिसके विवेक पर आप विश्वास कर सकते हैं, वह बुद्धिमान और उदार है तथा वह कभी कट्टर नहीं बनता। यदि आप उसके परामर्श को स्वी-

कार न करें, तो भी आप उसका सम्मान करते हैं और किसी प्रकार, आप यह महसूस भी करने लगते हैं कि आपकी तबियत थोड़ी अधिक अच्छी हो गयी है।

किन्तु पेगी ने, जो यह देखने के लिए रसोई घर में वापस आ गयी थी कि गोश्त पुनः पूर्ण रूप से गरम हो गया है, कहा—"भोजन के समय हम लोग बातचीत को काफी हल्की ही रखें। मैं तुम्हारा चेहरा देख कर जानती हूँ कि तुम हम लोगों को कुछ बताने वाली हो। किन्तु इसे काफी के समय तक रोके रखो, क्या तुम ऐसा करोगी ?"

और रोना ने सिर हिला दिया। वह भोजन के समय सदा ही थेल्मा की पार्टी का वर्णन कर सकती थी। यह काफी हल्की बात थी। और वह बाद में उन्हें जो कुछ बतायेगी, उसके लिए यह भूमिका का काम भी करेगी।

बैठकखाने में काफी पीने के समय (पेगी ने कहा था—"आज रात हमारे पास थालियाँ और प्रत्येक वस्तु होगी") रोना को अपनी कहानी बताने में कठिनाई का अनुभव हो रहा था। अंधकार व्याप्त होता जा रहा था। घर में अब शांति थी, लड़के सो गये थे, और फिर भी, कमरे की परछाइयों और मौन श्रोताओं के कारण कहानी दुगुनी गंभीर, वर्णन करने में दुगुनी कठिन प्रतीत हो रही थी।

अंत में रोना ने कहा—"तो यही है वह कहानी....मैं नहीं जानती कि मैं उस तरह क्यों भाग गयी। किन्तु यह एक निश्चित झगड़ा है। क्योंकि मैंने दोपहर के भोजन के समय से थोड़ा ही पहले स्काट को फोन किया था। वह बाहर गया था। मैंने एक संदेश दिया। उसने उसका उत्तर नहीं दिया।"

"संभवतः उसे संदेश नहीं मिला।" पेगी ने कहा; किन्तु उसने चिन्तित दृष्टि से जान की ओर देखा। उसने मानों कमरे में प्रसन्नता का वातावरण उत्पन्न करने के लिए कोच के बगल की बत्ती जला दी।

"मैं सारे दिन इस चिन्ता से ग्रस्त रही हूँ और मैं अपने को इससे मुक्त नहीं कर सकती," रोना ने कहा, "कि—कि—"

"क्या, रोना ?" जान ने कोमलतापूर्वक उसे प्रेरित किया।

"कि हम लोगों का विवाह कभी नहीं होगा।" रोना ने अपना चेहरा बत्ती से दूर हटा लिया। उसने रोना प्रारंभ कर दिया। उसके आँसू उसके शब्दों के समान ही अप्रत्याशित थे। जान और पेगी ने एक दूसरे की ओर घूर कर देखा।

जान कह रहा था—"रोना, लोग झगड़ते हैं, और फिर समझौता कर लेते

हैं। इससे इतना अधिक व्यथित मत हो।" स्काट ने उसे टेलिफोन क्यों नहीं किया था ?

पेगीने कहा--"स्काट सम्भवतः उस अफवाह पर विश्वास नहीं कर सकता। यदि वह विश्वास करता है, तो वह विवाह करने योग्य नहीं है।" जब वह बोल रही थी, तभी दरवाजे की घण्टी बज उठी। "मैं द्वार खोल दूँगी," उसने चिड़चिड़ाहट के साथ कहा और जल्दी से कमरे से बाहर निकल गयी।

रोना ने अपने रूमाल की तलाश की और जब जान ने उसे अपना रूमाल दे दिया, तब उसने मुस्कराने कोशिश की। जान आज की संध्या के सम्बन्ध में विचार-निमग्न होकर सोच रहा था। पहले बाब कैश का मामला आया था। मिल्टन लीटनर कुछ स्पष्टतापूर्ण परामर्श के लिए उसे जान के पास लाया था : बाब ने कम्युनिस्ट पार्टी में सम्मिलित होने का निश्चय किया था और वह मिल्टन को अपने साथ चलने के लिए राजी करने का प्रयास कर रहा था। मिल्टन ने पूरे सप्ताहात तक बाब के साथ तर्क-वितर्क किया और आज शामको उसने उसे जान के साथ विचार-विमर्श करने के लिए राजी किया था। बाब के परिवार के लोग दो हजार मील दूर रहते थे। मिल्टन ने यह दलील दी थी कि कोशिश करने और उनके दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने का काम जान का है। और जान ने, यद्यपि वह सम्भवतः अनेक बातों के सम्बन्ध में बाब कैश के पिता के साथ सहमत नही होता, अपनी सारी बुद्धि से प्रयास किया था। वह केवल इतना कर पाया कि उसने बाब को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए, ग्रीष्म ऋतु तक प्रतीक्षा करने के लिए, इस प्रश्न पर दूसरे पक्षों की बातें सुनने के लिए राजी कर लिया था। किन्तु यह आधी पराजय भी आधी सफलता थी। जान ने अपने दृष्टिकोणों को प्रस्तुत किया, जिनमें से कुछ का उत्तर बाब नहीं दे सका। बाब चला गया था, स्पष्टतः वह उत्तरों की तलाश करने के लिए गया था। अब और अधिक वार्तालाप होंगे, और अधिक तर्क-वितर्क होंगे तथा और अधिक उत्तर ढूढे जायेंगे—यह एक दीर्घकालीन, कष्टदायक और थका डालने वाला कार्य था, फिर भी किसी न किसी को तो इसे करना ही था।

तो पहले बाब आया था और अब रोना आयी थी। नहीं, पहले जोसेफ लोकास्ट्रो आया था। आज तीसरे पहर लोकास्ट्रो जान के पास आया था और उसने कहा था कि वह अपने पहले वर्ष के अंत में विश्वविद्यालय छोड़ने जा रहा है, वह एक नौकरी करने जा रहा था, वह विवाह करने जा रहा था। ठीक इसी प्रकार की बातें। बाब को राजी करने के लिए तथ्यों को प्रस्तुत करने की अपेक्षा

जो के निश्चय के विरुद्ध तर्क-वितर्क करना अधिक कठिन कार्य सिद्ध हुआ था। किसी नवयुवक व्यक्ति के लिए यह समझना सरल कार्य नहीं है कि आज वह जो कुछ करने का निश्चय करता है, उसका प्रभाव उसके समस्त जीवन पर पड़ने वाला है। जब आप नवयुवक होते हैं, तब जीवन, कार्य और कारण का प्रश्न प्रतीत नहीं होता। उसके लिए कड़वे अनुभवों की आवश्यकता होती है। जो—बाब—रोना। प्रेम, राजनीति, प्रेम। जान ने सोचा कि यह एक दिन के लिए पर्याप्त रूप से अपाच्य सैण्डविच है।

"पेगी क्यों रुकी हुई है ?" उसने पूछा। उसने अकस्मात् लक्ष्य किया कि पेगी और नया मुलाकाती हाल में धीमे स्वरों में बात कर रहे थे। रोना ने, जो खिड़की के बाहर देख रही थी और बाहर के अंधकार से घिरे हुए मकानों की धुएं से काली हुई ईंटों का निरीक्षण कर रही थी, यह भी महसूस नहीं किया था कि पेगी को देर हो गयी थी।

तत्पश्चात् पेगी अन्दर आयी, उसका चेहरा लाल हो गया था, वह अपने मुँह को प्रसन्नतापूर्ण बनाने की कोशिश कर रही थी और उसने बिना किसी भूमिका के, मानो यह सब पूर्णतया समझ में आने योग्य बात थी, घोषित किया—"श्री एट्टली हमसे मिलने के लिए आये हैं, जान !" उसने एक दूसरी बत्ती जलायी और पर्दे खींचना प्रारम्भ कर दिया, जिससे वह रोना को स्काट के पिता से मिलती हुई न देख सके।

विलियम एट्टली अपने शीघ्रतापूर्ण, उत्साहपूर्ण ढंग से चलते हुए रोना के साथ हाथ मिलाने के लिए आगे आये। उन्होंने अपनी शांत आंखों से, जो उनके चश्मे के पीछे सतर्क थीं, उसे चिन्तापूर्वक और स्नेहपूर्वक, दोनों दृष्टियों से, देखा। उन्होंने जान के साथ भी हाथ मिलाया। तत्पश्चात् उन्होंने निकटतम कुर्सी चुनी और वे उस पर बैठ गये। उन्होंने अपने पैरों को एक दूसरे के ऊपर रखा और फिर उन्हें अलग-अलग कर दिया। उन्होंने अपना सिगरेट-केस बाहर निकाला, उसे खोला, बंद कर दिया और फिर खोला।

"एक प्रकार से" उन्होंने कहा, उनके गहरे सुखद स्वर में उनके यथापूर्व निश्चय की पुनः स्थापना हो गयी थी, "मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि तुम मुझे यहीं मिल गयीं, रोना। क्योंकि मैं तुम्हारे और स्काट के बारे में बात-चीत करने के लिए ही यहाँ आया हूँ। साफ बात यह है कि मैं तुम दोनों के संबंध में चिन्तित हूँ। तुम स्काट के साथ अपनी मंगनी को क्यों तोड़ रही हो ?"

पेगी, जो इस क्षण तक यह सोच रही थी कि रोना प्रत्येक बात को अत्य-

धिक गम्भीरतापूर्वक ग्रहण कर रही है और तब तक प्रतीक्षा की जाये, जब तक चिन्ता करने के लिए उसके पास एक परिवार न हो जाये तथा जब तक वह मासिक बिलों के भुगतान के सम्बंध में चिन्ता न करने लगे, बीच पर बैठ गयी और चिन्तापूर्वक श्री एट्टली की ओर देखने लगी।

रोना के भयाक्रांत मौन को लक्ष्य करते हुए, जान ने शांतिपूर्वक कहा—"आप तो और भी आगे बढ़ गये, श्री एट्टली। कौन कहता है कि मँगनी टूट गयी है ?"

"आज शाम को स्काट ने मुझे जो कुछ बताया, उससे मैंने यह ख्याल किया कि मंगनी टूट गयी है। मैं उससे पांच बजे मिला था और हमने साथ-साथ भोजन किया। मैं अभी उसको छोड़ कर आया हूँ। उसे आठ बजे कार्यालय में वापस जाना था। खेदजनक बात है। मैं उसे और रोना को एक साथ बात करते देखना चाहता था।" श्री एट्टली ने अंततः एक सिगरेट निकाली। "मुझे कल प्रातः काल स्टाण्टन वापस लौट ही जाना है!" उन्होंने स्पष्टीकरण किया।

उन्होंने बारी-बारी से अपना निरीक्षण करने वाले तीनों चेहरों की ओर देखा और अंत में उनकी आँखें रोना के चेहरे पर जाकर टिक गयीं। तब उन्होंने उससे कहा—"तुमने मंगनी नहीं तोड़ी ?"

रोना ने अपना सिर हिलाया। "नहीं।" उसने अपने बायें हाथ में पड़ी हुई अंगूठी की ओर देखा। उसने कटुतापूर्वक कहा—"किन्तु यदि स्काट चाहता है कि मैं मंगनी तोड़ दूँ तो मैं उसे तोड़ ही दूँगी।"

"वह नहीं चाहता !" श्री एट्टली ने जल्दी से कहा—"वह इस सारे मामले के सम्बन्ध में एक भयंकर मनः स्थिति में है।"

"स्काट ने आपसे क्या कहा ?" जान ने पूछा।

"केवल इतना ही कि रोना और वह कल निवास-स्थानों की तलाश करने गये थे और उसके बाद झगड़ा हो गया और फिर रोना उसे छोड़कर चली आयी।" श्री एट्टली ने अपनी सिगरेट सुलगाने में बहुत अधिक समय लगाया।

"मैं सोचता हूँ कि उसने अवश्य ही आपको इससे अधिक बताया होगा, श्री एट्टली।"

"हाँ। इधर-उधर। वह अत्यधिक दुखी है, वह इसके सम्बन्ध में बहुत अधिक बात नहीं कर सकता। किन्तु..." श्री एट्टली ने रोना की ओर देखा। "ऐसा प्रतीत होता है कि एक बहुत बुरी गलतफहमी पैदा हो गयी है। अब मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आज रात को मैं यहां आया।"

"आज स्काट ने रोना से सम्पर्क स्थापित कर स्वयं इस सबका खुलासा क्यों नहीं करवा लिया ?" जान ने जानने की इच्छा प्रकट की।

"उसने सम्पर्क स्थापित करने का प्रयत्न अवश्य किया। उसने उससे फोन पर बात नहीं की।"

"मैंने क्या नहीं किया ?" रोना ने पूछा।

पेगी ने कहा—"इस बारे में स्काट गलती पर है। यदि रोना का फोन खाली नहीं था, तो उसने ऐसा क्यों सोच लिया कि वह उसके साथ बात करना नहीं चाहती है ? सच, श्री एट्टली, मेरा ख्याल है कि स्काट एक बिगड़े हुए—की भाँति कार्य कर रहा है।"

"हाँ, हम इन गलतफहमियों को काफी आसानी के साथ दूर कर सकते हैं।" जान ने बीच में टोकते हुए कहा। उसने पेगी को एक चेतावनीपूर्ण मुस्कान द्वारा मौन कर दिया। "आप स्काट से उसके कार्यालय में बात क्यों नहीं करते, श्री एट्टली ? उससे कहिये कि आप रोना से मिले थे और वह उतनी ही दुखी है, जितना दुखी वह है। अधिक अच्छा यह होगा कि वह उसके साथ यथासम्भव शीघ्र से शीघ्र सम्पर्क स्थापित करे।"

"नहीं," रोना बरस पड़ी—"नहीं, मैं ऐसा नहीं चाहती। स्काट किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा प्रेरित किये गये बिना स्वयं ही मुझसे बात कर सकता है। मैंने उसे आज टेलिफोन किया और उसके लिए एक सन्देश दिया। अब उसकी बारी है।" तत्पश्चात् उसका स्वर शान्त हो गया और उसने कहा—"मेरा ख्याल है कि स्काट मेरे साथ विवाह करना नहीं चाहता, बात बस इतनी ही है। और श्री एट्टली, उसने आपको यहाँ इसलिए भेजा कि मुझे यह समाचार सुनाने के लिए उसने यही सरलतम मार्ग ढूंढ़ा।"

"उसने मुझे नहीं भेजा, रोना," एट्टली ने दुखित होकर कहा। "यह मेरा निजी विचार है। उसे इसके बारे में मालूम नहीं है।"

"किन्तु वह जानता था कि आप अपने होटल में वापस जाकर इन सारी बातों को भूल नहीं जायेंगे। वह जानता था कि आप इस सम्बन्ध में कुछ न कुछ करने का प्रयास किये बिना न्यूयार्क से नहीं जायेंगे।"

इस पर किसी ने कुछ नहीं कहा।

"रोना !" एट्टली ने अन्तोगत्वा कहा—"इन सारी बातों से स्काट की दशा बहुत खराब हो गयी है। वह ऐसी मनःस्थिति में है कि मैं जानता हूँ—मुझे विश्वास है कि वह तुम्हारे साथ विवाह करना चाहता है।"

पेगी ने चिड़चिड़ा कर कहा—"तो उसे कौन-सी चीज रोकती रही है ?"

"उसका विचार है कि रोना अभी तक पाल हैन से प्रेम करती है। उसने मुझे इस बारे में बताया।" एट्टली ने खिन्न मन से कहा।

"किन्तु क्रिसमस के अवसर पर पाल हैन यहाँ नहीं था और उस समय हम सभी यह आशा कर रहे थे कि रोना और स्काट का विवाह हो जायेगा।" पेगी ने कहा। उसने अपने पति की ओर और तत्पश्चात् प्रायः प्रहार करने की दृष्टि से एट्टली की ओर देखा। "क्या हम ऐसी आशा नहीं करते थे ?" उसने क्रोधपूर्वक पूछा।

"ओह !...."रोना ने कहना प्रारम्भ किया। तत्पश्चात् वह उठी और कमरे से बाहर चली गयी। उसके पीछे पेगी भी चली गयी।

"आप क्या सोच रहे है ?" एट्टली ने जान टाइसन से पूछा।

"मैं यह सोच रहा हूँ कि यदि मैं स्काट के स्थान पर होता, तो मैं क्या करता !" जान ने धीरे-धीरे कहा—"और आपसे सच बात कहूँ, श्री एट्टली, वह जिस प्रकार का व्यवहार कर रहा है, उस प्रकार का व्यवहार मैं नहीं करता।"

"हमें जितना बताया गया है, बात उससे अधिक है।" एट्टली ने कहा—"इसमें सन्देह नहीं कि रोना की रक्षा करने के प्रयास में स्काट इसके संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बतायेगा। किन्तु, आप जानते हैं, यदि वह उससे प्रेम करती है, तो आप यह सोच सकते हैं कि वह धन के कारण नहीं रुकेगी। आखिर, प्रारम्भ में अधिकांश नवयुवकों के पास बहुत कम धन रहता है। और अधिकांश लड़कियाँ उसे स्वीकार करती हैं। यह उनके लिए एक प्रकार की चुनौती है। उदाहरणार्थ, जिस प्रकार आपकी पत्नी आपके इस घर का प्रबन्ध करती है।"

"क्या स्काट आपसे यह कहता रहा है कि रोना धन को महत्वपूर्ण समझती है ?"

एट्टली को जान का स्वर पसन्द नहीं आया। "मैं जानता हूँ कि वह उसके संबन्ध में बहुत अधिक चिन्ता करता है।" उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा—"अब वह इस बात से भी चिन्तित हो गया है कि हैन की नौकरी एक अच्छी नौकरी है, उसे स्काट से दुगुना, सम्भवतः उससे भी अधिक वेतन मिलता है। आप इस बात को जानते हैं कि कल स्काट और रोना दिन भर मकान की तलाश में भटकते रहे और उन्हें बहुत अधिक कष्ट उठाना पड़ा। स्काट इस बात

के लिए हठ करता है कि वे मकान के किराये के रूप में—"

"देखिये, श्री एट्टली !" जान ने कहा—"मैं एक बात निश्चयपूर्वक कह सकता हूँ। स्काट आपको गलत बातें बताता रहा है—बिल्कुल गलत बातें।"

"वह मेरे प्रति सदा ईमानदार रहा है।" एट्टली ने उठते हुए, अपनी आधी खत्म हुई सिगरेट को बुझाते हुए कहा। "वह एक दृढ़निश्चयी लड़का है, कभी-कभी जिद भी कर बैठता है। मैं आपकी इस बात को स्वीकार करता हूँ। किन्तु वह सदा ही पूर्ण रूप से ईमानदार रहा है। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि उसने अपने जीवन में मुझसे कभी झूठ बात नहीं कही है।"

"आप जिस प्रकार रोना को जानते हैं, उस प्रकार उसे जानते हुए आप ऐसा क्यों मान लेते हैं कि दोष केवल उसी का है ?"

"मैं नहीं सोचता कि दोष एकमात्र उसी का है, प्रोफेसर टाइसन। मेरा ख्याल है कि दोनों पक्षों की ओर से थोड़ी स्पष्ट बातचीत द्वारा इस सारी गड़-बड़ी को दूर किया जा सकता है। किन्तु एक बात निश्चित है : आखिर, हो सकता है कि मैं रोना को अच्छी तरह से न जानता होऊं। और मैं अपने पुत्र को अवश्य जानता हूँ। वह जिस प्रकार दुखी है, उस प्रकार उसे दुखी बनाये जाने से मुझे आनन्द नहीं मिलता।"

"मैं यह नहीं कहता कि इन दिनों रोना बहुत अधिक प्रसन्न रही है !" जान ने कटुतापूर्वक कहा—"आप उसे देखकर ही समझ सकते है कि वह छः महीने पहले जैसी थी, वैसी ही अब नहीं रह गयी है।"

कुछ क्षणों तक वहाँ मौन बना रहा। तत्पश्चात् विलियम एट्टली ने सिर हिलाया। "आज रात को मैं यह बात देख रहा हूँ।" उन्होंने स्वीकार किया—"मेरा ख्याल है कि मुझे उससे थोड़ी बात-चीत और करनी चाहिए। क्या वह आज रात यहीं ठहर रही है अथवा क्या मैं उसे घर पहुँचा सकता हूँ ?" वे क्षमा-याचनापूर्वक मुस्कराये। "मुझे आशंका है कि आजकल मैं शीघ्र ही क्रुद्ध हो जाया करता हूँ।"

"दोष मेरा है !" जानने कहा—"मैंने ही इसे प्रारम्भ किया।"

विलियम एट्टली ने कहा—"पारिवारिक निष्ठाएँ विचित्र वस्तुएँ होती है। जब आपको इस बात की तनिक भी शंका नहीं होती कि वे आपके निकट कहीं हैं, तभी वे छिपे-छिपे आपके पास पहुंच जाती हैं।"

"हाँ।" जानने कहा—"मैं जाकर देखता हूँ कि रोना जाने के लिए तैयार है अथवा नहीं।"

विलियम एट्टली छोटे-से कमरे में चारों ओर टहलने लगे। वे सोच रहे थे, परिवारिक निष्ठाएँ, पारिवारिक मामले...जब आप एक बार उनके सम्बन्ध में चिन्ता करना प्रारम्भ करते हैं, तब आप समाचार-पत्र के शीर्षकों को भी भूल जाते हैं। विचित्र बात है, जब जान टाइसनने स्काट की ईमानदारी में संशय व्यक्त किया, तब किस प्रकार मेरा क्रोध भड़क उठा। उन्होंने सोचा कि मैंने स्वयं बहुधा स्काट की आलोचना की है, जिस प्रकार वह सदा अपने मन के अनुसार ही काम करता है, उसकी मैंने आलोचना की है। मैं स्वीकार करता हूँ, उसमें यह कमजोरी सदा से रही है; स्पष्ट बात है, इसी कारण उसने सेना को पसन्द नहीं किया। मैंने सोचा कि उसने वहाँ कुछ सीखा होगा, किन्तु उसने जो कुछ देखा और महसूस किया, उस प्रत्येक वस्तु के विरुद्ध विद्रोह करता हुआ, वह बाहर आ गया। यदि उसकी पदोन्नति हो गयी होती, तो सम्भवतः भिन्न ही बात होती। किन्तु मैं कह क्या रहा हूँ ? स्काट अनुशासन का पालन कर सकता है—अपने निजी अनुशासन का। जब वह बालक था, तब भी वह कभी-कभी अपने ही निर्णयों के अनुसार कार्य करने के संकल्प द्वारा मुझे आश्चर्य-चकित कर देता था, चाहे वे निर्णय कितने ही असुखकर क्यों न हों। वह बालों की कमीज पहन सकता है, यदि वह महसूस करे कि उसे उसने स्वयं बनाया है। वह उसे पहन सकता है, यहाँ तक कि उसे पहन कर आनन्दित भी हो सकता है। किन्तु कोई दूसरा व्यक्ति तो कोशिश कर के देखे...

उसी क्षण रोना कमरे में वापस आयी और एट्टली की विचार-श्रृँखला भंग हो गयी। वह अपना हैट और जैकेट पहने हुए थी, वह अपने दस्ताने पहन रही थी। उसने कहा—

"मुझे आपके साथ चलने में बहुत अधिक प्रसन्नता होगी।"

और विलियम एट्टली उसके चेहरे का निरीक्षण करते हुए, वहाँ कटुता का कोई लक्षण न देखते हुए, उसके मुंह के चारो ओर क्रोध का कोई संकेत न देखते हुए तथा उसकी आँखों में कोई उदासीनता न देखते हुए सोचने लगे कि क्या स्काट को मालूम है कि वह किस वस्तु को खोने के खतरे में है। तत्पश्चात् उन्होंने मुस्कराकर रोना का हाथ पकड़ लिया। उस क्षण उन्होंने महसूस किया कि उनकी बातों के फलस्वरूप जान टाइसन जितना सोचते थे, उससे अधिक वे रोना में विश्वास करते हैं। अथवा वे स्वयं जितना सोचते थे उससे भी अधिक वे विश्वास करते हैं। जब उन्होंने जान और पेगी को नमस्कार किया, तब उनके स्वर और हाथ मिलाने में अतिशय हार्दिकता का समावेश हो गया था।

पेगी कुछ क्षणों तक बन्द द्वार की ओर देखती हुई हाल में खड़ी रही। "यह सब स्काट और रोना के ऊपर निर्भर करता है!" उसने दुखित होकर कहा—"वे जो कुछ कहते हैं, उसका वास्तविक आशय जब तक वही नहीं होगा, तब तक संसार की समस्त सद्भावना का भी कोई परिणाम नहीं निकल सकता।"

जान टेलिफोन पर था। "मैं उस कुतिया के बच्चे को फोन करने जा रहा हूँ।" उसने अपनी घड़ी की ओर देखते हुए क्रोध से तमतमाते हुए कहा। "इस समय तक वह कार्यालय पहुँच गया होगा, उसे—"

"जान!" पेगी ने लड़कों के कमरे की ओर संकेत करते हुए कहा।

"अच्छा, अच्छा!" जान ने अपने स्वर को धीमा करते हुए कहा।

"याद रखो कि तुम अब एक प्रोफेसर हो, प्रिय!" पेगी ने मुस्कराते हुए कहा। किन्तु उसे आशा थी कि जान स्काट से साफ-साफ बातें करेगा। किसी को साफ-साफ बात करनी ही थी, किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसे स्काट को आघात पहुँचाने की चिन्ता न हो। मुश्किल की बात यही थी। रोना और विलियम एट्टली सदा ही स्काट का बचाव करने की कोशिश किया करते थे। कठिनाई की बात यही थी। किन्तु जान के लिए वह भी ऐसा ही करती थी और जान उसके लिए ऐसा ही करता था। यदि आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप अन्तः प्रेरणा से ऐसा ही करते हैं। तो इस प्रकार स्काट की स्थिति क्या है? क्या वह प्रेम करता है अथवा केवल खिलवाड़ करता है? क्या वह कुल इतना ही कर सकता है कि किसी लड़की से वह थोड़ा-सा प्रेम करे और शेष प्रेम स्वयं अपने लिए सुरक्षित रखे?

पेगीने खाने की थालियों को दूर कर दिया। जब तक उसने उन्हें धोया, तब तक जान फोन करके वापस आ गया। "नहीं," उसने कहा—"मैं सुखा लूँगी। अधिक अच्छा होगा कि तुम उन परीक्षा-पुस्तकों को देखना प्रारम्भ कर दो, जान।" उसने चिन्तापूर्वक रसोईघर की घड़ी की देखा। नौ बज कर पाँच मिनट हो गये थे। "हाँ, स्काट ने क्या कहा?"

"वह वहाँ नहीं था। आज रात को वह कार्यलाय में नहीं है। जब तक मुझे इस बात का निश्चय नहीं हो गया, तब तक मैं उस फोन से चिपका ही रहा। उसके आने की आशा भी नहीं थी।"

"जान!"

"हाँ। बिल्कुल ठीक बात है।" जान का स्वर उदास था। विलियम एट्टली ने कहा था कि स्काट अपने जीवन में कभी झूठ नहीं बोला था।

"सम्भवतः वह अपने निवास-स्थान पर हो ?"

"मैंने वहाँ भी कोशिश की। कोई उत्तर नहीं मिला।"

पेगी प्याली पोंछने वाली तौलिया लायी। "चिन्ता करना बन्द करो प्रिय। उन पुरानी परीक्षा-पुस्तिकाओं को जाँच लो। कुछ मिनटों के भीतर मैं तुम्हारे पास आ जाऊँगी।" और उसके स्वर से इस आशय का संकेत प्राप्त हुआ कि हम लोगों को इस सम्बन्ध में और कुछ नहीं कहना चाहिए।

जान बैठकखाने में गया और उसने डेस्क पर की बत्ती जला दी। जब पेगी उसके पास आयी, तब वह अपने साथ हरे कपड़े का एक टुकड़ा, अपना सिलाई बाक्स और एक लिफाफे में कागज की डिजाइनें लेकर आयी। वह बोली नहीं, किन्तु कालीन पर कपड़े को फैलाने और कागज की डिजाइनों को यथास्थान टांकने पर ध्यान केन्द्रित करने लगी। वह अपनी एड़ियों पर बैठ-कर अपनी पहेली का अध्ययन कर रही थी और जान उसका निरीक्षण कर रहा था। "यदि मैं इस में थोड़ा सा हेर-फेर कर लूं," वह अपने आपसे कह रही थी—"तो मैं बारबारा के लिए एक ड्रेस के लिए भी काफी कपड़ा बचा सकती हूँ।"

जान उठा, जहाँ वह घुटनों के बल बैठी हुई थी, वहां गया, झुका और उसने उसको चूम लिया।

"धन्यवाद, प्रिय।" पेगी ने उसकी ओर देख कर मुस्कराते हुए कहा—"किन्तु किसलिए ?"

"बस मेरे मन में आ गया। मैं एक भाग्यशाली व्यक्ति हूँ।"

उसने उठ कर उसे आलिंगन-बद्ध कर लिया। "और यह तुम्हारे लिए। ओह, जान। मैं एक भाग्यशाली लड़की हूँ।"

तत्पश्चात् वे दोनों अपना-अपना काम करने चले गये।

अध्याय—१४

नौ बजे से कुछ पहले, जिस समय उसके पिता और रोना टाइसन-दम्पत्ति से विदा ले रहे थे, स्काट एट्टली अपने निवास-स्थान से रवाना हुआ। उसने ऐसे कपड़े पहन रखे थे कि कोई उसे पहचान न सके और उसने टैक्सी नहीं ली। इसके बजाय, वह बिना किसी जल्दी के ५९ वीं स्ट्रीट और मैडिसन की ओर

चलने लगा ओर उसने जो रास्ता पकड़ा वह नियमित मार्ग नहीं था, मानों वह सांध्यकालीन वायुसेवन के लिए निकला हो और जिन दुकानों के प्रदर्शन-कक्षों को इस प्रकार देखता हुआ वह गुजरता, मानो उनमें उसकी काफी रुचि हो।

वह जन-संकुल चौराहे पर पहुँचा, उसके पार्श्व-मार्गों पर अभी तक भीड़ थी, उसकी अत्यन्त चमकदार बत्तियाँ उनके नीचे से होकर गुजरनेवाले चेहरों को चमका रही थीं। साढ़े नौ बजने में पाँच मिनट बाकी थे। वह एक पैकेट सिगरेट खरीदने के लिए एक विशाल ड्रग-स्टोर में गया और फिर दरवाजे के निकट कहानी-उपन्यास की पुस्तकों की ओर देखने लगा। प्रत्यक्षतः उसे वहाँ कोई भी पुस्तक खरीदने योग्य नही मिली; क्योंकि साढ़े नौ बजे उसने एक सस्ते संस्करण वाले उपन्यास को उसके उचित स्थान पर रख दिया और तत्पश्चात् बाहर मैडिसन एवेन्यू पर चला आया। निकोलस ओरपेन ५९वीं स्ट्रीट पर कोने पर स्थित एक स्टैण्ड से एक समाचार-पत्र खरीद रहा था। उसने एक क्षण के लिए स्काट की ओर देखा, उसे पहचाना नही, अपनी रेजगारी को पाकेट में रखा और पाँचवीं एवेन्यू की ओर चलना प्रारम्भ कर दिया। स्काट ने एक सिगरेट जलायी और वह उसके पीछे-पीछे चलने लगा।

वह ओरपेन की सतर्कता पर मुस्कराने का बहाना भले ही करे, किन्तु उससे उसे आनन्द प्राप्त हो रहा था। उससे उसकी उत्तेजना की भावना को, उसकी अत्यधिक उत्तरदायित्व की भावना को बल मिलता था। और वह जानता था कि उसका निर्णय सही था। उसने अपने-आप से कहा कि यह अन्य किसी भी वस्तु से, जिसे मैं जानता हूँ, बड़ी चीज है, यह रोना अथवा मुझसे बड़ी चीज है। हमारा कोई महत्व नहीं है, इसकी तुलना में हम महत्वपूर्ण नही हैं। और यह इसके लिए किये जानेवाले प्रत्येक बलिदान के साथ और अधिक महत्वपूर्ण होती जाती है। मैं यहाँ तक आया हूँ, मुझे आगे अवश्य जाना होगा। अथवा मेरा प्रत्येक कार्य निरर्थक है, जिन बातों में मैंने विश्वास किया है, वह प्रत्येक बात निस्सार है। उसके चेहरे पर अभी तक वेदना की वही छाप थी, जो उस पर दिन भर से छायी हुई थी, किन्तु अब उसके ओठों के चारों ओर दृढ़ सन्तोष के लक्षण दृष्टिगोचर हो रहे थे। कोई भी अच्छी वस्तु कभी सरलतापूर्वक नहीं प्राप्त होती। जैसा कि ओरपेन उससे बहुधा कहा करता था, सत्ता उन लोगों के लिए है, जिन्होंने उसका अर्जन किया हो। जो लोग त्याग नहीं करते, उन्हें अन्त में कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

जब वह ओरपेन का पीछा करता हुआ बस द्वारा कोलम्बस सर्किल तक,

'सब वे' द्वारा अपर ब्राडवे और ७२वीं स्ट्रीट तक, पैदल ८६वीं स्ट्रीट और आम्स्टर्डम एवेन्यू तक पहुँचा, उस समय तक ओरपेन की सतर्कताओं के प्रति स्काट एट्टली का उत्साह कुछ-कुछ समाप्त होने लगा था। कोई भी व्यक्ति उनका पीछा नहीं कर रहा था, किसी भी व्यक्ति को उनमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। ओरपेन षड्यन्त्रकारी का अभिनय करना पसन्द करता था। अथवा क्या वह स्काट को आज रात की मुलाकात के महत्व से प्रभावित करने की आशा कर रहा था ? एट्टली कोई अनुमान नहीं लगा सका। किन्तु अन्धकार में नगर के इस पार से उस पार जानेवाली एक बस के लिए प्रतीक्षा करते समय जब ओरपेन ने अन्ततोगत्वा उससे बात की, तब उसे राहत मिली।

"तो ?" ओरपेन ने कहा—"निश्चय कर लिया ?"

"मैं यहाँ आ गया हूँ।"

"तुम अपने मस्तिष्क का उपयोग करते हो....." ओरपेन ने मुस्कराते हुए कहा।

स्काट एट्टली ने उसकी ओर देखा।

".....किसी व्यक्ति का पीछा करने में !' ओरपेन ने पुनः कहा—"तुम जल्दी सीख लेते हो।"

हाँ, एट्टली ने सोचा, ओरपेन सदा ही एक शिक्षक रहा है; सबसे पहले अनुशासन, पूर्ण आज्ञा-पालकता और तत्पश्चात् सराहना। स्काट एट्टली की शत्रुता-भावना का लोप हो गया। उसने अनिच्छापूर्वक स्वीकार किया कि ओरपेन ने उसे सतर्कता और सुरक्षा का एक छोटा-सा पाठ पढ़ाया है, जिसे वह सदा याद रखेगा। तत्पश्चात् वह सोचने लगा कि ओरपेन के प्रति यह आलोचनात्मक भावना किस कारण उत्पन्न हुई और वह बेचैन हो गया। ओरपेन की हृदयहीन मुस्कान ने उसे और अधिक बेचैन बना दिया। ओरपेन ने उस शत्रुता की भावना को, उस अनिच्छापूर्ण आज्ञा-पालकता को अनुभव किया। और ओरपेन यह जानता हुआ प्रतीत होता था कि यह भावना वहाँ क्यों थी। फिर ओरपेन के अचूक होने के उस प्रमाण ने भी स्काट की परेशानी को पुनः उभाड़ दिया। उसने संकल्पपूर्वक, प्रायः कटुतापूर्वक अपने को ओरपेन के सम्बन्ध में सोचने से रोका, अपने को केवल मुलाकात के सम्बन्ध में सोचने के लिए विवश किया तथा उत्तेजना और उत्तरदायित्व की उस भावना को पुनः प्राप्त करने का प्रयत्न करने लगा, जिसने मैडिसन एवेन्यू और ५९ वीं स्ट्रीट से ओरपेन का पीछा करते समय उसकी वेदना को मौन बना दिया था।

"इसके बाद ?" स्काट एट्टली ने मुस्कराते हुए पूछा। बाहर से देखने पर वह पुनः सन्तुष्ट दिखायी दे रहा था। अब एक बस निकट पहुँच रही थी।

"बस पर हम लोग अलग-अलग रहेंगे। उसके बाद हम लोग साथ-साथ चलेंगे। बैठक में जाने से पहले मुझे कुछ चीजों के बारे में पूछना है।"

स्काट ने सिर हिलाया और थोड़ा-सा अलग हट गया। वह पाकेट में बस के किराये की तलाश करने लगा। एक अन्य यात्री उनके साथ हो गया और वे अपरिचितों की भाँति बस पर सवार हुए। किन्तु जब बस पुनः एक बार उन्हें पूरब की ओर ले जाती हुई सेण्ट्रल पार्क से होकर छोटे-से मार्ग पर चल रही थी, तब स्काट की समझ में काफी तौर से यह बात आ गयी थी कि ओरपेन क्या पूछेगा। ओरपेन यह जानना चाहेगा कि स्काट ने रोना के सम्बन्ध में क्या निश्चय किया है। बस के बाहर पार्क की काली परछाइयों की ओर, प्रकाशमान कमरों की चमक के साथ अंधकारमय आकाश में उठनेवाले गुम्बजों की ओर घूर कर देखते हुए स्काट ने सोचा कि मैं कर ही क्या सकता हूँ, मैं इसके अतिरिक्त और क्या कर सकता हूँ कि हम लोग अलग-अलग हो जायें ? क्या ओरपेन इस बात को नहीं समझता कि इसमें जल्दबाजी नहीं की जा सकती, कि आप एक दिन किसी लड़की से प्रेम और दूसरे ही दिन उसे भूलने का बहाना नहीं कर सकते ? और यदि ओरपेन ने उसे चुनौती दी तथा उसे कायर कहा तो वह इस बात को स्वीकार कर लेगा। वह रोना के सामने नहीं जा सकता था। उसमें ऐसा करने की सामर्थ्य नहीं थी। बहुत अच्छा, तो क्या ? ओरपेन जीत गया। क्या यह पर्याप्त नहीं था ? स्काट ने अपने आप से कहा, सावधान, ओरपेन के विरुद्ध इस कटुता को बन्द करो। विजय उसकी नहीं हुई है; यह ओरपेन अथवा रोना अथवा स्वयं मुझसे भी बड़ी कोई चीज है, यह इस समस्त नगर, इसके प्रकाशमान आकाश तथा उसकी ओर अपलक नेत्रों से देखनेवाले लाखों व्यक्तियों से भी बड़ी कोई चीज है।

जब पाँचवीं एवेन्यू पर बस रुकी, तब स्काट एट्टली पहले उतरा और ओरपेन उसका पीछा करने लगा। पाँचवीं एवेन्यू पर धीरे-धीरे चलते हुए उसने पार्क की पूर्वी सीमा पर वृक्षों की छायाओं से आच्छादित मार्ग पर स्काट को पकड़ लिया। "क्या मैं गलत रास्ते पर चल रहा हूँ ?" उसने ओरपेन से पूछा।

"नहीं, यह चलेगा !" ओरपेन ने एक संकुचित मुस्कान के साथ कहा। उसने अपने प्रश्न प्रारम्भ किये और वे अधिकांशतः वे ही थे, जिनकी आशा स्काट एट्टली ने की थी।

स्काट ने संक्षिप्त रूप से, बिना हिचकिचाहट के सभी प्रश्नों के उत्तर दिये। इस बात का ज्ञान होना एक अच्छी अनुभूति थी कि वह ओरपेन के अगले कदम को पहचान सका। उसने सोचा कि यह मेरे जीवन की एक नयी अवस्था है। अभी तक ओरपेन ने ही सारा नेतृत्व किया था। तत्पश्चात् उसने लक्ष्य किया कि ओरपेन की चिन्ता (जब वह चिन्तित होता था तब वह सदा ही हृदय-हीन हो जाता था) पूर्णतया उसी के लिए नहीं थी। ओरपेन चिन्तित था। वह इस बात को छिपा रहा था। ओरपेन की अपनी निजी कठिनाइयाँ थीं। स्काट एट्टली को इस बात का इतना पक्का निश्चय हो गया कि जब वे पार्क एवेन्यू पर थेल्मा के निवास-स्थान के निकट पहुँचे, तब उसने अपनी प्रसन्नता को प्रकट भी नहीं होने दिया। अन्तिम तीन ब्लाकों में उसने अनुमान लगा लिया था कि थेल्मा का निवास-स्थान ही उनका गन्तव्य स्थान था।

"तुम्हें थोड़ी देर तक प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।" ओरपेन ने अपनी घड़ी की ओर देखते हुए कहा—"आज रात यहाँ एक महत्वपूर्ण बैठक है। हमारे यहाँ एक अतिथि आया हुआ है। वह एक भ्रमणार्थी है और प्रेग से आया है।"

स्काट प्रभावित हुआ। एक भ्रमणार्थी ? निश्चय ही वह एक अत्यन्त उच्च स्तर का आदमी होगा। और ओरपेन के स्वर में एक विचित्र विशेषता थी, जिससे प्रेग से आये हुए भ्रमणार्थी में स्काट की रुचि बढ़ गयी।

ओरपेन ने उसकी दृष्टि को लक्ष्य किया। "सम्भवतः तुम उससे नहीं मिल पाओगे।" उसने स्काट को पुनः एक बार उसका उचित स्थान बताते हुए रुक्षता-पूर्वक कहा। तत्पश्चात् पूर्ण मौन के साथ वे निवास-स्थान में प्रविष्ट हुए।

ओरपेन स्वयं अपने ऊपर चिढ़ गया। उसने सोचा कि उसका व्यवहार अत्यन्त रुक्षतापूर्ण और आकस्मिक था। तत्पश्चात् वह मुस्कराया। इस बार उसकी मुस्कान में वास्तविक हास्य था। उसने स्काट एट्टली को जिस प्रकार इस मार्ग पर सदा सहायता पहुँचायी थी, वह उसके बारे में सोच रहा था। प्रारम्भ से ही उसने उसे परामर्श दिया, सिखाया, सतर्क किया, उसकी रक्षा की तथा उसे समझाया था। उसकी जोरदार सिफारिश के परिणामस्वरूप ही स्काट इतनी शीघ्रता के साथ अपने कार्य के उद्देश्य में इस सीमा तक पहुँच गया था। अथवा क्या स्काट वास्तव में यह विश्वास करता है कि पार्टी में प्रत्येक व्यक्ति को यह अवसर प्राप्त होता है ? क्या वह अपने उन विशेष गुणों के लिए अपने आपको बधाई दे रहा है, जिन्होंने उसे अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक

महत्वपूर्ण बना दिया था ? ओरपेन की मुस्कान हँसी में परिणत हो गयी, जिसे उसने शीघ्रतापूर्वक खासी से दबा दिया।

"रात्रिकालीन एलिवेटर-चालक के संबन्ध में चिन्ता मत करो।" जब वे थेल्मा के निवास-स्थान के निजी प्रकोष्ठ में प्रतीक्षा कर रहे थे, तब ओरपेन ने कहा—"अथवा रात्रिकालीन द्वार-रक्षक के सम्बन्ध में। विवेकशील आत्माएँ।" उसकी उल्लसित आँखें यह कहती हुई प्रतीत हो रही थीं, हां, स्काट, मैं अब भी तुम्हें एक या दो बातें बता सकता हूँ।

आज रात द्वार के खुलने में कुछ समय लगा। जब वह खुला, तब बटलर वहाँ खड़ा था। किन्तु उसका कोट उतरा हुआ था और उसका चेहरा मुस्करा रहा था। वे शीघ्रतापूर्वक घर में प्रविष्ट हुए और उसने उनके पीछे दरवाजे में दोहरा ताला लगा दिया। उसने अपना हाथ ओरपेन की ओर बढ़ाया। संगीत-कक्ष से, जिसके द्वार दृढ़तापूर्वक बन्द थे, किसी के चोपिन का अभ्यास करने की ध्वनि आ रही थी। वह व्यक्ति अच्छी तरह से नहीं, किन्तु संकल्प-पूर्वक अभ्यास कर रहा था।

"बिल !" ओरपेन ने उक्त व्यक्ति का हाथ पकड़ते हुए अभिवादन के रूप में कहा।

स्काट एट्टली को आशा थी कि उसने अपने आश्चर्य को छिपा लिया था। उसने बदले में बिल से हाथ मिलाया। बिल ? स्काट ने उसे सदा ही अत्यन्त दुरुस्त और मूर्ख बटलर मार्टिन के रूप में, जो घर पर ठहरने वाला एक मात्र नौकर था, जाना था। थेल्मा के शेष नौकर रात्रिकालीन भोजन के बाद चले जाया करते थे। थेल्मा ने अपने मित्रों को बहुधा यह स्पष्टीकरण दिया था कि आजकल ऐसे नौकरों का मिलना कठिन है, जो घर में रह सकें। अधिकांश के पास उनका निजी घर प्रतीत होता है और वे प्रत्येक रात को वहां पहुँचना चाहते हैं। न्यूयार्क में घर रखनेवालों के मध्य यह स्पष्टीकरण पर्याप्त रूप से सामान्य था और इस पर कभी किसी ने अविश्वास नहीं किया था। प्रत्येक व्यक्ति ने, निजी तौर पर, सोचा था कि मार्टिन एक मूर्ख हो सकता है, किन्तु यह थेल्मा का सौभाग्य था कि वह उसके पास रहता था, विशेषतः उस समय, जब चार्ल्स नशे में चूर होने लगता था।

किन्तु अब बिल ओरपेन के साथ आगे-आगे चल रहा था और स्काट एट्टली उनके पीछे चल रहा था। बिल उन्हें हाल में एक संकरे द्वार के पास ले गया। उसने उसे खोला और उन्हें प्रवेश करने का संकेत दिया। उसने संगीत-कक्ष

से आने वाली पियानो की आवाज को सुना और वह मुस्कराया। "थेल्मा भले ही अच्छा न बजाती हो, किन्तु वह जोर से बजाती है।" उसने कहा—"कुछ भी हो, हमें इसी चीज की आवश्यकता है।" उसने सँकरे द्वार को बंद कर दिया और उन्हें एक छोटे अंधेरे मार्ग से होकर ले जाने लगा। स्काट का अनुमान था कि अवश्य ही ये नौकरों के कमरे होंगे, जिनका अब इतना कम उपयोग किया जाता है। किन्तु पियानो की आवाज को अभी तक अस्पष्ट रूप से सुना जा सकता था, वह थेल्मा द्वारा संगीत की भावना की व्याख्या के अनुसार मंद हो जाती थी अथवा प्रवाहित होती रहती थी।

"आज रात उसका वह पुत्र कहाँ है?" ओरपेन ने अकस्मात् पूछा।

"चार्ल्स ने आज प्रातः काल दस बजे पीना प्रारम्भ किया। वह अपने कमरे में है, संसार के लिए मर गया-सा।" बिल की आवाज में कोई रुचि नहीं थी।

"जब वह घर से बाहर रहता है, तब मुझे सदा ही अधिक प्रसन्नता का अनुभव होता है।" ओरपेन ने कहा।

"इस रास्ते से चलना अधिक अच्छा होगा। तब हमें उसके अप्रत्याशित रूप से वापस आ जाने की चिन्ता नहीं रहेगी। वह नशे में इतना बुत है कि वह थेल्मा को भी नहीं पहचान पाता।" बिल ने प्रसन्नतापूर्वक कहा—"यदि आप इस स्थान पर रहते, तो आप चार्ल्स से डरते नहीं।" उसने गलियारे के दूसरे दरवाजे को खोला। "तुम यहाँ प्रतीक्षा करो!" उसने स्काट एट्टली से कहा। "ओह, एक बात और!" उसने अपने स्वर को मंद करते हुए, प्रायः कानाफूसी के स्वर में कहा—"जब हम पाटर से मिलें, तब याद रखना कि वह औपचारिकताओं पर बहुत अधिक ध्यान देता है। पीटर बहुत बड़ा औपचारिकता-प्रेमी है। कामरेड यह, कामरेड वह। उसकी यूरोपिय पद्धति। किन्तु याद रखो।" अब बिल के स्वर में कोई परिहास नहीं था। उसने और ओरपेन ने दृष्टि-विनिमय किया। ओरपेन के ओठ बन्द हो गये। बिल निष्क्रिय था।

"पीटर अभी बगल के कमरे में है?" ओरपेन ने धीमे स्वर में पूछा।

बिल ने सिर हिलाया। "आज रात वह आपसे मिलने के लिए बड़ा चिंतित प्रतीत हो रहा है।"

इस वाक्य में कोई बात प्रायः अपशकुन-सूचक थी। स्काट एट्टली ने सोचा कि उसने ओरपेन के चेहरे पर एक छाया को गुजरते हुए देखा। किन्तु ओरपेन कह रहा था—"बहुत अच्छा!" मानों उसका आशय यही रहा हो। तत्प-

श्चात् बिल ने अधीरतापूर्वक संकेत किया और स्काट ने एक छोटे-से खाली कमरे में, जिसमें रोशनी बहुत कम थी और जिसमें बहुत कम फर्नीचर थे, प्रवेश किया। बिल ने उसके पीछे द्वार बन्द कर दिया।

स्काट लकड़ी की एक कड़ी कुर्सी पर बैठ गया और आज्ञाकारिता के साथ प्रतीक्षा करने लगा। जैसे-जैसे मिनट गुजरने लगे, वैसे-वैसे वह परेशानी से प्रायः सुन्न होने लगा। अकस्मात् उसे कल रात को उससे कहे गये निकोलस ओरपेन के शब्द याद आ गये : "अब तुम बड़े लोगों के समूह में प्रवेश कर रहे हो।" वह सिगरेटों के एक पैकेट के साथ भद्दे ढंग से उलझता रहा। उसने सोचा कि छोटे लोगों के समूह में अधिक आराम है। उसने अपनी टाई ढीली की, अपनी सिगारेट को पुनः जलाया और तत्पश्चात् वह फर्नीचर का अध्ययन करने लगा। वह सोच रहा था कि यह कौन-सा काम है, जिसे मुझे करना है? सारे दिन, सारी शाम, कल जब आरपेन ने उसे इसके सम्बन्ध में बताया, तभी से यह प्रश्न उसके मस्तिष्क में चक्कर काट रहा था। किन्तु उसने इस क्षण तक इसके सम्बन्ध में कोई अनुमान नहीं लगाया कि वह क्या था? अभी क्यों अनुमान लगाया जाय? उसने इसे स्वीकार कर लिया। ओरपेन ने यह बात पक्की कर ली थी। अब केवल स्वयं काम के सम्बन्ध में जानना बाकी रह गया था।

तब स्काट एट्टली को अकस्मात् ऐसा प्रतीत हुआ मानो, आखिरकार, ओरपेन के साथ यहाँ आने का कोई अर्थ है। आरपेन उसे तैयार कर रहा है। किन्तु किसलिए? स्काट ने ओरपेन के प्रश्नों में निहित प्रवृत्तियों को एकत्र करना प्रारम्भ किया। रोना....उसके पिता....स्काट अपने पिता से कब मिला था? आज शाम को? उसके पिता कैसे थे? क्या वे अभी तक मैत्रीपूर्ण थे?... यह एक बेवकूफी-भरा प्रश्न था, एक ऐसा प्रश्न, जिसे स्काट ने केवल कटुतापूर्ण बेचैनी के साथ टाल दिया था। आज रात अपने पिता की भावनाओं का स्पष्टीकरण वह किस प्रकार कर सकता था? ओरपेन ने उस पर विश्वास नहीं किया होता। किन्तु अब, अपनी तीसरी सिगरेट सुलगाते हुए वह आश्चर्य करने लगा। और जब उसने सोचना प्रारम्भ किया, तब उसने महसूस किया कि भय के शीत ने उसकी उत्तेजना को जमाना प्रारम्भ कर दिया था।

द्वार खुला। बिल का भारी, सफेद, अभिव्यक्ति-विहीन चेहरा कमरे में दिखायी पड़ा। वह तुरन्त खड़ा हो गया और अपनी सिगरेट को अपनी एड़ी के नीचे मसलता हुआ, आज्ञाकरिता के साथ उसके पीछे-पीछे चलने लगा। उसकी

समस्त अटकलें, समस्त आशंकाएं, समस्त हिचकिचाहटें समाप्त हो गयीं। वह बिल्कुल शान्त था। उसे कठोर भाग्यवाद की इस भावना में आनन्द तक मिलने लगा। यही बात थी।

यह कमरा भी प्रायः उस कमरे के समान ही छोटा था, जिससे निकल कर स्काट आया था। इसमें भी उतना ही कम फर्नीचर, उतनी ही कम रोशनी थी। खिड़की को भी कस कर ढक दिया गया था। और वह अवश्य ही बन्द रही होगी, क्योंकि हवा गर्म और तम्बाकू के धुएँ से भारी थी। ताश खेलने की एक मेज के चारों ओर चार व्यक्ति बैठे हुए थे, जिनमें से तीन धीरे-धीरे बातें कर रहे थे। वहाँ ओरपेन था, जिसने स्काट की ओर आँख उठा कर देखा तक नहीं, मानो वह उसे अस्वीकार कर रहा था और दो व्यक्ति प्रारम्भिक अधेड़ उम्र के थे, जो ओरपेन के समान ही शान्त प्रकृति के द्योतक कपड़े पहने हुए थे और जो पहचाने नही जाते थे। चौथा व्यक्ति नाटे कद और गठे हुए शरीर का था और वह थोड़ा अलग बैठा हुआ था। वह अपनी सिगरेट को विचित्र ढग से पकड़े हुए था, उसका अँगूठा सबसे ऊपर था। उसका चेहरा बिल्कुल अभिव्यक्ति-हीन था, उसकी आँखों से कोई चीज बच नहीं पाती थी। वह कुछ भी नहीं बोल रहा था, किन्तु कमरे पर उसी का प्रभाव छाया हुआ था।

बिल से एक शीघ्रतापूर्ण संकेत पा कर स्काट एट्टली एक खाली कुर्सी पर बैठ गया। जब वह उस पर बैठा, तब वह चरमराने लगी। वह प्रत्येक गहरी साँस के साथ चरमराती थी। वह संत्रस्त था और वह अपनी साँस को नियंत्रित करने का प्रयास करता हुआ निश्चल होकर बैठा था जिससे कुर्सी के चरमराने की वह मनहूस आवाज बन्द हो जाये। उसे इतना सोचने का समय मिल गया कि यह कितनी उपहासास्पद बात है कि मैं अपने जीवन के एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण कदम का सामना कर रहा हूँ और केवल ढीले जोड़ों वाली एक कुर्सी से चिन्तित हो रहा हूँ।

और तत्पश्चात् बिल ने बात प्रारम्भ की। यह एक पूरी परीक्षा थी। वे उसके सम्बन्ध में प्रत्येक बात जानते थे, किन्तु वे फिर भी प्रश्न पूछते थे। ओरपेन शान्त था, मानो उसका कार्य पहले ही समाप्त हो चुका हो। और जेकोस्लोवाकिया से आया हुआ व्यक्ति कुछ नहीं कह रहा था। ऐसा प्रतीत होता था कि वह परीक्षकों की परीक्षा ले रहा था।

स्काट तुरन्त, बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दे रहा था। इसके लिए वह ओरपेन को धन्यवाद दे सकता था। दूसरे व्यक्ति सन्तुष्ट प्रतीत हुए। कुछ

क्षणों तक मौन, प्रायः एक अव्यक्त समझौता बना रहा।

तत्पश्चात् बिल नामक व्यक्ति ने शांतिपूर्वक कहा, "तुम्हारा काम यह है। तुम 'मार्निंगस्टार', जहाँ तुमने चार वर्षों तक लाभदायक अनुभव प्राप्त किया है, छोड़ दोगे। तुम अपने पिता के पास जाओगे। तुम उनसे कहोगे कि तुमने अपने निर्णय पर पुनर्विचार किया है, कि उनका कहना सही है और तुम गलती पर थे, कि तुम अब "क्लैरियन" में काम चाहते हो।"

स्काट एट्टली अनजाने ही तन गया। कुर्सी मनहूस ढंग से चरमरायी। उसने अपने आपको नियंत्रित किया। उसने अपने आपको बताया कि मैं पहले ही काम को स्वीकार कर चुका हूँ। मैं इसे पहले ही स्वीकार कर चुका हूँ।

"तुम अपने पिता से कहोगे कि तुम विदेशी समाचरों के क्षेत्र में काम करने का अवसर प्रदान किया जाना पसन्द करोगे। इस चुनाव से वे प्रसन्न होगें। आगामी वर्ष के अन्त तक उनका वर्त्तमान विदेशी समाचार-सम्पादक अवकाश ग्रहण करने के लिए तैयार होगा। तुम समझ रहे हो?"

एट्टली ने सिर हिलाया। उसने सोचा कि अब पीछे नहीं हटा जा सकता, पीछे नहीं हटा जा सकता। मैं बहुत गहराई तक फँस गया हूँ, बहुत गहराई तक। उसने निरीक्षण करने वाले चेहरों की ओर देखा। उसने धीरे से कहा, "मैं समझता हूँ। पूर्ण रूप से।"

बिल ने अपने तथ्यात्मक स्वर में कहना जारी रखा, "तुम न्यूयार्क छोड़ दोगे, स्टाण्टन में रहोगे, कठोर परिश्रम करोगे और कुशलतापूर्वक कार्य करोगे, तुम्हारी जो भी पदोन्नति हो, उस प्रत्येक पदोन्नति का औचित्य सिद्ध करोगे। तुम्हें बस इतना ही करना है, इस बीच।"

एट्टली ने पुनः सिर हिलाया। वह कुछ कह नहीं सका। वह स्वयं अपने विचारों को भी नियमित नहीं कर सका।

"तुम अपने समस्त वर्त्तमान राजनीतिक संपर्कों से संबन्ध-विच्छेद कर लोगे।" बिल ने कहा।

"तुम किसी भी प्रकार के राजनीतिक मत नहीं व्यक्त करोगे। क्या इस बात को साफ-साफ समझ लिया गया है?"

कुछ समय तक मौन रहा। "हा," एट्टली ने कहा—"हाँ।"

जेकोस्लोवाकिया से आया हुआ अतिथि आगे की ओर झुका। वह अंग्रेजी में, शुद्ध, बहुत साफ नहीं, किन्तु बलपूर्वक बोला—"क्या कामरेड एट्टली इस काम को नहीं चाहते?"

एट्टली ने स्पष्टतापूर्वक उसका सामना किया। "मैंने कहा है कि मैं इसे करूंगा। मैं इसे करूंगा।" उसने ओरपेन की ओर देखा। ओरपेन को कितने दिनों से मालूम था कि यही उसका काम होगा ? कितने दिनों से ? चार वर्ष पहले से, जब ओरपेन ने उसे 'मार्निंग स्टार' में काम करने के लिए राजी किया था।

"ये हैं तुम्हारे लिए आदेश !" बिल ने कहा—"सीधे-सादे, किन्तु कठिन। हमें तुम्हारे ऊपर भरोसा है। हम इस कार्य को अत्यन्त महत्वपूर्ण समझते हैं। इसे तुरन्त प्रारम्भ कर दो। बरबाद करने के लिए हमारे पास समय नहीं है। अधिक से अधिक इस सप्ताह के अन्त तक तुम हमें सूचित करोगे कि तुम्हारे प्रस्ताव पर तुम्हारे पिता की क्या प्रतिक्रिया हुई।"

पुनः मौन छा गया। अतिथि बोलने के लिए पुनः आगे की ओर झुका। "क्या कामरेड एट्टली को किसी ऐसी कठिनाई का अनुभव होता है, जिसके बारे में हमने न सोचा हो ?"

स्काट एट्टली ने पुनः ओरपेन की ओर देखा। अन्य आँखों ने उसकी आँखों का अनुसरण किया। ओरपेन ताश की मेज के ऊपर के धब्बों का अध्ययन कर रहा था।

"क्यों ?" जेकोस्लोवाकिया से आये हुए व्यक्ति ने पूछा। उसके स्वर में एक कठोरता, एक शुष्कता थी, जिसने एट्टली को विस्मित कर दिया।

वह अचानक बोला, "एक कठिनाई उत्पन्न हो गयी है। मैं आज रात अपने पिता से मिला था। हममें प्रायः झगड़ा हो गया। मैंने रोना के साथ अपनी मँगनी की समाप्ति के संबन्ध में उन्हें जितने भी स्पष्टीकरण देने के प्रयास किया, उन सभी को उन्होंने अस्वीकृत कर दिया।"

तब ओरपेन ने ऊपर की ओर देखा। उसने एट्टली की ओर घूर कर देखा।

"क्या तुम्हारे पिता इस लड़की के मित्र है ?" बिल ने शीघ्रतापूर्वक पूछा।

"भावनात्मक मूर्खता है—कामरेडो। हम अपना समय बरबाद कर रहे हैं।" विदेशी व्यक्ति ने कहा—"हमारे यहाँ ऐसी कमजोरी के लिए कोई स्थान नहीं है, कामरेड एट्टली।"

"कामरेड एट्टली की सद्भावना में सन्देह करने की कोई आवश्यकता नहीं है।" ओरपेन ने अप्रत्याशित ढंग से कहा—"उसने सोचा कि यह लड़की पार्टी के लिए उसके कार्य में उपयोगी सिद्ध होगी। हमने निर्णय किया कि वह हानिकारक सिद्ध होगी। कल रात मैंने उसे इसके सम्बन्ध में परामर्श दिया। उसने

निर्णय को स्वीकार कर लिया। जिस प्रकार उसने हमारे समस्त निर्णयों को स्वीकार किया है। मैं कमजोर व्यक्तियों की नहीं चुना करता, कामरेड पीटर।"

बिल विदेशी व्यक्ति के चेहरे का निरीक्षण कर रहा था। "किन्तु आपने लड़की की उपयोगिता के सम्बन्ध में इतना अच्छा निर्णय नहीं किया।" उसने चिन्तापूर्वक, क्रुद्ध होकर कहा। "बगल के कमरे में प्रतीक्षा करो।" उसने स्काट एट्टली से अचानक कहा।

एट्टली उठा और बेचैनी के साथ दरवाजे की ओर चला गया। वाद-विवाद के प्रारम्भ होने पर उसने उसे धीरे से बन्द कर दिया। जिस प्रकार ओरपेन ने उसकी ओर घूरकर, अविश्वासपूर्वक, प्रायः अभियोग लगाते हुए, निष्ठाहीनता की चुनौती देते हुए देखा था, उसे वह याद कर रहा था। और तत्पश्चात् जब चेक ने उसकी आलोचना की थी, तब उसने उसका बचाव किया था। अथवा क्या ओरपेन ने खुद का बचाव किया था? स्काट एट्टली ने अचानक सोचा कि कोई गुप्त संघर्ष चल रहा है, सत्ता के लिए संघर्ष चल रहा है, एक.....

उसने तेजी से अपने कन्धे के ऊपर से देखा। वहाँ उसे ऐसा प्रतीत हुआ, मानो गलियारे में और अधिक दूरी पर एक द्वार धीरे से बन्द हुआ था। एक क्षण के लिए वह यह सोचता हुआ रुका कि क्या उसे पता लगाना चाहिए। तत्पश्चात् उसने सोचा कि हो सकता है, किसी दूसरे काम के लिए कोई दूसरा उम्मीदवार आया हो, एक दूसरे छोटे कमरे में परीक्षा के लिए एक दूसरा व्यक्ति प्रतीक्षा कर रहा हो। अथवा हो सकता है कि किसी खुली खिड़की से हवा का कोई झोंका आया हो। कुछ भी हो, उसे इस गलियारे में रुके नहीं रहना चाहिए, ऐसा नहीं प्रतीत होना चाहिए कि वह अपने पीछे जिस वाद-विवाद को छोड़ आया है, उसे वह चोरी-चोरी सुन रहा है। उसने कल्पना की कि यदि वह वहाँ चक्कर लगाता हुआ पाया गया, तो चेक कामरेड क्या कहेगा। उसने उस कमरे का दरवाजा खोला, जहाँ उसे प्रतीक्षा करनी थी और वह जल्दी से उसमें घुस गया, उसने अपने पीछे गलियारे की ओर दूसरी बार देखे बिना ही उसका परित्याग कर दिया।

वह पुनः सोच रहा था, सत्ता के लिए संघर्ष.....और तत्पश्चात् उसने हास्यास्पद मूर्खतापूर्ण कहकर उस धारणा का परित्याग कर दिया। ओरपेन अथवा बिल जैसे लोग व्यक्तिगत सत्ता में रुचि नहीं रखते। वे उससे भी बड़ी किसी चीज के लिए प्रयत्नशील थे। व्यक्तिगत राजनीति का चित्र में कोई स्थान ही

नहीं था : उसका स्थान हो ही नहीं सकता। ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार व्यक्तिगत कामनाओं, व्यक्तिगत इच्छाओं का स्थान नहीं हो सकता है। फिर उसने स्वयं अपने बारे में, "क्लैरियन" में इस काम के बारे में सोचना प्रारम्भ कर दिया।

अन्ततः जब द्वार खुला, तब ओरपेन ने कमरे में प्रवेश किया। "बहुत अच्छा," उसने कहा—"तुम जा सकते हो, स्काट। दूसरी बैठक, जिसमें तुम्हें भाग लेना होगा, शुक्रवार को होगी। यहीं। इसी समय। हम लोग अलग-अलग आयेंगे। सावधानी से काम लो, लोगे न ? तब तुम अपने पिता के साथ अपनी बात-चीत के परिणामों के सम्बन्ध में रिपोर्ट दोगे। हम शुभ समाचार सुनने की आशा करते हैं। और तब तुम्हें अन्तिम आदेश दिये जायेंगे।" वह मानो जाने के लिए मुड़ा। फिर भी, द्वार पर उसने पीछे घूम कर एट्टली की ओर देखा। "तुमने रोना मेटफोर्डके प्रति अपने पिता के इस रुख के सम्बन्ध में मुझे क्यों नही बताया ? मैंने तुम्हें अवसर प्रदान किया था।"

"मैंने यह नहीं महसूस किया—" स्काट यकायक रुक गया। उसे कोई स्पष्टीकरण नहीं मिल सका। "मैं नही जानता।" उसने स्पष्टतः, दुख के साथ कहा। और तत्पश्चात् उसने विषय-परिवर्तन के लिए कहा—"शुक्रवार को ? किन्तु क्या आप शुक्रवार को न्यूयार्क में रहेंगे ?" कल रात ओरपेन ने कहा था कि वह गुरुवार को प्रस्थान कर रहा था। विदेश के लिए, स्काट ने अनुमान लगाया। जब कभी ओरपेन विदेश-यात्रा करता है, तब वह बहुत कम बातें बताता है; वह उनकी चर्चा जिस प्रकार अप्रासंगिकरूप से करता है, उससे आप उनके महत्व का मूल्यांकन कर सकते हैं।

"सम्प्रति उसे रद्द कर दिया गया है।" आरपेन का स्वर अभिव्यक्ति-विहीन था। "और एक बात और, मैंने मेटफोर्ड का परित्याग करने के सम्बन्ध में तुम्हें जो आदेश दिये हैं, उन्हें भी रद्द कर दिया गया है।"

"रद्द ?"

ओरपेन ने नवयुवक व्यक्ति के चेहरे का एक क्षण के लिए अध्ययन किया। "तुम एक ऐसे व्यक्ति के समान दिखायी देते हो, जिसकी फाँसी स्थगित कर दी गयी हो," उसने प्रायः वेदनापूर्वक कहा। ओरपेनने सोचा कि यदि उसने मेरे निर्णय को स्वीकार कर लिया होता, तो वह भविष्य में अनेक पीड़ाओं से अपनी रक्षा कर सकता था। कुछ महीनों अथवा एक वर्ष के भीतर—जब उसकी उपयोगिता समाप्त हो जायेगी—लड़की से सम्बन्ध-विच्छेद करने के

बजाय अभी उससे सम्बन्ध-विच्छेद कर लेना अधिक अच्छा होगा। "धीरे से निकल जाओ," उसने अचानक परामर्श दिया। "थेल्मा से बात मत करना।" और वह तुरन्त कमरे से बाहर निकल गया, मानो वह बगल के कमरे में हो रही बैठक से अवश्यकता से अधिक समय तक दूर नहीं रहना चाहता हो।

स्काट एट्टली निवास-स्थान के मुख्य हाल में पहुँचा। वह खाली था। वह धीरे-धीरे मुख्य द्वार की ओर चलने लगा। संगीत, जो विगत कुछ मिनटों से बन्द हो गया था, अब पुनः प्रारम्भ हो रहा था। इस बार थेल्मा का प्रहार ब्राह्म्स पर हो रहा था और वह अपना जोरदार बचाव कर रहा था। स्काट ने अपने पीछे देखा। उसने अनुमान किया कि उसने हाल के एकदम अन्त में पुस्तकालय के निकट एक संक्षिप्त गतिविधि देखी है, किन्तु फिर वह निश्चय नहीं कर सका।

वह हिचकिचाया। उसके मन में सर्वप्रथम यह भावना उत्पन्न हुई कि इसका पता लगाया जाय। किन्तु उसे निवास-स्थान के सामने के भाग से दूर ही रहने का आदेश दिया गया था: थेल्मा से बात मत करना। उसने सामने के विशाल दरवाजे को खोला और तत्पश्चात् उसने रवाना हुए बिना ही उसे बन्द कर दिया। वह उसकी बगल में निश्चल खड़ा रहा; उसकी आँखें हाल के दूसरे सिरे पर थीं। उसने चार्ल्स को पुस्तकालय से बाहर निकलते हुए तथा जल्दी-जल्दी और मौन होकर चलते हुए देखा। उसने अपने पैरों में चप्पलें पहन रखी थीं। और चार्ल्स ने एट्टली को देखा। उसने एक क्षण के लिए अपने आपको देखा, उसने अपने रिक्त सफेद चेहरे की उस मूर्खतापूर्ण अभिव्यक्ति के साथ चौड़े हाल में घूरकर देखा। तत्पश्चात् वह आगे बढ़ा। किन्तु इस बार चार्ल्स लड़खड़ाता हुआ चल रहा था। इस बार चार्ल्स नशे में चूर था।

स्काट तब तक प्रतीक्षा करता रहा, जब तक चार्ल्स अपने शयन-कक्ष की दिशा में जाकर नजरों से ओझल नहीं हो गया। तत्पश्चात् वह सँकरे गलियारे में वापस चला गया, उसके निश्चित कदम चेतावनी दे रहे थे। बिल एक क्षण में ही उसके सामने आ गया।

"यह क्या है?" बिल ने पूछा। उसका बटलर का कोट उसके कंधों पर आधा पड़ा हुआ था।

"चार्ल्स। वह इधर-उधर चक्कर काट रहा है। वह नशे में नहीं है।" वह धीरे से बोला था, किन्तु बिल के पीछे कमरे की शान्ति से एट्टली जान गया कि उसके शब्दों को उन सभी ने सुन लिया है। उसके विरुद्ध भावनात्मक

मूर्खता का आरोप लगाया जा सकता है, किन्तु कोई भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि वह सतर्क नहीं है।

बिल पुनः अपने वास्तविक रूप में आ गया। उसने कमरे के द्वार को शीघ्रतापूर्वक बन्द कर दिया और शीघ्रतापूर्वक हाल की ओर गया। "क्या उसने तुम्हें देखा ?" उसने पूछा और उसके नेत्र संकुचित हो गये।

"सम्भवतः," एट्टली ने कहा—"सम्भवतः उसने हम सभी को देख लिया है।"

बिल बड़बड़ाया। उसने चिन्ता के साथ पीछे कमरे की ओर देखा, मानो वह इस सबके प्रति अतिथि कामरेड की प्रतिक्रियाओं की कल्पना करने का प्रयास कर रहा हो। "अच्छा तो यही है कि तुम तुरन्त चले जाओ," उसने एट्टली से कहा। उसका स्वर आकस्मिक भय के कारण तीक्ष्ण हो गया था। फिर अपने कोट को यथास्थान खींचते हुए वह क्रोधपूर्वक हाल में चहलकदमी करने लगा।

जिस समय एट्टली ने अपने जाने के बाद द्वार को धीरे से बन्द किया, उस समय बिल संगीत-कक्ष में प्रवेश कर रहा था। थेल्मा विस्मित स्वर में कह रही थी—"क्या गड़बड़ी पैदा हो गयी है, मार्टिन ?" और वह जिन सुरों को बजा रही थी, वे कर्णकटु असम्बद्ध सुरों के रूप में परिणत हो गये थे।

अध्याय–१५

"किन्तु मेरा तुमसे मिलना नितान्त आवश्यक है।" स्काट चिन्तित होकर कह रहा था—"रोना, मुझे तुमसे मिलना ही होगा। मुझे तुम्हें कुछ नयी खबरें बतानी हैं। आज सबेरे तुम्हारे आफिस जाने से पहले मैंने तुम्हें तीन बार फोन किया था। रोना...क्या तुम वहां हो ? क्या तुम मेरी बात सुन रही हो ?"

"हाँ।" उसने अपनी डेस्क पर पड़े हुए टेलिफोन की ओर देखा। आफिस में बिना उत्तर दिये ही इसको छोड़ देना असम्भव था। घर पर उसने इसे बजता हुआ छोड़ दिया था। विचित्र बात है कि कल उसने स्काट के टेलिफोन की उत्कट प्रतीक्षा की थी। आज वह उससे बचना चाहती है।

"रोना, हम लोग दोपहर को साथ-साथ भोजन करेंगे। मैं तुमसे कब मिलूं"

"मैं--मैं नहीं सोचती कि इससे कोई बहुत अधिक लाभ होगा।" अब नहीं, कल रात और श्री एट्टली के चिन्तापूर्ण तर्कों को याद करते हुए नहीं। क्या स्काट ने वास्तव में उसके सम्बंध में उस तरह से सोचा है ? "स्काट, इस में कोई लाभ नहीं है। मैं कल रात तुम्हारे पिता से मिली थी।"

"देखो, रोना, उनकी धारणाओं से तुम अपने को चिन्तित मत बनाओ। पिताजी ने अनेक गलत निष्कर्ष निकाले। मैं आज सवेरे, उनके स्टाण्टन के लिए प्रस्थान करने से पूर्व, उनसे मिला था। अब वे अनेक बातों के सम्बन्ध में भिन्न ही प्रकार की धारणाएँ रखने लगे हैं।"

"क्या तुम भी भिन्न प्रकार की धारणाएँ रखने लगे हो ?" उसने कटुतापूर्वक पूछा। "और यदि हाँ, तो किस प्रकार की ?"

"रोना ! परमात्मा के लिए—सुनो, हम लोग अगले महीने विवाह करने जा रहे हैं। यह खबर तुम्हें कैसी लगी ?"

"अगले महीने ?"

"और हम लोग स्टाण्टन में रहने जा रहे है।"

"क्या ?"

स्काट हँसा। "हाँ। अब निवास-स्थान की तलाश और अधिक नहीं करनी पड़ेगी। हम लोग स्टाण्टन में रहने जा रहे हैं और मैं 'क्लैरियन' में काम करने जा रहा हूँ। यह खबर तुम्हें कैसी लगी ?"

उसने इस बार बिल्कुल उत्तर नहीं दिया।

स्काट ने कहा—"मैं साढ़े बारह बजे दफ्तर के नीचे तुम्हारा इन्तजार करूँगा। नमस्कार, प्रिये।" जब उसने लाइन के दूसरे सिरे पर रिसिवर रखा, तब उसकी आवाज सुनायी पड़ी।

"स्काट !" उसने कहा और फिर उसने रिसिवर को धीरे से यथास्थान रख दिया। सर्वप्रथम, वह केवल अपने सामने रखी हुई पुस्तकों की ओर, उसके डेस्क पर लगें रंगीन प्लेटों और चित्रों के ढेर की ओर, आज प्रातःकाल उसने जो थोड़े से 'नोट' लिये थे, उनकी ओर घूर कर देख सकी।

वह सोच रही थी कि यदि स्काट ने रविवार को अथवा कल भी मुझे वह खबर सुना दी होती। तब इसके सम्बन्ध में मेरी भावनाएं कितनी भिन्न होती। मैं उतनी ही उत्तेजित, उतनी ही प्रसन्न होती, जितना वह है। किन्तु अब—मैं कुछ नहीं, बिल्कुल कुछ नहीं महसूस करती हूँ। मैं निश्चल हो गयी हूँ। मुझे बहुत तेजी के साथ इधर-उधर लुढ़काया गया है, मुझे अब दिशा का कोई ज्ञान

नहीं रह गया है, मैं नहीं जानती कि मैं कहाँ हूँ अथवा मैं कहाँ जा रही हूँ। मैं आज अथवा कल स्काट से मिलना नही चाहती। अपने सन्तुलन को पुनः प्राप्त करने के लिए मुझे समय की आवश्यकता है। कल रात उसके पिता की बातों को सुनते समय मेरे मन में जो भावनाएँ उत्पन्न हुई, उन्हें भूल जाने के लिए मुझे समय की आवश्यकता है क्योंकि मै अब भी स्काट से प्रेम करती हूँ। यही मेरी कठिनाई है।

और तब, अपने 'नोटों' को पुनः अपने सामने खींचते हुए तथा अपनी पेंसिल को उठाते हुए, उसने अपने बारे में सोचना बन्द कर दिया। वह स्काट और उसकी खबरों के सम्बन्ध में सोच रही थी। उस में इस प्रकार पूर्ण परिवर्त्तन किस कारण से हो गया? यदि कोई ऐसी बात हो, जिस के सम्बन्ध में वह शपथ-पूर्वक यह कह सकती थी कि वह सच थी, तो वह बात यह थी कि स्काट कभी अपने पिता के पास जाकर यह स्वीकार नही करता कि वह चार वर्षो से गलती पर है। क्या वह उसे इतना कम समझती है. जितना कम वह उसको समझता हुआ प्रतीत होता है?

"व्यस्त है क्या?" कुमारी गट्रमैन ने पूछा—"मैं आपके काम में बाधा नहीं डालती, किन्तु मुझे एक सलाह की आवश्यकता है। आप यहाँ आन्तरिक सजावट-विशेषज्ञ हैं न?" वे प्रसन्नतापूर्वक हँसी। "यह भोजन-कक्ष का प्रश्न है। मैं हल्के हरे रग को पसन्द करती हूँ, किन्तु हूबर्ट, वह हल्के हरे रग को बिल्कुल ही पसन्द नही करता। कौन-सा रंग—" उनकी नजरें रोना के बायें हाथ पर पड़ गयी। "क्यों आपकी अँगूठी? क्या आप उसे हाथ-मुँह धोने के कमरे में छोड़ आयीं? ओह, मेरे!"

"नही वह सुरक्षित है।" रोना ने कहा। उसने आज प्रातःकाल उसे कागज में लपेट कर बाक्स में, पोस्ट द्वारा भेजने के लिए तैयार, रख दिया था। अब वह उसके हैण्डबैग में, दोपहर के भोजन के समय रजिस्ट्री की जाने की प्रतीक्षा में, पड़ी हुई थी।

"क्या कोई गड़बड़ी पैदा हो गयी है?" कुमारी गट्रमैन ने आधी चिन्ता, आधी उत्सुकता के साथ पूछा।

रोना यह कहने का लोभ संवरण नहीं कर सकी, "वह चाहता है कि अगले महीने हम लोगों का विवाह हो जाये।"

"जून?" कुमारी गट्रमैन ने उसकी ओर रिक्त दृष्टि से देखा। "क्यों, इस प्रकार जून में हम दोनों विवाह के लिए चली जायेंगी।" उनका स्वर अत्यन्त

विनम्रतापूर्ण हो गया। "कितना अच्छी बात है!" उन्होंने कहा और वे आफिस से बाहर जाने के लिए मुड़ीं। अब हल्के हरे रंग के भोजन-कक्ष में उनकी तनिक भी रुचि नहीं रह गयी थी। "जून में कब ?" उन्होंने दरवाजे पर से पूछा।

"मैं नहीं जानती।" रोना ने कहा।

"और आपने कुछ भी तैयारी नहीं की है ? क्या यह पुरुषों के योग्य एक कार्य नहीं है ?"

"यह बात तनिक भी नहीं है।" रोना ने कहा और वह लिखने लगी।

कुमारी गट्टमैन ने कन्धे हिलाकर अपनी असहमति प्रकट की। "यह एक बहुत बड़ी दुविधा है!" उन्होंने चेतावनीपूर्वक कहा। किन्तु प्रकटतः उनके परामर्श पर ध्यान नही दिया गया।

कुमारी गट्टमैन भावना-विभोर होकर निजी कार्यलय में लौट आयीं। गलियों में उनकी मुलाकात पाल हैन से हुई, जो अपनी काँख में कुछ पाण्डुलिपियाँ दबाये हुए था। उसने यथापूर्व मुस्करा कर उनका अभिवादन किया।

"क्या आपने नवीनतम समाचार सुना ?" गट्टमैन ने उससे पूछा। "कुमारी मेटफोर्ड जून के प्रारम्भ में विवाह करने जा रही है।"

"सच!" उसने कहा और वीडलर के कार्यालय की ओर अपने रास्ते पर चला गया।

मैंने अकस्मात् यह बात क्यों कह डाली ? कुमारी गट्टमैन दुखी होकर सोचने लगीं। वह मेरी जबान पर इतनी जल्दी आ गयी कि मैं उसे रोक ही नहीं सकी। हाँ, सम्भवतः उसे यह समाचार सुनकर प्रसन्नता हुई; क्योंकि कुछ भी हो, इससे उन गलत अफवाहों का अन्त हो जायेगा। कुमारी गट्टमैन ने अपने को इस विचार से राहत पहुँचायी और वे श्रीमती हरशी को यह बताने चलीं कि स्काट एट्टली कितना आश्चर्यजनक व्यक्ति है। "उसने देखा कि यही एकमात्र मार्ग है।" उन्होंने हठपूर्वक कहा—"किन्तु बेचारी रोना मेटफोर्ड! मैं इस बात को सोचना पसन्द नहीं करूंगी कि मैं किसी व्यक्ति को मुझ से जल्दी विवाह करने के लिए विवश कर रही हूं।"

"हमें रोना मेटफोर्ड के लिए इतना अधिक दुखी होने की आवश्यकता नहीं है।" श्रीमती हरशी ने मुस्कराते हुए कहा—"मैं नहीं सोचती कि उसके साथ विवाह करने के लिए किसी व्यक्ति को बहुत अधिक विवश करने की आवश्यकता होगी।"

कुमारी गट्टमैन ने अपने सुन्दर हाथों की ओर देखा। "हाँ।" फिर उन्होंने धीरे से कहा—"उसके पास सब कुछ है, है न?" तत्पश्चात् उन्होंने आह भरी। "मेरा ख्याल है कि उसके चित्र सभी पत्रों में प्रकाशित होंगे। वह एक सुन्दर दुल्हन होगी।"

"ओह, विवाह के लिए केवल अच्छे रूप-रंग की ही आवश्यकता नहीं होती।" श्रीमती हरशी ने स्वयं अपनी पुत्र-वधू के सम्बन्ध में सोचते हुए उत्साह-पूर्ण ढंग से कहा।

कुमारी गट्टमैन ने उन की ओर तीक्ष्ण दृष्टि से देखा। तत्पश्चात् उन्होंने अपने टाइपराइटर में कागज के दो पन्ने और एक कारबन लगाया और जल्दी-जल्दी टाइप करना प्रारम्भ कर दिया।

"मेरे पास तुम्हारे लिए एक मिली-जुली खबर है।" पाल हैन के आने पर वीडलर ने उससे कहा—"यह तुम्हारे लिए अच्छी और बेचारे क्रावेल के लिए बुरी है। उसकी पत्नी ने अभी मुझे फोन किया था।"

"उसे अस्पताल में ही रहना पड़ेगा?"

"वह कभी उससे बाहर नहीं निकल पायेगा।" वीडलर ने भाव-विभोर होकर अपने डेस्क की ओर घूर कर देखा। क्रावेल उसी की उम्र का था। जब 'ट्रेण्ड' थोड़े-से कर्मचारियों और दो कमरों के साथ प्रारम्भ हुआ था, क्रावेल तभी से उसमें था।...फिर वीडलर शीघ्रतापूर्वक उठा और खिड़की के पास जाकर खड़ा हो गया। "हाँ, ऐसा ही होता है।" उसने कहा। "अब तुम सम्पादक हो। तुम्हारा सहायक कौन व्यक्ति होगा? आफिस का ही कोई आदमी? अथवा हमें किसी नये व्यक्ति को लाना होगा?" उसने पहले ही अपना निजी निश्चय कर लिया था, किन्तु सलाह माँगने का यह उसका अपना ढंग था और ऐसे अवसर भी होते थे, जब वह सलाह को मानता भी था। अब, क्रावेल के सम्बन्ध में सोचते हुए उसने महसूस किया कि सत्ता को केन्द्रित कर देना बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं है। अच्छा होगा कि उसे वितरित कर दिया जाये; तब यदि स्वयं उसे कुछ हो गया, तो 'ट्रेण्ड' बिना किसी बड़े परिवर्त्तन के ही चलता रहेगा। किसी समय वह इस बात पर गर्व करता था कि वही पत्रिका है। किन्तु अब—हाँ, पत्रिका स्वयं एक महत्वपूर्ण वस्तु है। उसकी मृत्यु के बहुत दिनों बाद तक वह जीवित रह सकती है। "क्रावेल को बड़ा कष्ट हुआ।"—उसने अचानक कहा, "वह सदा ही इतने अधिक उत्साह के साथ काम करता था कि हममें से किसी ने भी उसकी इस बीमारी को बहुत अधिक गम्भीर नहीं

समझा। वह इस व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ सम्पादक है।"

"और एक उदार सम्पादक।" पाल हैन ने धीरे से कहा—"मुझे काम के बारे में जो कुछ भी मालूम है, वह उसने ही मुझे सिखाया है।"

"हाँ," वीडलर ने कहा, "हाँ।" वह खिड़की से दूर हट गया। 'काम कैसे चल रहा है?" यह बात पाल हैन का ध्यान क्रावेल से हटाने के लिए कही गयी थी। वीडलर काफी अच्छी तरह से जानता था कि काम किस तरह से चल रहा था और कुछ वर्षों के भीतर हैन क्रावेल के समान ही अच्छा सम्पादक बन जायेगा। स्टाफ का, पत्रिका का निर्माण करने में समय लगता है।

"बिल्कुल।" पाल ने डेस्क पर पाण्डुलिपियों का एक छोटा-सा ढेर रख दिया। "मैंने सोचा कि इसमें आपकी दिलचस्पी होगी।"

वीडलर ने उसकी जाँच करना प्रारम्भ कर दिया, किन्तु उसके विचार अभी तक स्टाफ में किये जानेवाले नये परिवर्त्तनों पर, जो अब आवश्यक हो गये थे, केन्द्रित थे। "हम ब्लैकवर्थ जैसे और व्यक्तियों को नहीं रखना चाहते," उसने कहा। "मेरा ख्याल है कि वे प्रयत्न करते रहेंगे। कमसे कम तुम्हारे कर्नल ने मुझसे यही कहा है।"

पाल को अचानक कल राजर ब्राउनली के साथ वीडलर के दोपहर के भोजन के कार्यक्रम की याद आ गयी। "आपकी कैसे निभी?" उसने पूछा।

"वह एक काफी ठोस व्यक्ति प्रतीत होता है।" वीडलर प्रभावित हो गया था।

"उसे होना ही पड़ता।"

"हाँ, उसने बड़ा ही अच्छा काम किया है।" वीडलर ने पाण्डुलिपि से ऊपर नजर उठायी। "क्या तुम चाहते हो कि मैं इसे पढ़ूं? यह अच्छी तरह से लिखी हुई मालूम पड़ती है। विवादास्पद, किन्तु रोचक विषय।"

"हाँ। बिल्कुल रोचक। बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसा कि ब्राउनली ने कहा है: वे कोशिश करते जाते हैं।"

"ओह?" वीडलर अचानक सतर्क हो गया। उसने पुनः लेखक के नाम की ओर देखा। उसके बारे में कभी नहीं सुना। क्या तुम उसे जानते हो?"

"यह निकोलस ओरपेन का एक दूसरा छद्मनाम है।"

वीडलर ने शीर्षक वाले पृष्ठ की ओर घूर कर देखा। 'इतनी बड़ी निर्लज्जता! क्या तुम्हें विश्वास है?"

"निश्चित रूप से। मैंने ब्राउनली के कार्यालय से इसकी जाँच करवायी।

१९४५ में ओरपेन ने उस छद्मनाम का कई बार प्रयोग किया था। उसने इससे काफी ख्याति प्राप्त की, इतनी कि वास्तव में उसने इसे स्वीकार कर लिया। मेरा ख्याल है कि लेखक होने का गर्व फूट पड़ा और सम्भवतः १९४५ में उसे इस बात का विश्वास था कि प्रत्येक वस्तु उसके मन के अनुकूल चल रही है। किन्तु विगत पाँच वर्षों में उसने इस नाम का उपयोग नहीं किया है।"

"फिर वह अब क्यों इसका प्रयोग कर रहा है?"

"किसको इसकी याद रहती? यदि ओरपेन के सम्बन्ध में ब्राउनली की फाइल का अस्तित्व न होता, तो किसे मालूम पड़ता? केवल यहाँ, वहाँ किसी लम्बी स्मरणशक्ति वाले व्यक्ति को, किसी ऐसे व्यक्ति को, जो सम्भवतः ओरपेन के सम्बन्ध में कुछ भी करने की स्थिति में नहीं होता।"

"किन्तु वह मूर्ख—उसने एक दूसरा नाम क्यों नहीं रख लिया?"

"जान स्मिथ?" हैन मुस्कराया। "अपने प्रिय कामरेडों से कुछ श्रेय प्राप्त करने की इच्छा रखने के लिए उसमें पर्याप्त गर्व है अथवा सम्भवतः वह इस भावना से आनन्दित होता है कि हम मूर्ख हैं और वह बुद्धिमान है। कुछ भी हो, उसने नाम का प्रयोग किया।"

"कितनी बड़ी निर्लज्जता है।" वीडलर ने पुनः कहा।

"उनके पास वह बहुत अधिक परिमाण में है।" पाल ने स्वीकार किया। "वास्तव में उनकी चाल विफल हो गयी। आप जानते हैं, मरें कल तक अर्थात् जब उसे स्पष्टतः मुझको अपनी उपयोगी सूची से निकाल देने का संकेत मिल गया, तब तक वह मुझे पटा रहा था और यह पाण्डुलिपि गत शुक्रवार को आयी। कितनी खराब बात है, है न?"

"तुमने इस छद्म नाम को कैसे पहचाना?"

"मैंने नहीं पहचाना। लेख को पढ़ कर बस मैंने बेचैनी महसूस की। यह एक अत्यन्त विश्वासोत्पादक लेख है। सब कुछ फिलिप्पाइन्स के बारे में। ऐसा प्रतीत होता है कि हुकों का कम्यूनिज़्म के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है। वे ईमानदार देशभक्त कृषि-सुधारक मात्र हैं।"

वीडलर ने पाण्डुलिपि को डेस्क पर पटक दिया। "तुम इसके सम्बन्ध में क्या करने जा रहे हो?"

"मैं इसे प्रकाशित करना चाहूँगा।"

"क्या?"

"हाँ, यह जिस रूप में है, उसी रूप में। और इसके ऊपर मैं यह प्रकाशित

करना चाहूँगा।" पाल ने एक टाइप किया हुआ कागज का पृष्ठ थमाया।

वीडलर ने पढ़ना प्रारम्भ किया। "निम्नलिखित लेख के लेखक वैलेस यार्क हैं। यह निकोलस ओरपेन के छद्म नामों में से एक है। हमने सोचा कि हमारे पाठकों को श्री ओरपेन द्वारा प्रस्तुत किया गया यह कम्यूनिस्ट दृष्टिकोण रोचक प्रतीत होगा। हमने दो अन्य लेखकों से इस विषय पर लेख आमंत्रित किये हैं। उनमें से एक रिपब्लिकन और एक डेमोक्रेट है। वे ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने हाल में ही फिलिप्पाइन्स में कुछ महीने व्यतीत किये हैं और उनके दृष्टिकोण हमारे आगामी दो अंकों में प्रकाशित किये जायेंगे। हम श्री ओरपेन को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने फिलिप्पाइन्स के प्रश्न पर कम्यूनिस्टों की वर्त्तमान नीति से हमारे पाठकों को इतने स्पष्ट रूप से अवगत कराने का हमें यह अवसर प्रदान किया।"

वीडलर ने मुस्कराते हुए ऊपर की ओर देखा। "क्या हम ऐसा प्रकाशित कर सकते हैं?"

"क्यों नहीं? यह सच बात है।"

"किन्तु क्या तुम्हारे पास प्रमाण है? जूरी के बारह व्यक्तियों के समक्ष इसे सिद्ध करने के लिए प्रमाण?"

"प्रमाण भी है।"

"ठीक है!" वीडलर ने हँसना प्रारम्भ किया। "और एक समय मैं सोचता था कि मैं राजनीति को 'ट्रेण्ड' से बाहर ही रख सकता हूँ। एक कला-प्रधान पत्रिका!"

"यह अब भी कला-प्रधान पत्रिका ही है। राजनीति एक कला है, जिसका हम पुनः अनुसंधान कर रहे हैं।"

"मैं आरपेन का लेख पढ़ूँगा," वीडलर ने कहा। "सबसे बड़ी..."

हैने ने सिर हिलाया और चला गया।

जब वह क्रावेल के आफिस में लौटा, तब उसका टेलिफोन बज रहा था। अब उसका आफिस?

वह कल अस्पताल में जाकर क्रावेल को देखेगा। आज रात उसे राजर ब्राउनली से मिलना है। उसने फोन उठाया। "मैं हैन बोल रहा हूँ।" मैं जानता हूँ कि मुझमें क्या गड़बड़ी है, वह सोच रहा था, बहुत अधिक ड्यूटी और काम। में जब से स्वदेश लौटा हूँ, तभी से मैं कमी को पूरा करने के लिए अत्यधिक काम करता रहा हूँ। अब समय आ गया है, जब मुझे एक या दो रात विश्राम करना चाहिए।

"कौन है?" उनने तीक्ष्णता से पूछा। उसने चिड़चिड़ाहट के साथ अपने सामने पड़े हुए कैलेण्डर से अपनी नजरें हटा लीं। मई-जून, पृष्ठ पढ़ लिया गया।....जहन्नुम में जाये जून। "कौन बोल रहा है? मुझे खेद है, मैं आप की बात सुन नहीं सकता।"

"आप तो क्रुद्ध प्रतीत होते हैं", स्त्री की आवाज ने, जो अब अधिक स्पष्टता के साथ आ रही थी, प्रसन्नतापूर्वक कहा। "मैं मेरी हूँ। अब पाल, यह मत कहो कि तुम भूल गये हो।" वह हँसी, मानो कोई छोटा-सा आकर्षक मजाक हो, जो उसके साथ किये जाने की प्रतीक्षा कर रहा हो।

"नहीं," उसने यह याद करने की कोशिश करते हुए कि मेरी कौन है, धीरे से कहा। "मेरी—'शेफ,' पेरिस में काम करने वाली मेरी बार्टलेट, १९४४ की शरत् ऋतु में?....मैं अवश्य ही नहीं भूला हूँ। तुम कैसी हो? बहुत दिन हो गये।"

"मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि बहुत दिन हो गये।" आप उसके स्वर में निद्रित मुस्कराहट सुन सकते थे।

"तुम न्यूयार्क में क्या कर रही हो?"

"इस क्षण कुछ बहुत अधिक नहीं। यदि आपको इस में दिलचस्पी हो, तो मैं दोपहर के भोजन के लिए स्वतंत्र हूँ।"

"देखो," उसने अकस्मात् संशय प्रकट करते हुए कहा, "क्या यह मेरी बार्टलेट है?"

"नहीं। गलत है" वह अब हँस नहीं रही थी। "मैं मेरी फाइन हूँ। क्या आप अभी तक मुझ से क्रुद्ध?"

"नहीं," उसने पहेली बूझते हुए कहा। तत्पश्चात् उसे रोना की पार्टी में मिली लाल बालों वाली लड़की की याद आयी, वह लड़की, जो लोगों को क्रोधित देखना पसन्द करती थी। उसने अपने हाथ की ओर देखा और उसके चेहरे की मुस्कान विलुप्त ही हो गयी।

"और मैंने भी आपके ऊपर क्रुद्ध होना बन्द कर दिया है।" उसने कोमलतापूर्वक कहा।

"यह तो बड़ी अच्छी बात है। आज दोपहर के सम्बन्ध में मुझे खेद है। बस समय नहीं है।"

"ओह। बहुत बुरा है।"

"हाँ। धन्यवाद—"

"मैं कल एक पार्टी दे रही हूँ। मेरा पता है—"

"हाँ, मुझे याद है," उसने बीच में ही बात काटते हुए कहा।

"क्या आपको याद है ?" अब उसका स्वर बर्फ के समान ठंडा हो गया था। "किन्तु क्या आपको पार्टी में आने के लिए भी समय नहीं मिल सकता ?"

"मेरा ख्याल है कि मुझे समय नहीं मिल सकता। मैंने पहले ही—"

"आपको क्या मालूम है, पाल हैन ? मैं यह विश्वास करने लगी हूँ कि आपको कहीं भी जानेका समय नहीं मिल सकता।" उसने टेलिफोन रख दिया।

उसने सोचा कि सुंदर, छोटी-सी लड़की है। उसने टेलिफोन को दूर हटा दिया। फिर उसने सारी बात को हँसी में उड़ा देने का प्रयास किया। किन्तु आज इसे इतनी आसानी के साथ हँसी में नहीं उड़ाया जा सका। "यदि आपको इस में दिलचस्पी हो।" उसकी आवाज ने कहा था। दिलचस्प ? यदि आपकी दिलचस्पी न हो, तो कोई भी वस्तु दिलचस्प नहीं होती। यही कठिनाई है, उसके सम्बन्ध में यही गड़बड़ी है। उसने अपने आप से क्रोधपूर्वक कहा कि तुम अपनी वृद्धावस्था में बहुत अधिक आलोचक बनते जा रहे हो। तुम्हें प्रसन्न करना अत्यन्त कठिन है।

उसने दोपहर के भोजन के समय तक काम पर ध्यान केन्द्रित किया और अन्तिम प्रूफों के एक ढेर को निपटाया। अपना हैट उठाते हुए और गलियारे में से होकर जाते हुए उसने सोचा कि यह सब दिन प्रति दिन का कार्य है, दिन प्रति दिन का कार्य; स्नायुओं को निर्जीव बना देने के लिए ऐसा कार्य कोई नहीं है। वह भोजन करने के लिए कारलो होटल में जायेगा। उसे वहाँ कुछ पुराने मित्र मिलेंगे। टाम एवरिल, हैरी मेयर, चक जोहन्सन। पुराने मित्र... किन्तु टाम अब एक पुस्तक-समीक्षक है, जिस के पास स्कार्सडेल में एक आराम-देह घर और उसी के अनुकूल एक सुन्दर पत्नी है। हैरी मेयर न्यूजर्सी में बस गया है, बिना कुछ शिकायत किये उपनगर-स्थित अपने घर से नगर-स्थित अपने कार्यालय में आता है, बातचीत फूलों और जुड़वां बालकों की ओर खींचकर लाया करता है। चक जोहन्सन आजकल 'मार्निंग स्टार' के क्रीड़ा-सम्पादक के रूप में तीव्रतम गति से चल रहा है। उसका भी विवाह हो गया है। वहाँ यथापूर्व सामान्य मजाक होंगे—अब, पाल को लो, वह एक चुस्त व्यक्ति है, तुम्हारा अविवाहित व्यक्तियों का निवास-स्थान कैसा है, पाल ? हाँ, वे वही पुराने मजाक करेंगे, किन्तु यह विनम्रता का एक रूप मात्र है। वे

कहेंगे कि जब तुम्हारा भाग्य खुलता है, तब तुम्हें मालूम हो जाता है। किन्तु उन में से कोई भी बिलों, अथवा पत्नी की नयी बाल-कटाई अथवा घर में टेलिविजन आने के बाद से बच्चों के सम्बन्ध में स्कूल की रिपोर्ट के बारे में शिकायत करने के विशेषाधिकार का परित्याग नहीं करेगा।

"हलो, श्री हैन।" यह स्वागतकर्त्री (रिसेपशनिस्ट) थी, जो अब पर्याप्त रूप से मृदुभाषिणी हो गयी थी। "लोग कहते हैं कि बाहर बहुत बढ़िया दिन है।" वह अपने समस्त हृदय से मुस्करा पड़ी।

"बहुत अच्छी बात है।"

"अब तो वर्षा बन्द ही हो जानी चाहिए, भले ही हमें उसकी आवश्यकता हो।"

उसने सिर हिलाया और एलिवेटर में प्रविष्ट हो गया। जो ने भी मौसम के सम्बन्ध में शिकायत की। उसे वह कृत्रिम वर्षा सह्य नहीं थी : प्रकृति के कार्य में हस्तक्षेप, कल जमैका में घुड़दौड़ का मैदान कीचड़ से भर गया था।

"दिन बुरा है ?" पाल ने पूछा।

"मेरी तो मिट्टी ही पलीद कर दी। मकान-मालिक को इस सप्ताह किराये के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।" जो ने मुस्कराते हुए कहा—"अनुमान कीजिये कि हमें सभी बुरे दिनों का सामना करना पड़ता है।"

"अनुमान करो कि हमें करना ही पड़ता है।" पाल एलिवेटर से बाहर निकल आया। स्काट एट्टली उसके सामने काफी की दूकान के दरवाजे के सामने खड़ा था। दोनों व्यक्तियों ने एक दूसरे की ओर देखा तथा उन्होंने एक दूसरे को पहचानने का कोई भी संकेत नहीं प्रकट किया। हैन ने अपना हैट खींचा और भीड़ में से होता हुआ घूमने वाले दरवाजे की ओर चला गया। उसे सिगरटों की जरूरत थी, किन्तु वह अखबारों की दूकान पर उन्हें खरीदने के लिए नहीं गया। वह यहाँ इस पंक्ति में सम्मिलित होकर रोना को एलिवेटर से बाहर निकल कर स्काट एट्टली की बांहों में समा जाते हुए नहीं देखने जा रहा था।

जब रोना निचली मंजिल पर पहुँची, तब जो कह रहा था—"अनुमान कीजिये कि मकान-मालिक को इस सप्ताह किराये के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।" वह अपने प्रेमी की तलाश में इतनी अधिक व्यस्त थी कि उसे उससे कोई उत्तर मिलने की आशा नहीं थी। स्काट एट्टली की ओर देखकर जो ने सोचा कि वह रोना के लिए दौड़ता हुआ आया है। वसन्त ऋतु वायु-

मंडल में व्याप्त है, भले ही, वह मौसम में व्याप्त न हो। वे एक अच्छा युगल भी दिखायी देंगे।

"रोना!" स्काट ने उसकी बाँह पकड़ ली, उसे कस कर अपनी बांह में लपेट लिया तथा उसे पाँचवीं एवेन्यू की ओर ले जाने लगा। "हमें खुशियाँ मनानी हैं। शेरी-नीदरलैण्ड के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"

"मैं—" उसने मुक्त होने का प्रयास किया।

"अब, देखो, रोना," उसने अपनी आँखों में गम्भीरता का भाव लाते हुए कहा, "जब मैं तुमसे मिला था, उसके बाद से मुझे अनेक प्रकार की तकलीफों में से गुजरना पड़ा है। किन्तु, अब मैंने सब कुछ ठीक कर लिया है।" वह उत्साहदायक ढंग से मुस्कराया। "हम लोग शेरी—नीदरलैण्ड जा रहे हैं।"

"मुझे भूख नहीं लगी है।" उसने कहा। वह अपने संकल्प को बनाये रखने का प्रयास कर रही थी। किन्तु यह कठिन कार्य था। उसे उससे कभी नहीं मिलना चाहिए। कभी नहीं? फिर कभी नहीं? उसने अपना ओंठ काट लिया तथा अपना मुंह फेर लिया। उसने उसकी बाँह को कस कर पकड़ लिया और उसे पाँचवीं एवेन्यू पर ले जाने लगा।

"अथवा क्या तुम प्लाजा में चलना पसंद करोगी?"उसने पूछा।

"मैं—मैं परवाह नहीं करती। मुझे भूख नहीं लगी है।"

स्काट ने उसकी ओर चिन्तित होकर देखा। "गड़बड़ क्या है, रोना? मुझे खेद है। यदि मैंने तुम्हें आघात पहुँचाया है, तो मुझे अफसोस है। किन्तु अब मैंने सब कुछ ठीक कर लिया है। सब कुछ बिल्कुल ठीक हो गया है।"

"चलो, हम लोग पार्क में चलें।" उसने कहा—"वहाँ हम लोग बात कर सकते हैं।"

"ठीक।" उसने कहा—"हम लोग बात करेंगे। भविष्य के बारे में।" कम से कम वह निश्चित हो गया है। अब यह चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है कि आगे क्या होगा, अब संशय नहीं रह गया, अब प्रतीक्षा नहीं करनी होगी। यह निश्चित हो गया है। भले ही यह उसका चुनाव न रहा हो, किन्तु समस्त हिचकिचाहटों को, समस्त निष्क्रियता को एक ओर रख देने में अत्यधिक सन्तोष था। कल रात कटुता, गर्व के विद्रोह के क्षण उपस्थित हुए थे। किन्तु उसने उस पर विजय प्राप्त कर ली है। यह जानना एक अच्छी बात है कि तुम अपने ऊपर नियंत्रण कर सकते हो।। अब उसे जो कुछ करना था, उसे स्वीकार कर लेने पर उसे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है और रोना उसके पास थी।

"हम लोग बातचीत करेंगें और तत्पश्चात् हम लोग कुछ खायेंगे।" उसने कहा—"यह एक अच्छा विचार है।"

सूरज बाहर निकल आया था, जिसके फलस्वरूप दोपहर को भोजन करने वाला जन-समूह सड़क पर आ गया था। इस वसन्त ऋतु में महिलाओं के हरे वस्त्र प्रथम बार बिल्कुल ठीक-ठीक दिखायी दे रहे थे। पुरुष हल्के रंग के सूट पहने हुए थे। दूकानों के अग्रभाग प्रशंसकों को आमंत्रित कर रहे थे तथा चौड़े जन-संकुल पार्श्व-मार्गों पर लोग फुर्सत के साथ धीरे-धीरे चल रहे थे। टैक्सियाँ और निजी कारें बड़ी-बड़ी हरी और सफेद बसों के आगे निकलने के लिए जनाकीर्ण सड़क के किनारे-किनारे चल रही थी।

उन्होंने कबूतरों को तितर-बितर करते हुए प्लाजा को पार किया। उनके सामने मीलों लंबा पार्क चमकीली हरियाली से ढंका हुआ था। चट्टानदार पहाड़ियां और खेत तथा झीलों और टेढ़े-मेढ़े रास्ते वृक्षों से, जो अब पूर्ण रूप से पल्लवित हो गये थे, आच्छादित थे। नयी घास धरती पर फैल गयी थी। फल, पुष्प और पुष्पित होने वाली झाड़ियाँ सफ़ेद और गुलाबी रंगों की छटा में अपना योग प्रदान कर रही थीं।

"बहुत अधिक लोग हैं!" स्काट ने अचानक रुकते हुए कहा—"इनसे बचने के लिए हमें दो मील तक चलना होगा।" बात सच थी। चिड़ियाघर और झील, दोनों तक जाने वाले मार्ग लोगों से भरे हुए थे। समस्त बेंचें सूरज की रोशनी में थोड़े समय तक विश्राम करने वाले व्यक्तियों से भरी हुई थीं। "हम लोग बग्घी की सवारी करेंगे।" उसने कहा और उसे वापस ५६ वीं सड़क पर खड़े घोड़ों और बग्घियों की पंक्ति की ओर ले गया।

"नहीं।" उसने कहा।

"हाँ।" स्काट ने क्रोधपूर्वक कहा और उसकी बांह को कस कर पकड़ लिया। "बात क्या है? क्या डर रही हो कि मैं तुम्हारे साथ प्रेम करने लगूंगा?"

रोना ने उसे कोई उत्तर नहीं दिया।

बग्घी वाले ने उन्हें आते हुए देख लिया था। घोड़े पर से पहले ही कम्बल हटा दिया गया था और बग्घी का द्वार खोल दिया गया था। घोड़े ने, सतर्कतापूर्वक, चारों ओर देखा, मानो वह उनके वजन का अनुमान लगा रहा हो।

"आप जितनी दूर चाहें, उतनी दूर ले चलूगा। पार्क के चारों ओर बढ़िया सैर कराऊंगा। मैगनोलिया और चेरी के वृक्षों को देखिये। यदि आप

चाहें, तो आपको दस मील तक ले चलूंगा।" बग्घी-चालक की मुस्कान व्यापक और आंशिक रूप से दंत-विहीन थी। वह गोल चेहरे वाला बूढ़ा व्यक्ति था और उसकी नाक की नसें लाल थीं। इस क्षण वह रोमाण्टिक दिखायी देने का प्रयास कर रहा था और उसके इस प्रयास में उसे उसके 'टाप हैट' और बटन-बंद 'टाप कोट' से सहायता मिल रही थी। बग्घी सुन्दर भले ही न रही हो, किन्तु वह साफ थी और हाल में ही उसके पहियों में सफेद रंग लगाया गया था।

"केवल थोड़ी दूर तक।" रोना ने कहा।

गोल चेहरा निराश दिखायी देने लगा। "इसके समान सुन्दर दिन को ?" तत्पश्चात् उसने अपने कंधे हिलाये और अपने मजबूत पैरों को बिल्कुल न चर-मराते हुए वह अपने स्थान पर बैठ गया। फिर भी, थोड़ी दूर की एक सवारी कोई सवारी बिल्कुल न मिलने की अपेक्षा अच्छी थी। उसने अपनी जीभ से टिकोरी मारी और घोड़े ने फुर्सत के साथ चलना प्रारम्भ कर दिया, उसका पालिश किया हुआ साज-सरंजाम खनखना रहा था और उसके चर्बी-युक्त कूल्हे सूरज की रोशनी में चमक रहे थे।

स्काट रोना के चेहरे का निरीक्षण कर रहा था। "मैंने यह नहीं सोचा था कि तुम इस प्रकार मेरी खबर का स्वागत करोगी।" उसने कटुतापूर्वक कहा। किन्तु इससे भी उसकी बगल में बैठी हुई लड़की प्रेरित नहीं हुई। उसने उसकी कमर पकड़कर उसका चुम्बन ले लिया। "ओह," उसने कहा, "ओह, स्काट !"

"संकट क्या है ? मुझे बताओ।"

उसने कहा, "ओह, कल रात पेगी के निवास-स्थान पर तुम क्यों नहीं आये, मुझे घर पहुँचाने के लिए तुम क्यों नहीं आये ?"

उसने अकस्मात् यह अनुभव किया कि उसे चाहे जिस किसी चीज से भी कष्ट पहुँचा हो, वह उसके अनुमान की अपेक्षा अधिक गम्भीर थी और वह उसके चेहरे का निरीक्षण करने लगा। "मैंने कल तुमसे मिलने की कोशिश की," उसने कोमलतापूर्वक कहा—"मैं रात्रिकालीन भोजन के लिए अपने पिता से मिलने से पहले तुम्हारे निवास-स्थान पर गया था, पर तुम घर पर नहीं थी।"

उसने उत्तर नहीं दिया। उसका चेहरा कठोर हो गया। वह सोच रही थी कि वह झूठ क्यों बोलता है ? मेरे प्रति उदार बनने के लिए ? क्योंकि वह अपनी पत्र-पेटी के किनारे स्काट के लिए जो पत्र सुरक्षित रूप से अटका कर आयी थी, वह उस समय भी ज्यों का त्यों पड़ा हुआ था, जब वह कल रात

विलियम एट्टली के साथ घर लौटी थी।

स्काट ने कहा—"मेरे पिता तुमसे क्या-क्या कहते रहे हैं ?" अब वह क्रुद्ध हो गया था।

"उन्हें दोष मत दो। उन्होंने मुझसे अत्यन्त उदारता के साथ, अत्यन्त चिन्तित होकर बात की। किन्तु उनके प्रश्नों से मैंने अचानक स्वयं को उस रूप में देखा, जिस रूप में तुम अवश्य ही मुझको देखते होगे। तुमने अपने पिता से इस प्रकार बात क्यों की, मानो मैंने पहले ही हमारी मँगनी को तोड़ दिया हो ?"

"मैंने ऐसे बात नहीं की ! हे परमात्मा !—कल जब मैं अपने पिता से मिला था, तब मैं चिन्तओं से ग्रस्त था। उन्होंने इसे लक्ष्य किया। वे गलत निष्कर्षों पर पहुँच गये। सम्भवतः मैंने बहुत अधिक स्पष्टता से बात नहीं की तुम देखती हो, मैं कुछ समय से चिन्तित रहा हूँ, इस बात से चिन्तित—हाँ इस बात से चिन्तित कि मैं अपने जीवन के साथ क्या कर रहा हूँ। मैं प्रायः ६ महीनों से कोई समाधान प्राप्त करने का प्रयास करता रहा हूँ। सम्भवतः इससे भी अधिक समय से। फिर, कल, प्रत्येक वस्तु अपनी चरम स्थिति पर पहुँच गयी। कल रात अपने पिता से मिलने के बाद मैंने 'क्लैरियन' में सम्मिलित होने का निर्णय किया।" उसने एक हाथ उसके कन्धों के चारो ओर फैला दिया और उसे कसकर पकड़ लिया। "और सारी बात यही है, प्रिये। जब कोई व्यक्ति स्वयं अपने बारे में चिन्तित हो जाता है, तब वह अच्छा साथी नहीं रह जाता। यदि मैंने अपने पिता को हमारे बारे में गलत धारणाएँ बनाने का अवसर दिया, तो मुझे खेद है।"

अब वह उसके चेहरे का निरीक्षण कर रही थी। "तुम्हारे पिता अपने पत्र में काम करने के तुम्हारे निर्णय के सम्बन्ध में क्या सोचते हैं ?"

"अवश्य ही उन्हें प्रसन्नता हुई है।"

"किन्तु क्या उन्हें आश्चर्य नहीं हुआ ?"

"हाँ—पहले-पहल। किन्तु वे समझते हैं।"

और मैं नहीं समझती, रोना ने दुखपूर्वक सोचा। उसने सामने की टूटी हुई सीट की ओर, एक चौड़ी दरार से अलग होती हुई चमड़े की एक पेबन्द की ओर देखा।

"हम लोग स्टाण्टन में रहेंगे।" स्काट कह रहा था।

उसने उसके स्वाभाविक स्वर को, जो इतना शान्त, इतना आश्वस्त था,

सुना। उसे याद आया कि वह स्टाण्टन से किस प्रकार घृणा करता था; उसने उसकी चुस्ती, उसकी छोटे-नगरों जैसी अहंकार-भावनाओं, उसके पूंजीवादी आडम्बरों और उसके दोहरे प्रतिमानों के सम्बन्ध में घृणापूर्वक बात की थी। उसने तीक्ष्ण दृष्टि से उसकी ओर देखा। किन्तु वह मुस्करा रहा था तथा इतना विश्वासपूर्ण और प्रसन्न दिखायी दे रहा था कि वह कुछ भी नहीं कह सकी।

उसने कहा—"हाँ, हम लोग न्यूयार्क छोड़ देंगे। उससे अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा।" बैठकें....ओरपेन के पास जाना...पाल हैन...हाँ, स्टाण्टन से अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

"सभी समस्याओं का नहीं।" रोना ने कहा।

"तुम्हारे कहने का आशय क्या है ?"

"क्योंकि कहीं कुछ गड़बड़ी है।" उसने अपना सिर झुका लिया। उसने स्वर को और अधिक धीमा कर दिया। "मैं बस समझ नहीं सकती—मैं बस समझ नहीं सकती। तुम जितना ही अधिक स्पष्टीकरण करते हो, मैं उतना ही कम समझती हूँ। तुम कहते हो कि तुम महीनों से चिन्तित रहे हो। मैं भी उसी प्रकार चिन्तित रही हूँ। कोई बात है—ओह, मैं नहीं जानती कि इसका स्पष्टीकरण किस प्रकार किया जाये, मैं यह भी नहीं जानती कि वह कौन-सी वस्तु है, जो मुझ में यह भावना उत्पन्न करती है कि मैं तुम्हारी नहीं हूँ। सम्भवतः इसका कारण यह है कि तुम वास्तव में मेरे बिल्कुल नहीं हो। क्या तुम मेरे हो ?"

उसने उसकी ओर घूर कर देखा, उसका चेहरा पीला हो गया तथा उसके मुंह पर विषाद की रेखाएँ गहरी हो गयीं। "मैं किसका हूँ ?" उसने अंततः पूछा।

उसने अपना सिर हिलाया। "हमने काफी कह दिया है।" उसने अपना पर्स खोला।

"नहीं हमने काफी नहीं कहा है।" स्काट के धीमे स्वर की प्रचण्डता से वह विस्मित हो गयी। उसने ऊपर की ओर देखा और उसकी आँखें स्काट की आँखों से मिल गयीं। "मैं किसका हूँ ?" स्काट ने उसके हाथ को पकड़ते हुए पुनः पूछा।

"स्वयं अपने !" उसने कहा।

अचानक, वह जोर से हँस पड़ा। उसने उसके हाथ को छोड़ दिया।

"क्या मैं कभी कोई ऐसा काम नहीं करता, जिसे मैं नहीं करना चाहता ?" उसने उपहासपूर्वक पूछा ।

रोना ने सोचा, केवल तभी, जब वह तुम्हारे लिए उपयुक्त होता है । किन्तु उसने देखा कि वह इस बात को कह नहीं सकी । उसने अपना सिर झुकाया, अपने पर्स में तलाश कर अंगूठी के बाक्स को पकड़ लिया । उसे उसने अपने हाथ पर रखा और दूसरी ओर देखने लगी । सड़क की बगल के मार्ग पर एक मोटी औरत, जो एक भारी स्वेटर पहने हुए थी, संकल्पपूर्वक साइकिल चला रही थी । उसके पास एक नवयुवक दम्पति वृक्षों के नीचे एक दूसरे को अपनी बांहों में लपेटे हुए बैठे हुए थे । एक दुबला-पतला व्यक्ति उत्तान लेटा हुआ था, उसकी कमीज का गला खुला हुआ था, उसके जूते निकाले हुए थे तथा वह अपने ऊपर सफेद बादलों की ओर निर्निमेष दृष्टि से देख रहा था ।

स्काट ने बाक्स की ओर देखा, जिसे सफाई के साथ परिवेष्टित किया गया था तथा जिस पर निर्णयात्मक ढंग से पता लिखा गया था । फिर उसने उसका बायाँ हाथ पकड़ा और उसके दस्ताने को निकाल दिया । "नहीं", उसने कहा, "नहीं, रोना ! तुम्हें प्राप्त करने के लिए मैंने जो कष्ट उठाये हैं, उन कष्टों के बाद ऐसा मत करो !" उसने बाक्स पर से कागज और रस्सी को अलग कर दिया और उन्हें मोड़ कर एक कड़ी गेंद के रूप में परिणत कर दिया । उसने अपने स्वर को धीमा किया । "मुझे तुम्हारी आवश्वकता है, रोना । मैं तुम्हें चाहता हूँ । तुम इस बात को जानती हो ।"

"अब मैं उस बात को भी नहीं जानती ।" तत्पश्चात् उसने अपने स्वर को ऊँचा किया और ड्राइवर को पुकारा—"हम लोग बहुत दूर तक चले आये हैं । कृपया पीछे लौटिये ।"

लाल चेहरे वाले ड्राइवर ने आश्चर्य-चकित होकर उनकी ओर देखा, किन्तु केवल एक क्षण के लिए । उसने लड़की के गालों पर आँसुओं को तथा नवयुवक के क्रुद्ध सफेद चेहरे को लक्ष्य किया । चेस्टनट के वृक्षों के नीचे रूमानी सैर के लिए वे बिल्कुल ही उपयुक्त व्यक्ति नहीं थे । उसने घोड़े को मोड़ दिया और वह घर की दिशा में तेज कदमों से चलने लगा ।

स्काट एट्टली ने धीरे से कहा, "क्या यह सब पाल हैन के कारण है ? क्या तुम मुझे सच्ची बात बताने का साहस नहीं कर सकती ?"

उसने अपना सिर हिलाया । "मैं तुमसे प्रेम करती हूँ, स्काट ।"

"फिर क्यों—"

"क्योंकि विवाह के लिए केवल प्रेम की ही नही, उससे भी अधिक किसी चीज की आवश्यकता होती है। प्रेम, हाँ। किन्तु अन्य बातें भी होती हैं। उदाहरणार्थ, विश्वास, जिसका दुरुपयोग नहीं किया जाता हो। और निष्ठा, जिसका पूर्ण रूप से प्रतिदान किया जाता हो।"

"जब हैन वापस नहीं लौटा था, तब तुम मेरी आलोचना कभी नहीं करती थी।"

"नही," रोना ने प्रतिवाद किया—"उसके वापस आने से कई सप्ताह पहले मैंने—ओह, पाल हैन के सम्बन्ध में इस बातचीत को बन्द कर दो। तुम मुझे काफी आघात पहुँचा चुके हो।"

"वह तुम्हें नहीं पायेगा।"

'बन्द करो इसे!" वह अब क्रुद्ध हो गयी थी। उसके गालों पर अभी तक आँसू थे, उसकी बड़ी काली आँखें क्रोध के कारण विस्फारित हो गयी थीं, उसके ओठ खुले हुए थे, उसकी त्वचा रंग से ओतप्रोत हो गयी थी। और अपने क्रोध में वह उसे ऐसी प्रतीत हुई कि वह इतनी सुन्दर कभी नहीं थी।

उसने कठोर हो कर कहा, "मैं तुम्हें खोने नहीं जा रहा हूँ। तुम मेरी हो। यदि तुम मेरे हाथ से खो गयी, तो कोई भी व्यक्ति तुम्हें पा नहीं सकता" उसने उसकी बायीं कलाई पकड़ ली और उसकी अंगुली में अंगूठी को वापस पहना दिया। वह वेदना के मारे कराह उठी। उसने उसके हाथ को पकड़े रखा, जिससे वह उसे छुड़ा नहीं सकी।

वृक्षों के नीचे पार्श्व-मार्ग पर एक व्यक्ति अपने जैकेट को अपनी बाँह पर मोड़कर, अपने हैट को हाथ में लिये हुए टहल रहा था और उसकी आँखें ऊपर पत्तियों की ओर थीं। एक औरत एक कुत्ते को, जो एक गिलहरी पर झपटने का प्रयास कर रहा था, कस कर खींच रही थी। दो लड़कियाँ और दो नाविक युगलों मे परिणत हो गये थे। एक लड़का स्केटों पर दौड़ रहा था। एक माँ एक बड़े बच्चे को समतल पहाड़ी पर खींच रही थी। दो बूढे व्यक्ति एक बेंच पर बैठे हुए थे, उनके बीच शतरंज की पटिया बिछी हुई थी, जो सूर्य के छायायुक्त प्रकाश में विभिन्न रंग बदल रही थी।

स्काट ने कहा—"तुम कहती हो कि मैंने तुम्हें आघात पहुंचाया है। अब तुमने मुझे आघात पहुँचाया है। इस मामले में हम दोनों बराबर हो गये। हम लोग आज के दिनको भूल जायेंगे, हम लोग इस विगस सप्ताहान्त को भूल जायेंगे। हम लोग केवल उन दिनों को याद रखेंगे, जब हम सुखपूर्वक रहा करते थे।"

बिल्डिगें निकट आ रही थीं, लम्बे आकार आकाश की ओर इंगित कर रहे थे। वे भूरे, पीले, सफेद और चाँदी के रंग के पत्थरों की बिल्डिगें थीं। कबूतरों का एक समूह दिखायी पड़ा, उनके पंख सूरज की रोशनी में चमक रहे थे। वहां एक ऊंची छत के सिरे पर एक बाज रहता था।

"हम लोग विगत ग्रीष्म ऋतु को याद रखेंगे।" स्काट ने कहा—"हम लोग वहाँ से पुनः प्रारम्भ करेंगे।"

बग्घी जनरल शर्मन के छोटे-से उद्यान का चक्कर लगाती हुई तेजी के साथ पार्क से बाहर निकल आयी। वहां गुलाबी और सफेद रंग के फूलों की सघन पंक्तियाँ थीं। मूर्ति की सीढ़ियों पर गैठे हुए नर-नारी, जिनके चेहरे सूर्य की ओर थे, फूलों के समान ही निश्चल थे। आफिसों और स्टोरों में वापस जाने के लिए तीव्र गति से चलते हुए अन्य व्यक्ति कारों और बसों के निरन्तर प्रवाह के भंग होने की प्रतीक्षा करने के लिए कोनों पर एकत्र हो गये थे।

"मैं आज शाम को तुमसे मिलने के लिए आऊँगा।" स्काट ने कहा—"६ बजे के बाद यथासमय शीघ्रातिशीघ्र। हम लोग वहाँ से प्रारंभ करेंगे।" वह मुस्कराया और उसका चेहरा कोमल हो गया। उसने उसका हाथ छोड़ दिया। गाड़ी रुक गयी थी, ड्राइवर दरवाजा खोलने के लिए नीचे उतर रहा था।

"पाँच डालर हो गये।" बग्घी वाले ने कहा। अब उसकी आँखों से व्यावसायिकता टपक रही थी।

स्काट ने अपना बटुआ बाहर निकाला और नोटों को गिनने लगा। शिकायत करने से कोई लाभ नहीं होगा। ये पुराने शिकारी सभी चालें जानते हैं।

"यह लो!" स्काट ने ठीक-ठीक रकम देते हुए कहा। वह व्यक्ति मुस्कराहट के साथ उसका निरीक्षण कर रहा था। स्काट तेजी से मुड़ा। रोना जा चुकी थी।

"श्रीमान्, आपका हैट!" बग्घी वाले ने कृत्रिम विनम्रता के साथ कहा और हैट को चमड़े की फटी हुई सीट पर से उठा लिया। वह कूल्हों पर हाथ रख कर खड़ा रहा और भीड़ में मार्ग बना कर जाते हुए नवयुवक के सुसज्जित पृष्ठ भाग का निरीक्षण करने लगा। सुन्दर चेहरे मोहरे का नवयुवक भी है। अच्छी नौकरी भी करता है। कौशल के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु की बहुतायत है। "पार्क में एक लड़की को रुला दिया।" उसने घोड़े के मुँह में खाने का थैला बाँधते हुए कहा—"हमारी गाड़ी में ऐसे बर्ताव करने का यह कोई

तरीका नहीं है, है क्या स्नोफ्लेक ?"

तत्पश्चात् वह डैश बोर्ड पर चढ़कर वहाँ बैठ गया, उसने अपनी आँखों को ढंकने के लिए अपने हैट को आगे सरका लिया, पैरों को एक दूसरे के ऊपर रख लिया, जिससे कसे हुए फीते वाले बूटों के ऊपर उनके भूरे रंग के मोजों की सिकुड़न दिखायी देने लगी तथा वह सतर्क नेत्रों से गुजरती हुई भावी सम्भावनाओं को नापने लगा यानी भावी ग्राहकों को देखने लगा।

अध्याय–१६

"बधाइयाँ, कुमारी मेटफोर्ड।"

रोना 'ट्रेण्ड' के स्वागत-कक्ष में से होकर जाती हुई रुक गयी और उसने डेस्क के पीछे मुस्कराती हुई लड़की की ओर प्रश्न-सूचक दृष्टि से देखा।

"मैंने सुना है कि आप जून में विवाह करने जा रही हैं।" और लड़की ने सोचा कि क्या गट्टमैन की नाक क्षत-विक्षत नहीं हो जायेगी। स्नान करने के लिए गुलाबी रंग के हौज और भूरे हरे रंग के पांवपोंश और मोनोग्राम युक्त सूरजमुखी।

तत्पश्चात् फोन की घण्टी बज उठी और सुन्दर स्वागत-कर्त्री कह रही थी—"हाँ, श्री पिल्सबरी। नहीं, श्री पिल्सबरी।" और रोना बचकर गलियारे में चली गयी।

उसके विभाग के अधिकांश व्यक्ति अभी तक मध्याह्न-भोजन के लिए बाहर थे, यद्यपि फिल आरनिम इधर-उधर चक्कर लगा रहा था। वह आकर उसकी डेस्क के किनारे बैठ गया और उनके नये कार्य के संबन्ध में गपशप करने लगा। अंततः उसे एक ऐसा दृष्टिकोण प्राप्त हो गया था, जिसके चारों ओर वह अपने विचारों को एकत्र कर सकता था। रोना का क्या हाल है ?

"मैंने बहुत कम काम किया है।" उसने स्वीकार किया"—मैं देर तक काम करूँगी।" तत्पश्चात् उसे स्काट की याद आगयी। "मुझे आज रात को देर तक काम करना होगा।" उसने पुनः कहा। यह एक समाधान था, किन्तु बहुत साहसपूर्ण समाधान नहीं।

"खूब डटकर भोजन किया ?" आरनिम ने उसुकतापूर्वक पूछा। आफिस लौटते समय उसने रोना और एट्टली को पांचवीं एवेन्यू पर देखा था।

उसने अपना सिर हिलाया।

"मैंने भी ऐसा ही सोचा था। मेरी पत्नी ग्रीष्म ऋतु में जब भोजन का नियमन प्रारम्भ करती है, तब वह जैसा दिखायी देती है, आप भी ठीक वैसी ही दिखायी दे रही हैं। जिस मिनट वह फर-कोट पहनना बंद करती है, उसी मिनट से वह यह कहना प्रारम्भ कर देती है कि वह दोपहर का भोजन करना नहीं चाहती।"

रोना थोड़ी-सी मुस्करायी।

"यह सच बात है।" फिल कहता गया—"मैंने प्रत्येक वर्ष उसका समय निश्चित किया है। बिल्कुल नियमित।"

"ओह, फिल!"

'वह भी है। मैंने इस वसंत ऋतु में कुछ साहस से काम लिया और उससे पूछा कि वह ऐसा क्यों करती है? और क्या आपको मालूम है कि वह मुझसे क्या कहती है? जब वह फर का कोट पहने हुए होती है, तब वह किसी स्टोर की खिड़की में अपनी शक्ल देख सकती है और इस बात का कोई अधिक महत्व नहीं होता कि उसका प्रारंभ कहाँ से होता है और कोट का अन्त कहां होता है। किन्तु जब वह सूट पहनती है और किसी खिड़की के पास से गुजरते हुए अपनी शक्ल को देखती है, तो उसे खतरे की घण्टी ही समझिये। क्या आप उन एकाकी छोटे-छोटे संतरणशील पदार्थों को जानती हैं, जो 'नैरोज' में लहरों के साथ इधर-उधर झूलते रहते हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि वह इसी को सुनती है।" फिल डेस्क पर से उतर गया। "हाँ, इस तरह से तो मैं बनिये का बिल नहीं चुका पाऊँगा। मैं चेरी वृक्षों को बैठकखाने में लाने का कार्य पुनः प्रारम्भ करने जा रहा हूँ और आपको अपने छोटे-छोटे रोमन फव्वारों को चारों ओर फैलाने के लिए छोड़ दूँगा। मौज कीजिये।"

उसने सोचा, किन्तु कम से कम, जब मैं उसे छोड़कर आया, तब वह मुस्करा रही थी, जो उसकी अपेक्षा अधिक अच्छा है, जैसा मैंने उसे देखा था। "रोना, किसी प्रकार के संघर्ष से होकर गुजर रही है।" उसने हैरी जिमसन से, जो अभी-अभी दोपहर का भोजन करके लौटा था, गोपनीय ढंग से कहा। "कौन नहीं गुजर रहा है?" हैरी ने कटुतापूर्वक पूछा। किन्तु, वह अभी-अभी एक अरुचिकर समय से होकर गुजरा था। उसकी रखैल—गत वर्ष वह एक सुन्दर, लजीली, सुनहरे बालोंवाली लड़की थी—अब एक निवास-स्थान चाह रही है, इससे कम कुछ भी नहीं। और जब उसकी पत्नी दिन भर एक घर में

बैठी रहती है, तब वह एक रात्रिकालीन क्लब में काम क्यों करे ?

सूर्य का प्रकाश दक्षिणी खिड़कियों से छनकर आने लगा, कार्यालय एक बार फिर भर गया। गलियारे के पार टाइपराइटरों की खटखटाहट की आवाज, रुकते-रुकते इमला बोलने की धीमी व ऊँची आवाज, पालिश किये गये फर्शों पर जल्दी-जल्दी चलने से जूतों की एड़ियों से उत्पन्न आवाज, आकस्मिक हँसी, टेलिफोन की घंटी, एक तीक्ष्ण वाद-विवाद और हाथ-मुंह धोने के कमरे के दरवाजे के जोर से बन्द किये जाने की आवाज आ रही थी....अपराह्न काल का कार्य प्रारम्भ हो गया था।

पाँच बजे, जब दिन भर के काम को साफ करने के लिए अन्तिम जोरदार प्रयास प्रारम्भ हो रहा था, रोना ने काफी की दूकान को एक सैण्डविच, काफी, सिगरेट और यदि मिल सके, तो एक सांध्यकालीन समाचार-पत्र भेजने के लिए टेलिफोन किया। जब फिल आरनिम नमस्कार करने के लिए आया, तब वह अपने डेस्क पर सुस्ता रही थी और डिलिवरी देने वाला लड़का अभी-अभी भूरे कागज का जो थैला लाया था, उसे खोल रही थी।

"काम काफी अच्छी तरह से चल रहा है।" उसने अपने डेस्क पर फैले हुए नोटों और आकृतियों की ओर इंगित करते हुए उसे बताया—"कल मैं मेट्रोपोलिटन संग्रहालय और फ्रिक पुस्तकालय में कुछ क्षेत्रीय कार्य करने के लिए तैयार हो जाऊंगा। तब तुम, हैरी और मैं एक साथ होकर वास्तव में काम को और आगे बढ़ा सकते हैं।" उसने मोम के साफ कागज के आवेष्टन से सैण्डविच को निकाला और कागज के रूमालों को रेडिएटर कवर पर फैला दिया तथा काफी के तख्ती के बने हुए डिब्बे, लकड़ी के चम्मच और शक्कर की डलियों को फैला दिया। "अचार लोगे ?" उसने कागज के थैले में रखी हुई अंतिम वस्तु उसे प्रदान की।

"इसे कबूतरों को दे दीजिये।" आरनिम ने सुझाव दिया—"हां, मुझे प्रसन्नता है कि प्रत्येक वस्तु नियंत्रण के अंतर्गत आ गयी है। बहुत देर तक काम मत कीजिये।" वह प्रसन्नतापूर्वक मुस्कराया और चला गया।

कार्यालय के फर्श पर शांति व्याप्त होने लगी। थोड़ी-सी इक्की-दुक्की आवाजों—एक अकेले टाइपराइटर, एक छींक, किसी के सीटी बजाने की आवाज, कभी-कभी जल्दी-जल्दी चलने की आवाजों—से रोना को मालूम हुआ कि अन्य व्यक्ति भी देर तक काम कर रहे हैं। वह सैण्डविच को जल्दी से खा गयी; क्योंकि वह भूखी थी, वह कामना करने लगी कि काश उसने दो मंगायी

होतीं और तत्पश्चात् काफी पीते हुए उसने एक सिगरेट जलायी। उसने अख-बार उठा लिया।

'अमरेशिया'-काण्ड-नामक एक मामला पुनः प्रारम्भ होने जा रहा था। उसने सोचा कि यह विचित्र बात है कि जब यह सब कुछ हुआ, तब मैं यहाँ न्यूयार्क में ही थी और मुझे इसके सम्बन्ध में कुछ भी याद नहीं है। इससे मेरे विषय में क्या सिद्ध होता है—मैं स्वयं अपने जीवन के सम्बन्ध में अत्यधिक सोचती रहती हूँ अथवा मैं मूर्ख हूँ? अथवा सम्भवतः ये दोनों बातें एक ही हैं—मैं बाजी लगा कर कहती हूँ कि आज रात को समाचार-पत्र से थोड़ा निराश होने वाली मैं अकेली नहीं हूँ और हम में से अधिकांश कहेंगे—"मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता, अवश्य ही यह सब अतिशयोक्तिपूर्ण है!" और हम लोग समाचारपत्र को एक ओर फेंक कर उसे भूल जाने का प्रयत्न करेंगे।

उसने समाचारपत्र को मोड़कर दूर रख दिया और स्वयं को यह विश्वास दिलाने लगी कि निश्चित रूप से उसकी अपनी समस्याएँ हैं और वह उनके संबंध में चिन्ता भी नहीं कर सकती अन्यथा वह इस काम को कभी पूरा नहीं कर सकेगी। वह उठी और उसने रूमालों, डिब्बे और अचार को भूरी थैली में रखना प्रारंभ कर दिया, वह अपनी गतिविधियों को तीव्र और संकल्पपूर्ण बना कर, कार्य-मग्न महसूस करती हुई तथा और दो घण्टों तक काम का सामना करने के लिए तैयार हो कर स्काट के सम्बन्ध में सोचने से स्वयं को दूर रख रही थी। अब ६ बज रहे थे। उसने अपनी पेंसिलों को नये सिरे से तेज किया, थोड़ा और अधिक कागज निकाला और एक बार फिर डेस्क पर बैठ गयी। उसने पढ़ना और नोट तैयार करना प्रारंभ कर दिया।

गलियारे के पार कदमों की आवाज सुनायी पड़ी और वे मुख्य कार्यालय में प्रविष्ट हुए। तत्पश्चात् आवाज बन्द हो गयी। वातावरण शांत और गहरा होता हुआ प्रतीत हुआ। रोना ने अपने काम पर से नजर उठाते हुए, इच्छा न होते हुए भी सुनते हुए, पुकारा—"हेलो, वहाँ कौन है?"

पाल हैन ने उत्तर दिया—"हेलो, तुम हो!" उसने पत्रिका को, जिसकी ओर उसका ध्यान आकृष्ट हो गया था, पुनः फिल आरनिम के डेस्क पर रख दिया और वह रोना के कमरे की ओर आ गया। वह उतना ही आश्चर्यचकित और परेशान था, जितनी आश्चर्यचकित और परेशान रोना थी। "हेलो," उसने पुनः कहा। उसके हाथ में एक पांडुलिपि थी। "मैं इसे बरनेट के पास छोड़ने के लिए आया था। मेरा विचार है कि यह एक अच्छा लेख है, किन्तु

यह मेरी अपेक्षा तुम्हारे विषय से अधिक सम्बन्धित है। क्या तुम इसे एक नजर देख लोगी ?" तत्पश्चात् उसने उसके डेस्क पर रखी हुई पुस्तकों की ओर देखा। "नहीं, मेरा अनुमान है कि तुमसे कहने के लिए यह गलत समय है।" उसने मुस्कराते हुए पुनः कहा।

"मैं इसे कल देखूँगी," रोना ने कहा। उसने टाइप की हुई कापी ले ली और उसके शीर्षक-पृष्ठ पर नत्थी किये गये साफ-सुथरे स्मरण-पत्र को देखा : "क्या कुमारी मेटफोर्ड कृपा करके इसके तथ्यों की जाँच कर लेंगी ? अनेक धन्यवाद, पी० एच०।" वह भी मुस्करा पड़ी।

वह जाने के लिए मुड़ा। "और हाँ, बधाइयाँ।"

"किस बात के लिए ?"

"जून के लिए। मैंने सुना है कि जून में तुम विवाह करने जा रही हो।"

"ओह !" रोना ने कहा और उसके चेहरे की मुस्कान समाप्त हो गयी। "वह एक दूसरी झूठी अफवाह मात्र है, अब।"

तत्पश्चात् उसने देखा कि उसके बायें हाथ में मँगनी की अँगूठी नहीं थी। वह समझ नहीं पाया कि क्या कहना चाहिए।

टेलिफोन की घण्टी बज उठी। रोना ने अपनी घड़ी की ओर देखा। साढ़े ६ बजे थे। स्काट, यह सम्भवतः स्काट है, जिसने यह जानने के लिए टेलिफोन किया है कि वह अभी तक घर क्यों नहीं पहुँची है।

पाल हैन ने टेलिफोन का उत्तर देने के लिए अपना हाथ बढ़ाया।

"नहीं !" उसने कहा। "नहीं, पाल। कृपया ऐसा मत करो।"

उसने अपने निजी अनुमान लगाते हुए उसकी ओर देखा। उसने अपना सिर उससे दूर हटा लिया और खिड़की के बाहर छतों, झरोखों और पानी की टंकियों की ओर देखने का बहाना करने लगी। फोन की घण्टी का बजना जारी रहा, वह उतनी ही मांगपूर्ण और हठपूर्ण थी, जितना स्वयं स्काट का स्वर। वह सोच रही थी, यह सच है कि स्काट केवल अपना हैं। उसका तरीका एकमात्र उसी के लिए होता है, उसके निर्णय सही निर्णय होते हैं। उसकी एकाग्र-चित्तता में कोई ऐसी वस्तु है, जो प्रायः निर्मम है, भयंकर और निर्ममतापूर्ण। जब वह हिचकिचाता है, जब वह स्वयं अपने साथ तर्क-वितर्क करता हुआ प्रतीत होता है, तब भी उसके मस्तिष्क में इस सम्बन्ध में कोई वास्तविक सन्देह नहीं होता कि वह क्या निर्णय करेगा। वह सोच रही थी कि यह एक विचित्र बात है कि अकस्मात् इस विगत सप्ताहान्त में उन आशंकाओं

का और अधिक दमन नहीं किया जा सका। इन विगत कुछ दिनों के भीतर ऐसी कौन-सी बात हो गयी, जिससे अन्ततोगत्वा मेरी आशंकाओं ने मेरे मस्तिष्क में साकार रूप धारण कर लिया! अथवा क्या यह भयानक चरम परिणित स्काट के लिए एक व्यक्तिगत संकट बना रहा है और मैंने इसे महसूस किया है? ओह, उपहासास्पद, मूर्खतासूर्ण...सम्भवतः मैं मूर्ख हूँ।

उसने फोन की ओर देखा। उसने उसे उठाने के लिए अपना हाथ प्रायः आगे बढ़ा दिया। किन्तु उसने हाथ पीछे खींच लिया।

पाल हैन ने कहा—"जो कोई भी तुम्हें पुकार रहा है, वह तुम्हारे पास पहुँचना चाहता है। क्या तुम्हें निश्चित विश्वास है कि वह चाहे जो कोई भी हो, तुम्हें उसे इस प्रकार टेलिफोन की घण्टी बजाते रहते देना चाहिए?" उसका स्वर अभिव्यक्ति-विहीन था, उसकी आँखें वेदनापूर्ण थीं। उसने सोचा कि वह अभी तक स्काट एट्टली से प्रेम करती है।

"हाँ," उसने दुख के साथ कहा, "हाँ। मुझे निश्चित विश्वास है।" तुम ऐसे व्यक्ति से किस प्रकार विवाह कर सकती हो, जिससे तुम भयभीत हो? टेलिफोन का बजना बन्द हो गया। उसने एक गहरी साँस ली।

"हाँ।" हैन ने अपनी घड़ी की ओर देखते हुए कहा—"अब मैं जाऊँगा। साढ़े सात बजे मुझे किसी व्यक्ति से मिलना है।" उसने पुनः उसकी ओर देखा। "तुम जानती हो, यदि तुम भी साथ आओ, तो तुम्हारे लिए अच्छा ही होगा। मेरा ख्याल है कि तुम्हें भोजन की आवश्यकता है।" यह संध्या किसी कार्यालय में अकेले काम करने के लिए नही थी।

"नहीं। किन्तु धन्यवाद, पाल।"

वह हिचकिचाया।

"तुमसे सच कहती हूँ," उसने साफ-साफ स्पष्टीकरण किया—"तुम्हारे सम्बन्ध में जो गप फैलायी गयी है, उसमें मैं और अधिक वृद्धि करने नहीं जा रही हूँ।"

"तुम्हारा आशय ब्लैकवर्थ, तुमसे और मुझसे सम्बन्धित अफवाह से है?"

उसने सिर हिलाया।

"जहन्नुम में जाये," उसने क्रोधपूर्वक कहा, "क्या तुम केवल एक अफवाह के कारण मुझसे दूर-दूर रहने जा रही हो?"

"क्या तुम मुझसे दूर-दूर नहीं रहते रहे हो?"

"हाँ...." उसने धीरे से कहा, "मेरे पास इसके लिए एक कारण था।

अब मेरे पास वह कारण नहीं रह गया।" उसने टेलिफोन की ओर देखा।

रोना का चेहरा लाल हो गया।

उसने उसकी व्यग्रता को ताड़ लिया और वह कामना करने लगा कि काश उसकी जबान इतनी जल्दी न चली होती। "बहुत अच्छा," उसने कहा—"क्या तुम निश्चित रूप से आज रात मेरे साथ नहीं आओगी ?"

दरवाजे पर वह यह कहने के लिए मुड़ा, "एक बात और। क्या तुमने शाम का समाचार-पत्र पढ़ा ? बुरी बात है, है न ?"

"मैंने बहुत अधिक नहीं पढ़ा। इससे, किसी प्रकार, मुझमें अपराधिनी होने की भावना जागृत हो गयी। हम स्वयं अपने जीवन में इतने अधिक व्यस्त रहते हैं—यह हमारा एकमात्र बहाना है, नहीं है क्या ?"

"हाँ। यद्यपि इस सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति कुछ बहुत अधिक नहीं कर सकता था। उसके बहुत अधिक मित्र नहीं थे, थे क्या ?"

उसने आश्चर्य के साथ पाल की ओर देखा। "वह ?"

"चार्ल्स।"

"चार्ल्स ?"

"हाँ। क्या तुम्हें थेल्मा के पुत्र की याद नहीं है ? वह लाल बालों और पतली आवाज वाला विचित्र ढंग का छोटा-सा आदमी ? यह शाम के अखबार में है। क्या तुमने....? देखो, यह यहाँ है!" वह कार्यालय में वापस लौट आया, उसने अखबार उठाया और पैराग्राफ को ढूंढ़ निकाला।

"क्या ?" उसने आकस्मिक भय के साथ कहा, उसने जो कुछ पढ़ा, उस पर वह मुश्किल से विश्वास कर सकी। "चार्ल्स ने आत्महत्या कर ली ?"

"एक खिड़की से बाहर कूद पड़ा। और उसने पार्श्व-मार्ग पर एक निर्दोष बूढ़े व्यक्ति को घायल कर दिया। यह एक प्रकार की कारुणिक बात है। चार्ल्स ने अन्तिम क्षण तक जो कुछ किया, उसमें उसने घोटाला ही किया।"

उसने अखबार को नीचे रख दिया। "नहीं," उसने कहना जारी रखा, "ओह, नहीं!"

पाल ने रोना को इतना अधिक व्यग्र कभी नहीं देखा था। रोना ने अपनी आँखें बन्द कर लीं।

"क्या तुम उसे जानती थी ?" हैन ने पूछा। "मैंने यह नहीं महसूस किया कि....."

"मैं उससे केवल एक बार मिली थी," उसने जल्दी से कहा,

"रविवार को । और वास्तव में मैंने उस पर विश्वास नहीं किया। बिल्कुल ही नहीं । सम्भवतः मैं सहायता कर सकती थी । सम्भव है—मैं कर सकती थी—" वह कह नहीं पायी । वह अत्यन्त निश्चल होकर बैठी रही ।

"कोई भी व्यक्ति उसको बचा नहीं सकता था । देखो, यह रही अखबार की रिपोर्ट । इसमें चार्ल्स की निन्दा यथासम्भव कमसे कम की गयी है, किन्तु यह देख सकना सरल है कि उसे मद्यप-गृह में भेजा जाने वाला था । और उसने इसका प्रतिरोध किया । उसे ले जाने के लिए जो दो व्यक्ति आये थे, उनके ठीक सामने वह एक खिड़की से बाहर कूद पड़ा ।"

"कौन-से व्यक्ति ?" उसने अपने स्वर को ऊँचा करके तीक्ष्णतापूवंक पूछा । "और वे उसे कहाँ ले जाने वाले थे ?"

"रोना ," उसने चौंककर कहा, "शान्त हो जाओ, शान्त !"

वह जल्दी से उठी । "वह 'लिफाफा, जिसे मैंने तुम्हें दिया था—वह चार्ल्स ने भेजा था ।" वह पहले ही दरवाजे पर पहुँच गयी थी और मुख्य कार्यालय से गलियारे में होकर जल्दी-जल्दी चलती हुई उसके कमरे की ओर जाने लगी ।

पाल जल्दी-जल्दी उसके पीछे-पीछे चलने लगा । उसने तिजोरी खोली और लिफाफा उसको दे दिया । अब वह शांत, शान्त और कृतसंकल्प हो गयी थी ।

उसने कहा, " मुझे यह लिफाफा सोमवार को प्रातः काल मिला था । इसे पढ़ो । इससे स्पष्टीकरण हो जाएगा ।"

उसने पत्र को पढ़ा । "हाँ," उसने पत्र को समाप्त कर लेने पर कहा । वह बड़बड़ा रहा था । उसने जोर-जोर से चार्ल्स के वाक्यों को दुहराया : "किन्तु यदि कुछ हो गया—और मैं सोचता हूँ कि अब इसके होने की सम्भावना है—तो मेरे लिए समस्या का समाधान हो जायेगा । उसी क्षण, जब मैं नैतिक दृष्टि से स्वतन्त्र हो जाऊँगा, किन्तु सम्भवतः शारीरिक दृष्टि से बोलने के लिए स्वतंत्र नहीं होऊँगा, मुझे आपकी सहायता की आवश्यकता होगी ।"

बहुत अधिक विलम्ब हो गया, रोना ने दुखित होकर सोचा । बेचारा... चार्ल्स...मैं कोई सहायता न कर सकी ।

पाल हैन ने कहा, "उसे ऐसा होने का पूर्वाभास मिल गया था—आत्म-हत्या का नहीं, किन्तु किसी दूरस्थ 'विश्राम गृह' में बन्द कर दिये जाने का । यदि उसकी माँ ने उसे स्वीकार कर लिया होता, तो वह बोलने के लिए स्वतन्त्र हो जाता ।"

"किन्तु जब वे उसे दूर ले जाने के लिए आये, तब वह अपने कमरे की

खिड़की से बाहर कूद पड़ा।" रोना नेकहा। तत्पश्चात् पाल के चेहरे का निरीकरते हुए उसने पूछा—"अथवा क्या वह वास्तव में कूद पड़ा ?"

पाल ने धीरे से कहा, "उन्हें उसकी हत्या करने की कोई आवश्यकता नहीं थी : उन्होंने उसे बिल्कुल अधिकार में कर लिया था।"

"एक अर्थ में उन्होंने उसकी हत्या अवश्य की है।"

हैन ने सिर हिलाया। "इस पत्र से स्थिति में बहुत अधिक परिवर्तन हो जाता है। वहां अन्य गवाह कौन थे ? नौकर कहाँ थे ? साफ बात है, मेरा विचार है कि अच्छा होगा कि हम यह पत्र पुलिस को दे दें।"

"सम्बद्ध लिफाफे का क्या होगा? चार्ल्स ने सुझाव दिया था कि उसे वीडलर जैसे किसी व्यक्ति को खोलना चाहिए। उसने पुलिस का सुझाव क्यों नहीं दिया ?" रोना ने अपने हाथ में पड़े हुए लिफाफे की ओर देखा और तत्पश्चात् उसे जल्दी से डेस्क पर गिरा दिया—मानो वह उसकी अंगुलियों को जलानेवाली आग की कोई लपट हो। वह लिफाफे की ओर देखती हुई आधा कदम पीछे हट गयी। "वीडलर वेस्टचेस्टर में घर पर होगा," उसने प्रायः अपने आपसे कहा।

"वह वहाँ भी नहीं है। आज तीसरे पहर वह शिकागो के लिए रवाना हो गया। वह शनिवार को वापस लौटेगा।"

"किन्तु लिफाफे को तत्काल खोला जाना चाहिए। पाल, मैं क्या करूँ ?" उसने लिफाफे की ओर देखा, किन्तु उसने उसका स्पर्श नहीं किया।

"क्या तुम इन सब बातों को गम्भीर समझ रहे हो ?" उसने उससे पूछा।

"एक मृत्यु के बाद—हां !" उसने स्वीकार किया।

"इसे खोला ही जाना चाहिए।" उसने कहा। वह अभी तक लिफाफे की ओर ही देख रही थी। अथवा चार्ल्स की मृत्यु पूर्णतया निरर्थक सिद्ध हो सकती है।

पाल ने धीरे से कहा, "मैं एक व्यक्ति को जानता हूँ। उसे पता होगा कि क्या किया जाना चाहिए।" तत्पश्चात् उसने साफ-साफ उसका सामना किया। "हो सकता है कि उस लिफाफ में कोई महत्वपूर्ण चीज न हो। किन्तु इसे सही हाथों में अवश्य जाना चाहिए, चाहे इसमें कुछ भी हो। तुम सहमत हो ?"

"हां।" और कौन सहायता कर सकेगा ? वह सोचने लगी। जान टाइसन था, स्काट भी सहायता कर सकता था। किन्तु वह उनसे अधिक से अधिक

परामर्श ही प्राप्त कर सकती थी, जिस प्रकार पाल उसे परामर्श दे रहा था। उसे और अधिक परामर्श की आवश्यकता नहीं थी; उसे कार्य चाहिए था। "क्या तुम्हारा मित्र न्यूयार्क में है ?" उसने पूछा।

"हाँ। वास्तव में अभी वह इस बात की प्रतीक्षा कर रहा है कि मैं उसे साथ ले लूँ।" हमने भोजन करने और तत्पश्चात् एक कुश्ती देखने के लिए सेण्ट निक जाने की योजना बनायी थी।"

"क्या तुम उस पर विश्वास करते हो ?"

"हाँ। और वह बहुत-से व्यक्तियों को जानता है। शीघ्र कार्रवाई करने के लिए यह बात महत्वपूर्ण हो सकती है।

"बहुत ठीक !" उसने कहा।

पाल हैन ने टेलिफोन उठाया और 'डायल' घुमाना प्रारम्भ कर दिया। उत्तर के लिए प्रतीक्षा करते समय उसने कहा, "तुम जानती हो, तुम मुझ पर बहुत अधिक विश्वास कर रही हो।"

" तुम्हें इस प्रकार की चीज के बारे में ज्ञान होना चाहिए। आखिर, तुम सैनिक गुप्तचर विभाग में थे, नहीं थे क्या ?"

पाल ने आश्चर्य के साथ उसकी ओर देखा। "तुम्हारे मन में यह धारणा किस प्रकार उत्पन्न हो गयी ?"

"क्यों, तुम लन्दन में अपने काम के संबंध में सदा इतना मौन बने रहते थे कि मैंने सोचा कि यह कोई गोपनीय काम है।"

"ऐसे अनेक गोपनीय कार्य हैं, जो गुप्तचर के कार्य नहीं माने जाते।" उसने कहा। तत्पश्चात् वह टेलिफोन पर बात करने लगा। "राजर ? मैं पाल हूँ। देखो, एक महत्वपूर्ण बात उपस्थित हो गयी है। क्या तुम अभी यहाँ आ सकते हो ?...हां...बहुत अच्छा....तुमसे मिलूँगा।"

रोना ने सोचा कि अब यह सब कुछ मेरे हाथों से निकल गया है। किन्तु क्या मैंने बुद्धिमानी से काम किया ? मैं और कर ही क्या सकती थी ? यह विचित्र बात है कि मैंने इतनी स्पष्टता के साथ स्वीकार कर लिया कि मैं पाल हैन पर विश्वास करती हूँ। आठ वर्ष पूर्व...

पाल कह रहा था, "क्या तुम्हारे कहने का आशय यह है कि तुम वास्तव में यह विश्वास करती हो कि मैं सैनिक गुप्तचर विभाग में था ? मेरा ख्याल है कि यह एक खुशामद से भरी हुई अफवाह है, जो मेरे बारे में फैली है। इसके अतिरिक्त, मैं इससे यह महसूस करता हूँ कि मुझे जितना श्रेय प्राप्त होना चाहिए

उससे अधिक मुझे प्राप्त हो रहा है।" वह परेशान हो गया।

"ओह, मैंने इसके संबंध में बात नहीं की।" उसने जल्दी से कहा, "वास्तव में केवल एक बार—और वह भी तब, जब तुम सेना से निकल चुके थे।"

ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने किसी बात के बारे में सोचा। "अभी हाल में ही?"

उतने थोड़ा मुस्कुराते हुए, हँसते-हँसते पाल की ओर देखा। "रविवार को। मैं स्काट के साथ किसी बात के सम्बन्ध में तर्क-वितर्क कर रही थी और मैंने एक बात को प्रमाणित करने के लिए सैनिक जासूसी की चर्चा की। तुम जानते हो, पाल, तुम कुछ अंशों तक एक जासूस हो।"

पाल सोच रहा था, और सोमवार को औरपेन की कठपुतली, मर्रे ने मेरा परित्याग कर दिया। क्या इन दोनों बातों में कोई सम्बन्ध है? उसने मुस्कराते हुए कहा, "क्या मैं सममुच एक जासूस हूँ?"

अब परेशान होने की उसकी बारी थी। क्या पाल ने अनुमान लगा लिया था कि रविवार को वह उसका बचाव कर रही थी? (स्काट ने हैन को मूर्ख कहा था। "वह इतना अधिक मूर्ख तो नहीं हैं अन्यथा वह सैनिक गुप्तचर विभाग में नहीं होता।" बात कुछ इसी प्रकार हुई थी।)

"तुम्हारे मित्र को यहाँ तक पहुँचने में कितना समय लगेगा?" रोना ने पूछा।

"दस अथवा पन्द्रह मिनट। यह सबसे अधिक आरामदेह कुर्सी है। सिगरेट लोगी?" उसका स्वर अकस्मात् अव्यक्तिगत, यथातथ्य हो गया। उसने सेण्ट निकके अखाड़े के सम्बन्ध में बात प्रारम्भ कर दी, जो एक सुन्दर, सुरक्षित और व्यग्र न करने वाला विषय था, बशर्ते आप वास्तव में कुश्ती में रुचि न रखते हों।

"क्या तुम वहाँ अक्सर जाया करते हो?" उसने पूछा। वह इस बात के लिए कृतज्ञ थी कि वह चार्ल्स अथवा स्काट के विषय में सोचना बन्द कर सकी।

"मैं अच्छे और बुरे के सम्मन्ध में सुन्दर पुरानी अमरीकी किंवदंती के सम्बन्ध में एक लेख लिखने की आशा कर रहा हूँ।"

"वह क्या है?" वह मुस्कराना प्रारम्भ कर रही थी।

"हाँ, सेण्ट निकके अखाड़े में जिस प्रकार की कुश्ती होती है, उस में नायक प्रारम्भ में हारने लगता है। इसी प्रकार तुम्हें मालूम होता है कि वह अच्छा है। इसके अतिरिक्त उसका चेहरा सुन्दर और निर्दोष भी होता है। वह सफाई के साथ लड़ता है— किसी प्रकार की अनुचित युक्ति से काम नहीं लेता।

और जब तक जनता चिल्ला-चिलाकर चेतावनी नहीं देने लगती, तब तक वह बुरे व्यक्ति की समस्त चालों को सहता जाता है। कभी-कभी, जब जनता उसे चेतावनी देती है, तब भी वह सहता जाता है। वह एक अच्छा, सीधा-सादा व्यक्ति होता है और वह यह विश्वास नहीं कर सकता कि मित्रतापूर्वक हाथ मिलाने में पहले से ही सोची गयी कोई दुर्भावना हो सकती है। अतः वह बहुत अधिक दण्ड सहता जाता है। किन्तु वह मैदान नहीं छोड़ता। इस बीच अखाड़े के चारों ओर बुरे व्यक्ति के विरुद्ध शोर-गुल किया जाता है। जनता चिल्ला-चिल्लाकर उसके प्रति अपनी घृणा व्यक्त करती है। वह जितना ही अधिक जीतता है, उस से उतनी ही अधिक घृणा की जाती है। और तब, अन्तिम दो मिनटों में अच्छा नायक अचानक क्रुद्ध हो जाता है और जीतना प्रारम्भ कर देता है। जन-समूह गला फाड़-फाड़ कर हर्ष-ध्वनि करता है और प्रत्येक व्यक्ति प्रसन्न-चित्त होकर घर लौटता है : जीवन भी इसी प्रकार का होना चाहिए, जिस में अच्छे की विजय हो, बुरे की पराजय हो और जनता आदि से अन्त तक इसके सम्बन्ध में ज्ञान रखती रहे।"

"यह एक सुखदायक किम्बदन्ती है।" रोना ने कहा।

"अहानिकर भी, बशर्ते तुम इसे वास्तविकता के साथ न सम्बद्ध करो।"

वह उसके चेहरे का अध्ययन कर रही थी। वह सोच रही थी कि उस में कितना अधिक परिवर्त्तन हो गया है। उसने अचानक कहा, "पाल, तुम सेना में किस प्रकार का काम किया करते थे ? अथवा क्या तुम इसके सम्बन्ध में बात नहीं करना चाहते ?"

"अवश्य। किन्तु कोई व्यक्ति इसके सम्बन्ध में सुनना ही नहीं चाहता है।" वह हँसा। "वे इसे पुराने सैनिकों के सामञ्जस्य की समस्या कहते हैं।" तत्पश्चात् उसने ब्रिटैनी और वहां के प्रतिरोध-आन्दोलन के सम्बन्ध में बात प्रारम्भ कर दी। उसने अन्त में कहा, "जब पराजय-दिवस आया और ब्रिटैनी-निवासियों को पता चला कि नारमैण्डी को चुना गया है, तब वे इस पर विश्वास ही नहीं कर सके। तुम जानती हो, वे सभी इस बात के लिए तैयार थे कि सेनाएं ब्रिटैनी में उतरेंगी। छोटे-से छोटे पादसेतु से लेकर प्रत्येक पुल तक का मानचित्र तैयार कर लिया गया था और एक टुकड़ी उस पर आक्रमण करने तथा उसे मित्र राष्ट्रों के हाथों में सौंप देने के लिए प्रतीक्षा कर रही थी। प्रत्येक चौरोहे, प्रत्येक मार्ग-संगम को अंकित कर लिया गया था। विध्वंस-दलों को सतर्क कर दिया गया था, सिपाही भली भाँति प्रशिक्षित थे, उन्होंने शस्त्रास्त्र एकत्र कर

लिये थे। और तभी यह समाचार आया कि ब्रिटैनी को नहीं बल्कि नारमैण्डी को चुना गया है। नारमैण्डी को, जहाँ के आरामपसन्द किसानों के पास ऐसी कोई पूरी योजना तैयार नहीं थी, जिसे वे कार्यान्वित कर सकें। ब्रिटैनी-निवासी हां, मैंने उन्हें हतोत्साह होते और रोते हुए देखा। वे इसी प्रकार के लोग थे—"

उसने गलियारे में कदमों की आवाज सुनी। वह उठा और दरवाजे तक गया। "इस ओर!" उसने पुकार कर कहा।

रोना घूमी और उसने एक छोटे, पतले, सफेद बालों वाले व्यक्ति को कमरे में प्रवेश करते हुए देखा। उसने सतर्क भूरी आँखों से रोना की ओर देखा। वह किसी भी वस्तु से आश्चर्य-चकित नहीं प्रतीत हुआ। जब पाल ने उसका परिचय कराया, तब वह मुस्कराया और उसने दृढ़तापूर्वक हाथ मिलाया, उसकी मुस्कान आश्वासनदायक थी। उसकी कुछ परेशानी और हिचकिचाहट समाप्त हो गयी।

पाल कह रहा था, "क्यों न यह बताओ कि चार्ल्स से सबसे पहले तुम्हारी मुलाकात किस प्रकार और कब हुई? और उसने तुमसे क्या कहा? हम लोग वहीं से प्रारम्भ करेंगे।" वह आश्वासनदायक ढंक से मुस्कराया।

रोना ने सिर हिलाया। उसने संक्षिप्त रूप से कहानी प्रारम्भ कर दी।

राजर ब्राउनली उतनी ही शान्तिपूर्वक सुनता रहा, जितनी शांति के साथ उसने कमरे में प्रवेश किया था। तत्पश्चात् उसने रोना के नाम चार्ल्स के पत्र को पढ़ा। और उसके बाद आज शाम के अखबार में प्रकाशित समाचार को, जिसे पाल ने उसके सामने रख दिया था। अन्त में उसने डेस्क पर पड़े हुए लिफाफे की ओर देखा।

"मैं चाहती हूँ कि आप इसे खोलें।" रोना ने कहा और किसी न किसी प्रकार अब उसके मन में कोई सन्देह नहीं रह गया था। वह पाल की ओर देखकर मुस्कराती हुई उठ खड़ी हुई। "मैं सोचती हूँ कि मैं अपने कार्यालय में वापस जाऊँगी और अपना कार्य पूरा करूँगी।" उसने कहा, "अब यह सारा मामला मेरे हाथों से बाहर निकल गया है, है न? और आपसे सच बात बताऊँ, मुझे इससे खुशी है।" उसने ब्राउनली के गम्भीर चेहरे की ओर देखा। उसने लिफाफे को खोल डाला था और वह उसकी विषय-वस्तुओं को शीघ्रतापूर्वक देख रहा था। उसकी भौंहें टेढ़ी हो गयी थीं, उसके ओठ बन्द हो गये थे।

उसने अचानक ऊपर देखा। "मेरा ख्याल है कि यह मामला हम सभी लोगों के हाथ से बाहर निकल गया है। स्पष्टतः यह एक ऐसा मामला है, जिस पर संघीय सरकार को विचार करना चाहिए।"

"क्या यह इतना गम्भीर मामला है ?" उसने पाल की ओर घूर कर देखा।

ब्राउनली ने सघन अक्षरों में लिखे कागज के तीन पृष्ठ दिखाये। "यह एक विस्तृत प्रतिवेदन है। यह अत्यन्त गम्भीर है, कुमारी मेटफोर्ड।"

और रोना ने उसके चेहरे को देखकर महसूस किया कि इस सम्बन्ध में कोई प्रश्न नहीं पूछा जाना चाहिए। और यद्यपि वह अभी तक उत्सुक थी, तथापि उसे राहत भी मिल गयी थी : इससे उसकी स्थिति पूर्णतया स्पष्ट हो गयी थी। वह मुहरबन्द लिफाफे की बात को भूल सकती थी।

"क्या आप बताइयेगा कि आप चार्ल्स नामक इस व्यक्ति के संबंध में क्या जानती हैं ?"

"क्या यह महत्वपूर्ण होगा ?"

"हां। इससे उसके पत्र का स्पष्टीकरण हो जायेगा, जिस प्रकार उसके द्वारा सम्बद्ध किये गये प्रतिवेदन से उसका पत्र स्पष्ट हो गया है। आप जानती हैं, आप उसकी ओर से एक गवाह होंगी। उसकी हस्तलिपि एक दूसरा गवाह होगी और उसी प्रकार आपके पास भेजे गये लिफाफे पर लगी हुई डाकखाने की मुहर एक और गवाह होगी। यह व्यक्ति रविवार के दिन नशे में चूर नहीं हो सकता, जैसा कि प्रत्येक व्यक्ति ने सोचा है। वह मदोन्मत्त होने की ऐसी किसी भी स्थिति में नहीं था कि उसे किसी संस्था में भेजे जाने को उचित सिद्ध किया जा सके। वास्तव में वह अपने प्रतिवेदन के प्रारम्भ में ही कहता है कि उसने नशे में चूर होने को एक अत्यन्त लाभदायक बहाना पाया—इससे उसे एक अहानिकर मूर्ख समझा जाने लगा। यहाँ हमारे पास जितने भी प्रमाण हैं, उन सभी से उसकी इस बात की पुष्टि होती है।"

"बेचारा चार्ल्स!" रोना ने धीरे से सहानुभूतिपूर्वक कहा।

"आखिर, अन्त में उसी की बात मानी जा सकती है।" पाल ने उसे याद दिलायी।

"क्या रात को इस फोन द्वारा बाहर से प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है ?" ब्राउनली ने जानना चाहा। जब पाल ने स्वीकृति में सिर हिलाया, तब उसने डायल घुमाना प्रारम्भ कर दिया। "हमें आज शाम की योजनाओं को रद्द कर देना होगा। और मेरा विचार है कि यदि कुमारी मेटफोर्ड हम लोगों के साथ चलें, तो अधिक अच्छा होगा।"

उसने यह नहीं बताया कि कहाँ चलना होगा, किन्तु रोना ने अपना अनुमान लगा लिया। यदि उसके बयान से कुछ वास्तविक सहायता मिल सकी, तो

वह बयान देगी। उसने सोचा कि यह सड़क पर हुई किसी दुर्घटना को देखने के समान था। यदि यह बीमा का अथवा घेरे के टूटने का कोई मामला हुआ, तो अधिकांश राही किसी संकट से बचने के लिए चलते बनते हैं। पुलिस-अदालत के किसी मामले में कौन फंसना चाहता है ? किन्तु यदि किसी व्यक्ति को चोट लगी हो, तो लोग उसे खींचकर कार से मुक्त करने के लिए रुक जाते हैं। वे उस समय अदालत में गवाह बनने की तरद्दुद से बचने की बात नहीं सोचते। "मैं अपने कार्यालय में आपकी प्रतीक्षा करूँगी।" उसने कहा।

वह धीरे-धीरे गलियारे में से होकर जाने लगी। उसका सिर झुका हुआ था, उसके चेहरे पर चिन्ता व्याप्त थी। वह अभी तक चार्ल्स के सम्बन्ध में सोच रही थी।

उसकी मुलाकात हाथ-मुँह धोने के कमरे की ओर तेजी के साथ जाती हुई श्रीमती हरशी से हो गयी। "जिस दिन, रात को मैं बच्चे की देख-रेख करने का वायदा करती हूँ, उसी दिन मुझे देर तक रुक जाना पड़ता है।" श्रीमती हरशी ने साँस रोके बिना, जल्दी-जल्दी मुस्कराते हुए और तेज गति से बोलते हुए कहा। उनके सफेद घुघराले बाल उत्तेजना से हिल रहे थे।

"आपका पोता कैसा है ?" रोना ने याद करके पूछा।

"बहुत अच्छा, बस बहुत अच्छा!" श्रीमती हरशी ने पीछे मुड़कर उत्तर दिया, "अगले महीने तीन वर्ष का हो जायेगा।" श्रीमती हरशी ने सोचा, हे भगवान्, यह उस लड़की के समान नहीं दिखायी दे रही है, जिसका जून में विवाह होने जा रहा हो। "ओह, बधाइयाँ ! मैं तो प्रायः भूल ही गयी थी !" वे मुस्करायीं और जल्दी-जल्दी हाथ-मुँह धोने के कमरे में चली गयीं।

बधाइयाँ.....एक दूरस्थ कमरे में आधे मन से खटखटाते हुए एक अकेले टाइपराइटर ने उपहासपूर्वक प्रतिध्वनित किया। बधाइयाँ.....

राजर ब्राउनली ने टेलिफोन करना बन्द किया और कुर्सी में घूमकर पाल के सामने बैठ गया। "सब कुछ तै हो गया।" उसने पर्याप्त सन्तोष के साथ कहा, "मैं जिस व्यक्ति को चाहता था, वह मिल गया। यथासंभव अधिक से अधिक ऊपर पहुँचने-जैसी कोई बात नहीं है। वह एक भोज-समारोह में जाने के लिए तैयार हो रहा था। किन्तु हमें उसे देर तक रोक रखने की आवश्यकता नहीं है। हमें केवल इतना करना है कि हम उसे बता दें कि हम चार्ल्स के संबन्ध में क्या जानते हैं और उसका पत्र तथा वक्तव्य दे दें।"

"हमें आपका आदमी कहाँ मिलेगा ?"

"उसके घर पर, समय बचाने के लिए। आठ बजे। उस समय तक वह एक स्टेनोग्राफर और अपने दो एजेण्टों को एकत्र कर चुका होगा।"

"अधिक अच्छा होता कि चार्ल्स का प्रतिवेदन ही पर्याप्त होता!" हैन ने कहा। वह उन व्यक्तियों के सम्बन्ध में सोच रहा था, जिनकी सांध्य-कालीन योजनाओं में अब परिवर्त्तन हो रहा था। इस बात पर विश्वास करना कठिन था कि चार्ल्स कोई महत्त्वपूर्ण सामग्री प्रदान कर सकता था। वह पियानो में गिरे बिना पियानो की तिपाई पर भी खड़ा नहीं हो सकता था, वह एक बूढ़े व्यक्ति को घायल किये बिना खिड़की से बाहर भी नहीं कूद सका। उसने जो कुछ किया, उसी को चौपट कर दिया।

"तुम स्वयं भी देख लो," ब्राउनली ने डेस्क पर रखे हुए कागज के पन्नों की ओर संकेत करते हुए कहा, "तुम्हें मजा आयेगा। मित्र ओरपेन का नाम शेष सभी व्यक्तियों के नामों से पहले है।" और तब, जब हैन अभी तक हिचकिचा रहा था, उसने पुनः कहा, "तुम्हें इस सामग्री को देखना ही होगा, पाल। आज शाम को हम जब इसे सौंपेंगे, तब तुममें इसकी पुष्टि करने की योग्यता होनी चाहिए।"

पाल ने सिर हिलाया। वह डेस्क पर बैठ गया और उसने पढ़ना प्रारम्भ कर दिया।

चार्ल्स ने अपने वक्तव्य के पैराग्राफों की संख्या लिख दी थी तथा वक्तव्य साफ-सुथरे एवं सघन अक्षरों में लिखा हुआ था। जिस प्रकार उसने वाक्यों के बदले छोटे-छोटे वाक्यांशों का प्रयोग किया था तथा बीच-बीच में डैशों का प्रयोग किया था, उसमें गति के लक्षण थे। किन्तु उसके शब्द स्पष्ट और ठीक-ठीक थे और जहाँ उसने स्वयं अपने सम्बन्ध में लिखा था—मानो अपने उद्देश्यों का स्पष्टीकरण करने तथा अपनी ईमानदारी को प्रमाणित करने के लिए—वहाँ बहुत-सी बातों को बिना लिखे गये ही समझा जा सकता था। लिफाफे में जो सूचना थी, वह निश्चित रूप से विस्मयकारी थी, सम्भवतः मूल्यवान भी। किन्तु सघन अक्षरों में लिखे गये तीन पृष्ठों का पढ़ना समाप्त करने पर हैन को पता चला कि उसकी रुचि केवल तथ्यों में नहीं थी। बहुत अधिक विचित्र बात यह थी कि उसके ध्यान को आकृष्ट करने वाला स्वयं चार्ल्स था।

पाल ने वह वक्तव्य ब्राउनली को दे दिया। फिर वह प्रत्यक्षतः खिड़की के बाहर देखता हुआ अपनी कुर्सी में पीछे की ओर झुक गया। किन्तु ईंट और कंकरीट की दीवारों पर पड़ने वाली सूरज की पीली रोशनी उसके मस्तिष्क में

केवल एक अस्पष्ट चित्र का निर्माण कर रही थी, जो चार्ल्स के आतंक, उसके अनिश्चय और दुर्बलता तथा आश्चर्यजनक साहस के स्पष्ट चित्र की पृष्ठभूमि थी।

चार्ल्स ने जो कुछ लिखा था, उससे स्पष्ट था कि वह अभी तक यथाशक्ति थेल्मा की रक्षा करने का प्रयत्न कर रहा था। वह सदा ही एक के बाद एक दूसरी मन की मौज को ग्रहण करने वाली महिला बनी रही। पन्द्रह वर्ष पूर्व उसके पिता की मृत्यु के बाद चार्ल्स थेल्मा के मन की मौजों का शिकार बनने का अभ्यस्त हो गया था। वह अपने निवास-स्थान को विचित्र ढंग के परिचितों से भरा हुआ देखने का, अपना कोई निजी वास्तविक मित्र न देखने का अभ्यस्त हो गया था।

६ वर्ष पूर्व, थेल्मा को अकस्मात् राजनीति और सामाजिक महत्व का पता चला। तब चार्ल्स, जो उस समय उन्नीस वर्ष का था, मन के इस बहाव के भी गुजर जाने की प्रतीक्षा करने लगा। इसके बजाय, थेल्मा की रुचि गहरी होती गयी। अब उसके निवास-स्थान पर जो लोग आते थे वे अत्यधिक प्रशंसा करने वाले और सम्मान प्रकट करने वाले होते थे। उसने अपने जीवन में प्रथम बार अनुभव किया कि उसे न केवल स्वीकार किया जाता है, अपितु उससे सम्पर्क की कामना भी की जाती है। चार्ल्स ने उसे यह विश्वास दिलाने का प्रयत्न किया कि नये मित्र—जो सभी कम्यूनिस्ट और उनके हमराही थे—केवल उसके धन तथा एक सम्मानजनक बिल्डिंग में उसके विशाल निवास-स्थान के कारण उसे उपयोगी समझ रहे थे। थेल्मा ने नहीं सुना। इसके बजाय वह पार्टी की सदस्या तथा निकोलस ओरपेन की घनिष्ठ मित्र बन गयी। उसी समय चार्ल्स ने अत्यधिक शराब पीना, अप्रत्याशित रूप से न्यूयार्क के लिए प्रस्थान करना तथा देश के ऐसे भागों में, जहाँ वह अपरिचित होता था, अपरिचित व्यक्तियों के मध्य कई-कई सप्ताह और कई-कई महीने व्यतीत करना प्रारम्भ कर दिया था।

और तब लगभग तीन वर्ष पूर्व जब चार्ल्स इस प्रकार की एक अप्रत्याशित यात्रा से लौटा तब उसने देखा कि एक नये बटलर—मार्टिन—को निवास-स्थान का पूर्ण नियंत्रण प्रदान कर दिया गया है। उसे इस बात का ज्ञान हो गया कि उसके घर में कोई गम्भीर महत्व की बात, निकोलस ओरपेन द्वारा संगठित हो रही है। अब, चार्ल्स ने पुनः शराब पीना नहीं प्रारम्भ किया। वह होश में बना रहता, वह बहाना करता कि वह नशे में इतना अधिक चूर है कि वह किसी भी चीज को स्पष्ट नहीं देख सकता है और वह अपनी दोनों आँखों

और कानों को पूर्ण रूप से खुला रखता। वह यह नहीं सोचता कि वह जासूसी कर रहा है, उसके घर पर आने वाले अनेक अतिथि आक्रमणकारी थे। उसका उद्देश्य केवल इतना अधिक प्रमाण एकत्र कर लेना था कि जिससे वह थेल्मा के समक्ष यह प्रमाणित कर सके कि वह जितना महसूस करती है, उससे बहुत अधिक खतरा वह मोल ले रही है।

चार्ल्स को धीरे-धीरे सतर्कतापूर्वक चलना पड़ा। उसे जो सूचना चाहिए थी, उसे एकत्र करने में उसे प्रायः दो वर्ष लग गये। और तत्पश्चात् इसकी विवशताओं ने उसे अकस्मात् भयभीत बना दिया। यद्यपि थेल्मा के निवास-स्थान पर किये जाने वाले मुख्य कार्य में उसका कोई महत्वपूर्ण भाग नहीं था, तथापि उसे इतनी सरलतापूर्वक मुक्त नहीं किया जा सकता है, जैसी उसने एक समय आशा की थी। विगत छः महीनों से चार्ल्स संदेह और हिचकिचाहट में गोते लगा रहा था। उसने पुनः एकाकी यात्राओं पर दूर जाना भी प्रारम्भ कर दिया था। वह जानता था कि क्या किया जाना चाहिए, किन्तु वह उसे करने के लिए तत्पर नहीं हो सका। हाल में, थेल्मा ने उसके विरुद्ध होना प्रारम्भ कर दिया। वह ओरपेन की बातों को अधिकाधिक सुन रही थी। उसे खुले संकेत और धमकियाँ दी गयी थीं; वह एक निकम्मा शराबी है; उसे चिकित्सा के लिए दूर भेजना होगा। एक सप्ताह तक सोच-विचार करने के बाद रविवार को चार्ल्स ने अपना प्रथम विद्रोह किया।

पाल हैन ने सोचा कि उसने यह विद्रोह सम्भवतः इसलिए किया कि थेल्मा को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया जा सके। यदि उसने ओरपेन के समक्ष उसका बलिदान कर दिया, तो उसके प्रति वफादारी की उसकी समस्त भावना समाप्त हो जाती। तब वह स्वतंत्र हो जाता।

"अस्तु," ब्राउनली ने उस विचित्र प्रलेख से, जिसे चार्ल्स ने अपनी अन्तिम वसीयत के रूप में छोड़ा था, दृष्टि ऊपर उठाते हुए कहा—"इस सब से एक गन्दे चित्र का निर्माण होता हैं, किन्तु कतिपय बहुत अच्छे संकेत देने के लिए इसमें काफी बातें हैं। कुछ महीनों तक सतर्कतापूर्वक जांच करने के बाद कामरेड ओरपेन का पाटिया बिल्कुल साफ हो जायेगा। किन्तु इस व्यक्ति ने अपनी सूचना प्रदान करने में इतना अधिक समय क्यों लगा दिया?"

"थेल्मा के कारण।"

"किन्तु उसने जितने ही अधिक समय तक प्रतीक्षा की, उसकी माँ उतना ही अधिक फँसती गयी। क्या उसने इस बात को नहीं देखा?" ब्राउनली ने

अपने सामने पड़े हुए कागज के पृष्ठों की ओर देखा। उसने कहा—"कुछ व्यक्ति ऐसा सोचते हुए प्रतीत होते हैं कि देश-भक्ति कोई ऐसी वस्तु है, जिसे केवल युद्ध-काल में प्रकट किया जाता है और उसकी सफाई की जाती है। क्या वे इस बात को महसूस नहीं करते कि शान्ति-काल में भी उनके ऊपर कतिपय स्पष्ट उत्तरदायित्व होते हैं ?"

"चार्ल्स ने अन्त में देशभक्ति का कुछ परिचय अवश्य दिया।"

"यदि उसने यह परिचय पहले दिया होता तो आज वह जीवित होता। और उसकी माँ अब एक नारकीय जाल में फँस गयी है। क्योंकि उसकी मृत्यु की जाँच भी करनी ही होगी। वह एक दोहरे प्रवाह में फँस गयी है।"

वे दोनों मौन हो गये।

राजर ब्राउनली ने पृष्ठों को पुनः लिफाफे में रखना प्रारम्भ कर दिया। अन्त में उसने कहा, "कुछ भी हो, मैं चार्ल्स के प्रति कृतज्ञ हूँ कि उसने यह लिखने का साहस प्रकट किया। यह बात स्पष्ट हो गयी है कि ओरपेन इस 'सेल' का नेता है। तीन वर्ष पूर्व मार्टिन एक बटलर के रूप में उसके द्वारा निवास-स्थान पर नियुक्त किया गया। नौकरों के क्वार्टरों में होने वाली छोटी गुप्त बैठकों में वे दोनों सदा उपस्थित रहा करते थे। तुम एक विचित्र बात को लक्ष्य करोगे—बैठकें सदा कतिपय विशेष रातों को हुआ करती थीं। क्या इसका अर्थ यह है कि ओरपेन इस समय ड्यूटी पर होने वाले किसी विशेष एलिवेटर-आपरेटर पर भरोसा कर सकता था ? हाँ, इस सम्बन्ध में काफी जाँच-पड़ताल करने की आवश्यता है।"

तत्पश्चात् ब्राउनली भी मौन हो गया और वह उन विदेशी अतिथियों के सम्बन्ध में सोचने लगा, जिन की समय-समय पर गुप्त बैठकों में उपस्थिति का रेकार्ड चार्ल्स द्वारा सतर्कतापूर्वक तैयार किया गया था। विदेशों से विचित्र-विचित्र अतिथि भी आये थे, जो वास्तव में मार्टिन के पुराने मित्र होने के बहाने निवास-स्थान पर कुछ दिनों तक ठहरे थे। वे दिन भर छिपे रहते थे और केवल रात को बाहर निकलते थे। मार्टिन उन्हें खाना पहुँचाता और अन्य नौकरों को छुट्टी, (सवेतन छुट्टी) जिस से वे कोई प्रश्न न पूछें, दे दी जाती थी। चार्ल्स ने उनके आगमन की तारीखों को लिखने, उनके पार्टी-नामों को सुनने तथा उनकी राष्ट्रीयता का पता लगाने का प्रयास करने में उल्लेखनीय प्रतिभा का परिचय दिया था। उसने विदेशी अतिथियों को इतना अधिक महत्व देकर ठीक ही काम किया था।

"हाँ," ब्राउनली ने कहा, "कतिपय मामलों में चार्ल्स बिल्कुल ही मूर्ख नहीं था।"

"उसमें साहस भी बहुत अधिक था।" हैन ने कहा—"अवश्य ही उसने कतिपय भयंकर खतरे मोल लिये होंगे। क्या वह वास्तव में बैठकों वाले कमरे की बगल में स्थित उस बाक्स-रूम से सुना करता था?"

"उस बात को सिद्ध किया जा सकता है। यदि बाक्स-रूम की दीवार में कोई छेद मिल जाये और जिसे कपड़े रखने के ट्रंक के पीछे छिपाकर रखा गया हो, तो चार्ल्स सच बोल रहा है। किन्तु उसने संघीय खुफिया विभाग से सम्पर्क क्यों नहीं स्थापित किया? हे भगवान्, जरा सोचो तो कि उसने अभी तक कितनी सामग्री एकत्र कर ली होती?"

"वह जितना कर सकता था, उतना उसने किया।" हैन ने कहा—"उसका पालन-पोषण ठीक इस प्रकार से नहीं हुआ कि वह एक निर्णायक चरित्र बन सकता। थेल्मा का उसके ऊपर अत्यधिक प्रभाव था। वह इस बात को स्वीकार करता है। इस बात को इतनी स्पष्टतापूर्वक स्वीकार करने के लिए उसे अवश्य ही कुछ मूल्य चुकाना पड़ा होगा।"

ब्राउनली ने सिर हिलाया। "यदि मैं कठोर प्रतीत होता हूँ, तो इसका कारण यह है कि मुझे एक बरबाद शिक्षा को, एक बरबाद जीवन को देखकर घृणा होती है। ईश्वर जानता है कि ऐसे बहुत-से व्यक्ति हैं, जिन्हें चार्ल्स की अपेक्षा बहुत कम धन अथवा सुअवसर उपलब्ध हुए और वे उसकी अपेक्षा अधिक अच्छे प्रमाणित हुए हैं। वह बाल की खाल निकालने वाला एक दूसरा व्यक्ति मात्र था। मेरा ख्याल है, तुम कह सकते हो कि नरक के मार्ग में अनिश्चय होता है।" ब्राउनली ने उस पर सोचा और फिर वह मुस्करा पड़ा। "यदि हैमलेट किसी कृषक का पुत्र होता, तो क्या तुम सोचते हो कि उसने हिचकिचाने में इतना अधिक समय व्यतीत किया होता?"

"चाहे कुछ भी हो, कृषक-पुत्र एक लाभ के साथ प्रारम्भ करता है—वह किसी कृषि-यन्त्र को एक फावड़ा नहीं कहता।"

ब्राउनली की मुस्कान व्यापक हो गयी। वह अपनी घड़ी की ओर देखता हुआ उठा और बोला, "पांच मिनट और। सड़क पर प्र ीक्षा करने की अपेक्षा हमारा यहाँ प्रतीक्षा करना अधिक अच्छा है। हमें अधिक दूर नहीं जाना है। केवल पूर्वी ५७ वीं स्ट्रीट तक।" उसने एक सिगरेट जलायी और खिड़की पर चला गया।

"आप जानते हैं," पाल हैन ने, जो अभी तक चार्ल्स के सम्बन्ध में सोच रहा था, कहा—"यह एक विचित्र बात है कि भावनात्मक दृष्टि से इतना अधिक अव्यवस्थित कोई व्यक्ति अपनी योजना में इतना अधिक सतर्क हो सकता है।"

"क्या तुम यह सोच रहे हो कि चार्ल्स ने किस प्रकार मार्टिन का पीछा करने के लिए एक जासूस को किराये पर नियुक्त किया था ? हाँ, यह दूरदर्शिता-पूर्ण बात थी। जासूस-एजेन्सी इस बात की पुष्टि कर सकती है कि मार्टिन एक बैग के साथ नियमित रूप से प्रदूतावास की यात्रा किया करता था। चार्ल्स का यह वक्तव्य कि मार्टिन के वापस आने पर बैग डालर-बिलों से भरा होता था और तत्पश्चात्—किसी गुप्त बैठक के बाद—वह पुनः खाली हो जाता था, निन्दाकारक है।"

"मार्टिन के कमरे में जाना कुछ साहस का काम था," हैन ने धीरे से कहा, "भले ही उसे इस बात का पता हो कि वह रात थेल्मा के साथ व्यतीत कर रहा है।"

ब्राउनली ने घृणापूर्वक अपने ओठ बिचका दिये। "मार्टिन और उसके काम-रेडों को विदेशी धन मिलता था। थेल्मा को मार्टिन से धन मिलता था। मुझे आश्चर्य होता है कि पार्टी के आदर्शवादी इस सम्बन्ध में क्या सोचेंगे ?"

"इससे उनमें से कुछ का थेल्मा के रविवार के सांध्यकालीन संगीत-कार्य-क्रमों के प्रति उत्साह कम हो सकता है।"

ब्राउनली कमरे में चहलकदमी करने लगा। "चार्ल्स ने कहा है कि वे रविवारीय पार्टियां उपेक्षणीय थीं। क्या वह केवल अपनी मां को बचाने का प्रयास कर रहा था ?"

"हां, प्रचार का मूल्य न जानने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए वे उपेक्षणीय प्रतीत होतीं। सुन्दर भोजन करने वाले और सुन्दर कपड़े पहनने वाले पुरुषों और स्त्रियों का एक समूह मात्र, जो यह सोचते हैं कि वे कितने प्रगतिशील हैं, कितने साहसी हैं; किन्तु तुम और मैं यह समझते हैं कि जिस प्रकार के भ्रष्टाचार में मार्टिन फँस गया है, वे उस प्रकार के भ्रष्टाचार के लम्बे और क्रमिक ढालुवे मार्ग पर बढ़ाये गये प्रथम छोटे कदमों के समान हैं। मार्टिन जो कुछ जानता है, उसे जानते हुए यदि वह अब स्वतंत्र होना चाहे, तो क्या उसे स्वतन्त्र होने दिया जायेगा ?"

"मुश्किल से !" ब्राउनली ने मुस्कराते हुए कहा—"किसी षड्यंत्र में एक

बार गहराई तक फँस जाने पर तुम सरलतापूर्वक उससे बाहर निकल नहीं सकते। ओरपेन और मार्टिन, दोनों इस दलदल में गले तक धंस गये हैं। वे केवल इतना ही कर सकते हैं कि वे अपने आदर्श के साथ चिपके रहें और कोई गलत चाल न चलें।"

"क्या उनके मन में कभी सन्देह नहीं उत्पन्न होते?" हैन ने प्रायः अपने आपसे प्रश्न किया।

"उन्होंने विचार स्वतन्त्रता का परित्याग बहुत पहले ही कर दिया था। अन्यथा वे सत्ता की अपनी वर्तमान स्थिति में नही होते। जो कम्यूनिस्ट अपने लिए स्वयं सोचता–विचारता है, वह एक कम्यूनिस्ट के रूप में कभी बहुत दूर तक नहीं जा पाता।" राजर ब्राउनली ने लिफाफे को अपने जैकेट के भीतर रखा और पाकेट के बटन सतर्कतापूर्वक बन्द कर दिये: "आज शाम को मुझे किसी टैक्सी से कुचलने मत देना।" उसने मुस्कराते हुए कहा।

"मैं रोना को बता दूं कि हम लोग जा रहे हैं।" हैन ने अपना हैट उठाते हुए कहा।

ब्राउनली ने कहा—"बहुत सुन्दर। एक बात और—" वह समाचार-पत्र को मोड़ कर उसे अपनी बांह के नीचे लापरवाही के साथ रख रहा था, "मेरा विचार है कि मैं एक दो सप्ताह तक कुमारी मेटफोर्ड की देख-रेख करने के लिए किसी बढ़िया, शान्त रक्षक की नियुक्ति के लिए कहूँगा। कहीं चार्ल्स अन्तिम क्षण में उत्तेजित और अवज्ञाकारी न हो गया हो और इस पत्र के सम्बन्ध में कुछ कह न पड़ा हो।"

"वे कभी नहीं जान पायेंगे कि पत्र रोना के पास भेजा गया था," पाल ने कहा, "यही कारण है कि चार्ल्स ने उसे चुना था।" उसने आशा की कि उसने अचानक जितने विश्वास का अनुभव किया, उससे अधिक विश्वस्त वह प्रतीत हुआ।

"उसे चेतावनी दे दो कि वह इस पत्र की चर्चा किसी से न करे। भविष्य में भी नहीं, जब यह सब घोटाला समाप्त हो चुका होगा तब भी नहीं।"

पाल ने सिर हिलाया, उसके ओठ बन्द थे, उसकी आखें विचार-मग्नता का परिचय दे रही थीं। उन्होंने साथ-साथ गलियारे में प्रवेश किया।

"मैं विश्वास करता हूँ कि वह उन नवयुवतियों में से नहीं है, जो हैट पहनने में ही आधा घण्टा लगा देती हैं।" ब्राउनली ने कहा। किन्तु रोना चलने के लिए तैयार होकर, उनकी प्रतीक्षा कर रही थी।

"और अधिक काम करने में मेरी तबीयत नहीं लगी।" उसने अपने स्वर को हल्का रखते और मजाक करने का प्रयास करते हुए स्पष्टीकरण किया। किन्तु वह चिन्तित और उदास थी। स्काट; चार्ल्स की मृत्यु; जब बरनेट को पता चलेगा कि उसने अपने काम में कितनी कम प्रगति की है, तब उसकी व्यग्रता। उसने निराशापूर्वक सोचा, मुझे इस सप्ताह प्रति दिन रात को देर तक रुकना होगा, अन्यथा मैं इस काम को कभी पूरा नहीं कर पाऊँगी। इसका अर्थ यह है कि सांध्यकालीन कक्षाओं में जाने में कमी करनी होगी और सत्र प्रायः समाप्त हो चुका है और इस वसन्त ऋतु में मैं पहले ही बहुत अधिक बार अनुपस्थित रह चुकी हूँ। इस विचार ने उसे पुनः स्काट एट्टली के पास वापस भेज दिया।

"चिन्ता मत कीजिये, कुमारी मेटफोर्ड !" जब वे एलिवेटर की प्रतीक्षा कर रहे थे, तब ब्राउनली ने कहा—"हम लोग आपको अधिक समय तक नहीं रोकेंगे। तत्पश्चात् पाल आपको अपने प्रिय रेस्तरां में ले जा सकता है और आपके लिए गोश्त का एक बड़ा टुकड़ा खरीद सकता है।"

"क्या मैं इतनी भूखी दिखायी देती हूँ ?" रोना ने मुस्कराना प्रारम्भ करते हुए पूछा। किन्तु उसने व्यग्रतापूर्वक पाल की ओर देखा। उसने सोचा कि हम एक साथ रहने के लिए विवश हो रहे हैं। इन विगत दिनों में हुई प्रत्येक घटना ने हमें एक साथ रहने के लिए विवश किया है। यहाँ तक कि स्काट ने भी अपना भाग पूरा किया है।

उन्होंने एलिवेटर में प्रवेश किया और ब्राउनली ने वार्तालाप जारी रखा। ऐसा प्रतीत होता था, मानो पाल को कुछ भी नही कहना था। "हां," ब्राउनली दिलचस्पी लेने वाले आपरेटर के लाभार्थ कहता गया—"आपको आशावादी बनाये रखने के लिए गोश्त के टुकड़े जैसी कोई भी वस्तु नहीं है। निराशावादी सदा ही भूखे व्यक्ति होते है। यही कारण है कि सीजर कैसियस को—जो दावत में एक शाश्वत अस्थि-पिंजर था—अपने निकट देखना पसन्द नहीं करता था।"

जिस समय वह बात कर रहा था, तब रोना ने आशा की कि वह बात इतनी सीधी-सादी हो तो अच्छा। उसने सोचा, मैं एक ऐसी स्थिति में पहुँच रही हूँ, जब प्रत्येक वस्तु मेरे ऊपर जमा हो रही है और ऐसा प्रतीत होता है कि मुझमें स्वतन्त्र होने के लिए संघर्ष करने की क्षमता नहीं है। फिर भी, मुझे संघर्ष करना ही होगा। मुझे संघर्ष करना ही होगा।

उनके एवेन्यू में पहुँचने पर उसने अपना प्रतिबिम्ब देखने के लिए एक दूकान की खिड़की में झांका। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वह कितनी सामान्य दिखायी दे रही है। तत्पश्चात् उसने भोजनोपरान्त वायु-सेवन के लिए सड़क पर धीरे-धीरे टहलनेवाले व्यक्तियों की ओर देखा। उन्होंने अपने हृदयों में कितनी निजी चिन्ताओं, कितनी निराशा और वेदना को छिपा रखा था ? वे सामान्य दिखायी दे रहे थे। किन्तु वह भी तो सामान्य ही दिखायी दे रही थी : भूरा सूट और सफेद 'स्ट्रा' हैट पहने हुए, एक चौड़े पार्श्व-मार्ग के किनारे की ओर दो पुरुषों के बीच चलने वाली एक लड़की मात्र, जबकि उनमें से एक ने एक अखबार से एक टैक्सी के लिए संकेत किया।

तब पाल हैन बोल पड़ा। उसने शांतिपूर्वक कहा, "स्काट एट्टली हम लोगों के ठीक पीछे है।" उसने यह बात इस प्रकार कही, मानो वह इसकी आशा ही कर रहा हो।

"आप उससे बोल नहीं सकतीं," ब्राउनली ने रोना से कहा—"मुझे खेद है। किन्तु, आप जानती हैं, हमारे पास समय नहीं है।"

"मैं उससे बोलना भी नहीं चाहती," उसने धीमे स्वर में कहा। उसने इधर-उधर नहीं देखा। उसने अपना हाथ ब्राउनली के हाथ में डाल दिया। ब्राउनली ने अपनी कलाई पर उसके हाथ के कम्पन का अनुभव किया। उसे अकस्मात रोना और पाल के मध्य एक तनाव का, एक ऐसे तनाव का, जिसका चार्ल्स की मृत्यु से कोई सम्बन्ध नहीं था, ज्ञान हो गया। "वहाँ एक टैक्सी है," वह प्रायः चिल्ला पड़ी, "वहाँ !"

"मैं कुमारी मेटफोर्ड को ले जाऊँगा। इस बात का ध्यान रखो कि वह हमारा पीछा न करने पाये," ब्राउनली ने टैक्सी का द्वार खोलते हुए और रोना को भीतर बैठाते हुए कहा। उसने रोना का अनुसरण करने से पूर्व पाल को जल्दी से पता बता दिया। उसके बाद ही, जब टैक्सी तेजा के साथ चल पड़ी, उसने पीछे मुड़कर स्काट एट्टली की ओर देखा। उसने देखा कि एक लम्बा, सुन्दर बालों वाला व्यक्ति, जो एक सुन्दर ढंग से सिला गया सूट पहने हुए था, अगली टैक्सी को बुलाने के लिए आगे बढ़ गया था।

"मुझे खेद है !" ब्राउनली ने अस्पष्टतापूर्वक कहा। उसे केवल इस बात का ज्ञान था कि इस लड़की के लिए दुखी होने के लिए कोई पर्याप्त कारण था। उसने देखा कि वह एक वृद्ध पितामह की भाँति उसे आराम पहुँचाने के लिए उसका हाथ थपथपा रहा था। यह कोई ऐसा कार्य नहीं था, जिसमें उसे विशेष

आनन्द आता हो। फिर भी.....

"बस एक मिनट !" पाल हैन ने कहा।

स्काट एट्टली ने उसकी पूर्ण उपेक्षा की। वह एक टैक्सी को बुला रहा था। उसका मुँह कटुतापूर्ण था, उसकी आँखें संकुचित हो गयी थीं।

"निकोलास ओरपेन से कह देना कि—" पाल ने शांतिपूर्वक कहा और अपने वाक्य को अपूर्ण ही छोड़ दिया।

एट्टली उसका सामना करने के लिए घूम पड़ा। एक क्षण के लिए वह असावधानी में पकड़ा गया था। उसका चेहरा विस्मयपूर्ण एवं तनावपूर्ण था, वह प्रायः प्रतीक्षारत था। उसने टैक्सी की ओर, जो उसके पीछे मोड़ पर पहुँच गयी थी, कोई ध्यान नहीं दिया।

"निकोलस आरपेन से कह देना कि वह हमारे पास जो सामग्री भेजता है उसके लिए और अधिक काल्पनिक उपनामों के सम्बन्ध में वह चिन्ता न करे।"

स्काट एट्टली का चेहरा पुनः नियन्त्रण के अन्तर्गत हो गया था। वह आधा क्रुद्ध और आधा घृणा में भरा हुआ था। "पहली बात यह है कि ओरपेन के साथ मेरी मुलाकात होने की सम्भावना नही है। दूसरी बात यह है कि अपने सन्देश तुम स्वयं पहुँचा दिया करो। और तीसरी बात यह है कि—मेरी प्रेमिका से दूर रहा करो।"

"हे !" टैक्सी ड्राइवर ने पुकारा, "इस टैक्सी पर कौन चल रहा है ?"

"यदि मैं तुम्हारी जगह पर होता," हैन ने धीरे से कहा, "तो मैं रोना को अपने निर्णय स्वयं करने देता।"

"तुम ऐसा करते, करते क्या ?"

"मैं ऐसा ही करता। और एक दूसरी सलाह यह है कि—

ड्राइवर ने खिड़की के बाहर सिर निकाल कर कहा—"तुम इस टैक्सी पर चल रहे हो अथवा नहीं ? निश्चय कर लो, जैक !"

"—रोना को इधर-उधर ढकेलना बन्द कर दो, क्या तुम ऐसा करोगे ?" हैन ने कहा। उन्होंने एक दूसरे की ओर देखा।

एट्टली ने अपना दाहिना घूसा उठाया और उसे मार दिया।

"बहुत ठीक !" हैन ने कहा और उसने अपने सिर को अकस्मात् नीचे झुका दिया और अपने बायें घूसे से कस कर एक प्रतिप्रहार किया।

"हे !" ड्राइवर ने चिल्ला कर कहा, "मेरी खिड़कियों से दूर रहो।" उसने द्वार को, जिसे उसने किराये की आशा से खोल दिया था, तुरंत बन्द

करने के लिए हाथ बढाया ।

"तुम्हें तुम्हारा किराया मिल गया है !" हैन ने एट्टली को टैक्सी की बगल से उठाकर उसे भीतर ठेलते हुए ड्राइवर से कहा—"उसे ईस्ट रिवर ले जाओ और कूड़ा-करकट के साथ गिरा दो ।" उसने द्वार बन्द कर दिया ।

ड्राइवर ने अपना मीटर चालू किया और अपनी टैक्सी को यातायात की मुख्य धारा में डाल दिया । "पीछे बैठो और आराम करो, क्या तुम पढ़ नहीं सकते ?" जब उसके यात्री ने अकस्मात् द्वार के हत्थे को पकड़ लिया, तब उसने चेतावनी देते हुए कहा । उसने सोचा, जैसा कि मैं समझता हूँ, इस व्यक्ति को सड़क पर से दूर हटा कर मैं एक सार्वजनिक सेवा कर रहा हूँ । अपने दायें हाथ से पहले प्रहार करने वाला कोई भी व्यक्ति स्वभावतः संकट को निमंत्रण देता है । "अधिक अच्छा होगा कि उस जबड़े पर थोड़ी बर्फ रख लो ।" उसने परामर्श दिया । उसने सोचा, यह मैं, सहायक हैरी, बच्चों का परामर्शदाता हूँ ।

उसे कोई उत्तर नहीं मिला ।

ठीक है, ठीक है, तो मुझे एक बातूनी यात्री मिला है । "कहां जाओगे ?" उसने जोर से पूछा ।

अध्याय—१७

"नहीं, फिर भी धन्यवाद !" रोना ने कहा, "सच, पाल, मैं सोचती हूँ कि अब मैं घर जाऊँगी ।" वह पीछे हट गयी । उसी समय एक 'एलिवेटेड' ट्रेन चेतावनी देनेवाली गर्जना के साथ अचानक दृष्टिगत होती हुई, एक ब्लाक की दूरी पर तीसरी एवेन्यू के उपर खड़खड़ाती हुई आयी । तत्पश्चात् वह अदृश्य हो गयी और सड़क पुनः शान्त हो गयी । सघन होती हुई गोधूलि वेला के विरुद्ध खिड़कियों में कुछ बत्तियाँ पहले ही जला दी गयी थीं, कुछ बालक पार्श्व-मार्ग पर खेल रहे थे और कुछ व्यक्ति अपने नगर-एकाकी ढंग से टहल रहे थे ।

रोना व्यग्रतापूर्वक कूद पड़ने के अपने कार्य तथा अपनी अस्वीकृति को छिपाते हुए क्षमा-याचनापूर्वक मुस्करायी । किन्तु पाल आज रात को कोई बहाने नहीं स्वीकार कर रहा था ।

"तुम गोश्त का वह टुकड़ा खाने जा रही हो, जिस की सिफारिश ब्राउनली ने की थी ।" उसने उससे कहा, "तुम ऐसा कार्य नहीं करने जा रही हो, जिससे

मुझे उसे अकेले ही खाना पड़े, क्यों ?" उसने रोना का हाथ पकड़ लिया और उसे लेक्सिंगटन एवेन्यू तथा एक संकरी खिड़की के उपर लगे हुए एक चमकते हुए नियन साइन बोर्डो की ओर चलने के लिए राजी किया। साइनबोर्ड पर "बेनीज" लिखा हुआ था। "साफ-सुथरा किन्तु अत्यधिक भड़कीला नहीं।" पाल ने कहा, "अर्थात् अन्य नियन साइन बोर्डो की तुलना में उतना भड़कीला नहीं। मैं बेनी का एक "अभ्यस्त ग्राहक" हूँ और इसने अभी तक मेरी हत्या नहीं की है।" वह उसकी ओर देख कर मुस्कराया ओर उसने पुनः कहा, "इसके अतिरिक्त तुम्हारा कोई भी परिचित व्यक्ति वहां नही होगा।"

"मेरी चिन्ता का कारण यह बात नहीं है, पाल !" वह अभी तक हिचकिचा रही थो।

"नहीं ? तब वह अवश्य ही घर पर इतने आवश्यक रूप से तुम्हारा स्वागत करने वाला उबाला हुआ अण्डा अथवा 'स्पाघेती' का वह डिब्बा होगा।"

इसका कारण चाहे वह क्षुधा-नाशक सत्य रहा हो, चाहे उसकी मुस्कान रही हो, चाहे उसका निर्णय रहा हो, चाहे उसके निमंत्रण को स्वीकार करने में उसे चिन्तित बनाने वाली बात के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण करने का उसका दायित्व रहा हो—किन्तु, कुछ भी हो, रोना ने अपने को बेनी के होटल में पाया।

यह एक लम्बा संकीर्ण कमरा था, जिसमें स्वयं मदिरालय, जिसके पीछे चमकते हुए गिलासों का अम्बार लगा हुआ था, द्वार के निकट स्थित था। एक कांजी लगी सफेद कमीज और एक 'एप्रन' पहने हुए तथा पालिश किये काउण्टर के पीछे बैठे हुए बेनी ने स्वागत में सिर हिलाया। लाल चमड़े की तिपाइयों के ऊपर बैठे हुए उसके ग्राहकों ने यह जानने के लिए देखा कि वह कौन आया है। उनमें से कुछ ने पाल को पहचान कर सिर हिलाया और तत्पश्चात् वे अपने निजी विचार-विमर्शो में पुनः निमग्न हो गये। काला स्वेटर पहने हुए सुनहरे बालों वाली एक सुन्दर लड़की मुस्करायी और बोली, "हिया !"

"बिल्कुल ठीक !" पाल ने कहा।

"वह तो मैं देख ही रही हूँ !" सुनहरे बालों वाली लड़की ने रोना की ओर आलोचनात्मक प्रशंसा की दृष्टि से देखते हुए कहा।

"दो पुराने ढंग के पकवान, बेनी !" पाल ने कहा और वह कमरे के पिछले आधे भाग में बनाये हुए आधा दर्जन कक्षों में से एक कक्ष की ओर रोना को ले गया। पिछली दीवार में स्थित एक चौड़े द्वार में से एक रसोई-घर दिखायी

दे रहा था, जो साफ-सुथरा और उज्ज्वल था। उसमें सफेद टोपी पहने हुए एक बाबर्ची चारकोल के एक चूल्हे और ऊपर लटकती हुई तांबे की कड़ाहियों की पंक्ति का निरीक्षण कर रहा था। लकड़ी के बने हुए अंधियारे कक्षों में रखी गयी मेजें लाल चारखाने के मेजपोशों से ढंकी हुई थीं। "गोश्त के टुकड़े अच्छे होते हैं, किन्तु सेव की पेटिसों को मत चखना। यदि माँ ने इसे कभी उस प्रकार से सेंका होता, तो लड़के अभी तक यूरोप में होते।"

"यह सुन्दर है!" रोना ने अपने कक्ष के एकान्त में स्थिर होते हुए, अपने हैट को उतारते हुए और छोटे-से जन-संकुल कमरे के चारों ओर देखकर अपने बालों को सीधा करते हुए सहमतिपूर्वक कहा। वहां भूरी लकड़ी का सस्ता फर्नीचर था, समुद्र के दृश्य चित्रित करने वाले ऊटपटांग भित्ति-चित्र थे, जिनमें सपाट खाड़ियों के चारों ओर बिखरे हुए काड अन्तरीप के सीपी खोदने वाले दिखाये गये थे तथा कठिनाई के साथ काम चलाने के लिए की गयी प्रकाश-व्यवस्था थी। किन्तु इस विचित्र सम्मिश्रण के बावजूद वहाँ मैत्रीपूर्ण हार्दिकता, सुखदायक विश्राम और सुन्दर परिहास की एक भावना विद्यमान थी। जिस व्यक्ति ने भोजन के लिए उनकी फरमाइश ली, वह भी उन्हें देखकर प्रसन्न प्रतीत हुआ।

"हां," पाल ने उसका, जो धीरे-धीरे विश्राम कर रही थी, निरीक्षण करते हुए कहा, "यह अनेक एकाकी व्यक्तियों के लिए घर से दूर एक घर है।"

"तुम्हरा नया निवास-स्थान कैसा है। तुमने उपकिरायेदार के रूप में एक निवास-स्थान का प्रबन्ध कर लिया, नहीं क्या?"

"सितम्बर तक के लिए। ओह, यह बिल्कुल ठीक है। शान्त।" वह मुस्कराया। "और मैं अपना भोजन स्वयं पकाने से थक जाया करता हूँ।"

"क्या तुम्हें कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जो आकर तुम्हारे लिए भोजन पका दिया करे?"

"यदि मैं प्रत्येक रात ६ बजे ही भोजन करने के लिए तैयार होता। तुम जानती हो, वे अपने प्रिय टेलिविजन-प्रदर्शनों के लिए जल्दी घर पहुँचना चाहते हैं।"

"और तुम भोजन पकाते हो?" उसे इस नये विचार से थोड़ा आश्चर्य हुआ।

"बहुत बढ़िया भोजन पका लेता हूँ मैं!" उसने स्वीकार किया।

बेनी उनका पुराने ढंग का पकवान लाया और उसका औपचारिक ढंग से

परिचय कराया गया। "आपसे मिल कर प्रसन्नता हुई!" उसने व्यापक मुस्कान के साथ रोना से कहा। और वह सच बोलता हुआ प्रतीत हुआ। उसने पाल से एक या दो मिनट तक बातचीत की, जो स्वागत की समुचित भावना की स्थापना करने के लिए पर्याप्त थी। उसकी पत्नी को नये उद्यान में—जो चुकन्दरों और घास के अतिरिक्त अभी पूरा नहीं हुआ था—कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उसमें बहुत अधिक घास थी। सप्ताहान्तों मे घास काटने से और किसी काम के लिए अवकाश ही नही मिलता था। यह सब कृत्रिम वर्षा। फिर भी वृक्ष सदा की अपेक्षा बड़े और अधिक थे।

जब बेनी अपने थोड़ा-थोड़ा घूमते हुए कदमों के साथ (बेनी ने सदा ही नौसेना की प्रशंसा की थी) मदिरालय की ओर वापस जाने लगा, तब पाल ने उसकी ओर देखते हुए कहा, "वह ठोस किस्म का एक आदमी है। वह उतना ही प्रसन्न व्यक्ति है, जितना प्रसन्न तुम किसी व्यक्ति को देखने की आशा कर सकती हो। मौसम अथवा अपने आय-कर के अतिरिक्त वह अन्य किसी भी बात की शिकायत नहीं करता। उसने यूरोप में धीरे-धीरे चलने का ढंग सीखा और अपनी आत्मा को स्थिर किया। तत्पश्चात् उसने अपने बचे हुए धन को इस छोटे-से स्थान में लगाया, ब्रुकलिन की एक लड़की के साथ विवाह किया, लोअर ईस्ट साइड को छोड़ दिया और क्वीन्स में चला आया, उसके दो बच्चे हुए और उसने रैंच-टाइप का एक मकान लिया—हाँ, वह शब्द भाषा में किस प्रकार प्रवेश कर गया?—और उसे प्रति रविवार को काटने के लिए कुछ घास मिली।"

"तुम किस प्रकार जानते हो कि मौसम और करों के अतिरिक्त वह अन्य किसी भी बात की शिकायत नहीं करता?"

"सच बात है," उसने स्वीकार किया, "मुझे यह कहना चाहिए था कि वह स्वयं को शिकायत करने की अनुमति ही नहीं प्रदान करता। बेनी ने एक अच्छा नियम बना रखा है। वह कहता है कि उसे इस नियम का पता नार-मैण्डी में एक खाई में चला था। प्रसन्न रहने के लिए तुम्हें इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि तुम क्या चाहती हो किन्तु तुम्हें इस बात का भी ज्ञान होना चाहिए कि कब इच्छाओं का परित्याग कर देना चाहिए।"

"जब मैं नवयुवती थी," रोना ने कहना प्रारम्भ किया और फिर वह रुक गयी।

"और अभी तुम क्या हो?" उसने विनोदपूर्वक पूछा।

"हाँ, जब मैं बहुत छोटी थी, तब मैं सोचा करती थी कि यदि कोई व्यक्ति

बड़ा हो जाये और उसके पास प्रति दिन चाकलेट खरीदने के लिए पर्याप्त धन हो, तो वह प्रसन्न होगा।" वह अपने आप पर मुस्करा पड़ी। "और अब मैं चाकलेट भी नहीं पसन्द करती।" उसने कहा। तत्पश्चात्, उसे मुस्कराते हुए देखकर, उसे यह जानकर अफसोस हुआ कि उसने चिन्ता करना छोड़ दिया है। उसने सोचा, आज मैंने अपने जीवन का एक अत्यन्त दयनीय दिन—निश्चय ही अत्यन्त विकट और भयानक दिन—व्यतीत किया है और मैं चाकलेटों के सम्बन्ध में गपशप कर रही हूँ।

"वह कौन-सा विचार है!" पाल ने शीघ्रतापूर्वक पूछा।

वह आश्चर्य करने लगी कि पाल सदा ही सब बातों को कैसे जान जाता है? उसने परेशानी के साथ और पलायन करते हुए कहा, "वह एक अच्छा आदमी है। आखिर मैं भयभीत नहीं हुई।"

उसने एक मिनट तक घूर कर देखा, बेनी की ओर देखा, उसकी ओर से नजर हटा ली और तत्पश्चात् अन्ततः उसके अर्थ के सम्बन्ध में अनुमान लगाते हुए कहा, "बढ़िया आदमी—यदि तुमने कानून के विपरीत काम न किया हो।"

"हाँ!" उसने उस शान्त सतर्क व्यक्ति की याद करते हुए स्वीकार किया जिसने उससे चार्ल्स और पत्र की कहानी बताते समय कभी-कभी सम्यक और सटीक प्रश्न पूछे थे।

"क्या वह वास्तव में महत्वपूर्ण है?" वह विनम्र था, उदार था। वह तनिक भी भयंकर नहीं था।

"मेरा अनुमान तो ऐसा ही है।"

"मेरा ख्याल है कि श्री ब्राउनली उसके साथ विवरणों पर विचार-विमर्श करने के लिए रुक गये!" तत्पश्चात् उसने पाल के चेहरे की ओर देखा। "क्या तुम इस सम्बन्ध में बात करना नहीं चाहते?"

"यह एक ऐसी बात है, जिसे हमें भूल ही जाना होगा, रोना।"

"बिल्कुल ही? मेरा मतलब है—क्या बाद में भी, जब सब कुछ ठीक हो जायेगा?"

"बिल्कुल ही।"

"ओह।" उसने अपने सामने रखे हुए गिलास में पड़े बर्फ के टुकड़ों की ओर देखा। उसने एक टुकड़े को नारंगी के एक टुकड़े से दबाया। "अच्छी बात है, पाल। चिन्ता मत करो। मैं इसके सम्बन्ध में बात नहीं करूंगी। मैं भूल

नहीं सकती, किन्तु मैं वचन देती हूँ कि मैं बात नहीं करूँगी।"

"बहुत अच्छा!" उसने इस बात की ओर लक्ष्य करते हुए कहा कि उसने चार्ल्स के नाम का उल्लेख न करने की सतर्कता बरती थी। मैं भूल नहीं सकती...उसने खिन्न मन से सोचा, भूल तो मैं भी नहीं सकता। "एक दूसरा लोगी?" उसने उसके गिलास की ओर देखा।

उसने अपना सिर हिलाया। "आज मैं यह प्रथम बार सही माने में भोजन कर रही हूँ।" उसने गोश्त के टुकड़ों को उनकी ओर लाये जाते हुए देख कर कहा—"ओह, कितना आश्चर्यजनक है। श्री ब्राउनली ने ठीक ही कहा था। मुझे इसी की आवश्यकता थी।" उसने अपना काँटा और चाकू उठा लिया। और इससे लगभग अगले दस मिनटों तक के लिए वार्तालाप समाप्त हो गया। "तुम यहां आना क्यों नहीं चाहती थी?" उसने अन्ततोगत्वा पूछ ही लिया। वह अभी तक उसके विरोध को समझ नहीं पाया था। क्या वह उस अफवाह के सम्बन्ध में चिन्ता कर रही है जिसे फैलाया जा रहा है? क्या यही एकमात्र कारण था? उसने आशा की कि यही एकमात्र कारण हो सकता है।

"यह तुम्हारे प्रति न्याय नहीं है।"

"इसका निर्णय मुझे ही करने दो, रोना।"

"किन्तु!" उसने जितने संकल्प के साथ अपने सामने पड़े हुए गोश्त के टुकड़े को काटा था, उतने ही संकल्प के साथ मामले को स्पष्ट करते हुए कहा, "किन्तु तुम देखते हो, पाल, स्काट इस सगाई के टूटने का कारण तुमको ही बताता है। हाल में हमारे मध्य जितने तर्क-वितर्क हुए, उन सभी में वह तुम्हारा नाम लेकर मेरे ऊपर लाँछन लगाता रहा है।"

"हाँ," उसने धीरे से कहा, "इस बात को देखते हुए कि हमने उसे कोई वास्तविक कारण नहीं प्रदान किया—"

"मैं जानती हूँ। किन्तु वह इस पर विश्वास करता है।" उसने अकस्मात् सोचा, मानो स्काट इस पर विश्वास करने के लिए कृत संकल्प हो; मानो वह इस कारण को चाहता ही हो। सम्भतः वह इसे उपचेतन मन से चाहता हो और यह महसूस न करता हो कि वह इसे चाहता है; फिर भी वह इसे चाहता है। हाँ, रविवार को यह बात सच थी। किन्तु आज? उसने जिस कारण की सृष्टि की थी, वह उसके मस्तिष्क में इतने जीवित रूप में आया था कि उसे और कोई वस्तु ही नहीं दिखायी दे सकी।

"तुम भयभीत दिखयी देती हो।" पाल ने कहा। उसने सोचा, जो कुछ हो

रहा है, उसे मैं पसन्द नहीं करता। मैंने पहले कभी रोना को ऐसी नहीं देखा है। एट्टली क्या कहता रहा है ? वह क्या करता रहा है ? आज रात तो मुझे उसका जबड़ा तोड़ देना चाहिए था। यह किसी विवाद को निपटाने की बुद्धिमत्तापूर्ण पद्धति तो नहीं है, किन्तु पाठ पढ़ाने की अत्यन्त सन्तोषजनक पद्धति अवश्य है।

"मैं हूँ !" उसने अप्रत्याशित ढंग से स्वीकार किया, "मैं भयभीत हूँ।"

"किससे ?"

तब उसने उसकी ओर देखा। "मैं नहीं जानती।" उसने कहा, "यह मूर्खतापूर्ण बात है। बस मैं नहीं जानती।"

"क्या एट्टली ने तुम्हें धमकी दी है ?"

वह अत्यन्त शान्त होकर बैठ गयी। आज स्काट ने जो धमकियाँ दी थीं, उनमें से कोई भी धमकी वास्तविक नहीं थी। वह केवल अपना सन्तुलन खो बैठा था। " अधिक अच्छा होगा कि तुम सावधान रहो ," उसने वार्तालाप की दिशा बदलने का प्रयास करते हुए कहा, "नहीं तो स्काट तुमसे झगड़ा करने वाला है। वह तुम्हारा जबड़ा तोड़ देगा अथवा कोई अंगअंग-भंग कर देगा।"

पाल इस बात पर अकस्मात् हँस पड़ा।

"यह कोई मजाक नहीं है।" उसने प्रतिवाद करने का प्रयास किया, "तुम जानते हो, स्काट काफी क्रोधी स्वभाव का है। और वह भयंकर रूप से क्रुद्ध है, वास्तव में वह भयंकर रूप से क्रुद्ध है।"

उसके स्वर में निहित चिन्ता को समझ कर पाल ने हँसना बन्द कर दिया। उसने स्वयं को इस बात की याद दिलायी कि वह उसके लिए चिन्तित थी; यदि मेरा जबड़ा टूट गया तो वह विनम्रतापूर्वक खेद व्यक्त करेगी। "क्या तुम अपने स्काट के साथ प्रेम करती हो ?" उसने साफ-साफ पूछा।

रोना ने सिर हिलाकर स्वीकार किया।

"तो तुमने उसके साथ अपनी सगाई को कायम क्यों नहीं रहने दिया ?"

उसने खाली प्लेट को एक ओर हटा दिया। वह हिचकिचायी किन्तु भोजन और पेय पदार्थ ने उसे साहस प्रदान कर दिया था। "एक समय मैं तुमसे प्रेम करती थी। किन्तु मैंने तुम्हारे साथ अपनी सगाई को कायम नहीं रहने दिया। क्यों ? क्योंकि हमारा विवाहित जीवन सुखी नहीं होता। और जब मैं विवाह करूँगी, तब मैं विवाहित रहनेवाली हूँ। सुखपूर्वक। वह मेरी अत्यन्त युवावस्था का एक स्वप्न है, जिसके सम्बन्ध में मैं समझौता नहीं करने जा रही हूँ। वह

एक ऐसा विचार है, जो चाकलेट नहीं है।" उसने उसकी आँखों की ओर नहीं देखा। उसने अपना हैट उठाया, अपने हैण्डबैग और दस्तानों को एकत्र करना प्रारम्भ किया और आधी उठ खड़ी हुई। "अब मैंने पूर्णतया रुक्ष व्यवहार किया है। मुझे खेद है, पाल। अब मेरा चला जाना ही अधिक अच्छा होगा।"

वह मेज पर पहुँच गया और उसने उसे यह कहते हुए नम्रतापूर्वक पुनः बेंच पर बैठा दिया, "नहीं रोना। क्या तुमने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे तुमसे कुछ स्पष्टता की आवश्यकता थी? तुम्हारे पत्र अत्यन्त विनम्रतापूर्ण, अत्यन्त शब्दाडम्बरपूर्ण होते थे। मेरे मन में यह विचार तक उत्पन्न हो गया कि सगाई के टूट जाने का तुम्हारे लिए कोई बहुत अधिक महत्व नहीं था। तुम अत्यन्त नवयुवती, अत्यन्त सुन्दरी हो और तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता है, जो तुम्हें बाहर ले जा सके, तुम्हारे समय को सुखद-सुन्दर बना सके। लन्दन में तुम्हारे पत्र मिलने पर मैं यही सोचा करता था।"

"तुम मेरे सम्बन्ध में ऐसा सोचा करते थे?" वह भयभीत हो गयी। किन्तु उसने अपने दस्तानों और बैग और हैट को छोड़ दिया।

"पत्रों में उचित स्पष्टीकरण प्राप्त करना कठिन होता है। शब्दों को सुनते समय जब तक निरीक्षण करने के लिए कोई चेहरा सामने नहीं होता, तब तक शब्द निर्जीव वस्तु के ही समान होते हैं।"

वह उसकी ओर देखती हुई अत्यन्त शान्त होकर बैठी रही। उसने कहा, "किन्तु अब वे दिन समाप्त हो चुके हैं।"

और उसकी ओर देखते हुए पाल ने कहा—"हाँ।" यदि उसने अन्य कोई बात कही होती, तो वह उठकर चली गयी होती। "हाँ," उसने पुनः कहा, "इस समय हम लोग पुराने मित्रों की भाँति बात कर रहे हैं। बस इतनी ही बात है, रोना।" उसने स्वयं से कहा और प्रेम में सब कुछ ठीक होता है, यदि तुम्हें दोहरी क्षति हो, तो दुगुना ठीक होता है। "किन्तु मुझे अब भी तुम्हारे पत्रों पर एक या दो पाद-टिप्पणियों की आवश्यकता है। आठ वर्ष पूर्व हमारा विवाह सुखपूर्वक क्यों नहीं हो सकता था?"

"हो सकता था। किन्तु हम विवाहित रह नहीं पाते।"

"क्यों नहीं?"

"मुझे ईर्ष्यालु पत्नियाँ पसन्द नहीं हैं।"

उसका मुँह बन्द हो गया, किन्तु उसकी भूरी आँखों ने स्पष्टतापूर्वक उसकी ओर देखा। "क्या तुम सोचती हो कि मैं तुम्हें ईर्ष्यालु पत्नी बना देता? क्या

तुम विश्वास करती हो कि सारी अफवाहें शास्त्र-वचनों के समान सत्य होती हैं ?"

वह अपने बावजूद मुस्करा पड़ी; क्योंकि अब वह जानती थी कि वह अफवाहों के विषय में क्या करती है। उसने मुड़कर मदिरालय में बैठी हुई सुनहरे बालों वाली लड़की की ओर देखा। "अब मैं अफवाहों पर विश्वास नहीं करती," उसने कहा, "किन्तु अब भी मेरा विचार है कि तुम महिलाओं से पर्याप्त कठोरता के साथ 'नहीं' नहीं कह सकते। जब उन्हें दुत्कारने की आवश्यकता होती है, तब क्या तुम उन्हें दुतकार नहीं सकते ?"

"सम्भवतः कोई औरत ही इसे उचित ढंग से कर सकती है।" उसने कटुतापूर्वक कहा। उसने अपने दाहिने हाथ पर लगे हुए घाव के छोटे-से दाग की ओर देखते हुए खिन्नतापूर्वक सोचा कि मै सीखता रहा हूँ। पाँच दाँतों के चिह्न, एक बार। तत्पश्चात् उसके स्वर में परिवर्त्तन हो गया। "मैं मूर्ख था!" उसने स्वीकार किया, "मेरे अहंकार को दोष दो, रोना। मुझमें आवश्यकता से अधिक अहंकार था।"

"ओह, पाल !" उसने मेज के पार हाथ बढ़ाया और उसकी बाँह को छू लिया। उसकी काली आँखें कोमलतापूर्ण थीं, उसके सुन्दर ओठों की वक्रता में एक आकर्षण था। "तुम मेरे पत्रों पर एक पाद-टिप्पणी चाहते थे ? हाँ, मेरा विचार है कि तुम्हें कम से कम पाद-टिप्पणी तो मिलनी ही चाहिए थी। किन्तु उस समय मुझमें इतना अधिक अहंकार था कि मैं नहीं बता सकी। तुम देखते हो, मुझे मालूम था कि तुम वास्तव में मुझसे विवाह करना नहीं चाहते थे। अन्यथा विदेश के लिए प्रस्थान करने से पूर्व तुमने मुझसे विवाह कर लिया होता।"

"क्या तुम्हारे साथ मेरे विवाह न करने का यही कारण था ?" उसने पूछा। उसने धीरे से अपना सिर हिलाया, उसके ओठों पर कटु विनोद की मुस्कान थी।

"फिर क्या कारण था ?"

"१९४२ में जब मैंने विदेश के लिए प्रस्थान किया था, तब तुम्हारी उम्र कितने वर्ष की थी ?"

"अठारह वर्ष की।" उसने परेशानी के साथ पाल की ओर देखा।

"और मेरी उम्र प्रायः सात वर्ष अधिक थी," उसने कहा—"और यदि आवश्यकता उपस्थित होती, तो तुम कौन-कौन-से सम्बन्धियों पर भरोसा कर सकती थी ?"

उसे विस्मय हुआ। "क्यों—पेगी थी।" उसने धीरे-से कहा।

"जिसे स्वयं अपने जीवन को सम्हालना था। और मेरे पास कौन-कौन-से सम्बन्धी थे?"

"फ्रेंसो में एक चाची और ओरेगान में एक चचेरा भाई।"

"जिनमें से किसी ने मुझे कभी नहीं देखा था। और अपने सैनिक के वेतन के अतिरिक्त मेरे पास कितना धन था?"

"कुछ भी नही। किन्तु उसका कोई महत्व नहीं था, पाल।"

"और १६४२ में इस देश से प्रस्थान करते समय कोई भी अमरीकी सैनिक अपने लिए किन सुअवसरों की बात सोचता था?"

रोना ने अपने काफी-चम्मच को मेजपोश के चारखाने पर घुमाया।

"तुम्हारी गवाही।" पाल ने प्रायः क्रोधपूर्वक कहा। उसने अपने आपसे कहा, निश्चय ही तुम मूर्ख थे। किन्तु अठारह वर्ष की एक लड़की को, जो एक बालक का पालन-पोषण करने के लिए अकेली छूट गयी हो, प्रगति करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। संघर्ष कर स्वतंत्र होने से पूर्व ही वह अधेड़ उम्र की महिला बन जाती। आठ वर्ष पूर्व उसने स्थिति को इसी रूप में देखा था। अब यह बात मूर्खतापूर्ण प्रतीत हो सकती है, किन्तु यह १६५० था, युद्ध समाप्त हो गया था और वह सुरक्षित रूप से वापस आ गया था। अब बुद्धिमान बनना सरल कार्य था।

"मैने अवश्य ही तुम्हें आघात पहुँचाया होगा, पाल!" उसने कहा, "मुझे खेद है। किन्तु मैंने सोचा—सोचने लगी....." उसने उसकी ओर देखा, उसकी बड़ी-बड़ी काली आँखें दुःखी थी।

"इसे भूल जाओ!" उसने स्पष्टतापूर्वक कहा, "मैंने आदि से अन्त तक प्रत्येक काम में घोटाला किया। जो कुछ मिलने वाला था, मुझे वही मिला।" वह साहस करके विनोदपूर्वक मुस्कराया। "इससे मेरा कुछ मिथ्या अहंकार समाप्त हो गया। मैं आशा करता हूँ।"

वह बोली, "यह विचित्र बात है—किस प्रकार तुम यह सोच सकते हो कि तुम एक-दूसरे मानव-प्राणी को इतनी अच्छी तरह से, इतनी अच्छी तरह से जानते हो कि तुम उसकी भावनाओं और उसके विचारों के संबंध में अनुमान लगा सकते हो।....और फिर भी तुम अनुमान नही लगा सकते। लोग और अधिक स्पष्टीकरण क्यों नहीं करते? जब हम समझ नही पाते, तब हम और अधिक प्रश्न क्यों नहीं पूछते?"

"किन्तु क्या हमें सदा ही ईमानदारी के उत्तर मिलेंगे ? हममें से कितने अपने आपको इतने पर्याप्त रूप से जानते हैं कि ईमानदारी से भरा हुआ उत्तर दे सकें ? अवश्य ही, हम आशा यह करते है कि उत्तर ईमानदारी का है। हम उसे ईमानदारी से भरा हुआ बनाने का प्रयास करते हैं। किन्तु प्रयास और सफलता में बहुत अधिक अन्तर है।"

"यह एक एकाकी जगत् है, पाल। तब क्या हम कभी किसीको नहीं जान सकते ? क्या हम कभी किसी को वास्तविक रूप से नहीं जान सकते ?"

"सम्भवतः हम उस पर अत्यन्त सरलतापूर्वक विजय प्राप्त करने की आशा करते हैं। सम्भवतः इसे अर्जित करने की आवश्यकता है।"

"क्या तुम्हारा आशय है—वेदना के द्वारा ? शारीरिक वेदना नहीं, अपितु जो पीड़ा तुम्हें यहाँ और यहाँ होती है ?" उसने अपने हृदय को और तत्पश्चात् अपने भाल को स्पर्श किया। यह भावाभिव्यक्ति सरल थी, फिर भी यह प्रश्न करने का एक कारुणिक ढंग था।

उसने कुछ क्षणों तक कुछ नहीं कहा। वह उसके नेत्रों में आकस्मिक जिज्ञासा का, उसके मुखमंडल को पुनः जीवनमय बनाने वाली आकस्मिक आशा का निरीक्षण करता हुआ बैठा रहा। "हाँ," उसने कहा, "वह सम्भवतः एक-मात्र मार्ग है।"

बेनी अकस्मात् उनकी बगल में आकर उपस्थित हो गया। "प्रत्येक वस्तु ठीक है ?" उसने व्यग्रता से पूछा। "केवल यह देखने के लिए आ गया कि आप लोगों के साथ बिल्कुल ठीक व्यवहार तो हो रहा है। कुछ ताजी काफी लेने के बारे में क्या ख्याल है ? हे, जो, तुम यहीं रहो !"

"गोश्त बड़ा ही अच्छा बना था !" रोना ने कहा। वह अभी तक पाल के चेहरे की ओर देख रही थी। बेनी के बोलने से पहले, एक क्षण के लिए, उसने उसे असंयमित रूप में देखा था। किन्तु अब पाल ने पुनः अपने को नियंत्रित कर लिया था।

बेनी मुस्कराया। "थोड़ी सी पेटिस लेने के बारे में क्या ख्याल है। सेव की पेटिस ?"

"आज रात नहीं। बस काफी चाहिए।" रोना ने कहा।

"कैमोंगबर्ट नही ? विस्कान्सिन का सर्वोत्तम कैमोंगबर्ट।"

"मैं उसे चखूंगा," पाल ने कहा, "गृहोद्योगों का समर्थन तो करना ही पड़ेगा।"

"क्या आप भी विस्कान्सिन की हैं ?" बेनी ने प्रश्नसूचक दृष्टि से रोना की ओर देखते हुए कहा ।

"मैं पेन्सिलवानिया की हूँ ।" उसने स्वीकार किया ।

"यह बात यहां आने वाले अधिकाश व्यक्तियों के समान ही है । वे न्यूयार्क के अतिरिक्त देश के प्रत्येक भाग से आये हुए होते हैं । जरा अनुमान तो कीजिये कि इस कमरे में केवल मैं ही न्यूयार्क का मूल निवासी हूँ !" उसने अभिमान-पूर्वक कहा । तत्पश्चात् वह हँस पड़ा । "और यदि मेरा जन्म दो दिन पहले हो गया होता, तो मैं पोत पर अपनी माँ और अपने पिता के साथ यात्रा करने वाला एक इटालियन प्रवासी होता । उस वृद्धा महिला का यह कार्य वास्तव में दक्षता-पूर्ण था ।" तत्पश्चात् उसने संकेत द्वारा वेटर को बुलाया और उसे फरमाइश बता दी और सिर हिलाते हुए तथा सहमति व्यक्त करने वाली मुस्कान के साथ और नौसैनिक की भाँति कदमों को घुमाता हुआ अपने स्थान की ओर चला गया ।

"यह न्यूयार्क का एक दूसरा मूल निवासी है!" पाल ने द्वार की ओर देखते हुए कहा । वह राजर ब्राउनली था, जिसने अभी-अभी प्रवेश किया था । वह एक क्षण के लिए रुका, उसने जल्दी से कमरे में चारों ओर नजर दौड़ायी, उनको देखा और उनके कक्ष की ओर चल पड़ा ।

"मुझे नहीं मालूम था कि वह हमारे पास आने वाला है !" रोना ने आश्चर्य के साथ कहा । किन्तु वह प्रसन्न भी हुई और आश्वस्त भी; क्योंकि ब्राउनली निश्चिन्त और प्रसन्न दिखायी दे रहा था ।

"वह सम्भवत: इस बात का निश्चय कर लेना चाहता था कि तुम्हें गोश्त का वह टुकड़ा मिल गया ।" पाल ने मेज पर ब्राउनली का स्वागत करने के लिए उठते हुए कहा ।

ब्राउनली ने कहा, "ठीक बात है, पाल । बस पता लगा रहा हूँ ।" वह यह कहते हुए रोना की बगल में बैठ गया कि मैं तुम लोगों के साथ थोड़ी काफी पीऊँगा । वार्तालाप प्रयासहीन और हल्का हो गया ।

किन्तु पाल अभी तक द्वार की ओर देख रहा था । और, जैसी उसने आशा की थी, एक नवयुवक व्यक्ति प्रविष्ट हुआ और मदिरालय में चला गया । अज-नबी व्यक्ति ने नीला सूट और भूरा फेल्ट हैट पहन रखा था । उसका चेहरा पतला, आडम्बरहीन और सतर्कतापूर्ण था । उसकी भौहें काली और उसके बाल काले थे । तत्पश्चात् अपने बियर के गिलास के लिए प्रतीक्षा करते हुए, अनायास अपनी केहुनी पर झुक कर तथा अपने चारों ओर देखते हुए नीला

सूट पहने उस काले बालों वाले ने अपनी आँखों को उस कक्ष की ओर टिका दिया, जहां ब्राउनली बैठा हुआ था। अपना बियर समाप्त कर लेने पर वह मदिरालय से उठ गया और कक्षों की बगल से होकर धीरे-धीरे पुरुषों के हाथ-मुँह धोने के कमरे की ओर जाने लगा। पाल ने ब्राउनली की ओर देखा और उसने उसकी आँखों में एक मुस्कान देखी। पाल आश्वस्त हो गया, उसका अनुमान सही था। और जब वह आदमी हाथ-मुँह धोने के कमरे से बाहर निकला, तब वह अपने अनायास ढंग से उनकी मेज की बगल से होकर गुजरा। पूरे एक क्षण तक उसने रोना की ओर देखा और कक्ष के कोने में स्पष्टतापूर्वक उसका निरीक्षण किया।

पाल ने सोचा कि यह एक अच्छे रक्षक की भाँति दिखायी देता है और उसके कंधे सक्षम हैं। यह बात आश्वासनदायक थी। यह सम्भव था कि संघीय खुफिया विभाग का यह एजेण्ट एक अनावश्यक एहतियात का परिचायक और राजर ब्राउनली के सतर्कतापूर्ण विचार का एक अत्यंत ठोस प्रमाण मात्र था। किन्तु यह जानना एक अच्छी बात थी कि वह आगामी एक या दो सप्ताहों तक कुशलतापूर्वक रोना की देख-रेख करेगा।

"क्या आप किसी मित्र के साथ रहती हैं—कुमारी मेटफोर्ड ?" ब्राउनली पूछ रहा था।

"नहीं ! मेरे पास एक निजी छोटा-सा निवास-स्थान है।"

"आज रात तुम पेगी और जान के साथ क्यों नहीं रह जाती ?" पाल ने सुझाव दिया।

"नहीं, पाल। अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ। उन्हें कष्ट देने की मुझे कोई आवश्यकता नहीं है।"

"आज रात पेगी से मिलना एक अच्छी बात हो सकती है।" उसने हार न मानते हुए कहा। क्योंकि यदि चार्ल्स ने रोना का नाम बता दिया हो, यदि उसने उसके पास भेजे गये किसी पत्र का उल्लेख किया हो, तो आज रात ही उसके निवास-स्थान की तलाशी ली जायेगी।

किन्तु रोना ने नकारात्मक रूप से अपना सिर हिलाया। उसने दुखपूर्वक सोचा कि मैं पेगी और जान को अपनी सगाई तोड़ने के सम्बंध में नहीं बता सकती। आज रात को नहीं। मैं अभी उनसे बात नहीं कर सकती। कल अथवा परसों बात करूँगी। जब मैं इस विचार की अभ्यस्त हो जाऊँगी कि मैं अकेली हूँ। आज रात को यदि मैंने पेगी और जान को एक साथ देखा, तो

मुझे द्विगुणित एकाकीपन का अनुभव होगा। "मैं केवल पेगी को चिन्तित बना दूँगी !" उसने कहा। उसका स्वर कुण्ठित था, उसके ओठों पर एक बरबस की मुस्कान थी। "और फिर जान भी चिन्ता करने लगेगा। सम्प्रति मेरे अतिरिक्त भी, उसके पास बहुत अधिक चिन्ताएँ हैं।"

पाल ने ब्राउनली की ओर देखा, जिसने सिर हिलाया, मानो वह कह रहा हो, "आज रात और अगली रात को उसकी भलीभांति रखवाली की जायेगी। चिन्ता करना छोड़ दो।" अकस्मात्, उसने भी महसूस किया कि रोना आज रात पेगी और जान से क्यों नही मिलना चाहती है। उसने सोचा, हां, एक ऐसे दम्पति हैं, जो दो पृथक व्यक्तियों के समान हैं, एक ऐसे दम्पति हैं, जिन्होंने एक दूसरे को जानना सीख लिया है, जिन्होंने एक ऐसे तृतीय व्यक्तित्व का निर्माण करना सीख लिया है, जिसमें दोनों का समान भाग है। वे विश्व को एक एकाकी स्थान कभी नहीं समझेंगे। एकाकीपन के सम्बंध में बात करते समय क्या रोना का आशय यही था ? क्या रोना यही चाहती थी ?

पाल ने कहा—"बात केवल यह है कि वे आशा करते रहे होंगे कि आज तुम उनसे बातचीत करोगी। और सम्भवतः वे आश्चर्य करते होंगे कि तुमने उनसे क्यों नही बात की।" वह प्रतीक्षा करने लगा। "क्या तुम इस बात को पसन्द करोगी कि मैं उन्हें फोन कर दूँ और बता दूँ कि तुम बिल्कुल ठीक हो ?"

रोना ने सिर हिलाया। तत्पश्चात् उसने कहा, "क्या तुम उन्हें बता दोगे कि मैंने अपनी सगाई तोड़ दी है ?" उसने सोचा कि यह सरल मार्ग है। मेरा अनुमान है कि मुझमें अभी तक अत्यधिक अभिमान और बहुत क्रम साहस है। उसने मेजपोश की ओर देखा।

जब पाल टेलिफोन करके वापस लौटा, तब उसने राजर ब्राउनली को जाने के लिए तैयार पाया। वह रोना को अपना पता और अपना टेलिफोन नम्बर दे रहा था, जिससे यदि कभी वह उसके पास जल्दी पहुँचना चाहे, तो बिना किसी कठिनाई के पहुंच सके। "ओह, एक बात और," ब्राउनली ने अत्यन्त शांतिपूर्वक कहा, "मैं आपको यह बताना प्रायः भूल ही गया था कि आज शाम को हम लोगों ने जिन बातों पर विचार-विमर्श किया, उनमें से प्रत्येक बात के सम्बन्ध में आप चिन्ता करना बन्द कर सकती हैं। सब कुछ नियंत्रण के अन्तर्गत है। आपके लिए, मेरे लिए और पाल के लिए, केवल एक काम करना शेष रह गया है और वह काम यह है कि हम लोग चुप बने रहें। कोई भी मत व्यक्त न किया जाये, भविष्य में दिखायी पड़ने वाले समाचार-पत्रों

के शीर्षकों पर भी कोई मत न व्यक्त किया जाये। क्या आप ऐसा करेंगी, कुमारी मेटफोर्ड ?"

"हाँ।"

"बहुत अच्छी बात है।" वह रोना का हाथ पकड़ते समय इस प्रकार मुस्कराया, जिससे पाल को आश्चर्य हुआ। "क्या तुम कुमारी मेटफोर्ड को सुरक्षित रूप से घर पहुँचा दोगे ?" उसने पाल से पूछा।

"मैं इस बात का ध्यान रखूंगा कि सब कुछ सुरक्षित रूप से हो जाय।" पाल ने कहा। तत्पश्चात् वह द्वार की ओर जाते हुए ब्राउनली की ओर देखने लगा, "तुमने एक मित्र बना लिया है, रोना ?" उसने रोना से कहा।

"मेरा विचार है कि वह एक अच्छा मित्र होगा," रोना ने कहा, "और मैं उसके विरुद्ध होने की अपेक्षा उसके पक्ष में रहना अधिक पसन्द करूंगी। हाँ, मुझे एक प्रकार से प्रसन्नता है कि वह हमारे पक्ष में है।"

"हमारे पक्ष में ?.....तुम्हारे कहने का आशय क्या है ?"

वह अपने स्वर को मन्द कर फुसफुसा कर बोली, "हाँ—मैं कहूँगी कि हमारा पक्ष चार्ल्स का पक्ष है। मैं साधारण जन के पक्ष में हूँ, जो किसी व्यक्ति को कोई क्षति नहीं पहुँचाता, जो उस समय तक धक्के खाता रहता है, जब तक वह इसे और अधिक सहन नहीं कर सकता। हाँ, यही बात है। मैं उन व्यक्तियों के विरुद्ध हूँ, जो दूसरे व्यक्तियों को इधर-उधर धकियाते रहते है—अथवा उन्हें धकियाने की योजना बनाते हैं।" उसने इस बात को जितने स्वाभाविक ढंग से कहा था, उसे याद करते हुए उसने सोचा, हमारा पक्ष। "पेगी और जान कैसे हैं ? क्या तुमने उन्हें मेरी खबर बता दी ?" उसने सतर्क भूरी आँखों से दूर देखते हुए जल्दी के साथ पूछा।

"संक्षिप्त रूप से।"

"क्या वे—क्या वे निराश प्रतीत हुए ?"

"नहीं.....जान, एट्टली से काफी क्रुद्ध प्रतीत होता है।"

"क्यों ?"

"ओह, मेरा अनुमान है कि कोई बात हो गयी है।" यदि जान कभी बतायेगा, तो मैं उसे रोना को बता देने दूँगा कि कल रात को एट्टली देर तक काम करने के सम्बन्ध में झूठ बोला था। "खैर," पाल ने पुनः कहा, "जान ने तुम्हारे प्रति स्नेह व्यक्त किया। और तुम्हें बधाइयाँ भेजीं।"

रोना ने शीघ्रतापूर्वक ऊपर की ओर देखा। "अब, पाल !" उसने क्रोध-

पूर्वक कहा । उसे आघात पहुँचा था । "जान इस प्रकार की बात नहीं कहेगा ।"

पाल अपनी मूर्खता को कोसने लगा । "मुझे खेद है ।" वास्तव में जान ने एट्टली के सम्बंध में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया था, वह अत्यंत रंगीन, पूर्णतया अशिष्टतापूर्ण और पुनरावृत्ति के पूर्णतया अयोग्य थी । पाल ने सोचा कि औरतें सबसे विचित्र प्राणी होती हैं । फिर वह आश्चर्य करने लगा कि यदि उसने उसे यह बता दिया होता कि केवल दो घण्टे पहले उसने स्काट एट्टली के जबड़े पर प्रहार किया था, तो उसने क्या कहा होता । सम्भवतः उससे उसकी स्त्रियों की देवत्वभावना पूर्णरूप से जागृत हो गयी होती और वह पुनः एट्टली की बाँहों में पहुँच गयी होती ।

"जान ने वास्तव में क्या कहा ?" उसने पूछा ।

"क्यों, आज शाम एट्टली प्रत्यक्षतः टेलिफोन करता रहा है । अन्तिम बार उसका टेलिफोन साढ़े-सात बजे आया था । प्रारम्भ में पेगी ने उत्तर दिया । वह जान को फोन से दूर रखने का प्रयत्न कर रही थी । किन्तु साढ़े-सात बजे जान ने टेलिफोन ले लिया ।"

"हाँ ?"

"बस इतना ही ।"

"तुमने पेगी और जान को बता दिया कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ ?" उसने चिंतित होकर पूछा ।

"हाँ ।" उसने कहा ।

"मैं बिल्कुल ठीक हूँ ।"

"अवश्य !" उसने कहा । उसने सोचा, तुम उतनी ही प्रसन्न हो, जितना प्रसन्न मैं हूँ ।

रोना ने अपना हैट पहनना प्रारम्भ कर दिया । पाल ने मेज के नीचे उसके दस्तानों को तलाश करने की बात याद रखी । वे वहां बिल्कुल ठीक थे । उसने उन्हें उसके हाथ से ले लिया, उसके नेत्रों में मुस्कान थी । "तुम्हारी स्मरण-शक्ति प्रखर है ।" उसने कहा ।

"कभी-कभी ।" पाल ने कहा ।

"पाल, आज रात को तुमने जिस प्रकार मेरी सहायता की है, उसके लिए मैं तुम्हें किस प्रकार धन्यवाद दूं ?"

"मैंने कुछ नहीं किया । केवल गोश्त खाने में मेरा साथ देने के लिए तुम्हें राज़ी किया ।"

"मेरा ख्याल है कि तुम्हें मेरे बिना भी साथी मिल गया होता।" वह अब खुलकर मुस्करायी। "वह बहुत ही सुन्दर है।" उसने सुनहले बालों वाली लड़की की ओर, जो कतिपय मित्रों के साथ भोजन कर रही थी, देख कर पुनः कहा।

"वह तुम्हारे एकाकी व्यक्तियों में से एक है।" पाल ने कहा, "उसके पति की प्रशान्त महासागर में मृत्यु हो गयी थी। उसको एक बच्चा था। और तब दो वर्ष बाद उसकी भी मृत्यु हो गयी। उसने कुछ धन बचाया और माडेल के रूप में काम करने के लिए न्यूयार्क चली आयी। वह काफी दक्ष नहीं है। अतः वह हैटों की एक दूकान में काम करती है। वह पास में ही रहती है और जिस प्रकार बेनी उससे बच्चों के समान प्यार करता है, उसे वह पसन्द करती है। वह उसकी अत्यन्त प्रिय ग्राहिका है, यद्यपि वह एक रात में एक से अधिक बियर नहीं खरीद सकती। वह उसकी पत्नी के हैट बनाती है और उसे उसका भोजन मुफ्त मिलता है। जब मैंने उसे पहली बार देखा था, तब मैने सोचा था कि वह एक ऐसी महिला है, जो सोचती है कि जीवन किसी फैशन-पत्रिका के आवरण-पृष्ठ पर प्रकाशित एक मुस्कान मात्र है।"

रोना ने कहा, "यह तो वही बात है, जिसे गर्जन और कम्पन कहा जाता है, है न? वास्तव में मुझे यही चाहिए था।" वह काला स्वेटर पहने हुए सुनहरे बालों वाली लड़की की ओर, जिसका चेहरा भ्रमजनक रूप से शांत और निश्चिन्त था, एक नयी दृष्टि से देखती हुई पाल के साथ बाहर चली गयी।

उन्होंने बेनी को नमस्कार किया, जिसने कहा, "जल्दी चले जाइये!" सेना में उसका सर्वोत्तम मित्र पश्चिम का एक निवासी था और बेनी किसी स्थान अथवा लोगों के सम्बन्ध में जिस बात को पसन्द करता था, उसे वह ग्रहण कर लेता था। कोलोरेडो को प्रतिध्वनित करने वाला विदाई का वह स्वर उनके पीछे-पीछे बाहर लेक्सिंगटन एवेन्यू तक गया।

रोना मुस्करा रही थी। "पाल," उसने कहा, "आज रात तुमने मेरे लिए बहुत कुछ किया है। धन्यवाद।"

उनके पीछे, लगभग तीस कदमों की दूरी पर एक नवयुवक व्यक्ति, जिसने एक आडम्बरहीन नीला सूट और भूरा फेल्ट हैट पहन रखा था, उसी दिशा की ओर जाता हुआ प्रतीत हुआ, जिस दिशा में वे जा रहे थे।

*

भाग–३

समन्वय

अध्याय १८

बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार—नमित आकाश, उच्चतम भवनों के शिखरों को चारों ओर से आच्छादित करनेवाले मेघों के दिन, वसन्त ऋतु के दिन, जो शीत ऋतु के दिनों में परिणत हो गये प्रतीत होते थे। प्रत्येक व्यक्ति कहता था, ये दिन निराशाजनक हैं।

ये दिन निराशाजनक हैं, रोना ने स्वीकार किया। बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार—इस सप्ताह सभी दिन एक समान थे, सब दिन एक प्रकार के थे और स्काट की ओर से कोई समाचार नहीं प्राप्त हुआ था। ये दिन सोने और उठने और खाने और काम करने के, विनम्र, साफ-सुथरा, व्यवस्थित रहने, मुस्कराने और सुनने और समस्त चिन्ताओं को छिपाने के दिन थे।

क्योंकि 'ट्रेण्ड' के कार्यालय में किसी प्रकार यह समाचार पहुँच गया था कि रोना मेटफोर्ड ने अपनी सगाई तोड़ दी है। समस्त रहस्यमय समाचारों की भाँति इस बात को काई नहीं जानता था कि इसका प्रारम्भ किसने किया था। किन्तु यह विश्वासयोग्य प्रतीत होता था : रोना एट्टली की अँगूठी नहीं पहन रही थी; वह अत्यधिक लगन के साथ काम कर रही थी और पाल हैन ने उससे बचकर रहना बन्द कर दिया था।

मृदु और उदार-हृदया श्रीमती हरशी को नहीं मालूम था कि इसे क्या समझा जाना चाहिए। उन्होंने चिन्तापूर्वक सोचा कि रोना की आयु अधिक होती जा रही है : २६ वर्ष, अब सत्ताइसवाँ चल रहा है। और सत्ताइस वर्ष की स्त्रियाँ, यद्यपि आजकल वे बीस वर्ष की उम्रवाली लड़कियों के समान ही नवयुवती दिखायी देती हैं, फिर भी सत्ताइस वर्ष की स्त्रियाँ ही होती हैं, जो इस स्थिति में नहीं होती हैं कि एक दूसरी सगाई तोड़ सकें।

"और वह भी इतनी दीर्घकालीन सगाई!" कुमारी गट्टमैन ने कहा।

रोना को प्रसन्न रखने के लिए उन्होंने अपने को परेशान करनेवाली समस्याओं को लेकर उसके पास जाना पुनः प्रारम्भ कर दिया। उनकी वर्त्तमान समस्या एक जलपान कक्ष से सम्बन्धित थी। "आपके मतानुसार यह किस प्रकार का होना चाहिए?" उन्होंने रोना से पूछा। और रोना ने, जिसके मन में पहले यह भावना उत्पन्न हुई थी कि कह दे कि "मैं कुछ नहीं जानती" सच बात कहने को रोक दिया और इसके बजाय उसने कहा कि सम्प्रति मैं संगमरमर के चित्र-युक्त फर्शों और रोमन फौव्वारों के अतिरिक्त और कुछ भी सोचने की मनः स्थिति में नहीं हूँ।

"वह इससे बहुत दुखी है, बेचारी!" कुमारी गट्टमैन ने श्रीमती हरशी के समक्ष प्रतिवेदित किया, "इस बात की कल्पना तो कीजिये कि आपने अपने जीवन के तीन वर्ष एक पुरुष को प्रदान किये और तत्पश्चात् उसने आपका परित्याग कर दिया।" इसके परिणामस्वरूप टाइपिस्टों के कार्यालय और हाथ-मुँह धोने के कमरे में पुरुषों की अयोग्यताओं के सम्बन्ध में एक लम्बा वाद-विवाद प्रारम्भ हो गया। किन्तु सहमति व्यक्त करने वाली प्रत्येक लड़की निजी तौर पर अपने आपको इस बात के लिए बधाई दे रही थी कि उसका पुरुष, अवश्य ही, उस प्रकार का नहीं था।

स्थापत्य-कला-विभाग में हैरी जिमसन ने कहा, "कहो, फिल, ऐसा दिखायी देता है कि रोना हमें छोड़ कर नही जा रही है। इस प्रकार तुम्हारा पदोन्नति का अवसर समाप्त हो जाता है।" फिल आरनिम ने, जिसने स्वयं इस बात पर विचार किया था—एक परिवार के भरण-पोषण का उत्तरदायित्व रखनेवाला कौन व्यक्ति नहीं विचार करेगा?—केवल इतना ही उत्तर दिया, "उसके लिए बड़ी कठोर बात है।" और वह अपना काम करने लगा।

जिमसन अपनी पत्नी, अपनी सुनहरे बालोंवाली रखैल और अपने ऋणों के सम्बन्ध में सोच रहा था। "जरा सोचो तो कि यहाँ भविष्य के लिए कोई अधिक सम्भावना नहीं है!" उसने कहा। ये चुड़ैल औरतें—या तो वे पुरुषों से काम ले लेती हैं या वे जितना धन कमाती हैं, वह सारा का सारा धन ले लेती हैं। वे सभी लेनेवाली ही होती हैं। "जरा सोचो तो कि मैं किसी दिन चला जाऊँगा और सान फ्रासिस्को में प्रयत्न करूँगा।" उसने खिन्नतापूर्वक पुनः कहा। उसे केवल एक नये काम की आवश्यकता थी। वह इसके सम्बन्ध में जितना अधिक सोचता था, इस विचार को वह उतना ही अधिक पसन्द करता था; वह इसे इतना अधिक पसन्द करता था कि वह अपने तर्क-वितर्क में और

आगे नहीं बढ़ा। यहाँ तक कि वह तर्क के दूसरे चरण में भी कभी नहीं पहुँचा। यदि पराजय की पुनरावृत्ति को रोकना हो, तो नया व्यक्ति उतना ही आवश्यक होता है, जितना कि नया काम। "सान फ्रांसिस्को," उसने पुनः कहा, "वही स्थान है। सभ्य। न्यूयार्क में हम मशीनों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है।" उसने क्रोधपूर्वक रोना के कमरे की दिशा में, जहाँ वह कठोर परिश्रम कर रही थी, देखा। उसकी चिन्ताओं से वह परेशान नहीं प्रतीत हुआ। एक दूसरी मशीन मात्र। औरतों में वास्तविक भावनाएँ नहीं होतीं।

आरनिम ने कहा, "अधिक अच्छा होगा कि अपना काम आगे बढ़ाओ, हैरी, नहीं तो वह बूढ़ा बरनेट तुम्हारे सिर पर सवार हो जायेगा।"

हैरी जिमसन ने सिर हिलाया, उसने एक दूसरी सिगरेट जलायी और सर्द, गीले संसार के विरुद्ध बड़बड़ाने लगा। न्यूयार्क में मौसम तक नारकीय हो गया था। इतना अधिक चिन्तित होने पर कोई व्यक्ति आखिर किस प्रकार कार्य कर सकता है? स्त्रियाँ सभी धरातल पर होती हैं, वे सभी स्वभावतः बहानेबाज होती हैं। उसने पुनः रोना के कमरे की ओर देखा। वे काम करने का अच्छा अभिनय करती हैं। अथवा प्रेम करने का। उसने अपनी सिगरेट फेंक दी, एक दूसरी सिगरेट जलायी, अपनी पेंसिल उठायी और अपनी रखैल के सम्बन्ध में सोचने लगा। क्या वह वास्तव में उसकी पत्नी के पास जाना चाहती थी? क्या वह ऐसा चाहती थी? अथवा क्या वह भी अभिनय का ही एक भाग था?

किन्तु रोना का काम बहाना नही था। यह एक आवश्यकता थी, स्वयं अपने बारे में सोचने से उसे दूर रखने के लिए एक आवश्यकता।

स्काट ने मंगलवार की रात को उसे अन्तिम बार देखा था, जब वह अपने निश्चित उत्तर के रूप में ब्राउनली के साथ एक टैक्सी में सवार हो गयी थी। जब बुधवार बीत गया, गुरुवार बीत गया और शुक्रवार प्रायः समाप्त होने को आ गया, तब उसने अपने आप से कहा कि मैं यही चाहती थी। किन्तु स्काट के सम्बन्ध में सोचने, स्काट की प्रतीक्षा करने तथा टेलिफोन की प्रत्येक घण्टी को इस बढ़ती हुई आशा के साथ कि उसके स्वर का उत्तर स्काट का स्वर देगा, सुनने की आदत को समाप्त कर देना कठिन था। अतः उसने अपने को काम में डुबा देने का प्रयास किया। यह कार्य सरल नहीं था। उसके मस्तिष्क में कम से कम दो उपधाराएँ प्रवाहित हो रही थीं, जो ऊपर आने के लिए एक दूसरे से संघर्ष कर रही थीं। उसका क्रोध समाप्त हो चुका था। इसी प्रकार उसका आहत अभिमान भी समाप्त हो चुका था। किन्तु उसके पास सहानुभूति, खेद,

आकांक्षा, विरक्ति और पुनः प्रेम के रूप में परिणत हो जाने वाली क्षणिक अरुचि शेष रह गयी थी। उसके पास विचित्र रूप से मिश्रित स्मृतियाँ शेष रह गयी थीं, उसके पास यह भावना शेष रह गयी थी कि यह सब मूर्खतापूर्ण, अनावश्यक और उपेक्षणीय था, उसके पास यह अनुभूति शेष रह गयी थी कि यह सब परिहार्य था।

वह अपने आप से कहती कि दोष मेरा ही है....वह सोचती कि नहीं, दोष मेरा नहीं है। किन्तु दोष किसका है? क्या दोष स्काट का है? फिर दोष किसका हो सकता है।

और वह पुनः काम में जुट जाती, जिस से वह किसी ऐसी वस्तु के सम्बन्ध में सोचने लगे, जिसका स्काट से अथवा स्वयं उस से कोई सम्बन्ध न हो; जिससे वह किसी ऐसी व्यावहारिक और आवश्यक वस्तु के सम्बन्ध में सोचने लगे, जो उसके मस्तिष्क की पीड़ा को समाप्त कर देने के लिए पर्याप्त हो। किन्तु यह कार्य सरल नहीं था।

यदि स्काट उससे मिलने के लिए आया होता, यदि स्काट ने उसको बुलाया होता तो क्या होता? हां, सम्भवतः वह इस बात के अतिरिक्त प्रत्येक बात को भूल गयी होती कि वह अभी तक उससे प्रेम करती है। क्योंकि वह उस बात को नहीं भूल सकती थी। और अधिकांश स्त्रियों की भाँति, अपने आपको यह बता चुकने के बाद कि उसका निर्णय हो गया है और अच्छी तरह से हो गया है, अब वह कभी-कभी आश्चर्य करने लगती थी कि क्या उसने सही निर्णय किया है। किन्तु यह प्रश्न किसी दूकान में वापस जाने और एक निर्लिप्त विक्रेता लड़की से यह कहने का नहीं था कि आखिर रंग उपयुक्त नही है। यह जीवन की एक पद्धति है। इसके सम्बन्ध में एक बार निर्णय कर लेने पर उसे इतनी सरलता के साथ पलटा नहीं जा सकता।

वह सोचती कि मैंने बहुत जल्दी की, मैं अत्यधिक क्रुद्ध, अत्यधिक निर्मम हो गयी थी।

अथवा क्या मैं अत्यधिक मन्द हो गयी थी? क्या मुझे एक वर्ष पूर्व ही अपने जीवनों के स्वरूप को देख लेना चाहिए था? गत ग्रीष्म ऋतु में यह अपेक्षाकृत अधिक सरलता कार्य होता, यदि मैं स्काट के साथ कभी मेक्सिको गयी ही नहीं होती; यदि मैंने उसकी अँगूठी को स्वीकार कर अपने विवाह के सम्बन्ध में योजनाएं बनाना प्रारम्भ न किया होता, तो यह अपेक्षाकृत अधिक सरल होता। क्रिसमस के अवसर पर, जब विवाह स्थगित हो गया, तब मैं चिन्तित हो गयी

थीं; ईस्टर के अवसर पर, जब हम इसके सम्बन्ध में बात करने से भी बचते थे, तब मैं भयभीत हो गयी थी; जब केवल कुछ सप्ताह पूर्व यह इतने आकस्मिक रूप से तै हो गया, तब मैं अत्यधिक प्रसन्न हो गयी थी। मैंने अपने आप को बहुत अधिक समझाया कि प्रत्येक बात का बिल्कुल ठीक-ठीक सम्पन्न हो जाना निश्चित था। किन्तु प्रत्येक बात बिल्कुल ठीक-ठीक क्यों नहीं सम्पन्न हो सकी ? और अब, वृत्त के पूर्ण हो जाने पर, वह पुनः उस प्रश्न पर वापस आ गयी थी, जिसका उत्तर वह नहीं दे सकती थी। उसे कोई वास्तविक स्पष्टीकरण नहीं मिल रहा था, वह अपने कार्यों की विवेचना नहीं कर पा रही थी; क्योंकि वे तर्क की अपेक्षा अधिक गहरी किसी वस्तु से निस्सृत हुए थे।

वह सोचती कि यह एक भयानक बहाना है। और तब वह अपनी निराशा का परित्याग कर देती और काम करने में तल्लीन हो जाती। यहाँ, कम से कम, एक ऐसा जगत् है जो समझ में आने योग्य है। यहाँ, कम से कम, तुम कार्य और कारण को देख सकती हो।

स्काट एट्टली अपने निजी भावनात्मक संघर्ष से होकर गुजर रहा था, किन्तु वह अपेक्षाकृत कम जटिल था; क्योंकि वह अपनी कटुता को रोना और पाल हैन के ऊपर केन्द्रित कर सकता था। वह जितने क्रोध का अनुभव करता, उसका कुछ अंश निकोलस ओरपेन के लिए था; केवल वह उसका दमन कर देता, उसे मौन कर देता और उसे एक ओर कर देता। ओरपेन के निर्णय सही थे। उन्हें सही होना ही था; उनमें सन्देह करने से कोई लाभ नहीं था। फिर भी, ओरपेन की गलती के कारण ही वह रोना को खो बैठा है। क्योंकि ओरपेन ने महीनों तक हस्तक्षेप किया था और किस उद्देश्य से ? जहाँ तक समिति की इच्छाओं का पता चला है, उससे कोई उद्देश्य नही सिद्ध हुआ था। उन्होंने ओरपेन के निर्णय को रद्द कर दिया था। किन्तु उस समय तक रोना का संदेह जागृत हो गया था। उसे ज्ञात हो गया था कि उनके विवाह के लिए संकट उपस्थित हो गया है। अथवा क्या उसे ज्ञात हो गया था ? क्या रोना ने उन विगत महीनों में उनके समस्त मतभेदों का उपयोग अपने अनुकूल एक बहाने के रूप में नहीं किया था ? और हैन ? और इस प्रकार एट्टली ने अधिकांश दोष हैन के मत्थे मढ़ दिया। और रोना, रोना ने उसके साथ विश्वासघात किया है। जब उसे उसकी आवश्यकता थी, तब वह उसे छोड़कर चली गयी थी। और मंगलवार की शाम को पाँचवी एवेन्यू पर घटित हुई उस घटना में, जब वह रोना के कार्यालय के बाहर उसकी प्रतीक्षा कर रहा था और उसने उसे

एक अपरिचित व्यक्ति के साथ जाते हुए देखा, जब कि हैन ने उसे उसका पीछा करने से रोक दिया था—हाँ, उसने उसे मूर्ख बनाया था।

वह अन्तिम अवसर ही था, जब रोना उसे मूर्ख बना गयी। अब कोई स्त्री कभी उसे मूर्ख नहीं बना सकेगी। उसके पास उसका काम था। अब से वह केवल उसी के बारे में सोचा करेगा। ओरपेन को इससे प्रसन्नता होगी, उसने कटुतापूर्वक सोचा।

ओरपेन....किस प्रकार प्रत्येक बात ओरपेन की योजना के अनुसार ही हुई थी ? उसने इसकी योजना नही बनायी थी—यह असम्भव था, एक मूर्खतापूर्ण विचार था। फिर भी यह बात हो गयी। ओरपेन ने सदा ही रोना के विरुद्ध द्वेष-भाव रखा, यह संपूर्ण सत्य था। ओरपेन के विरोध और हस्तक्षेप का यही कारण था। उसके अन्य सभी स्पष्टीकरण बहाने मात्र थे। किन्तु यदि रोना वफादार होती, यदि रोना ने विश्वासघात करने की कोई योजना नहीं बनायी होती, तो किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। नहीं, ऐसी दुर्बलता रोना में ही थी। अतः ओरपेन को क्यों दोष दिया जाये ?

वह पीड़ा और क्रोध के साथ सोचने लगा कि इस बात की कल्पना कौन कर सकता था कि रोना मेरे साथ ऐसा कर सकती है ?

उसने सोचा कि मैं रोना को अपने जीवन से अलग कर दूंगा, मुझमें ऐसा करने के लिए पर्याप्त शक्ति है। अब यह क्षण वह क्षण है, जब भूतकाल विस्मृत हो गया है। वह सब कुछ समाप्त हो गया है—समस्त गलतियाँ, कटुता, आत्म-पीड़न, भ्रातियाँ। यह वह क्षण है, जहाँ से भविष्य का प्रारम्भ होगा। और भविष्य वैसा ही होगा, जैसा मैं उसे बनाऊँगा। अब मैं उसी के सम्बन्ध में सोचंगा।

अध्याय–१६

शुक्रवार को प्रातःकाल ओरपेन ने स्काट एट्टली को टेलिफोन किया। "आज रात मुझे थियेटर में स्थान नही प्राप्त हो सका।" उसने कहा।

एट्टली ने कहा, "बहुत बुरा हुआ।" तो, उस दिन संध्या को थेल्मा के निवास-स्थान पर जिस बैठक का आयोजन किया गया था, वह अब नहीं होगी। यह बात तनिक भी आश्चर्यजनक नहीं थी। विगत दो दिनों से समाचारपत्रों

में चार्ल्स की आत्महत्या के सम्बन्ध में बहुत अधिक प्रतिकूल प्रचार किया जा रहा था। "फिर भी मैं गपशप करने के लिए आ जाऊँगा।" उसने सुझाव दिया। एट्टली ने सोचा कि बैठक कहीं न कहीं अवश्य होगी। वह अवश्य होगी। उसके पिता के सम्बन्ध में उसका समाचार इतना अधिक महत्वपूर्ण था कि उसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती थी। "अवश्य आ जाओ।" ओरपेन ने कहा। किंतु उसके स्वर में वह उत्साह तनिक भी नहीं था, जिसकी आशा एट्टली ने की थी। वह क्लान्त प्रतीत हुआ, वह ऐसा प्रतीत हुआ, मानो उसकी रुचि तनिक भी न हो। और तब ओरपेन ने और अधिक वार्तालाप की प्रतीक्षा न करके टेलिफोन रख दिया। एट्टली रिसीवर को अपने कान से लगाये ही रह गया, उसका अगला वाक्य रिक्तता में बोला गया।

गड़बड़ी क्या है ? वह सोचने लगा। हो सकता है कि ओरपेन उदास हो, किन्तु जब वह उदास होता है, तब भी आप उससे थोड़े-से मजेदार, प्रत्यक्षतः अर्थहीन वाक्यों को सुनने का भरोसा सदा ही कर सकते हैं। ओरपेन को षड्यन्त्रकारी का अभिनय करने में, यहा तक कि किसी उत्सुक टेलिफोन-आपरेटर को भ्रम में रखने में भी, आनन्द प्राप्त होता है।

एट्टली ने विचार-मग्न होकर रिसीवर को रख दिया। ओरपेन केवल उदास ही नहीं था, वह चिन्ताग्रस्त भी है। "गड़बड़ी क्या था ?" एट्टली ने बड़बड़ाते हुए जोर से पूछा।

और उस दिन शाम को पांच बजे के ठीक बाद, जब वह उसके निवास-स्थान पर पहुँचा, तब उसने ओरपेन से यही पहला प्रश्न किया।

भूरे रंग का कुहरा अचानक समाप्त हो गया था। आकाश नीले रंग का दिखायी दे रहा था, न्यूयार्क का ऊँचा नीला आकाश, जिससे यह संकेत प्राप्त होता था कि सूर्यास्त स्वच्छ होगा और कल वर्षा नहीं होगी। इस समय ओरपेन की गली व्यस्त थी। गोदामों में अन्तिम डिलीवरी ट्रकें लादी जा रही थीं, गैरेज व्यवसाय के लिए खुले हुए थे, मोड़पर खड़ी की गयी कारों की बगल में बालक रोलर स्केटों और स्किपिंग रस्सियों के साथ खेल रहे थे। कुछ बालक दक्षता-पूर्वक और विश्वासपूर्वक कारों को बचाते हुए एक गेंद को इधर-उधर फेंक रहे रहे थे। एक ओर चमकीला सूती वस्त्र पहने हुए एक स्त्री खिड़की पर अपनी केहुनियों को टिका कर खड़ी थी। वह अपनी मुड़ी हुई बांहों से अपने मोटे और लटियाये हुए फीके बालों को सहला रही थी और काम पर से लौटने वाले एक व्यक्ति के साथ बातें कर रही थी।

ओरपेन के घर के बाहर एक टूटी हुई बच्चा-गाड़ी खड़ी थी। दो नव-युवती लड़कियाँ उसके गुलाबी रंग के ऊन के बण्डल को हिला रही थीं और अपने प्रेमियों के सम्बन्ध में बात कर रही थीं। वे लिपस्टिक लगाये हुए थीं, लम्बे-चौड़े स्कर्ट पहने हुई थीं, जिनके किनारे बर्फ के समान सफेद मोजों के ऊपर तक लटके हुए थे। वे नवयुवतियाँ स्काट एट्टली की ओर कनखियों से देखती हुई, प्रच्छन्न रूप से मुस्कराती हुई, एक क्षण के लिए मौन हो गयीं और फिर उन्होंने उसकी उपेक्षा कर दी, किन्तु उनके स्वरों में अधिक तीक्ष्णता और उनकी हँसी में अधिक प्रबलता आ गयी। जब तक उसने घण्टी नहीं बजायी, तब तक वह अल्पकालीन प्रतीक्षा करता रहा और जब तक वह चर-चराते हुए द्वार में प्रविष्ट नही हो गया, तब तक वे उसे देखकर खेलती रहीं। जब वह घर में प्रविष्ट हो गया, तब तक वे उसे देखकर खेलती रहीं। जब वह घर में प्रविष्ट हो गया, तब वे पुनः अपने निजी वार्तालाप करने लगी। उन्होंने प्रसन्नता और उत्तेजना का अनुभव किया। उसने एक बढ़िया अभिनय की प्रेरणा प्रदान की थी और बेट्टी ग्रेबल तथा लाना टर्नर पुनः मे ओ' नीली एवं फ्रैंसी राथ बन गयी और अपनी सांध्यकालीन तिथियों की प्रतीक्षा करने लगी।

मकान के भीतर एक मजदूर अन्धेरे हाल में घुटनों के बल बैठ कर बिजली के एक टार्च को खुले दुए बहिर्मार्ग पर चमका रहा था। उस व्यक्ति की बगल में औजारों के खुले हुए बाक्स को देखकर स्काट एट्टली ने सोचा कि यह मकान का सुपरिण्टेण्डेण्ट अथवा फुटकर काम करने वाला अथवा सम्भवतः दोनों होगा; किसी बिजली कर्मचारी ने साढ़े चार बजे तक काम बन्द कर दिया होता। तत्पश्चात् एट्टली ने जल्दी से अपना मुँह बगल में फेर लिया, मानों दीवार में लगा हुआ टेलिफोन बाक्स अधिक रोचक हो और वह तीव्र गति से सीढ़ियों पर चढ़ने लगा। उसने इस मकान में पहले कभी किसी सुपरिण्टेण्डेण्ट को नहीं देखा था। किन्तु तब, वह सामान्यतः काफी रात गये आया करता था, जब वह सोया होता अथवा नीचे अपने कमरे में होता।

ओरपेन की मंजिल पर एट्टली ने पतली 'हैण्डरेल' को देखा और प्रतीक्षा करने लगा। उसे केवल एकदम नीचे स्थित हाल में से आने वाली टार्च की धुँधली रोशनी ही दिखायी दे रही थी। कोई उसका पीछा नही कर रहा था। यह सतर्कता बरतने के कारण उसका मन स्वस्थता का अनुभव करने लगा। उसने ओरपेन के द्वार को अपने अभ्यस्त ढंग से खटखटाया और प्रवेश करने का प्रयत्न करने लगा। किन्तु आज उसकी तैयारी में द्वार का ताला खुला हुआ नहीं

था। उसने ओरपेन को मन्द स्वर में पूछते हुए सुना—"कौन है ?"

"स्काट !" उसने अपने स्वर को भी उतना ही मन्द बनाते हुए कहा। तत्पश्चात् द्वार का ताला खोल दिया गया। उसने परेशानी के साथ और आश्चर्यचकित होकर प्रवेश किया।

यदि वह सुपरिण्टेण्डेण्ट को निश्चल, अपनी एड़ियों के बल बैठा हुआ, टार्च की रोशनी को दीवार में लगे खुले हुए तारों पर फेंकता हुआ, अपने सिर को बगल में घुमाकर सीढ़ियों पर कदमों की आवाज को सुनता हुआ, सीढ़ियों की संख्या और पार की गयी प्रत्येक मंजिल को गिनते समय मुस्कराता हुआ देख सकता तो सम्भवतः वह और अधिक परेशानी का अनुभव करता। ऊपर द्वार बन्द हो गया। यह ओरपेन का ही द्वार था। सबसे ऊपर की मंजिल पर ओरपेन एक मात्र किरायेदार था।

टार्च को अभी तक दीवार के खुले हुए ताखे की ओर उन्मुख छोड़कर वह व्यक्ति उठ खड़ा हुआ। उसने धीरे से सामने के द्वार को खोला और वहाँ खड़ा हो गया, वह दरवाजे को अपने पैर से अटकाये हुए था और उसने सामने के गैरेज की ओर पूरी नजर से देखते हुए एक सिगरेट जलायी। तत्पश्चात् बच्चा-गाड़ी के पास खड़ी दोनों लड़कियों की ओर देख कर सिर हिलाते हुए वह पीछे मुड़कर हाल में प्रविष्ट हो गया और उसने दरवाजे को धीरे से बन्द हो जाने दिया। उन लड़कियों में से एक ने "ही, जो !" कहा और तत्पश्चात् वह अपने मित्र को समझाने लगी कि जो नया सुपरिण्टेण्डेण्ट है, जिसे मकान-मालिक ने इस मकान को दुरुस्त करने के लिए भेजा है और उसके लिए यही उपयुक्त समय भी था। उक्त व्यक्ति ने तारों के ऊपर लगी हुई रक्षणात्मक प्लेट को पुनः यथास्थान करने के लिए कसना प्रारम्भ कर दिया। उसने सोचा कि कल मुझे उस टूटे हुए पलस्तर को दुरुस्त करना होगा। अथवा सम्भवतः ओरपेन के नीचे रहने वाले किरायेदार को समझाया जा सकता है कि ऊपर नल का काम त्रुटिपूर्ण है।

स्काट एट्टली ने अपने पीछे द्वार को बन्द कर दिया। ओरपेन का कमरा अस्त-व्यस्त था, मानो कई दिनों से उसे साफ न किया गया हो। उसमें हवा की भी आवश्यकता थी। उसकी ऊंची खिड़की से आने वाले तीक्ष्ण प्रकाश में कमरा, जिसमें पढ़ने की बत्ती नहीं थी, जिससे उसकी झुकी हुई छत, टूटे हुए पलस्तर और कालीन पर पड़े हुए दाग में कुछ मुलायमियत आ सके, गन्दा और अत्यन्त पुराना, दोनों दिखायी दे रहा था।

"गड़बड़ी क्या है ?" एट्टली ने तितर-बितर अंगीठी के पास खिन्न मन से खड़े ओरपेन का निरीक्षण करते हुए पूछा।

ओरपेन ने उक्त प्रश्न का कोई उत्तर नही दिया। "तुम जल्दी आ गये।" उसने कहा, "तुम खतरे मोल ले रहे हो।" उसके बेरंग ओठों पर एक क्षणिक मुस्कान दिखायी पड़ी।

"कौन-से खतरे ?" एट्टली मुस्कराया। उसने एक बार पुनः अपने आपको बताया कि ओरपेन को षड्यंत्रकारी का अभिनय करने में आनन्द प्राप्त होता है।

ओरपेन उठा और धीरे-धीरे खिड़की के पास गया। उसकी गतिविधियों में जो तीव्रता थी, वह अब समाप्त हो गयी थी। उनमें उसके स्वर के समान ही थकान थी। वह नीचे सड़क की ओर देखता हुआ, पर्दो के पीछे खड़ा रहा।

स्काट ने धीरे-धीरे स्पष्टीकरण किया—"मैंने सोचा कि मुझे पता लगा लेना चाहिए कि आज रात बैठक कहाँ और कब होने वाली है।"

"तुम उसको न छोड़ने के लिए उत्सुक प्रतीत होते हो!" ओरपेन ने कहा, "यह सराहनीय बात है, अत्यन्त सराहनीय।" वह थोड़ी देर तक हँसता रहा।

स्काट एट्टली ने उसकी पीठ की ओर घूर कर देखा। "गड़बड़ी क्या है ?"

ओरपेन ने पुनः कोई उत्तर नहीं दिया। किन्तु वह मुड़ा और पुनः कमरे के बीच में समाचारपत्रों से लदी हुई मेज के पास आ गया। वह हिचकिचाता हुआ, नीचे की ओर देखता हुआ खड़ा रहा। तब एट्टली ने देखा कि ओरपेन का चेहरा इतना पीला हो गया है, जितना उसने पहले कभी नहीं देखा था तथा उसकी आँखों के नीचे की रेखाएँ गहरी हो गयी थीं।

"बैठक कहां है ?" एट्टली ने हठपूर्वक पूछा।

"बैठक ?" ओरपेन ने दुहराया, मानो उसने बात को केवल आधा ही समझा हो, "वह आठ बजे है। आठ बजे।"

"मैंने पूछा था कि बैठक कहाँ है ?" एट्टली ने ओरपेन की ओर और अधिक निकट से देखा।

"आप आखिरी बार कब सोये थे ?" उसने पूछा। अथवा क्या आप बीमार हैं ?"

"बीमार ?" ओरपेन की अल्पकालीन मुस्कान प्रकट हुई और विलुप्त हो गयी।

"बीमार....हां, यह बात हो सकती है।" वह मेज पर अपनी केहुनियों को टिका कर, अपने सिर को हाथों पर धर कर एक कुर्सी पर बैठ गया।

"परमात्मा के लिए, ओरपेन !" एट्टली ने भयभीत होकर कहना प्रारम्भ किया।

ओरपेन ने धीरे से कहा, "चिन्ता मत करो। मैं बीमार नहीं हूँ।" उसने अपना चश्मा उतार दिया। उसने एक हाथ अपनी भौहों पर, अपनी आँखों पर फेरा और उसे अपने होठों पर रख दिया।

"देखिये," स्काट एट्टली ने, जिसकी आश्वस्तता अब क्रोध के रूप में परिणत हो गयी थी, कहा, "आप अकेले ही कठिनाइयों में नहीं फँसे हुए हैं। क्या आप मेरी खबर को नहीं सुनना चाहते ? क्या आप यह नहीं सुनना चाहते कि क्या होता रहा है ?"

ओरपेन ने अपना सिर ऊपर उठाया, अपने हाथ को मेज पर गिर जाने दिया और नवयुवक व्यक्ति की ओर देखा। अल्पकालीन क्षणिक मुस्कान पुनः प्रकट हुई, यह एक ऐसी मुस्कान थी, जिसमें कोई आनंद नहीं था, अपितु जिसमें बहुत अधिक वेदना थी—स्काट एट्टली को ऐसा ही प्रतीत हुआ।

"रोना ने मेरा परित्याग कर दिया है !" स्काट ने कहा। ओरपेन का सामना करने में असमर्थ होकर उसने मुँह फेर लिया। "क्या इससे आपको प्रसन्नता नहीं होती ?"

कुछ समय तक मौन व्याप्त रहा। "मुझे खेद है !" ओरपेन ने अंततः कहा।

"खेद है ?" एट्टली का क्रोध फूट पड़ा, "आपको खेद है ? आपने प्रारम्भ से ही प्रत्येक वस्तु को यथासम्भव अधिक से अधिक कठिन बना दिया। संकट का प्रारम्भ करनेवाले आप ही हैं।"

"मैं ?" निकोलस ओरपेन का स्वर प्रायः अस्पष्ट था, "स्काट, क्या तुम इस बात को इसी रूप में देखते हो ? क्या तुमने स्वयं संकट नहीं प्रारम्भ किया था ?" उसने क्लान्तिपूर्वक अपने हाथ को पुनः अपनी आँखों पर रख दिया और तत्पश्चात् अपना चश्मा लगा लिया।

स्काट मुड़ा और ज्येष्ठतर व्यक्ति की ओर घूरकर देखने लगा।

"तुम अपनी वफादारी को विभक्त नहीं कर सकते।" ओरपेन ने कहना जारी रखा, "यदि तुम परामर्श के लिए आये हो, तो मेरा कथन यह है कि तुम दो काम कर सकते हो। और केवल दो काम। पहला काम तो यह है कि तुम स्वयं को अपने काम के लिए समर्पित कर दो, अपनी समस्त आज्ञाकारिता

पार्टी को प्रदान करो और इस बात से प्रसन्न हो कि रोना को तुम्हारे साथ संबंध-विच्छेद करने की प्रेरणा मिली। दूसरा काम यह है कि तुम रोना के पास वापस जा सकते हो, उसे प्रत्येक बात बता सकते हो, उससे अपने साथ रहने के लिए कह सकते हो और पार्टी के प्रति अपनी वफादारी का परित्याग कर सकते हो। यह निर्णय करना तुम्हारा काम है।"

"ओरपेन—क्या आप—?"

"नहीं, मैं पागल नहीं हो गया हूँ। तुम्हारे सामने केवल यही विकल्प है।'

"परित्याग कर दूँ अपनी.....?" स्काट प्रश्न को पूरा नहीं कर सका।

कमरे में काफी देर तक मौन व्याप्त रहा। बाहर से सड़क पर खेलनेवाले बच्चों के चिल्लाने की आवाजें, एक गोदाम से बाहर निकलनेवाली एक ट्रक के जोरदार गर्जन की आवाज, एक गैरेज में प्रवेश करनेवाली एक कार के चेतावनी-सूचक भोंपू की आवाज आ रही थी।

स्काट ने कहा, "क्या आप यह महसूस करते हैं कि आपने अभी-अभी क्या सुझाव दिया है?"

ओरपेन ने सिर हिलाया, "हाँ, मैं जानता हूँ।"

स्काट ने एक गहरी साँस ली। उसने सोचा कि ओरपेन मेरे समक्ष यह प्रमाणित कर रहा है कि यह अन्तिम परीक्षा है। "मैं पार्टी को नहीं छोड़ूँगा।" उसने साफ-साफ कहा। "वह मेरी अपेक्षा, अथवा आपकी अपेक्षा अथवा रोना की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है।"

ओरपेन अपने हाथों को निराशापूर्वक ऊपर उठाता हुआ उठ खड़ा हुआ। वह पुनः खिड़की के पास चला गया और पर्दों के पीछे छिपकर वहाँ खड़ा रहा तथा सड़क पर खेलते हुए बालकों की ओर देखने लगा। उसने अभिव्यक्ति-विहीन और स्पष्ट स्वर में कहा—"अभी पार्टी से सम्बंध-विच्छेद कर लेना तुम्हारे लिए अपेक्षाकृत अधिक सरल होगा। बाद में, यदि तुम्हारे मन में सन्देह उत्पन्न हुए—बाद में, यदि तुम्हें पता लगा कि तुम्हारी आत्मा तुम्हें आगे बढ़ने देने से इनकार कर रही है, तो यह सब नरक-तुल्य हो जायगा। एक अनन्त और पीड़ादायक नरक के तुल्य। तुम जितनी अधिक गहराई तक फँसते जाओगे और तुम जितनी ही अधिक बातों को जानोगे—पार्टी को छोड़ना उतना ही अधिक खतरनाक होगा। तुम इस बात को समझते हो, क्यों, नहीं समझते हो?"

एट्टली मुस्कारायी। "किन्तु मैं नहीं समझता कि कभी मेरे समक्ष पार्टी

का परित्याग करने की स्थित उपस्ति होगी।" उसने ओरपेन की पीठ की ओर देखा, और उसने लटकते हुए कन्धों, झुके हुए सिर द्वारा अकस्मात् निराशा की एक स्वीकारोक्ति को लक्ष्य किया। उसने प्रायः पराजय की स्वीकारोक्ति को लक्ष्य किया। "ओरपेन," उसने तीक्ष्णता पूर्वक पूछा, "बताते क्यों नहीं कि गड़बड़ी क्या है?" उसके स्वर में वास्तविक चिन्ता थी। वह चिन्तापूर्वक सोचने लगा कि क्या हम लोग संकट में फँस नये है? किन्तु किस प्रकार? प्रत्येक बात इतनी आसानी से, इतनी अच्छी तरह से होती जा रही थी।

ओरपेन मेज के पास वापस आ गया। उसने तीक्ष्ण दृष्टि से स्काट एट्टली की ओर देखा, उसने देर तक और सावधानीपूर्वक देखा और उसे कनिष्ठ व्यक्ति की आँखों में सहानुभूति एवं चिन्ता के दर्शन हुए। उसके हाथों ने एट्टली के कन्धे को पकड़ लिया। तत्पश्चात् उसने मेज पर से एक समाचार-पत्र उठाया, जिसमें पैराग्रफों पर नीली पेंसिल से निशान लगाये हुए थे और उसने चुपचाप उसे एट्टली को थमा दिया।

"मैंने इसे दो दिन पहले ही देख लिया था।" एट्टली ने जेकोस्लोवाकिया में प्रमुख कम्यूनिस्टों की गिरफ्तारी और उनके विरुद्ध चलाये जानेवाले मुकदमों के विवरण को शीघ्रतापूर्दक देखते हुए कहा, "क्यों, मेरा ख्याल है कि उन्होंने जैसा किया, वे उसी का फल भुगत रहे है।" वह सोच रहा था, वे देशद्रोही हैं, देशद्रोही और पथभ्रष्ट।

"सच? क्या यही बात है?" ओरपेन ने समाचारपत्र वापस ले लिया और उसे सावधानी के साथ मेज पर रख दिया। ऐसा प्रतीत हुआ कि वह इसके सम्बन्ध में भूल गया था; क्योंकि उसका स्वर अपेक्षाकृत अधिक सामान्य हो गया और जब उसने विषय-परिवर्तन किया, तब उसके ओठों पर मुस्कराहट थी। "स्काट, क्या तुम्हें जैक नामक उस व्यक्ति की याद है, जो हाल में ही यहाँ आया था?"

"क्यों, हाँ!" स्काट एट्टली को आश्चर्य हुआ। अभी एक महीना भी व्यतीत नहीं हुआ था, जब जैक यूरोप के लिए विमान द्वारा प्रस्थान करने से पूर्व, अन्तिम बार ओरपेन के कमरे पर आया था। उसने युद्ध-काल में फ्रांसीसी भूमिगत आन्दोलन में कम्यूनिस्ट घटकों का संगठन करने से सम्बन्धित अपने अनुभवों के बारे में बहुत कुछ बताया था। एट्टली को याद था कि यह वही रात थी, जब उसने रोना को उसकी बहिन के घर पर फोन किया था—जिस रात पाल वहाँ गया था और उसने रोना को घर पहुँचाया था—जिस रात से रोना

के विश्वासघात का सूत्रपात हुआ था। "हाँ, मुझे वह रात अच्छी तरह से याद है।" उसने कहा। तत्पश्चात् अपने को बलपूर्वक रोना के विचारों से दूर करते हुए उसने पुनः कहा, "क्या जैक सुरक्षित रूप से फ्रांस पहुंच गया ?"

"वह सुरक्षित रूप से पहुंच गया। फ्रांस नहीं। उसे केवल युद्ध-काल में फ्रांस में नियुक्त किया गया था।"

"मैं सोचता था कि वह फ्रासीसी था।" स्काट के स्वर में एक विस्मय, अविश्वास का एक पुट था। ओरपेन ने विनोदपूर्वक लक्ष्य किया कि उसमें संशोधन का भी एक पुट था। नवयुवक व्यक्ति सदा ही बहुत कुछ जानते है।

"वह फ्रासीसी नहीं है। वह उसका आवरण मात्र है।"

"कुशलतापूर्ण।"

"हां। तुम उसके सम्बन्ध में क्या सोचते थे ?"

"वह मुझे बिल्कुल ठीक प्रतीत हुआ। बहुत ही अधिक ठीक।"

ओरपेन ने सिर हिलाया। तत्पश्चात् उसने कहा—"वह सम्भवतः मेरा सर्वोत्तम मित्र है। जब मैं यूरोप की यात्रा पर था, तब मैं उसके घनिष्ट सम्पर्क में काम किया करता था। मैने उससे बहुत अधिक बातें की हैं। वह एक अच्छा आदमी हैं, एक ठोस आदमी है।"

जर्मन आधिपत्य के सम्बन्ध में जैक की कहानी को याद करते हुए एट्टली ने कहा—"बहुत अधिक साहसी। वह दीर्घकाल से एक योद्धा रहा है। क्या उसने स्पेन में नही काम किया था ?"

"वह उससे भी पहले से काम करता रहा है। उसने १९१६ में स्विट्जरलैण्ड में लेनिन के साथ काम प्रारम्भ किया था।"

"उस प्रकार का परिचय रखना अवश्य ही कोई बात होगी।" एट्टली ने आधी प्रशंसा के साथ, आधी ईर्ष्या के साथ कहा। हां, वह एक गर्व करने की बात थी।

"हां" आरपेन ने शांतिपूर्वक कहा। तत्पश्चात् उसने जेकोस्लोवाकिया में अभियुक्त बनाये गये कम्यूनिस्टों के नामों में से एक नाम की ओर संकेत किया। "यह रहा वह !" एट्टली ने उसकी ओर इस प्रकार घूर कर देखा, मानो ओरपेन अचानक पागल हो गया हो।

"यह रहा वह !" आरपेन ने पुनः कहा, "अब वे कहते हैं कि उसे नाजियों से वेतन मिलता था। अब वे कहते हैं कि वह एक अमरीकी जासूस है। वह रहा जैक—एक ऐसा व्यक्ति, जिसने अपने जीवन के चौंतीस वर्ष पार्टी के लिए

समर्पित कर दिये थे, जिनमें से पांच वर्ष कारागार में, अठारह महीने एक जर्मन नजरबन्दी शिविर में बिताये गये थे—एक ऐसा व्यक्ति, जिसने जेकोस्लोवाकिया को एक कम्यूनिस्ट राज्य बनाने में सहायता प्रदान की थी।"

"क्या वह 'चेक' है?" सर्वप्रथम एट्टली केवल इतना ही कह सका। उसने जैक के विरुद्ध लगाये अभियोगों को पुनः पढ़ा। "मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता।" उसने धीरे से कहा, "क्यों, वह अभी केवल तीन या चार सप्ताह पहले ही इस कमरे में उपस्थित था।" वह अपनी आधी उम्र के व्यक्ति के समान उत्साह के साथ बात और तर्क-वितर्क कर रहा था। तत्पश्चात् एट्टली की समझ में आने लगा कि गड़बड़ी क्या है। उसने अकस्मात् ओरपेन की ओर देखा। "यह बात आपके लिए सुखद नहीं हो सकती," उसने सहानुभूति पूर्वक कहा, "किन्तु निश्चय ही आप को इस बात के लिए दोष नहीं दिया जा सकता कि आप जैक द्वारा धोखा खा गये। हम सभी धोखा खा गये हैं। जासूस अत्यन्त सतर्क रहने वाले संगठन में भी प्रवेश कर सकते हैं। हम इस बात को जानते हैं।"

"क्या तुम सोचते हो कि मुझे इसी बात से चिन्ता हो रही है?" ओरपेन के स्वर में प्रायः घृणा भरी हुई थी।

"फिर और क्या बात है?" स्काट ने पूछा। यह एकमात्र सम्भाव्य स्पष्टीकरण था। किन्तु ओरपेन इस बात को अत्यन्त गम्भीरतापूर्वक ग्रहण कर रहा था। आखिरकार, उसका स्वयं अपना रेकार्ड त्रुटिहीन था; उसने अपने हिस्से का संघर्ष किया था और उसने कितने कष्ट सहे थे। तत्पश्चात् स्काट ने, जो अब सान्त्वनादायक स्वर में बोल रहा था, कहा, "और मेरा ख्याल है कि जेकोस्लोवाकिया से आया हुआ हमारा वर्त्तमान अतिथि यहाँ यह पता लगाने के लिए आया है कि जैक ने हमसे कौन-सी सूचना प्राप्त की। किन्तु जैक ने बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुँचाया, है न ऐसी ही बात? मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश बातचीत उसी ने की।"

"क्या तुम सोचते हो कि जैक एक देशद्रोही है?"

"यह तो बिल्कुल स्पष्ट है, नहीं है क्या?"

ओरपेन मुस्कराया। "मैं तुम्हें एक बात सही-सही बता दूँ," उसने सुझाव दिया, "तब शेष बातें अधिक स्पष्ट प्रतीत होने लगेंगी।"

"और मैं किस बात को गलत जानता हूँ?"

"जेकोस्लोवाकिया से आया हुआ हमारा वर्त्तमान अतिथि, जिसे पीटर

कहा जाता है और जिससे तुम लगभग पाँच मिनट तक मिले थे, जेकोस्लोवाकिया का रहनेवाला नहीं है।"

"नहीं ?" और स्काट ने क्रोधपूर्वक सोचा कि कामरेड पीटर चाहे जहां के भी रहने वाले हों, मैं उनके साथ केवल पांच मिनट से अधिक समय तक रहा।

"नहीं। वह उस देश में अभी हाल ही में गया था। वह जांच करने के लिए दौरा कर रहा है। सर्वप्रथम वह हंगरी गया, तत्पश्चात् बल्गेरिया गया, उसके बाद पोलैण्ड और जेकोस्लोवाकिया गया। वह अपने पीछे अभियोगों और मुकदमों के चिह्न छोड़ता जाता है।"

"क्या आप यह संकेत दे रहे हैं कि वह निष्ठाहीनता और अक्षमता का पता लगा रहा है ?"

"अथवा उन व्यक्तियों का, जिन्होंने अपने देश में कम्यूनिज्म के लिए संघर्ष किया है और जो सोचते हैं कि सफल होने पर उन्हें ही अपने देश के शासन-सूत्र का संचालन करना चाहिए।"

"वह यहां क्या करने की आशा कर सकता है ?" एट्टली ने अविश्वास-पूर्वक पूछा।

"वह उन व्यक्तियों को दृष्टि में रख सकता है, जो भविष्य में पथ-भ्रष्ट सिद्ध हो सकते हैं। वे अपने राजनीतिक जीवन में कभी बहुत दूर तक आगे नहीं बढ़ पायेंगे, चाहे वे कम्यूनिस्टों के रूप में जितने भी वफादार और कार्यकुशल क्यों न हों।" ओरपेन का स्वर अचानक मन्द और अत्यन्त निराशापूर्ण हो गया, "क्या तुम्हें मालूम नहीं, स्काट ? एक बार हम जब सत्तारूढ़ हो जायेंगे, तब हममें से उन व्यक्तियों के विरुद्ध जैक के समान ही अभियोग लगाये जायेंगे और उन सभी को देशद्रोही कहा जायेगा, जो विदेशी नियंत्रण से मुक्त होना चाहते हैं।"

स्काट एट्टली ने चिन्ता के साथ कहा—"आप बीमार हैं, ओरपेन; आप नहीं जानते कि आप क्या कह रहे हैं।"

"तो, तुम नहीं सोच सकते कि एक दिन तुम भी जैक बन सकते हो ? यहाँ ऐसी बात नहीं हो सकती ?" ओरपेन हँसने लगा। "हे परमात्मा !" उसने प्रायः उन्माद के साथ कहा। तत्पश्चात् उसने एक गहरी साँस ली। "मेरी ओर उस तरह से मत देखो, एट्टली। मैं देशद्रोही नहीं हूँ। मैंने पार्टी के लिए काम किया है। और मैं उसके प्रति वफादार हूँ। किन्तु क्या सत्तारूढ़ होने पर हमें हमारी पार्टी मिलेगी ?"

"किन्तु अमरीका भिन्न है। यह अधिक बड़ा है और बहुत अधिक दूर है। हम अपने निर्णय स्वयं करते हैं।"

ओरपेन थककर नीचे बैठ गया। "हम कभी एक भी महत्वपूर्ण निर्णय नहीं करते। एक भी नहीं। मैं इस बात को जानता हूँ।"

एट्टली ने अविश्वासपूर्वक उसकी ओर घूर कर देखा। तत्पश्चात् उसने हिचकिचाते हुए, अभियोग लगाने के स्वर में कहा, "हमें उन लोगों की सहायता और अनुभव की आवश्यकता है, जिन्होंने क्रान्ति में नेतृत्व किया था। यह बात तर्क-संगत ही है। आपने वर्षों तक इस बात को स्वीकार किया है। और तब समाचार-पत्र में एक छोटा-सा समाचार प्रकाशित होता है और आप एक—की भाँति बातें करने लगते हैं।" एट्टली शब्द का उच्चारण नहीं कर सका। उसका चेहरा लज्जा से लाल हो गया, उसने अपने कंधे हिलाये, मानो वह अपने को क्षमा कर रहा हो।

किन्तु ओरपेन ने उसके लिए शब्द का उच्चारण कर दिया। "एक देशद्रोही की भाँति ?" उसने धीरे से अपना सिर हिलाया। "मेरी ऐसी स्थिति एक रात में ही नहीं हो गयी, स्काट। यह संघर्ष महीनों से चलता रहा है और मैं इस प्रश्न को बचाने के लिए अपने आपको विवश करता रहा हूँ। पहले हंगरी में शुद्धीकरण हुए, और तत्पश्चात् बल्गेरिया में गिरफ्तारियाँ हुईं...मैं उनमें से भी कुछ व्यक्तियों को जानता हूँ। मैंने अपने आपको समझाया कि उन्होंने मुझे मूर्ख बनाया था। किन्तु अब जैक के विरुद्ध अभियोग लगाये गये हैं। मैं उसे बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ। मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकता!" उसने समाचारपत्र पर घूसे से प्रहार किया। "यदि कोई व्यक्ति मुझे, तुम्हें, हममें से शेष सभी व्यक्तियों को मूर्ख बना रहा है, तो वह व्यक्ति कामरेड पीटर और उसे आदेश देने वाले व्यक्ति हैं। हम क्राति के लिए काम करते हैं, संघर्ष करते हैं और कष्ट उठाते हैं। किन्तु इसमें विजय उन्हें ही प्राप्त होगी।"

स्काट एट्टली बोला नहीं। उसके गालों की लाली समाप्त हो गयी थी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, उसकी आँखों में परेशानी झलक रही थी। तत्पश्चात् उसे वह स्पष्टीकरण मिल गया, जिसकी वह तलाश कर रहा था। पीटर ने ओरपेन के कार्य में कतिपय मूलभूत त्रुटियों का पता लगा लिया था—उदाहरण के लिए थेल्मा के निवास-स्थान से सबंधित निन्दाजनक बातें; इस प्रकार के स्थान पर महत्वपूर्ण बैठकों के आयोजन से पीटर सहमत नहीं होता—

और ओरपेन को अनुशासित किया जा रहा था। ओरपेन अपने सामने पदावनति देख रहा था। और वर्षों तक किये गये अपने काम, एक शहीद होने के अपने गर्व के कारण उसमें कटुता उत्पन्न हो रही थी। वह कटु और खतरनाक बनता जा रहा था।

ओरपेन कह रहा था—"अपनी आंखें खोलो, एट्टली ! तुम जहाँ तक पहुँच गये हो, वहाँ तक पहुँचने में किसने तुम्हारी सहायता की ? क्या तुम सोचते हो कि तुमने अपने ही बल पर ऐसा किया, क्या तुम ऐसा सोचते हो ?"

"मैं कतिपय बातों के लिए आपका ऋणी हूँ," एट्टली ने रुक्षतापूर्वक कहा, "किन्तु मैं प्रत्येक बात के लिए आपका ऋणी नही हूँ। हमें इस बात को साफ-साफ समझ लेना चाहिए !"

"हाँ, हमें इस बात को साफ-साफ समझ लेना चाहिए। यह सच है। तुम प्रत्येक बात के लिए मेरे ऋणी नहीं हो; तुम अधिकांश बातों के लिए अपने पिता के ऋणी हो।"

"क्या ?" एट्टली के ओठ क्रोध के मारे जकड़ गये।

ओरपेन का स्वर धैर्यपूर्ण हो गया। "स्काट, मैं तुमसे यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि तुम मेरी बात को सुनोगे। यदि तुम चाहो, तो इसे आद्यातोपचार कह सकते हो। किन्तु यह सत्य है। तुम प्रत्येक बात के लिए अपने पिता के ऋणी हो। यदि वे एक समाचारपत्र के स्वामी न होते, तो क्या कभी मुझे तुम्हारा विकास इतने पूर्ण रूप से, इतनी सावधानी के साथ करने का आदेश दिया गया होता ? यदि तुम्हारे पिता नलों की मरम्मत करनेवाले अथवा एक औषध-विक्रेता होते, तो आज तुम कहाँ होते ? तुम सार्वजनिक सभाओं में उपस्थित होते रहते, पर्चों का वितरण करते होते, प्रदर्शन-चिह्नों को ढोते होते तथा तुम्हें छोटे-मोटे काम ही करने के लिए दिये जाते। क्या तुम कभी दस वर्षों में कामरेड पीटर से मिल सकते थे ? बीस वर्षों में ? नहीं। तुम हमारे लिए अपनी उपयोगिता के लिए अपने पिता को धन्यवाद दे सकते हो।"

वहाँ मौन व्याप्त हो गया। "आज रात को बैठक कहाँ होने वाली है ?" स्काट एट्टली ने कठोर, रुक्ष स्वर में पूछा।

निकोलस ओरपेन ने उसकी ओर देखा। "यह देखने का अभी समय है कि तुम्हारे साथ क्या होगा।" उसने चेतावनी दी। "छोड़ने का समय अभी है। अभी चिन्ता की कोई भी बात नहीं है।" उसने दुखपूर्वक पुनः कहा।

"पार्टी को छोड़ दूँ ?"

"जब तक वह विदेशी नियंत्रण से सुरक्षित न हो जाये। उस समय तक, हम उसके साथ केवल विश्वासघात कर रहे हैं।"

"आप बीमार नहीं हैं। आप पागल हो गये हैं।"

"नहीं," ओरपेन ने क्लान्तिपूर्वक, प्रायः असहाय-सा होकर कहा, "मैं केवल वस्तुओं के भावी स्वरूप को देख रहा हूँ। स्काट, क्या मैंने तुम्हें कभी कोई बुरी सलाह दी है?"

स्काट ने उसकी ओर देखा और 'मैण्टिलपीस' के पास से, जहाँ वह खड़ा था, दूर हट गया। "हाँ।" उसने शान्तिपूर्वक कहा।

"आह," ओरपेन ने, रोना के सम्बन्ध में भी सोचते हुए, कहा, "किन्तु वह बुरी सलाह नहीं थी, स्काट।" तत्पश्चात् वह उठा। और एक शान्त, गम्भीर स्वर में उसने एट्टली को उस मकान का पता बता दिया, जहाँ बैठक होने वाली थी। इस बार वह पश्चिमी भाग में होने वाली थी।

एट्टली ने अपना हैट उठाया, अस्त-व्यस्त कमरे के चारों ओर देखा और तत्पश्चात् उस सफेद बालों वाले व्यक्ति की ओर मुड़ा, जो इतनी शांति के साथ उसका निरीक्षण करता हुआ खड़ा था। उसकी वेदनामय आँखों में कोई ऐसी चीज थी, जिसने हृदय को स्पर्श कर लिया। उसने अपने आपको यह कहते कहते हुए पाया—"क्या बैठक में आपसे मुलाकात होगी?"

निकोलस ओरपेन ने अस्वीकृति व्यक्त करते हुए धीरे से अपना सिर हिलाया।

"आप क्या करने जा रहे हैं?"

ओरपेन हिचकिचाया, उसने अपनी असहाय अवस्था की अभिव्यक्ति की। "मैं नहीं जानता," उसने निराशापूर्वक कहा, "मैं नहीं जानता।"

सड़क पर गोदामों के द्वारों का बन्द होना प्रारम्भ हो गया था। अन्तिम ट्रकें बाहर निकल गयी थीं। खाली पड़े हुए गैरेज के भयानक, अंधियारे प्रवेश-द्वार पर एक मिस्त्री खड़ा था। वह साफ-सुथरा काला सूट पहने हुए एक शांत, निर्दोष व्यक्ति को दिशा-संकेत कर रहा था। उस व्यक्ति ने मिस्त्री को एक सिगरेट दी, उसे धन्यवाद दिया और बालक उसके सिर के ऊपर जो बेस-बाल फेंक रहे थे, उसकी ओर सतर्क दृष्टि से देखता हुआ वह मन्द, स्थिर गति से स्काट एट्टली के पीछे-पीछे चल पड़ा।

मिस्त्री ने गेंद को, जो उसके पैरों के निकट आ गयी थी, उठा लिया और उसे पुनः बालकों के पास फेंक दिया। वह काफी प्रसन्नता का अनुभव कर रहा था। वह विगत तीन दिनों से वहाँ काम कर रहा था और इन तीन दिनों के

भीतर वह प्रथम मुलाकाती था, जिसे ओरपेन ने अपने कमरे में प्रवेश करने की अनुमति प्रदान की थी। और मैकमैन भी, जो पूर्णतः नये सुपरिण्टेण्डेण्ट की वेश-भूषा में था और ओरपेन के मकान के हाल में बिजली के एक तार की मरम्मत कर रहा था, काफी प्रसन्नता का अनुभव कर रहा होगा। मैकमैन ने ज्योंही यह संकेत दिया कि सुन्दर बालों वाला, सुन्दर वस्त्र पहना हुआ अजनबी व्यक्ति ओरपेन का एक मुलाकाती था, त्योंही गैरेज से फोन कर दिया गया था और और उपयुक्त वेश-भूषा वाला एक सहायक अपनी कार को छोड़ने तथा पीछा करने के लिए तैयार होकर आ गया था। अब यह काम उस शान्त व्यक्ति का था।

मिस्त्री ने सिगरेट दूर फेंक दी तथा आज संध्या के सुन्दर सूर्यास्त की सराहना करने लगा—आकाश स्वच्छ था, मध्य नगरीय कार्यालय-भवनों के पीछे ऊँचे मेघों का सुन्दर समूह था। जब वह पीछे मुड़कर विशाल गैरेज में प्रविष्ट हुआ, तब उसने उस मकान की ओर देखा भी नहीं, जिसमें उसकी रुचि थी। किन्तु जहाँ वह काम करता था, वहाँ से वह सड़क के एक आवश्यक भाग पर दृष्टि रख सकता था। उसने सोचा, यह बात सौभाग्यपूर्ण है। और आधे घण्टे बाद मेरी ड्यूटी समाप्त हो जायेगी। यदि वह सुन्दर बालों वाला व्यक्ति एक घण्टे बाद आया होता, तो फोन करने की उत्तेजना का आनन्द रात्रिकालीन चौकीदार को प्राप्त हुआ होता। यह कोई बड़ी बात नहीं प्रतीत होती थी और सम्भवतः इसका अर्थ कुछ नहीं है। किन्तु ओरपेन के पास आनेवाले किसी भी व्यक्ति का रोचक होना आवश्यक है। एक लम्बे दिन को समाप्त करने के लिए यह एक हर्षदायक विचार था।

अध्याय—२०

ओरपेन के यहाँ से प्रस्थान करने के बाद स्काट एट्टली अपने निजी निवास-स्थान पर वापस लौटा। वह जल्दी-जल्दी, आवश्यक रूप से चल रहा था, किन्तु उसने जिस मार्ग का अनुसरण किया, वह उसके मस्तिष्क के समान ही असम्बद्ध और रिक्त था। ओरपेन ने जो कुछ कहा था, वह उसका आशय नहीं हो सकता। यह सच नहीं हो सकता था। निश्चय ही ओरपेन उसकी परीक्षा ले रहा था। ओरपेन बीमार था, पागल हो गया था....किन्तु यदि ओरपेन का

आशय वही रहा हो, तो क्या होगा ? वहाँ एट्टली के विचार रुक गये। वे उस प्रश्न से आगे नहीं जा सके।

अपने निवास-स्थान पर उसने अपने कपड़े बदले, उसने अपने दोहरे सीने वाले चुस्त सूट को निकाल दिया और उसकी जगह पर एक विशिष्टताहीन भूरे ट्वीडका जैकेट, पुराना फ्लैनेल और एक भूरी टाई पहन ली। अब वह एक ऐसी शीत उत्तेजना से प्रेरित था, जिसने उसके स्नायुओं को स्थिर बना दिया और वह सतर्क एवं सक्षम होने का अनुभव करने लगा। कपड़े पहनते समय उसने पश्चिमी भाग में बैठक में उपस्थित रहने के लिए ठीक समय पर पहुँचने की एक योजना बनायी। यह रात ऐसी नहीं था, जब विलम्ब किया जा सकता हो।

और तत्पश्चात् वह चल पड़ा। वह लेक्सिंगटन की ओर चलने लगा तथा जल्दी-जल्दी एक सैण्डविच खाने और एक प्याली काफी पीने के लिए एक 'ड्रगस्टोर' पर रुका। अनिच्छा होते हुए भी उसने पुनः ओरपेन के सम्बन्ध में सोचना प्रारम्भ कर दिया। उसने अपने आपसे कहा, तो मैं प्रत्येक वस्तु के लिए अपने पिता का ऋणी हूँ। किन्तु क्या मैं वास्तव में उनका ऋणी हूँ ? हम इस बात को देख लेंगे। ओरपेन के सम्बन्ध में उसकी चिन्ता क्रोध और कटुता के रूप में परिणित हो गयी। अपने चेक का भुगतान करते हुए उसने पुनः सोचा, हम इस बात को देख लेंगे। वह खिन्नतापूर्ण मनः स्थिति में 'ड्रगस्टोर' से निकल आया।

वह आधा दूर तक चला, उसका साधारण भूरा फेल्ट हैट भली भाँति उसकी भौंहों तक झुका हुआ था। उसने एक सिगरेट जलायी और दियासलाई की कांड़ियों को नीचे गिरा दिया। जब वह उन्हें उठाने के लिए नीचे झुका, तब वह सड़क पर पीछे की ओर देख सकता था। वहाँ एक वसन्तकालीन संध्या को अच्छे मौसम का संकेत पाकर घरों से बाहर निकला हुआ सामान्य जन-समूह ही दिखायी दे रहा था। निश्चय ही उसके ठीक पीछे ऐसा कोई व्यक्ति नहीं था, जो सम्भवतः उसका पीछा कर सकता हो। फिर भी, सतर्क रहना आवश्यक था। वह आज रात अपने ही ऊपर अवलम्बित था। अबसे वह निश्चयपूर्वक अपने ही ऊपर अवलम्बित था। हाँ, तब उसने स्पष्टतापूर्वक स्वीकार किया, ओरपेन ने जो कुछ कहा था, उसका आशय अवश्य वही था।

क्या समिति को ओरपेन के सम्बन्ध में मालूम है ? क्या कामरेड पीटर को मालूम है ? अथवा क्या यह समाचार सबसे पहले एट्टली को ही मालूम हुआ

था ? यह महत्वपूर्ण है, इस सम्बन्ध में कोई सन्देह नहीं हो सकता है। पार्टी में ओरपेन अवश्य ही एक महत्वपूर्ण पद पर रहा होगा। जैक जेको-स्लोवाकिया के नेताओं में से एक था और यह बात सम्भव नहीं है कि ओरपेन ने उसी के समान उच्च पद पर हुए बिना उसके साथ इतनी निकटता के साथ काम किया हो। उस स्थिति में एट्टली का प्रतिवेदन महत्वपूर्ण होता।

अकस्मात् एट्टली की उत्तेजना समाप्त हो गयी। वह लज्जा और भय की एक भावना से ओतप्रोत हो गया, मानो ओरपेन उसके सामने खड़ा हो और उसके विचारों को पढ़ रहा हो।

उसने निश्चय किया, नहीं, मुझे ओरपेन के सम्बन्ध में कोई प्रतिवेदन नहीं देना है। वह काम मेरा नहीं है। यदि ओरपेन समाप्त हो गया है, तो वह समाप्त हो गया है। मैं उसमें सहायता नहीं प्रदान करूँगा।

एक बस लेक्सिंगटन पर खड़खड़ाती हुई आयी। वह अपनी रेजगारी को गिनता हुआ उसमें सवार हो गया। द्वार उसके पीछे फटाक से बन्द हो गया और तत्पश्चात् पार्श्व मार्ग पर छूट गये एक व्यक्ति ने जब उसकी खिड़की पर तीव्रता के साथ खटखटाया, तब वह पुनः एक निर्लिप्त उसांस के साथ खुल गया। "तुम अपनी जान से हाथ धो बैठोगे!" ड्राइवर ने देर से आने वाले व्यक्ति को, जिसका चेहरा लाल हो गया था और जो जोर-जोर से साँस ले रहा था, चेतावनी दी, "यह जल्दी कैसी है?" बस ने आगे बढ़ना प्रारम्भ किया, ड्राइवर की कटुतापूर्ण आँख यातायात-सूचक बत्ती की ओर, जो लाल रंग में परिणत होने वाली थी, लगी हुई थी। उस व्यक्ति ने बस के बीच में ही चल देने से अकस्मात् लड़खड़ा कर अपने पैसों को गिर जाने दिया। वह उन्हें उठाने के लिए झुका और बस के पिछले भाग में उसके बैठने के पूर्व एट्टली को केवल एक साफ-सुथरा भूरा हैट फर्श पर एक सिक्के की तलाश करता हुआ दिखायी पड़ सका। "जल्दी, जल्दी, जल्दी—लोग केवल यही सोचते रहते हैं!" ड्राइवर ने एक हाथ से एक सिक्का बदलते हुए दूसरे हाथ से गाड़ी चलाते हुए अपने यात्रियों को सूचित किया और वह अपने सामने के वाहनों का निरीक्षण करने लगा, जिससे वह इस बात का पता कर सके कि वह कितनी बत्तियों को पार कर सकता है।

बस की यात्रा शीघ्र समाप्त हो गयी। एट्टली ग्रांड सेण्ट्रल पर बस से उतर पड़ा और उसने चौदहवीं स्ट्रीट पर पहुँचने के लिए दक्षिण दिशा में जानेवाली एक भूमिगत ट्रेन पकड़ी। वहाँ वह पुनः भूमि के ऊपर आ गया और चमकीली

बत्तियों के नीचे तड़क-भड़क के साथ प्रदर्शित किये गये सस्ते कपड़ों के ढेर की ओर देखनेवाले ग्राहकों के दलों के मध्य से रास्ता बनाते हुए चौड़े पार्श्वमार्ग पर पश्चिम दिशा की ओर मुड़ गया। वह इस बात का निश्चय नहीं कर पाया था कि उसे पुनः उत्तर की ओर जाने के लिए बस पकड़नी चाहिए अथवा भूमिगत ट्रेन। किन्तु एक बस अपने टर्मिनस पर प्रतीक्षा कर रही थी और कुछ लोग उसमें सवार होने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे और इससे उसका निश्चय हो गया। वह भीड़ में सम्मिलित हो गया तथा बातूनी पुरुषों और स्त्रियों के एक समूह के बीच जाकर बस में सवार हो गया। दूसरे व्यक्तियों ने अनुसरण किया। जिस समय उसे एक स्थान मिला, उस समय तक बस भर चुकी थी। इससे उसे प्रसन्नता हुई; उसने सोचा कि भीड़ में सुरक्षा है। और जब बस सड़कों पर, जो अब प्रायः खाली पड़ी हुई थी, जल्दी-जल्दी दौड़ने लगी, तब भी उसे प्रसन्नता हुई। क्योंकि इस समय सड़क पर ट्रकें नहीं थीं, डिलिवरी लारियां नहीं थीं तथा यातायात की धारा के विरुद्ध सड़क पार करनेवाले असावधान पदयात्रियों की भीड़ नहीं थी।

बयालीसवीं स्ट्रीट पर वह कई अन्य व्यक्तियों के साथ बस से उतर पड़ा और उनके साथ ही एक भीड़ में विलीन हो गया। उसने पर्याप्त सुरक्षा का, जितनी सुरक्षा का अनुभव उसने इस प्रकार की किसी भी यात्रा में किया था, अनुभव किया। फिर भी, यह अधिक अच्छा होगा कि ओरपेन के सम्बन्ध में सोचना बन्द कर दो। उसने अपने-आपको तीसरी बार चेतावनी दी। अपने-आप पर ध्यान केन्द्रित करो। वह आनन्द प्राप्त करने के लिए बाहर निकले हुए व्यक्तियों से, जो इधर-उधर टहल रहे थे, भरे हुए एक जन-संकुल ब्लाक से हो कर चमकती हुई बत्तियों के नीचे से जल्दी-जल्दी चलने लगा। शोर-गुल, आवा-गमन और प्रकाश से भरा हुआ टाइम्स स्क्वेयर अपने-आपको खो देने के लिए एक अच्छा स्थान है। तत्पश्चात् अपनी सावधानी और कुशलता से संतुष्ट होकर वह भूमिगत रेलवे के एक स्टेशन के प्रवेश-द्वार में प्रविष्ट हो गया और उसने नगर के बाहर जानेवाली प्रथम एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ ली। जब वह ९६वीं स्ट्रीट पर ट्रेन परसे उतरा, तब सेण्ट्रल पार्क की दिशा में मुड़ने से पूर्व उसे दक्षिण की ओर केवल कुछ ब्लाकों तक ही चलना पड़ा। लम्बी यात्रा के सम्बन्ध में सोचते हुए उसने उसे शीघ्र एवं दक्षतापूर्वक पूरी करने के लिए स्वयं को बधाई दी।

रोशनी से जगमगाते हुए चल-चित्र-गृहों और भोजनालयों, खुले गले की कमीजों और 'मिक' लबादों, तथा पार्श्वमार्गों को, जहाँ वयोवृद्ध व्यक्ति छोटी-

छोटी दूकानों के द्वारों पर बैठे हुए थे और विदेशी भाषाओं में बातचीत हो रही थी,पीछे छोड़कर ऊपरी ब्राडवे से पूरब की ओर मुड़ने से पूर्व वह एक होटल पर रुक गया। प्रत्यक्षतः वह उस होटल में प्रदर्शित तरह-तरह के 'लाक्स' और 'बेजेल' सुनहरे रंग की पावरोटियों, आलू के सलाद से भरी हुई तश्तरियों, 'कोलस्ला' से भरी हुई तश्तरियों, टिनों और डिब्बों के ऊँचे-ऊँचे ढेरों, विदेशों में भेजने के खाद्य-बाक्सों (आप पैसा दीजिये, हम भेज देंगे, वे पा जायेंगे), 'केवियार' और नमकीन मलाई की सराहना कर रहा था। किन्तु उसका सारा ध्यान उस शीघ्रतापूर्ण दृष्टि पर केन्द्रित था, जिसका निक्षेप उसने अकस्मात् अपने कन्धों के ऊपर से किया। सन्तुष्ट होकर वह आम्स्टर्डम एवेन्यू की दिशा में अपने रास्ते पर चलने लगा जहाँ मदिरालयों पर लिखे हुए नाम अब आइरिश थे तथा छोटे-छोटे स्टोरों के ऊपर प्यूरिटोरिको से आयी हुई सस्ती वस्तुओं का विज्ञापन करनेवाले स्पेनिश भाषा के साइन बोर्ड लगे हुए थे।

वह जिस सड़क पर जा रहा था, उस पर मजदूरों के निवास-स्थान थे। मोड़ पर एक दूसरे से सटाकर खड़ी की गयी उनकी कारें पार्श्वमार्गों की रक्षा कर रही थीं तथा पतली सड़क पर परीक्षणात्मक यातायात को निरुत्साहित कर रही थीं। यहाँ नगर के जीवन की गति मन्द पड़ गयी थी। एक कोने के निकट तीन लड़के बेस-बाल खेल रहे थे, दो सुन्दर नीग्रो बालाएँ चल-चित्र देखने के लिए प्रस्थान कर रही थीं, कुछ थोड़े-से लड़के अपने घरों के सामने उछल-कूद रहे थे तथा रोलर स्केटों पर बारी-बारी से चल रहे थे, एक या दो स्त्रियाँ अपनी देहरियों पर बैठकर बालकों को देख रही थीं अथवा गपशप कर रही थीं, दो या तीन पुरुष उधर से होकर गुजर रहे थे। यह एक काफी शांत सड़क थी, जहाँ अधिकांश व्यक्ति घर के भीतर टेलिविजन देख रहे थे। यह एक शान्त, सुरक्षित सड़क थी। प्रकाश मन्द होने लगा था। सूरज हडसन नदी के पीछे डूब गया था। और पश्चिम से प्रारम्भ होकर हवा भी चलने लगी थी, जिससे सर्दी का अनुभव होने लगा था।

स्काट एट्टली को उससे प्रसन्नता हुई। चाहे यह भीड़ रही हो, जिसके मध्य से होकर उसने इतनी शीघ्रता से यात्रा की थी, चाहे ब्राडवे की उष्ण, चकाचौंध कर देनेवाली बत्तियाँ रही हों, चाहे यह अनन्त यातायात और शोर-गुल रहा हो, जिनसे होकर वह गुजरा था, उसने कष्टदायक गर्मी का ही अनुभव किया था। उसने अपने रूमाल से अपना चेहरा पोंछा और पसीने से तर अपनी कमीज को सूखने देने के लिए अपना जैकेट खोला। आम्स्टर्डम एवेन्यू को पार

करने के ठीक बाद वह एक बन्द लाण्ड्री के सामने रुक गया। वह अब भी कुछ क्षणों तक प्रतीक्षा कर सकता था, किन्तु उसके पास ब्लाक का चक्कर लगाने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। लाण्ड्री के सुरक्षित द्वार पर उसने एक सिगरेट जलायी। उसने लक्ष्य किया कि उसका हाथ स्थिर था, उसके विचारों की अपेक्षा अधिक स्थिर। उसने उन विचारों को बलपूर्वक एक शुष्क तर्क-संगत रूप प्रदान किया। वह काम की ही बातें करेगा, बिल्कुल ठीक-ठीक बातें करेगा, उसे ओरपेन का उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है। उसने पुनः स्वयं को स्मरण दिलाया कि वह काम मेरा नहीं है।

उसने अपनी बिना पी हुई सिगरेट को दूर फेंक दिया। तत्पश्चात् भीगी हुई कमीज के ऊपर जैकेट के बटन को बंद करते हुए उसने एक बार फिर दूकान के दरवाजे पर अंकित संख्या पर ध्यान दिया। उसे जो पता चाहिए था, वह अवश्य ही इस ब्लाक के आसपास होगा। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा और चलना प्रारंभ कर दिया। वह मकानों की ओर नहीं देख रहा था तथा सड़क पर मौजूद थोड़े-से व्यक्तियों की ओर उतना ही कम ध्यान दे रहा था, जितना कम ध्यान वे उसकी ओर दे रहे थे। तत्पश्चात्, मकान को देखकर निश्चित और शान्त बने रहने के अपने निर्णय के बावजूद उसने अनुभव किया कि उसकी नाड़ी की गति तीव्र हो गयी थी।

सड़क के इस भाग में स्थित अन्य मकानों की भाँति यह भूरे पत्थरों का एक चार मंजिला मकान था, जिसमें पहली मंजिल तक ढालुवाँ सीढ़ियों की एक पंक्ति नीचे की मंजिल से होती हुई गयी थी। उसे पहली मंजिल ही चाहिए थी—यह एक डाक्टर का कार्यालय था, जहाँ कोई स्थायी नाम-फलक नहीं लगा हुआ था, अपितु खिड़की में, उसके वर्षा से रेखांकित शीशे और उसके खिंचे हुए पर्दे के बीच, केवल एक सफेद कार्ड लटका दिया गया था।

जब एट्टली जल्दी-जल्दी सीढ़ियों को पार करता हुआ गहरे प्रवेश-द्वार पर जाकर खड़ा हुआ और उसने दरवाजे के सुसज्जित शीशे को खटखटाया, तब ठीक आठ बजे थे। उसके आने की आशा की जा रही थी; क्योंकि दरवाजा धीरे से खुल गया और उसे अंधकारपूर्ण हाल में प्रविष्ट कर लिया गया। दरवाजा खोलने वाला मार्टिन, थेल्मा का 'बटलर' था। अब, बिना कोई बात किये मार्टिन उसे प्रथम मंजिल पर स्थित निवास-स्थान में ले गया। उन्होंने जिस कमरे में प्रवेश किया वह मकान के सामनेवाले भाग में था। उसकी खिड़कियाँ सावधानी के साथ आच्छादित थीं, उसकी बत्तियाँ भद्दे ढंग से चमक रही

थीं। मार्टिन—अथवा बिल, बिल ही नाम है, स्काट एट्टली ने अपने आपको स्मरण कराया—घूमकर उसके सामने खड़ा हो गया।

गत रविवार को वह जितना आज्ञाकारी बटलर दिखायी देता था अथवा सोमवार की रात को वह जितना मृदु षड्यंत्रकारी दिखायी देता था, आज वह उससे बहुत भिन्न दिखायी दे रहा था। यह एक तीसरा बिल था, जो बड़बड़ा रहा था, जो क्रुद्ध था, जो व्यग्र था। यह एक ऐसा व्यक्ति था, जो चिन्तित और और शंकाशील था। "तो तुम आ ही गये!" उसने धीरे से कहा।

स्काट एट्टली ने स्वीकृति-सूचक सिर हिलाया। उसने सोचा, यह तो प्रत्यक्ष ही है। "क्या उसने वास्तव में तुम्हें समय और स्थान बताया?"

स्काट ने कहा, "हाँ।" और इन प्रश्नों तथा उनके पूछे जाने के ढंग से उसने न केवल यह अनुभव किया कि ओरपेन के असन्तोष की बात पहले से ही मालूम है, अपितु स्वयं उस पर भी बिल तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा सन्देह किया जा रहा था। और समस्त चित्र परिवर्तित हो गया; उसका केन्द्र परिवर्तित हो गया। उन अन्तिम कुछ मिन्टों में उसने आशा की थी कि वह ओरपेन को भूल कर अपने आपको उससे पूर्णतया मुक्त कर सकता है। किन्तु वह ऐसा नहीं कर सका। निकोलस ओरपेन के महत्व ने स्वयं उसके मौन को असम्भव बना दिया। उसके सामने—जैसा कि स्वयं ओरपेन कहता—केवल दो विकल्प थे। वह या तो ओरपेन को या पार्टी को चुन सकता था। वह उन समस्त तर्कवितर्कों और समस्त चिन्ताओं से मुक्त भी रह सकता था, जो यहां आने के लिए की गयी लम्बी यात्रा में उसके साथ-साथ रही थीं। किसी तर्क-वितर्क की आवश्यकता नहीं थी। वहां तो केवल विकल्प और उस विकल्प के प्रति पूर्ण आज्ञाकारिता का प्रश्न था।

बिल कानाफूसी के स्वर में बात कर रहा था और वह मुड़ कर अपने पीछे बन्द द्वार की ओर जल्दी-जल्दी देख लिया करता था। यह स्पष्ट था कि दरवाजे के पीछे कमरे में बैठक पहले से ही चल रही थी। और बिल की चिन्ता से झुकी हुई, संकीर्ण आँखों से यह बात समान रूप से प्रत्यक्ष थी कि बैठक बड़ी गम्भीर थी।

क्या वे ओरपेन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श कर रहे थे? क्या वह इतना अधिक महत्वपूर्ण था? एट्टली ने अनुभव किया कि उसके ललाट पर पसीना आना पुनः प्रारम्भ हो गया था।

बिल अपने प्रश्न को दोहरा रहा था, "क्या तुम उससे मिले थे?"

"हाँ।"

"क्या तुमने उससे बातचीत की ?"

स्काट एट्टली एक क्षण के लिए हिचकिचाया। तत्पश्चात् उसने स्वीकृति में सिर हिलाया।

"क्या आज रात वह यहाँ नहीं आयेगा ?" बिल ने अपने सफेद चेहरे से स्काट एट्टली की ओर तीक्ष्णतापूर्वक देखा। तत्पश्चात् उसने अपने ओठ कस कर बन्द कर लिये। " इसका अर्थ यह है कि वह गम्भीर है। उसे यहाँ दो घण्टे पहले ही आ जाना चाहिए था। विगत दो दिनों के भीतर यह तीसरी बैठक है, जिसमें आने से उसने इनकार कर दिया है। हमने उससे मिलने के लिए किसी को भेजा; वह घर पर न होने का बहाना करता है। हमने टेलि-फोन किया; वह धीरे से रिसीवर उठाता है, सुनता है, किन्तु कोई उत्तर नहीं देता।" बिल ने धीरे से, बातको न समझते हुए सिर हिलाया। "यह एक खराब बात है !" उसने कहा।

एट्टली ने कहा—"मैं यह विश्वास नहीं कर सकता कि वह गंभीर है।" किन्तु उसमें स्वर में विश्वास का अभाव था।

"कामरेड पीटर इसकी अपेक्षा अधिक निश्चित उत्तर चाहेंगे।" बिल का सिर पुनः बंद द्वार की ओर घूम गया। तत्पश्चात्, प्रायः करुणापूर्वक, उसने पुनः कहा, "किन्तु मैं भी विश्वास नहीं कर सकता। यह एक भयकर बात है। भयंकर....क्या वह महसूस करता है कि क्या—"उसका सिर पुनः द्वार की ओर घूम गया—"क्या हो सकता है ?"

स्काट एट्टली ने, जो बिल के आशय को समझ नहीं सका, केवल रिक्त दृष्टि से सफेद चेहरे की ओर देखा।

"यह बहुत अधिक हो गया है," बिल ने कहा, "बहुत अधिक। क्या वह इस बात को नहीं समझता कि इसे रोकना आवश्यक है ?"

एट्टली ठीक-ठीक अर्थ को पुनः नहीं समझ सका। बिल भयभीत था; वह कुल इतना ही अर्थ समझ सका। एट्टली ने सोचा, वह बहुत अधिक वृद्ध होता जा रहा है। वह इतना अधिक वृद्ध है कि कोई महत्वपूर्ण कार्य नहीं कर सकता। "कुछ भी हो, यह संकट कब प्रारंभ हुआ ?" उसने पूछा। उसने दूसरे कमरे की दिशा में सिर हिला कर संकेत किया।

बिल ने अपने स्वर को और अधिक मंद कर दिया। "यह चलता ही रहा है। गुप्त रूप से, किन्तु सोमवार की रात को, थेल्मा के घर से तुम्हारे जाने के

ठीक बाद, एक कटु वाद-विवाद हो गया। मंगलवार को —" उसने दरवाजे की ओर इस प्रकार देखा, मानो वहाँ कामरेड पीटर का चेहरा उपस्थित हो और उसका निरीक्षण कर रहा हो—"मंगलवार को नीति-विषयक प्रश्नों पर खुला मतभेद हो गया।" उसने अपने ओठों को बंद कर लिया और एक बार पुनः अपने सिर को धीरे से हिलाया। "तत्पश्चात् अन्य कठिनाइयाँ भी उपस्थित हो गयीं। चार्ल्स की मृत्यु...और थेल्मा का उन्माद...और खिड़कियों की जाँच-पड़ताल करनेवाले बीमा-कर्मचारियों से उसके निवास-स्थान का भर जाना... वे उस समस्त स्थान पर छा गये, प्रत्येक कमरे में उपस्थित हो गये—और संवाद-दाता...और परमात्मा ही जानता है कि कौन-कौन-से लोग। सौभाग्यवश मैं कामरेड पीटर को समय रहते ही बाहर निकाल लाया। किन्तु अब वे ओरपेन की संगठन-शक्ति पर अधिक विश्वास नहीं करते। हाँ, जब आप थेल्मा जैसी औरत पर विश्वास करते हैं और चार्ल्स को सारे स्थान पर इधर-उधर दौड़ने देते हैं, तब ऐसा ही होता है।"

सर्वप्रथम एट्टली ने कुछ भी नहीं कहा। जहां तक उसे याद था, ओरपेन ने सोमवार को निवास-स्थान में चार्ल्स के रहने पर आपत्ति की थी। बिल की उपेक्षा और असावधानी ने ही यह ख्याल कर लिया था कि चार्ल्स नशे में उतना ही बुत था, जितना कि उसने बहाना किया था। अब बिल अपने आप को बचा रहा था। वह भी अपनी पसंद खुद कर रहा था। तब एट्टली ने, अन्तःप्रेरणा से, कहा, "ओरपेन की वह एकमात्र पराजय थी।"

"यदि समय अनुपयुक्त हो, तो एक ही गलती पर्याप्त सिद्ध हो सकती है।" बिल ने और अधिक सूचना की प्रतीक्षा करते हुए, चतुराई के साथ उसकी ओर देखा। इसमें कोई सन्देह नहीं कि वह ओरपेन की सफलताओं के सम्बन्ध में एट्टली की अपेक्षा अधिक जानता था, किन्तु उसकी रुचि अब इस बात का पता लगाने में थी कि कनिष्ठ व्यक्ति के साथ ओरपेन ने कितने अविवेक का परिचय दिया है।

एट्टली अज्ञान दिखायी पड़ा।

"और इधर हाल में वह अनेक गलतियाँ करता रहा है," बिल ने कहना जारी रखा, "'ट्रेण्ड' में ब्लैकबर्थ था। हालीवुड में फ्रैमिंग और शिकागो में मेरलिन था। हाँ, विगत महीने में उन सभी को उनकी नौकरियों से हटा दिया गया है।"

एट्टली ने सोचा, किन्तु दूसरे ऐसे व्यक्ति भी हैं, जिन्हें उनकी नौकरियों से

नहीं हटाया गया है। हालीवुड में वैनवे का क्या हुआ ? क्या उसने अभी-अभी एक बड़े स्टुडियो को उसे हारलेम की गन्दी बस्तियों के सम्बन्ध में एक चित्र का निर्माण करने की अनुमति प्रदान करने के लिए राजी नहीं किया था ? कहानी और उसके दृष्टिकोण का चयन ओरपेन द्वारा किया गया था। और यूरोप तथा एशिया में फिल्म के वितरण की गारण्टी पहले ही मिल चुकी है। अथवा केन्सले का क्या हुआ ? उसने कोरिया की समस्या के सम्बन्ध में एक पुस्तक लिखने के लिए सीटल में अपनी नौकरी से एक वर्ष तक अनुपस्थित रहने के लिए छुट्टी माँगी थी। उसे छुट्टी मिल गयी तथा उसके साथ-साथ योग्य लेखकों को सहायता प्रदान करने वाली एक संस्था से एक अनुदान भी प्राप्त हो गया है। ओरपेन ने जिस प्रकार पुस्तक के विषय और शीर्षक का चुनाव किया था, उसी प्रकार उसने प्रकाशक का भी चुनाव किया था। उसके सम्बन्ध में पहले से ही "कोरिया का निश्चयात्मक विवरण" के रूप में चर्चा की जा रही है। हाँ, ओरपेन के खाते में दर्ज करने के लिए अब भी बहुत अधिक सफलताएँ हैं।

एट्टली यह कहने का लोभ नहीं संवरण कर सका, "केन्सले की पुस्तक का काम किस प्रकार चल रहा है ?"

"वह जून के आरम्भ में प्रकाशित होगी।" बिल ने कहा। फिर वह मुस्करा पड़ा। "किन्तु किस चीज ने तुम्हें यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि यह ओरपेन की कल्पना है ?"

"क्या वह उसकी कल्पना नहीं थी ? यह सम्भवतः उसीकी प्रतीत होती है।"

"ओरपेन ने केवल कल्पना का प्रसार किया।" बिल ने कहा। उसने अपने पीछे बन्द कमरे की ओर देखा और अपने स्वर को मन्द कर लिया। "कुछ भी हो, कामरेड पीटर इसे एक कल्पना नहीं कहेंगे। वे इसे एक निर्देश कहेंगे।" उसने पुनः कहा और उसके चेहरे पर विनोद के लक्षण समाप्त हो गये। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा और वह बड़बड़ाया, उसकी आँखों में पुनः चिन्ता व्याप्त हो गयी थी। "अब जल्दी ही!" उसने प्रायः अपने आप से कहा। वह एक टूटे हुए कोच की टूटी हुई बाँह पर बैठ गया।

क्या बिल को बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं है ? एट्टली आश्चर्य करने लगा। क्या उसे भी अनुशासित कर दिया गया है ? वह यहाँ है, आफिस के चपरासी का काम कर रहा है, मेरे ऊपर नजर रख रहा है तथा अपनी बारी आने पर बुलाये जाने की प्रतीक्षा कर रहा है। कामरेड पीटर एक कठोर अधि-

कारी है। फिर भी, हमें इसी चीज की आवश्यकता है, हमें कठोरता और अनुशासन और शक्ति की आवश्यकता है; हमें ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता नहीं है, जो भ्रष्ट हो गये हैं। तत्पश्चात् उसने घृणा की दृष्टि से बिल की ओर देखा। वह मोटा और कोमल हो गया है। उसका काम अत्यन्त सरल है। उसे अपने आपके बारे में अत्यधिक विश्वास है।

"स्वयं तुम्हारी खबर क्या है—अच्छी ?" बिल ने अचानक प्रश्न किया।

एट्टली ने स्वीकृति-सूचक सिर हिलाया। सोमवार को उसने गर्वपूर्वक इसके सम्बन्ध में रिपोर्ट दी होती, किन्तु आज रात वह इसे रोके रखेगा तथा उचित समय पर, उचित व्यक्तियों को ही बतायेगा।

बिल ने उसकी ओर देखा। उसके ओठ कस कर बन्द हो गये। उसने और कुछ नहीं कहा, एट्टली सन्दूक के समान कमरे में इधर-उधर चहलकदमी करने लगा। पलस्तर की पीली दीवार पर "सैबाइन की महिलाओं के साथ बलात्कार" नामक चित्र का एक सस्ता रंगीन संस्करण लटका हुआ था। खिड़कियों पर फीते के गन्दे और गीले परदे, जिनमें छेद हो गये थे और जो उसकी छिद्रयुक्त कशीदाकारी में वृद्धि कर रहे थे, गहरे हरे रंग के ऊपर कस कर फैलाये गये थे। भूरी पड़ गयी छत के केन्द्र में तीन बिना ढके हुए बल्ब लटक रहे थे। एक दीवार के पास कोच पड़ा हुआ था, जिसके चारखाने का रंग वर्षों पुराना होने के कारण फीका पड़ गया था। सामने परेड करनेवाले सैनिकों की भाँति दो ऊँची कुर्सियाँ भद्दे ढंग से रखी हुई थीं। कमरे के मध्य में एक छोटा चौकोर गन्दा कालीन क्षमा-याचना-सा करता हुआ बिछा हुआ था, जिसके कारण कमरा और छोटा प्रतीत हो रहा था। खिड़की के कार्ड पर लिखे हुए अनुच्चारणीय नामवाले डाक्टर की प्रतीक्षा करने के लिए यहाँ आनेवाला कोई भी रोगी बगल के परामर्श-कक्ष में प्रवेश करने के पूर्व दुगुनी अस्वस्थता का अनुभव करने लगता। अथवा क्या कोई डाक्टर यहाँ चिकित्सा-कार्य करता भी था ? भूरे रंग के सस्ते फर्नीचर पर जमी हुई धूल की तह, गन्दी फर्श की ओर देखकर एट्टली ने निर्णय किया कि यहाँ कोई भी वास्तविक डाक्टर काम नहीं करता है, अथवा वह जितने कीटाणुओं का नाश करता, उससे अधिक कीटाणुओं को जन्म देता।

बीच का द्वार आधा खुला। लम्बा, लाल चेहरेवाला, मोटा ट्वीड जैकेट और भूरे फ्लैनेल की पतलून पहने हुए एक व्यक्ति वहाँ खड़ा था, जिससे उसके पीछे के परामर्श-कक्ष में, जिसमें मन्द प्रकाश हो रहा था, कोई भी वस्तु नहीं दिखायी दे रही थी। उसने स्काट एट्टली को संकेत द्वारा बुलाया। बिल प्रत्याशा-

पूर्वक अपने पैरों पर खड़ा हो गया, किन्तु उसके लिए कोई संकेत नहीं था।

अजनबी व्यक्ति के पीछे-पीछे दूसरे कमरे में जाते हुए एट्टली ने एक अल्प-कालीन क्षण के लिए पीछे की ओर देखा। बिल पुनः कोच की बाँह पर बैठ गया था।

भीतरी कमरे में, जिसे एक डाक्टर के कार्यालय के अनुकरण पर बुरी तरह से सजाया गया था, तीन व्यक्ति प्रतीक्षा कर रहे थे। मेज का काम देने के लिए दीवार के पास से एक डेस्क खींच ली गयी थी। उसकी एकमात्र बत्ती शेष कमरे की अपेक्षा एक खाली कुर्सी की दिशा में अधिक प्रकाश देती हुई प्रतीत हो रही थी। लाल चेहरे वाला व्यक्ति, जिसने सन्देशवाहक का काम किया था, अन्य व्यक्तियों की बगल में चुपचाप अपने स्थान पर बैठ गया। चार सतर्क और गम्भीर चेहरे एट्टली की ओर घूम गये। "बैठ आओ!" लाल चेहरे वाले व्यक्ति ने कहा और खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

एट्टली कामरेड पीटर के बोलने की प्रतीक्षा करने लगा। और जब वे बोले, तब यह स्पष्ट था कि वे नियंत्रण में थे। सोमवार के बहानों का परित्याग कर दिया गया था। अब गरम कमरे के अँधियारे भाग से उनका रुक्ष एवं स्पष्ट स्वर आ रहा था। प्रश्न करते समय वे निरन्तर धूम्रपान कर रहे थे, उनकी आंखें आधी बन्द थीं, उत्तरों की प्रतीक्षा करते समय उनका सिर पीछे की ओर झुक जाता था।

एट्टली ने उन्हें कारोबारी, तथ्यात्मक रखा। वह केवल अपने सम्बन्ध में, अपने पिता की प्रतिक्रियाओं के सम्बन्ध में, 'क्लैरियन' में अपने भविष्य के सम्बन्ध में बात कर रहा था। उसने दृढ़ निश्चय के साथ सोचा कि फिर कभी "भावनात्मक मूर्खता" के लिए उसकी आलोचना नहीं की जायेगी। पीटर नामक इस व्यक्ति के साथ अपनी पिछली मुलाकात के बाद से उसने बहुत कुछ सीख लिया था। अब संक्षिप्त तीक्ष्ण प्रश्नों का सही-सही उत्तर देते समय वह अनुभव करने लगा कि उसका विश्वास वापस लौट रहा है। वह कामरेड पीटर के कन्धे के निकट लटकते हुए अस्थि-पंजर के एक चार्ट और परीक्षा करने की पुरानी मेज को भी, जिस पर हैटों और कोटों को फेंक दिया गया था, देख सकता था। और वह इस बात का अनुमान लगा सकता था कि उसकी बातों को इतनी सावधानी के साथ सुननेवाले व्यक्ति उसकी रिपोर्ट से प्रसन्न हैं। पीटर नामक व्यक्ति के गम्भीर स्वर में सहमति का आकस्मिक संकेत सबसे बड़ी प्रशंसा थी। आगे के आदेशों को सुनते समय तथा सावधानीपूर्वक उन्हें दुहराते समय जितने

विश्वास, जितनी योग्यता और अपनी भावनाओं पर जितने पूर्ण नियंत्रण का अनुभव एट्टली ने किया, उस प्रकार का अनुभव उसे कभी नहीं हुआ था। यह एक मादक क्षण था—सतर्कता, समझ और विश्वास का यह क्षण।

और तभी पीटर ने, एक दूसरी लम्बी सिगरेट सुलगाते हुए, अचानक ओरपेन के सम्बन्ध में प्रश्न किया। एट्टली उससे अन्तिम बार कब मिला था? और क्यों? और कैसे?

एट्टली के उत्तर देने के ढंग में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता था, उसमें ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हो सकता था, जिसे उसका इतनी सतर्कता के साथ निरीक्षण करने वाले चारों शान्त चेहरे लक्ष्य न कर लेते। और उसने बिना किसी हिचकिचाहट के, स्वर अथवा अभिव्यक्ति में बिना किसी परिवर्तन के उत्तर दिया। उसने अपने आपको बताया कि यह सब कुछ इस कुशलतापूर्ण परीक्षा का एक भाग है। जब उससे आज ओरपेन के साथ अपनी मुलाकात के सम्बन्ध में पूरी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया, तब भी उसने उसी रुक्ष यथार्थ-वादिता को बनाये रखा और ओरपेन के शब्दों को बिल्कुल सही-सही दुहरा दिया। क्योंकि यह क्षण ऐसा था, जब समस्त निजी भावनाओं का विस्मरण कर देना आवश्यक था। इस कमरे में ओरपेन के सम्बन्ध में एक मित्र के रूप में निर्णय नहीं करना था; यहाँ उसके सम्बन्ध में केवल एक पथ-भ्रष्ट के रूप में निर्णय किया जा रहा था। दाव पर बहुत अधिक लग चुका था।

"और क्या उसने अंत में यही बात कही थी?" लाल चेहरे वाले व्यक्ति ने पीटर की ओर देखते हुए, मानो वह उसकी ओर से बोल रहा हो, पूछा।

"हां," एट्टली ने कहा, "जब मैंने उससे पूछा कि वह क्या करने जा रहा है, तब उसने उत्तर दिया, 'मैं नहीं जानता।' उसने बस इतना ही कहा। और मैं चला आया।"

चारों व्यक्तियों ने एक दूसरे की ओर देखा और तत्पश्चात् ऐसा प्रतीत हुआ कि वे एक दूसरे की ओर देखने से बच रहे थे। उस अल्पकालीन क्षण में कोई निर्णय—जिसके सम्बन्ध में सम्भवतः पहले ही तर्क-वितर्क किया जा चुका था—कर लिया गया।

पीटर ने अपना गला साफ किया। एट्टली को बताया गया कि उससे बस इतना ही कहना था। उसको दिये गये आदेश स्पष्ट थे। वह पार्टी की अपनी सदस्यता के समस्त प्रमाणों को नष्ट कर देगा। वह अपने नये सम्पर्क का उपयोग केवल गम्भीरतम संकट उपस्थित होने पर ही करेगा।

हां । प्रत्येक वस्तु स्पष्ट थी ।

तत्पश्चात्, जब वह द्वार खोल रहा था, तब शीघ्रतापूर्वक वाक्यों का आदान-प्रदान हुआ, ओरपेन के सम्बन्ध में कुछ बात हुई थी; किन्तु वह इतने धीमे स्वर में कही गयी थी कि एट्टली उसे नहीं सुन सका । "बाहर के कमरे में प्रतीक्षा करो !" एक स्वर ने उसके पीछे से कहा । और जो व्यक्ति उसे परामर्श कक्ष में लाया था, वह उठ कर उसके पीछे-पीछे द्वार तक आया । इस बार उस व्यक्ति का संकेत बिल के लिए था । "हमें एक निर्णय करना है ।" अपने पीछे द्वार को बन्द करते हुए वह व्यक्ति बिल से कह रहा था ।

स्काट एट्टली, जो आश्चर्य कर रहा था कि यह बात क्या है, जो एक व्यग्रता का अनुभव कर रहा था, जिससे उसे उसे आश्चर्य हुआ, कम से कम एक निश्चित बात को जानता था । यह निर्णय चाहे कुछ भी हो, बिल निश्चित रूप से उससे सहमत हो जायेगा । यदि कोई मत लिया गया, तो उसका मत कामरेड पीटर के ही पक्ष में पड़ेगा । सोमवार की रात के बाद से बिल ने स्वयं थोड़ी बातें सीख ली थीं और उसने उन्हें मुख्यतः इस भयानक कमरे में प्रतीक्षा करते समय ही सीखा है । किन्तु किस बात ने उसे इतना अधिक भयभीत बना दिया है ?

अपनी बारी आने पर प्रतीक्षा करते समय एट्टली की व्यग्रता बढ़ गयी । क्या उसने कोई गलत बात कही है, क्या उसने कोई गलत काम किया है ? अपने प्रतिवेदनों का, पहले अपने पिता की प्रतिक्रियाओं के सम्बन्ध में, 'क्लैरियन' में अपने काम के सम्बंध में, तत्पश्चात् ओरपेन के सम्बन्ध में अपने प्रतिवेदनों का ध्यान करते हुए उसने सोचा कि नहीं, उसने दुर्बलता या अकुशलता का तनिक भी परिचय नहीं दिया है । तनिक भी नहीं । कठिनाई का क्षण केवल एक बार उपस्थित हुआ था, जब स्काट को कामरेड पीटर के समक्ष यह स्पष्टीकरण करना पड़ा था कि 'क्लेरियन' के स्वामी उसके पिता भले ही हों, उसे वहाँ सम्भवतः किसी बड़े महत्व का काम नहीं मिल सकता; उसे एक ऐसी स्थिति में कार्य प्रारम्भ करना पड़ेगा, जो विश्वास योग्य होगी और उसे कठोर परिश्रम द्वारा ही आगे बढ़ना होगा । किन्तु उसने यथासम्भव अधिक से अधिक कुशलता से उक्त बात का स्पष्टीकरण किया था । कमरे में उपस्थित व्यक्तियों ने यह कह कर स्काट की सहायता की थी कि हाँ, सफलता प्राप्त करने का यही मार्ग है । " एक पूंजीवादी, बुर्जुआ, जनतंत्र में ?" पीटर ने क्रोध-मिश्रित घृणापूर्वक पूछा । किन्तु एक क्षण में ही, उनके चेहरों पर परेशानी

का भाव लक्ष्य कर, उन्होंने भोंड़ी परिहास-भावना के साथ कहा था, "बहुत-अच्छा, बहुत अच्छा" और उसने स्काट को अपनी बात जारी रखने के लिए संकेत दिया था। और बाद में वे सहमति प्रकट करते गये थे। अतः उस भद्दे क्षण को विस्मृत कर दिया गया था।

किन्तु उसके बाद ?

एट्टली कामना करने लगा कि काश वह एक खिड़की को खोल सकता, इस कमरे में थोड़ी ताजी हवा आने देता। वह कामना करने लगा कि काश वह उस द्वार से बाहर ठण्डी अंधेरी सड़क पर जा सकता। उसे कौन-सी बात यहाँ रोके हुए है ? उसे आदेश तो दे दिये गये थे।

अंततोगत्वा जब द्वार खुला, तब बिल ने कमरे में प्रवेश किया। उसकी गतिविधियों में पुनः निर्णयात्मकता आ गयी थी, किन्तु उसकी आँखें अभी तक चिन्ता से मुँदी हुई थीं। सम्भवतः यह उसका निजी भय था, जो अब छिपा हुआ था, जो उसके स्वर को कठोर, अनमनीय बना रहा था।

"तुम्हें एक काम करना है।" उसने कहा।

एट्टली ने कहा, "मुझे आदेश दे दिये गये हैं।"

"ये अतिरिक्त आदेश हैं!" बिल ने कहा और उसकी भौहों के बीच की रेखाएँ गहरी हो गयीं, "तुम ओरपेन को फोन करोगे। उससे कहोगे कि आज रात तुम यहाँ नहीं आये थे। उससे कहो कि तुम इस पर विचार करते रहे हो, उससे कहो कि तुम नहीं जानते कि क्या करना चाहिए। उससे कहो कि वह तुमसे मिले, तुमसे बात करे।"

"यदि वह नहीं आया, तो ?"

"तुम्हें ऐसा प्रयत्न अवश्य करना चाहिए, जिससे वह आ जाये। यदि तुम काफी व्यग्र और चिन्तित प्रतीत हुए, तो वह आ जायेगा।" अकस्मात् उसके स्वर की प्रखरता विलुप्त हो गयी। "तुम एक ऐसे व्यक्ति हो, जिसे वह अत्यधिक चाहता है। क्या तुम्हें यह बात मालूम है ?"

एट्टली ने सिर हिलाया। बहुत अधिक चाहता है, उसने कटुतापूर्वक सोचा।

बिल ने कहा, "तो हम लोग तुम पर भरोसा करते हैं। क्या हम लोग भरोसा कर सकते हैं ?"

एट्टली ने खिन्नतापूर्ण सफेद चेहरे की ओर घूर कर देखा। उसने स्वीकृति में सिर हिला दिया।

"बहुत अच्छा। ओरपेन को आज रात टेलिफोन करो। आधी रात को।

उससे कहो कि तुम ५९ वीं स्ट्रीट के निकट लेक्सिंगटन पर स्थित एक 'ड्रगस्टोर' से बात कर रहे हो। उससे कहो कि तुम उस कोने पर, उत्तर-पश्चिमी कोने पर उसकी प्रतीक्षा करोगे।"

"उसके बाद ?"

'आई० आर० टी० भूमिगत रेलवे का प्रवेश-द्वार तुम्हारी बगल में ही होगा। ग्राण्ड सेण्ट्रल के लिए एक ट्रेन पकड़ने के लिए उसे वहाँ ले जाओ। उससे कहो कि तुम न्यूयार्क छोड़ रहे हो। उससे कहो कि तुम्हें उसके परामर्श की आवश्यकता है।"

"हाँ ?"

"बस इतना ही।" उसका स्वर पुनः कठोर हो गया। "तुम्हें इससे अधिक कुछ नहीं करना है। उसके बाद दूसरे लोगों का काम प्रारम्भ हो जायेगा।"

स्काट एट्टली ने अपने ओठों को चाटा। अब उसकी आँखों में बिल की आँखों की अपेक्षा अधिक भय समाया हुआ था और वह घूम कर बन्द द्वार की ओर घूर कर देखने लगा।

बिल ने अपनी घड़ी की ओर देखते हुए कहा—"अभी आठ बज कर सैंतालीस मिनट हुए हैं। बारह बजे तुम टेलिफोन करना। मैं ओरपेन के घर के निकट प्रतीक्षा करता रहूँगा। उसके प्रस्थान के बाद मैं प्रवेश करूँगा। मैं इस बात का पूरा-पूरा पता लगाऊँगा कि वहाँ कोई मूल्यवान सूचना तो नहीं पड़ी हुई है।"

"किन्तु यदि ओरपेन ने मुझसे मुलाकात न की, तो क्या होगा ?" एट्टली के स्वर में प्रायः आशा व्याप्त थी।

"ऐसा प्रयत्न करो कि वह अवश्य मिले।" बिल ने अपने हाथ से एट्टली की बाँह को, उसे स्थिर करते हुए, पकड़ लिया। "ओरपेन का अगला कदम क्या है ? वह हम सभी के प्रति विश्वासघात करेगा। अपनी कटुता में वह हमारे प्रति विश्वासघात करेगा। वह इतना अधिक जानता है कि—एट्टली मेरी बात सुनो !" उसका स्वर मन्द, आग्रहपूर्ण था। "क्या हमारा कोई महत्व है ? क्या हममें से किसी का भी महत्व है ?"

"नहीं," स्काट ने कहा, "नहीं। किन्तु वह पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं करेगा। वह अभी तक वफादार है। वह हमसे सम्बन्ध-विच्छेद कर सकता है। किन्तु वह जो कुछ जानता है, उसे वह बतायेगा नहीं।"

"वफादार ? उसने आज शाम को तुमसे जो कुछ कहा है, उसके बाद

भी ? तुमने उससे वहाँ जो कुछ कहा है, उसके बाद भी ?" उसने दूसरे कमरे की दिशा में अपने सिर को झटका दिया। "हमें तत्काल कार्य करने की आवश्यकता है। उसके किसी भी प्रकार के प्रचार को आकृष्ट करने तथा स्वयं को सुरक्षित बना लेने के पूर्व ही, तत्काल। तनिक भी विलम्ब हुआ कि वह सूचना प्रदान करना प्रारम्भ कर देगा। तनिक भी विलम्ब हुआ कि वह दूसरे व्यक्तियों में अपने संशयों और कपोल-कल्पनाओं के कीटाणुओं का प्रवेश करना प्रारम्भ कर देगा। वह हम लोगों के लिए जिस खतरे की सृष्टि कर रहा है, उसे यदि तुम नहीं देख सकते तो वह पहले ही तुम्हें प्रभावित कर चुका है। क्या उसने तुम्हें प्रभावित कर लिया है ?"

"नहीं !" स्काट एट्टली ने दूसरे व्यक्ति की पकड़ से अपनी बाँह को दूर खींच लिया। "नहीं !" उसने रुक्षतापूर्वक कहा।

"तुम्हें और मुझे अपनी वफादारी का प्रमाण अवश्य देना चाहिए। क्या तुम इस बात को नहीं समझते ?" तत्पश्चात् बिल ने एक बार और घूम कर बन्द कमरे की ओर देखा। उसने चेतावनी देते हुए कहा, "यह कामरेड पीटर का निर्णय है, जिसका समर्थन समिति ने सर्वसम्मति से किया है। अब वे मेरे वापस आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विलंब का अर्थ होगा तुम्हारे साथ तर्क-वितर्क। तर्क-वितर्क का अर्थ है विभाजित वफादारी और संशय।"

एट्टली ने अपना हैट उठाया और कमरे से बाहर जाने लगा। बिल जल्दी-जल्दी और हठपूर्वक बोलता हुआ उसके पीछे-पीछे चलने लगा। वह इस प्रकार बात कर रहा था, मानो वह स्वयं को समझा रहा हो। "वह जो कुछ करने का विचार कर रहा है, उसे दूसरे कर चुके हैं। और उन्होंने हमें भूमिगत बना दिया है। फिर भी, उन्होंने हमें जो क्षति पहुँचायी, उससे अधिक क्षति ओरपेन पहुँचा सकता है। वह उनकी अपेक्षा अधिक जानता है। हम खतरे नहीं मोल ले सकते। विचार से विश्वासघात करनेवाला व्यक्ति अपने कार्य से भी विश्वास-घाती बन जाता है।"

उन्होंने मन्द प्रकाश वाले हाल में प्रवेश किया। बिल के हाथ में स्काट एट्टली की बाँह थी और वे एक साथ निश्चल होकर खड़े रहे। ऊपर एक दूरस्थ कमरे से एक बालक के चिल्लाने की आवाज आयी। फिर शांति छा गयी। बिल ने सन्तुष्ट होकर सिर हिलाया और शीघ्रतापूर्वक सामने के द्वार की ओर चला गया। "तुम जानते हो कि तुम्हें क्या करना है," बिल ने फुस-फुसाकर कहा, "फोन पर बात। बस इतना ही।"

"हाँ," स्काट एट्टली ने कहा और ऐसा प्रतीत हुआ कि एक दूसरा ही व्यक्ति बोल रहा था। उसने अपने पीछे द्वार के धीरे से बन्द होने की आवाज सुनी। उसके सामने अंधेरी, सुनसान सड़क पड़ी थी। एक टेलिफोन-वार्ता। दो मित्रों के बीच मुलाकात। बस इतनी ही बात थी।

और यदि उसने पीटर के आदेश का पालन नहीं किया, तो ?—पार्टी के साथ उसके सम्बन्ध विच्छिन्न हो जायेंगे। उसका भविष्य समाप्त हो जायेगा। और उसका भण्डाफोड़ कर दिया जायेगा। उसके पिता और उसके मित्रों को बता दिया जायेगा कि वह "क्लैरियन" में क्यों सम्मिलित होना चाहता था। वे उसके सम्बन्ध में अन्य बातों को भी जान सकते हैं। उनके प्रतिमानों के अनुसार वह झूठा, धोखेबाज और विश्वासघाती सिद्ध होगा। किन्तु वह उनके प्रतिमानों को नहीं मानता है। वह उनके संसार का निवासी नहीं है क्योंकि उनके साथ रहने में कोई भविष्य नहीं है।

उसने अपनी हैट को अपनी भौंह पर और अधिक नीचे खींच लिया और आम्स्टर्डम एवेन्यू की दिशा में चलना प्रारम्भ कर दिया। उसकी निर्णय-शक्ति वापस आ गयी, लड़खड़ायी, पुनः वापस आ गयी। उसने अपना उत्तर दे दिया था। उसने आज्ञाकारिता के साथ हाँ कहा था। आज्ञाकारिता ही वास्तविक वस्तु है। आज्ञाकारिता ही सब कुछ है। आज्ञाकारिता और अनुशासन।

साफ-सुथरा काला सूट पहने हुए व्यक्ति ने अपने भूरे फेल्ट हैट को अपने ललाट पर से पीछे हटा दिया। उसने अपना अँगूठा अपनी भौंह पर फिराया और टेलिफोन करने लगा।

"अवश्य," वह कह रहा था, "वह भली भाँति प्रशिक्षित है। वह पीछा करने योग्य है। ईमानदार व्यक्ति अपने रास्तों की पुनरावृत्ति करते हुए नहीं चला करते। उसने मुझे खूब दौड़ाया। गैरेज से मैंने उसके निजी निवास-स्थान तक उसका पीछा किया—कम से कम, उसने वहाँ अपने कपड़े बदले। तत्पश्चात् उसने लेक्सिंगटन पर एक 'ड्रग-स्टोर' में भोजन किया, बस पर सवार होकर ग्रांड सेण्ट्रल तक गया, भूमिगत ट्रेन से चौदहवीं स्ट्रीट तक गया, पैदल पश्चिम दिशा में चला, बस द्वारा नगर के बाहरी भाग में वापस आया, बयालीसवीं स्ट्रीट पर गया, भूमिगत ट्रेन द्वारा ऊपरी ब्राडवे गया। दक्षिण दिशा में पैदल गया, तत्पश्चात् आम्स्टर्डम एवेन्यू से होकर पूरब की ओर गया। आठ बजने से एक मिनट पहले तक एक लाण्ड्री के द्वारा पर उसने प्रतीक्षा की। आठ बजे वह एक मकान में घुस गया—उस समय उसने प्रतीक्षा नहीं की—मैं तो कहूँगा कि

उसके आगमन की आशा की जा रही थी। यह रहा पता...निगरानी करने योग्य। वह मेरा प्रथम सिर-दर्द था। हमने नगर में इतनी तीव्र गति से यात्रा की है कि मैं अतिरिक्त सहायता के लिए माँग नहीं कर सका। और जब वह उस मकान में घुसा, तब मुझे वहीं रुक जाना पड़ा। फोन करने के लिए वहाँ से हट नहीं सकता था। मैं केवल इतना ही कर सका कि उसके पुनः बाहर आने तक प्रतीक्षा करता रहा। आठ बजकर तिरपन मिनट पर वह रवाना हो गया और आम्स्टर्डम एवेन्यू की ओर चलने लगा। उस समय वह किसी भी वस्तु की ओर ध्यान नहीं दे रहा था। वह एवेन्यू के कोने के निकट एक मदिरालय में गया। ओ'फ्लैन्नीगन के मदिरालय में। उसने किसी से बात नहीं की। वह स्काच के तीन पेग पी गया। हाँ, तीन। वहाँ लगभग बारह मिनटों तक बैठा रहा। वह बराबर अपनी घड़ी की ओर देखता रहा। उसने एक पेग शराब के लिए और आर्डर दिया, किन्तु उसने उसका स्पर्श तक नहीं किया, केवल उसकी ओर देखता हुआ बैठा रहा। मैं उस पर नजर रखते हुए फोन के पास गया। तब उसने अकस्मात् मदिरालयवाले को कुछ पैसे दिये और द्वार के बाहर निकलकर सीधे एक टैक्सी में जा बैठा, जो लाल रोशनी देखकर खड़ी हो गयी थी। वहाँ कोई दूसरी टैक्सी दृष्टिगोचर नहीं हुई। इस प्रकार मैं उसे खो बैठा। नौ बजकर चौदह मिनट पर। हाँ, टैक्सी का नम्बर यह है, किसी भी प्रकार....और उसके निवास-स्थान का पता...और उसका वर्णन....समझ गये न? हाँ, अधिक अच्छा होगा कि फिर से पढ़कर सुना दो।"

जब वह सुन रहा था, तब उसने अपने हैट को सिर पर और पीछे हटा दिया और तत्पश्चात् उसे अपना भौंह के ऊपर खींच लिया। "हाँ, ठीक है।" उसने अन्ततः कहा। "ठीक है!" उसने क्लान्तिपूर्वक कहा।

अध्याय–२१

दस बजे रोना ने अपने डेस्क पर पड़ी हुई पुस्तकों और प्रारूप लिखने के कागज को एक ओर हटा दिया। आज रात काम करना असम्भव था; वह व्यग्र और अस्थिर थी। वह अधीर-मन हो उठी और फिर बैठकखाने में चारों ओर देखती हुई वह हिचकिचायी। उसने सोचा, मैं यहां अत्यधिक प्रसन्न रही हूँ, इससे अब एकाकीपन का अनुभव और अधिक हो रहा है।

उसने पुस्तकों को दूर रखना, समाचारपत्रों को मोड़ना और राखदान को खाली करना प्रारम्भ कर दिया। उसने छोटे-से रेडियो को खोल दिया तथा उसे चापिन का एक कार्यक्रम मिल गया। तत्पश्चात् वह खिड़कियों के पास चली गयी, उसने पर्दों को बगल में सरका दिया, जिससे कमरे में ठंडी हवा आने लगी। वह वहाँ खड़ी होकर रात का अवलोकन करने लगी। सड़क के पार खिड़कियों में रोशनी हो रही थी और वे पूर्ण रूप से खुली हुई थीं। लाल 'सस्पेण्डरों' को पसन्द करनेवाला व्यक्ति अपने डेस्क पर बैठकर काम कर रहा था। बगल के निवास-स्थान में, एक नीले और पीले रंग के स्नान-घर में एक दुबली, सुनहले बालोंवाली लड़की, जिसने गुलाबी रंग के पतले 'ब्रैसियर' और 'पैण्ट' पहन रखा था, कुछ मोजों को साबुन से धो रही थी। नीचे के कमरे में एक औरत एक आरामदेह आरामकुर्सी पर बैठी हुई एक नंगे पाँव को, जिसमें एक चमकीली हरी चप्पल पड़ी हुई थी, हिला रही थी।

बहुत अच्छा, रोना ने स्वीकार किया, तुम दुखी हो। क्योंकि तुम अकेली हो। क्योंकि तुम दस बजे की इस शांत रिक्तता के साथ तुम्हारे समक्ष उपस्थित होनेवाली समस्त शुक्रवारीय संध्याओं से भयभीत हो। किन्तु इसका अंत अवश्य होना चाहिए। स्वयं तुम्हारे अतिरिक्त और कोई भी व्यक्ति इससे बाहर निकलने में तुम्हारी सहायता नहीं कर सकता। तुम्हें एक जीवन जीना है और केवल तुम्हीं उसे जिला सकती हो। तुम अपने को जैसी बनाओगी, वैसी ही तुम बनोगी। तुम्हारे द्वारा किया गया प्रत्येक निर्णय, प्रत्येक कार्य तुम्हें बनाता अथवा बिगाड़ता है। तुम जब-जब 'हाँ', अथवा 'नहीं' कहती हो, तब-तब तुम अपना निर्माण करती हो—तुम, वास्तविक तुम, जो अन्तर की गहराई में दबी हुई है।

यह बात उतनी ही सरल है, रोना मेटफोर्ड। उतनी ही सरल और उतनी ही कठिन।

वह खिड़की से दूर हट गयी और उसे अंगीठी के ऊपर लगे हुए आइने में अपने सफेद चेहरे की एक झलक दिखायी पड़ी! "अपने लिए इतनी अधिक दुखी भी मत दिखायी पड़ो।" उसने जोर से कहा। वह अपने प्रतिबिम्ब की ओर कुछ क्षणों तक निर्निमेष नेत्रों से देखती रही और वह तब मुस्करा पड़ी। वह हँसने लगी। दुखान्त चरित्रों के रूप में अपनी सराहना करते समय लोग सदा ही इतने अधिक उपहासास्पद हो जाते हैं। उसने अपने आप से कहा, निश्चय ही हम सभी शोकान्तक हैं। और सभी प्रकार के सुखान्तक भी।

अपनी आकस्मिक हँसी के परिणामस्वरूप उसने स्वस्थता का अनुभव किया। विगत कुछ मिनटों की प्रचण्डता विलुप्त हो गयी और अकेली होने की भावना अब उतनी भयंकर नहीं रह गयी।

उसने सोचा कि अगले सप्ताह मैं पुनः लोगों से मिलना प्रारम्भ कर दूँगी। यदि मैं कुछ दिनों तक और अकेली रह लूं, तो मुझमें उनका सामना अधिक अच्छी तरह से करने की क्षमता आ जायेगी। किन्तु अभी, एक घण्टा और बाकी है और उसके बाद ही वह बिस्तर पर जाने की आवश्यकता महसूस करेगी। वह फ्लाबर्ट का एक अध्याय पढ़ेगी। वह सदा ही एक अच्छे साथी का काम देता है।

उसने कोच की बगलवाली पढ़ने की बत्ती जला दी, सिगरेटों का एक नया पैकेट खोला—"सैलाम्बो" नामक पुस्तक निकाली और अपने कन्धों के पीछे आराम के साथ एक तकिया रख दिया। एक लम्बे क्षण तक पुस्तक उसके घुटनों पर बिना खुली हुई पड़ी रही। वह पुनः रात्रिकालीन आकाश की ओर देख रही थी जो यहां से उसके सामने की आयताकार खिड़की के पास साफ दिखायी दे रहा था। अब वह केवल सड़क के पार स्थित मकान की काली सपाट छत को, जिसके निजी जीवन उसके पानी के बुर्ज की तीव्र छाया के अन्तर्गत छिपे हुए थे, देख सकती थी। गहरी काली छाया के पीछे अंधकार में आरोहण करती हुई ऊँची बिल्डिंगों के सघन, पतले तथा और अधिक समूह थे। उनकी प्रकाशयुक्त खिड़कियाँ, जो इतनी दूरी से छोटी-छोटी दिखायी देती थीं, तारों के समान प्रकाशमान और उतनी ही स्थिर, सुव्यवस्थित पंक्तियों में आकाश में लटकती हुई प्रतीत हो रही थीं। वे वास्तविक थीं, फिर भी सावधानी के साथ सजाये गये किसी क्रिसमस वृक्ष के समान उनमें सौन्दर्य की समस्त अवास्तविकता विद्यमान थी। रोशनियाँ नगर का एक अंग थीं और वे नगर से पृथक् थीं। उनके चरणों पर स्वर का निरन्तर प्रवाह प्रवाहित होता रहता था, किन्तु वे शीतल आकाश की निस्तब्धता में पहुँच कर दूरस्थ, अस्पृश्य बन गयी थीं।

उसने पढ़ना प्रारम्भ ही किया था कि दरवाजे की घण्टी बज उठी। रोना ने पहले उसकी उपेक्षा की। उसने एक दूसरे पृष्ठ को उलटते हुए, दृढ़ निश्चय के साथ फ्लाबर्ट की कहानी के स्पष्ट वर्णन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए चिढ़कर सोचा कि किसी व्यक्ति ने गलती कर दी है।

किन्तु घण्टी फिर बजी। और फिर बजी।

उसने पुस्तक को एक ओर रख दिया और रेडियो को बन्द कर दिया। घण्टी ने एक ऐसी तात्कालिक आवश्यकता का संकेत दिया, जिसने उसके कदमों को तीव्र बना दिया। वह तेजी के साथ हाल में गयी और सड़क पर स्थित दरवाजे के ताले को खोल दिया। तत्पश्चात् उसने अपने निवास-स्थान के द्वार को आधा खोला और प्रतीक्षा करने लगी। उसकी ओर आनेवाले सीढ़ियों पर पड़नेवाले कदम द्रुत एवं भारी थे। एक पुरुष के कदम। उसने दरवाजे को बंद करके उसे केवल कुछ इंच ही खुला रहने दिया और उसने दरवाजे की मुठिया के ऊपर लगी हुई कुंडी से दीवार के साथ सम्बद्ध जंजीर को बन्द कर दिया। तत्पश्चात् वह हिचकिचाती हुई, आश्चर्य करती हुई, परेशानी के साथ खड़ी हो गयी। वह अपने भय की स्वीकारोक्ति पर अर्द्ध-लज्जित थी, सड़क पर स्थित द्वार को खोलकर उसने जो मूर्खता की थी, उससे वह आधी रुष्ट थी।

कदमों की आवाज उसके द्वार पर पहुँच गयी। द्वार को धक्का देकर खोल दिया गया, किन्तु उसमें जंजीर पड़ी हुई थी। स्काट के स्वर ने कहा, "रोना! —रोना!"

उसने तनी हुई जंजीर की ओर घूर कर देखा। तत्पश्चात् अपने-आपसे यह कहती हुई कि जो बात समाप्त हो गयी है, उसे प्रारम्भ करना मूर्खता है, उसने धीरे से कहा, "केवल एक क्षण में आयी!"

"रोना! कृपया!"

उसने द्वार खोल दिया और स्काट धक्का देकर हाल में प्रविष्ट हो गया, उसका सामना करने के लिए वह घूम गया तथा अपने को स्थिर बनाने के लिए उसने अपना हाथ दीवार पर रख दिया। उसका चेहरा सफेद और उतरा हुआ था, उसकी आँखें धँसी हुई और अपेक्षाकृत अधिक बड़ी दिखायी दे रही थीं। उसने अपनी टाई ढीली कर दी थी। उसने अपना हैट टेलिफोन की मेज पर गिरा दिया और जब वह फर्श पर गिर पड़ा, तब भी उसने उसे नहीं देखा। तत्पश्चात् उसने अपनी आँखों को, वहशीपन के साथ घूरती हुई आँखों को, सम्भवतः रोना के चेहरे पर परिलक्षित होनेवाली विस्मय की भावना को न देखने के लिए, बन्द कर दिया। उसने एक क्षण तक अपने ललाट को मला और जब उसका हाथ उसकी बगल में आया, उस समय तक वह अपने को पुनः संयमित कर चुका था। उसने पुनः अपना हाथ ऊपर उठाया, इस बार उसने अपने बालों को ठीक करने के लिए ऐसा किया था। तत्पश्चात् अपनी टाई की गाँठ को पुनः ठीक से बाँधता हुआ वह मुस्करा पड़ा। "मैं डर रहा था कि तुम

मुझे अंदर नहीं आने दोगी।" उसने कहा।

उसका स्वर प्रायः सामान्य था। प्रायः। वह अपने चेहरे को संयमित करते हुए बड़बड़ाया। फिर उसने थोड़ी निराशा के साथ अपने चारों ओर देखा, मानो वह अपने आप से पूछ रहा हो कि वह यहाँ क्यों आया है।

किन्तु रोना जानती थी कि उसके शब्द मिथ्या थे। उसका भय, उसका कारण चाहे जो कुछ भी रहा हो, एक वास्तविक भय था। इस समय वह उसके साथ था। उसके शब्द उसके आगमन के लिए एक बहाना मात्र थे अथवा उसकी परेशानी को छिपाने के लिए वे एक आवरण थे। वह यहाँ क्यों आया है? उसके आवश्यकतापूर्ण स्वर को सुनते समय उसके हृदय में जो आशा उत्पन्न हो गयी थी, वह कठोर निराशा के रूप में परिणत हो गयी।

उसके गाल लाल हो गये, उसके आगे बढ़े हुए कदम रुक गये, उसका भावनात्मक आलिंगन जीने से पहले ही मर गया, उसके शब्द अटक गये।

इसके बजाय उसने अपने स्वर को—विक्षुब्ध और व्यावहारिक स्वर को—कहते हुए सुना, "क्या गड़बड़ी है, स्काट?"

गड़बड़ी क्या है? यही प्रश्न उसने ओरपेन से किया था। केवल पांच घण्टे पूर्व उसने यह प्रश्न पूछा था और अब उसकी प्रतिध्वनि उसका उपहास कर रही थी। "कोई भी गड़बड़ नहीं है!" उसने क्रोधपूर्वक कहा। वह दीवार से हट कर दूर हो गया तथा और अधिक तन कर खड़ा हो गया। उसने द्वार की ओर देखा। "ओह, परमात्मा!" उसका स्वर फूट पड़ा। वह अचानक मुड़ पड़ा और बैठकखाने में चला गया।

रोना का विस्मय भय के रूप में परिणत हो गया। वह उसे पुनः संयमित होने के लिए समय प्रदान करती हुई धीरे-धीरे उसके पीछे-पीछे चलने लगी।

वह कोच पर बैठ गया था। उसने "सैलाम्बों" को उठा लिया था और आलस्यपूर्वक उसके पृष्ठों को उलट रहा था। वह एक बार पुनः सामान्य दिखायी देने लगा।

उसने नजर को ऊपर उठाकर देखा, तो वह द्वार में हिचकिचाती हुई खड़ी थी। "लड़कपन के बाद से मैंने इसे नहीं पढ़ा है।" उसने कहा, "क्या तुम अब भी इस प्रकार की सामग्री को पसन्द करती हो?"

रोना ने उसकी बात से अपना संकेत प्राप्त किया। उसने सोचा, मैं सदा ही स्काट से अपना संकेत प्राप्त करती हुई प्रतीत होती हूँ। स्काट के साथ निपटने का वही एकमात्र तरीका है—स्वयं उसके ही शब्दों में। वह कमरे में आ

गयी, उसने सिगरेटों का पैकेट उठाया, उसे एक सिगरेट और एक दियासलाई दी। उसने कहा, "हाँ, मुझे इसमें आनन्द मिलता है। यह एक अच्छा पलायन है।"

"पलायन ?" उसका स्वर कटुतापूर्ण, विनोद-मिश्रित था। एक फ्रांसीसी यथार्थवादी द्वारा रूमानी मनःस्थिति में वर्णित कारथेज के सम्बन्ध में पढ़ने में पलायन का आनन्द ?

"हाँ, मुझे यह कहने की अनुमति दो कि सन्तुलन बनाये रखने की यह मेरी पद्धति है।" उसने शांतिपूर्वक कहा।

"क्या तुम्हारे पास थोड़ी-सी शराब है ?" उसने अकस्मात् पूछा। "आज रात गर्मी है। और मैं चलता ही रहा हूँ। पहले मैंने एक टैक्सी ली और उसके बाद मैं पैदल चलने लगा। ईश्वर ही जानता है कि कहाँ। मेरा अनुमान है कि इस ब्लाक के चारों ओर। मैंने तुम्हारी खिड़की में रोशनी देखी। तुम वहाँ खड़ी थी। मैं दूर चला गया। फिर मैंने स्वयं को तुम्हारे द्वार पर वापस पाया। और मैंने घण्टी बजा दी।"

रोना ने चिन्तित दृष्टि से उसकी ओर देखा।

"मैं जानता हूँ," उसने क्रुद्ध होकर कहा, "मैं जानता हूँ। मैं दो बार शराब पी चुका हूँ। एक बार और पी लेने से कोई नुकसान नहीं होगा।"

तब वह बर्फ और सोडावाटर लाने के लिए कमरे से बाहर निकल गयी। "मेरे पास केवल थोड़ी-सी मिली हुई ह्विस्की है।" वापस आने पर उसने अपने स्वर को शान्त और निस्पृह रखते हुए तथा चेहरे पर मुस्कान लाते हुए कहा। विनम्र आतिथेया। उपहासास्पद, उसने सोचा...उसने अकस्मात् अपनी आँखों में आँसुओं का अनुभव किया, जो उन्हें उष्णता से जला रहे थे। वह स्काट का निरीक्षण कर रही थी, वह एक अजनबी-से व्यक्ति का निरीक्षण कर रही थी। वह एक ऐसा अजनबी था, जिसे वह इतनी अच्छी तरह से जानती थी कि वह उसकी प्रत्येक भाव-भंगिमा उसकी प्रत्येक अभिव्यक्ति, उसके स्वर के प्रत्येक संकेत को पढ़ सकती थी और वह उनमें से किसी को भी नहीं समझ सकती थी।

"धन्यवाद !" उसने गिलास थामते हुए, जल्दी-जल्दी पीते हुए कहा।

"मुझे इसकी आवश्यकता थी। मेरे सारे स्नायुओं में नारकीय पीड़ा हो रही है।" फिर उसने नजर उठाकर उसकी ओर देखा। "रोना !" उसने कोमलतापूर्वक कहा। निवास-स्थान में प्रवेश करने के बाद से यह पहली बार

उसने उसके नाम का प्रयोग किया था। उसने प्रायः कारुणिक रूप से यह बात कही। "हमने सारी चीजों में बहुत अधिक गड़बड़ी पैदा कर दी है, क्या हमने ऐसा नहीं किया है ?"

उसने सिर हिलाया।

स्काट का चेहरा कठोर हो गया। उसने रोना से नजर हटा कर पुस्तक की ओर देखा, जिसे उसने काफी की मेज़ पर गिरा दिया था। उसने अपने खाली गिलास को उसकी बगल में रख दिया। "पलायन..." उसने कहा, "तो, तुम अपने सन्तुलन को इस प्रकार कायम रखती हो, रोना।" उसके चेहरे पर एक मुस्कान खेल गयी। उसने कमरे में चारो ओर देखा। "साफ-सुथरा, शांतिमय सुव्यवस्थित। एक सुव्यवस्थित जीवन। जो वस्तु भी मेल नहीं खाती, उसे फेंक दिया जाता है। जो वस्तु भी इसे नष्ट करती है, उसे बाहर फेंक दिया जाता है। सिगरेट के टुकड़ों की भाँति। फाड़े हुए पत्र। पुरानी पत्रिकाएं। क्या मैं केवल इतना ही हूँ, रोना ?—कोई ऐसी वस्तु, जो और अधिक मेल नहीं खाती, कोई ऐसी वस्तु, जो तुम्हारे जीवन से बाहर फेंक देने योग्य है ?"

पहले उसने कोई उत्तर नहीं दिया। अन्ततः उसने कहा, "क्या तुम मुझे और अधिक दुखी बनाने के लिए यहां आये हो ?"

"तुम मेरी ओर उस तरह से क्यों देख रही हो ?" उसने प्रतिप्रश्न किया।

"मैं यह पता लगाने का प्रयास कर रही हूँ कि तुम मुझ से मिलने के लिए क्यों आये ?"

उसने उसकी ओर घूर कर देखा। "ईश्वर जानता है !" उसने थकावट के साथ कहा, "क्या यह प्रर्याप्त नहीं है कि मैं अभी तक तुमसे प्रेम करता हूँ ?"

"हाँ।" उसने धीरे कहा। "यह पर्याप्त हुआ होता।"

"तुम यह विश्वास नहीं करती कि मैं अभी तक तुम से प्रेम करता हूँ ?"

"मैं, अब, नहीं जानती। मैं नहीं जानती।"

मैं नहीं जानता...दो घण्टे से भी कम समय पहले दुहराये गये शब्द, ईमानदारी के साथ, निन्दात्मक ढंग से दुहराये गये शब्द। किन्तु एट्टली सोच रहा था, मैं इस बात का अनुमान किस प्रकार लगा सकता था कि वे इतने अधिक निन्दात्मक थे ? लोग कहते है—"मैं नहीं जानता।" और इससे प्रश्नों का अन्त हो जाता है। किन्तु कामरेड पीटर से कोई भी व्यक्ति "मैं नहीं जानता" नहीं कह सकता। केवल निश्चयात्मक ही जीवित रह सकता है। नकारात्मक मस्तिष्क शत्रु है, भावी विश्वासघाती है।

"तुम नहीं जानती," उसने मुलामियत के साथ कहा, "किन्तु जीवित हो।"

उसने अपना सिर घुमा लिया और खिड़की के बाहर देखने लगी, जिससे वह उस के चेहरे का निरीक्षण न कर सके। वह सोच रही थी कि उसे मेरी आवश्यकता है, अन्यथा वह यहां नहीं आया होता।

"क्या अभी तक दृश्य की सराहना कर रही हो?" उसने पूछा। वह आगे बढ़ कर खिड़की के पास पहुँच गया। वह एक क्षण तक बाहर नगर की ओर देखता हुआ खड़ा रहा। "मैं जब-जब यहां आया हूँ, तब-तब तुमने सीमेण्ट के उस पिरामिड की ओर देखा है, मानो वह हीरों से निर्मित हो। वास्तव में वह हीरों का एक पिरामिड ही है, वह मनुष्यों के रक्त और मनुष्यों की आशाओं पर निर्मित एक स्मारक है।" वह दूर हट गया और कोच पर वापस आ गया। "हां," वह कह रहा था, "यदि तुम सुन्दर वस्तुओं की ओर देखो और उनके पीछे छिपी हुई निर्ममता की उपेक्षा कर दो, तो सन्तुलित रहना सरल कार्य है। तुम केवल आकाश-स्थित तारों की ओर ही देखा करो, रोना। वही सही तरीका है। अपनी आँखों को तारों पर जमाये रखो और तुम पलायन कर सकती हो।" उसने अचानक बाहर की प्रकाशयुक्त खिड़कियों की ओर इंगित किया। "किन्तु उनमें जो कुछ छिपा हुआ है, क्या तुम उसके सम्बन्ध में भी सोचती हो? उन बत्तियों के पार गन्दी बस्तियाँ हैं, कुरूपता है, दरिद्रता है। उनके नीचे कूड़ा-करकट के डिब्बे और नाबदान हैं। क्या तुम्हें उनकी भी याद आती है?" उसने अपना सिर हिलाया। "तुम उनको नहीं याद करती, रोना। तुम उनको नहीं याद करती।"

रोना ने उसकी ओर उत्सुकतापूर्ण दृष्टि से देखा। "तुम्हें क्या हो गया है, स्काट?"

"हां," उसने कहा, "तुम केवल इतना ही कह सकती हो...मैं तुम्हें अन्याय के बारे में बताता हूँ और तुम केवल इतना ही कह सकती हो, 'तुम्हें क्या हो गया है?' तुम सब में यही खराबी है, रोना।"

"सारी की सारी मैं?" वह मुस्कराने का, एक छोटा-सा मजाक करने की कोशिश कर रही थी।

किन्तु वह नहीं मुस्कराया। वह उसकी ओर प्रायः अभियोग लगानेवाली दृष्टि से देख रहा था।

"मुझे किस चीज का प्रतीक समझा जाता है? सभ्यता की समस्त बुराइयों का?" उसने अपने स्वर को अभी तक हल्का बनाये रखने का प्रयास

करते हुए कहा। "ओह, स्काट—यह एक काल्पनिक बात है। तुम खिड़की के बाहर देखते हो और तुम्हें एक समृद्ध नगर दिखायी देता है और तुम निराशा में डूब जाते हो। फिर तुम इस प्रकार बातें करने लगते हो, मानो मेरे जैसे व्यक्तियों में कल्पनाशीलता नहीं है, उनमें सहानुभूति का पूर्ण अभाव है। मानो हम लोग इस बात का अनुभव नहीं करते कि वे छतें अत्यधिक विभिन्नताओं को छिपाये हुए हैं—वे व्यक्ति जो चिन्ताजनक स्थिति में हैं, वे व्यक्ति जो मुक्त हैं, वे व्यक्ति जो भूखे हैं तथा वे व्यक्ति जो अत्यधिक भोजन करते हैं, वे व्यक्ति, जो छुट्टियों और पार्टियों की योजना बना रहे हैं तथा वे व्यक्ति जो चोरी और हत्या की योजना बना रहे हैं।"

स्काट ने रोना की ओर घूर कर देखा। उसका चेहरा अभिव्यक्ति-विहीन था। वह निश्चल होकर बैठा था। अकस्मात् उसने अपना सिर अपने हाथों में छिपा लिया।

"स्काट!" रोना उठी और उसके पास आ गयी। वह उसके हाथों को थाम कर, उन्हें कोमलतापूर्वक उसके चेहरे से दूर हटाने का प्रयत्न करती हुई उसकी बगल में घुटनों के बल बैठ गयी। "स्काट, तुम्हें क्या हो गया है? मुझे बताओ। सम्भवतः तुम्हें इसी बात की—किसी को बताने की—आवश्यकता है। तुम मेरे साथ तर्क-वितर्क करने के लिए यहाँ नहीं आये हो, क्यों? या मुझे पाठ पढ़ाने के लिए आये हो?"

"नहीं!" उसने अंततः अपना सिर ऊपर उठाते हुए कहा। उसने शांत कमरे, सुरक्षित छोटे-से कमरे में चारों ओर देखा और तब उसकी आँखें रोना पर जाकर टिक गयीं।

"मैं यहाँ स्वयं अपने साथ तर्क वितर्क करने के लिए आया हूँ। मैं तुम पर विश्वास करता हूँ। तुम एकमात्र व्यक्ति हो, जिस पर मैं विश्वास कर सकता हूँ।" उसने उसके कन्धे को स्पर्श किया और धीरे-धीरे उसकी पकड़ कठोर होती गयी, जब तक उसकी अंगुलियाँ हड्डी में नहीं धँस गयीं और वह दर्द से कराहने नहीं लगी। फिर, अचानक उसने उसे छोड़ दिया। वह उसे अपने से दूर हटाता हुआ उठ खड़ा हुआ। वह खिड़की के पास चला गया। उसने पर्दों को खींच कर सटा दिया।

"स्काट," रोना ने अनुरोधपूर्ण स्वर में पूछा, "तुम्हें क्या हो गया है?"

"प्रश्न मत पूछो, और अधिक प्रश्न मत पूछो," उसने तीक्ष्ण स्वर में कहा," "तुम्हें मुझ पर अवश्य विश्वास करना चाहिए, रोना, जिस प्रकार मैं

तुम पर विश्वास करता हूँ।"

रोना ने कुछ नहीं कहा।

स्काट उसके चेहरे की अभिव्यक्ति का निरीक्षण कर रहा था। "मैंने केवल वही किया है, जो उचित था।" उसने धीरे से कहा।

"फिर..." रोना ने उसकी ओर असहाय-सी होकर देखा।

"फिर मुझे किसी भी बात की चिन्ता नहीं है?" वह पुनः क्रुद्ध, स्वयं अपनी दुर्बलता पर क्रुद्ध हो गया था। "वह गिलास कहाँ है?" उसने पूछा और गिलास को ढूंढ़ लिया तथा उसमें फिर से शराब उड़ेली।

"यह बिल्कुल ठीक है," उसने कटुतापूर्वक कहा, "मैं नशे में नहीं हूँ।" वह अंगीठी के पास चला गया। उसके पैरों में पर्याप्त रूप से स्थिरता थी, किन्तु उसका हाथ थोड़ा काँप रहा था और उसने गिलास को 'मैण्टिलपीस' पर प्रायः अत्यधिक सावधानी के साथ रख दिया।

रोना सोच रही थी, वह जिस प्रकार अभी खड़ा है, उसी प्रकार वह वहाँ अक्सर खड़ा रह चुका है। अचेतन रूप से, वह अपनी उसी पुरानी मुद्रा में हो गया था, उसका सिर झुका हुआ था उसकी एक केहुनी 'मैण्टिलपीस' पर थी और एक हाथ उसके बालों पर था। किन्तु उसके चेहरे पर एक ऐसी अभिव्यक्ति थी, जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था। वह एक ऐसे व्यक्ति के समान दिखायी दे रहा था, जो पलायन करने का प्रयास कर रहा हो। ओह, स्काट, उसने स्वयं से कहा, तुम्हें क्या होता जा रहा है? किन्तु वह मौन बनी रही। उसके ओठ कांपे। उस रात को दूसरी बार उसकी आँखें उष्ण आँसुओं से जल उठीं। उसी क्षण स्काट एट्टली ने नजर ऊपर उठायी और उसके चेहरे की ओर देखा। उसने जल्दी से अपना सिर दूर हटा लिया, किन्तु पर्याप्त जल्दी से नहीं।

"रोना!" उसने अन्तःप्रेरणा से कहा और एक कदम आगे बढ़ गया। एक क्षण के लिए उसके चेहरे पर कोमलता आ गयी, उसकी आँखें करुणा और वेदना से ओतप्रोत थीं। तत्पश्चात् उसने स्वयं को रोक लिया। "नहीं," उसने कहा, "नहीं!" वह बिल्कुल शान्त होकर वहाँ खड़ा रहा, मानो अपने ऊपर नियंत्रण करने के प्रयास ने उसे निर्जीव बना दिया हो।

वह सोच रहा था, मुझे यहां कभी नहीं आना चाहिए था। आना पागलपन था। और मैं क्यों आया? शक्ति प्राप्त करने के लिए, आश्वासन प्राप्त करने के लिए। किन्तु मैंने स्वयं को केवल दुर्बल बना लिया है। मैं केवल इतना कहना चाहता हूँ, "रोना, प्रत्येक वस्तु का परित्याग कर दो, मेरे साथ चली आओ,

आज रात, कल हम लोग चले जायेंगे। मेक्सिको को, कनाडा को। ब्राजील पड़ा हुआ है, सारा अमरीका पड़ा हुआ है। हम लोग नये सिरे से जीवन प्रारम्भ करेंगे। हम लोग पलायन कर जायेंगे।" किन्तु पलायन कोई मार्ग नहीं है। पलायन दुर्बलता है, पलायन एक भ्रांति है, जिसका पीछा भय किया करता है।

उसने कहा, "क्या तुम अब भी मुझसे प्रेम करती हो, रोना ?" वह वह उत्तर के लिए आशा करता हुआ, उसके लिए अपने को सुदृढ़ बनाता हुआ, उसकी प्रतीक्षा करने लगा। भ्रान्ति और दुर्बलता का क्षण समाप्त हो गया था। वह अपने हाथ को आग की लपटों में डालकर उसको जलता हुआ देख सकता था।

किन्तु उत्तर नहीं आया। उसके बजाय रोना ने दुखित मन से कहा, "पुरानी निष्ठाओं को तोड़ना कोई सरल कार्य नहीं है।"

"निष्ठाएँ...." उसने धीरे से कहा, "क्या तुम्हारे मन में मेरे प्रति केवल इतनी ही अनुभूति है ?" तत्पश्चात् उसके स्वर में तीव्रता आ गयी और वह विषाक्त हो गया। "और तुम उन्हें कब तोड़ोगी ? आज रात ? कल ? किन्तु तुम उसे विश्वासघात कहोगी, नहीं कहोगी ?"

"विश्वासघात ?" वह स्तम्भित हो गयी।

"क्या तुम नहीं कहोगी ?" उसने हठपूर्वक कहा।

"विश्वासघात' एक काफी कठोर शब्द है, स्काट। यह इस बात पर निर्भर करता है कि तुम्हारी निष्ठाएं किस बात से प्रेरित हैं।"

"मेरी निष्ठाएँ ?"

"मैं 'तुम्हारा' शब्द का प्रयोग एक सामान्य रूप में कर रही हूँ।" उसने धैर्यपूर्वक कहा, "किसी भी व्यक्ति की निष्ठाएँ, स्काट।" उसने सोचा, मैं इस बात को सहन नहीं कर सकती। मैं यहाँ बैठकर स्काट को हमारे प्रेम की हत्या करते हुए, पीड़ा पर पीड़ा पहुँचाते हुए नहीं देख सकती। फिर भी, मुझे प्रतीक्षा करनी ही होगी, मुझे उसको इस वहशी कटुतापूर्ण ढंग से बात करने ही देना होगा। उसे सहायता की आवश्यकता है। मैं उसे दूर नहीं भगा सकती।

उसने दीवार-घड़ी की ओर देखा और स्काट की आँखों ने उसकी आँखों का अनुसरण किया। लगभग साढ़े दस बज गये थे। स्काट ने अपनी कलाई घड़ी की ओर देखा।

"नहीं," रोना ने कोमलतापूर्वक कहा, "घड़ी पीछे नहीं है। वह सदा ठीक समय ही बताती है।"

"ठीक समय !" उसने दुहराया। वह उससे बात नहीं कर रहा था। तत्पश्चात् उसने जल्दी से, आवश्यकतापूर्ण स्वर में कहा—"कहती जाओ, रोना।"

"कहती जाओ ?"

"विश्वासघात कब होता है ? और वह कब नहीं होता ?"

"किन्तु स्काट—"

"कहती जाओ !"

वह यह याद करने का प्रयास करती हुई हिचकिचायी कि वह क्या कह रही थी। "हाँ," उसने कहना प्रारम्भ किया, "मेरा ख्याल है कि विश्वासघात किये बिना ही तुम कतिपय निष्ठाओं का परित्याग कर सकते हो। मेरे कहने का आशय यह है कि यदि तुमको—यदि किसी व्यक्ति को इस बात का पता चल जाये कि उसकी निष्ठा किसी भ्रान्ति के प्रति रही है, और यदि वह अपनी गलती को देख लेता है और उसे स्वीकार कर लेता है, तो मैं उसे विश्वासघात नहीं कहूँगी। यदि वह किसी मिथ्या वस्तु के प्रति, यह जानते हुए कि वह मिथ्या है, निष्ठावान् बना रहा, तो वह स्वयं अपने ही प्रति विश्वासघात करना प्रारम्भ कर देगा।"

स्काट एट्टली ने अपना सिर हिलाया, मानो यह वह उत्तर नहीं हो, जिसे वह चाहता था। वह धीरे-धीरे चलकर कमरे के पार गया और गिलास में एक बार और शराब उड़ेल ली। रोना उसे चिन्ता के साथ देख रही थी।

"स्काट," उसने कहना प्रारम्भ किया, किन्तु वह जल्दी से शराब पी गया और तत्पश्चात् अपने हाथ में पड़े हुए खाली गिलास की ओर घूर कर देखने लगा।

"स्काट, चलो टहलने चलें। बाहर अधिक ठण्ड है। यह कमरा इतना अधिक—"

"किन्तु यदि इस व्यक्ति ने किसी अच्छी बात के सम्बन्ध में विश्वासघात किया तो ?" स्काट ने माँग की। वह घूमकर उसके सामने खड़ा हो गया और उसने एक छोटी-सी मेज को धक्का देकर हटा दिया, जिससे वह प्रायः उलट ही गयी। उसका स्वर मोटा हो गया था। वह कठोर शब्दों में बोला। "यदि वह किसी अच्छी वस्तु के सम्बन्ध में विश्वासघात करता है, तो क्या होगा—तो क्या होगा ?" उसने खाली गिलास को नीचे डेस्क पर रख दिया, मानो उसने और अधिक न पीने का संकल्प कर लिया हो : वह उससे दूर हट गया। "रोना तुम मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दे रही हो।"

"किन्तु मैं नहीं जानती कि इस व्यक्ति ने किस बात के सम्बन्ध में विश्वास-घात किया है," उसने कहा, "वह कौन-सी वस्तु है ? मित्रता अथवा—अथवा प्रेम ? अथवा उसका देश ?"

"क्या तुम जीवन में केवल इतना ही देखती हो, केवल इतना ही ?" वह घृणापूर्वक बोला। वह हँसने लगा।

रोना ने क्रोधपूर्वक कहा, "मैं जो उत्तर दे सकती हूँ, वह अत्यन्त सरल है। मैं इस बात को जानती हूँ। किन्तु क्या इससे वह उत्तर मिथ्या हो जाता है ?"

ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने उसके शब्दों को नहीं सुना। वह कह रहा था—"आज रात को—आज रात को एक व्यक्ति की निन्दा की गयी। एक विश्वास-घाती के रूप में। वह एक विश्वासघाती है। मैं उसे जानता हूँ। वह मेरा मित्र रहा है। फिर भी वह एक विश्वासघाती है।"

वह अकस्मात् भयभीत हो गयी। वह यह स्पष्टीकरण नहीं कर सकती थी कि क्यों। उसने कहा, "उसे मृत्यु-दण्ड दे दिया गया ! किन्तु हम देशद्रोहियों को फाँसी पर नहीं लटकाते। शान्ति-काल में तो निश्चित रूप से नहीं। हम उन्हें नमक की खानों में भी नहीं भेजते।"

उसने एक क्षण तक उसकी ओर घूर कर देखा। तत्पश्चात् उसने पुनः दीवार-घड़ी की ओर देखा। ग्यारह बजने में पच्चीस मिनट बाकी थे। सोचने के लिए बहुत कम और प्रतीक्षा करने के लिए बहुत अधिक समय रह गया था। किन्तु उन्होंने उसको ही क्यों चुना था ? जिससे वह कभी पीछे न मुड़ सके ? क्या वे उस पर विश्वास नही करते थे ? वह वफादार था, उसने उनके समक्ष प्रत्येक प्रमाण प्रस्तुत किया था। किन्तु इस अन्तिम प्रमाण की माँग करना तो बहुत अधिक था, बहुत अधिक। क्या वे इस बात को नहीं समझते थे ? हाँ, वे समझते थे। यही कारण था कि उन्होंने इस प्रमाण की माँग की थी। इसी कारण उसे यह प्रमाण अवश्य प्रस्तुत करना चाहिए। असम्भव प्रमाण अंतिम प्रमाण था। इससे उसे नापा जायगा। इससे वह स्वयं अपने को नापेगा।

उसने कहा, "एक विश्वासघाती के प्रति विश्वासघात करना विश्वासघात नहीं है। क्या यह विश्वासघात है, रोना ? और यदि उसकी मृत्यु हो जाये, तो किसी को भी दोष नहीं दिया जा सकता।"

वह बेचैनी के साथ उसका निरीक्षण कर रही थी। वह अपनी बढ़ती हुई आशंकाओं को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही थी। "क्या इस व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा चलाया गया है और वह अपराधी सिद्ध हुआ है ?"

"हां। वह अपराधी है।" कम से कम यह बात स्पष्ट थी तथा और अधिक स्पष्ट होती जा रही थी।

"क्या उसकी मृत्यु पहले ही हो चुकी है ?" रोना ने अचानक पूछा, "और क्या तुम यह सोच कर स्वयं को यातना दे रहे हो कि एक मित्र के रूप में तुम उसकी सहायता कर सकते थे ? क्या यह चार्ल्स है, स्काट ? किन्तु चार्ल्स तो देशद्रोही नहीं था। कृपया मेरे ऊपर विश्वास करो, स्काट...चार्ल्स देशद्रोही नहीं था।"

"चार्ल्स ?" उसने अपनी लम्बी यात्रा से धीरे-धीरे वापस आते हुए पूछा, "चार्ल्स ?"

"मैं कभी-कभी आश्चर्य करती हूँ कि क्या उन लोगों ने उसे मार डाला। एक प्रकार से, उन्होंने उसे मार ही डाला।"

"'वे' कौन हैं ?" उसने उसके चेहरे का निरीक्षण करते हुए कदम आगे बढ़ाया।

"मैं नहीं जानती !" रोना ने आकस्मिक भय के साथ कहा।

"नहीं," उसने धीरे से कहा, "मैं चार्ल्स के सम्बन्ध में बात नही कर रहा हूँ।"

स्काट मुड़ा और द्वार की ओर जाने लगा। "मैं सीधा नहीं सोच सकता। यहाँ आकर मैने मूर्खता की। मैंने केवल तुम्हें परेशान कर दिया है।" तत्पश्चात् वह रुक गया, उसकी गतिविधियाँ अभी उसके विचारों के समान ही अस्थिर थीं। "तुमने वह जो टहलने चलने के लिए कहा था," उसने कहा, "क्या तुम आ रही हो ?" उसने सोचा, यह हम अन्तिम बार साथ-साथ टहलेंगे, यह मेरी अन्तिम भावनात्मक मूर्खता होगी।

रोना ने स्काट के चेहरे पर पर परिलक्षित होने वाली वेदना और निराशा का निरीक्षण किया। उसने सोचा, वह अकेले नहीं जा सकता, इस प्रकार नहीं। "हाँ," उसने कहा, "यदि तुम चाहते हो तो मैं आ जाऊँगी। किन्तु क्या तुम्हारे पास समय है ? लगभग सवा ग्यारह बज चुके हैं।" वह उठी और शयन-कक्ष में चली गयी।

"समय ? मेरे पास समय क्यों नहीं होगा ?" वह उसके पीछे-पीछे चला गया था। वह द्वार पर खड़ा होकर हरे और सफेद शयन-कक्ष के चारों ओर देख रहा था, मानो वह याद कर रहा हो। उसने अपने आप से कहा, स्मृतियों को मार डालो और स्वतंत्र हो जाओ। उसने शीशे के सामने अपने काले

मुलायम बालों की कंघी करती हुई लड़की ओर देखा। उसकी बांहें पतली और सफेद थीं। क्या वह भी याद कर रही थी ?

वह कह रही थी, "मैंने सोचा कि आज रात तुम्हें अवश्य किसी से मिलने जाना था।" फिर उसने शीशे में उसके चेहरे को देखा। "तुम दीवार-घड़ी की ओर इतनी चिन्तातुर दृष्टि से देख रहे थे।" उसने यह अनुभव कर स्पष्टीकरण किया कि उसने कोई गलती कर दी है। उसकी ओर देखते हुए रोना का भय बढ़ गया। उसके लिए भय। स्वयं अपने लिए भय नहीं।

"मुझे किसी से मिलने के लिए नहीं जाना है।" उसने कहा और उसका स्वर अकस्मात् ऊँचा हो गया। फिर उतने ही आकस्मिक ढँग से वह दूर हट गया और सामने के द्वार की ओर जाने लगा।

उसने हाल में उसके कदमों की आवाज सुनी। उसने सोचा, कोई बात इतनी अधिक गलत हो गयी है कि मैं उसे समझना प्रारम्भ भी नहीं कर सकती।

हाल का द्वार खुला और फिर बन्द हो गया।

उसने अपना कोट और बटुआ उठा लिया। वह उसके पीछे दौड़ी। जब वह द्वार बन्द करने लगी, तभी टेलिफोन बज उठा। उसने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया। "स्काट," उसने पुकारा, "रुको !"

घर के बाहर उसने अपने दिल को मजबूत बनाया। "यह अधिक अच्छा है।" उसने अंधेरी सुनसान सड़क की ओर देखते हुए, अपनी भौहों पर रात की ठंडी हवा का अनुभव करते हुए कहा। वह कुछ क्षणों के लिए रुका और उसने रेलिंग को पकड़ लिया। उसने गहरी साँस ली। "यह अधिक अच्छा है !" उसने कहा। उसने चलना, बहुत अधिक स्थिरता से नहीं, प्रारंभ कर दिया। अपने पीछे उसने दौड़ते हुए कदमों की आवाज सुनी।

वह रुक गया और रोना उसके पास पहुँच गयी।

"आज रात तुम मुझसे दूर नहीं भाग रही हो !" उसने कहा। "तुम्हारा क्रोध कहाँ है, रोना ? तुम्हारा अभिमान कहाँ गया ?" फिर वह उत्तर की प्रतीक्षा किये बिना, अंधेरी सड़क पर चलने लगा, मानो उसे उसके सामने कुछ भी नहीं दिखायी देता हो। रोना उसके पीछे-पीछे चलने लगी।

"तुम क्यों आयी ?" उसने प्रखरता के साथ पूछा और उसके कदम तेज होने लगे।

मैंने सोचा कि तुम्हें सहायता की आवश्यकता है।" रोना ने सीधा-सा

उत्तर दिया ।

"ओह, तो आज रातको तुम दया दिखाने के लिए निकली हो ।"

"कृपया, स्काट !"

"तुमने सोचा कि तुम मेरे साथ थोड़ी दूर तक चलोगी और मुझे होश में ला दोगी ? और उससे प्रत्येक समस्या का समाधान हो जायेगा ?" उसने उपहास-सा करते हुए पूछा ।

"मैं नहीं सोचती कि उससे प्रत्येक समस्या का समाधान हो जायेगा ।"

ऐसा प्रतीत हुआ कि शान्त उत्तर ने उसे शान्त बना दिया । उसने कोई ऐसी बात कही, जिसे रोना नहीं सुन सकी; सम्भवतः वह बात उसे सुनाने के के लिए नहीं कही गयी थी । उसके कदम तेज हो गये, जिससे उसके साथ-साथ चलने के रोना को दौड़ना पड़ा । अभी तक उसे अपना कोट पहनने के लिए समय नहीं मिल सका था ।

उन्होंने लेक्सिंगटन को और उसके बाद पार्क को पार किया । मैडिसन में बत्तियाँ उनके सामने थीं और वह अधीरतापूर्वक मुड़ कर एवेन्यू पर चलने लगा । उसने अपने सामने सीधा घूर कर देखा, उसकी आँखें किसी भी वस्तु पर नहीं टिकी हुई थीं । वह दूकानों की प्रकाशयुक्त खिड़कियों अथवा उनके पास से होकर गुजरने वाले व्यक्तियों की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दे रहा था । फिर भी, वह एक उद्देश्य के साथ चल रहा था, मानो वह जानता हो कि वह कहाँ जा रहा है । अब भी मैडिसन एवेन्यू पर ही चलते हुए, अब भी अंधों के समान उत्तर दिशा में उन ब्लाकों की सीध में चलते हुए, जो अब अधिक शांत, अधिक अंधकारपूर्ण हो गये थे, उन्होंने ५९ वीं स्ट्रीट को पार किया ।

उनके ६५ वीं स्ट्रीट के निकट पहुँचने पर, स्काट ने पुनः कहा, "यह अधिक अच्छा है ।" उसका दिमाग साफ हो गया था, उसने एक बार और स्वयं पर नियंत्रण कर लिया था । "तुम्हें सर्दी लग जायेगी ।' उसने अचानक रुक कर, रोना को अपना कोट पहनने में सहायता पहुँचाते हुए कहा । फिर वे एक बार पुनः चलने लगे । किन्तु क्रोधावेशपूर्ण कदमों की गति मन्द हो गयी थी । दिशा भी अपेक्षाकृत कम निश्चित प्रतीत हुई । ६७ वीं स्ट्रीट पर वह हिचकिचाया और फिर वह एवेन्यू को पार कर गया । वहाँ वह पुनः हिचकिचाया । रोना ने उसकी ओर देखा और स्काट ने इस बात को तुरन्त लक्ष्य कर लिया । "तुम चिन्ता करना बन्द कर सकती हो," उसने कहा, "अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ ।" उसके खिन्न, दुखी चेहरे पर एक मुस्कान दौड़ गयी । वह

पश्चिम दिशा की ओर चलने लगा।

"स्काट," रोना ने अन्तःप्रेरणा से कहा, "तुम घर जाकर थोड़ी--सी नींद क्यों नहीं ले लेते ? कल तुम जान टाइसन से मिल सकते हो। अथवा क्या तुम्हारे पिता नगर में हैं ? वे तुम्हारी सहायता कर सकते हैं।"

"नही," उसने कठोरतापूर्वक कहा, "और मुझे सहायता की आवश्यकता नहीं है।"

"निकोलस ओरपेन के बारे तुम्हारा क्या ख्याल है ?" उसने पूछा। यह उसकी पराजय की स्वीकारोक्ति थी।

"ओरपेन !" उसने निरुद्देश्य रूप से दुहराया। एक क्षण तक वह रुका रहा। "तुमने ओरपेन का नाम क्यों लिया ?"

"वह तुम्हारा मित्र है।"

'तुमने ओरपेन का नाम क्यों लिया ?"

"सम्भवतः वह तुम्हारी सहायता कर सकता है। मेरे कहने का आशय बस इतना ही था।"

"किन्तु तुम ओरपेन से घृणा करती हो।"

"मैंने उस पर अविश्वास किया है। वह एक विकृत व्यक्ति है। वह तुम्हारे साथ जो कुछ कर सकता है, उससे मैं सदा भयभीत रहती थी। सम्भवतः मै उससे ईर्ष्या करती थी।" उसने मुस्कराने का प्रयत्न किया। यह एक पूर्ण विफलता थी, जिसमें कुछ भी नहीं छिपाया जा सका।

"तुम उससे घृणा करती हो और फिर भी तुम परामर्श के लिए मुझे उसके पास भेज रही हो। नहीं, रोना। मुझे सच्ची बात बताओ।"

"आखिरकार," उसने थकावट के साथ कहा, "जब मैं उसकी आलोचना करती थी, तब तुम सदा ही उसका बचाव किया करते थे। अतः मेरा ख्याल है कि उसमें कुछ अच्छी बात है, भले ही मैं उसे न देख सकूं।"

वे दोनों पाचवीं एवेन्यू पर आ गये और अब रोना रुक गयी। वे एक विशाल भवन की प्रकाशयुक्त खिड़कियों के नीचे चौड़े पार्श्व-मार्ग पर खड़े हो गये। एवेन्यू के पार केवल सेण्ट्रल पार्क का अंधकार था, सघन परछाइयों में समूहबद्ध खड़े वृक्ष थे, मार्गों पर ऐसी बत्तियाँ जल रही थीं, जो उसकी प्रचण्ड गोपनीयता से पराभूत हो गयी प्रतीत होती थीं।

"मैं थक गयी हूँ, स्काट !" रोना ने नीचे सड़क की ओर देखा, जो उसके समक्ष एक ऐसे प्रकाशयुक्त रिक्त रंगमच के समान फैली थी, जो नाटक के प्रारंभ

होने की प्रतीक्षा कर रहा हो और फिर उसने पीछे मुड़कर उस शांत सड़क की ओर देखा, जिस पर चल कर वे यहाँ आये थे। वह पहले से ही निद्रा-निमग्न हो गयी थी। कुछ कारें खड़ी थीं। एक व्यक्ति धीरे-धीरे चल रहा था। एक टैक्सी तेज गति से जा रही थी। बस इतना ही। नगर का यह भाग रात में विचित्र रूप से एकाकी दिखायी देता था, मानों पार्क का मौन अपनी दीवारों के पार पहुँच रहा हो। "किस रास्ते से ? पाँचवीं एवेन्यू से होकर ?" उसने पूछा।

किन्तु स्काट नहीं हिला। वह उसके चेहरे का निरीक्षण कर रहा था। "मैंने तुम्हारे निवास-स्थान पर तुम्हें क्या कहा था ?" उसने शांतिपूर्वक पूछा।

"कुछ भी नहीं। ऐसी कोई भी बात नहीं, जिसे मैं समझ सकी हूँ।"

"मैंने ओरपेन के संबंध में क्या कहा था ?"

"कुछ भी नहीं।"

उसने अपने क्रोध को अपने वश में कर लिया। उसने रोना की बाँह को कस कर पकड़ लिया और उसे पांचवीं एवेन्यू के पार ले गया। "हम लोग यहाँ बात कर सकते हैं।" उसने कहा और वह पार्क के प्रवेश-द्वार की ओर चलने लगा।

"रात को यहाँ चलना खतरा मोल लेना है।" रोना ने उसे प्रवेश-द्वार से दूर खींचने का प्रयास किया। "हम लोग बाहर सड़क पर भी बात कर सकते हैं।"

"डर लग रहा है ?" स्काट ने पूछा। "तुम्हें किस बात का डर लग रहा है ? परछाइयों में छिपे हुए चोरों का ?"

"स्काट, ग्यारह कभी के बज चुके होंगे। अधिक अच्छा होगा कि हम लोग—"

"क्या यह तुम्हारे प्रिय स्थानों में से एक नहीं है ?" उसने कटुतापूर्वक पूछा। "क्या तुम सोचती हो कि यह इतना पूर्ण इसलिए है कि यह देखने में सुन्दर है ?" "तुम इस पर विश्वास नहीं करती, करती हो क्या ? तुम्हारे समस्त सुन्दर शब्दों के बावजूद तुम इस पर विश्वास नहीं करती।" फिर उसने सड़क के पार ६७ वीं स्ट्रीट पर देखते हुए अपने पीछे मुड़कर घूर कर देखा। उसकी बांह पर उसके हाथ की पकड़ कठोर हो गयी। "क्या वह व्यक्ति हमारा पीछा कर रहा है ?" उसकी आँखें संकीर्ण हो गयीं।

रोना ने मुड़कर देखा। उसने जिस व्यक्ति को कुछ क्षण पूर्व देखा था, वह प्रायः उनके सामने के कोने पर पहुँच गया था। "वह केवल किसी मकान का

पता ढूँढ रहा है।" उसने उसकी गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए कहा।

"जब मैंने तुम्हारी घण्टी बजायी थी, तब वह तुम्हारे मकान के बाहर खड़ा था। जब मैं प्रतीक्षा कर रहा था, तब वह मेरी बगल से होकर गुजरा था," स्काट ने जल्दी से कहा, "यह बात एक घण्टा पहले की है।"

"तुम कल्पनाएं कर रहे हो। हम लोगों का पीछा कोई क्यों करेगा?"

"जल्दी करो, इधर से!"

"स्काट, क्या तुम किसी खतरे में पड़ गये हो?" इससे प्रत्येक बात का स्पष्टीकरण हो जायेगा। प्रत्येक बात का।

अपने उत्तर के रूप में वह उसे जल्दी-जल्दी सीढ़ियों के नीचे उतारकर पार्क में ले गया। "इधर से!" उसने उससे आगे बढ़ने के लिए अनुरोध करते हुए कहा।

"हम लोगों को रोशनीवाले मार्गों पर ही चलना चाहिए, स्काट।"

"इधर से!" स्काट ने अपने कन्धे के ऊपर से पीछे की ओर देखते हुए कहा और उन्होंने एक पहाड़ी पर चढ़ना प्रारम्भ कर दिया। "हाँ, वह रहा वह—अब वह पार्क में प्रवेश कर रहा है।" वह उसे कठोरतापूर्वक चट्टानों के एक समूह के पीछे खींच ले गया। उन्हें वृक्षों की परछाइयों ने ढँक लिया। झाड़ियों के एक समूह ने उन्हें प्रायः अदृश्य कर लिया। जब वे दौड़ने लगे, तब रोना विषम भूमि पर लड़खड़ा गयी। प्रकाशयुक्त मार्ग दृष्टि से ओझल हो गया था। यहां केवल अन्धकार था।

स्काट ने उसकी बाँह को छोड़ दिया। वह उसके चेहरे को साफ-साफ नहीं देख सकती थी। वह भी परछाइयों में खो गया था। "मैंने ओरपेने के सम्बन्ध में क्या कहा था?" उसने रुक्ष कठोर स्वर में पूछा।

उसने अन्धकार में घूर कर देखा। "वह व्यक्ति जो हमारा पीछा कर रहा है—तुम झूठ बोले। वह हमारा पीछा नहीं कर रहा था। तुम मुझे यहाँ लाने के लिए झूठ बोले।"

"मुझे तुमसे बात करनी है। मेरी बात तो सुनो! मैंने आज रात तुम्हारे निवासस्थान पर तुमसे क्या कहा था?"

"और मैं अच्छी और पागल होती जा रही हूँ!" उसने कटुतापूर्वक कहा। वह दूर हट गयी, किन्तु उसकी एंड़ी एक अलग पड़े हुए पत्थर पर मुड़ गयी और एक कँटीली शाखा ने उसके पैर को चीर दिया। वह रुक गयी। "स्काट एडली, तुम मुझे यहां लाये हो। अब मुझे यहाँ से बाहर ले चलो। मैं

ठीक सरह से देख भी नहीं सकती।"

"मैं यह जानना चाहता हूं कि आज रात मैंने तुमसे क्या कहा था। परमात्मा के लिए, मुझे बताओ!"

"क्या तुम्हें याद नहीं है, अथवा यह और अधिक अभिनय है?"

"मैंने अवश्य ही तुमसे कुछ कहा होगा!" उसने खिन्नतापूर्वक कहा, "मैं उसे जानना चाहता हूँ।"

"तुम विश्वासघात के सम्बन्ध में बात कर रहे थे। एक ऐसे व्यक्ति के सम्बन्ध में जिसे मृत्यु-दण्ड दिया गया है।" उसकी आँखें उसके चारों ओर व्याप्त कालिमा की अभ्यस्त नहीं हो पायी थीं। उसने सावधानी से एक कदम रखा और फिर दूसरा कदम रखा। भूमि ऊबड़-खाबड़ और खतरनाक थी; उसका पाँव चट्टानों के एक समूह पर फिसल पड़ा।

"ओह, हम लोगों को यहाँ से बाहर निकल चलना चाहिए।"

वह हिला नहीं। "मृत्यु-दण्ड?" उसने पूछा।

"मुझे ठीक-ठीक याद नहीं है। तुमने 'कनडेम्ड' शब्द का प्रयोग किया था...मैं जानती हूँ...किन्तु क्या उसका अर्थ मृत्यु नहीं होता?"

वह अब भी नहीं हिला। उसके पीछे झाड़ियों में एक पशु खड़खड़ाया। रात्रिकालीन वायु में वृक्ष हिल पड़े।

और तब उसे ज्ञात हो गया। उसने धीरे से कहा, "क्या ओरपेन विश्वास-घाती है?"

वह प्रतीक्षा करती रही, किन्तु स्काट नहीं बोला। "किसके प्रति विश्वास-घाती?" उसने आशंकित होकर पूछा। वह अपने बैठकखाने में कहे गये स्काट के शब्दों को याद कर रही थी। अकस्मात् उनका अर्थ निकलने लगा। एक ऐसा अर्थ, जो मूर्खतापूर्ण था। उसने सोचा, यह अन्धकार है, यह कालिमा है, जो हमें विलुप्त कर रही है। मैं भयभीत हूँ। मैं प्रत्येक वस्तु से भयभीत हूँ। वह घूम कर दौड़ने लगी।

एक बाँह ने उसका गला पकड़ लिया और वह उसे दबाने लगी। एक घुटने ने उसके शरीर को मरोड़ कर धराशायी कर दिया और उसे पीठ के बल लेटने पर विवश कर दिया।

"स्काट!" उसने चिल्लाने का प्रयास किया, किन्तु उसके मुँह पर जो हाथ पड़ा, वह स्काट का नहीं था। वह उग्र संघर्ष करने लगी। एक अजनबी आवाज ने कहा, "वह एक जंगली बिल्ली है" और उसके पीछे कोई हँस पड़ा।

"उसकी अपेक्षा अधिक संघर्ष कर रही है !" हंसनेवाली आवाज ने कहा।

उसने अपने को चित गिर जाने दिया। तत्पश्चात् उसने अपने ओठों पर रखे हुए हाथ को खूब जोर से काट लिया और जब वह हाथ कुछ क्षण के लिए उसके मुह से दूर हट गया, तब वह चिल्ला पड़ी। वह व्यक्ति गालियाँ बकने लगा और वह उसके गले को और अधिक कस कर दबाने लगा। किसी व्यक्ति ने रोना की बाहों को पकड़ लिया था और वह उन्हें जमीन पर सटाकर दबा रहा था। उसके पैरों पर एक भार था, जिसे वह हटा नहीं सकी। बाल में लगाने के मीठे तेल और पसीने की गन्ध से उसकी सांस बन्द हुई जा रही थी।

और फिर, अकस्मात् एक गोली चली। प्रतिध्वनि करती हुई, परछाइयों को विखण्डित करती हुई गोलियों की आवाज़ की पुनरावृत्ति हुई। चेतावनी की एक आवाज हुई। उसके शरीर पर से भार हट गया। हाथ उसके शरीर पर से हट गये थे। पैरों के भागने की आवाज़ सुनायी दे रही थी। शोर हुआ। भेदते हुए, तेज स्वर में, एक सीटी बज उठी।

वह कराहती हुई अंधकार में पड़ी थी। तत्पश्चात् वह धीरे-धीरे बैठ गयी। किसी व्यक्ति ने उसकी सहायता की। एक व्यक्ति ने उदारतापूर्वक कहा, "आप अब बिल्कुल ठीक है। आप सुरक्षित हैं। चिन्ता मत कीजिये। आश्वस्त हो जाइये। यही बात है।"

"बेचैनी—मैं बेचैनी का अनुभव कर रही हूँ !" रोना ने कहा। केश-तेल और पसीने की बदबू, ढूंढ़ते हुए हाथ....

"आश्वस्त हो जाइये।" उस व्यक्ति ने कोमल स्वर में कहा। और फिर, बाद में उसने कहा, "अब, यह रहा आपका कोट।" उसने फटे हुए कोट को उसके नंगे कंधों पर लपेटने का प्रयत्न किया। "अब आप बिल्कुल ठीक हैं," उसने पुनः कहा। वह तब तक प्रतीक्षा करता रहा, जब तक रोना ने अपने को ढँक नहीं लिया और तब उसने एक "फ्लैश-लाइट" जला दी और उसकी रोशनी को उससे दूर कर दिया।

"स्काट..." उसने कहा, "स्काट ?"

"वह भी बिल्कुल ठीक है।" उक्त स्वर ने कहा, किन्तु उसमें थोड़ा परिवर्तन हो गया था। रोना ने धीरे-धीरे, पीड़ा के साथ नजर ऊपर उठायी। स्काट उसके पास निश्चल होकर बैठा था. उसका सिर झुका हुआ था, उसका चेहरा उसके हाथों से ढँका हुआ था।

तत्पश्चात् रोना ने अजनबी व्यक्ति की ओर देखा, जो उसकी बगल में

घुटनों के बल बैठा हुआ था। उसका भूरा हैट उसके सिर के पीछे कर दिया गया था, उसका काली भौंहोंवाला चेहरा चिन्ता के साथ रोना का निरीक्षण कर रहा था।

चट्टानों पर कदमों की आवाज सुनायी पड़ी और गन्दे-फटे कपड़े पहने हुए एक व्यक्ति का आगमन हुआ। वह एक भारी 'फ्लैश-लाइट' और रोना का हैण्डबैग लिये हुए था।

"चिन्ता मत कीजिये, वह छद्मवेशी पुलिस-सिपाही है," उसकी बगल में बैठे हुए व्यक्ति ने कहा, "गोलियाँ उसीने चलायी थीं।"

"हमने एक को पकड़ लिया है। अन्य दो को हम बाद में पकड़ लेंगे।" पार्क के पुलिस-सिपाही ने कहा। "उन्होंने इसे गिरा दिया!" उसने आश्वासनादायक ढंग से मुस्कराते हुए हैण्डबैग को दिखाया। "जरा अनुमान तो कीजिये कि उनके पास किसी भी वस्तु को ले जाने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।" उसने अपने पास की लाइट को स्काट एट्टली की ओर मोड़ दिया। "अगली बार जब आपको कुछ आलिंगन की आवश्यकता हो, तो किसी सुरक्षित स्थान पर ही बने रहिये, क्या आप ऐसा करेंगे?"

"हां," रोना के बगल में बैठे हुए व्यक्ति ने कहा, "यदि वह चिल्लायी न होती, हम लोग कभी उसके पास नहीं पहुँच पाते।"

स्काट एट्टली ने अपना सिर ऊपर उठाया और उसकी ओर घूर कर देखने लगा। "तो तुम्हीं मेरा पीछा कर रहे थे?" उसने कहा।

"मैं तनिक भी तुम्हारा पीछा नहीं कर रहा था।" उस व्यक्ति ने कहा। उसने रोना की ओर देखा और खड़ा होने में उसे सहायता प्रदान की। "ठीक है?" उसने रोना को सीधा करते हुए उससे पूछा।

उसने स्वीकृति में सिर हिलाया।

"इसी तरह से!" उस व्यक्ति ने उत्साह दिलाते हुए कहा। उसने सोचा, जहन्नुम में जाये, मैंने इस कार्य को प्रायः चौपट ही कर डाला था। उन्होंने कहा था, उसके ऊपर नजर रखो। मैंने वैसा ही किया। तीन दिन बीत गये और कुछ नहीं हुआ। ओर तब यह प्रेमी आता है, और उसके लिए उसके जीवन को ही प्रायः समाप्त कर देता है। मेरी रिपोर्ट में यह बात कैसी दिखायी देती!

स्काट एट्टली धीरे-धीरे उठा। "रोना!" उसने कहा।

रोना ने केवल उसकी ओर देखा।

"क्या तुम बिल्कुल ठीक हो, रोना?"

वह हँसने लगी। और फिर, वह उतने ही आकस्मिक रूप से मौन हो गयी। "हाँ," उसने अन्ततोगत्वा कहा, "मैं बिल्कुल ठीक हूँ। क्या तुम्हें निराशा हुई ?"

उसकी बगल में खड़े दोनों व्यक्तियों ने एक-दूसरे की ओर देखा। वे यह कहते हुए प्रतीत हुए कि वह उन्माद से पीड़ित हो गयी है।

"क्या तुम्हें निराशा हुई, स्काट ? क्या तुम यही नहीं चाहते थे ?" वह उससे दूर हट गयी। "कृपया मुझे घर पहुँचा दीजिये !" उसने अजनबी व्यक्तियों से कहा।

स्काट एट्टली उसे रोकने के लिए आगे बढ़ा। "रोना..."

"वह जिस वस्तु को प्राप्त नहीं कर सकता, उसे वह नष्ट कर देता है !" रोना ने उसकी ओर देखते हुए और फिर भी उसके सम्बन्ध में इस प्रकार बात करते हुए कहा, मानो वह वहाँ था ही नहीं।

"देखो, मित्र, इस मामले को हमें हाथ में लेने दो !" पुलिस के सिपाही ने शांतिपूर्वक एट्टली से कहा, "मेरा अनुमान है कि इस क्षण यहाँ पर तुम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हो।" उसने नवयुवक व्यक्ति के सफेद चेहरे की ओर देखते हुए सोचा, कहीं चोट भी नहीं लगी है, उसे कहीं कोई खरोंच भी लगी हुई नहीं दिखायी देती है। वह कर क्या रहा था ? आप इस लड़की के कटुतापूर्ण शब्दों के लिए इसे दोष नहीं दे सकते। "हम लोग स्टेशन पर चलेंगे और आप अपने बटुए का वहां वर्णन कर सकती हैं। मेरा ख्याल है कि आप आदमियों को नहीं पहचान सकतीं ?"

"अब आश्वस्त हो जाइये।" भूरे हैट वाला व्यक्ति कह रहा था। उसका हाथ रोना की कमर में था और वह उसे रास्ते की ओर ले चल रहा था। छद्मवेशी पुलिस-सिपाही उसके पैरों के सामने जमीन पर "फ्लैश लाइट" की रोशनी करने के लिए जल्दी-जल्दी आगे-आगे चल रहा था। "मैंने एक गश्ती कार बुलायी है," उसने कहा, "हम आपको शीघ्र ही घर पहुँचा देंगे, कुमारी जी। देखिये, वह रही गश्ती कार, फाटक पर।"

तत्पश्चात् वह यह देखने के लिए पीछे मुड़ा कि नवयुवक व्यक्ति उनके पीछे-पीछे आ रहा है अथवा नहीं। किन्तु उनके पीछे कोई भी नहीं था। उसने अपनी बत्ती से पीछे पहाड़ी पर रोशनी फेंकी। पार्क के अन्धकारमय विस्तारों के अतिरिक्त, जो अब नीरव, निर्दोष था, वहाँ कुछ भी नहीं दिखायी देता था।

*

अध्याय–२२

टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान पर शुक्रवार की वह संध्या एक शान्त संध्या थी; क्योंकि सत्र का अन्त निकट आ रहा था और जान के छात्र अपने व्याख्यानों के नोट तैयार करने में प्राणपण से अन्तिम कुछ घण्टे व्यतीत कर रहे थे। उस दिन आने वाला एक मात्र अतिथि पाल हैन ही था। वह वायदे के अनुसार नौ बजे आया और जब उसे पता लगा कि रोना नहीं आने वाली है तब उसने अपनी निराशा को छिपाने का प्रयास किया।

"उसे कुछ काम समाप्त करना था।" पेगी ने स्पष्टीकरण किया।

"क्या तुमने उससे बताया था कि मैं तुमसे मिलने के लिए आ रहा हूँ?" पाल ने मुस्कराते हुए पूछा।

"नहीं तो!" पेगी ने कहा। किन्तु वह झूठ बोलने में कुशल नही थी। उसने सहायता के लिए चारों ओर देखा। वहाँ कोई न था—जान रसोई-घर में चला गया था और वहाँ बर्फ की तश्तरी के साथ संघर्ष कर रहा था। पेगी ने एक क्षण तक हैन के चेहरे का निरीक्षण किया। फिर उसने कहा, "पाल, क्या तुम कभी यह सोचते हो कि स्काट एट्टली रोना के साथ अपनी सगाई की समाप्ति के लिए तुम्हें दोष दे सकता है?"

"यह सुनकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई।" उसने विनोदपूर्ण अविश्वास के साथ पेगी की ओर देखा।

"किन्तु स्काट सदा ही किसी न किसी चीज को दोष देता रहता है। मैंने अभी तक उसे स्वयं को दोष देते हुए कभी नहीं सुना। और रोना इस बात को पसन्द नहीं करेगी कि तुम्हारे प्रति उसके सन्देह को प्रोत्साहन मिलता रहे।"

"यदि पाँचवीं एवेन्यू पर हमारे बीच लड़ाई हो गयी हो, तो?" पाल ने पूछा।

"हां, स्काट अत्यन्त गरम मिजाज का है।"

"मेरे लिए तो वह मुर्दा मछली के समान है।"

"मुझे भय है कि तुम उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह रखते हो।"

"अवश्य, मैं पूर्वाग्रह रखता हूँ। और यह एक ऐसा पूर्वाग्रह है, जिसका मैं परित्याग भी नहीं करने जा रहा हूँ।" उसने अकस्मात् पूछा, "क्या तुम एट्टली को पसन्द करती हो?"

"मुझसे ऐसा प्रश्न पूछने के लिए यह समय अच्छा नहीं है। अभी, इस क्षण

तो मैं उसे तब तक झकझोरते रहना पसन्द करूँगी, जब तक उसके दाँत न खनखना उठें।"

"उसके दाँत खनखनाने के लिए बड़े सुन्दर भी हैं," पाल ने कहा, "अथवा तोड़कर उसके गले के नीचे सरका देने के लिए।"

पेगी हँसने लगी। "तब तुम और जान एक ही मत रखते हो। पिछले सप्ताह जान जितना क्रोधोन्मत्त रहा है, उतना क्रुद्ध मैंने उसे कभी नहीं देखा था।" वह रुकी और उसके चेहरे की मुस्कान विलुप्त हो गयी। "किन्तु सम्भवतः यह सब कुछ समाप्त हो जायेगा, सम्भवतः अन्त में यह सब ठीक हो जायेगा।" उसने अपने पैरों के नीचे पड़े हुए कालीन का अध्ययन किया। उसने हाथ बढ़ाकर कोच के किनारे पड़े हुए वर्णमाला के एक चौकोर खंड को उठाया।

पाल ने कहा, "क्या तुम्हारे कहने का आशय यह है कि उनका विवाह अब भी हो सकता है?" उसने इस सम्बन्ध में नहीं सोचा था। फिर भी, ऐसा हो सकता था। यदि एट्टली में तनिक भी सद्बुद्धि होती, तो ऐसा हो सकता था। उसने उदास मन से एक सिगरेट की तलाश की और उसको जलाने पर ही ध्यान केन्द्रित करता हुआ प्रतीत हुआ। "मुझे नहीं मालूम!" पेगी ने स्पष्टतापूर्वक कहा, "कुछ भी हो, तुम अपने जीवन के प्रायः तीन वर्षों तक किसी व्यक्ति से प्रेम करने के बाद एक सप्ताह में ही उससे विमुख नहीं हो सकते। मेरा ख्याल है कि तुम निरन्तर सोचते रहते हो कि तुम्हारे जीवन के तीन वर्षों का पूर्णतः निरर्थक बन जाना बिल्कुल गलत है। और इसलिए तुम निरन्तर यह आशा करते रहते हो कि प्रत्येक वस्तु पुनः परिवर्तित होकर उसी प्रकार की हो जायगी, जिस प्रकार की वह उस समय थी, जब तुम प्रसन्न थे।"

"किन्तु क्या लोग परिवर्तित होकर पहले जैसी स्थिति में आ सकते हैं?"

पेगी ने कोई उत्तर नहीं दिया। वह ध्यान लगाकर सुन रही थी, उसका सिर थोड़ा-सा मुड़ा हुआ था, उसकी भौंहों से चिन्ता का संकेत मिल रहा था। तत्पश्चात्, आश्वस्त हो जाने पर, उसने कहा, "क्षमा करना—मैंने सोचा कि वह बाबी पुकार रहा है। तुमने क्या कहा, पाल?"

"मैं आश्चर्य कर रहा था कि क्या लोग पुनः परिवर्तित होकर पहले जैसी स्थिति में आ सकते हैं?" वह इस बात पर आश्चर्य कर रहा था कि किस प्रकार कोई स्त्री एक ही समय दो विभिन्न स्तरों पर चिन्ता कर सकती है, जब कि वह एक तृतीय स्तर पर वार्तालाप कर रही हो।

"नहीं, मेरा ख्याल है कि वे ऐसा नहीं कर सकते," उसने स्वीकार किया,

"उस समय तक नहीं, जब तक वे अपने पहले के समस्त विचारों का विस्मरण न कर दें अथवा पहले के अपने समस्त कार्यों को अकृत न कर दें।"

"अथवा तुम्हारी वक्तृत्व-कला की समस्त गाँठों को जोड़ न दें, प्रिये!" जान ने कमरे में पेय पदार्थों की तश्तरी के साथ प्रवेश करते हुए कहा, "अस्तु, यह सब बात किस संबन्ध में हो रही है।"

"अधिकांशतः स्काट एट्टली के संबन्ध में।" पेगी ने कहा।

"ओह!" जान चारों ओर देखते हुए एक ऐसे स्थान की तलाश करने लगा, जहाँ वह तश्तरी को रख सके। "तुम्हें पेगी का नया ड्रेस कैसा लगता है, पाल? उसने यह सुनकर कि आज रात तुम यहाँ आ रहे हो, इसे पहना है।"

"अब, जान!" पेगी ने, परेशानी का अनुभव करते हुए, काफी की मेज पर थोड़ा स्थान साफ करने के लिए उठते हुए कहा। "यहाँ हमेशा ही इतना अधिक सामान पड़ा रहता है!" उसने, प्रायः अपने आपसे, पुनः कहा।

"माफ करना, भूल गया था।" जान ने अपनी पुस्तकों और पत्रिकाओं की रक्षा करते हुए और उन्हें अपने डेस्क तक ले जाते हुए कहा, "किन्तु मेज यदि सामान रखने के लिए नहीं है, तो किसलिए है?"

"यह एक बहुत ही सुन्दर ड्रेस है," पाल ने चतुरतापूर्वक कहा, "हरा रंग तुम्हें बहुत भाता है।"

"वह अच्छा लगता था," पेगी ने कहा, "किन्तु आज रात एक निराशाजनक बात यह हुई कि अब मैंने निश्चय किया है कि मैं हरे रंग में बड़ी भद्दी दिखायी देती हूँ।" उसने सोचा, और मैंने इस निगोड़े ड्रेस के लिए इतना कठोर परिश्रम किया है। सामग्री के लिए नौ डालर और पचहत्तर सेण्ट खर्च हो गये। लगभग पूरे दस डालर।

"हाँ," पाल ने शान्त कमरे में चारों ओर नजर दौड़ाते हुए, अपनी कुर्सी पर आराम के साथ फैलकर बैठते हुए तथा यथासम्भव निराशाहीन दिखायी देने का प्रयास करते हुए कहा, "यह एक सुन्दर स्थान है। मैं तुम दोनों से ईर्ष्या करता हूँ। और हरे रंग के सम्बन्ध में तुम्हारा कहना गलत है, पेगी। उसमें तुम अच्छी दिखायी देती हो।" उसने अपना गिलास ऊपर उठाया।

जान ने स्वीकार किया। "हियर्स त अस! ह्वाज लाइक अस? गे फिड एण्ड दे आर आ' डाइड।" फिर वह मुस्करा पड़ा। "वर्षों से उसके संबंध में नहीं सोचा। मैंने इसे एक स्काटमैन से सीखा था, जिसने एक समय मुझे दर्शन-शास्त्र पढ़ाने का प्रयत्न किया था। स्वभावतः नैतिक दर्शन शास्त्र। क्या तुम्हें

बूढ़े एबरनीथ की याद है, पाल ?"

"अवश्य !" पाल ने कहा। वह पेगी की ओर उन्मुख हुआ। "बूढ़ा एबरनीथ कक्षा में आता था, हम सभी की ओर देखता था, अपने व्याख्यान के नोटों को डेस्क पर पटक देता था, अपनी मूँछों को एक ओर हटाता था और कहता था—'नमस्कार, साथी पीड़ितो !' और उसकी बात कितनी ठीक थी; उस समय हम लोग जीवन के सम्बन्ध में बहुत कम जानते थे। किन्तु हमें अनुवाद करके बताओ, जान। उसने मुझे किसी टोस्ट का लाभ कभी नहीं प्रदान किया। मैं उसके प्रिय शिष्यों में नही था।"

"यह हमारे लिए है। हमारे जैसा कौन है ? बहुत कम लोग। और वे सब मर चुके हैं," जान ने कहा। उसने इस तथ्य पर विचार किया कि अनुवाद ने सदा की भाँति मूल के रक्तचाप को कम कर दिया था।

पेगी ने कहा, "यह एक छोटी-सी उक्ति है। किसी व्यक्ति को गम्भीर बनाने के लिए प्रायः पर्याप्त है।"

"हो सकता है कि यही भावना रही हो। स्काटों ने व्हिस्की का आविष्कार किया, किन्तु उनकी नैतिक धारणाएं भी प्रबल थीं।" जान ने कहा, "अब चित्त को प्रसन्न करो, पेगी। तुम अपने ड्रेस के सम्बन्ध में अथवा बाबी के सम्बन्ध में चिन्ता करना बंद कर सकती हो अथवा..." उसने वाक्य पूरा नहीं किया।

रोना के संबंध में सोचते हुए वे सभी एक दूसरे की ओर देखने से बचने लगे।

पाल ने तुरन्त कहा, "बाबी को क्या हो गया है ?"

"कुछ भी नही," पेगी ने कहा, "यही तो कठिनाई है। काश, मैं जानती होती कि उसे क्या हो गया है।"

"डाक्टर कहता है कि वह बिल्कुल ठीक प्रतीत होता है।" जान ने कहा; किन्तु अब वह भी चिन्ता कर रहा था।

"आज वह इतना उत्साहहीन रहा है !" पेगी ने कहना जारी रखा, "आज अपराह्न में मैं लड़कों को खेल के मैदान में लेकर गयी थी और बाबी के पास उसकी नयी बन्दूक थी—वही, जिसे तुमने दिया था, पाल—और तुम्हें मालूम है, वह उससे खेला तक नहीं। वह केवल बेंच पर मेरी बगल में बैठा रहा और दूसरे लड़कों को बन्दूक से खेलते देखता रहा। मैं तुमसे पूछती हूँ !"

"एक बात और," जान ने संकल्पपूर्वक विषय को बदलते हुए कहा,

"आज मैं मिल्टन लीटनर से बात कर रहा था। मैंने उससे बताया कि तुम आज रात हमसे मिलने के लिए आ रहे हो, अतः वह यदि अपने काम को पहले समाप्त कर सके, तो वह आज शाम हमारे यहाँ आ सकता है, तुम्हारे कार्यालय के उस व्यक्ति के साथ, वही जो विज्ञापन-विभाग में काम करता है और पार्टियों में राजनीति की बातें किया करता है। उसका समय विनोदपूर्वक गुजरता रहा है।"

"मर्रे ?"

"हां। मर्रे मिल्टन के साथ कुछ जोरदार तर्क-वितर्क करता है और मिल्टन केवल यह देखने के लिए उसे फँसाता रहा है कि वह कितनी दूर तक जाता है। किन्तु इस सप्ताह मर्रे में एक बहुत बड़ा परिवर्तन हो गया है। मिल्टन कहता है कि वह किसी चीज से बहुत अधिक भयभीत हो गया है। उस व्यक्ति की मृत्यु से सम्बन्धित कोई बात है, जो खिड़की से कूद पड़ा था। निश्चय ही अफवाहें प्रारम्भ हो रही हैं। एक संवाददाता को—वह मिल्टन का मित्र है—एक नौकरानी से उस घर में होनेवाली बातों के सम्बन्ध में कुछ जानकारी मिली, किन्तु वह उसे प्रकाशित नहीं कर सका। मेरा ख्याल है, मानहानि का प्रश्न होगा।"

"जितना ही बड़ा सत्य होता है, उतनी ही अधिक मानहानि होती है।" पाल ने उद्धरण प्रस्तुत किया।

पेगी ने कहा, "खिड़की से कूदने वाले व्यक्ति के संबन्ध में रोना बहुत अधिक चिन्तित प्रतीत होती थी।"

"चार्ल्स के सम्बन्ध में ?"

"हाँ। रोना चिन्तित क्यों है पाल ? वह उससे केवल एक बार मिली थी, है न ?"

"वह एक कारुणिक प्रकार का व्यक्ति था।"

"दुखद, वह एक बिगड़ा हुआ शराबी था, नहीं था क्या ?"

"नहीं," पाल ने कहा, "मैं नहीं सोचता कि वह शराबी था।"

जान उसका निरीक्षण कर रहा था। "मैं नहीं सोचता कि वास्तविक कहानी कभी प्रकाश में आ पायेगी।" उसने प्रश्न पूछना बन्द करने के लिए पेगी को चेतावनीपूर्ण संकेत देते हुए कहा।

पाल ने उत्तर दिया, "यदि वह प्रकाश में आयी भी, तो चार्ल्स के साथ उसका कोई सम्बन्ध नहीं प्रतीत होगा। उस बेचारों को वह श्रेय भी नहीं प्राप्त होगा।"

जान ने सोचा, तो यह उस प्रकार की कहानी है। उसे इसमें रुचि थी, किन्तु उसने ग्रीष्मकालीन योजनाओं तथा अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में, जिनसे कोई भी व्यक्ति अत्यधिक चिन्तित नहीं था, वार्तालाप प्रारम्भ कर दिया। पाल के साथ पेगी की बातचीत को सुनते समय वह सोच रहा था कि पेगी को अवकाश की आवश्यकता है। वह प्रत्येक वस्तु के सम्बन्ध में बहुत अधिक चिन्ता कर रही है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन पाठशाला में पढ़ाकर कुछ धन न कमाने पर भी हम लोग किसी न किसी प्रकार काम चला ले जायेंगे। और मैं अपनी उस पुस्तक को समाप्त कर लूँगा और उससे स्थिति में थोड़ा-सा सुधार हो जायेगा। पुस्तक का अर्थ पदोन्नति होता है, पदोन्नति का अर्थ अधिक धन होता है और उसका अर्थ यह होता है कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में भी शिक्षण-कार्य से मुक्त रहने की सम्भावनाएँ अधिक रहेंगी, एक दूसरी पुस्तक का लिखना प्रारम्भ करने की सम्भावनाएँ अधिक रहेंगी। यह एक चक्कर है; या तो आप ऊपर चढ़ते हैं या आप नीचे गिर जाते हैं।

"क्या गड़बड़ी हो गयी है?" पेगी ने पाल से कही जाने वाली अपनी बात को बीच में ही रोकते हुए अचानक पूछा।

जान ने ऊपर नजर उठायी। "मैं केवल यह सोच रहा हूँ कि तुम्हें जितनी अधिक शिकायत करनी चाहिए, उतनी अधिक शिकायत तुम नहीं करती।" उसने स्पष्टतापूर्वक कहा।

पेगी ने अपने पति को एक हार्दिक मुस्कान प्रदान की। और उनका निरीक्षण करते हुए पाल ने अचानक ऐसा महसूस किया, मानो उसे कमरे से बाहर निकाल दिया गया हो। सम्भवतः पेगी इस बात को समझ गयी थी; क्योंकि उसने उससे कहा, "आज शाम तुम्हारे आने से ठीक पहले मुझे शिकायत करने का दौरा आ गया था। जब मैंने इस ड्रेस को पहन कर परखा और इसमें अपने आपको देखा—ओह, हाँ, उस क्षण पर फिर से क्यों विचार किया जाये? कुछ भी हो, मैं पूर्णतया मूर्ख बन गयी थी और मेरी मनःस्थिति बिगड़ गयी थी।" बोलते हुए ही वह उठकर जान के पास गयी और उसे कस कर जल्दी से आलिंगनबद्ध कर लिया। "मुझे भी खेद है!" उसने कोमलतापूर्वक कहा और दरवाजे की घण्टी बजने पर शीघ्रतापूर्वक पीछे हट गयी। "सम्भवतः मिल्टन है।" उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा।

जान ने उस के पीछे और फिर कमरे में चारों ओर देखा। 'कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि मैंने गलत पेशा चुन लिया।" उसने उदास मन से कहा।

पाल ने आश्चर्य के साथ उसकी ओर देखा। "मैंने सुना है कि तुम अपना काम बहुत ही अच्छी तरह से करते हो।" और केवल भगवान ही जानता है कि सम्प्रति हमें सदा की अपेक्षा अधिक अच्छे शिक्षकों की आवश्यकता है।

"उस समय को छोड़ कर, जब बिलों का भुगतान करने के लिए नकद धन प्राप्त करने का प्रश्न उपस्थित होता है!" जान ने क्रोधपूर्वक कहा, "कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि मैं संघर्ष में हार मान लूंगा और व्यवसाय के क्षेत्र में चला जाऊँगा। अथवा सम्भवतः शिक्षकों को पादरियों के समान होना चाहिए। एक कोठरी और एक चोगा—आज कल वे अपने पास केवल इतनी ही चीजें रख सकने की स्थिति में होते हैं।" तत्पश्चात् उसके चेहरे पर तथा उसके स्वर में कोमलता आ गयी। और उसने पुनः कहा, "यदि पेगी मेरे साथ न होती और मुझ में मानवता को बनाये न रखती, तो मैं अच्छी तरह से नहीं पढ़ा सकता था।" वह उठा और द्वार की ओर उन्मुख हो गया; क्योंकि मिल्टन लिटनर और जोसेफ लोकास्ट्रो पेगी के साथ कमरे में आ रहे थे।

दोनों छात्रों ने जिस प्रकार जान का अभिवादन किया, जिस प्रकार वह उन्हें देख कर हृदय से मुस्कराया, उसे पाल ने लक्ष्य किया। वह इस बात पर आश्चर्य करने लगा कि एक आवश्यक कार्य करने के लिए किसी व्यक्ति को दण्डित क्यों किया जाना चाहिए। यदि सर्वोत्तम प्रतिभावाले व्यक्ति शिक्षक के पेशे का परित्याग कर उसे मूर्खों और अप्रशिक्षित व्यक्तियों को सौंप दें, तो मिल्टन लीटनर और जोसेफ लोकस्ट्रो जैसे छात्रों का क्या होगा। उक्त विचार ने उसे एक लेखमाला के एक विचार का सूत्र प्रदान किया। छात्रों, उनके अभिभावकों तथा उन सुनागरिकों द्वारा, जो संस्कृति के सम्बन्ध में बात करना तो पसन्द करते हैं, किन्तु उसका मूल्य चुकाने से नफरत करते हैं—शिक्षक का आर्थिक शोषण। उसने सोचा कि यह बात हममें से प्रत्येक व्यक्ति को आकृष्ट करेगी। तत्पश्चात् उसने उक्त विचार को कल के लिए छोड़ दिया और दोनों नवयुवकों के साथ हाथ मिलाने के लिए खड़ा हो गया।

"हम केवल नमस्कार करने के लिए आये हैं। आज रात हम लोग किताबों पर टूट पड़ने जा रहे हैं। परीक्षाएं सर्वत्र प्रारम्भ हो रही है।" उसने जान को दो भारी भरकम दिखायी देने वाली पुस्तकें दीं। "मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता होती है कि ये समाप्त हो चुकी हैं। मैंने सोचा कि यह अधिक अच्छा होगा कि उनके उस घूरे में, जिसे मैं सम्प्रति एक कमरा कह कर पुकारता हूँ, खो जाने के पहले ही मैं उन्हें लौटा दूँ।"

"और जो हमें एक समाचर सुनाने के लिए आया है।" पेगी ने कहा। अपने पति की प्रतिक्रियाएं जानने के लिए उसका निरीक्षण करते समय उसकी आँखें मुस्करा रही थीं। "वह—नहीं, तुम्हीं बताओ, जो !"

"मुझे वह अंशकालिक काम मिल गया है।" अपने पतले, चोंच के समान चेहरे पर व्याप्त प्रसन्नता को नियंत्रित करने में असफल होकर जौ ने कहा, "मैं आगामी सत्र में अपनी पढ़ाई के साथ उसकी व्यवस्था कर सकता हूँ। इस प्रकार हम लोग पूर्ण रूप से तैयार हो गये हैं।" वह पाल की ओर मुड़ा और उसने स्पष्टीकरण किया, "इस ग्रीष्म ऋतु में मैं विवाह कर रहा हूँ। मेरा विचार है कि आप एडिथ से यहां मिले थे, मिले थे न ?"

"और एडिथ—" पेगी ने उसे प्रोत्साहित किया।

"एडिथ वासार छोड़ रही है, किन्तु वह अपनी डिग्री न्यूयार्क में समाप्त करेगी। उसे भी एक विज्ञापन-कार्यालय में एक अंशकालिक काम मिल गया है। हम लोग काम चला ले जायेंगे।"

"तुम्हारे लिए अच्छी बात है।" जान ने कहा और एक बार पुनः उस से हार्दिक रूप से हाथ मिलाया। "और एडिथ के लिए भी अच्छी बात है। किन्तु मैंने कभी नहीं सोचा था कि तुम एडिथ के सम्बन्धियों को राजी कर लोगे।"

"ओह, वे मानवीय भावनाएं रखने वाले निकले !" जो ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, "किन्तु फिर भी, वे अभी तक थोड़े-से स्तब्ध हैं।"

"तब यह तुम्हारा प्रथम सामान्य बन्धन है," मिल्टन लीटनर ने उसे आश्वासन दिया। और तत्पश्चात्, जब जो पेगी को एक कमरे के सम्बन्ध में, जिसे उसने आज तीसरे पहर किराये पर लेने के लिए तय किया था, बता रहा था और पेगी वचन दे रही थी कि वह कमरे को जाकर देखेगी और फिर बतायेगी कि सौदा तर्कसंगत है अथवा नहीं तथा घर बसाने के लिए वह व्यवहारिक है अथवा नहीं, तभी मिल्टन पाल के और अधिक निकट सरक गया।

"इस प्रेम-व्यवसाय में अवश्य कोई बात होगी।" मिल्टन ने कहा, "सम्बन्ध-विच्छेद की बढ़ती दर के बावजूद लोग कोशिश करते ही जाते हैं।" उसकी सुन्दर आँखें विचार-मग्न होकर पाल का निरीक्षण कर रही थीं। "जो की ओर देख कर आप यह नहीं सोचेंगे कि वह अपने सिर पर इतने अधिक काम और चिन्ता का बोझ ले रहा है, जिससे वह पांच वर्षों के लिए किसी काम का नहीं रह जायेगा, क्या आप ऐसा नहीं सोचते ?"

"जौ की ओर देखते हुए, मेरा ख्याल है कि मैं उस खतरे को उठा लूंगा। वह एक अच्छा प्रचारक है।"

"मैं अपने क्षेत्र में जैसा प्रचारक हूँ, उससे वह अधिक अच्छा प्रचारक है।" मिल्टन ने वक्रता के साथ स्वीकार किया—"वाब कैश—क्या आपको याद है कि पिछली बार शाम को जब हमारी मुलाकात हुई थी, तब वह यहाँ था ? वह थेल्मा की छोटी-छोटी पार्टियों और वहां मिलने वाले समस्त प्रसिद्ध व्यक्तियों की ओर अत्यधिक आकृष्ट हो गया था।" उसने धीरे से कमरे के दूसरे सिरे की ओर संकेत किया और वह तथा पाल एक साथ जान और पेगी को जो की बातें सुनने के लिए छोड़ कर उसी दिशा में चले गये।

"मैं थोड़ा-सा अनुसंधान करता रहा हूँ," मिल्टन ने अपने स्वर को धीमा बनाते हुए कहा, "और मुझे कई बातों का पता चला है। एक समय स्काट एट्टली में अवश्य जान टाइसन के छात्रों से मेल-जोल करने करने की आदत थी। मरें उस पंक्ति में दूसरा व्यक्ति था। उसके जरिये उन्हें निकोलस ओरपेन के पास पहुँचाया जाता था, जो उनकी जाँच-पड़ताल करता था। यदि वे उपयुक्त प्रमाणित होते, तो उन्हें तरह-तरह के अध्ययन-मंडलों और थेल्मा द्वारा दी जाने वाली पार्टियों-जैसी अनेक पार्टियों में सम्मिलित किया जाता था। ओरपेन के साथ उस पहली मुलाकात के बाद काफी समय तक उससे उनकी मुलाकात नहीं होती थी। उस समय तक नहीं, जब तक उनकी पदोन्नति करके उन्हें बैठकों और गम्भीर विचार-विनिमयों की एक शृंखला में नहीं सम्मिलित कर लिया जाता था। और तत्पश्चात् यदि वे सर्वोत्तम अंकों के साथ उतीर्ण हो जाते, तो उन्हें अकस्मात् पुनः ओरपेन के निवास-स्थान पर छोटी-छोटी मुलाकातों के लिए, जिन्हें महत्वपूर्ण समझा जाता था, निमंत्रित किया जाता था। उस समय उनके जीवन में स्काट एट्टली पुनः प्रकट होता था। वह ओरपेन के समान ही अपने को पृथक् रखा करता था; वे पार्टी की सदस्यता की चर्चा कभी नहीं करते थे। यह काम मरें जैसे व्यक्तियों के लिए छोड़ दिया गया था। और मैं इतनी ही बात का पता लगा सका। जो छात्र मरें की बातों को मानने से इनकार कर देते थे, वे आगे नहीं बढ़ पाते थे और जिन्होंने उसकी बातों को स्वीकार कर लिया, वे बात नहीं कर रहें हैं और यह स्वाभाविक ही है। किन्तु यह एक बड़ी विचित्र बात है, नहीं है क्या ? कुछ लोग थोड़े-से ढुलमुलयकीन नवयुवकों का मत-परिवर्तन करने के लिए कितना अधिक कष्ट उठाते हैं।"

पाल ने उसकी ओर विस्मयपूर्वक देखा। "तुमने इन सब बातों का पता कैसे लगाया ?"

"मैंने उन छात्रों के नामों से प्रारम्भ किया, जो विगत तीन वर्षों से यहाँ शुक्रवार की रातों को आते रहे हैं। मैंने उनमें से कुछ से बातचीत की—उनसे जो केवल उत्सुकतावश वहाँ गये थे और तत्पश्चात् यह पता लगने पर कि वे किस जाल में फँस रहे हैं, भाग खड़े हुए थे। उन्होंने ही मुझे सारी व्यवस्था का रूप बताया था। फिर भी एक बात है—" लीटनर की सघन भौंहें तनकर सीधी हो गयीं—"इधर हाल में एट्टली इस क्षेत्र से निकल गया प्रतीत होता है। यहाँ उसने बाब कैश और मेरे साथ अन्तिम सम्पर्क स्थापित किया था और यह बात लगभग छः महीने पहले हुई थी। क्या इसका अर्थ यह है कि उसने कम्यूनिस्ट पार्टी से सम्बंध-विच्छेद कर लिया है !"

पाल हैन ने उस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया। सम्भवतः, उसने सोचा। अथवा सम्भवतः एट्टली और अधिक गहराई तक चला गया है। "क्या तुमने टाइसन को इस सम्बन्ध में बताया है ?" उसने शांतिपूर्वक पूछा।

मिल्टन लीटनर ने दुखित होकर उसकी ओर देखा। "मैं कैसे बता सकता था ? मैं तो एक प्रकार की आशा कर रहा था कि आप उन्हें इशारा कर देंगे। किसी न किसी को तो बताना ही होगा। रोना के संबंध में भी तो सोचना है।"

पाल ने कुछ नहीं कहा, किन्तु उसकी चिन्ता बढ़ गयी।

तभी पेगी और जान से प्रसन्नतापूर्वक नमस्कार करते हुए जो न लीटनर को पुकारा, "मिल्ट ! अधिक अच्छा हो कि हम लोग अब चले चलें। पुस्तकें पढ़ने के लिए आज रात को अब भी हमारे पास दो घण्टों का समय है।"

"तुम आशावादी हो !" मिल्टन लीटनर ने कहा और वह द्वार की ओर जाने लगा।

पेगी ने उससे कहा, "मैं ग्रीष्म ऋतु के तुम्हारे कार्यक्रम के सम्बन्ध में पूछने के लिए तुम्हारे पास आ ही नहीं सकी। क्या तुमने चेयेन्नी में उस काम को स्वीकार कर लिया है ?"

मिल्टन ने स्वीकृति में सिर हिलाया। "अवश्य," उसने कहा, "वापस आने पर मैं बाबी को घोड़ों की चोरी के संबंध में सारी बातें बता सकूँगा।"

"मैं तुम्हारे साथ बाहर तक चलूगा।" जान ने आगे-आगे हाल की ओर चलते हुए कहा। नमस्कार किये गये और शुभकामनाएँ व्यक्त की गयीं। और कमरे से बाहर निकलते समय मिल्टन लीटनर थोड़े क्षण के लिए मुड़ा और उसने पाल

के साथ दृष्टि का आदान-प्रदान किया ।

पेगी ने इस बात को लक्ष्य किया । "क्या तुम उसे पसन्द करते हो ?" उसने पाल से पूछा । "जान भी उसे पसन्द करता है । जान कहता है कि वह बहुत आगे बढ़ेगा । और जो भी बहुत आगे बढ़ेगा । यही कारण है कि जान को इस बात से इतनी अधिक प्रसन्नता हुई है कि आखिरकार वह कालेज का परित्याग नहीं कर रहा है । अगर ऐसा करता तो यह खराब बात हो जाती ।" उसने विचारमग्न होकर एक राखदान को खाली किया तथा एक गद्दी को सीधा किया । "जो मुझसे कह रहा था कि वह अभी विवाह करने के लिए जो कृतसंकल्प है, उसका कारण यह है कि उसे विश्वास नहीं है कि विश्व में क्या होने जा रहा है । उसका विचार है कि उसकी पीढ़ी के व्यक्तियों के लिए यह अधिक अच्छी बात होगी कि वे समय रहते ही समस्त सुखों का उपभोग कर लें ।" उसका स्वर वेदना से भर गया । "हम लोग उनकी उम्र में जितनी वृद्धता का अनुभव करते थे, उसकी अपेक्षा इतनी अधिक वृद्धता का अनुभव वे क्यों करने लगे है ?"

"क्योंकि हम लोग इतने छोटे थे कि प्रथम विश्वयुद्ध से हम लोग कुछ नहीं सीख सके और वे द्वितीय विश्व-युद्ध में बड़े हुए हैं । मेरा ख्याल है कि अन्तर का कारण यही है । बातों ने हमें बहुत अधिक नहीं सिखाया, सिखाया क्या ?" पाल हिचकिचाया, फिर उसने कहा :

"यह सोचते हुए कि दो और दो चार होते हैं
न पाँच होते हैं, और न तीन ।
"मनुष्य का हृदय बहुत दिनों तक पीड़ित रहा है,
और बहुत दिनों तक उसके पीड़ित रहने की सम्भावना है ।"

"यह क्या है ?" जान ने कमरे में लौटते हुए पूछा । "क्या तुम मेरे पीछे ही मेरी पत्नी के समक्ष कविता उद्धृत् कर रहे हो ?" वह मुस्कराया और उसने स्नेहपूर्वक पेगी की कमर में बाँह डाल दी । "किन्तु तुमने हाउसमैन द्वारा उसकी वेदनामय मनः स्थिति में लिखी गयी कविता को ही क्यों चुना ?

"मुझ पर निराशा का आक्रमण हो रहा था ।" पाल ने मुस्कराने का प्रयास करते हुए कहा,

"मुझे उसे किसी न किसी के सामने व्यक्त करना था ।"

पेगी ने, जो अभी तक अपने ही विचारों का अनुसरण कर रही थी, दुख-पूर्वक कहा—"हां, हम लोग पांच—और—तीन पीढ़ी के हैं, नहीं हैं क्या ?"

"और बिल बड़ा होता था ।" जान ने कहा । उसने पुनः पाल हैन की

ओर देखा और आश्चर्य करने लगा कि उसे कौन-सी बात पोड़ित कर रही है। "अच्छा, आओ हम लोग आराम के साथ बैठ जायें!" उसने सुझाव दिया, "तुम्हारा गिलास कहाँ है, पाल ?"

"मुझे जाना होगा," पाल ने कहा, "किन्तु..." वह हिचकिचाया और भुनभुनाने लगा। "मैंने स्काट एट्टली के सम्बन्ध में एक खबर सुनी है," वह कहता गया, "निश्चय ही यह एक अफवाह मात्र, एक गप्प मात्र हो सकती है, किन्तु यह निश्चित रूप से—हां, एक अप्रत्याशित खबर है।"

"तुम्हारा आशय उसके नये काम से है ?" पेगी ने पूछा।

"वह क्या है ?" पाल ने उसकी ओर तुरन्त देखा।

"वह अपने पिता के समाचार-पत्र में सम्मिलित होने जा रहा है। मेरा ख्याल है कि यदि वह काफी अच्छा सिद्ध हुआ, तो वह किसी दिन सम्पादक बन जायेगा। यह बहुत अच्छी बात भी है।"

"वह काफी अच्छा सिद्ध होगा। वह इस बात को पक्की बना लेगा।" पाल ने इतनी अधिक कटुता से कहा कि जान और पेगी ने दृष्टियों का आदान-प्रदान किया। "और हम सभी इतने अधिक असहाय हैं," उसने क्रोधपूर्वक कहानी जारी रखा, "हम क्या कर सकते हैं ? विलियम एट्टली के पास जायें और उससे बता दें ? वह हमारे ऊपर विश्वास नहीं करेगा। और कुछ भी हो मैं तो उसे बताने जाने वाला नहीं हूँ।"

"उसे क्या बताना है ?" पेगी ने पूछा।

पाल के ओठ कस गये। उसकी भूरी आँखें चिन्ता से काली होती हुई प्रतीत हुई। "सम्भवतः यह अधिक अच्छा होगा कि हम सब बैठ जायें।" उसने कहा, "जान, मिल्टन ने मुझे एक खबर सुनायी है। यदि यह सच है, तो इसका प्रभाव हम सभी पर पड़ेगा। भिन्न-भिन्न प्रकार से। किन्तु मेरा विचार है कि हमें चाहिए कि—"

उसी क्षण पीड़ा की एक लंबी, हृदय-वेधक चीख को सुनकर वे पुनः खड़े हो गये। फिर वह चीख उतने ही आकस्मिक रूप से समाप्त हो गयी और वहाँ एक मौन, आशंकाओं से भरे हुए चेतावनीदायक मौन के अतिरिक्त कुछ नहीं रह गया।

"हे परमात्मा!" पाल ने कहा, "वह क्या था ?"

"बाबी! यह बाबी है!" पेगी चिल्ला पड़ी और वह जान के साथ अँधेरे हाल में भाग गयी। पाल ने पीछे-पीछे चलना प्रारम्भ किया, किन्तु वह शयन-

कक्ष के द्वार के बाहर खड़ा हो गया। बारबारा जाग गयी थी और वह डर के मारे रो रही थी, किन्तु बाबी केवल थोड़े समय तक कराहता रहा और तत्पश्चात् वह मौन हो गया।

जान जल्दी से पुनः हाल में लौटा और डाक्टर को टेलिफोन करने लगा।

"परमात्मा को धन्यवाद है कि वह घर पर ही था!" टेलिफोन-वार्ता समाप्त करने के बाद उसने पाल से कहा। वह एक क्षण तक टेलिफोन की बगल में खड़ा रहा। "अधिक अच्छा होगा कि हम लोग रोना को पकड़ें।" उसने कहा। उसने पुनः फोन उठाया।

"फोन मैं कर लूँगा," पाल ने रिसीवर हाथ में लेते हुए कहा, "तुम बारबारा को चुप कराओ। क्या हो गया है, जान?"

जान ने उत्तर देने में असमर्थ होकर अपना सिर हिलाया। उसने बाबी को अपने विस्तर पर निश्चल पड़े हुए देखा, उसका चेहरा छोटा और पतला तथा पीड़ा के मारे सफेद हो गया था, उसकी भयभीत आँखें सहायता के लिए याचना कर रही थीं। जान ने सिर हिलाया और पुनः शयन-कक्ष में चला गया।

पाल ने रोना का नम्बर घुमाया। वहाँ से कोई उत्तर नहीं मिला। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा। सवा ग्यारह बज गये थे। क्या वह जल्दी ही सो गयी है? वह घण्टी बजने की एकरूप आवाज को सुनता हुआ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा। तत्पश्चात् वह अन्ततः दूर चला आया।

वह शयन-कक्ष के द्वार पर हिचकिचाता हुआ खड़ा हो गया, बाबी के निश्चल, शांत शरीर और उसके बाद पेगी और जान के लटके हुए चेहरों को देखकर उसकी भूरी आँखों में चिन्ता व्याप्त हो गयी। जान बिस्तर की बगल में खड़ा था। पेगी बारबारा को गोद में लेकर बैठी हुई थी। केवल बारबारा के प्रश्न मौन को भंग कर रहे थे।

दरवाजे की घण्टी बजी और उसका उत्तर देने के लिए जान जल्दी-जल्दी उसकी बगल से निकल गया।

"मैं बारबारा की देख-भाल कर लूंगा।" पाल ने कहा। उसने उसकी मोटी मुलायम कमर को अच्छी तरह पकड़ लिया और उसे बैठकखाने में ले गया। अपने पीछे पाल ने जान के साथ लम्बे हाल में जल्दी-जल्दी जाते हुए डाक्टर के व्यावसायिक स्वर को सुना।

बारबारा ने अपने निद्रित स्वर को ऊपर उठाया, प्रकाशयुक्त बैठकखाने में चारों ओर आश्चर्य के साथ देखा, निश्चय किया कि यह एक ऐसा साहसिक

कार्य है, जिसे छोड़ा नहीं जाना जाहिए और अकस्मात् वह जाग गयी। वह पाल के घुटनों पर बैठ गयी और उसने अपनी बड़ी-बड़ी नीली आँखों को पूर्णतः खोल दिया। "मुझे एक कहानी सुनाओ।" उसने आदेश दिया।

"किसके बारे में ?"

"मुझे सुनाओ," उसने कहा। वह प्रसन्नतापूर्वक मुस्करा पड़ी।

छोटे और गोल सिर के पीछे ऊपर की ओर बाँधे गये सुनहरे बालों के गुच्छों का निरीक्षण करते हुए पाल भी मुस्करा पड़ा। "बहुत अच्छा," उसने कहा, "और तब तुम फिर से सो जाओगी ?"

उसने सिर हिलाया और उसने एक अच्छी लड़की के लिए एक अच्छी कहानी की मुद्रा के साथ अपनी छोटी-छोटी अँगुलियों को जोड़ लिया।

"हाँ, तो," पाल ने कहना प्रारम्भ किया, "एक समय की बात है कि एक दरियाई घोड़ी थी, जो एक पशु-वाटिका में रहा करती थी।" उसने सोचा, तुम एक भयंकर मौलिक लेखक हो। उसने अस्पताल में टेलिफोन करते हुए डाक्टर के स्वर को सुना। संकटकालीन स्थिति। तत्काल आपरेशन।

"कौन-सी पशु-वाटिका ?" बारबारा ने पूछा।

"सेण्ट्रल पार्क पशु-वाटिका।" एम्बुलेन्स भेजने का समय नहीं था। डाक्टर लड़के को अपनी कार में ही ला रहा था।

"उसके बाद क्या हुआ ?" बारबारा ने जम्हाई ली और अपने को संयमित कर लिया। उसने प्रत्याशा के साथ उसकी ओर देखा, प्रत्यक्षतः वह जम्हाई के बावजूद और अधिक पूर्ण रूप से जाग गयी थी। हाल में अब शान्ति व्याप्त थी।

"एक सुन्दर दिन को," पाल ने आज्ञाकारिता के साथ कहना प्रारम्भ किया, "दरियाई घोड़ी धूप में लेटी हुई थी। और—"

"उसका नाम क्या था ?"

"रोजबड। तुम्हें स्वीकार है ? अच्छा। बहुत ठीक; रोजबड धूप में लेटी हुई थी, वह एक बगल लेटी हुई थी, उसके टखने सुन्दर ढंग से एक के ऊपर एक रखे हुए थे, क्योंकि वह एक बहुत ही बढ़िया स्कूल में पढ़ चुकी थी और उसकी आँखें बन्द थीं।"

"वह सो गयी थी ?" बारबारा निराश प्रतीत हुई। जब आप सोते होते हैं, तब कभी कोई उत्तेजनादायक घटना नहीं घटित होती।

"ओह, नहीं! वह बिल्कुल जगी हुई थी।"

"उसकी आँखें बन्द क्यों थीं ?"

"वह दृश्य को देखते-देखते थक गयी थी। जब-जब वह अपनी आँखें खोलती थी, तब-तब उसे वही पुराने दृश्य दिखायी पड़ते थे। उसने अपने आप से कहा, "मुझे अवकाश की आवश्यकता है। और इसके अतिरिक्त मेरे नहाने का हौज वास्तव में बहुत ही छोटा है। मुझे एक ऐसे स्थान की आवश्यकता है, जहाँ मैं थोड़ा पानी उछाल सकूँ।"

बारबारा ने समझते हुए सिर हिलाया।

"उसी समय और वहीं उसने इस सब कुछ से दूर चली जाने का निश्चय किया।"

"सब कुछ?" बारबारा ने दुहराया। उसकी भौंहें संकुचित हो गयी। "यह 'सब कुछ' क्या है?"

पाल ने उसकी प्रश्नकारक नीली आँखों की ओर रिक्त दृष्टि से देखा। "मेरी प्यारी छोटी बच्ची, मुझे आशंका है कि हम लोग एक गतिरोध की स्थिति में पहुँच गये है। हाँ, हमें यह कहना चाहिए कि वह दवा, वर्षा के दिनों और जल्दी सोने, चावल का हलुवा खाने से दूर चली जाना चाहती थी। क्या इससे काम चल जायेगा?"

बारबारा ने उस पर विचार किया और फिर निश्चय किया कि इससे काम चल जायेगा,

"उसके बाद क्या हुआ?" उसने कहानी के लिए हठ करते हुए पुनः पूछा।

"किसी दिन तुम बड़ी भयंकर सम्पादिका बनोगी!" पाल ने उससे कहा। "हाँ, उसके बाद वह अपने मित्र हाथी के पास गयी और अपने कपड़ों को रखने के लिए उसका ट्रंक उधार ले लिया और उसने अपना नया हैट पहना। वही, जिस पर चेरी के फूल लगे थे। और उसने एक नीला 'बो' लगाया। और वह बिल्कुल तैयार हो गयी।"

उसके पीछे, जान ने दुखित स्वर में कहा, "हम लोग सेण्ट ल्यूक अस्पताल जा रहे हैं। डाक्टर का विचार है कि यह एक टूटी हुई अंतड़ी का मामला है। क्या रोना यहाँ आ रही है?"

"वह जब तक नहीं आयेगी, तब तक मैं यहाँ रुका रहूँगा।" पाल ने कहा।

"मैं कहानी सुन रही हूँ।" बारबारा ने प्रसन्नतापूर्वक घोषित किया। उसकी आँखें पाल के ऊपर जमी हुई थीं।

"बहुत अच्छी लड़की है।" जान ने कहा और उसके सिर के पिछले

भाग को चूमने के लिए झुका। वह उतना ही चुपचाप चला गया, जितना चुपचाप वह आया था।

"रोजबड पेन स्टेशन जाने के लिए एक बस पर सवार हुई।" पाल ने शीघ्रतापूर्वक कहानी जारी कर दी।

बारबारा को सन्देह-सा हुआ। "एक बस ?" उसने अकस्मात् चारों ओर देखा—"पिता जी कहाँ है ?"

"वह एक बहुत बड़ी बस थी। बहुत ही बड़ी बस।" पाल ने अपने हाथों से उसका आकार बताया और बारबारा का ध्यान पुनः आकृष्ट कर लिया।

"एक बहुत ही बड़ी बस।" बारबारा ने भी अपने हाथों को हिलाते हुए पुनः मुस्कराते हुए प्रतिध्वनि की।

"और इस प्रकार वह रेलरोड स्टेशन पर पहुँच गयी। वह एक जगमगाते हुए और चमकते हुए बड़े हाल में गयी, किन्तु उसे कहीं भी कोई ट्रेन नहीं दिखायी पड़ी। वह एक दयालु व्यक्ति के पास गयी और उससे पूछा कि ट्रेनें कहाँ रहती हैं। उसने कहा, 'श्रीमती जी'—वह दरियाई घोड़ियों के साथ सदा इसी प्रकार से बात किया करता है—'श्रीमती जी, आप सीढ़ियों से नीचे जाइये और वहाँ आपको एक ट्रेन बिल्कुल तैयार तथा प्रतीक्षा करती हुई मिलेगी।' रोजबड ने विनम्रतापूर्वक अपना सिर हिलाया तथा उसके हैट में लगे चेरी के फूल भी हिल उठे।"

"और नीला 'बो'" बारबारा ने अपने हाथों को खोलते हुए और उन्हें पुनः बाँधते हुए कहा। उसने सहमतिपूर्वक अपने ड्रेसिंग गाउन के नीले फीते की ओर देखा।

"हाँ, बिल्कुल उसी रंग का !" पाल ने स्वीकार किया। "अतः वह ट्रेनों के पास पहुँचने के लिए सीढ़ियों के नीचे देखने लगी। पह देखती रही, देखती रही, किन्तु सभी सीढ़ियों के प्रवेशद्वार बन्द थे। और तब ठीक उस कोने में उसने एक 'एस्केलेटर' (नसेनी) देखा।"

बारबारा जोर से भुनभुनायी और उसने एक दूसरी जम्हाई को रोक दिया। "एस्केलेटर ?" उसने न समझते हुए पूछा।

पाल ने नसेनी का अर्थ छोटे-छोटे शब्दों में बताने की कोशिश की।

"उसके बाद क्या हुआ ?" यांत्रिक विवरणों से थक कर वारबारा ने अकस्मात् पूछा। उसकी आँखें बन्द होने की कोशिश करने लगीं और उसने उन्हें जबरदस्ती खोल दिया। उसके बाद क्या हुआ ? "हाँ, रोजबड नसेनी

पर चढ़ी और वह चरमर-चरमर करने लगी। वह चरमर-चरमर करने लगी। और तब वह बड़े जोर से कराह उठी—इस तरह से ! और उसने काम करना बन्द कर दिया। रोजबड ने कहा, "मेरी प्यारी ! कितनी बुरी बात है। जब आप चाहते हैं, तब तब ये चीजें कभी काम नहीं करतीं।' उसने नीचे आने का प्रयास किया, किन्तु वह नीचे नहीं आ सकी। उसने पुनः ऊपर जाने का प्रयास किया, किन्तु वह ऊपर नहीं जा सकी। वह प्रतीक्षालय और पेनसिल्वानिया स्टेशन के ठीक बीच अटक गयी।"

उसने सहमति व्यक्त करने वाली मुस्कराहट के लिए नीचे देखा। बारबारा की आँखें बन्द हो रही थीं। "दरियाई घोड़ी अटक गयी थी।" उसने कोमलतापूर्वक दुहराया। किन्तु बारबारा अचानक सो गयी थी।

उसने सोचा, यह रही मेरी कहानी। यह एक अच्छी बात है कि मैं अपना वेतन कहानियाँ लिखने के लिए नहीं पाता हूँ। उसने कुछ क्षणों तक प्रतीक्षा की और तत्पश्चात् वह धीरे से उठकर उसे उसकी चारपाई तक ले गया।

उसने एक क्षण तक रुक कर उस खाली बिस्तरे की ओर देखा, जिस पर बाबी सोया हुआ था। तत्पश्चात् ठोढ़ी तक कम्बल से ढँकी हुई सोती हुई बारबारा की ओर अन्तिम बार देखकर वह पुनः टेलिफोन के पास चला गया। रोना के निवास-स्थान से कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ।

प्रायः आधी रात हो गयी थी। अस्पताल से जान के पास से अभी तक कोई खबर नहीं मिली थी, रोना के पास से अभी तक उसके किसी भी टेलिफोन का उत्तर नहीं मिला था। पाल हैन पुनः निवास-स्थान का चक्कर लगा आया, वह बैठकखाने में टहलने लगा, उसने सड़क के पार अन्धकाराच्छन्न बिल्डिंगों की ओर देखा और तत्पश्चात् वह पुनः टेलिफोन के पास गया। इस बार उसने अस्पताल में टेलिफोन किया। उस सर्द, कानों को भेदनेवाले स्वर ने उसे बताया कि उसे कोई सूचना नहीं मिली है। हां, पता लगने पर वह उसे बुला लेगी। हाँ, वह डा० टाइसन को उसका सन्देश दे देगी : घर पर सब कुछ ठीक है, बारबारा सो गयी है। हाँ, यदि कोई परिवर्त्तन हुआ, तो वह उसे तुरन्त बुला लेगी। हाँ, हाँ...उसने रिसीवर नीचे रख दिया। "हाँ, हाँ, हाँ," उसने क्रोधपूर्वक कहा। फिर वह शान्त हो गया। वह सोचने लगा कि उसे प्रतिदिन कितने चिन्तित स्वरों का उत्तर देना पड़ता होगा। उसके लिए पीड़ा और वेदना और दुःख नित्य-नैमित्तिक बन गये हैं। क्या वह उसे बुलायेगी, क्या उसे यह पता लगाने का समय भी मिलेगा कि बाबी कैसा है ?

टेलिफोन ने उसका उत्तर दे दिया। वह लम्बे हाल में दौड़ता हुआ पुनः टेलिफोन के पास गया। हाँ, उसी सर्द आवाज ने उसे बताया कि खबर उतनी ही अच्छी थी, जितनी अच्छी होने की अभी तक आशा की जा सकती थी। आपरेशन समाप्त हो गया था, बालक होश में आ रहा है, उसके माता-पिता उसके साथ था।

"वह सब कितना अच्छा है ?" उसने पूछा।

"जितना अच्छा होने की आशा की जा सकती है।" उस शान्त स्वर ने उत्तर दिया।

"क्या स्थिति गम्भीर है ? क्या तनिक भी आशा नहीं है ?"

"अब यह स्थिति बहुत अधिक आशाजनक हो गयी है।"

"किन्तु बच्चा कैसा है ?" उसने क्रोधपूर्वक पूछा। उसके पीछे दरवाजे की घण्टी निरन्तर रूप से बज रही थी। उसने उसकी उपेक्षा करने तथा अगले शब्दों पर ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास किया।

"वह सुखपूर्वक आराम कर रहा है।" परिचारिका ने अन्तिम रूप से कहा।

"ओह..." बिल्कुल सफेद झूठ...बाबी सुखपूर्वक आराम कर रहा है, जब कि वह होश में आ रहा है और उसका कच्चा घाव विष को खींचनेवाली एक नली के चारों ओर सिला हुआ है। फिर हैन प्रकृतिस्थ हो गया। उसने कहा, "धन्यवाद। मुझे इतनी जल्दी बुलाने के लिए धन्यवाद !" वह उस बात को प्रायः भूल ही गया था। "अनेकानेक धन्यवाद !" उसने कृतज्ञतापूर्वक पुनः कहा।

धन्यवाद का प्रत्युत्तर देती हुई, परिचारिका ने आकस्मिक हार्दिकता और सहानुभूति के साथ कहा, "अब चिन्ता मत कीजिये।" और तब अचानक उसने रिसीवर बीच में ही रख दिया, मानो वह शिष्टाचार के नियम के इस उल्लंघन से चौकन्नी हो गयी हो।

पाल हैन दरवाजे के पास गया। घण्टी तीसरी बार बज रही थी। उसके पीछे बारबारा के कमरे से रोने की आवाज आयी। वह जहुन्नमी घण्टी, उसने क्रोधपूर्वक सोचा और द्वार खोल दिया।

बाहर रोना थी। रोना और पुलिस का एक सिपाही और पतले चेहरे तथा काले बालों वाला एक व्यक्ति।

"क्या आप ही इनके बहनोई हैं ?" पुलिस के सिपाही ने पूछा।

"नहीं, वे बाहर गये हैं।" पाल ने विस्मित होकर कहा—"रोना—"

"क्या यह बिल्कुल ठीक है, कुमारीजी ?" पतले चेहरेवाले व्यक्ति ने पूछा।

रोना ने स्वीकृति में सिर हिलाया। उसने निवास-स्थान में प्रवेश किया।

"रोना!" पाल ने पुनः कहा।

उसने अपना चेहरा दूर हटा लिया, उसका हाथ उसकी गरदन पर था और वह बगल में हट गयी, मानो वह उसका स्पर्श करने से बचना चाहती हो। वह पीछे देखे बिना लम्बे हाल में जाने लगी। तत्पश्चात् वह अकस्मात् रुक गयी, मानो उसने बारबारा को चिल्लाते हुए सुना हो और वह शयन कक्ष में चली गयी।

"उन्हें थोड़ा-सा आघात पहुँचा है। सेण्ट्रल पार्क में उन पर आक्रमण हो गया था। किन्तु अब वे बिल्कुल ठीक हैं।" पुलिस के सिपाही ने मन्द स्वर में कहा, "वे जो कुछ भी विवरण बता सकती हैं, उन्हें प्राप्त करने के लिए हम लोग बाद में आयेंगे। आज रात को नियमित प्रश्नों के अतिरिक्त और कुछ पूछना उचित नहीं प्रतीत हुआ। उनके साथ जो व्यक्ति था, उससे कोई सहायता नहीं मिली। वह भाग गया।"

"अधिक अच्छा होगा कि आप लोग अन्दर आ जायें और मुझे बतायें।" पाल ने कहा, "उसकी बहिन और बहनोई अस्पताल में हैं। यहाँ भी संकट उपस्थित हो गया है।" और उसने उन्हें संक्षेप में बता दिया कि क्या हुआ था।

पतले चेहरेवाला व्यक्ति, जो रोना के निवास-स्थान में प्रवेश करते ही चुपचाप एलिवेटर की ओर खिसकने लगा था, अचानक मुड़ पड़ा। वह यह कहता हुआ प्रतीत हुआ कि तुम एक विकट स्थिति में हो। एक रोती हुई बच्ची, एक महिला, जो किसी भी क्षण उन्मादग्रस्त हो सकती है। पुलिस स्टेशन पर वह अत्यधिक शान्त थी, यहाँ आते समय मार्ग में भी वह बहुत अधिक शान्त थी।

पुलिस के सिपाही ने भी ऐसा ही अनुभव किया। वह अपने साथी की ओर देखने के लिए आधा घूमा।

"और आप कौन हैं?" पाल ने आडम्बरहीन वस्त्रों और भूरे रंग के फेल्ट हैट की ओर देखते हुए पूछा। तत्पश्चात् उसे उस व्यक्ति की याद आ गयी, जिसे उसने बेनी के होटल में देखा था।

"ओह।" पुलिस के सिपाही ने बीच में ही कहा, "जब यह घटना घटित हुई, तब वे उधर से ही गुज़र रहे थे।" वह अचानक पेशेवर बन गया था।

"क्या आप अन्दर आइयेगा? आप दोनों? मेरा अनुमान है कि सम्प्रति मुझे सहायता और जानकारी की भी आवश्यकता है।" वह अभी तक उस व्यक्ति का निरीक्षण कर रहा था, जो उधर से ही गुजर रहा था। "यह एक

अच्छी बात हुई कि आप वहाँ थे। मुझे आश्चर्य है कि संघीय खुफिया विभाग के उस कुशल कर्मचारी का क्या हुआ, जो कुमारी मेटफोर्ड की रखवाली करने-वाला था। मेरा अनुमान है कि वह उतना कुशल नहीं था।"

उस व्यक्ति ने पाल की ओर देखा। "मेरा अनुमान है कि नहीं!" उसने कहा। उसने रुक कर पुनः कहा, "हाँ, यदि मैं आपकी कोई सहायता कर सकूँ, तो..." और वह देहरी को पार कर गया।

अब बारबारा के कमरे में शांति थी। रोना अभी तक वहीं थी।

"हम लोग क्या करें?" पाल ने हिचकिचाते हुए पूछा।

"उन्हें बच्ची के पास ही छोड़ दीजिये।" पुलिस के सिपाही ने सुझाव दिया। उसने बड़बड़ाते हुए अपनी घड़ी की ओर देखा।

"मेरा ख्याल है कि उन्हें सुला दीजिये।" शान्त व्यक्ति ने कहा। तीनों व्यक्तियों ने एक दूसरे की ओर देखा।

"ठीक है।" पुलिस के सिपाही ने अलिप्त भाव से कहा, "यदि गत सप्ताह मैंने एक बालक का उद्धार किया, तो मेरा अनुमान है कि मैं इस स्थिति को सम्हाल सकता हूँ।" उसने शयन-कक्ष के द्वार को धक्का देकर खोला और सावधानीपूर्वक उसके चारों ओर देखा। तत्पश्चात् वह द्वार को कोमलतापूर्वक बन्द करके धीरे से और शांतिपूर्वक पुनः हाल में चला आया।

"उन्होंने हमारी दोनों सलाहें मान ली है।" उसने उस व्यक्ति से कहा, जो उसके साथ आया था। वह सन्तोषपूर्वक मुस्कराया। "अब," उसने पाल से कहा, "हमें केवल यह करना है कि जहाँ तक हम लोग घटनाओं का सिल-सिला जोड़ सकते हैं, वहाँ तक आपको बता दें कि क्या हुआ।"

वे बैठकखाने में चले गये।

"वह कौन आदमी था?" पाल ने पूछा। उसका चेहरा स्थिर था, उसकी आँखें अभिव्यक्तिविहीन थीं। "कुमारी मेटफोर्ड के साथ वह आदमी कौन था?"

पुलिस के सिपाही ने अपनी नोट-बुक खोली। "स्काट एट्टली," उसने कहा, "उसने हमें यही नाम बताया था।"

"एक लम्बा व्यक्ति, नवयुवक, सुगठित शरीर, सुन्दर कंधे, सुन्दर बाल, नियमित अवयव, आँखें नीली अथवा भूरी—किसी भी हालत में हल्का रंग।" शान्त अजनबी व्यक्ति ने कहा।

"हां," पाल हैन ने धीरे से कहा और उसका चेहरा अकस्मात् सफेद हो गया, उसके ओठ बन्द हो गये, "हां, वह स्काट एट्टली ही है।" उसने एक

गहरी साँस ली। "कहते जाइये।" उसने अपना निरीक्षण करने वाले व्यक्तियों से कहा।

वे थोड़ी देर बाद ही चले गये क्योंकि वे उसे जो कुछ बता सकते थे, वह संक्षिप्त ही था, संक्षिप्त किन्तु स्पष्टीकरणों के अभाव में स्पष्ट। पुलिस के सिपाही के भावना-विहीन स्वर ने नग्न सत्यों को बताया। उन सत्यों की नग्नता ने उसके द्वारा किये गये वर्णन की वास्तविकता-विषयक कल्पना को और भी अधिक भयंकर बना दिया। "चिन्ता मत कीजिये," पुलिस के सिपाही ने हाल में से होकर सामने के दरवाजे की ओर जाते हुए कहा, "हम उन सभी को पकड़ लेंगे। हमने उनमें से एक को पकड़ लिया है। और एक दूसरे को पार्क-स्थित खुफिया पुलिस की गोली से चोट लग गयी है; वहां घास पर खून के निशान थे। हम उन तीनों को पकड़ लेंगे। एक ठग को पकड़ लीजिये और आप शेष को भी पकड़ लेंगे। कायर! हां, ये बदमाश कायर ही होते हैं। हम उन्हें पकड़ लेंगे।" उसने एलिवेटर में कदम रखते हुए सहानुभूतिपूर्वक, आश्वासन देते हुए पुनः कहा। उसके पीछे शान्त चेहरे और सतर्क आँखों वाला व्यक्ति था।

"हाँ।" पाल ने कहा। किन्तु वह स्काट एट्टली के सम्बन्ध में सोच रहा था। उसने दरवाजा बंद कर दिया और बत्तियाँ बुझा दीं।

उसने शयनकक्ष में झांका और वह रोना की ओर देखता हुआ अंधकार में खड़ा रहा। वह सो गयी थी, गहरी नींद में सो गयी थी, वह इतनी निश्चल थी, जैसे मर गयी हो। उसने धीरे से उसके पैरों से जूते निकाल दिये। उसने उसे एक ग्रीष्मकालीन कम्बल से ढंक दिया और धीरे से पुनः कमरे से बाहर निकल आया। जब उसने दरवाजे को आधा बन्द किया तथा किसी भी आवाज को सरलतापूर्वक सुन सकने के लिए उसे पर्याप्त रूप से खुला छोड़ दिया, तभी उसे याद आया कि उसने बारबारा को नहीं देखा था। किन्तु स्पष्टतः वह बिल्कुल ठीक थी अन्यथा चारों ओर शोर-गुल मच गया होता। बारबारा उस प्रकार की लड़की थी, जो प्रसन्न न होने पर आपको परेशान कर देती है।

उसने आराम-कुर्सी की बगल में रखी हुई पढ़ने की बत्ती के अतिरिक्त बैठकखाने की बत्तियों को बुझा दिया। वह आँखें बन्द करके पुलिस के सिपाही द्वारा किये गये सीधे-साधे तथ्यात्मक वर्णन के एक-एक शब्द को याद करते हुए कुर्सी पर पड़ गया। स्काट एट्टली, उसने सोचा, किसी दिन मैं उसकी गरदन को अवश्य तोड़ दूँगा...तभी उसे बूढ़े एबरनेथी का एक दूसरा उद्धरण,

जिसका प्रयोग वह कतिपय सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के संबंध में व्याख्यान देते हुए किया करता था, याद आ गया। बोली के भयानक यथार्थवाद से आनन्दित होता हुआ एबरनीथी उद्धृत किया करता—"वह एक चालाक व्यक्ति है और फांसी पर लटकाने के लिए तनिक भी बुरा नहीं है।" हां, एट्टली एक चालाक व्यक्ति और फांसी पर लटकाने के लिए कोई बुरा नहीं है।

अध्याय—२३

प्रातःकाल, ६ बजे के आसपास, जब सूर्य की पीतवर्णीय, दुर्बल किरणों ने पर्दों से छन-छनकर टाइसन-दम्पति के बैठकखाने में पाल हैन को जगा दिया तभी जान वापस लौटा। वह पाल के सिकुड़े हुए कपड़ों, उसके पास सिगरेट के टुकड़ों से भरे हुए राखदानों की ओर देखता हुआ दरवाजे पर खड़ा हो गया, किन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि उसने कोई भी संकेत नहीं दिया।

पाल ने एक खिंची हुई मांस-पेशी को मल कर ठीक किया और पूछा, "क्या बाबी बिल्कुल ठीक है ?"

जान ने कोई उत्तर नहीं दिया। उसने अपने सफेद चेहरे से पाल की ओर रिक्त दृष्टि से देखा। उसने कहा, "वह अभी तक जीवित है।" उसका स्वर भंग हो गया।

"पेगी कैसी है ?" पाल ने जल्दी से पूछा।

जान ने पुनः अपने को नियंत्रित कर लिया। "वह—वह बहुत ही अच्छी है।" उसने कहा। उसने पुनः कमरे में चारों ओर, अपने डेस्क की ओर, जिस पर जाँचने के लिए पड़ी हुई परीक्षा-पुस्तिकाओं का ढेर पड़ा हुआ था, देखा। कल तीसरे पहर उसने उनको जाँचना प्रारंभ किया था। किन्तु कल एक हजार मील दूर पीछे हट गया था..."मैं कुछ चीजें लेने के लिए आया हूँ।" उसने याद करने का प्रयास करते हुए कहा, "पेगी के लिए कपड़े...खुद मेरे सामान ...हम किसी न किसी प्रकार का समय-विभाजन कर लेंगे, जिससे हममें से एक व्यक्ति हर समय उसके साथ रहेगा।...." वह पुनः रुक गया और एक छाया उसके चेहरे पर से होकर गुजर गयी। "कल रात को हम उसके द्वार के बाहर बैठे रहे। हमें भीतर जाने की आज्ञा नहीं मिली। आज रात हमारे लिए उसके कमरे में एक चारपाई रख दी जायेगी। पेगी उसके साथ रहने जा रही है।

यदि रोना बारबारा की देख-भाल करेगी, तो मैं अपने समय को अस्पताल और यहाँ के बीच विभक्त कर सकता हूँ। और कालेज। बारबारा कैसी है ?"

उसने उत्तर के लिए प्रतीक्षा नहीं की, बल्कि हाल की कोठरी को खोला और एक सूटकेस बाहर निकाला। तत्पश्चात् वह अपने शयन-कक्ष में गया। वह मुट्ठी-भर रूमालों और रात्रिकालीन ड्रेसों के साथ वापस आया। "दाँत साफ करने का एक ब्रश," उसने अपने आपसे कहा और जल्दी से स्नानागार में चला गया। फिर वह वापस आया और उसने जिन सामानों को एकत्र किया था, उन्हें वह बाँधने लगा। "यह पर्याप्त नहीं है।" उसने सूटकेस में खाली स्थानों की ओर घूर कर देखते हुए कहा।

"स्लिपर नहीं लिये ? एक ड्रेसिंग गाउन ?" पाल ने सुझाव दिया।

"हाँ, यह ठीक है। और मोजे। पेगी का एक मोजा फट गया।" किन्तु वह हटा नहीं; वह अभी तक सूटकेस की ओर घूरकर देख रहा था। "वह बाबी के लिए कुछ चाहती थी..." वह याद नहीं कर सका। "हे परमात्मा !" उसने कहा, "एक बालक इतनी अधिक पीड़ा को किस प्रकार सहन कर सकता है ? कम से कम वह जीवित है। उसके बचने की सम्भावना है। डाक्टर यही कहते हैं। और पाल, वे सच बात कह रहे हैं। जब वे उसे शल्य-क्रिया-कक्ष में ले गये, तब उन्होंने हमसे कहा था कि वे किसी भी प्रकार का वचन नहीं दे सकते। वे उस समय स्पष्ट बात कह रहे थे। अब वे कहते हैं कि उसके बच जाने की सम्भावना है। हम उन पर विश्वास कर सकते हैं, नहीं कर सकते क्या ?"

"हां," पाल ने कहा, "हाँ। देखो, जान। मैं हम लोगों के लिए थोड़ी-सी काफी बनाने जा रहा हूँ। तुम जल्दी से दाढ़ी बना लो और नहा लो। तब तुम अस्पताल वापस जा सकते हो और पेगी को नाश्ता करने के लिए बाहर जाने का समय मिल जायेगा। क्या यह विचार ठीक है ?"

जान ने सिर हिलाया। उसने सूटकेस को फर्श पर खुला छोड़ दिया। वह स्नानागार की ओर चला गया। उसने बात करना जारी रखा, मानो शब्द मुक्तिदायक हों। "छोटे बालकों के साथ ऐसा ही हुआ करता है। कोई वास्तविक चेतावनी नहीं मिलती। बस रोग का आकस्मिक प्रहार हो जाता है। तब भी, तुम्हें मालूम नहीं होता कि खराबी क्या है। पीड़ा भी ठीक स्थान पर नहीं होती, जिससे तुम बता सको कि रोग क्या हो सकता है। यदि कल रात डाक्टर तुरन्त नहीं आ गया होता—यदि वह हमारे समीप न रहता होता—यदि पेगी और मैं बाहर गये होते—यदि हम लोग.....ओह, परमात्मा !"

"किन्तु तुम बाबी को अस्पताल ले गये। और उसके बचने की बहुत अधिक सम्भावना है।" पाल ने शान्तिपूर्वक कहा, "स्वयं को 'अगर-मगर' से यातना देने से कोई लाभ नहीं होगा, जान।" उसने रोना के यहाँ आने के बाद के उन विगत घण्टों में स्वयं अपनी स्थिति के सम्बन्ध में सोचा। उसने खिन्नता-पूर्वक अपने आपसे कहा कि मुझे इसमें थोड़ा परामर्श स्वयं अपने को देना चाहिए था।

"क्या बारबारा बिल्कुल ठीक है?" जान ने पुनः पूछा। "क्या रोना उसके साथ है?" उसने इस प्रकार देखा, मानो वह स्वयं देखने के लिए उनके कमरे में प्रवेश करने जा रहा था।

"उन्हें सोने दो," पाल ने जल्दी से कहा, "पहले नहाने और दाढ़ी बनाने का काम कर लो।" वह रसोईघर में गया और यह देखने के लिए चारों ओर उलट-पुलट करने लगा कि पेगी काफ़ी और छन्ना कहाँ रखती थी। अण्डे। रोटी। एक टोस्टर। मक्खन। वह जान को रोना और स्काट एट्टली के सम्बन्ध में क्या बताने जा रहा था? कितना कम, कितना अधिक? यह इस बात पर निर्भर करता था कि जान में कितना दण्ड सह सकने की क्षमता थी। उसे जानना तो था ही, और वह जितनी जल्दी जान ले उतना ही अधिक अच्छा होगा। न केवल रोना के लिए बल्कि स्वयं उसके लिए भी।

बहुत देर नहीं हुई थी कि जान रसोईघर में आ गया। उसने अपनी सिकुड़ी हुई कमीज और सूट को बदल डाला था। उसका व्यवहार भी भिन्न प्रकार का हो गया था, मानो सर्द फुहार ने उसमें नयी शक्ति का संचार कर दिया हो। उसने जल्दी से कहा, "मैं यह देखने के लिए बारबारा के कमरे में गया कि वह बिल्कुल ठीक तो है। रोना—वह जिन कपड़ों को पहन कर कर सड़क पर निकली थी, अभी तक उन्हीं कपड़ों को पहने हुए है। वे फटे हुए हैं। उसके गले पर एक नीला घाव है।" उसने एक गहरी साँस ली। "अब क्या बात हो गयी है?" उसने पूछा। उसने सोचा, जब मैंने पाल को यहाँ अभी तक एक आरामकुर्सी पर अर्द्ध-निद्रित अवस्था में देखा था, तभी मुझे अनुमान लगा लेना चाहिए था कि कोई बात हो गयी है। केवल बात यह है कि मैं बाबी के विषय में सोच रहा था; मैं केवल बाबी के विषय में सोच रहा था।

"बात क्या है?" उसने अपने प्रश्न को दुहराया।

"शान्त हो जाओ, जान, शान्त हो जाओ। अब कोई बात नहीं है।"

"अच्छा, तो तुम मुझे यही बता दो कि क्या बात हो गयी थी।" जान ने

कहा और उसका चेहरा सफेद एवं कठोर हो गया।

"यह थोड़ी-सी काफी है। इसे पी लो। और तब मैं जो कुछ जानता हूँ, उसे तुम्हें बता दूँगा।" बात करते समय पाल जान के चेहरे का निरीक्षण करता रहा, उसने स्वर को चिन्तामुक्त तथा आँखों को आश्वस्त रखा। वह अपने वाक्यों का चुनाव सावधानीपूर्वक कर रहा था तथा केवल उन संक्षिप्त विवरणों को ही बता रहा था, जिन्हें उसने पुलिस के सिपाही से सुना था। वह स्वयं अपनी भावनाओं को यथाशक्ति अच्छी तरह से छिपा रहा था।

उसकी बात समाप्त हो जाने पर जान ने कहा, "और वह तब से इसी प्रकार सोती रही है?"

"हाँ। उसके स्नायुओं के लिए सम्भवतः यह सर्वोत्तम उपचार है। मैंने किसी परिचारिका को फोन करने का विचार किया था। किन्तु हम लोग इस सम्बन्ध में जितना ही कम हुल्ला-गुल्ला करें, उतना ही अधिक अच्छा होगा। कम से कम, मैंने सोचा कि रोना ऐसा ही चाहेगी।"

जान ने सिर हिलाया। तत्पश्चात् उसकी मुद्रा कठोर हो गयी। "और एट्टली भाग गया? उसने कोई अधिक संघर्ष नहीं किया और फिर वह भाग गया—क्या मैं यही समझूँ? किन्तु क्यों? मैं उसे कभी कायर नहीं समझता था। क्या वह पागल हो गया है?"

"मैं नहीं सोचता कि वह कायर है," पाल ने कहा, "मैं यह भी नहीं सोचता कि वह पागल हो गया है।"

जान ने सिर हिलाया। "कोई भी विवेकशील व्यक्ति इस प्रकार का व्यवहार नहीं करता।"

"यदि वह रोना को पार्क के उस अन्धकारमय भाग में ले गया, तो उसने एक कारण से ऐसा किया। यदि वह अफसर द्वारा पुलिस-स्टेशन पर चलने की बात सुनते ही भाग गया, तो उसने एक कारण से ऐसा किया। यदि हम उसके कारणों को जान जायें, तो हो सकता है कि हम उन्हें पसन्द नहीं करें। हो सकता है कि हम उन्हें कभी समझ नहीं सकें; क्योंकि हम एक भिन्न ही जगत के निवासी हैं। किन्तु तथ्य यह है कि उसके पास उसके निजी कारण थे। वे बने हुए हैं। और मैं उनका पता लगाना चाहता हूँ।"

"मैं इतना अवश्य कहूँगा कि मैंने जितनी आशा की थी उसकी अपेक्षा कहीं अधिक शांति के साथ तुम इस बात को ग्रहण कर रहे हो," जान ने कहा और उसका क्रोध वापस लौट आया, "मैं तो उसका जबड़ा तोड़ देना चाहूँगा।"

'कल रात को मैं उसकी गर्दन तोड़ देने के लिए बिल्कुल तैयार हो गया था। किन्तु मुझे सोचने के लिए कुछ समय मिल गया। मैं जानता हूँ कि क्या किया जाना चाहिए। मैं एट्टली के कारणों का पता लगाने जा रहा हूं, मैं उन लोगों के लिए उसकी उपयोगिता को समाप्त करने जा रहा हूँ, जिन्होंने उसे उसके कारण सिखाये थे। हाँ, मैं कामरेड एट्टली के सम्बन्ध में सारी बातों का पता लगाने जा रहा हूँ।"

"हम इससे कटुतापूर्ण मजाकों को दूर ही रखें," जान ने कहा, "मैं इतना अधिक थक गया हूँ कि मुझमें मुस्कराने की सामर्थ्य नहीं रह गयी है।"

"मैं कोई मजाक नहीं कर रहा हूँ," पाल ने कहा, "मैं उतना ही गम्भीर हूँ, जितने गम्भीर तुम हो।"

जान ने उसकी ओर घूर कर देखा। "एट्टली ?—मैं इस पर विश्वास नहीं करता...एट्टली एक कम्यूनिस्ट ? तुम पागल हो गये हो, पाल।"

"तो मिल्टन लीटनर भी पागल हो गया है।"

"आह....!" जान ने कहा। वह कल रात मिल्टन के आगमन, कमरे के दूसरे सिरे पर गुपचुप वार्तालाप, प्रस्थान करते समय मिल्टन लीटनर के चेहरे पर व्याप्त चिन्ता, पेगी और जान को एक समाचार सुनाना प्रारम्भ करते समय पाल के चेहरे पर व्याप्त चिन्ता को याद कर रहा था। तो यह समाचार मिल्टन लीटनर लाया था। "क्या कोई प्रमाण भी है, या यह सन्देह मात्र है ?" उसने पूछा। उसका स्वर पुनः शान्त हो गया था, शान्त और संयमित।

"मुझे सर्वप्रथम इसी बात का पता लगाना है," पाल हैन ने कहा और उसने एक प्याला काफी और उँड़ेली, "इस बात पर निर्भर करते हुए कि मुझे क्या पता चलता है, मैं वहाँ से आगे बढ़ूँगा।"

"किन्तु तुम कैसे पता लगाने जा रहे हो ?"

पाल ने उसे थोड़ा-सा टोस्ट दिया और तले हुए अण्डों को परोसा। "पहले हम लोग अपने पेट में कुछ ठोस चीजें तो डाल लें!" उसने सुझाव दिया।

"पाल—तुम सत्य का पता किस प्रकार लगाने जा रहे हो ? यह एक ऐसा काम है, जिसके लिए पूरा समय देने की आवश्यकता होगी।"

"तो क्या हुआ ?"

"क्या तुम्हारे कहने का आशय यह है कि तुम 'ट्रेण्ड' से त्यागपत्र दे दोगे ? किन्तु, पाल, तुम अपनी नौकरी का परित्याग नहीं कर सकते। तुमने अभी-अभी

उसे पुनः प्रारम्भ किया है।"

"यदि एट्टली और उसके दल के व्यक्तियों का नियंत्रण स्थापित हो गया, तो हममें से कितने लोगों के पास कोई अच्छा अवसर रह जायेगा ?" पाल ने पूछा। उसने खिन्नतापूर्वक मुस्कराते हुए पुनः कहा, "इसके अतिरिक्त जब एक बार एट्टली के मित्रों को पता चल जायेगा कि मैं क्या करने जा रहा हूँ, तब वे मेरे विरुद्ध एक ऐसा अभियान प्रारम्भ करेंगे कि मेरी प्रतिष्ठा बहुत अधिक नहीं रह जायेगी, अवसर तो उससे भी कम रह जायेगा।"

"तुम्हारे कहने से ऐसा प्रतीत होता है कि वे शक्तिशाली हैं।"

"बिल्कुल ठीक, वे शक्तिशाली हो सकते हैं। हम उन्हें जितना शक्तिशाली बनायेंगे, वे उतने ही शक्तिशाली होते जायेंगे।"

"हां," जान ने कटुतापूर्वक कहा, "वे हमारी सद्भावना प्राप्त करते हैं और हमारे ही विरुद्ध एक अस्त्र के रूप में उसका उपयोग करते हैं।" वह उस समाचार के सम्बन्ध में सोच रहा था, जिसे मिल्टन लीटनर लाया था। वह उसकी समस्त विवक्षाओं के सम्बन्ध में सोच रहा था : एट्टली का उसके छात्रों के साथ मित्रता कराना, मर्रे के साथ उनका परिचय कराना, जो प्रत्यक्षतः सांयोगिक प्रतीत होता था, निमंत्रण, उन्हें सरलतापूर्वक निकोलस ओरपेन के पास पहुँचाना..."किन्तु मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकता।" उसने प्रायः अपने आपसे कहा। "एट्टली ?" उसने पाल की ओर देखा और तत्पश्चात् पुनः कहा, "वह मेरा अहंकार मात्र था। यह स्वीकार करना काफी कठिन है कि तुम किसी व्यक्ति के सम्बन्ध में उचित निर्णय नहीं कर पाये। यदि यह बात सच है, तो मैं निश्चय ही उनकी सहायता करनेवाले विश्वासी मूर्खों में से एक रहा हूँ।"

"यदि यह कोई सन्तोष की बात हो, तो मैं भी विश्वासी मूर्ख रहा हूँ !" पाल ने कहा। वह सोच रहा था कि उसने किस प्रकार पहले राजर ब्राउनली की बात को सुनने से इनकार कर दिया था। बाद में भी उसने केवल आना-कानी करते हुए ही विश्वास किया था। वह बहुत ही अनिच्छापूर्वक रंगरूट बना था और उसे शान्तिपूर्वक न रहने देने के लिए उसने अपनी अन्तरात्मा को बुरा-भला कहा था। किन्तु अब—मैं तुरन्त राजर से मिलूँगा, उसने सोचा। वह मुझे कुछ परामर्श दे सकेगा, वह मुझे उन व्यक्तियों के सम्पर्क में ला देगा, जो इस प्रकार के कार्य के सम्बन्ध में मेरी अपेक्षा अधिक जानते हैं। परमात्मा को धन्यवाद है कि फिर भी, मुझे थोड़ा-सा प्रशिक्षण मिल चुका है। अब नाजियों के विरुद्ध किये गये कार्य के वे वर्षों के अनुभव उपयोगी सिद्ध होने

जा रहे हैं।

"मेरी बुद्धि नष्ट हो गयी है," जान ने कहा, "मैं यह भी नहीं सोच सकता कि मुझे एट्टली के सम्बन्ध में क्या करना चाहिए।" किन्तु उसका स्वर शान्त था।

"मैं तुम्हें बता चुका हूँ कि मैं कार्रवाई करने जा रहा हूँ।" पाल ने कहा। वह जान का निरीक्षण कर रहा था। प्रत्याघात का उपचार धीरे-धीरे और निर्ममतापूर्वक काम कर रहा था, किन्तु वह अपना काम कर रहा था।

"मैं अनेक बातों के लिए दोषी हूँ।" जान ने तर्क प्रस्तुत किया, "ओ लोग दोषी होते हैं, उन्हें मूल्य भी चुकाना चाहिए।" वह इस बात को कई बार कह चुका था—प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक रूप से स्वयं अपने ऋणों के सम्बन्ध में निर्णय करना चाहिए और स्वयं ही प्रायश्चित्त करना चाहिए। "हाँ, दोष मेरा रहा है!" उसने अपने कथन को दुहराया, उसकी आँखें संकुचित हो गयीं और उसके सफेद ओठ कस गये।

"तुम नहीं।"

"यदि बाब कैश भी एट्टली के ही मार्ग का अनुसरण करता है—" जान ने कहना प्रारम्भ किया।

पाल ने तीक्ष्णतापूर्वक कहा, "इस विचार का परित्याग कर दो। हमें उसी को दोष देना चाहिए, जो उसका भागी है। एट्टली ने तुम्हारी मित्रता के प्रति द्रोह किया, उसने अपने पिता के प्रति विश्वासघात किया, उसने अपनी प्रेमिका के प्रति विश्वासघात किया। और यह सब कुछ उसने पार्टी के प्रति वफादारी के नाम पर, जो जनतंत्र और आदर्शवाद की दुमुंही बात में छिपाकर रखी गयी थी, किया। वह यह सोचने के लिए नही रुका कि उसके द्वारा उठाया गया प्रत्येक कदम उसे और अधिक गहराई तक गन्दगी में ले जाता है तथा वह गन्दगी उससे चिपकी रहेगी तथा कोई भी दुमुही बात कभी उस गन्दगी को उससे दूर नही कर सकेगी। वह यह सोचने के लिए नहीं रुका कि स्वयं उसका भ्रष्टाचार उस सत्ता को भी भ्रष्ट बना देगा, जिसे वह प्राप्त करना चाहता है।"

कुछ क्षणों तक मौन बना रहा। तत्पश्चात् जान ने कहा, "यदि वह कभी सोचने के लिए रुका तो क्या होगा?"

"यह उसकी समस्या है!" पाल ने कटुतापूर्वक कहा।

"मैं उस समस्या के लिए उससे ईर्ष्या नही करूँगा।" तभी जान को स्वयं अपनी समस्या याद आ गयी। उसने दीवार-घड़ी की ओर देखा। "सवा सात

बज गये....आज बारबारा को क्या हो गया है ? वह सामान्यतः ऊषाकाल होते ही जाग जाया करती है।"

मानो उसके प्रश्न का उत्तर देने के लिए, जिससे दोनों पुरुष मुस्कराने के लिए विवश हो गये, बारबारा की हल्की आवाज लम्बे हाल को पार करती हुई आयी। "बाबी," वह कह रही थी, "बाबी चला गया है। रोना मौसी, बाबी कहाँ है ? रोना मौसी, रोना मौसी !" उसकी रटन एक निराशापूर्ण रुदन में परिवर्तित हो गयी, जिसका अन्त आँसुओं के रूप में हुआ। भयग्रस्त रुदन यह कहता हुआ प्रतीत हो रहा था कि मुझे छोड़ दिया गया है, मैं अकेली हूँ और कोई भी मुझसे प्यार नहीं करता।

जान लम्बे हाल में से होकर जाने लगा, किन्तु वह ज्यों ही शयन-कक्ष के द्वार पर पहुँचा, त्यों ही रुदन बन्द हो गया। रोना बोल रही थी। वह मोटी आवाज से बोल रही थी, उसका स्वर बैठा हुआ था, किन्तु उसके शब्द शान्त और कोमलतापूर्ण थे। बारबारा ने हँसना प्रारम्भ कर दिया। "विचित्र आवाज है !" उसने कहा, "फिर से ऐसा कीजिये।"

जान ने घूमकर पाल की ओर देखा, जो उसके पीछे-पीछे ही आ गया था। "अब ?" उसने शयन-कक्ष के द्वार की ओर सिर से इंगित करते हुए, रोना से मिलने के क्षण को दूर करने का प्रयास करते हुए तथा उससे बाबी के सम्बन्ध में बताने के क्षण को दूर करने का प्रयास करते हुए पूछा।

"कुछ मिनटों तक इसे बारबारा के ऊपर ही छोड़ दो !" पाल ने कहा, "पहले तुम्हारा सामान बाँधने का काम पूरा कर लेने के बारे में क्या ख्याल है ?"

वे बैठकखाने में वापस चले गये। तत्पश्चात् उन्होंने एक दूसरे की ओर देखा। "बहुत अच्छा !" पाल ने असहाय होकर कहा," हम इसे स्वीकार ही कर लें।"

उसने नीले आवरणवाली परीक्षा-पुस्तिकाओं को, जिन्हें कल अपराह्न में जान जाँच रहा था, एकत्र करना प्रारम्भ कर दिया। "क्या तुम इन्हे भी चाहते हो ?" पाल ने पूछा, वह रोना की आवाज को भूलने का प्रयास कर रहा था।

"ले भी जा सकता हूँ," जान ने भी उतनी ही तेजी कहा, "परीक्षा-फल को सोमवार तक डाक से भेज देना है।" वह सूटकेस को डेस्क के ऊपर लाया। "यहाँ, उन्हें अन्दर रख दो।" उसने अपने साथ ले जाने के लिए दूसरी किताबों को निकालना प्रारम्भ कर दिया। जब वह काम कर रहा था, तब

वह यह महसूस करने लगा कि पाल हैन ने किस प्रकार की रात व्यतीत की थी। उसने अपने आप से क्रोधपूर्वक कहा, पाल रोना से प्यार करता है और मैंने इन विगत क्षणों से पूर्व कभी इस बात को सोचा भी नहीं था; स्वयं तुम्हारी कठिनाइयाँ तुम्हें कितना अधिक स्वार्थी बना सकती हैं। विगत रात, अवश्य ही पाल के लिए भी उतनी ही नारकीय रही होगी, जितनी नारकीय वह हमारे लिए थी। किन्तु वह अकेला था। और मेरे साथ पेगी थी। पाल ने नजर ऊपर उठायी और उसने देखा कि जान उसका निरीक्षण कर रहा था। "हाँ?" उसने पूछा।

"मैं यह सोच रहा हूँ कि यह अधिक अच्छा होगा कि पेगी यहां वापस आ जाये और प्रबन्ध अपने हाथ में ले ले। अथवा सम्भवतः हमारी सहायता करने के लिए हम ऊपर से मोइरा बरले को बुला सकते हैं।"

"उसकी कोई आवश्यकता नहीं है!" रोना ने द्वार पर से कहा, "मैं बारबारा की देख-भाल करूंगी। मैं—मैं बिल्कुल ठीक हूँ।" दोनों व्यक्ति उसकी ओर देखने के लिए जल्दी से मुड़ पड़े। वह पेगी का एक 'हाउसकोट' पहने हुए थी और उसने एक रेशमी रूमाल को ढिलाई के साथ अपने गले के चारों लपेट रखा था। उसका चेहरा सफेद हो गया था, किन्तु वह शान्त थी। वह बारबारा को अपनी गोद में लिए हुए थी। "मेरी आवाज के बारे में चिन्ता मत करो," उसने कहा, "यह जितनी पीड़ा पहुँचाती है, उससे अधिक बुरी यह प्रतीत होती है।"

"विचित्र आवाज है।" बारबारा ने सहमति व्यक्ति करते हुए कहा।

रोना कमरे में आ गयी। "बाबी कहां है? क्या हो गया है?" उसने पाल की ओर नहीं देखा, उस समय भी नहीं, जब बारबारा ने उसकी ओर एक बाँह फैला कर कहा, "क्या हुआ?—'पोटैमस' (दरियाई घोड़ी) का क्या हुआ?" रोना ने, जिसकी आँखें जान के ऊपर जमी हुई थीं, अपने चेहरे पर उसी अस्वाभाविक शांति को बनांये रखा। "मैं रात को बहुत देर से आयी," उसने कहा, "मैं थकी हुई थी। मैं सो गयी। मैं थकावट के कारण इतनी बेसुध हो गयी थी कि मैंने यह नहीं देखा कि मैं बाबी के विस्तरे पर लेट गयी हूँ। वह खाली था। मैंने केवल इतना ही देखा। किन्तु क्यों—वह कहां है?"

"वह अस्पताल में है!" जान ने कोमलतापूर्वक कहा, "अपेण्डिसाइटिस।"

"गम्भीर है?"

"था। यद्यपि अब उसके बच जाने की सम्भावना है।"

"ओह, जान!" रोना ने बारबारा को नीचे उतार दिया और जान की ओर अविश्वासपूर्वक घूर कर देखने लगी।

उसके चेहरे का निरीक्षण करते हुए जान ने जल्दी से कहा, "मुझे अभी अस्पताल वापस चला जाना होगा। उसने सूटकेस की ओर इशारा किया। "मेरी सहायता करो, रोना, करोगी? पेगी को किन-किन चीजों की आवश्यकता होगी?

रोना ने सूटकेस की ओर देखा और वह प्रायः मुस्करा पड़ी। "उससे अधिक ही!" उसने कहा।

जान ने सूटकेस को उठा लिया और उसे शयन-कक्ष की ओर ले गया। रोना उसके साथ गयी। उसने अब भी पाल की ओर नहीं देखा। उसने और जान ने साथ-साथ मिलकर सामान बाँधना समाप्त किया। जब वे बैठकखाने में वापस आये, तब वह खाली था।

"बारबारा!" जान ने पुकारा।

"मैं यहाँ हूँ!" बारबारा ने रसोईघर से उत्तर दिया। वह प्रायः प्रसन्न प्रतीत हो रही थी।

वह अपनी ऊँची कुर्सी पर बैठी हुई थी, उसके गले के चारों ओर एक रूमाल लपेटा हुआ था, उसका चेहरा दूध के एक बड़े गिलास में डूबा हुआ था। उसने धीरे से गिलास में फूंक मारी और उठते हुए बुलबुलों को सराहना की दृष्टि से देखने लगी।

"पाल कहाँ है?" रोना ने पूछा। उसके प्रश्न के उत्तर में हाल का द्वार धीरे से बन्द हो गया। उसने जान की ओर देखा।

"वह चला गया," बारबारा ने घोषित किया, "दरियाई घोड़ी की सहायता करने के लिए। वह कहीं अटक गयी है।" उसने जोर से फूंक मारी और दूध एक मधुर आवाज करता हुआ फैल गया। उसने नजर ऊपर उठायी और वह हँसने लगी। फिर उसका चेहरा दुखपूर्ण हो गया। "बेचारी दरियाई घोड़ी!" उसने कर्त्तव्य-भावना से कहा। उसने जोर से सांस ली।

जान ने उसके सिर को चूम लिया। "हां, मैं पेगी को बता सकता हूँ कि यहाँ हर चीज यथापूर्व चल रही है।" उसने दूध से भीगी हुई मेज की ओर देखते हुए कहा, "मैं अपने डाक्टर को यहाँ भेज दूंगा और वह तुम्हारे गले के लिए दवा लिख देगा।" उसने रोना से कहा। उसने अपना हाथ बढ़ाया और

एक क्षण के लिए उसकी बाँह को स्पर्श कर लिया। "कितनी अच्छी लड़की!" उसने कहा।

रोना ने अकस्मात् अपना सिर झुका लिया। फिर वह एक तौलिये की तलाश करने लगी। जब जान यथासम्भव अनजाने ही रवाना हो गया, तब वह बारबारा के चेहरे को, जिस पर दूध लिपटा हुआ था, पोंछ रही थी। हाँ, वह बारबारा को वचन दे रही थी, रोना मौसी उसे टहलने के लिए ले जायेंगी। पेन स्टेशन पर। स्टेशन पर क्यों?

"क्योंकि," बारबारा ने बिना दाँतोंवाली मोना लिसा का सुन्दर अनुकरण करते हुए कहा, "केवल इसलिए कि—" फिर उसने चारों ओर देखा। "पिता जी कहाँ है?" उसने शांत निवास-स्थान में कान लगाकर सुना। एकदम उसका मुह लटक गया और गला भर आया। "पिता जी!" और....आँसू दूध में टपक पड़े।

रोना को पूरे दस मिनट तक कोशिश करनी पड़ी, तब कहीं बारबारा की मुस्कराहट वापस लौटी और उसका चेहरा अप्रैल के आकाश की भाँति मधुर हो गया। किन्तु तब भी रोना को स्वयं अपने संबन्ध में सोचने का तनिक भी समय नहीं मिल सका। बारबारा ने ऐसा अवसर ही नहीं प्रदान किया।

अध्याय–२४

नौ बजे पेगी ने फोन किया।

"रोना?" उसने एक साँस में कहना प्रारम्भ किया। जब वह यह महसूस करती थी कि उसे सैकड़ों चीजों की चर्चा करनी है, तब वह जिस ढंग से बात करती थी, उसी ढंग से वह बात कर रही थी। "रोना, बारबारा कैसी है? क्या उसने काफी नाश्ता किया है? तुम्हें उसके खेलने के कपड़े शयनकक्ष की आलमारी के बायें खाने में मिलेंगे....और आज सवेरे सर्दी पड़ रही है, अतः अधिक अच्छा होगा कि तुम एक ऊनी जैकेट उसको—"

"हां, पेगी!" रोना ने मुस्कराते हुए कहा। ऊनी जैकेट पहले से ही उस मांसल छोटी बांह को ढके हुए था, जो रोना से रिसीवर लेने के लिए संघर्ष कर रही थी। "बस एक मिनट, प्यारी," उसने बारबारा से कहा, "तुम ममी से बाद में बात कर सकती हो, यदि तुम चुपचाप रहो!" बारबारा ने सिर

हिलाया और अपने सिर को रोना के सिर के निकट कर दिया, जिससे वह किसी भी हालत में सुन तो सके।

"ऊनी जैकेट ब्यूरो के निचले खाने में हैं।"

"बहुत अच्छा," रोना ने कहा, "और बाबी का क्या हाल है ?"

"वह आधा सोया हुआ और आधा जागा हुआ है। जान उसके द्वार के निकट बैठा हुआ है। सम्भवतः बाद में आज तीसरे पहर हम लोग कमरे में आ जायेंगे। रोना—क्या तुम्हें सर्दी लग गयी है ?"

"नहीं। मेरा गला खराब हो गया है। किन्तु बाबी—तब क्या उसकी हालत में सुधार हो रहा है ?"

"मैं अपने आप से कहती रहती हूँ कि उसकी हालत में सुधार हो रहा है। डाक्टर लोग कोई निश्चित बात नही बताते। ओह, रोना !—"

"अब, प्रसन्न-चित्त हो जाओ, पेगी। निकृष्टतम स्थिति समाप्त हो गयी है।"

पेगी ने अपनी नाक सिनकी।

"वह क्या है ?" बारबारा ने पीछे की ओर हटते हुए कहा।

पेगी ने कहा, "मैं ऐसी ही आशा करती हूँ।" उसका स्वर बहुत अधिक स्पष्ट नही था।

रोना ने निश्चय किया कि बारबारा के लिए बातचीत करने का यही अवसर है। और जब वह फोन को बारबारा के मुह से समुचित दूरी पर पकड़े हुए थी, और बारबारा चिल्ला-चिल्ला कर उत्तर दे रही थी (टेलिफोन करने के सम्बन्ध में बारबारा की धारणा यह थी कि जितने ही जोर से बोला जाये, उतना ही अधिक साफ सुनायी देगा) तभी रोना को यह महसूस करने का समय मिल गया कि कल रात को पार्क में जो घटना हुई थी, उसके सम्बंध में पेगी को कुछ भी नहीं बताया गया है। और उसके लिए वह कृतज्ञ थी। यदि पेगी को मालूम हो गया होता, तो वह यहां आ गयी होती, जब कि वह अस्पताल में पड़े हुए बाबी के सम्बंध में चिन्ता करती होती। और तब, रोना ने स्वयं से कहा, मुझे सोचने के लिए समय मिल जाता...और मैं सोचना बिल्कुल नहीं चाहती। मैं स्काट के सम्बंध में सोचने से डरती हूँ। मैं कल रात की घटना को याद करने से जितना डरती हूँ उससे भी अधिक मैं उसके सम्बंध में सोचने से डरती हूँ... इसे बंद करो, रोना, बन्द करो !

"बारबारा, अब मेरी बारी है।" उसने प्रायः हतोत्साह होकर कहा और रिसीवर को वापस ले लिया। "हां, पेगी," उसने जल्दी से कहा, "अब तुम

मुझसे क्या करवाना चाहती हो ? नहीं, जब तक तुम्हें बाबी के सम्बंध में पूर्ण विश्वास न हो जाये, तबतक एक क्षण के लिए भी अस्पताल मत छोड़ो।" कुछ मिनटों तक आर पेगी बारबारा के नियमित कार्यों और उसके भोजन के सम्बंध में बात करती रही। इस यथातथ्य वार्तालाप से उन दोनों को लाभ हुआ। जीवन की छोटी-छोटी बातों ने उसके निर्मम क्षणों के आघात को आत्मसात् कर लिया।

रोना घर की देख-भाल करने तथा बारबारा को सम्हालने की समस्याओं पर पुनः विचार करते समय सोच रही थी कि यह विचित्र बात है कि मानव किस प्रकार किसी भयंकर अनुभव से सबसे पृथक् होने का अनुभव कर सकता है और तब उसे पता लगता है कि वह अब भी उस विशाल जगत का एक अत्यन्त छोटा-सा भाग मात्र है जो निरन्तर चलता ही जाता है। आप अपने प्रेमी को खो सकती हैं, किन्तु आप को अपना नाश्ता आज नहीं, तो कल खाना होगा। आप का भतीजा मृत्यु के सन्निकट हो सकता है, किन्तु आप को अपनी भतीजी के लिए दोहरे बायलर में चावल पकाना ही होगा और बाद में उसमें अण्डा और शक्कर मिलाना ही होगा। आप अपने को एक दुखी व्यक्ति समझ सकती हैं, किन्तु आप को ए० एण्ड पी० में सामान खरीदने के लिए बाहर जाना ही होगा और एक दर्जन नारंगियों, आधा पौण्ड मक्खन और 'सेलेरी' का एक गुच्छा खरीदना ही होगा।

"रोना मौसी," बारबारा ने पूछा, "आप रो क्यों रही हैं ?"

दस बजे के ठीक बाद टाइसन-दम्पति का डाक्टर आया—वह एक उदार-हृदय, वयोवृद्ध व्यक्ति था, जिसने रोना के गले की और तत्पश्चात् बारबारा को प्रसन्न रखने के लिए एक चतुरतापूर्ण कार्य के रूप में उसके भी गले की जाँच की। वह जो नुस्खा लिख सकता था, वह उसने लिख दिया। उसने प्रसन्नता-पूर्वक मुस्कारातें हुए कहा—"इसमें समय लगेगा। चिन्ता मत कीजिये। यह एक भद्दी दिखायी देने वाली चोट है और आपके गले में अवश्य पीड़ा होती होगी, किन्तु यह गम्भीर नहीं है। आप भले ही ऐसा नहीं सोचें किन्तु आप एक सौभाग्यशालिना नवयुवती हैं, अत्यन्त सौभाग्यशालिनी नवयुवती। अब बहुत अधिक बात मत कीजिये और यदि आपको बात करनी ही पड़े, तो अपने स्वर को मन्द रखिये। और चिन्ता मत कीजिये।" सम्भवतः उसके स्वर में सन्निहित आश्वासन किसी भी वस्तु के समान सहायक था। और निश्चय ही उसने जिस प्रकार 'ड्रगस्टोर' को टेलिफोन किया और उससे लोशन, कुल्ला

करने की दवा और गोलियाँ भेजने का वचन लिया, उसमें उदारता की एक अतिरिक्त भावना सन्निहित थी। आँखों के नीचे भारी परछाइयों को देखकर रोना ने सोचा कि उसे नींद की आवश्यकता है। वह सारी रात जागता रहा है, वह बाबी के साथ रहा है और फिर भी वह मुझे तकलीफ से बचाने के लिए 'ड्रगस्टोर' को टेलिफोन करता है। अच्छे व्यक्ति, उदार व्यक्ति भी होते हैं। मुझे उनके सम्बन्ध में निरन्तर सोचते रहना होगा। मुझे उनको याद करना होगा। ऐसे व्यक्ति भी होते है। केवल ऐसे व्यक्ति ही नहीं होते, जो विनष्ट करते हैं।

और तत्पश्चात् वह चला गया और रोना ने घरेलू कार्यों के आगामी चक्र को पूरा करने का प्रयास किया, जबकि बारबारा अपनी गुड़ियों के समस्त गलों की जाँच करने लगी तथा उनके गलों के चारों ओर बाँधने के लिए पट्टियाँ माँगने लगी। "बेचारी रोना," वह गुड़ियों की सेवा करते समय निरन्तर कहती रही, "बेचारी रोना।" किन्तु 'ड्रगस्टोर' से दवाओं का बण्डल ज्यों ही आया, त्यों ही गुड़ियों का परित्याग कर दिया गया। बण्डल को खोलना तथा उसकी पूरी जाँच करना आवश्यक था तथा बारबारा का एक गोली चखना आवश्यक था, जिससे इस बात का निश्चय हो सके कि वे अच्छी थीं। स्पष्टतः वे बहुत अच्छी थीं; क्योंकि जब टेलिफोन की घण्टी बजी, तब रोना कोई ऐसा स्थान ढूँढ़ने का प्रयास कर रही थी, जहाँ बाक्स को छिपाया जा सके।

रोना ने लक्ष्य किया कि प्रायः ग्यारह बज गये थे। वह जल्दी-जल्दी टेलिफोन के पास पहुँची तथा वह गोलियों के बाक्स को अब भी यथासम्भव सर्वाधिक सुरक्षित स्थान के रूप में अपने हाथों में ही लिये हुए थी। वह पेगी की क्षमताओं के सम्बन्ध में अपने विचारों को पुनः निर्धारित करना प्रारम्भ कर रही थी। पेगी को कोई भी काम करने के लिए तनिक भी समय कब मिल पाता था ?

टेलिफोन पर सुनायी देनेवाली आवाज एक विचित्र आवाज थी, वह एक महिला की आवाज थी। "मैं मोइरा बरले हूँ," उसने कहा, "मैं ऊपर से बोल रही हूँ।" फिर मौन छा गया। "क्या आप पेगी की बहन हैं ?"

"हाँ।" रोना ने कहा। वह अभी तक समझ नहीं पायी थी।

"हम लोग आपसे एक शुक्रवार को पेगी के निवास-स्थान पर मिले थे, क्या आपको याद है ?"

रोना को याद आ गयी। मोइरा बरले, जो ओरपेन से घृणा करती है,

मोइरा बरले, जो स्काट को उस समय से जानती है, जब वह स्टाण्टन में एक छोटा-सा लड़का था।

"हाँ।" उसने कहा।

"मैंने अभी-अभी खबर सुनी है। कितनी भयंकर है! मैं अस्पताल में टेलिफोन करती रही हूँ, किन्तु आप उनसे बहुत बाते नहीं जान सकतीं, जान सकती हैं क्या? बेचारी पेगी! कितनी दुखद बात है! और यह इतना खतरनाक है, है न? किन्तु आपने ऊपर आकर हमें क्यों नहीं बुला लिया? हम लोग आ गये होते। क्या आपको सहायता की आवश्यकता नहीं है? क्या आप निश्चयपूर्वक कह सकती है? खैर, यदि आपको आवश्यकता हो, तो मुझे बुला लीजियेगा। मैं सारे प्रातःकाल और तीसरे पहर अधिकांश समय तक यहीं घर पर ही हूँ। बारबारा को दोपहर के भोजन के लिए यहाँ ऊपर क्यों नहीं भेज देतीं? मेरे बच्चे तो खाना खायेंगे ही। इससे बारबारा का मन बहल सकता है। आप जानती हैं। और आपको शान्तिपूर्वक कोई पुस्तक पढ़ने अथवा आराम करने अथवा अन्य कोई काम करने का समय मिल सकता है। मैं जानती हूँ कि लड़के कैसे होते हैं। आप पहले से ही बिल्कुल थकी हुई मालूम होती हैं।"

रोना ने बारबारा की ओर, जो स्वर्गीय मुस्कान के साथ एक दूसरी गोली की प्रतीक्षा कर रही थी, देखते हुए उत्तर दिया कि सम्प्रति स्थिति नियन्त्रण के अंतर्गत प्रतीत होती है। "दरवाजे की घण्टी बज रही है," उसने जल्दी से और सच्चाई के साथ कहा, "मुझे खेद है।" और उसने धन्यवाद देते हुए तथा फिर भी इसी समय दरवाजे की घण्टी के बजने के लिए कृतज्ञता का अनुभव करने के कारण परेशानी की भावना के साथ रिसीवर को नीचे रख दिया।

यह एक विचित्र बात है कि खबरें, विशेषतः बुरी खबरें, कितनी जल्दी फैल जाती हैं। श्रीमती बरले ने बाबी के सम्बन्ध में कैसे सुन लिया? सुपरिण्टेण्डेण्ट से? क्या उन्होंने यह भी सुन लिया कि कल रात रोना किस स्थिति में आयी थी? फिर वह इस प्रकार का संदेह करने के लिए अपने आप पर अकस्मात् क्रुद्ध हो गयी; मोइरा बरले ने उत्सुकता के वशीभूत होकर नहीं, अपितु केवल उदारता के वशीभूत होकर फोन किया था। हां, उसने क्रुद्ध होकर अपने आपसे कहा, अधिक अच्छा होगा कि तुम लोगों पर पुनः विश्वास करना सीखना प्रारंभ कर दो। विश्वास करने योग्य अनेक व्यक्ति हैं।

उसने द्वार खोल दिया। बाहर देहरी पर दो अजनबी व्यक्ति थे।

उसने दरवाजे को आधा बन्द करते हुए, निराशापूर्वक अपने कन्धे पर से

देखते हुए, मानो जान—अथवा पाल—उसकी सहायता करने के लिए प्रकट हो जायेगा, दरवाजे को जोर से पकड़ लिया। किन्तु वहां केवल बारबारा थी, जो पीछे हट रही थी और जो अकस्मात् अत्यंत छोटी और असहाय हो गयी थी।

"कुमारी मेटफोर्ड ?" उनमें से एक व्यक्ति ने पूछा। उसके बाल हल्के रग के तथा आँखें नीली थीं। स्काट के समान। वह लगभग स्काट की ही उम्र का था, स्काट के समान ही ऊँचा था। यहाँ तक कि उसके आडम्बरहीन वस्त्र भी स्काट के ही समान थे।

"हाँ।" उसने दरवाज़े को और अधिक बन्द करने का प्रयास करते हुए तथा फिर भी यह महसूस करते हुए कि उसमें ऐसा करने की शक्ति मुश्किल से थी, कहा।

"मुझे दुख है कि मैं आपको कष्ट दे रहा हूँ। किन्तु यह एक अत्यंत आवश्यक बात है।"

"बाबी ?" उसने आशंकाग्रस्त होकर, हिचकिचाते हुए पूछा।

"नहीं," अजनबी व्यक्ति ने अपने पाकेट से एक परिचय-पत्र निकाला। "क्या हम लोग आपसे कुछ मिनटों तक बात कर सकते है ?"

रोना ने परिचय-पत्र की ओर देखा। "किन्तु मैं कैसे जानूँ कि आप लोग—" उसने परिचय-पत्र की ओर घूरकर देखा। वह वाक्य को पूरा नही कर सकी।

दोनों व्यक्तियों ने एक दूसरे की ओर देखा। सुन्दर बालोंवाले व्यक्ति ने कहा, "हां, आप सदर मुकाम में टेलिफोन कर आपके यहां हमारे आगमन के सम्बंध में पता क्यों नहीं लगा लेती ? जब तक आप पता नही लगा लेतीं, तब तक हम लोग यहां प्रतीक्षा करेंगे।"

उसने दरवाजे से सटकर उसे बन्द कर दिया। तत्पश्चात् उसने उसे पुनः खोल दिया।

दोनों व्यक्ति सिगरेट जला रहे थे। सुन्दर बालों वाला व्यक्ति धीरे-धीरे चहलकदमी कर रहा था, उसका हैट उसके सिर के पीछे सरकाया हुआ था। दूसरा व्यक्ति कह रहा था, "हाँ, तुम उसे दोष नही दे सकते। उसे थोड़ा-सा—" वह परेशानी के साथ रुक गया और घूम कर रोना के सामने खड़ा हो गया।

"आपने बहुत जल्दी टेलिफोन कर लिया !" उसने बात का मजाक बनाने का प्रयास करते हुए कहा।

रोना ने कहा, "यदि आप लोग चोर होते, तो आप पहले ही आसानी

के साथ धक्का देकर अन्दर घुस सकते थे।" उसने भी मुस्कराने का प्रयास किया। किन्तु वह सोच रही थी कि उन्हें मेरे बारे में मालूम है। उन्हें मालूम है। उसका हाथ उसके गले में लिपटे हुए रूमाल को टटोलने लगा। "अन्दर आ जाइये," उसने कहा।

"यह आवश्यक बात है, अन्यथा हम लोग आपको कष्ट नहीं देते," सुन्दर बालों वाले एजेण्ट ने कहा, "इस में अधिक समय नहीं लगेगा।"

उसकी आवाज में कोई ऐसी चीज थी, जिससे रोना संत्रस्त हो गयी। किन्तु उसने कुछ नहीं कहा और उन्हें बैठकखाने में ले गयी।

"आपने यहाँ एक अच्छा-खासा अस्पताल बना रखा है," उक्त व्यक्ति ने पट्टी बंधी हुई प्रत्येक गुड़िया को आरामकुर्सी पर विराजमान देख कर मुस्कराते हुए कहा। उसने चारों ओर देखा और तत्पश्चात् अपने हैट को काफी की मेज पर रख दिया। दूसरा व्यक्ति भी हिचकिचाया। स्पष्टतः वे इतनी अधिक बेचैनी का अनुभव कर रहे थे, वे इतने अधिक कुशल बनने का प्रयास कर रहे थे कि रोना को पुनः चेतावनी मिल गयी। अब और कौन-सी वस्तु मुझे आघात पहुँचा सकती है ? और कौन-सी वस्तु ?

"वह कौन है ?" बारबारा ने पूछा। वह पुनः प्राकृतिस्थ होने लगी थी।

"मैं फ्रेड हूँ !" दूसरे एजेण्ट ने, प्रथम बार बोलते हुए, बारबारा से कहा।

"मैं बारबारा हूँ !" उसने उत्तर दिया। दोनों व्यक्तियों ने जल्दी से एक दूसरे की ओर देखा और फिर फ्रेड धीरे-धीरे डेस्क के पास चला गया। उसने अपना हैट नीचे रख दिया और एक टूटी हुई गुड़िया को उठाया। "इसका नाम क्या है ?"—और उसने बारबारा को उस कोच से दूर हटा दिया, जिस पर रोना बैठी हुई थी।

"वह बिल्कुल ठीक हो जाजेगी।" सुन्दर बालों वाले व्यक्ति ने कोच के निकट एक कुर्सी खींचते हुए आश्वासनदायक ढंग से रोना से कहा। "फ्रेड के स्वयं भी दो बच्चे है।" रोना ने चिन्तापूर्वक कमरे के पार देखा, किन्तु बारबारा को, जो सम्प्रति एक टेलिफोन पुस्तक और दो गद्दियों पर बैठी हुई थी, डेस्क की कुर्सी पर बिठाया जा रहा था, जब कि फ्रेड ने कागज का एक बड़ा-सा पैड ढूंढ़ निकाला और उपकारपूर्वक एक नीली पेंसिल को तेज कर दिया।

रोना की बगल में बैठे हुए व्यक्ति ने अपना स्वर मन्द करके कहा, "हमें दुख है कि आज प्रातःकाल हमने आपको कष्ट दिया। किन्तु हमने सोचा कि शायद आप हमारी सहायता कर सकते हैं। क्या आप कतिपय प्रश्नों का उत्तर

देने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ अनुभव करती हैं ?"

रोना ने उसकी ओर घूम कर देखा। उसने स्वीकृति-सूचक सिर हिलाया।

किन्तु क्या डकैतियों और आक्रमणों की जाँच-पड़ताल सामान्यतः पुलिस नहीं किया करती ? फिर भी ये व्यक्ति संघीय खुफिया विभाग के हैं। उसने नीचे अपने हाथों की ओर देखा और पाया कि गोलियों का बाक्स अभी तक उसके हाथों में पड़ा हुआ था। उसने उसके ट्रेडमार्क का अध्ययन किया।

वह कह रहा था, "क्या कल रात स्काट एट्टली नामक एक व्यक्ति आप के साथ था ? क्या आपने पुलिस को यही बताया है ?"

रोना ने पुनः स्वीकृति में सिर हिलाया।

"क्या आप उसे काफी लम्बे अर्से से जानती हैं ?"

प्रायः तीन वर्षों से।"

"क्या उसके साथ आपकी सगाई हुई है ?"

"मेरी सगाई हुई थी।" उसने नजर ऊपर उठाथी। वह उसका निरीक्षण कर रहा था।

"क्या आपको एट्टली की राजनीति के सम्बन्ध में कुछ मालूम हैं ?"

"नहीं।" उसने हिचकिचाते हुए कहा। उसने सोचा, कल रात तक नहीं मालूम था और हो सकता है कि मैं पागल हो गयी रही हूँ। सेण्ट्रल पार्क की काली छायाओं में संशय का वह क्षण—आशंका का वह क्षण, जब उसने स्काट के सामने खड़ी होकर पूछा था, "क्या ओरपेन द्रोही है ?—किसके प्रति द्रोही ?"—नहीं, यदि वह भूल सके, तो वह क्षण भूल जाने योग्य ही था।

"आप उसके मित्रों को जानती हैं।"

"उनमें से अधिकांश को।"

"वे किस प्रकार के व्यक्ति हैं ?"

उसने असहाय-सी होकर अपना सिर हिलाया। "मेरे जैसे ही लोग हैं वे।"

"क्या आप कम्यूनिस्ट पार्टी में उसके किन्हीं मित्रों को जानती हैं ?"

"निश्चित रूप से नहीं। केवल...!" ओरपेन, निश्चित रूप से। ओरपेन कम्यूनिस्ट है। किसके प्रति द्रोही ? हां, स्काट अपने को ओरपेन की राजनीति का अनुयायी मानता है। उसने पुनः अपने हाथ में पड़े हुए बाक्स की ओर घूम कर देखा। "क्या स्काट एट्टली कम्यूनिस्ट है ?" रोना ने पूछा।

"आप इस विचार से बहुत अधिक आश्चर्यचकित प्रतीत नहीं होतीं, कुमारी मेटफोर्ड !" प्रश्नकर्त्ता व्यक्ति ने सुझाव दिया और वह धैर्यपूर्वक

प्रतीक्षा करने लगा। वह सोच रहा था, यदि हमें उक्त प्रश्न का निश्चित उत्तर मालूम होता, तो आज प्रातःकाल हमें यहाँ आने की आवश्यकता नहीं होती। "आप उसके किसी कम्यूनिस्ट मित्र को नही जानती हैं, केवल—?" वह पुनः प्रतीक्षा करने लगा।

वह लज्जा से आरक्त हो गयी। "उसका एक कम्यूनिस्ट मित्र है, निकोलस ओरपेन। किन्तु वह कालेज के दिनों से चली आ रही एक पुरानी मित्रता मात्र है।"

"क्या आप इस बात को निश्चित रूप से जानती हैं, कुमारी मेटफोर्ड ? क्या वह कालेज के दिनों का एक पुराना मित्र मात्र है ?"

उसने अपने गले पर हाथ रख दिया। "मैं नही जानती।" उसने कहा।

"आपको स्काट एट्टली पर पहले-पहल सन्देह कब हुआ था ?"

रोना के कपोलों की आरक्तता बढ़ गयी। "मैंने यह तो नहीं कहा कि मैं उस पर सन्देह करती थी।"

"मुझे खेद है। मेरी समझ में ऐसा ही आया कि आप सन्देह करती हैं।" वह अभी तक रोना के चेहरे का निरीक्षण कर रहा था। तत्पश्चात् उसने शांतिपूर्वक कहा, "कम्यूनिस्ट अनेक व्यक्तियों को वास्तविक संकट में डाल देते हैं, किन्तु यह एक विचित्र बात है कि लोग किस प्रकार कम्यूनिस्टों के लिए संकट उत्पन्न करना नहीं चाहते हैं।"

कुछ समय तक मौन बना रहा। रोना ने कहा, "मैं किसी की रक्षा नहीं कर रही हूँ। मैं जानती ही नही। मैं नहीं जानती।"

"यह काफी तर्कसंगत बात है," उसने स्वीकार किया, "हमें अस्पष्ट धारणाएँ नही चाहिए। हम तथ्य चाहते हैं। कल रात को दस बजने के ठीक बाद स्काट एट्टली आपसे मिलने के लिए आया था। वह प्रायः पौन घण्टे तक रहा।"

रोना ने उसकी ओर आश्चर्यपूर्वक देखा। "हां।" उसने कहा।

"क्या उसने आपसे कोई ऐसी बात बतायी, जो हमारे लिए महत्वपूर्ण हो सकती है ?"

"नहीं। कोई निश्चित बात नहीं थी।"

"उसने किसी नाम का उल्लेख नहीं किया ?"

"नहीं। वह—वह स्वयं अपने साथ तर्क-वितर्क कर रहा था। वह बहशीपन के साथ बातें कर रहा था। मैं समझ नहीं सकी।" उसने सोचा, नामों का

उल्लेख तो मैंने ही किया। ओरपेन...क्या ओरपेन देशद्रोही है ?

"आप उसके साथ बाहर क्यों निकलीं और सेण्ट्रल पार्क में क्यों गयीं ?"

"मैं उसकी सहायता करने का प्रयास कर रही थी।"

"क्या वह संकट में था ?"

"मैंने सोचा कि वह संकट में है।"

"क्या उसने कहा कि वह कम्यूनिस्ट पार्टी को छोड़ने का विचार कर रहा था ? क्या उसने स्वयं अपनी सुरक्षा के लिए कोई आशंका व्यक्त की ?"

"नहीं। वह—वह केवल स्वयं अपने साथ तर्क-वितर्क कर रहा था।"

"क्या वह सगाई के टूटने से परेशान था ?"

"वह—वह पहले परेशान था।" उसने स्वीकार किया। "कल रात को उसने इस सम्बन्ध में बातचीत नहीं की।" केवल अप्रत्यक्ष रूप से, केवल एक क्षण के लिए। सप्ताह के प्रारम्भ में उसने जो भयंकर धमकियाँ दी थीं, उन सभी को वह भूल गया प्रतीत होता था। मानो उसने इस विचार को स्वीकार कर लिया था कि अब मैं उसकी नहीं रह गयी थी।....अथवा क्या उसने कभी इस विचार को स्वीकार किया था ?

"इस सप्ताह के प्रारम्भ में आपको जो कागजात प्राप्त हुए थे, उनके सम्बन्ध में क्या वह जानता था ?"

"चार्ल्स से ?" वह विस्मित हो गयी। "नहीं !" उसने कहा। उसे याद आया, चार्ल्स का जिक्र तो मैंने ही किया था। और जब मैंने उसका जिक्र किया, उसके तुरन्त बाद ही स्काट जाने के लिए तैयार होने लगा। वह उठ खड़ा हुआ और मुझसे अपने साथ चलने को कहा।

वह काँप उठी। वह बात सच नहीं हो सकती थी। जब हम लोग टहलने के लिए गये, तब स्काट ने अन्तः प्रेरणावश ही कार्य किया था। मैं उस समय सुरक्षित ही थी। और फिर भी, उस समय से दबाव बढ़ता ही गया था। उस समय तक स्काट स्वयं अपने साथ तर्क-वितर्क करता रहा था, मानो वह स्वयं अपने को राजी करने का प्रयास कर रहा था। उसके बाद वह अपनी बातों से भयभीत हो गया। हम लोग पार्क में गये...

"क्या एट्टली ने कभी—की हत्या करने की बात की ?" जासूस ने कहना प्रारम्भ किया।

"ओह !" वह चिल्ला पड़ी, जिससे उसका गला आहत हो गगा।

वह व्यक्ति प्रतीक्षा करने लगा। वह निरीक्षण कर रहा था, वह कुछ भी

बोल नहीं रहा था तथा उसका चेहरा अभिव्यक्तिहीन था।

"तो आप इसीलिए यहाँ आये हैं," रोना ने कहा, "ओरपेन की हत्या कर दी गयी है।" वह इस प्रकार बोल रही थी, मानो उसने इसकी आशा ही की हो।

"निकोलस ओरपेन ?" तो हमने एक बात का पता लगा ही लिया, एजेण्ट ने सोचा। वह उठ खड़ा हुआ और उसने फ्रेड की ओर सिर हिला कर संकेत किया।

रोना ने आकस्मिक भय के साथ उसकी ओर देखा। "इस बात के साथ स्काट का कोई सम्बन्ध नहीं है," उसने कहा, "मैं जानती हूँ।" जहाँ तक मैं जान सकती हूँ, उसने दुखी मन से सोचा। वह उस समय के स्काट के चेहरे की याद कर रही थी, जब—अन्त में—वह उसके साथ अत्यन्त कटुता के साथ बोली थी। उस समय उसकी घृणा का निरीक्षण करते हुए स्काट की आँखों में जो भाव दिखायी पड़े थे, उन्हें उसने पुनः देखा। और स्काट की आँखों में भी घृणा के भाव व्याप्त हो गये थे। किन्तु ये भाव रोना के लिए नहीं थे। "रोना !" उसने कारुणिक रूप से कहा था, मानो वह अन्तिम बार उसकी सहायता माँग रहा हो, मानो वह स्वयं को उतनी स्पष्टता से देख रहा हो, जितनी स्पष्टता से वह उसे देख रही थी।

एजेण्ट ने अपना हैट उठाया। उसने कहा, "ओरपेन अभी तक जीवित है।" वह हिचकिचाया और तत्पश्चात् उसने समाचार को प्रकट न करने का निर्णय किया। आज शाम को उसे प्रत्येक रेडियो द्वारा प्रसारित किया जायेगा। आखिर, स्काट एट्टली विलियम एट्टली का पुत्र है। हाँ, रोना के लिए समाचार जानने का वह सरलतम तरीका होगा। निश्चय ही, स्वयं उसके लिए भी वह सरलतम तरीका होगा। फिर भी, वह अभी तक हिचकिचा रहा था। समाचार को जानने का यह एक निर्ममतापूर्ण तरीका भी होगा ?

अपने हाथ में पड़े हुए हैट की ओर उसने देखा। उसने सप्रयास कहा, "मुझे भय है कि हमारे पास आपके लिए एक बुरा समाचार है।" उसने उसकी ओर देखा, किन्तु उसने उसकी कोई सहायता नहीं की। उसे कहना ही पड़ा, "आज प्रातः काल स्काट एट्टली मरा हुआ पाया गया। उसकी मृत्यु एक भूमिगत ट्रेन से कट कर हुई। मुझे खेद है, कुमारी मेटफोर्ड। किन्तु सांध्यकालीन पत्रों में, सम्भवतः अपराह्नकालीन संस्करणों में ही यह समाचार प्रकाशित हो जायेगा। अतः..." उसने उसकी ओर देखा और प्रतीक्षा

करने लगा ।

"हाँ," रोना ने कहा, "यह अच्छा हुआ कि आपने मुझे बता दिया ।" वह उठी नहीं । वह इतनी निश्चल होकर बैठी थी कि वह मुश्किल से साँस लेती हुई प्रतीत हुई ।

"नमस्कार, कुमारी मेटफोर्ड । नमस्कार बारबारा ।"

बारबारा ने एक छोटा-सा हाथ हिलाया ।

सामने का द्वार कस कर बन्द हो गया । हाल में पुनः शांति व्याप्त हो गयी । रोना ने नजर ऊपर उठायी और देखा कि बारबारा का चेहरा उसका निरीक्षण कर रहा था, वह आधा परेशानी से युक्त और आधा भय से युक्त था । उसने एक गहरी साँस ली और कोच पर से उठ गयी । उसके कदम कठोर, अस्वाभाविक थे । "सब कुछ ठीक है," उसने स्वयं को कहते हुए सुना, "सब कुछ ठीक है, बारबारा ।" और अपने उक्त कथन के प्रमाण में उसने गोलियों के बाक्स को, जिसे वह अभी तक अपने हाथों में कसकर पकड़े हुए थी, खोल दिया । "सब कुछ ठीक है !" स्काट और उसके पिता के सम्बन्ध में अपने विचारों को दूर करने का प्रयास करते हुए उसने पुनः कहा । किन्तु सब कुछ ठीक नहीं था । उसकी भावनाएं अचानक अंधा बना देने वाले एक क्रोध द्वारा फूट पड़ीं : ओरपेन, वह सोच रही थी, ओरपेन...

दोनों एजेण्ट चुपचाप नीचे चले गये । अपनी खड़ी कार का ताला खोलते हुए फ्रेड ने कहा, "वह आधे घण्टे का समय बड़ा ही कष्टपूर्ण था, टाम ।"

"हाँ । किन्तु उसने उसे अच्छी तरह से सहन किया ।"

"क्या उसने पूर्ण सत्य बताया ?"

"मेरा विचार है कि जहाँ तक वह जानती थी, उसने पूर्ण सत्य ही बताया," टाम ने कहा, "यद्यपि यह एक दुःखद बात है कि हमें उससे मिलना पड़ा ।"

फ्रेड ने सिर हिलाया । वे दोनों कार में बैठ गये । कार के एकान्त में उसने पुनः कहा, "और हम अभी तक नहीं जानते कि यह आत्महत्या का मामला है अथवा राजनीतिक हत्या का । यह सारी तकलीफ बेकार गयी ।" उसने ऊपर उस निवास-स्थान की खिड़कियों की ओर देखा, जिसे वे अभी-अभी छोड़ कर आये थे ।

"पूर्ण रूप से नहीं," टाम ने कहा, "ओरपेन खतरे में है; हमने इस बात का पता लगा लिया । और ओरपेन जैसे किसी व्यक्ति के खतरे में होने का

केवल एक कारण हो सकता है : वह पार्टी के साथ सम्बंध-विच्छेद कर रहा है और वह बातचीत करने के लिए तैयार है। फ्रेड, अच्छा होगा कि तुम्हें जो प्रथम 'ड्रग स्टोर' दिखायी दे, वहीं रुक जाओ। मैं फोन करना चाहूँगा।"

फ्रेड ने कार चालू कर दी और वे पश्चिम की दिशा में यात्रा करने लगे। फ्रेड कह रहा था, "यह एक विचित्र बात है कि कल तीसरे पहर तक हमने स्काट एट्टली के बारे में कभी सुना तक नहीं था। तत्पश्चात्, पाँच बजे जब वह ओरपेन से मिलने गया, वह सीधे चित्र में आ गया। और वह हठपूर्वक चित्र में बना रहा, जिससे हमारी रुचि तब तक अधिकाधिक बढ़ती गयी, जब तक उसका पूर्ण रूप से लोप नहीं हो गया। मैं जिस बात से परेशान हूँ, वह यह तथ्य है कि हम उसके सम्बन्ध में कुछ भी पता नहीं लगा सके। वह अपना पार्टी-कार्ड कहां रखता था ? अपने कमरे में भी नहीं—मैंने सोचा था कि आज प्रातः काल वह हमें वहाँ मिल जायेगा।"

"सम्भवतः उससे उसे नष्ट कर देने के लिए कहा गया होगा," टाम ने उदास मन से कहा, "इस बात से वह और अधिक रोचक बन जाता है।"

"क्या वह भूमिगत हो गया है ?"

"इस बात की अधिकाधिक सम्भावना प्रतीत होती है। मुझे संशय है कि वह लड़की भी ऐसा ही सोचती है।"

"स्काट एट्टली के सम्बंध में मैं एक बात कह सकता हूँ। संदिग्ध चरित्रवाले व्यक्तियों के एक समूह के साथ मिलने-जुलने वाले एक कम्यूनिस्ट के रूप में हमारी फाइलों में उसका रेकार्ड सबसे कम है।"

"अब हम उसे भूल जा सकते हैं। अब ओरपेन का निरीक्षण किया जाना चाहिए। और उन व्यक्तियों का निरीक्षण किया जाना चाहिए, जो एट्टली के चले जाने के बाद पश्चिमी भाग में स्थित उस मकान से बाहर निकले थे। उनका जो वर्णन किया गया है, उससे तो मालूम होता है कि यह एक अच्छा छोटा-सा शांत समूह है।"

फ्रेड मुस्कराया। जब उन्होंने ब्राडवे को पार किया और निकटतम ड्रग-स्टोर की ओर मुड़े, जहाँ से टाम फोन कर सकता था, तब वह कह रहा था, "अवश्य, निश्चित रूप से, आजकल वे शांत और सम्माननीय व्यक्तियों के समान दिखायी देते हैं। और भले ही वे बेसाराबिया अथवा ओडेसा के निवासी हों, लेकिन वे सभी अपने नाम ऐंग्लो-सैक्सन ही रखते हैं, जैसे टाम जोन्स। यह एक विचित्र बात है कि जब कभी वे कोई झूठा नाम चुनते हैं, तब वह सदा

ही ब्राउन, क्लार्क अथवा जेम्स जैसा कोई नाम होता है। तुम सोचोगे कि जिस प्रकार वे अपने नाम चुनते हैं, उससे यही प्रतीत होता है कि वे रूसियों और जर्मनों और रूमानियनों से घृणा करते हैं। अब मेरा नाम फ्रेड बर्कोवित्ज है और मैं बर्कोवित्ज ही बना हुआ हूँ, भले ही मेरा नाम लिखने में किसी स्टोर के क्लर्क को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता हो। किन्तु यदि मैं कम्यूनिस्ट होता, तो मैं फ्रेड बेरी अथवा फ्रैंक बर्न्स होता।" उसने अपना सिर हिलाया। "पूंजीवादी दम्भ.....वे किसे मूर्ख बनाने की बात सोच रहे हैं?"

"यदि वे स्वयं को मूर्ख नही बनाते, तो वे कहाँ होते?" टाम ने पूछा।

अध्याय–२५

शनिवार को प्रातः काल राजर ब्राउनली का कार्यालय अधिकृत रूप से बन्द था, जिससे उसे उस कार्य पर ध्यान देने का समय मिल जाये, जिसे वह 'कार्यक्रम के बाहर का काम' कहा करता था। बाहरी कार्यालय, जहां सामान्यतः दो टाइपिस्ट लड़कियाँ बैठा करती थी, शान्त था। दोपहर को जब पाल आया, तब ब्राउनली ने कहा था, "आज प्रातः काल बुनाई की सुइयों की आवाज द्वारा हमारे काम में खलल नहीं पड़ना चाहिए।"

"अब क्या संकट उपस्थित हो गया है?" और उसने पाल की कहानी और पाल के निर्णय को सुना।

"यह तो बहुत अच्छी बात है," ब्राउनली ने कहा, "किन्तु अब तुम्हें स्काट एट्टली के संबंध में चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। मुझे अभी-अभी सूचना प्राप्त हुई है कि वह मर चुका है। अवश्य—यह अधिकृत समाचार है।" और उसने संक्षिप्त रूप से एट्टली की मृत्यु के सम्बंध में पुलिस की रिपोर्ट बता दी।

"यह आत्महत्या थी—अथवा हत्या?" हैन ने पूछा।

"प्रायश्चित्त अथवा दण्ड?" ब्राउनली ने अपने कंधे फड़काये। और उसी क्षण टेलिफोन की घंटी बज उठी।

पाल सीधे-सादे ढंग से सजाये गये कमरे में चारों ओर देखता हुआ आरामकुर्सी पर से उठा और बाहर के आंगन का निरीक्षण करने के लिए खिड़की के पास चला गया। स्काट एट्टली मर चुका है। पाल को इस बात पर

पूर्ण रूप से विश्वास नहीं हो रहा था। यह प्रायः उतना ही अवास्तविक दिखायी देता था, जितना अगस्त में बर्फ का गिरना। फिर भी, ऐसी बातें भी होती ही हैं।

तत्पश्चात् उसे ज्ञात हुआ कि टेलिफोन-वार्ता समाप्त हो गयी है। उसने मुड़कर देखा कि ब्राउनली भौंहें तानकर उसका निरीक्षण कर रहा था।

ब्राउनली ने कहा, "अब तुम्हें कौन-सी चिन्ता सता रही है? वह मर चुका है, नहीं क्या?"

"यह विचित्र बात है...." पाल हैन ने कहना प्रारम्भ किया, "उसकी मृत्यु से पहले का घण्टा अवश्य ही शुद्ध नरक के समान रहा होगा।"

ब्राउनली ने सिर हिलाया। "तुमने अपने लिए जिस प्रकार के नरक की सृष्टि कर ली है, उस प्रकार के नरक से बुरा कोई नरक नहीं हो सकता।"

पाल हैन ने कहा, "और ओरपेन—वह अब क्या सोचेगा?"

"जैसा सोचने के लिए उससे कहा जायेगा। और इससे व्यक्तिगत अपराध के लिए कोई गुंजाइश नहीं रह जाती।"

"वह इससे किस प्रकार बच सकता है? उसने यह सब मुनरो कालेज में प्रारम्भ किया था, जब उसने पहले एट्टली को तैयार किया। निश्चय ही, मैं इस बात को जानता हूँ कि एट्टली के भीतर अवश्य ही कोई ऐसी चीज रही होगी, जो ओरपेन की बात को स्वीकार करती थी—उसके भीतर नैतिक भावना का कुछ अभाव रहा होगा, जिससे वह झूठ और षड्यंत्र को सामान्य कार्य के रूप में स्वीकार कर लेता था। ओरपेन की बातों पर विश्वास कर लेने के लिए उसके भीतर अवश्व ही कोई तत्परता रही होगी, अन्यथा वह उसके मार्ग का अनुगामी नहीं बनता। अन्य अनेक नवयुवक ओरपेन के प्रभाव के अन्तर्गत आये और उनको पराभूत नहीं किया जा सका। इस प्रकार एट्टली उसी मार्ग पर चला, जिस मार्ग पर वह चलना चाहता था। किन्तु कल रात वह उसकी कल्पना की अपेक्षा अधिक ढालुवा हो गया। वह दूर कूद पड़ा। ओरपेन कहाँ था? सम्प्रति हमें जो कुछ मालूम है, उससे तो यही पता चलता है कि वे एक दूसरे के साथ अत्यन्त निकटता से कार्य कर रहे थे।"

"ओरपेन में रुचि रखनेवाले केवल हम लोग ही नहीं हैं," राजर ब्राउनली ने शांतिपूर्वक कहा, "वह टेलिफोन रोना मेटफोर्ड का था। वह ओरपेन का पता चाहती है।"

"रोना?" और ब्राउनली ने उसे पता बता दिया था। फोन पर ब्राउनली

द्वारा दिये जानेवाले उत्तरों के उतने अंश को पाल ने सुन लिया था।

"वह हठ करने लगी थी।" ब्राउली ने कहा। तत्पश्चात् उसने शांतिपूर्वक पुनः कहा, "स्काट एट्टली की मृत्यु का समाचार उसे मालूम है।"

"क्या वह ओरपेन के निवास-स्थान पर जा रही है?"

"उसने बताया नहीं।"

"वह ओरपेन के निवास-स्थान पर जा रही है।" पाल ने कहा। उसने डेस्क की ओर घूर कर देखा।

"वह भीतर, बाहर, दोनों ओर से, पूर्णरूपेण सुरक्षित है।" ब्राउनली ने उसे याद दिलायी, "और तुम्हें यह बात भले ही न मालूम हो, किन्तु रोना के साथ उसका संरक्षक अभी तक है।"

"क्या आप उसे उस व्यक्ति से मिलने के लिए जाने की अनुमति देंगे?" पाल क्रोधपूर्वक फूट पड़ा। "क्या आप—!"

"शान्त हो जाओ, पाल, शान्त। जैसा कि मुझे बताया गया है, इन विगत तीन दिनों में ओरपेन ने किसी भी व्यक्ति को अपने निवास-स्थान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं प्रदान की है—केवल कल तीसरे पहर एट्टली को छोड़ कर। उसने अपने को पूर्णतया असम्पृक्त रखा है। स्पष्टतः वह भयभीत है। कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो गयी है। कामरेड ओरपेन के लिए कोई बहुत बड़ी गड़बड़ी उत्पन्न हो गयी है। रोना एक मात्र ऐसी व्यक्ति हो सकती है, जिससे वह मिलेगा। यदि उसने उसे एट्टली की मृत्यु का समाचार सुनाया, तो सम्भवतः वह उससे बातचीत भी करेगा। सम्भवतः उसकी मनःस्थिति यही होगी।"

"मैं इस बात को पसन्द नहीं करता," पाल ने कहा, "उसे बहुत अधिक संकटों से होकर गुजरना पड़ा है।"

"हां, मैं स्वीकार करता हूँ कि उसे बहुत अधिक कष्ट उठाने पड़े हैं। किन्तु, पाल इस बार वह दण्ड भोगने के लिए नहीं जा रही है। वह परिवर्त्तन के लिए थोड़ा दण्ड देने जा रही है।"

"उसे केवल आघात पहुँचेगा।" पाल ने द्वार की ओर जाना प्रारम्भ किया। "आपने उसे पता बताकर पागलपन का काम किया है।"

"उससे इनकार करना मुश्किल था। वह क्रुद्ध है, पाल।"

"रोना?"

ब्राउनली ने सिर हिलाया। तत्श्चात् उसने शीघ्रतापूर्वक कहा, "तुम कहाँ जा रहे हो?"

"आप क्या सोचते हैं ? ओरपेन की रक्षा करने के लिए ?" पाल ने अतिशय सावधानी के साथ द्वार बन्द किया। ब्राउनली को यह बात याद आयी कि जब वह अधिकतम क्रुद्ध होता है, तब वह सदा ही ऐसा किया करता है।

ब्राउनली ने टेलिफोन पर बातचीत की, जिसमें उसने विनम्रतापूर्वक सुझाव दिया कि ओरपेन के घर के चारों ओर पहरेदारों को सतर्क कर दिया जाये। उसे बताया गया कि यह कार्य कर दिया गया था; ओरपेन-विषयक स्थिति के एक नया रूप धारण कर लेने का समाचार प्राप्त हुआ था। तत्पश्चात् उसने अपने डेस्क को साफ किया, जिन कागजों का वह अध्ययन कर रहा था, उन्हें उसने पुनः सेफ में रख दिया और प्रत्येक वस्तु को विधिपूर्वक ताले में बन्द कर दिया। पाल के जाने के बीस मिनट बाद वह कार्यालय से रवाना हो गया। उसने सोचा कि अभी काफी समय है। टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान से ओरपेन की गली तक पहुँचने में रोना मेटफोर्ड को कम से कम पौन घण्टा लग जायेगा। यह एक विकट स्थिति है। फिर भी, इसका सामना करने का सर्वोत्तम मार्ग सम्भवतः स्वतःस्फूर्त विचार, स्वाभाविक कार्रवाई का मार्ग ही होता। इस बात को उसने पहले समान रूप से जटिल समस्याओं में सिद्ध कर दिखाया था—समाधान उसी क्षण से प्रारम्भ हो जाता है, जिस क्षण आप स्वतःस्फूर्त विचार को स्वीकार कर लेते हैं और उसका उपयोग करने लगते हैं। रोना को पता बता देने का एक कारण यह भी था। और दूसरा कारण ? केवल इतना ही कि रोना को किसी न किसी प्रकार, सम्भवतः मिल्टन लीटनर से अथवा किसी दूसरे छात्र से, जो वहाँ जा चुका था, पता मिल ही जाता। और तब ब्राउनली यह नहीं जान पाता कि वह कब ओरपेन से मिलने के लिए जा रही है। यह बात वास्तव में संकटपूर्ण होती।

किन्तु ब्राउनली ने एक तथ्य पर विचार नहीं किया था। रोना ने टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान से टेलिफोन नहीं किया था।

दोनों एजेण्टों के चले जाने के बाद रोना ने समस्त अनिश्चितता को समाप्त कर दिया। उसने पेगी की कोठरी से एक 'ड्रेस' निकाला और बारबारा को ऊपर स्थित निवास-स्थान में ले गयी। वहाँ उसने बारबारा को सुरक्षित रूप से बरले-दम्पति के पास, जो थोड़े-से विस्मित हो गये, किन्तु जिन्होंने स्वागत में कमी नहीं की, छोड़ दिया। "सहायता करके प्रसन्नता हुई !" मोइरा बरले ने कहा था। इस महीने का यह उसका प्रिय वाक्य था। तत्पश्चात् वह एक दूसरा सेव सेंकने तथा एक दूसरा 'हैम्बर्गर' सेंकने के लिए जल्दी से रसोईघर में चली

गयी थी, जब कि बरले-दम्पति के दोनों छोटे लड़कों तथा बारबारा ने जोर जोर से शोर-गुल मचाते हुए बैठकखाने पर आक्रमण कर दिया था। उन्होंने फ्रैंक बरले की, जो एक दूसरे अध्याय की अत्यन्त उपयुक्त समाप्ति की तलाश में हाथ में कलम लिए हुए अपने डेस्क पर बैठे थे, पूर्ण उपेक्षा कर दी। फ्रैंक बरले ने इस विषम संघर्ष का परित्याग कर दिया और अन्त में वे पाण्डुलिपि तथा कलम हाथ में लेकर स्नानागार की ओर जाते हुए देखे गये।

रोना ने एक टैक्सी ली। उसने लेक्सिंगटन और पचासवीं स्ट्रीट पर टैक्सी को छोड़ दिया और सिगरेट की जो पहली दूकान उसे दिखायी पड़ी, उसी में वह प्रविष्ट हो गयी और वह सीधे टेलिफोन डाइरेक्टरी के पास गयी। किन्तु उससे उसे कोई सहायता नहीं मिली। उसमें ओरपेन का पता नहीं लिखा था। वह जानती थी कि उसका निवास-स्थान इसी जिले में था। एक बार स्काट ने कहा था कि वह स्वयं उसके निवास-स्थान से बहुत दूर नहीं था और वह पूर्ण संकल्प तथा ओरपेन को पा लेने के विश्वास के साथ शीघ्रतापूर्वक यहाँ आयी थी। एक क्षण तक वह हिचकिचाती रही, तत्पश्चात् उसने पराजित होने से इनकार कर दिया। सम्भवतः पाल सहायता कर सकता है; हो सकता है कि उसे ओरपेन का पता मालूम हो। अथवा राजर ब्राउनली और अधिक अच्छा रहेगा। पाल स्वयं ओरपेन के साथ निपटना चाहेगा। किन्तु पाल समस्त तथ्यों से अवगत नहीं है। अतः वह ओरपेन के साथ नहीं निपट सकता है।

रोना ने सोचा, जहाँ तक मेरा संबन्ध है, मेरे पास केवल मेरे सन्देह और अनुमान हैं—जो पाल को अथवा ब्राउनली को अथवा उन दो व्यक्तियों को जो आज प्रातःकाल मुझसे प्रश्न पूछने के लिए आये थे, बताने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। किन्तु ओरपेन को मालूम नहीं होगा कि वे संशय मात्र हैं। वह यह सोच कर कि मैं सत्य को जानती हूँ, सत्य बात बता सकता है। ओरपेन के विरुद्ध सब कुछ उचित है।

जब उसने राजर ब्राउनली को टेलिफोन किया, तब वह इसी मनःस्थिति में थी। उसका नम्बर घुमाते समय उसे याद आया कि आज शनिवार है और उसका कार्यालय इस वक्त बन्द हो सकता है। तब वह क्या करती? ओरपेन को स्काट की मृत्यु का समाचार मिलने से पूर्व उससे उसका मिलना आवश्यक था। वह जानती थी कि यह बात महत्वपूर्ण है। किन्तु टेलिफोन का सिगनल ज्यों ही बन्द हुआ और उसने राजर ब्राउनली की आवाज को सुना, त्यों ही उसके ऊपर हुआ चिन्ता का आकस्मिक आक्रमण, वह स्नायविक रोग समाप्त

हो गया।

मई के सूर्य के समुज्ज्वल प्रकाश में पुनः बाहर आते हुए उसने सोचा कि यह कुछ ही ब्लाकों की दूरी पर है। पार्श्व-मार्ग पर वह हिचकिचायी। उसने निश्चय किया कि मैं धीरे धीरे चलूंगी और अपने विचारों को व्यवस्थित बनाऊँगी। परमात्मा जानता है कि इस क्षण उन्हें व्यवस्थित बनाने की आवश्यकता है। और जब तक मैं यह नहीं जानती कि मैं क्या कहना चाहती हूँ, तब तक मैं ओरपेन का सामना नहीं कर सकती। वह पूर्व की ओर मुड़ी और तत्पश्चात् तीसरी एवेन्यू पर पहुँचने पर वह दक्षिण दिशा में चलने लगी। सड़क व्यस्त, तथा खुले दिल के लोगों से भरी पड़ी थी। लोग विश्राम कर रहे थे; यह शनिवार का दिन था, काम का एक दूसरा सप्ताह समाप्त हो गया था सूर्य ऊपर आ गया था और आकाश नीला था। वह क्रीड़ा-निमग्न बालकों के एक समूह के पास से गुजरी, वह सप्ताहान्त की किराना सामग्रियों के साथ रखी हुई बच्चागाड़ियों से बच कर चलती, वह बातचीत के शब्दों को सुनती, चेहरों और भाव-भंगियों तथा निश्चिन्ततापूर्ण विश्वास का निरीक्षण करती।

स्काट ने ओरपेन को प्रतिध्वनित करते हुए कहा होता कि यह वास्तविक जगत नहीं है। यह स्वप्न के समान मिथ्या है, एक कपोल-कल्पना है, एक बहाना है, एक धरातलीय झूठ है। ओरपेन कहेगा कि यह एक जाल और एक भ्रान्ति है। ये व्यक्ति पराधीन बनाये गये जन-साधारण हैं, पूंजीवादी प्रणाली के बन्दी हैं, शोषण के शिकार हैं; यह वास्तविक जगत नहीं है। फिर भी, यहाँ कोई भी व्यक्ति इस प्रकार नहीं चलता था, मानो वह भयभीत हो; कोई भी व्यक्ति बोलने से पहले अपने कन्धे के ऊपर से पीछे नहीं देखता था; कोई भी व्यक्ति उस सर्व आशंका का अनुभव नहीं करता था, जो ओरपेन के जगत के सम्बन्ध में सोचते समय अब स्वयं रोना पर आक्रमण कर रही है। रोना ने सोचा, नहीं उसका जगत स्वप्नवत्, दुस्स्वप्न के समान भयानक है। यह वास्तविक जगत् है। वास्तविक, क्योंकि इसके दोष मानवीय दोष हैं। किन्तु ओरपेन के दोष तथा उसके समान विश्वास रखने वाले समस्त व्यक्तियों के दोष अमानवीय हैं। यह अन्तर है। उसके जगत् के भीतर केवल एक कदम बढ़ने पर मैं उसकी सर्द परछाइयों का, अभी मैं लोहे की जिन काली और सर्द परछाइयों के अन्तर्गत चल रही हूँ, उतनी ही काली और सर्द परछाइयों का अनुभव कर सकती हूँ। उसने जल्दी से तीसरी एवेन्यू को पार किया और एक बार पुनः एक पार्श्वमार्ग पर चली गयी, जो खिड़कियों में लगायी गयी दूकानों के ग्राहकों, किराना सामग्रियाँ ले

जाती हुई गृहणियों, खेलते हुए बालकों तथा काम से लौटते हुए लबादे पहने हुए पुरुषों से भरा हुआ था।

"रोना!" एक स्वर ने पुकारा और एक हाथ ने उसकी बाँह को पकड़ लिया। रोना ने काले रंग के ढीले पाजामे, स्वीड चमड़े के बहुमूल्य चप्पल और बारीकी के साथ सिले गये सफेद लिनेन के जैकेट पहनी हुई लड़की की ओर, जो एक चमकीली हरी रस्सी से बंधे हुए एक लाल कुत्ते को पकड़े हुए थी, रिक्त दृष्टि से घूर कर देखा। यह मैरी फाइन थी, जिसके सुन्दर चेहरे पर बारीकी से पाउडर पुता हुआ था, जिसके ओठ मूँगे के समान लाल रंग से रंगे हुए थे और जो उसके नाखूनों के रंग के साथ मेल खाते थे, उसकी हरी आँखों में एक मुस्कान व्याप्त थी, उसका सिर एक ओर मुड़ा हुआ था, जिससे उसका सुन्दर गला और उसके कोमल लाल बालों का आकर्षक ढंग से नीचे लटकना दिखायी देता था। वह रोना को पूर्ण ध्यान के साथ देख रही थी, किन्तु उसकी काली, चमकती हुए बरौनियाँ पुरुषों की प्रशंसात्मक निर्निमेष दृष्टियों तथा बगल से गुजरने वाली महिलाओं की असहमतिसूचक दृष्टियों के प्रति पूर्णतया सतर्क थीं। उसने रस्सी को तेजी के साथ एक झटका देते हुए कुत्ते को और निकट खींच लिया। 'हैसड्रुबल से मिलो!" उसने गर्वपूर्वक कुत्ते को ओर संकेत किया। "गत सप्ताह मेरे एक प्रेमी ने इसको मुझे दिया और अब मैं इस बदमाश को नहलाने और हवा खिलाने का ही काम किया करती हूँ। यह जी को उबा देने वाला है। किन्तु वह सुन्दर दिखायी देता है, क्या नहीं दिखायी देता?"

उसने सावधानीपूर्वक रोना को देखा। ड्रेस ठीक ढंग से फिट नहीं होती थी, और काले जूतों और काले हैण्डबैग के साथ नीले रंग का चुनाव क्यों? रोना की सुरुचि समाप्त होती जा रही है। यहां तक कि वह अपने दस्ताने भी भूल गयी थी। उसके जूतों को पालिश की आवश्यकता थी। मैरी फाइन उदारतापूर्वक मुस्करायी और उसने थोड़े समय तक खड़ी होकर बातचीत करने का निश्चय किया। उसने नृत्यांगना के ढंग के एक पांव की ओर संकेत किया। "तुम आज कल क्या करती हो? आज कल तुम कभी दिखायी नहीं देती हो। स्काट कैसा है? ओह—मैं भूल गयी! यह सुनकर कि तुमने अपनी सगाई तोड़ दी, मुझे अत्यधिक खेद हुआ, वास्तव में मुझे अत्यधिक खेद हुआ।" उसने रोना के चेहरे की ओर पार्श्व से देखा। "बहुत बुरी बात है। लोग कहते हैं कि बेचारे स्काट का दिल इस बात से बुरी तरह टूट गया है।"

रोना का मौन उसे क्रुद्ध बनाता हुआ प्रतीत हुआ। उसने कुत्ते को और अधिक जोर से खींचा और उसके ओठ कस गये। "सावधान!" उसने एक बालक को, जो बहुत अधिक निकट आ गया था, तीक्ष्ण चेतावनी देकर हटा दिया। "वह सुन्दर अवश्य है, किन्तु वह काटना पसन्द करता है। बस खेल करने के लिए!" उसने रोना के समक्ष स्पष्टीकरण किया। "एक बात और, क्या तुम कभी पाल से मिलती हो?"

"वह भी ट्रेण्ड में ही काम करता है।" रोना ने उसे याद दिलायी।

"मेरी प्यारी, तुम्हें कितनी सर्दी हो गयी है! मैं आश्चर्य कर रही थी कि इतने गरम दिन में भी तुमने गले में रूमाल क्यों बांध रखा है। अधिक अच्छा होगा कि जल्दी से घर चली जाओ और जाकर कुल्ला करो। और पाल हैन के सम्बन्ध में मेरी सलाह मानो—उसके ऊपर अपना समय मत बरबाद करो।" हरी आँखों ने कहा, तुम स्काट एट्टली पर काफी समय बरबाद कर चुकी हो। तत्पश्चात् वह हँस पड़ी और अपने सिर को उसने उतना ही पीछे की ओर हटाया, जितना उसके जबड़े की सुन्दरता को दिखाने के लिए पर्याप्त था। "यदि हैन का स्वभाव रानियों के स्वभाव-जैसा है, तो मुझे यह जानकर आश्चर्य नहीं होना चाहिए।" उसने मजाक के साथ, अपने स्वर में लेशमात्र विष घोल कर पुनः कहा, "इसमें कोई सन्देह नहीं कि उसने यह जर्मनी में सीखा।" अचानक कुत्ते की जंजीर खिंच गयी। "नमस्कार!" उसने अपने कन्धे के उपर से पीछे की ओर देख कर कहा, जब कि कुत्ता अकस्मात् एक हाइड्रेण्ट की ओर दौड़ा। "हैसड्रुबल तीसरी एवेन्यू को बहुत ही अधिक पसन्द करता है। यहां इतनी रौचक सुगन्धियाँ मिलती हैं!"

रोना चलती गयी। दो ब्लाकों की दूरी और तै करनी थी। और जिन विचारों को वह व्यवस्थित करने का प्रयास कर रही थी, वे पुनः उलझ गये थे। उसने अचानक महसूस किया कि मैरी फाइन स्काट की आत्महत्या का दोष सगाई के टूटने को देगी। और अधिकांश व्यक्ति ऐसा ही कहेंगे। स्काट के पिता? हाँ, सम्भवतः वे भी ऐसा ही करेंगे। और पाल, जब वह सुनेगा, तब वह क्या सोचेगा?.....और यदि मैं उनमें से किसी को बताऊँ कि यह स्काट का अन्तिम विद्रोह, स्वयं अपने विरुद्ध विद्रोह था, तो मेरी बात पर कौन विश्वास करेगा? उसने दुखपूर्वक सोचा, स्काट ने मुझे अपने साथ बांध दिया है। क्या मैं कभी इससे मुक्त हो पाऊँगी?

वह बेचैनी, सर्दी और क्लान्ति का अनुभव करने लगी। वह ओरपेन की

गली के कोने पर हिचकिचायी और अकस्मात् अनिश्चय की अवस्था में खड़ी हो गयी।

उसने सोचा, स्काट के सम्बन्ध में सत्य बात को कोई व्यक्ति कभी न जान पाये, तो भी मैं उसे जानना चाहती हूँ। मुझे जानना ही होगा। तब मैं भूलने का प्रयास कर सकती हूँ। जाने बिना भूला नहीं जा सकता। मैं चिन्ताओं और संशयों से बंधी हुई रहूँगी। हृदय को शांति नहीं मिलेगी और मस्तिष्क को मुक्ति नहीं मिलेगी।.....कभी नहीं। वह गैरेजों और गोदामों की भयानक दीवारों के सामने स्थित मकानों की पंक्ति की ओर चलने लगी।

तीन लड़के रोलर स्केटों पर एक दूसरे के पीछे दौड़ रहे थे। अपनी बाहों में दूकानदारी करने के थैले लटकाये हुए दो औरतें गोश्त के मूल्य के सम्बंध में बातें कर रही थीं। एक चौड़ा लटकता हुआ घाघरा पहने हुए एक नौजवान लड़की अपनी गाड़ी में सोये हुए एक बच्चे की बगल में पहरा दे रही थी, जब कि वह गली में संकटकालीन मरम्मत-कार्य प्रारम्भ करने वाले तीन मजदूरों का निरीक्षण कर रही थी। एक मिस्त्री गैरेज के दरवाजे से सटकर खड़ा हुआ, उसने एक सिगरेट जलायी तथा वह भी उनका निरीक्षण कर रहा था। दिन के इस समय खड़ी की गयी कारों की पंक्तियाँ कम हो गयी थीं; अपने निजी व्यवसाय पर ध्यान केन्द्रित किये हुए थोड़े-से पैदल यात्री पार्श्व-मार्गों पर चल रहे थे। एक मोटर धीरे-धीरे दौड़ती हुई गली में आयी; उसने गोदाम में लदनी के तख्ते से सटा कर खड़ी की गयी एक ट्रक के अगले भाग का चक्कर लगाया और उसने सड़क के उस भाग का चक्कर काटा, जहाँ लाल झंडियाँ गड़ी हुई थीं और जहाँ एक कमजोर बरमा यंत्र पार्श्वमार्ग में छेद कर रहा था।

रोना बरमे की आकस्मिक आवाज सुन कर सिकुड़ गयी। उसने नजर ऊपर उठायी। एक मजदूर मुस्कराया और उसने अपना सिर हिलाया। यह एक अत्यन्त स्वाभाविक घटना थी, यह एक ऐसी बात थी, जो पहले भी उसके साथ इतनी अधिक हो चुकी थी कि उसने इसका स्वागत किया। वह उत्तर में प्रायः कृतज्ञतापूर्वक मुस्करा पड़ी। उसने ऐसा महसूस किया, मानो वह एक बर्फीले हाल की सर्दी से बाहर निकल कर एक ऐसे कमरे में प्रविष्ट हो गयी हो, जिसमें प्रसन्नतापूर्वक आग जल रही है। वह रुक गयी और और अब निकटतम द्वारमार्ग के ऊपर शीशे पर लिखी गयी संख्या को देख रही थी। उसने सड़क पर देखा, उसे पहली बार उसका हल्का शोरगुल और प्रति दिन की आवाज सुनायी पड़ी और—मानो वह आश्वस्त हो गयी हो—वह पत्थर की

सीढ़ियों पर दौड़कर चढ़ने लगी। जिस नाम की वह तलाश कर रही थी, उस नाम के न मिलने पर वह पुनः हिचकिचायी।

मजदूर अपने ऊपर के द्वारमार्ग पर खड़ी नीले ड्रेस वाली लड़की की ओर ध्यान न देते हुए प्रतीत हुए। एक काँपते बरमे पर ध्यान केन्द्रित कर रहा था, एक दूसरा उन छोटी-छोटी लड़कियों के प्रश्नों का उत्तर दे रहा था, जो देखने के लिए वहां पहुँच गयी थीं और तीसरा मजदूर सामान्य रूप से कार्य-संचालन कर रहा था। फिर भी, वे सभी तथ्यों को लक्ष्य कर रहे थे। नीले ड्रेस वाली लड़की, गले में सफेद रूमाल बंधा हुआ, काले बाल, सम अवयव, बड़ी-बड़ी आंखें, सुखद मुस्कान, औसत ऊँचाई, वजन लगभग १२० पौण्ड, ऊंची एड़ी के जूते, सुन्दर पांव, अच्छी तरह से चलती है। और, यह उसका पीछा करने वाला व्यक्ति कौन था? आडम्बरहीन सूट, भूरा फेल्ट हैट, गहरे रंग का चेहरा वह लड़की से कुछ ही दूरी पर रहता था, किन्तु अब जब वह दौड़कर सीढ़ियों पर चढ़ने लगी, तब उसने अपने कदम तेज कर दिये थे। यद्यपि वह मिस्त्री से एक प्रश्न पूछने के लिए गैरेज के पास खड़ा हो गया। क्या वह हममें से ही एक है? बरमे वाला व्यक्ति सोचने लगा। अथवा क्या वह उस समूह का एक दूसरा सदस्य है? मजदूर ने अपनी पीठ सीधी की—सड़क पर एक शांत सफेद बालों वाले व्यक्ति की ओर, जो लादी जाती हुई ट्रक के पीछे आधा छिपा हुआ था और तत्पश्चात् एक अधेड़ उम्र की औरत की ओर, जो गोदाम की दीवार के निकट रखे गये एक कैम्प स्टूल पर सूरज की रोशनी में बैठी हुई थी और जो एक बच्चा-गाड़ी को धीरे-धीरे हिला रही थी तथा धैर्यपूर्ण उकताहट के साथ सड़क के दृश्य को देख रही थी, देखने का यह एक अच्छा बहाना था। मजदूर सोच रहा था, मुझे आश्चर्य होता है कि क्या उन्होंने हमारे सम्बन्ध में उतना ही अनुमान लगा लिया है, जितना अनुमान हमने उनके सम्बन्ध में लगाया है? आज प्रातःकाल से ओरपेन एक लोकप्रिय व्यक्ति बन गया है। कुछ भी हो, यह एक स्पष्ट तथ्य है।

नीले ड्रेस वाली लड़की ने अन्ततोगत्वा एक घण्टी दबा दी थी—यह सुपरिण्टेण्डेण्ट की घण्टी थी; क्योंकि 'ओवर आल' और एक गन्दी कमीज पहने हुए एक व्यक्ति ने दरवाजा खोला। एक या दो क्षणों तक दुर्बल बरमे ने कोई आवाज नहीं की, जब कि उसके प्रहार के लिए सावधानीपूर्वक एक नये स्थान का चुनाव किया गया। लड़की का प्रश्न इतने मन्द स्वर में पूछा गया था कि वह सुनायी नहीं पड़ा। सुपरिटेण्डेण्ट ने सिर हिलाया; वह एक ओर

हट गया तथा लड़की को उसने मकान में चली जाने दिया। कुछ क्षणों तक उसने दरवाजे को बन्द नहीं किया। वह बाहर आया और खड़ा हो गया, मानों उसे कुछ ताजी हवा का सेवन करने के बहाने से आनन्द मिल रहा हो। पीछे मकान की ओर मुड़ते हुए उसने एक सिगरेट जलायी। तो लड़की ओरपेन से मिलने के लिए ऊपर गयी थी।

काम करने वाले व्यक्तियों ने सड़क का अध्ययन किया। आडम्बरहीन सूट और भूरे फेल्ट हैट वाला व्यक्ति गैरेज से अपनी कार लेने के लिए आया था, क्योंकि वह चौड़े द्वार-मार्ग से होकर मिस्त्री के पीछे-पीछे गया और उसकी गहरी गुफा के ठीक भीतर रुक गया। सड़क पर और अधिक दूर सफेद बालों वाला व्यक्ति एक 'हाईड्रेण्ट' पर बैठा हुआ था, उसकी पीठ गोदाम की दीवार से सटी हुई थी। उसने एक लादी जाती हुई ट्रक का आलोचनात्मक दृष्टि से निरीक्षण करते हुए एक पाइप सुलगायी। उसके पास बैठी हुई औरत ने सोये हुए बालक के ऊपर हल्के रंग की ओढ़नी को ठीक किया।

बरमे से काम करने वाले व्यक्ति के मस्तिष्क में एक विचार उत्पन्न हुआ, जिससे उसका मनोरंजन हुआ। वहां ओरपेन अपने कमरे में चुपचाप बैठा हुआ न तो टेलिफोनों का उत्तर दे रहा था, न द्वार की घण्टी बजने पर उसे खोलता था। वहां नीचे, सड़क के इस साधारण छोटे-से दृश्य में व्यक्तियों के दो समूह थे, जो दोनों निरीक्षण और प्रतीक्षा कर रहे थे, जो दोनों ऊपर के व्यक्ति में, जिसे सम्भवतः इस बात का भी पता नहीं था कि वे यहाँ थे, रुचि रखते थे। और अब नीले ड्रेस वाली लड़की उसके द्वार तक जाने वाली सीढ़ियों को पार कर रही थी। वह किस समूह की थी? उनके समूह की अथवा हमारे समूह की? अथवा किसी भी समूह की नहीं? यदि वह उनके समूह की है...

यही विचार उसके एक साथी के मस्तिष्क में भी उत्पन्न हुआ था। वह बरमे के निकट पहुँचा और बोला, "अधिक अच्छा होगा कि इसे बन्द कर दो, यह बहुत अधिक आवाज करता है। हम कुछ भी नहीं सुन पायेंगे।" वह चिन्तित था।

उस व्यक्ति ने बरमे को रख दिया और एक फावड़ा उठा लिया। उसने सड़क में पड़ी हुई दरार की ओर संकेत किया और कहा, "मेरा अनुमान है कि सुपरिण्टेण्डेण्ट को मालूम है कि जब तक उस लड़की पर ओरपेन का विश्वास नहीं होगा, तब तक वह उसे भीतर प्रवेश नहीं करने देगा।"

तीसरे व्यक्ति ने पार्श्व-मार्ग का निरीक्षण करते हुए सिर हिलाया। "वह

दोगला सम्भवतः काफी सुरक्षित है।" किन्तु आप किसी ऐसे व्यक्ति की रक्षा किस प्रकार कर सकते हैं, जो संरक्षण की व्यवस्था के साथ सुरक्षित रूप से भाग निकलने के निमन्त्रण को स्वीकार करना तो दूर रहा, आपको अपने साथ सम्पर्क भी नहीं स्थापित करने देता ? उसने निराशापूर्वक सोचा कि निकोलस ओरपेन को पकड़ने का सर्वोत्तम मार्ग यह है कि उसे गिरफ्तार कर लिया जाये। किन्तु किन अभियोगों में ? अवश्य ही उसने अनेक कानूनों का उल्लंघन किया होगा, किन्तु कानूनी प्रमाण के बिना हम कोई कार्रवाई नहीं कर सकते। मजदूर ने एक कुदाली उठायी, अपने हाथों पर थूक दिया और तत्पश्चात् सड़क पर शीघ्रतापूर्वक ट्रक के निकट बैठे हुए सफेद बालों वाले व्यक्ति तथा बच्चा गाड़ी को धीरे-धीरे हिलाने वाली महिला की ओर देखा। उसने राहत के साथ सोचा कि वे केवल इतना ही कर सकते हैं कि वे भी प्रतीक्षा करते रहें। हम लोग जब तक यहाँ हैं, तब तक वे सम्भवतः कोई स्टण्ट नहीं कर सकते—यहाँ इतने अधिक लोग हैं कि चुपचाप किसी का अपहरण नहीं किया जा सकता।

तत्पश्चात् उसी क्षण महिला उठी और उसने अंगड़ाई ली। उसने अपने सूती ड्रेस की सिकुड़नों को ठीक किया, कैम्प स्टूल को मोड़ा और उसे बच्चा गाड़ी के हैण्डिल के ऊपर लटका दिया। उसने अपनी घड़ी की ओर देखा और अपना सिर हिलाया, मानों वह सूरज की रोशनी में बहुत अधिक देर तक बैठ चुकी थी और उसके पति का भोजन बहुत अधिक पक जाता। तत्पश्चात् उसने गाड़ी के ऊपर थोड़ा-सा झुक कर, बच्चे के साथ बातचीत करते हुए तथा ईस्टर रिवर की दिशा में जल्दी-जल्दी चलते हुए गाड़ी को खींचना प्रारंभ कर दिया।

अपने सिर के ऊपर कुदाली को काफी ऊँचाई तक ले जाते हुए मजदूर ने सोचा कि सम्भवतः वह काफी सच्ची है। या तो वह काफी सच्ची है, या यह एक उत्कृष्ट अभिनय है। अथवा सम्भवतः मैं बहुत अधिक संशयशील हूँ। उसने पार्श्वमार्ग में पड़ी हुई एक दरार पर कुदाली से प्रहार किया। और तब उसने महसूस किया कि नीले ड्रेस वाली लड़की अभी तक मकान के बाहर नहीं निकली थी। पूर्व की दिशा में चलने वाली महिला ने भी इस बात को लक्ष्य किया था। नहीं, उसने सोचा, इस प्रकार के काम में आप बहुत अधिक संशयशील नहीं हो सकते।

"वह नीचे नहीं उतरी है।" उसने अपनी बगल में काम करने वाले व्यक्ति से कहा।

"तब वह न्यूयार्क में एक मात्र ऐसी व्यक्ति है, जिस पर वह विश्वास करता हुआ प्रतीत होता है।" उसने अपने स्वर को ऊंचा कर के कहा, "देखो, जो। कार आ रही है!"

जिस व्यक्ति ने गैरेज में प्रवेश किया था, वह अपनी कार को धीरे-धीरे बाहर निकाल रहा था। वह उसे खोदे गये स्थान की बगल में, खिड़की के बाहर अपने सिर को काफ़ी निकाल कर उसकी घेराबंदी का निरीक्षण करता हुआ सावधानीपूर्वक चला रहा था।

"ठीक है, छोकरो!" उसने कहा। और यह एक प्रश्न नहीं था। एक लाल झण्डी से बचने का प्रयास करते हुए उसने कार की गति को और अधिक धीमी कर दिया। "अब वे शरारत कर सकते हैं।" शांत स्वर ने कहा। और कार आगे निकल गयी।

"खाने का समय हो गया है।" कुदाली वाले व्यक्ति ने अपनी कुदाली को नीचे रखते हुए कहा। उन्होंने जिस मलबे की सृष्टि की थी, उस पर बैठते हुए उन्होंने अपने खाने के डिब्बों को खोला। और चौपट हो जाने वाले शनिवारीय अपराह्न काल के सम्बन्ध में जोर-जोर से और सद्भावनापूर्वक शिकायत करते हुए उन्होंने एक अल्पकालीन सम्मेलन का आयोजन किया। नीले ड्रेस वाली लड़की ओरपेन की मित्र थी। बच्चा गाड़ी वाली औरत ने (अथवा सफेद बालों वाले व्यक्ति ने, जिसने सम्भवतः औरत को संकेत किया था) नीले ड्रेस वाली लड़की को पहचान लिया था। कार वाले एजेण्ट ने नीले ड्रेस वाली लड़की को ठीक बताया था। इससे नीले ड्रेस वाली लड़की के सम्बन्ध में किस बात का पता चलता है?

तीसरी एवेन्यू के निकट गली के कोने पर एक लम्बा व्यक्ति, जो साधारण रूप से सुन्दर वस्त्र पहने हुए था, प्रतीक्षा कर रहा था। अब वह अधीरतापूर्वक मुड़ा और भोजन करने वाले व्यक्तियों के छोटे-से समूह की ओर बढ़ने लगा। उसके बाल काले थे, जो कनपटियों के निकट सफेद हो रहे थे, उसकी आँखें शीघ्रतापूर्ण, प्रत्यक्ष दृष्टिवाली और भूरी थीं, उसकी भौंह सुन्दर थी, उसका जबड़ा मजबूत था और उसके मुँह की गढ़न अच्छी थी। किन्तु जब उसने रुक कर पूछा कि "क्या इस रास्ते से कोई लड़की आयी है? क्या वह ठीक मेरे पीछे इस मकान में गयी?" तब वह इतना अधिक चिन्तित था कि वह मुस्कराने का बहाना भी नहीं कर सका।

"एक लड़की?" एक मजदूर ने एक दूसरी बार मुंह में सैण्डविच भरा

और दूसरे मजदूरों की ओर देखा। "अनेक लड़कियाँ इस रास्ते से होकर गुजरीं।"

"काले बालों वाली! सुन्दर!"

"वह क्या पहने हुए थी?"

"ईश्वर ही जानता है।" पाल हैन ने कहा। आज प्रातः काल रोना क्या पहने हुए थी?

वह केवल उस चेहरे को याद कर सका, जो उसकी आँखों से दूर ही रहा था। उसने सोचा, मैं उसको रोक सका, या तो वह उससे पहले ही यहाँ चली आयी, या वह किसी दुर्घटना में फँस गयी है।

"चिन्ता करने से कोई लाभ नहीं होगा।" एक मजदूर ने उसे परामर्श दिया, "आप जानते ही हैं कि स्त्रियाँ कैसी होती हैं। सम्भवतः वह दूकानदारी करने के लिए चली गयी होगी।"

पाल हैन हिचकिचाया। तत्पश्चात् वह सीढ़ियों पर चढ़ने लगा और उसने सुपरिण्टेण्डेण्ट की घण्टी बजायी। सुपरिण्टेण्डेण्ट ने धीरे से दरवाजे को खोला; और उत्तर देने से पूर्व उसने पाल के कन्धे की बगल से गली में देखा। केवल एक क्षण के लिए, केवल इतने समय के लिए, जितना समय एक सतर्कतापूर्ण संकेत प्राप्त करने के लिए पर्याप्त था। पाल के उत्तर में उसने अपना सिर हिलाया। वह कह नहीं सका।

"अच्छा, मैं ऊपर जाकर देखूंगा।" पाल ने कहा, "ओरपेन का स्थान कहाँ है?" वह पहले ही हाल के भीतर पहुँच चुका था। सुपरिण्टेण्डेण्ट ने अपने कन्धे हिलाये और उसे दिशा-निर्देश करते समय उसने एक सिगरेट जलायी। तत्पश्चात् वह पाल के पीछे-पीछे सीढ़ियों को पार करने लगा।

"आप सतर्क व्यक्ति हैं, नहीं हैं क्या?" पाल ने गन्दी कमीज और उस व्यक्ति की ठोड़ी पर दाढ़ी के छोटे-छोटे बालों की ओर देखते हुए कहा। वह उस प्रकार का व्यक्ति था जो रोना के आगमन को नहीं देख सका—सम्भवतः वह कोने पर स्थित मदिरालय में थोड़ी-सी बियर पी रहा था—और अब आडम्बर के प्रदर्शन द्वारा अपनी असावधानी को छिपा रहा था।

"अवश्य!"—सुपरिण्टेण्डेण्ट ने पाल के सूट की ओर देखते हुए कहा—"मैं एक सतर्क व्यक्ति हूँ।"

पाल मुड़ा और सीढ़ियों के ऊपर चला गया। ओरपेन की देहरी के निकट पहुँच कर वह पुनः रुक गया। "क्या यही है?" उसने वहाँ के एक मात्र द्वार

की ओर इंगित करते हुए व्यंग्यपूर्वक पूछा।

"अवश्य !" उस व्यक्ति ने कहा। वह भी सीढ़ियों के आधे समूह के नीचे रुक गया। वह प्रत्याशापूर्वक प्रतीक्षा करने लगा।

पाल द्वार के निकट पहुँचा। उसे कोई आवाज नहीं सुनायी पड़ी। उसने अपने कन्धे के ऊपर से प्रतीक्षारत सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर देखा। उसने यह महसूस करना प्रारम्भ कर दिया कि वह उक्त व्यक्ति पर बहुत जल्दी क्रुद्ध हो गया था। उसने आधे क्रोध और आधी उपेक्षा के साथ घण्टी दबायी।

कमरे से कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ, उसमें किसी गतिविधि का संकेत नहीं मिला।

उसने पुनः घण्टी बजायी। तत्पश्चात् उसने जोर से दरवाजे को खटखटाया। "रोना !" उसने पुकारा। उसने पुनः द्वार खटखटाया। "रोना !"

कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ, वहाँ केवल खाली कमरे की निस्तब्धता थी।

वह दरवाजे से दूर हट गया और खुली विजय की दृष्टि देखने की आशा करते हुए उसने सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर देखा। किन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि वह व्यक्ति अभी तक सुन रहा था।

"आप का कहना ठीक है,' पाल ने कहा, "वहाँ कोई नहीं है, बिल्कुल ही कोई नहीं।"

सुपरिण्टेण्डेण्ट ने कुछ नहीं कहा। अब वह पाल की ओर देख रहा था और उसकी अभिव्यक्ति में परिवर्त्तन आ गया था। एक क्षण के लिए वह हिचकिचाया, उसकी आँखें विचार-निमग्न थीं। उसने अवसर प्राप्त करने का निश्चय किया। 'देखिये", उसने कहना प्रारम्भ किया, "मुझे ऐसा लगता है, मानो—"

किन्तु पाल जल्दी-जल्दी उसकी बग़ल से होकर गुजर गया था और वह पहले ही आधी सीढ़ियाँ नीचे उतर चुका था। 'टेलिफोन कहाँ है ? हाल में ?" उसने पीछे घूम कर कहा।

ओरपेन के निवास-स्थान तक जाने वाली सीढ़ियों को पार कर लेने पर रोना की व्यग्रता बढ़ गयी। सब कुछ उसके प्रथम वाक्यों पर निर्भर करता था। यदि वे गलत हुए, तो वह ओरपेन के द्वार के पार कभी नहीं जा सकेगी।

उसने घण्टी बजायी और वह प्रतीक्षा करने लगी। वहाँ केवल नीरवता थी। तत्पश्चात् कमरे के भीतर से एक हल्की खड़खड़ाहट की आवाज आयी, जो अचानक शान्त हो गयी। उसने सोचा, वह छिपा हुआ है। तब वह खतरे

में है। और उसे यह बात मालूम है। उसके संशयों और हिचकिचाहटों का दूर होना प्रारम्भ हो गया। उसने धीरे से द्वार खटखटाया और वह बोली, "मैं रोना मेटफोर्ड हूँ। मैं एक आवश्यक सन्देश लेकर आयी हूँ। स्काट एट्टली के पास से।"

वह प्रतीक्षा करने लगी। "मैं रोना मेटफोर्ड हूँ!" दरवाजे की दूसरी ओर सुनने वाले व्यक्ति से उसने पुनः कहा, "यह आवश्यक बात है। स्काट के सम्बन्ध में।" अकस्मात् उसके मन में यह भावना उत्पन्न हुई कि उस पर नजर रखी जा रही थी। वह यह नहीं बता सकती थी कि किस प्रकार; वह किसी प्रत्यक्ष जासूस-छिद्र को नहीं देख सकी। द्वार थोड़ा-सा खुला।

"तुम अकेली आयी?" ओरपेन ने पूछा।

"हाँ।"

द्वार और अधिक खुल गया, जो कमरे में उसके प्रवेश करने मात्रके लिए पर्याप्त था और उसके पीछे वह जल्दी से बन्द हो गया। ओरपेन ने उसमें ताला और कुण्डी लगा दी।

रोना ने अव्यवस्थित कमरे में चारों ओर देखा। ओरपेन लिखता रहा था। कागजों से भरा हुआ इस्पात का एक बाक्स उसके डेस्क पर खुला पड़ा था और उसकी बगल में टाइप किये हुए पन्ने बिखरे पड़े थे। मेज पर खाने की सामग्रियाँ रखी हुई थीं—पनीर का एक टुकड़ा, सेंकी हुई सेम का एक आधा खाली डिब्बा, एक पुराना काफी-पात्र, एक गन्दा प्याला और एक गन्दी तश्तरी। चूल्हा जले हुए कागज के पतले काले मुड़े हुए पन्नों से भरा हुआ था। राखदानों को कई दिनों से खाली नहीं किया गया था। वे सिगरेटों के रगड़े हुए टुकड़ों से, जिन पर ओठ के सूखे हुए धब्बे थे, भरे हुए थे। खिड़कियाँ बन्द थीं। पाइप के धुएं, पनीर और 'सारडाइन' औ बियर तथा काफी की गन्ध से हवा दुर्गन्धयुक्त हो गयी थी।

"हाँ?" ओरपेन ने उसके पीछे से शान्त स्वर में पूछा।

वह घूम कर उसके सामने खड़ी हो गयी।

ओरपेन ने अपनी बिना हजामत की हुई दाढ़ी का स्पर्श किया, अपनी कमीज के खुले हुए गले को खींच कर सटाया। "इन विगत कुछ दिनों से मेरी तबीयत बहुत ठीक नहीं रही है," उसने रोना की आँखों का निरीक्षण करते हुए कहा, "किन्तु तुम्हें इतना अधिक भयभीत दिखायी देने की आवश्यकता नहीं है। मैं जितना बीमार दिखायी देता हूँ, उतना बीमार मैं नहीं हूँ। तुम

कौन-सा सन्देश लेकर आयी हो ?" वह जल्दी से डेस्क के पास पहुँच गया, उसने कुछ कागजों को इस्पात के बाक्स में ठूस दिया और उसे धड़ाम से बन्द कर दिया।

"चिन्ता मत कीजिये," रोना ने कहा, "मैं कोई जासूस नहीं हूँ।"

उसने मुड़कर तीक्ष्ण दृष्टि से उसकी ओर देखा। तत्पश्चात उसके भूरे-सफेद चेहरे पर एक मुस्कान व्याप्त हो गयी। "स्काट ने क्या संदेश भेजा है ?"

रोना एक आरामकुर्सी पर बैठ गयी। उसने कहा, "आप खतरे में हैं।"

"मैं हूँ ?" उसकी नकली चिन्ता ने उसकी निजी भावनाओं को ढंक लिया। उसने अपना चश्मा उतारा और उसे पोंछने लगा।

वह उसी शान्त स्वर में कहती गयी, "स्काट ने कहा कि आपको अपराधी घोषित किया गया है, एक विश्वासघाती के रूप में।" ओरपेन रोना के चेहरे का निरीक्षण कर रहा था, किन्तु उसने यथाशक्ति किसी भावना का प्रदर्शन न करते हुए उसकी ओर घूर कर वापस देखा।

"क्या तुम आशा करती हो कि मैं इस बात को गम्भीरतापूर्वक ग्रहण करूँगा ?" उसने विनोद का एक अच्छा बहाना बनाया। उसने अपने चश्मे की अंतिम रूप से पालिश की और उसे पुनः पहन लिया।

उसने अपने कंधे हिलाये। "मुझे अथवा किसी भी ऐसे व्यक्ति को, जो कम्यूनिस्ट नहीं है, यह बात उपहासास्पद प्रतीत होती है। किन्तु, तब, हम लोग आपके जगत् के निवासी नहीं हैं।" उसने चूल्हे में पड़ी हुई राख की ओर देखा। "स्काट ने इस बात को गम्भीरतापूर्वक ग्रहण किया था," उसने कहा, "और थेल्मा तथा मर्रे तथा आपके अन्य कामरेड भी इसे उसी रूप में ग्रहण करेंगे।" उसने शीघ्रतापूर्वक उसकी ओर देखा। उसने मर्म पर प्रहार किया था। उसके चेहरे से दिखावटी घृणा के समस्त लक्षणों का लोप हो गया था। उसके ओठ बन्द हो गये थे, वे तन गये थे। निद्रा के अभाव से ऊंघती हुई उसकी आँखों ने एक सफेद नकाब से बाहर देखा।

"स्काट को यह बात कहाँ मालूम हुई ?" उसने अंत में पूछा। कल रात को बैठक में ? हाँ, वहीं उसे यह बात मालूम हुई होगी। कल रात को निर्णय कर लिया गया था : पीटर का निर्णय। आज प्रातः काल सड़क पर पहरेदारों की उपस्थिति का इससे स्पष्टीकरण हो जाता है।

ओरपेन खिड़की के पास चला गया। वह पर्दे से छिपा हुआ, नीचे गोदाम की दीवार की ओर देखता हुआ वहाँ खड़ा हो गया। उसने सोचा कि टेलिफोन-

सन्देशों की भाँति, जिनका उत्तर उसने मौन द्वारा दिया था, उन मुलाकातियों की भाँति, जो उससे मुलाकात किये बिना ही उसके द्वार से चले गये थे, उन्हें एक चेतावनी के रूप में भेजा गया था। किन्तु अब उसे मालूम हो गया कि वे वहाँ आज्ञा-पालन के लिए, उसे भयभीत करने के लिए वहाँ पहरा नहीं दे रहे थे। वे एक चेतावनी से अधिक थे। वे कितने हैं? किन्तु क्या उसका महत्व था? महत्व की बात तो यह थी कि वे वहाँ थे। कामरेड पीटर की विजय हो गयी थी।

"स्काट ने मुझे नहीं बताया कि उसे यह बात कहाँ मालूम हुई।" रोना कह रही थी। उसने अचानक अपने बँठे हुए गले के प्रति कृतज्ञता का अनुभव किया, उससे उसकी उत्तेजित भावनाएँ प्रकट नहीं हो सकीं। "स्काट ने मुझे केवल सन्देश बता दिया।"

वह सोच रहा था, स्काट जानता था कि मकान पर निगरानी रखी जा रही होगी और उसने इस लड़की को भेजा है। तो स्काट मेरी ओर है, स्काट मेरा मित्र है। किन्तु उसने फोन क्यों नही किया? मैंने उससे बात की होती। इस प्रकार के संकट-काल में वह एक टेलिफोन-वार्ता का खतरा उठा सकता था। स्काट को मालूम था कि किसी सन्देश को किस प्रकार छिपाया जाता है, जिससे वह निर्दोष प्रतीत हो सके। अथवा क्या स्काट इतना अधिक भयभीत था कि वह यह खतरा नहीं उठाना चाहता था? स्काट सुरक्षित रहना चाहता है। जैसा कि मेरे सभी मित्र सुरक्षित रहना चाहेंगे, ओरपेन ने कटुतापूर्वक सोचा।

वह खिड़की के पास से हट गया। वह निरुद्देश्य रूप से चहलकदमी करने लगा, मानो वह यह निश्चय न कर पा रहा हो कि आगे क्या करना चाहिए। बाक्स तथा कागज के उन थोड़े-से बचे हुए पन्नों की ओर, जिन पर उसके द्वारा तैयार की गयी नामों की सूचियाँ लिखी हुई थीं, देखता हुआ, वह डेस्क के पास रुक गया। उन व्यक्तियों की सूची के बाद सूची, जिनका गुप्त नियंत्रण था, जिनके हाथों में सर्वोच्च सत्ता थी—जो अमरीकी कम्यूनिस्ट पार्टी के नीति-निर्माता थे। और उत्तर सदा एक ही होता था। उस सूची में अमरीकियों की संख्या बहुत कम थी, उनके अधिकार सीमित थे। उनके साथ उसी प्रकार का व्यवहार किया जाता था, जिस प्रकार ओरपेन के साथ किया गया था। वास्तविक सत्ता रूसियों के हाथ में थी। आदेश मास्को से आते थे।

हाँ, उसे यह बात सदा से मालूम थी, किन्तु उसने कभी यह आशा नहीं की थी कि रूसियों की पकड़ मजबूत होती जायेगी, वह उन विगत कुछ महीनों

में जितनी अधिक निरंकुश हो गयी थी, वह उतनी अधिक निरंकुश हो जायेगी। इन समस्त वर्षों में विदेशियों का उपयोग करते-करते उसने अपने लिए इस पराजय को निमंत्रित किया था। उनसे लाभान्वित होने का विचार करते-करते उसने उनके समक्ष पूर्णरूप से आत्म-समर्पण कर दिया था। और पार्टी—क्या वह भी पराजित हो गयी है और क्या उसको भी समर्पित कर दिया गया है ? रूसी अथवा पार्टी : इनमें से एक को चुनना था। अन्ततोगत्वा उसने इसी बात को स्वीकार कर लिया और उसे अभी तक कोई उत्तर नहीं प्राप्त हो सका था। उत्तर प्राप्त कर सकने से पूर्व ही उसे एक विश्वासघाती के रूप में अपराधी घोषित कर दिया गया था। रूसी ही पार्टी हैं। उन्हें एक दूसरे से पृथक् करना, एक को अस्वीकार करना और दूसरी को बनाये रखना किस प्रकार सम्भव था ? और उसकी सहायता कौन करेगा ?

ओरपेन ने जिन सूचियों को लिखा था, उनमें से अन्तिम सूची को उसने उठाया। उसने उन्हें तैयार किया था, जला दिया था और पुनः तैयार किया था, मानो वह स्वयं को विश्वास दिलाना चाहता था कि उसके विद्रोह के लिए कुछ आशा हो सकती है। किन्तु उत्तर सदा एक ही होता था। वास्तविक सत्ता रूसियों अथवा उन विदेशियों के हाथों में थी, जो वर्षों तक रूस में रह चुके थे, जिससे उन्हें प्रायः "विश्वसनीय" व्यक्तियों के रूप में स्वीकार कर लिया गया था। ऐसा महसूस करनेवाला वह अकेला व्यक्ति नहीं था, किन्तु दूसरे व्यक्ति उसकी अपेक्षा अधिक बुद्धिमान थे। उन्होंने अनिवार्य बात को स्वीकार कर लिया था तथा उससे आनन्दित होने के लिए अपने को विवश कर लिया था। क्या वे पागल थे ? पार्टी का भी परित्याग कर देने के अतिरिक्त दूसरा विकल्प ही क्या था ? और विश्वासों के बिना कोई व्यक्ति किस प्रकार जीवित रहता है ? विश्वासों के बिना और जब उनका स्थान ग्रहण करने के लिए कोई वस्तु न हो ? शून्य और शून्यता। आदमी सोने, खाने, पीनेवाला पशु बन जाता है, वह ऐसे विचारहीन समूह का प्राणी बन जाता है, जिस पर नियंत्रण किया जाता है। विश्वासों के बिना सत्ता नहीं प्राप्त होती।

जिस पन्ने पर नाम लिखे हुए थे, उसे उसने ऐंठा और पुनः डेस्क पर फेंक दिया। मैंने एक मूर्ख की भाँति काम किया है, एक ऐसे भावनात्मक मूर्ख की भाँति, जिसकी भावनाएँ नियंत्रण से बाहर चली गयी थीं—वे भावनाएँ, जिन्हें मैंने स्वयं सदा अस्वीकार किया है और जिनके विरुद्ध मैं दूसरों को चेतावनी देता रहा हूँ। जैसा कि मैं स्काट को चेतावनी दिया करता था....!

उसी समय उसे उस लड़की की याद आयी, जो उसके पीछे इतनी मौन होकर बैठी थी। वह घूम कर उसके सामने खड़ा हो गया। "स्काट से कह देना कि वह जल्दबाजी में कोई काम न करे। स्काट से कह देना कि मैं गलती पर हूँ। मैं अपने अपराध को स्वीकार कर लूँगा।" उसने सोचा, हाँ, मैं खुले रूप से स्वीकार कर लूंगा कि कामरेड पीटर की हाल की नीतियों पर आपत्ति प्रकट कर मैंने गलती की है। मेरे विरुद्ध उन्हें बस इतना ही मालूम है, उन्हें केवल इतना ही जानने की आवश्यकता है। "क्यों," उसने कठोरतापूर्वक कहा, "अब तुम जाती क्यों नहीं ? तुमने मुझे सन्देश दिया और मैंने तुम्हें उत्तर दे दिया है।"

किन्तु वह अत्यन्त शान्त होकर बैठी रही और उसकी आँखें उत्सुकतापूर्वक उसका निरीक्षण करती रहीं। "अब बहुत अधिक विलम्ब हो गया है," उसने कहा, "स्काट के जरिये कोई सन्देश भेजने के लिए अब बहुत अधिक विलम्ब हो गया है।"

बहुत अधिक विलम्ब....तो स्काट एट्टली ने समिति को उसके सम्बन्ध में बता दिया है। कल रात को एट्टली बैठक में गया था, कल रात को एट्टली ने सूचित कर दिया था। "नहीं!" उसने तीक्ष्ण स्वर में कहा। उसने अपनी आँखों पर एक हाथ रख दिया, जिससे उसका आधा चेहरा ढँक गया। उसने अपने आपसे कहा, तुम साफ-साफ सोच भी नहीं सकते, तुम सोच भी नहीं सकते, योजना बनाने की तो बात ही दूर रही। "अब अत्यधिक विलम्ब हो गया है ?" उसने उसके शब्दों को दुहराया, मानो वह उन पर विश्वास करने से इनकार कर रहा हो।

तत्पश्चात् उसने अकस्मात् रोना की ओर देखा, उसकी आँखें संकुचित हो गयीं, उसका स्वर रुक्ष तथा सतर्कतापूर्ण हो गया। "तुम्हें कैसे मालूम कि अब अत्यधिक विलम्ब हो गया है ?" उसने जल्दी से कमरे को पार किया और वह उसके सामने आकर खड़ा हो गया। "तुम मेरे सम्बन्ध में अथवा स्काट के सम्बन्ध में अथवा पार्टी के सम्बन्ध में कोई भी बात किस प्रकार जानती हो ?"

रोना ने कोई उत्तर नहीं दिया। उसने क्लान्तिपूर्वक सोचा, तो सत्य बात यह है। अब समस्त भयंकर संदेह कटु सत्य के रूप में परिणत हो गये थे।

ओरपेन का क्रोध आकस्मिक और भयंकर था। "तुमने उसे दुर्बल बनाया। तुमने उसे नष्ट कर दिया।" तत्पश्चात् उसने स्वयं को संयमित कर दिया तथा अपने स्वर को इस प्रकार शान्त बना दिया, जो और भी भयानक था। "उसने तुमसे सब कुछ बता दिया, नहीं बताया क्या ?"

रोना ने अपना सिर हिलाया।

"और क्या उसने तुम्हें यह भी बताया कि वह किस दण्ड की आशा कर सकता है?"

रोना ने धीरे-धीरे, शान्तिपूर्वक, मानो वह किसी ऐसे व्यक्ति के सम्बन्ध में बात कर रही थी, जिसे वह मुश्किल से जानती थी, कहा, "उसकी मृत्यु हो गयी।"

ओरपेन ने अविश्वासपूर्वक उसकी ओर घूरकर देखा।

"कल रात को वह मुझसे मिलने के लिए आया था," रोना कहती गयी, "वह परेशान था। और भयभीत। तत्पश्चात्—वह मेरे यहां से चला गया। आज प्रातःकाल मैंने सुना कि उसने आत्महत्या कर ली है। वह एक भूमिगत ट्रेन के सामने कूद पड़ा।"

क्या वह झूठ बोल रही है? क्या वह यही जाल बिछाने के लिए आयी है? ओरपेन की आँखों ने उसके चेहरे का निरीक्षण किया। तत्पश्चात्, अचानक उसे मालूम हो गया कि वह सच बोल रही है।

"क्यों?" उसने अन्ततोगत्वा पूछा, "उसने ऐसा क्यों किया?" उसके चेहरे की रेखाएँ कठोर हो गयी थीं। वह अचानक दूर हट गया। वह एक कुर्सी के पास गया, किन्तु वह कुर्सी के पिछले भाग को पकड़कर खड़ा ही रहा, मानो वह जितना स्वीकार करता, उससे अधिक सहारे की उसे आवश्यकता थी। "क्यों?" उसने पुनः पूछा।

"उसके पिता भी यही प्रश्न पूछेंगे। मैं भी यही प्रश्न पूछती रही हूँ। किन्तु हमारे उत्तरों की अपेक्षा आपका उत्तर सत्य के अधिक निकट होगा।" उसने अपने हाथों की ओर देखा और उसे उस अंगूठी का अस्पष्ट सफेद निशान दिखायी पड़ा, जिसे वह पहना करती थी। "वह आपके समान जीवन व्यतीत करता था," उसने कहा, "वह आपके समान सोचना, आपके समान कार्य करना प्रारम्भ कर रहा था।" इस बात का खंडन करने के लिए उसे चुनौती देते हुए उसने अचानक उसकी ओर देखा। "कल रात को स्काट को जिस प्रकार की अनुभूति हुई होगी, उस प्रकार की अनुभूति क्या आपको कभी नहीं हुई है?"

ओरपेन ने कुर्सी को और कस कर पकड़ लिया। "नहीं!" उसने कटुतापूर्वक कहा। मुखबिर एट्टली...ओरपेन, क्या तुमने कभी मुखबिरी नहीं की है? उस समय तुम इसे मुखबिरी नहीं कहते थे, तुम इसे विश्वासघातियों और विध्वंसकारियों का मूलोच्छेदन कहते थे। कल रात को स्काट को जिस प्रकार की

अनुभूति हुई होगी, उस प्रकार की अनुभूति क्या तुम्हें कभी नहीं हुई है ?

"नहीं," ओरपेन ने कुर्सी को अपने से दूर ढकेलते हुए, जिससे वह मेज से जाकर टकरा गयी, पुनः कहा, "तुमने जिस प्रकार एट्टली को जाल में फँसा लिया था, उस प्रकार तुम मुझे नहीं जाल में फँसा सकती।"

"मैं आपको जाल में फँसा रही हूँ ?" उसने पूछा और उसकी आँखें फैल गयीं।

"तुम्हें यहाँ किसने भेजा ? एट्टली की मृत्यु हो गयी है। तुम्हें किसने भेजा ?"

"किसी ने भी नहीं।" क्या ओरपेन आदेशों, आशंकाओं और संदेहों के संसार में ही निवास करता है ?

ओरपेन ने पैनी दृष्टि से रोना की ओर देखा। तत्पश्चात् वह जल्दी से खिड़की के पास चला गया और पर्दे से काफी पीछे खड़ा होकर उसे धीरे-धीरे हिलाने लगा, जिससे वह सड़क का निरीक्षण कर सके।

रोना ने उठते हुए और उसके निकट आते हुए कहा, "आप एक सामान्य व्यक्ति की भाँति खिड़की से बाहर भी नहीं देख सकते। आप छिपते हैं, आप भयभीत हैं। आप कनखियों से देखे बिना सड़क पर चल भी नहीं सकते, मानो आपकी परछाईं उठ खड़ी होगी और आपकी निन्दा करने लगेगी और आप मेरे जगत् से भयभीत नहीं हैं। आप स्वयं अपने संसार से जितने भयभीत हैं, उसका आधा भी मेरे संसार से भयभीत नहीं हैं। आप इसमें क्यों रहते हैं ?" वह खिड़की के सामने जाकर खड़ी हो गयी।

ओरपेन ने उसकी कलाई को जोर से पकड़ लिया और वह उसे कठोरतापूर्वक कमरे के मध्य में घसीट लाया।

"मुझे जाने दीजिये !" रोना ने क्रोधपूर्वक कहा।

उसकी कलाई के ऊपर पकड़ मजबूत होती गयी। कल रात को, पकड़ मजबूत होती गयी थी।

"तुम्हें यहाँ किसने भेजा ?" ओरपेन ने पूछा।

"किसी ने भी नहीं," उसने कहा, "लोगों को सदा ही यह बताने की आवश्यकता नहीं होती कि उन्हें क्या करना चाहिए। मुझे जाने दीजिये।"

"और एट्टली ने तुम्हें जो कुछ बताया, उसे और कोई भी नहीं जानता है ?"

उसकी कलाई पर की पकड़ ने उसे चेतावनी दी। वह चुप रही।

उसने इस अवसर का लाभ उठाया। "क्या तुम एट्टली के सम्बन्ध में जानने वाली अकेली हो ?" उसने कहा।

उसने उसका निरीक्षण करते हुए धीरे से अपना सिर हिलाया।

"और कौन ?" उसने उपहास करते हुए पूछा।

"पुलिस....पुलिस रुचि ले रही है। और संघीय खुफिया-विभाग।"

वह हँसा। "वे रुचि ले रहे हैं ?" तत्पश्चात् उसकी मनःस्थिति पुनः उतने ही आकस्मिक रूप से बदल गयी और उसने कटुतापूर्वक कहा, "तुम झूठ बोल रही हो। हो सकता है कि स्काट ने तुम्हें बता दिया हो, किन्तु उसने उन्हें कुछ भी नहीं बताया होगा।"

"उन्हें मालूम है।" रोना ने कहा।

उसने उसकी कलाई को छोड़ दिया। "बैठ जाओ!" उसने आदेश दिया। वह उसके सामने खड़ा हो गया, उसके हाथ उसके कूल्हों पर थे, उसकी आँखें उसके चेहरे का बारीकी के साथ निरीक्षण कर रही थीं। "क्या स्काट पुलिस के पास गया था ? अथवा संघीय खुफिया-विभाग के पास ?"

उसने पुनः अपना सिर हिलाया।

"क्या तुम संघीय खुफिया-विभाग के पास गयी थी ?"

वह हिचकिचायी।

ओरपेन ने इस बात को लक्ष्य किया। "मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ," उसने अपने पुराने कटुतापूर्ण व्यंग्य के साथ कहा, "क्या आप संघीय खुफिया विभाग अथवा पुलिस के पास गयी थीं ? मुझे दोहरे खतरे को नहीं भूलना चाहिए।" उसने अपना सिर हिलाया और वह मुस्करा पड़ा। "कुमारी मेटफोर्ड, यह एक बहुत जबरदस्त चाल थी। उनमें से एक पर विश्वास किया जा सकता था। किन्तु दो तो थोड़े बहुत अधिक हो गये।"

रोना ने थकावट के साथ कहा, "जो जी में आये, वही अर्थ लगाइये।" मैं जो कुछ भी कहती हूँ, उसका अर्थ यह व्यक्ति अपनी ही तर्क-प्रणाली के अनुसार लगाता है। मुझे यहाँ आने के लिए आदेश दिया गया, मैं उसे जाल में फँसाने की कोशिश कर रही हूँ, मैं प्रच्छन्न धमकियों के साथ तर्क-वितर्क कर रही हूँ, मैं झूठ बोलती हूँ...क्या यह आवश्यक है कि वह सदा ही सत्य पर सन्देह करे।

"यदि तुम संघीय खुफिया विभाग के पास गयी थी," ओरपेन ने प्रत्यक्ष मनोविनोद के साथ कहा, "तो क्या तुम्हें मालूम है कि सम्प्रति वे क्या कर रहे हैं ? वे तुम्हारे सम्बन्ध में पता लगा रहे हैं, स्काट के सम्बन्ध में नहीं। कार्रवाई करने से पूर्व वे पहले तुम्हारे सम्बन्ध में यह देखने के लिए पता लगा

रहे हैं कि तुम विश्वसनीय हो अथवा नहीं। और यदि तुमने उन्हें केवल अनेक ऊलजलूल संदेह ही बताये, तो वे किस प्रकार कार्रवाई कर सकते हैं? उन्हें तथ्यों की आवश्यकता है।"

"तो आप अपने प्रचार में उन्हें जिस प्रकार के अत्याचारी बताते हैं, उस प्रकार के अत्याचारी वे नहीं हैं?"

उसके ओठ कस गये। "और तुम उन्हें कोई वास्तविक तथ्य नहीं बता सकी—तुम उन्हें केवल स्काट एट्टली के एक भावनात्मक विस्फोट से अवगत करा सकी। यदि वे कभी यह सिद्ध भी कर सके कि वह एक कम्यूनिस्ट था, तो उसका अर्थ कुछ भी नहीं होगा। कम्यूनिस्ट पार्टी का सदस्य होना कोई गैर-कानूनी काम नहीं है।" इस विचार से उसका मनोविनोद होता हुआ प्रतीत हुआ, क्योंकि वह मुस्कराया और उसने पुनः कहा, "कुमारी मेटफोर्ड, तुमने मेरे संसार के सम्बन्ध में घृणापूर्वक बात की है। किन्तु, कम से कम, हम उतने मूर्ख नहीं हैं, जितने मूर्ख व्यक्ति तुम्हारे संसार में निवास करते हैं।"

उसने अपने डेस्क पर पड़े हुए टेलिफोन की ओर देखा। "तुमने संघीय खुफिया विभाग को मेरे बारे में क्या बताया?" उसने पूछा, "अर्थात् क्या तुम उनके पास गयी थी।"

"मैं उनके पास नही गयी थी। वे मुझसे मिलने के लिए आये थे।" उसने कहा।

वह अत्यन्त शांत हो गया। तत्पश्चात् उसने पीछे मुड़ कर उसकी ओर देखा।

"आज प्रातः काल वे स्काट के सम्बन्ध में मुझसे मिलने के लिए आये थे।" वह कहती गयी, "ऐसा प्रतीत हुआ कि वे जानते हैं कि वह एक कम्यूनिस्ट था। मेरा विचार है कि वे उसका पीछा कर रहे थे। कल रात को वह इस बात से भयभीत था।"

ओरपेन का चेहरा कठोर हो गया। तत्पश्चात् वह जल्दी से टेलिफोन के पास पहुँच गया। उसने सोचा, मुझे यह खतरा उठाना ही होगा। हो सकता है कि इस टेलिफोन पर की जाने वाली बातें सुनी जाती हों, हो सकता है कि मेरे ऊपर निगरानी रखी जाती हो, किन्तु मुझे यह खतरा उठाना ही होगा। दूसरों को चेतावनी देना आवश्यक है। किन्तु वह टेलिफोन पर हाथ रखे हुए अभी तक हिचकिचा रहा था।

"क्या संघीय खुफिया विभाग को मालूम था कि उसकी मृत्यु हो गयी है?"

"मुझे उन्होंने ही बताया था।"

उसने धीरे से कहा, "मैंने जितना सोचा था, उसकी अपेक्षा तुम अधिक चालाक निकली, कुमारी मेटफोर्ड। तुम जानती हो कि प्रहार किस प्रकार और कब किया जाता है। क्या तुमने यह कल्पना की थी कि मैं इतना अधिक आतंकित हो जाऊँगा कि तुम मुझे संघीय खुफिया विभाग के पास जाने के लिए राजी कर लोगी? क्या तुम इसीलिए यहां आयी हो—मुझे राजी करने के लिए?"

"मैंने आशा की थी कि आप जायेंगे," उसने स्पष्टतापूर्व कहा, "किन्तु उन कारणों से नहीं।"

"तो फिर किन कारणों से?" उसने विस्मयपूर्वक रोना की ओर देखा। "क्या तुम वास्तव में यह विश्वास करती हो कि मैं विश्वासघाती हूँ?"

"मेरा विश्वास था कि हो सकता है कि आप में अब भी आत्मा हो।"

"आह!" उसने कटुतापूर्वक कहा, "मैं सोचता था कि तुम किसी न किसी प्रकार आत्मा का प्रश्न उपस्थित करोगी। तुममें उच्च नैतिक भावना के लिए सामान्य बुर्जुआ दुर्बलता विद्यमान है।"

उसने टेलिफोन उठाया और डायल घुमाया। वह अभी तक विचारमग्न होकर उसका निरीक्षण कर रहा था। तत्पश्चात्, उत्तर के लिए प्रतीक्षा करता हुआ, वह पुनः अभिव्यक्तिविहीन व्यक्ति, शांत, आदेशात्मक स्वर के साथ सफेद चेहरे वाला नकाब बन गया। उसने सावधानी के साथ दूसरी ओर के वक्ता को पहचाना। "जिम? मैं एड बोल रहा हूँ। मैं सम्प्रति इस स्थान को नहीं छोड़ सकता और मेरे सिगरेट समाप्त हो गये। कुछ सिगरेट लेकर आओ और तब हम लोग बात कर सकते हैं। धन्यवाद।"

उसने रिसीवर को रख दिया। "निराशा हुई?" उसने पूछा। "हाँ, जब जिम निकटतम सिगार-स्टोर पर पहुँच कर वहाँ से सुरक्षित रूप से मुझे फोन करेगा, तब सम्भवतः तुम्हें और बातें सुनने को मिलेंगी। किन्तु मुझे सन्देह है कि इस बार तुमने जितना समझा, उससे अधिक तुम समझ पाओगी!"

रोना खड़ी हो गयी थी।

"क्या जा रही हो?" उसने मुस्कराते हुए पूछा।

"आपने जो चाभी अपने पाकेट में रखी थी, उससे यदि आप दरवाजे के ताले को खोल दें, तो।"

"तुम अपनी पराजय को भलि भांति सहन कर लेती हो।" उसने कहा, "तुम वापस जा सकती हो और संघीय खुफिया विभाग के अपने मित्रों को बता

सकती हो कि यह छोटा-सा प्रयास बुरी तरह विफल हो गया। मुझे इस बात से अत्यधिक प्रसन्नता हुई है कि तुमने मुझे इतना महत्वपूर्ण समझा।"

रोना ने दरवाजे की ओर एक कदम बढ़ाया, किन्तु उसने रास्ता रोक दिया।

"अभी नहीं," ओरपेन ने कहा, "मुझे तुमसे कुछ प्रश्न पूछने हैं, कुमारी मेटफोर्ड। बैठ जाओ।"

टेलिफोन की घण्टी बज उठी।

"जिम ने शीघ्रता की!" उसने कहा। उसने कुछ संतोष के साथ सोचा, कम से कम, वे अब भी मेरी बातों पर ध्यान देते हैं। उसने रिसीवर उठाया। और विश्वासपूर्ण स्वर में उत्तर दिया। "जिम? मैं एड बोल रहा हूँ। मुझे खेद है कि मैं इस सप्ताह तुमसे नहीं मिल सका। चिन्ता मत करो, कोई गंभीर बात नहीं है—केवल पेट में दर्द है। अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ। मैं तुमसे जल्दी ही मिलना चाहता हूँ। आज शाम को? अच्छा। मुझे तुमसे बहुत सी बातें करनी हैं। और इसे एक पार्टी का रूप दे दो—पीटर और शेष मित्रों को निमंत्रित कर दो। मैं पार्टी देने की मनः स्थिति में हूँ...नहीं, इस सप्ताह मैं किसी से भी नही मिला। किसी से भी नहीं। मैक को छोड़कर। क्या उसने बताया कि मैं बीमार हूँ—बहुत अधिक बीमार? उसने ऐसा बताया? मैं सोचता हूँ कि यही तकलीफ है। हां, तुम मैक की बातों पर विश्वास नहीं कर सकते...मैंने कहा कि तुम मैक की बातों पर विश्वास नहीं कर सकते। मेरे स्वास्थ्य के सम्बन्ध में चिन्ता मत करो। और दूसरे व्यक्तियों को बता दो कि एक अपंग की भाँति मेरी देख-रेख करने की आवश्यकता नहीं है। एक बात और, मैक स्वयं इस प्रकार की अच्छी स्थिति में नहीं है। कोई आशा नहीं है। डाक्टर उसके पास आये थे। हां, यह गम्भीर है....मैं सममझता हूँ कि उसने कल रात को डाक्टरों को बुलाया।" ओरपेन ने रोना की ओर घूर कर देखा। "उसकी प्रेमिका मेरे पास समाचार लेकर आयी है। मुझे विश्वास हो गया है कि उसका कहना ठीक है। स्पष्ट बात यह है कि इस सप्ताह मेरी चिन्ताओं में से एक चिन्ता यह भी रही है। सोचा कि तुम तुरन्त जानना चाहोगे। बाद में तुमसे मिलूंगा।"

ओरपेन फोन की ओर देखता हुआ कुछ क्षणों तक खड़ा रहा। हाँ, उसने उन्हें चेतावनी दे दी थी कि स्काट एट्टली अब उनके लिए एक खतरा बन गया था। यह कहना भले ही अतिशयोक्तिपुर्ण हो कि स्काट एट्टली कल रात को संघीय

बुफिया विभाग के पास गया था। किन्तु एट्टली मर चुका था और अब उसकी गवाही नहीं मिल सकती थी। ओरपेन ने सोचा, यदि मैं प्रति-साक्षी प्रस्तुत कर सका, यदि मैं यह प्रमाणित कर सका कि एट्टली विश्वासघाती था, उसकी झूठी बातें समिति को भ्रम में डालने, मेरे ऊपर प्रहार करने, हमारे कार्य को खतरे में डालने के लिए किया गया एक प्रयास था ?—हाँ, यही मेरा पक्ष है। एट्टली की मृत्यु इसे प्रबल बना देती है।

वह डेस्क पर से हट गया और उस स्थान पर आया, जहां रोना अभी तक खड़ी थी।

"बैठ जाओ।" उसने शांतिपूर्वक कहा।

रोना ने उसकी ओर भयपूर्वक देखा। वह एक कदम पीछे हट गयी। "मैं आप के पास स्काट की मृत्यु का समाचार लेकर आयी," उसने कहा, "और आप ने उसका उपयोग—"

"एट्टली को कलंकित करने तथा अपने नाम को निष्कलंक बनाके के लिए किया है ? किन्तु तुम गलती पर हो, कुमारी मेटफोर्ड। विश्वासघाती एट्टली था, मैं नहीं।" वह रुक गया। वह अचानक सतर्क होकर सीढ़ियों पर आदमियों की आवाज़ों को सुन रहा था। एक आदमी के कदम इस ओर आ रहे थे।

रोना ने कहा, "आपके मित्र ? आखिर, उन्होंने आपके ऊपर विश्वास नहीं किया। आप उनके लिए अब भी 'बीमार' हैं, ओरपेन जी।"

वह उसकी ओर मुड़ पड़ा और उसने उसकी बांह को पकड़ कर तथा उसे उसकी पीठ के पीछे मरोड़ते हुए उसके मुँह को अपने हाथ से बन्द कर दिया। उसने अपने डेस्क पर रखे हुए बाक्स की ओर, उस अन्तिम सूची की ओर, जिसे उसने लिखा था, किन्तु अभी तक नष्ट नहीं किया था, निराश होकर देखा। "अभी तक !" उसने उसके शरीर पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाते हुए, उसकी बांह को उसकी रीढ़ पर और अधिक ऊपर ले जाकर दबाते हुए, धीरे से कहा।

उसने अपने पैरों को हिलाने का, थोड़ी-सी भी आवाज करने का प्रयास किया। किन्तु पीड़ा ने उसे मौन कर दिया। कल रात को पकड़ मजबूत हो गयी थी, कल रात को.....आतंक और मिचली लौट आये। जब दरवाजे की घण्टी बजी, जब उसने एक आवाज सुनी—एक आवाज, जो पाल की आवाज के समान मालूम पड़ती थी, 'रोना !' कह कर पुकारती हुई एक आवाज—तभी वह फर्श पर लुढ़क कर गिर पड़ी। अस्पष्ट और उसके ऊपर तथा उसके चारों

ओर व्याप्त अंधकारमय नीरवता में मन्द होती हुई आवाज चली गयी थी। पीड़ा समाप्त हो गयी थी। कमरे का विस्तार अनन्त हो गया था; दरवाजा पीछे हटता गया, और अधिक पीछे हटता गया, वह दूरी में विलीन होता गया, वह छोटा होता गया, जब तक वह विलुप्त नहीं हो गया।

ओरपेन ने अपनी पकड़ को मजबूत बना दिया। उसकी बेहोशी एक बहाना था ? उसे कोई भी खतरा उठाने का साहस नहीं करना चाहिए। वह निश्चल भार को अपने शरीर से हटा कर पकड़े हुए खड़ा रहा, वह अपने हाथ से उसके मुंह को अभी तक बन्द किये हुए था।

थोड़ी देर बाद द्वार का खटखटाया जाना बन्द हो गया और कदम पीछे हटने लगे। ".....वहां बिल्कुल कोई नहीं है।" एक पुरुष की आवाज ने कहा। कदम जल्दी-जदी उठ रहे थे, उनकी आवाज अधिकाधिक मन्द होती जा रही थी और वह केवल दूर पर होने वाली एक आवाज के समान होती जा रही थी।

तत्पश्चात् ओरपेन हटा और वह रोना को खींचकर एक आरामकुर्सी के पास ले गया। उसने सोचा, उसे धीरे-धीरे होश में आने दो; वह जितना ही धीरे-धीरे होश में आयेगी, मैं उतना ही अधिक सुरक्षित रहूँगा। वह जल्दी से दरवाजे के पास पहुँच गया ओर वहां खड़ा होकर सुनता रहा। किन्तु कदमों की आवाज समाप्त हो गयी थी। उसने एक पाइप सुलगायी। उसके हाथ कांप रहे थे, उनके भय को देख कर उसकी परेशानी बढ़ती जा रही थी। उसने सोचा, मैंने अपने जीवन में हिंसा का प्रयोग कभी नहीं किया है। मैं संत्रस्त हूँ, बस इतनी ही बात है। एट्टली का विश्वासघात, मेरा खतरा, पार्टी के लिए खतरा—इन सभी बातों ने मुझे संत्रस्त बना दिया है। उसने रोना की ओर देखा। उसने सोचा, और इस लड़की ने भी, जिस प्रकार वह बात करती है। जिस प्रकार वह मेरे शब्दों को तोड़ती-मरोड़ती है...—मैंने अपने जीवन में कभी हिंसा का प्रयोग नहीं किया है, उसने अपने आप को शांत करने का प्रयास करते हुए पुनः कहा। किन्तु उसने सोचा कि यदि इस लड़की ने उसकी बात को सुना, तो वह क्या कहेगी। वह कहेगी—"तुम जानते हो कि हिंसा का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है, तुमने कामरेडों को लापता होते हुए देखा है और तुमने कभी प्रश्न नहीं पूछा, तुमने जैक का परित्याग कर दिया है और उसकी मृत्यु से सम्बन्धित सन्देहों को मौन बना दिया है, तुमने—" उसने अपने आप से कहा, इसे बन्द करो, बन्द करो इसे।

उसने लड़की की ओर घूर कर देखा। हाँ, वह यह सोचना प्रारम्भ कर सकता था कि उसने किस प्रकार एट्टली को दुर्बल बना दिया था। एट्टली की हत्या उसी ने की थी। उसने सफेद चेहरे की ओर, मुलायम काले बालों की ओर घूर कर देखा।

रोना ने अपनी आँखें खोलीं, उसके ओठ खुले, उसने अपने गले पर एक हाथ रखा। धीरे-धीरे उसने बैठने का प्रयास किया। उसने असहाय होकर चारों ओर देखा, तत्पश्चात् उसने ओरपेन की ओर देखा।

वह चुपचाप उसके लिए एक गिलास पानी लाया। उसके कदम एक बार पुनः निश्चयपूर्ण हो गये, उसका चेहरा शान्त था। वह एक कुर्सी खींच कर उसके सामने बैठ गया। "अब," उसने शान्तिपूर्वक, प्रायः कोमलतापूर्वक कहा, "मुझे बताओ कि स्काट ने तुम से क्या कहा था। सारी बातें।" वह उसकी केहुनी के पास पड़ी हुई छोटी मेज के पास पहुँचा और उसने सिगरेटों का एक फटा हुआ पैकेट उठाया। उसने उसकी ओर एक सिगरेट एक सुखद मुस्कान के साथ यह कहते हुए बढ़ायी कि वह स्वयं सिगरेट नहीं पीता है तथा ये सिगरेटें गत सप्ताह हुई एक पार्टी से बच गयीं थीं। रोना ने थोड़ी-सी मुड़ी हुई, मसली हुई सिगरेट को लेने से इनकार कर दिया। वह बेचैनी का अनुभव कर रही थी, किन्तु उसने इसका बहाना नहीं बनाया। उसे इस बात का पता कदापि नहीं लगना चाहिए कि किस प्रकार उसकी बांह पर उसके हाथ का स्पर्श, उसके मांस पर उसकी अंगुलियों की अनुभूति उसे इतना अधिक भय-भीत—समस्त तर्क से परे भयभीत, समस्त नियंत्रण से परे भयभीत—बना सकती है।

उसने खिड़की की ओर देखा। "कृपया," उसने कहा, "कमरे में तनिक भी हवा नहीं है। मैं साँस नहीं ले सकती।"

वह उठा। वह हिचकिचाया। तत्पश्चात् उसने मकान के पिछले भाग में स्थित छोटे-से अंधेरे कमरे के द्वार को खोल दिया। वहाँ अस्त-व्यस्त बिस्तर की बगल में फर्श पर एक सूटकेस पड़ा हुआ था और उसके चारों ओर कपड़ों, किताबों और कागजों के ढेर पड़े हुए थे। उसने बिखरे हुए सामानों के ऊपर सावधानीपूर्वक कदम रखा। (वह सोच रहा था, अब मुझे इसकी सफाई करनी होगी। वह अपने चारों ओर बिखरे हुए पलायन के प्रमाण को देख कर खिन्नतापूर्वक मुस्करा भी सका।) वह खिड़कियों के पास पहुँचा और उसने भारी 'शटरों' को खोल दिया। तत्पश्चात् उसने खिड़की का ताला खोला और

उसके ऊपरी आधे भाग को कुछ इंच नीचे सरका दिया। वह मुड़े 'शटरों' से सटकर खड़ा हो गया और नीचे ऊँची दीवार वाले सहन की ओर देखने लगा। वहाँ सुपरिण्टेण्डेण्ट का कुत्ता था, वह एक विशालकाय पशु था, जो अग्नि-पलायन-मार्ग पर इस प्रकार पहरा देता था, मानो ओरपेन ने उसे स्वयं प्रशिक्षित किया हो। ओरपेन की मुस्कान गहरी हो गयी।

वह बैठकखाने में वापस आ गया। लड़की उसी प्रकार बैठी हुई थी, जिस प्रकार वह उसे छोड़कर गया था। उसने सोचा, संघर्ष करने की, सारी क्षमता उसकी समस्त प्रतिरोध-शक्ति समाप्त हो गयी है। उसने खुली हुई खिड़की की ओर पीछे मुड़ कर देखते हुए, अत्यधिक सद्भावना के साथ कहा, "अभी तो इसी से काम चलाना होगा। फिर भी, यह घेराबन्दी शीघ्र ही समाप्त हो जाएगी। वास्तव में यह समाप्त हो गयी है। क्योंकि दरवाजे पर चाहे जो भी व्यक्ति आया हो, उसकी दिलचस्पी मुझमें नहीं है। उसकी दिलचस्पी केवल तुममें है, कुमारी मेटफोर्ड। और वह निश्चित रूप से इस बात को भी नहीं जानता है कि तुम यहाँ हो। अतः कोई भी व्यक्ति नहीं जानता कि तुम यहां हो। क्या यह बात ठीक नहीं है?"

वह उसके सामने की कुर्सी को और अधिक नजदीक खींचता हुआ उस पर बैठ गया। "अब इसके पूर्व कि मैं अपनी बैठक के लिए रवाना होऊँ, मुझे स्काट एट्टली के सम्बन्ध में बता दो। मेरे लिए जानना आवश्यक है। तुम समझती हो?" उसका स्वर उदारतापूर्ण, आश्वासनदायक था। पहले ओठों पर एक मुस्कान थी। किन्तु चश्मे के पीछे भूरी आँखें सर्द और कठोर थीं।

अध्याय—२६

पाल हैन ओरपेन के निवास-स्थान से दौड़ता हुआ संकरी सीढ़ियों से नीचे उतर गया। उसके पीछे सुपरिण्टेण्डेण्ट था, जो काफी जल्दी-जल्दी चल रहा था, किन्तु जो टूटे हुए 'लिनोलियम' और ढालू मार्ग पर अधिक ध्यान दे रहा था। उनके शोरगुल को सुन कर तीसरी मंजिल की देहरी पर एक औरत आ गयी, जिसके हाथ में अभी तक आलुओं का एक बर्त्तन था। "तुम लोग अपने को क्या समझते हो?" उसने हिलती हुई 'हैण्डरेल' के ऊपर झुक कर उनकी ओर चिल्ला कर कहा, "सेंध मारने वाले चोर?" और अपना विरोध प्रकट कर

चुकने के बाद और तेज आवाज के साथ द्वार को बन्द कर उसे प्रबल बना चुकने के बाद वह आलू चीरने के लिए वापस चली गयी।

हाल में पाल ने सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर कोई ध्यान नहीं दिया, बल्कि दीवार से लटकते हुए टेलिफोन के पास सीधे चला गया। उसने एक सिक्का निकाला और टाइसन-दम्पति का नम्बर मिलाया। जैसी कि उसे आशा थी, उसे कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ। रोना चली गयी थी। उसने सोचा, सम्भवतः उसे देर हो गयी है, सम्भवतः वह यहाँ आ ही रही है। उसने यह कल्पना करने की कोशिश की कि रोना ने बारबारा को सुरक्षा के लिए कहां छोड़ा होगा, किन्तु उस प्रश्न का उत्तर वह बिल्कुल ही नहीं ढूंढ़ सका। हाँ, उसने सोचा, मैं राजर ब्राउनली को पकड़ूंगा। वह सघीय खुफिया विभाग में अपने मित्रों से सम्पर्क स्थापित कर सकता है और इस बात का पता लगा सकता है कि रोना कहाँ है—आखिर, ऐसा कहा जाता है कि वे उसकी निगरानी कर रहे हैं।

"क्या आपके पास रेजगारी है ?" उसने अपने पाकेट में मिले छुट्टे सिक्कों को बाहर निकालते हुए सुपरिण्टेण्डेण्ट से पूछा—वे पचास सेण्ट का एक सिक्का तथा कुछ पेनियों के सिक्के थे।

उस व्यक्ति ने अपना सिर हिलाया। "मैं जानता हूँ !" उसने अचानक सहायक बनते हुए कहा और उत्सुकतापूर्वक सामने के दरवाजे को खोल दिया। "ऐ सुनो !" उसने मजदूरों को पुकारा, "क्या तुममें से किसी के पास रेजगारी है ? यहाँ हमारा काम रुक गया है।"

एक मजदूर शीघ्रतापूर्वक उठा और वह मकान में चला आया। "अवश्य !" उसने कहा। वह अपना पाकेट टटोलता हुआ, दौड़ कर सीढ़ियों के ऊपर पहुँच गया।

"धन्यवाद !" पाल हैन ने कहा, "यह महत्वपूर्ण बात है।" उसने लाल बालों वाले नवयुवक व्यक्ति की ओर, जो काम से गन्दा हुआ जीन का पतलून तथा सूती बनियाइन पहने हुए था, देखकर कृतज्ञतापूर्वक सिर हिलाया और एक बार पुनः फोन की ओर घूम गया।

द्वारमार्ग में खड़ा वह व्यक्ति हिचकिचाया, उसकी पीठ अब चमकती हुई सड़क की ओर थी, जिस पर दोपहर की निस्तब्धता व्याप्त थी। उसने सुपरिण्टेण्डेण्ट से एक संक्षिप्त संकेत प्राप्त किया। तत्पश्चात् उसने कहा—"क्या यहाँ पीने के लिए थोड़ा पानी मिलेगा ?" उसके गोल, सुन्दर प्रकृति के द्योतक चेहरे की सहज मुस्कान समाप्त हो गयी थी। उसकी आँखें एक भिन्न ही प्रश्न

पूछ रही थीं।

"अवश्य," सुपरिण्टेण्डेण्ट ने जल्दी से कहा, "स्वयं ले लो।" उसने हाल के पिछले भाग में स्थित दरवाजे की ओर इशारा किया। "मैं तुम्हारे लिए एक खाली बोतल ढूँढ़ कर लाता हूँ।" उसने मजदूर के पीछे-पीछे जाते हुए कहा। दोनों व्यक्ति भूमिगत मंजिल को जाने वाली सीढ़ियों के नीचे गायब हो गये।

देहरी पर सूरज की रोशनी फैल गयी, जिससे पीली हो गयी दीवार की दरारें तथा गन्दे 'लिनोलियम' पर पड़ी हुई धूल की रेखाएँ प्रकट हो गयीं। पाल रिसीवर को कान से लगाये हुए तथा बारम्बार सुनायी देने वाली घंटी की आवाज को, जो उसे बता रही थी कि ब्राउनली का कार्यालय उतना ही सुनसान है, जितना वह संकीर्ण हाल, सुनता हुआ प्रतीक्षा करता रहा। वह यह मालूम हो जाने के बाद भी बहुत देर तक सुनता रहा कि अब और अधिक कोशिश करना बेकार है। चिन्ता के मारे उसकी आँखों में अंधेरा छाने लगा था, उसके जबड़े बन्द थे। तत्पश्चात उसने रिसीवर को उसके बाक्स में अटका दिया। किन्तु वह दरार पड़े हुए पलस्तर तथा धूल से भरे हुए फर्श की ओर घूर कर देखता हुआ अब भी वहाँ खड़ा रहा।

"आप जानते हैं," सुपरिण्टेण्डेण्ट ने हाल में वापस लौटते हुए कहा, "ओरपेन ऊपर ही है।" उसने अपनी केहुनी के पास खड़े लाल बालों वाले मजदूर की ओर देखा। "आज प्रातःकाल जब मैं सबसे ऊपर की मंजिल पर बत्तियाँ ठीक कर रहा था, तब मैंने उसकी चहलकदमी की आवाज सुनी।"

"आपने मुझे पहले ही क्यों नहीं बताया?" पाल ने क्रोधपूर्वक पूछा।

"इससे आपको कोई बहुत अधिक लाभ नहीं हुआ होता," सुपरिण्टेण्डेण्ट ने कहा, "वह मृत्यु का बहाना किये हुए है। ज्योंही वह किसी व्यक्ति की आवाज सुनता है, त्योंही वह इस प्रकार मौन हो जाता है, मानो वह मर गया हो। अनुमान तो कीजिये कि वह यह बहाना करना चाहता है कि वह देहात में अपनी मौसी के पास गया है।"

पाल हैन की भौंहें टेढ़ी हो गयीं। उसका चेहरा विचार-मग्न दिखायी देने लगा। "क्या बिल-कलक्टर परेशान कर रहे हैं?" उसने सुझाव दिया, किन्तु यह स्पष्ट था कि उसने जो कुछ कहा, उस पर वह विश्वास नहीं करता था।

सुपरिण्टेण्डेण्ट ने हैन को ऊपर से नीचे तक देखा। "हाँ," उसने कहा, "मेरा अनुमान है कि यही बात है।"

"आप जानते हैं," पाल ने कहा, "पुलिस के किसी सिपाही को बुलाना तथा इस बात का पता लगाना कि ऊपर क्या गड़बड़ी है, एक उत्तम बात हो सकती है। ओरपेन बीमार हो सकता है।" वह खिन्नतापूर्वक मुस्कराया। "हमें हथौड़े से उसका दरवाजा तोड़कर भी अन्दर प्रवेश करना पड़ सकता है। क्या कोई कुल्हाड़ी उधार मिल सकती है?" उसने मजदूर से पूछा, जो खड़ा होकर और बातें सुनते हुए अपने भोजन-काल के अन्तिम दस मिनटों को व्यतीत करने से आनन्दित प्रतीत हो रहा था।

लाल बालोंवाले व्यक्ति ने उसकी ओर घूर कर देखा और उसके बाद उसने सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर देखा।

"भूल जाइये इस बात को," पाल ने कहा, "इस क्षण दरवाजे की घण्टी का उत्तर न देनेवाले एक व्यक्ति की अपेक्षा मुझे अन्य बातों के सम्बन्ध में सोचना है।" उसने क्रोधपूर्वक बाहर सड़क की ओर देखा।

"मैं उस लड़की के सम्बन्ध में आश्चर्य करता रहा हूँ," लाल बालों वाले व्यक्ति ने कहा, "क्या वह एक नीला ड्रेस पहने हुए थी?"

पाल ने असहाय-सा होकर उस व्यक्ति की ओर देखा। "मैं नहीं बता सकता।" उसे याद आया कि रोना बहुत अधिक नीले कपड़े नहीं पहना करती।

"क्या वह—" मजदूर ने कहना प्रारम्भ किया, किन्तु द्वार पर हल्के कदमों की आवाज सुनकर वह रुक गया। उसने एक सफेद बालोंवाले, पतले, औसत ऊँचाई के, सतर्क चेहरेवाले व्यक्ति को मकान में आते हुए देखा।

"क्या कोई गड़बड़ बात हो गयी है, पाल?" नवागन्तुक कह रहा था।

हैन सीधा हो गया। "आपका कहना बिल्कुल ठीक है," उसने राजर ब्राउनली से क्रोधपूर्वक कहा, "रोना यहाँ नहीं है।"

"यह तो विचित्र बात है," ब्राउनली ने कहा "मैंने उस एजेण्ट को, जो उसके ऊपर नजर रख रहा है गली में खड़ी की गयी एक कार में बैठे हुए देखा। यदि वह यहाँ नहीं होती, तो वह इतने आराम के साथ वहाँ बैठा नहीं रहता।" उसने सुपरिण्टेण्डेण्ट और काम करने के कपड़े पहने हुए लाल बालों वाले व्यक्ति की ओर देखा। "मैं संघीय खुफिया विभाग से बात करूँगा। उन्होंने लापरवाही से काम लिया है।" उसने पुनः सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर देखा। "पाल, तुम दौड़ कर जाओ और भूरे रंग की प्लाइमाउथ में बैठे उस व्यक्ति से बात करो। मैं सोचता हूँ कि वह वही व्यक्ति है, जिससे तुम कल रात को मिले थे।"

पाल ने अपने पीछे सीढ़ियों के ऊपर देखा। "मैं ओरपेन के साथ बातचीत

प्रारम्भ करना अधिक पसन्द करूंगा ।" उसने उदास होकर कहा ।

"हमें इस बात का निश्चित ज्ञान हो जाना चाहिए कि हम लोग सही हैं ।" ब्राउनली ने कहा ।

तभी सुपरिण्टेण्डेण्ट एक कदम आगे बढ़ आया । "आपकी समस्या क्या है ?" उसने पूछा । उसके स्वर की दीर्घता समाप्त हो गयी थी । "सम्भवतः यही समस्या हमारी भी है ।"

लाल बालों वाले मजदूर ने कहा—"आधा घण्टे से अधिक समय हुआ, नीला ड्रेस पहने हुए काले बालों वाली एक लड़की ऊपर गयी थी । ठीक है ?" उसने पुष्टि के लिए सुपरिण्टेण्डेण्ट की ओर देखा ।

पाल ने एक कदम आगे बढ़ाया ।

ब्राउनली ने पाल की बाँह पकड़ ली और उसे पीछे खींच लिया । "शान्त हो जाओ, पाल । उसे मालूम नहीं था कि तुम कौन हो ।"

सुपरिण्टेण्डेण्ट ने सिर हिलाया । "इस बात को निश्चित रूप से जान लेना आवश्यक था कि आप लड़की के बहाने ओरपेन के पास नहीं पहुँचना चाहते ।" उसने जितनी परेशानी के साथ पाल की ओर देखा, उससे अधिक परेशानी के साथ उसने ब्राउनली की ओर देखा । "हमने लापरवाही से काम नहीं किया था ।" उसने कहा, "ओरपेन अभी तक यहीं है । और आज प्रातः काल यदि हम लोग यहाँ नहीं होते, तो वह यहाँ नहीं होता ।" उसने अम्बुलेन्स तथा सफेद वर्दी वाले परिचारकों के सम्बन्ध में सोचा, जिन्होंने उसे यह विश्वास दिलाने का प्रयत्न किया था कि ओरपेन ने फोन करके उन्हें तत्काल बुलाया था । जब उसने अस्पताल से पूछना प्रारम्भ किया, तब वे अचानक चले गये थे । "हे, कहाँ जा रहे हैं ?" उसने पाल से पूछा ।

"ऊपर ," पाल ने सीढ़ी पर से कहा , "अथवा क्या आप अब भी सोचते हैं कि मैं ओरपेन की हत्या करने के लिए आया हूँ ?"

"पिछले भाग का अग्नि-पलायन मार्ग अधिक सुगम हो सकता है ।" सुपरिण्टेण्डेण्ट ने धीरे से कहा, "उसके उस दरवाजे को खोलना इतना आसान नहीं है ।"

पाल सीढ़ियों के प्रथम समूह के बीच में ही रुक गया और उसने अपने कदमों को पीछे हटा लिया । "मकान के पीछे ?" वह पहले ही उनकी बगल में पहुँच गया था । और भूमिगत मंजिल की ओर जाने वाले हाल के दरवाजे की ओर बढ़ रहा था । " क्या यह रास्ता मुझे सहन तक पहुँचा देगा ?"

"हाँ। और नीचे जो व्यक्ति आपको दिखायी देगा, उससे कह दीजिये कि फ्रैंक ने आपको भेजा है। वह आपको कुत्ते से बचा देगा।"

ब्राउनली ने एक भौंह ऊपर उठायी। "कामरेड ओरपेन बहुत अधिक प्रभावित होंगे। क्या वह इतना महत्वपूर्ण है?"

सुपरिण्टेण्डेण्ट ने इस बात की उपेक्षा कर दी। "लापरवाही" वाली बात अभी तक उसके कानों में गूँज रही थी। वह पाल हैन के पीछे भूमिगत मंजिल के द्वार को बंद होते हुए देख रहा था। "हां, वह हमारा सर्वोत्तम दाव है," उसने कहा, "वे ऊपर जायेंगे और मकान में घुस पड़ेंगे तथा सम्भवतः उस संघर्ष में उलझ जायेंगे, जिसके लिए वे उत्सुक हैं। हम लोग पुलिस के एक सिपाही को बुलायेंगे और असंयमपूर्ण व्यवहार के लिए ऊपरी मंजिल के समस्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लेंगे। लुई।" वह लाल बालों वाले व्यक्ति की ओर घूम गया। "पुलिस के एक सिपाही को बुलाओ।"

"ठीक है।" लुई ने कहा। जाते हुए वह मुस्कराया; पुलिस के सिपाही को जब इस बात का पता चलेगा कि हम लोगों ने क्या उत्पात मचा रखा है, तब वह भयंकर रूप से क्रुद्ध हो जायेगा।

सफेद कमरबंद पहने हुए एक किराना क्लर्क को एक बड़ा-सा बाक्स लेकर हाल में आने देने के लिए वह द्वार-मार्ग पर एक ओर हट गया।

"यह तो तुम बहुत-सा किरानी माल लेकर आये हो, बंधु!" सुपरिण्टेण्डेण्ट ने आगंतुक को देखते हुए कहा। वह नवयुवक था—उसकी उम्र लगभग बाईस वर्ष की थी, उसका शरीर पतला, किन्तु फुर्तीला था, उसकी आँखें भूरी थीं, बाल सुन्दर थे, ठोड़ी लम्बी, नाक तीक्ष्ण, भौंहें असम, चेहरा संकीर्ण और उसके कान बड़े-बड़े थे।

"एक दूसरा बोझ मात्र है।" उस व्यक्ति ने ढालुवा सीढ़ियों के एक दम नीचे अपने पाँव को सन्तुलित करते हुए कहा। सुपरिण्टेण्डेण्ट ने लक्ष्य किया कि वह पुराना सैनिक पैण्ट और एक नीली कमीज, जिसका रंग उड़ गया था और जिसकी आस्तीनें मुड़ी हुई थीं, पहने हुए था; उसका कमरबन्द गंदा हो गया था, कमीज के ऊपरी पाकेट में एक आटोमेटिक पेंसिल खोंस कर रखी हुई थी, उसने भूरे रंग के जूते पहन रखे थे तथा वह एक कलाई घड़ी लगाये हुए था।

"यह सब कहां जा रहा है?" एक पाव रोटी, 'सेलेरी', पत्ते सहित गाजर अंडों का एक डिब्बा और उसके नीचे और अधिक सामान।

उस व्यक्ति ने बाक्स पर से अपनी पकड़ को हटा लिया। उसने सुपरि-

टेण्डेण्ट की ओर और तत्पश्चात् ब्राउनली की ओर देखा। "ओरपेन के पास!" उसने कहा। ऐसा प्रतीत हुआ कि अपने काम से उसका जी उकता गया है।

"क्या तुम्हें मालूम है कि उसका कमरा कहां है?" सुपरिण्टेण्डेण्ट का स्वर साधारण था, उसकी आँखें सतर्कतापूर्ण थीं।

उत्तर देने से पूर्व उस व्यक्ति ने 'गम' की एक गोली को एक पतले गाल से दूसरे गाल में सरकाया। "नहीं," उसने कहा, "वह कहाँ है?"

"सबसे ऊपर की मंजिल पर।"

"मेरी तकदीर ही ऐसी है।" अपने सिर को तिरछा करके हिलाते हुए बोलते समय उसने सीढ़ियों की ओर देखा।

"तुम इसे यहीं छोड़ सकते हो," सुपरिण्टेण्डेण्ट ने कहा, "मैं इसे ऊपर पहुँचा दूंगा।"

"स्वयं जाकर ही देना होता है। स्टोर के नियम ही ऐसे हैं।"

"इसे यहीं छोड़ दो!"

"और अपनी नौकरी से हाथ धो लूं?" वह व्यक्ति रुका नहीं। सुपरिण्टेण्डेण्ट और ब्राउनली ने एक दूसरे की ओर देखा। तत्पश्चात् वे उसके पीछे-पीछे दौड़े। सुपरिण्टेण्डेण्ट ने उसकी बांह पकड़ ली। "हे!" उस व्यक्ति ने कहा। वह परेशान और क्रुद्ध हो गया और बोला, "क्या कोई व्यक्ति अपना अपना काम भी नहीं कर सकता?"

"यह सामान किसने मँगाया?" सुपरिण्टेण्डेण्ट ने बाक्स के भीतर देखा। उसने अंडों के डिब्बों को खोला। वे अंडे ही थे। उसने 'सेलेरी' और गाजरों को देखा। पाव रोटी बिल्कुल नरम थी, उसमें कुछ भी छिपाकर नहीं रखा गया था। नीचे भी केवल किराना सामान ही थे।

"हे, बात क्या है?" उस व्यक्ति के चेहरे पर अचानक भयंकरता आ गयी।

"यह सामान किसने मंगाया?" सुपरिण्टेण्डेण्ट ने दुहराया।

"उसने मंगाया।" उस व्यक्ति ने अपना अंगूठा ऊपर की ओर दिखाया। "उसने फोन किया था। आवश्यक।"

"जरा रुको। मैं उसका पता लगा सकता हूँ।" सुपरिण्टेण्डेण्ट जल्दी-जल्दी नीचे भूमिगत मंजिल की ओर चला गया।

ब्राउनली ने सोचा, तो ओरपेन के टेलिफोन के तार को 'टैप' किया जा रहा है। और वह मुस्करा पड़ा, क्योंकि वह किसी काम का भली प्रकार किया

जाना पसन्द करता था।

"इतनी विचित्र बात क्या है ?" उस व्यक्ति ने पूछा। उसने चिन्तापूर्वक सुपरिण्टेण्डेण्ड के पीछे देखा।

"अधिक अच्छा होगा कि तुम यहां प्रतीक्षा करो," ब्राउनली ने कहा, "कुछ भी हो, जल्दी क्या है ?"

"मुझे दूसरी जगह भी सामान पहुँचाना है। आज हमारे यहां आदमियों की कमी है।" किन्तु उसकी आँखों में व्यग्रता की झलक थी। उसने अपनी कलाई पर बंधी हुई घड़ी की ओर देखा। "डेढ़ तो पहले ही बज चुके हैं।" उसने क्रोधपूर्वक देखा। और वह हिचकिचाता हुआ प्रतीत हुआ, मानो वह कोई निश्चय कर रहा हो। उसने सीढ़ियों की रेलिंग पर से नीचे भूमिगत मंजिल की ओर जाने वाले द्वार की ओर देखा। ब्राउनली ने सोचा, वह डर गया है; वह सुपरिण्टेण्डेण्ट से झूठ बोला है।

"ठीक है, ठीक है !" उस व्यक्ति ने अप्रत्याशित रूप से कहा, "आप ही इसे पहुँचा दीजिये।" उसने बाक्स को नीचे सीढ़ी पर रख दिया और सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।

किन्तु ब्राउनली ने उसके रास्ते को रोक लिया। "हाँ, हम लोग साथ-साथ नीचे चलेंगे और सुपरिण्टेण्डेण्ट के साथ बात करेंगे। ठीक है ?"

वह व्यक्ति पीछे हटता हुआ, ब्राउनली की ओर घूरकर देखता हुआ रुक गया और तत्पश्चात् उसी क्षण उनके ऊपर तीसरी मंजिल की देहरी पर एक दरवाजा खुला और एक औरत चिल्लाती हुई बाहर निकली। रेलिंग के ऊपर झुककर उसने जोर से थाली साफ करने का एक तौलिया हिलाया। "पुलिस को बुलाओ !" उसने चिल्लाकर कहा, "अग्नि-पलायन मार्ग पर एक व्यक्ति है। वह ऊपरी मंजिल के कमरे में घुस रहा है—पुलिस को बुलाओ !"

सुनते समय उस व्यक्ति का घूरकर देखना गहरा हो गया। एक क्षण तक वह निश्चल खड़ा रहा और तत्पश्चात् उसका चेहरा कठोर हो गया तथा वह मुड़कर सीढ़ियों के ऊपर दौड़ने लगा। ब्राउनली ने उसके पीछे दौड़ना प्रारम्भ किया। नीचे शोर-गुल हो रहा था। दरवाजे खुल गये। आवाजें निकलने लगीं और प्रश्न करने लगीं। मकान में तरह-तरह की आवाजें गूँजने लगीं।

ब्राउनली दौड़ता गया। उसके कानों में खून बहने लगा, उसका सीना दर्द करने लगा, उसके जूतों में सीसे के तल्ले लगे हुए थे, उसकी जांघों की मांस-पेशियों में दर्द होने लगा। फिर भी वह दौड़ता रहा। और वह आगे बढ़ता जा

रहा था। वह दौड़ते हुए व्यक्ति से केवल तीन सीढ़ियां, एक हाथ दूर रह गया था। किन्तु वहाँ ठीक सामने ही ओरपेन की देहरी थी। वह फिसलता हुआ उसके ऊपर जाकर लुढ़क गया तथा उसका हाथ पेंसिल लेने के लिए उसके पाकेट में पहुँच गया। उसने उसे निकाल लिया और जोर से उसे मरोड़ दिया। ब्राउनली उसकी बाँह को पकड़ने का प्रबल प्रयास कर ही रहा था कि उसने पेंसिल को ओरपेन के दरवाजे पर फेंक दिया। मरोड़ी हुई पेंसिल, जो देखने में मामूली और निर्दोष प्रतीत होती थी, चौखट के किनारे पड़ी हुई थी।

ब्राउनली ने उसकी ओर घूर कर देखा। एक आग्नेय पेंसिल। उसका कार्य प्रारम्भ हो गया था। जिस क्षण उसे मरोड़ा गया था, जिस क्षण उसके भीतर की पतली विभाजक दीवार टूटी थी, उसी क्षण से उसका कार्य प्रारम्भ हो गया था। और कोई भी वस्तु उसे रोक नहीं सकती थी। कोई भी वस्तु नहीं। उसमें निहित दोनों पदार्थ अब पृथक्-पृथक् नहीं रह गये थे : वे मिश्रित हो रहे थे, एक साथ प्रवाहित हो रहे थे तथा एक अनिवार्य एवं भयानक तृतीय शक्ति का निर्माण कर रहे थे। यह जानते हुए भी कि यह व्यर्थ है, वह प्रेरणावश पेंसिल को उठाने के लिए आगे बढ़ा। तृतीय शक्ति काम कर रही थी, सफेद लपट की प्रथम छोटी-सी नलिका में, जो किसी गैस बर्नर के नीचे होनेवाले अग्रिम प्रकाश से तनिक भी बड़ी नहीं थी, उसकी शक्ति पहले ही उत्पन्न हो गयी थी, जो उसकी चेतावनी का संकेत दे रही थी। अब एक मिनट के भीतर, सम्भवतः कुछ सेकण्डों के ही भीतर...उसकी बगल में खड़ा व्यक्ति भी घूरकर देख रहा था, उसकी साँस जोर-जोर से आ रही थी। अकस्मात् वह ब्राउनली की पकड़ से छूट गया और सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।

ब्राउनली ने खिन्नतापूर्वक सोचा कि वह दूर तक नहीं जा पायेगा। किन्तु अभी, चेतावनी महत्वपूर्ण बात है; उससे निपटना आवश्यक है। वह भी देहरी पर से हट गया और पटरी के ऊपर झुकता हुआ सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा। उसके नीचे सुपरिण्टेण्डेण्ट तथा दो उत्तेजित किरायेदार भागते हुए व्यक्ति को पकड़ रहे थे। "पीछे हट जाओ ! आग !" ब्राउनली ने चिल्लाकर कहा। "आग !" और जब सुपरिण्टेण्डेण्ट ने विस्मय के साथ उसकी ओर देखा, तब वह अपने फेंफड़े में बाकी बची सारी साँस को एकत्र करके चिल्ला पड़ा, "यह एक आग्नेय पेंसिल है।"

सुपरिण्टेण्डेण्ट का चेहरा तन गया। उसे मालूम था कि उसे किस चीज का सामना करना था; क्योंकि वह दूसरों के लिए ब्राउनली की चेतावनी को अनु-

वादित कर रहा था। "प्रत्येक व्यक्ति नीचे चला आये, प्रत्येक व्यक्ति नीचे चला आये, तुरन्त !" और यद्यपि उसके पास इस बात का स्पष्टीकरण करने के लिए समय नहीं था कि पेंसिल की लपट को बुझाया नहीं जा सकता है, उन्हें तब तक प्रतीक्षा करनी होगी जब तक वह लपट समाप्त न हो जाये और केवल सामान्य आग का ही मुकाबला करना शेष न रह जाय तथापि उसके स्वर की तात्कालिकता असन्दिग्ध हो गयी। "बाद में !" उसने एक किरायेदार से, जिसने बालू की एक बाल्टी उठा ली थी, चिल्ला कर कहा। "अभी नहीं। कोई फायदा नहीं होगा। नीचे चले आइये !" उसने जिस व्यक्ति को पकड़ा था, उसे अभी तक मजबूती के साथ पकड़े हुए उसने किरायेदारों को नीचे उतारा और जब वे निवास-स्थानों से बाहर आ रहे थे, तब वह उनको गिनने का प्रयास करता रहा।

ब्राउनली तीसरी मंजिल पर रुक गया। थाली धोने के तौलियेवाली औरत अपने कमरे में वापस चली गयी थी। वह निराशापूर्वक कह रही थी, "आग ? आग ? किन्तु कोई चीज जल नहीं रही है !"

"आइये.!" ब्राउनली ने उसके पीछे-पीछे चलते हुए, उसकी बाँह पकड़ते हुए कहा।

उसने अपने निवास-स्थान की ओर, उसकी सफाई की ओर, उसके प्रति बरती जानेवाली सावधानी और उसके काम की ओर देखा। "ओह, नहीं !" वह चिल्ला पड़ी।

ब्राउनली अनुरोधपूर्वक उसे दूर हटा लाया। "हम इसे बचा लेंगे," उसने उसे सीढ़ी की ओर खीचते हुए कहा, "किन्तु पहले हमें नीचे उतर ही जाना चाहिए।" वह उसकी ओर देखती हुई, अनिच्छापूर्वक चलने लगी। थाली धोने का तौलिया अभी तक उसके हाथ में था।

"वह क्या है ?" औरत ने उसे पकड़ते हुए पूछा। सबसे ऊपर की मंजिल से एक गहरी स्थिर फुफकार की आवाज आ रही थी। ब्राउनली ने अपने कदमों को तेज कर दिया। अचानक औरत चिल्ला पड़ी और उसने अपनी आँखों को तौलिये से ढक लिया।

सीढ़ियों के समूह के ऊपर एक विचित्र, भयंकर और सफेद रोशनी दिखायी पड़ रही थी। और तत्पश्चात् एक जोरदार आवाज के साथ लपटें फैल गयीं।

पाल हैन तीसरी मंजिल पर पहुँचा।

नीचे आंगन में कुत्ता और आदमी अब 'ऐलान्थस' नामक वृक्ष की छाया में

छिप गये थे। अग्नि-पलायन-मार्ग से ऊपर चढ़ते समय वह कुत्ते की आँखों से ओझल हो गया था। पाल अभी तक एक अशान्त गुर्राहट की आवाज सुन रहा था, किन्तु जिस व्यक्ति ने पाल को कुत्ते की बगल से होकर गुजारा था, उसने उसे आश्वस्त करने के लिए अवश्य पुनः कुछ कहा होगा; क्योंकि गुर्राहट बन्द हो गयी और कुत्ते का भूँकना नियंत्रित हो गया। और अब उसके नीचे वहाँ केवल नीरवता थी और 'ऐलान्थस' की पत्तियों की छाया दीवार से घिरे हुए सहन की भूरी रंग की जमीन पर पड़ रही थी। अग्नि-पलायन मार्ग का भयंकर ढाँचा प्रत्येक कदम पर हिल रहा था और वह मकान की दीवार से अधिक सटा हुआ प्रतीत होता था। पत्थर के इस काले धब्बोंवाले बाक्स के भीतर के निवास-स्थानों से तरह-तरह की आवाजें आ रही थीं—थालियों की आवाजें, एक आदमी के हँसने की आवाज, मोजार्ट के साथ प्रतियोगिता करती हुई—"चट्टातूगा—चू-चू—" की आवाज, एक बूढ़ी औरत के साथ जोर से तर्क-वितर्क करती हुई एक लड़की की आवाज, बेसबाल के एक खेल के लिए उत्तेजित होने वाले एक उद्घोषक की आवाज, एक कृत्रिम दक्षिणी आवाज जो यह गा रही थी कि यदि उसे पता होता कि तुम आ रहे थे, तो उसने एक केक तैयार करके रखा होता। वह जिन खिड़कियों से होकर गुजरा, वे शयन-कक्षों की खिड़कियाँ थीं। उनमें से कुछ शयन-कक्ष साफ-सुथरे और सुन्दरतापूर्वक रँगे हुए थे, कुछ अस्त-व्यस्त और भयंकर थे, किन्तु वे सभी खाली प्रतीत होते थे। जब तक तीसरी मंजिल नहीं आ गयी।

वहाँ सीढ़ियों के ढांचे के अन्तिम समूह की ओर चुपचाप और शीघ्रतापूर्वक बढ़ते हुए उसने एक गतिविधि देखी। किन्तु ओरपेन की खिड़की का नग्न, मौसम के कारण सफेद पड़ गया ढांचा उसके सामने था, जो प्रत्येक सावधानीपूर्ण कदम के साथ निकटतर आता जा रहा था। वह उसके पास पहुँच गया और सांस बटोरने के लिए एक क्षण तक खड़ा रहा। उसने सर्वप्रथम विस्मयपूर्वक लक्ष्य किया कि खिड़की के आरपार लकड़ी की पटरियाँ लगी हुई थीं, जो उसे शीशे को छोटे-छोटे खण्डों में विभक्त कर रही थीं; तत्पश्चात् उसे यह देख कर राहत मिली कि खिड़की ऊपर से कुछ इंचों तक खुली हुई थी। उसने उसके निचले हिस्से को ऊपर उठाने की कोशिश की, किन्तु वह अपने स्थान पर मजबूती के साथ कसा हुआ था। तत्पश्चात् उसके नीचे की मंजिल से एक औरत अचानक चिल्ला पड़ी।

जब उसने ऊपर के आधे हिस्से को नीचे दबाया तब वह एक प्रतिध्वनि

की भाँति चरचरा उठा। उसने अपने को ऊपर लटका दिया और तत्पश्चात् वह शयनकक्ष के फर्श पर गिर गया, उसके सामने का दरवाजा खुला हुआ था। किन्तु न तो रोना और न ओरपेन उसकी ओर कोई ध्यान दे रहा था। सफाई के साथ किया गया उसका प्रवेश पूर्णतया अलक्षित रह गया था। ओरपेन रोना के सामने खड़ा था। उसके हाथ उसके चेहरे तथा कन्धों पर से सिगरेट के टुकड़ों और भूरी राख को झाड़ रहे थे। फर्श पर उसकी बगल में एक बड़ा, खाली राखदान पड़ा हुआ था। रोना एक मेज के पीछे खड़ी थी, वह अपने दायें हाथ में काफी का एक बर्त्तन ऊपर उठाये हुए थी। "आपको मुझे यहाँ रोक रखने का कोई अधिकार नहीं है, आपको मुझे उत्तर देने के लिए विवश करने का कोई अधिकार नहीं है," वह बार-बार कहती रही, "आपको कोई अधिकार नहीं है।....."

ओरपेन ने अपने चश्मे को पोंछने के लिए उतारते हुए क्रोधपूर्वक कहा, "तुमने तो उन्हें तोड़ ही दिया होता....नीचे रख दो काफी के उस बर्त्तन को। तुम उपहासास्पद दिखायी देती हो। और अपने अधिकारों के सम्बन्ध में मैं स्वयं निर्णय करूँगा।" तभी उसका ध्यान ऊपर की ओर दौड़ते हुए कदमों की आवाजों तथा नीचे पुकारती हुई आवाजों को ओर आकृष्ट हुआ! वह सुनता हुआ, अभी तक रोना का निरीक्षण करता हुआ, दरवाजे की ओर एक कदम बढ़ा। "वह एक पुरानी चाल है," उसने कहा, "क्या तुम कल्पना करती हो कि तुम जिस चीज को देखने का बहाना करती हो, उसे देखने के लिए मैं मुड़कर पीछे देखूंगा। काफी के उस बर्त्तन को नीचे रख दो!"

पाल हैन बैठकखाने में आ गया। "हाँ," उसने कहा—"अब तुम उसे नीचे रख सकती हो, रोना।" वह उसके पास चला गया और उसकी बगल में खड़ा हो गया।

"उसे कोई अधिकार नहीं है!" उसने कहा, "उसे कोई अधिकार नहीं है!"

"बिल्कुल नहीं!"—पाल ने कोमलतापूर्वक कहा—"बिल्कुल नहीं।" वह ओरपेन का निरीक्षण कर रहा था।

और ओरपेन, पाल हैन का निरीक्षण करता हुआ, अभी तक बाहर की आवाजों को सुन रहा था। दौड़ते हुए कदम सीढ़ियों के अन्तिम समूह पर पहुँच रहे थे।

"तुम्हें हमारा निरीक्षण करने की आवश्यकता नहीं है," पाल ने शांति-

पूर्वक कहा , "हम लोग तुम्हारे मित्र नहीं हैं।" चूँकि उसने अपने स्वर को मन्द रखा था, इसलिए वह रोना को अपनी बगल में आश्वस्त होते हुए अनुभव कर सकता था। उसकी प्रायः उन्माद की-सी स्थिति समाप्त हो रही थी। उसने सोचा, सम्प्रति यही मुख्य बात है। और उसे सर्वप्रथम ओरपेन के चश्मे को समुचित रीति से तोड़ डालने की जो प्रेरणा हुई थी, उसका उसने परित्याग कर दिया। ऐसी बात नहीं है कि पीले ओठों, छोटी आँखों और पतले सफेद बालों वाला, सफेद चेहरे तथा नाटे कद वाला ओरपेन संघर्ष करने के योग्य था। वह एक ऐसे भयभीत तुच्छ क्लर्क की भाँति था, जिसकी कभी पदोन्नति नहीं हुई थी। और जो अपने पेन्शन के लिए भयभीत था। पाल ने अपने आप से कहा, अधिक अच्छा होगा कि तुम इस प्रकार से सोचना बन्द कर दो, नहीं तो तुम यह महसूस करने लगोगे कि वह एक मानव प्राणी है, वह कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसके लिए तुम दुखी हो सकते हो।

ओरपेन के चेहरे पर अनिश्चय की एक दृष्टि परिलक्षित हुई। बाहर भारी कदम लड़खड़ा रहे थे।

पाल हैन ने रोना की बांह पकड़ कर उसे दरवाजे से दूर खींच लिया। वह एक क्षण के लिए हिचकिचायी और तत्पश्चात् मानो अपनी मूर्खता को क्षमा करने के लिए उसने नजर ऊपर उठाकर उसकी ओर देखा। किन्तु वह बाहर देहरी पर चिल्लाते हुए राजर ब्राउनली की आवाज को सुन रहा : "पीछे हट जाओ ! आग ! आग !" और तत्पश्चात् ये शब्द सुनायी पड़े, "यह एक आग्नेय पेंसिल है।"

पाल ने ओरपेन की ओर देखा। उसे मालूम था कि इसका अर्थ क्या था क्योंकि वह दौड़कर डेस्क के पास चला गया और कागज के एक मोड़े हुए पन्ने को अपने पाकेट में ठूँसते हुए इस्पात के बक्स को उठा रहा था। उसने एक गहरे 'शेल्फ' से पुस्तकों को बाहर निकालना तथा एक हाथ से उन्हें फर्श पर फेंकना प्रारम्भ कर दिया। किन्तु उसे चाहे जो कुछ भी करना हो, उसके लिए दोनों हाथों की आवश्यकता थी। उसने इस्पात के बाक्स को नीचे रख दिया और फिर—उतने ही आकस्मिक रूप से—उसे उठा लिया और बाक्स को अपनी छाती से मजबूती के साथ चिपकाये हुए वह मुड़ कर पाल हैन के समने खड़ा हो गया।

पाल हैन ने उसकी ओर घृणापूर्वक देखा। हम लोग चोर नहीं हैं !" उसने कहा। तत्पश्चात् रोना की ओर मुड़ने पर उसका स्वर परिवर्तित हो

गया। "इस रास्ते से !" उसने उसे शयन-कक्ष और अग्नि-पलायन-मार्ग की ओर खींच लिया।

वह उसकी जल्दबाजी से चकित थी, किन्तु वह उसके साथ चली गयी। 'एक पेंसिल ?" उसने दरवाजे की दूसरी ओर से आने वाली फुफकार की आवाज को सुनते हुए आश्चर्यपूर्वक पूछा।

"आग लगाने का अचूक तरीका।"

रोना एक क्षण के लिए रुक गयी। उसने पीछे ओरपेन की ओर देखा। किन्तु उसने कहा कुछ नहीं। ओरपेन ने, जो अभी तक बाक्स को पकड़े हुए खड़ा था, अपनी आँखें दूर फेर लीं। तत्पश्चात् फुफकार की आवाज के किसी बांध के टूट जाने पर जल की धारा की प्रचंड आवाज के समान जोरदार हो जाने पर उसने अविश्वासपूर्वक, निराशापूर्वक द्वार की ओर घूर कर देखा।

पाल हैन ने शयन-कक्ष की खिड़की के नीचे एक लिखने की मेज सरका दी "आओ, रोना !" उसने उसे उठा कर मेज पर रखते हुए कहा। वह मेज पर चढ़ कर उसकी बगल में खड़ा हो गया और खिड़की के ऊपरी आधा हिस्से से बाहर निकलने में उसने उसे सहायता पहुँचायी। उसने पीछे मुड़कर ओरपेन की ओर देखा। "अपना निश्चय कर लो !" उसने चिल्ला कर कहा।

किन्तु ओरपेन हिला नहीं। वह अभी तक कमरे के मध्य में खड़ा था और उसका चेहरा अब शान्त, अभिव्यक्तहीन हो गया था।

पाल ने रोना की ओर देखा। वह अग्नि-पलायन मार्ग के संकीर्ण मंच पर जो सीढ़ियों के ढांचे और लोहे की पतली छड़ों से उसके नीचे घूर कर देखने पर मकान की दीवार से सटकर सिकुड़ता हुआ प्रतीत होता था, खड़ा होकर प्रतीक्षा कर रही थी। वह खिड़की को फाँद कर बाहर आया और उसकी बगल में खड़ा हो गया।

"मैं डर गयी हूँ," एक क्षण के लिए अपनी आँखें बन्द करते हुए तथा रेलिंग को पकड़कर स्थिर होते हुए रोना ने कहा, "यह हिलता है।" उसने कहा, "पाल, यह हिलता है।"

"मैं पहले जाऊँगा। नीचे मत देखो। मैं तुम्हारे लिए सीढ़ियों को गिनूँगा। यह रहा मेरा हाथ।"

उसने ऊँची एड़ी वाले अपने जूतों को निकाल दिया। "टखना तोड़ने से कोई लाभ नहीं है।" उसने अब अपने स्वर को समान रूप से शान्त रखते हुए कहा। उसने अपना हाथ बढ़ाया और पाल के हाथ को पकड़ लिया।

सहन में आदमी थे। और ब्राउनली भी वहीं था।

"ओरपेन कहाँ है ?" ब्राउनली ने पूछा।

"अपना निश्चय कर रहा है। हमें वापस जा कर उसे बाहर खींच लाना होगा।"

"उसकी आँखें फूट जायें !" ब्राउनली ने कहा और वह अग्नि-पलायन-मार्ग से होकर ऊपर चढ़ने लगा।

"हे, तुम, यहाँ वापस आ जाओ !" सहन से एक आवाज ने पुकारा, किन्तु ब्राउनली उपर चढ़ता ही गया। गली में से दमकलों की आवाजें आ रही थीं। और अब दूसरे व्यक्ति भी कुल्हाड़ियाँ लेकर अग्नि-पलायन मार्ग से ऊपर चढ़ रहे थे।

गली में सीढ़ियाँ लग गयी थीं और नलों से चौथी मंजिल तथा छत के ऊपर पानी गिराया जा रहा था।

सुपरिण्टेण्डेण्ट ने, जिसके शरीर में कालिख लगी थी और जिसकी आँखें लाल हो गयी थीं, कहा, "हमने अग्नि-शामकों, बालू और एक 'स्टरअप पम्प' से आग को रोक रखा। वह नीचे की मंजिलों पर नहीं फैली, किन्तु सबसे ऊपर की मंजिल की दुर्दशा हो गयी है और दमकल वाले छत के सम्बन्ध में चिन्तित हैं। ये पुराने मकान सूखे होते हैं—वे बहुत जल्दी जल उठते हैं।" उसने दमकलों के पार एकत्र चिन्तित किरायेदारों की ओर देखा। "परमात्मा को धन्यवाद है कि कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। उन्हें पर्याप्त चेतावनी मिल गयी थी। किन्तु नुकसान बहुत अधिक हुआ है। इसकी कीमत कौन अदा करेगा ?" उसने ओरपेन को खुले आम गाली दी। तत्पश्चात् उसने रोना की ओर देखा। "जब ओरपेन नीचे आयेगा, तब हम लोग उसका पीछा करेंगे।" उसने पाल से कहा, "हमने पीछे की ओर और सामने आदमियों को तैनात कर रखा है। खेद है कि हमारे पास उसके सम्बन्ध में प्रमाण नहीं थे जिससे हम उसे आज प्रातःकाल गिरफ्तार कर सकते। और उसके कुछ कागजात अपने अधिकार में कर लेते। वहाँ ऊपर अवश्य ही कुछ मूल्यवान सामग्री होगी।"

उसने पुनः चौथी मंजिल की ओर देखा और उसका मुँह कठोर हो गया।

पाल ने कहा, "मैं कुमारी मेटफोर्ड को उनकी बहन के घर पर ले जा रहा हूँ। जब ब्राउनली से आप मिलें, तब उसको बता दीजिये। मैं आशा करता हूँ कि वह बिल्कुल ठीक होगा।"

"वह अपनी देखभाल स्वयं कर सकता है।"

"अस्तु, आग किसने लगायी ?"

"हमने उसे पकड़ लिया है," सुपरिण्टेण्डेण्टने खिन्नतापूर्वक कहा, "वह एक दूसरी कठपुतली मात्र है। वह पागल हो गया था। जिस क्षण हमें उसके सम्बन्ध में सन्देह उत्पन्न हुआ, उसी क्षण वह आग बेकार हो गयी थी।"

"ओरपेन के सम्बन्ध में विश्वस्त होने का यह काफी कठोर उपाय है," पाल ने कहा, "अन्य उपाय भी हैं।"

"मेरा अनुमान है कि वे उसके कमरे में रखी हुई किसी वस्तु को नष्ट करना चाहते थे। आखिर, वह अग्नि-पलायन-मार्ग से सदा ही नीचे उतर सकता है। किन्तु वहाँ ऊपर कोई ऐसी वस्तु है, जिसे वे हमारे हाथों में नहीं पड़ने देना चाहते।" वह रोना की ओर मुड़ा। "मुझे यह जानकर तनिक भी आश्चर्य नहीं होगा कि आज प्रातःकाल आप जिस क्षण वहाँ गयीं और रुक गयीं—हाँ, उसी क्षण उन्होंने निश्चय किया कि अब वे और अधिक खतरा नहीं उठा सकते हैं।" वह विशाल काली आँखों वाली लड़की की ओर देखकर आधा मुस्करा पड़ा। और मैं बहुत अधिक बात भी कर रहा हूँ, उसने अचानक सोचा। किसी व्यक्ति की जबान को चालू करने के लिए आग और डर से बढ़ कर कोई वस्तु नहीं होती। "क्या ओरपेन ने काफी बातचीत की ?" उसने अधिक साधारण रूप से पूछा।

रोना ने अपना सिर हिला दिया।

"बाद में," पाल ने जल्दी से सुपरिण्टेण्डेण्ट से कहा, "बाद में।" उसने उस व्यक्ति की ओर देखकर सिर हिलाया, मानो वह कह रहा हो कि आप जानते ही हैं कि हम लोग कहाँ मिल सकते हैं। उसने शीघ्रतापूर्वक और स्वतः-स्फूर्त रूप से एकत्र हो गयी भीड़ के बीच से रोना के लिए रास्ता बनाया।

"ओह, आग अब बहुत अधिक नहीं है!" एक औरत ने निराशापूर्वक कहा, "देखिये, वे नलों को बन्द कर रहे हैं।"

"कुछ लोग अब भी छत के ऊपर हैं!" उसकी सहेली ने आशापूर्वक कहा, "उनके पास उनकी कुल्हाड़ियाँ हैं। जब वे सोचते हैं कि कोई चीज जल रही है, तब वे जिस प्रकार अपनी कुल्हाड़ियों को भाँजते हैं, उस प्रकार कुल्हाड़ियों का भाँजा जाना क्या कभी देखा है ? हे भगवान, वे आग जितना ही नुकसान पहुँचाते हैं। गत पतझड़ ऋतु में, सितम्बर में, नहीं, अक्तूबर में मेरी चाची के रसोईघर में आग लग गयी। नहीं, मैं झूठ बोलती हूँ, वह सितम्बर था..."

तीसरी एवेन्यू के निकट पहुँचने पर उन्होंने ब्राउनली को "पाल!" कह

कर पुकारते हुए सुना। उन्होंने घूमकर देखा कि वह उनकी ओर दौड़ता हुआ आ रहा था, उसके सूटपर दाग पड़ गये थे और वह घुटनों के ऊपर फट गया था, उसके बाल अस्तव्यस्त हो गये थे तथा उसका उत्तेजित चेहरा पसीने और धुएँ से सना हुआ था। वह उनके पास पहुँच गया, उसने रोना की ओर देखा और पाल के कन्धे पर हाथ थपथपाया। उसने कष्टपूर्वक साँस को पुनः एकत्र किया। "पाल—" उसने कहना प्रारम्भ किया, तत्पश्चात् रोना की ओर देख कर हिचकिचा गया। उसने अपनी उत्तेजना को नियंत्रित किया। क्या मैं "तुम्हें टाइसन-दम्पति के यहाँ फोन करूँ ?" उसने पाल से पूछा, "अभी तुम उसे वहीं ले जा रहे हो न ?"

पाल ने राजर ब्राउनली का सतर्कतापूर्वक निरीक्षण करते हुए स्वीकृति में सिर हिलाया।

रोना भी उसका निरीक्षण कर रही थी। उसने शान्तिपूर्वक कहा, "ओरपेन की मृत्यु हो गयी।" ब्राउनली ने उसकी ओर देखा। तत्पश्चात् उसने सिर हिला दिया।

रोना दूर हट गयी और उसने कोने की ओर चलना प्रारम्भ कर दिया। उसने अपने कन्धे के ऊपर से टूटी हुई खिड़कियों और काली पड़ गयी छतवाले मकान की ओर देखा। "इसका कारण वह टेलिफोन-वार्ता थी।" उसने कहा, "उसे इतना अधिक विश्वास था, इतना अधिक विश्वास था कि वे उसके झूठ पर विश्वास कर लेंगे। वह इस पर स्वयं प्रायः विश्वास करता था।"

वह जो कुछ कह रही थी, उनका अर्थ निकालने का भी पाल हैन ने प्रयास नहीं किया। उसे अवश्य कुछ ऐसा करना चाहिए, जिस से रोना किसी अन्य बात के सम्बन्ध में सोचने लगे।

"बारबारा," उसने अकस्मात् कहा, "हम लोग चलेंगे और बारबारा को साथ ले लेंगे।"

"बारबारा ? ओह हाँ.....।" तत्पश्चात् उसने आधा अपने आप से, कहा, "कोई बारबारा सदा ही मिल जाती है, नहीं क्या ?" उसके कदम तेज हो गये।

तीसरी एवेन्यू पर पाल ने एक टैक्सी बुलायी। सड़कों पर यातायात की चहल-पहल थी। ताजे चमकीले कपड़े पहने हुए व्यक्ति पार्श्व-मार्गों में भरे हुए थे।

"और बाबी.....!" रोना कह रही थी, "हमें अवश्य ही अस्पताल से

बात करनी होगी।" वह पुनः अपने निजी संसार में प्रवेश कर रही थी।

"हाँ, हम लोग वैसा ही करेंगे " पाल ने आश्वासन देते हुए कहा, "एक बात और, क्या तुमने गले को दिखाने के लिए किसी डाक्टर को बुलाया ? उसने क्या कहा ?"

रोना प्रायः मुस्करा पड़ी। "मुझ से बहुत अधिक बातचीत न करने के लिए कहा गया था।" उसने कहा।

"बहुत अच्छा, आज शेष दिन बातचीत करने का काम मैं ही करूँगा।" पाल ने कहा। वह भी मुस्करा पड़ा। किन्तु जब वह एक सिगरेट जला रहा था, तब उसके हाथ अस्थिर थे और उसे पता चला कि वह बातचीत नहीं कर सकता था। वह केवल इतना कर सका कि वह टैक्सी में रोना की बगल में चुप-चाप बैठा रहा और उसके चेहरे का निरीक्षण न करने का बहाना करता रहा।

जब वे उस सड़क के निकट पहुंचे, जिस पर रोना का निवास-स्थान स्थित था, तब रोना ने पाल की ओर देखा। "मुझे कुछ कपड़ों की आवश्यकता पड़ेगी," उसने कहा, "मैं पेगी के कपड़े सदा नहीं उधार ले सकती।"

उसने टैक्सी-ड्राइवर से उस दिशा में चलने के लिए कहा। "क्या मैं यहाँ नीचे प्रतीक्षा करता रहूँ ?" टैक्सी के उसके घर के द्वार पर पहुँचने पर उसने रोना से पूछा। "अथवा क्या मैं ऊपर आ जाऊं और जब तक तुम कपड़े बांधो तब तक मैं अस्पताल में टेलिफोन कर लूं ?"

"हाँ," उसने कहा, "मैं अकेली ऊपर नहीं जाना चाहती।" उसने सीढ़ियों की ओर देखा और वह हिचकिचा गयी। उसने सोचा, यह प्रथम स्मृति है, जिसका मैं विनाश कर रही हूँ, यह आत्म-संवेदना का प्रथम भाग है, जिसका परित्याग करना होगा। वह सामने की सीढ़ियों के ऊपर गयी, उसने द्वार खोला और सीढ़ियों पर चढ़ना प्रारम्भ कर दिया। कल रात को, उसने अपने बावजूद सोचना प्रारम्भ कर दिया, कल रात को.....किन्तु उसके पीछे पाल की आवाज थी, जो छोटे-छोटे मजाक कर रहा था, प्रश्न पूछता जा रहा था, उसे अपनी बातें सुनने के लिए विवश कर रहा था तथा उसके विचारों को वर्त्तमान के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु से दूर खीच रहा था।

पाल की, जो हाल में टेलिफोन पर बात कर रहा था, आवाज भी रोना के लिए अश्वासनदायक थी। उसने छोटे-से सूटकेस के ताले को जल्दी से बन्द कर लिया, इस बात की पूरी जाँच कर ली कि उसने अपनी आवश्यकता की सारी वस्तुएं ले ली हैं और तत्पश्चात् हाल में पाल से मिलने के लिए चली गयी। वह

सोच रही थी, मैं इस निवास-स्थान को किराये पर उठा दूंगी, मैं यहां फिर कभी नहीं सोना चाहती।

"अच्छी खबर है ?" उसने पाल के चेहरे पर सन्तोष को, उसकी आँखों में वास्तविक मुस्कान को देखते हुए उस से पूछा।

"हां," उसने कहा, "निकृष्टतम स्थिति अब समाप्त हो गयी है।" उसने सूटकेस ले लिया। रोना हाल की ओर देखती हुई एक क्षण तक खड़ी रही। वह सोच रही थी, सब कुछ समाप्त हो गया है, निकृष्टतम स्थिति और सर्वोत्तम स्थिति। सब कुछ समाप्त हो गया है। तत्पश्चात् हाल में रखी हुई मेज की परछांई के नीचे उसे कोई वस्तु दिखायी पड़ी। उसने उसे उठा लिया। वह स्काट का हैट था। कल रात को स्काट ने उसे यहीं पटक दिया था.....

"क्या यह कभी समाप्त होगा ?" वह अचानक चिल्ला पड़ी, उसका चेहरा तन गया, उसका शरीर भय से कठोर हो गया। उसने हैट को दूर फेंक दिया और वह मुड़ कर रसोईघर में भाग गयी। उसने रोना प्रारम्भ कर दिया। पहले वह धीरे-धीरे रोती रही और तत्पश्चात् गहरी, भयानक सिसकियों के साथ रोने लगी।

पाल ने सूटकेस को गिरा दिया। वह उसके पीछे-पीछे गया और दरवाजे पर रुक गया। उसने सोचा, मैं सदा के लिए उससे हाथ धो बैठूंगा। मैं जो कुछ करना चाहता हूँ, वह यदि मैंने किया, तो मैं सदा के लिए हाथ धो सकता हूँ। ओरपेन के कमरे में जब उसने रोना की बांह पकड़ी थी, तब उसमें जिस भय की अनुभूति उसे हुई थी, उसकी उसे याद आ गयी, उसे याद आया कि किस प्रकार अग्नि-पलायन मार्ग के नीचे पहुँचते हुए उसने जल्दी से अपना हाथ उसके हाथ से अलग कर लिया था, उसे समस्त शारीरिक सहायता, समस्त शारीरिक स्पर्श की अस्वीकृति की याद आ गयी।

उसने पुनः सोचा, मैं सम्भवतः सदा के लिए उसे खो दूंगा। किन्तु उसने कदम आगे बढ़ाया और उसे अपनी बांहों में ले लिया। उसने उसकी क्षीण काया की उष्णता का अनुभव किया, उसने मुलायम काले बालों तथा सफेद भौंह, चिकने गाल की बनावट को देखा। वह उसे पकड़ कर तब तक खड़ा रहा, जब तक सिसकियाँ बन्द नहीं हो गयीं। और जब उसने रोना बन्द कर दिया, तब भी वे चुपचाप एक साथ खड़े रहे।

अन्ततः वह पीछे हट गयी। तत्पश्चात् रोना ने नजर ऊपर उठा कर पाल की ओर देखा। उसने उसकी आँखों में व्याप्त चिन्ता को, उसके मुंह की बगल

में खिंची हुई रेखाओं को देखा। वह अचानक दूर हट गया और हाल में चला गया। वह हाथ में सूटकेस लेकर द्वार पर उसकी प्रतीक्षा करता हुआ खड़ा रहा। वह उसकी आँखों की ओर देखने से बच रहा था। और जब वह बोला, तब उसका स्वर अत्यन्त अवैयक्तिक था।

वह सोच रहा था, तुम मूर्ख हो, इस बात से कि सम्भवतः तुम उसे खो दोगे, भयभीत होना तुम्हारी मूर्खता है। वह खोने के लिए कभी तुम्हारी थी ही नहीं।

टाइसन-दम्पति के निवास-स्थान तक दीर्घ यात्रा की समाप्ति तक वह इस बात पर विश्वास करने लगा। किन्तु उसने पुनः अपनी भावनाओं पर नियंत्रण कर लिया और अब वह मुस्करा सकता था तथा यहां तक कि एक या दो मजाक भी कर सकता था।

उसने निश्चय किया कि जब तक जान नहीं आ जाता, तब तक मैं निवास-स्थान पर ही प्रतीक्षा करूँगा। और तत्पश्चात् मैं विलुप्त हो जाऊँगा। किन्तु इस बार—और वह उस दिन के प्रातःकाल के सम्बन्ध में सोच रहा था—इस बार मैं बाहर ही रहूँगा।

अध्याय—२७

"लगभग छः सप्ताह लग जायेंगे," जान, राजर ब्राउनली और पाल हैन से कह रहा था, "तत्पश्चात् बाबी भला-चंगा हो जायेगा। यदि सब कुछ ठीक रहा!" उसने पुनः कहा। किन्तु सब कुछ ठीक ही होगा, सब कुछ ठीक ही होगा....कम से कम अब बाबी के बच जाने की सम्भावना तो है। कल रात को यह सम्भावना भी नहीं थी। केवल बीस घण्टे पूर्व—जान ने अविश्वास-पूर्वक दीवार-घड़ी की ओर देखा। और तत्पश्चात् उसे पुनः अपने मुलाकातियों का ध्यान आ गया। "मुझे खेद है!" उसने कहा, "जब से आप लोग यहाँ आये, तब से मैं बात ही करता रहा हूँ। मेरा अनुमान है कि मैं एक अस्थिर मस्तिष्क का बातूनी व्यक्ति हूँ।" वह क्षमा-याचना-सी करता हुआ मुस्कराया और जिन पेय पदार्थों को उसने उड़ेला था, उन्हें ले आया "हे परमात्मा!" उसने अचानक कहा। "विपत्ति झंझावात् की भाँति प्रहार करती है, नहीं करती है क्या?" और जब आप उसे पार कर जाते हैं, तब आप पूर्णतः इस बात पर विश्वास नहीं कर सकते कि यह वास्तव में एक निश्चित स्थान और एक

निश्चत समय पर आप ही थे। उसने पुनः दीवार-घड़ी की ओर देखा और अपना सिर हिलाया।

ब्राउनली ने कहा, "मैं अधिक देर तक नहीं रुकूगा। मैं केवल—"

"नहीं। नहीं। यह बात नहीं है।" जान ने जल्दी से कहा, "मैं केवल इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रहा हूँ कि मेरे जीवन के बीस घण्टों को क्या हुआ। किन्तु उस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं है, है क्या?"

"इस बात के अतिरिक्त कि आप उनको पार कर गये," ब्राउनली ने कहा। उसने पाल की ओर देखा, जो चुपचाप था। ब्राउनली के आने के बाद से पाल मुश्किल से बोला था। मैं आशा करता हूँ कि यहाँ आकर मैंने आपको तकलीफ नहीं पहुँचायी, किन्तु मैंने पाल को अपनी खबर फोन पर बताने के विरुद्ध निश्चय किया। मैंने सोचा कि यह अधिक अच्छा होगा कि मैं उससे मिलूँ और उसे बताऊँ कि आज तीसरे पहर क्या हुआ। और साफ बात यह है कि—"उसने पाल की ओर देखते हुए स्वीकार किया, "मैं इस बात का पता लगाना चाहता हूँ कि रोना कैसी है। उसके प्रति मैं बहुत अधिक अपराधी हूँ। उसे इतने अधिक कष्टों से होकर गुजरना पड़ा, जिनका अनुमान हममें से किसी ने भी नही लगाया था।"

"रोना मेरी आशा की अपेक्षा बहुत अधिक अच्छी है," जान ने कहा, "वास्तव में मैं थोड़ा आश्चर्य-चकित हूँ। किन्तु महिलाएँ....!" उसने पुनः असहाय-सा होकर अपना सिर हिलाया। वह पेगी के सम्बन्ध में सोच रहा था।

"हाँ," ब्राउनली ने स्वीकार किया, "मुझे एक फ्रांसीसी व्यक्ति की याद आ रही है, जिसने मुझे युद्ध-काल में बताया था कि—वह अधिकृत फ्रांस में प्रतिरोध-आन्दोलन से सम्बन्धित था—समस्त अभियान में उसे महिलाओं के कार्य को देखकर सबसे बड़ा आश्चर्य हुआ था। वे पुरुषों की अपेक्षा अधिक दण्ड सहन कर सकती थीं। वह किसी लड़की को किसी खतरनाक काम पर भेजता—वे रात में सन्देश ले जाने का बहुत अधिक काम किया करती थीं—और वह संकट में फँस जाती, जो कोई बहुत गम्भीर संकट नहीं होता, किन्तु किसी पुरुष को भयभीत बनाकर उसको गलत कदम उठाने के लिए प्रेरित करने के लिए पर्याप्त होता था, किन्तु वह लड़की न केवल गेस्टापो के साथ अपनी मुठभेड़ से बच निकलती, अपितु दूसरे दिन प्रातःकाल वह भोजन पकाने का प्रयास करती हुई अपने रसोईघर में खड़ी होती और सब्जियों के अभाव के लिए जर्मनों को गालियाँ देती होती।"

पाल हैन ने अर्द्ध-क्रोध के साथ कहा, "यह बात उतनी आसान नहीं है।" यदि फ्रांसीसी व्यक्ति उस लड़की से प्रेम करता होता, तो वह उसके सम्बन्ध में इतने हल्के ढंग से बात नहीं करता।

"फ्रांसीसी व्यक्ति ने यह नहीं कहा कि यह आसान है," ब्राउनली ने हैन का निरीक्षण करते हुए कहा, "उसने केवल इस बात को स्वीकार किया कि वह यह याद रखने की मानसिक स्थिति में नहीं होता कि शोरबे के बर्तन में क्या हो रहा है।"

जान ने हाल की दिशा में देखा। "सुनिये!" उसने कोमलतापूर्वक कहा। बारबारा रसोईघर में रात्रिकालीन भोजन कर रही थी। वह हँस रही थी, उसकी हँसी की लम्बी शृखंला ने इतनी दूर बैठकखाने में बैठे हुए व्यक्तियों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी।

"रोना की पाक-कला एक प्रकार की हास्य-कथा प्रतीत होती है।" जान ने कहा।

"इस बीच क्या वह यहाँ रहने जा रही है?" ब्राउनली ने पूछा, "ग्रीष्म ऋतु के लिए आपकी योजनाएँ क्या है?"

"मैंने अन्ततः ग्रीष्मकालीन स्कूल में उस काम को स्वीकार करने का निश्चय कर लिया हैं।" डाक्टर की फीस, अस्पताल के बिल—किसी प्रकार, बीमा कभी पर्याप्त नहीं था। "हमने जैसी व्यवस्था की थी, उसके अनुसार पेगी लड़कों को लेकर देहात में जा सकती है। बाबी के लिए यह सर्वोत्तम वस्तु होगी। रोना के लिए भी यह एक अच्छी चीज हो सकती है। किन्तु, तब 'ट्रेण्ड' में उसका काम है...सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि वह क्या करने का निश्चय करती है। वह जब तक चाहे, तब तक हमारे साथ रह सकती है, उसका स्वागत है। वास्तव में हमें उसकी आवश्यकता है।"

"यह एक समाधान के समान प्रतीत होता है।" ब्राउनली ने कहा। एक समाधान, उसने पाल हैन की ओर देख कर सोचा। "तुम्हें किस बात की चिन्ता सता रही है, पाल?" उसने स्पष्टतापूर्वक पूछा।

"क्या उसे अब भी कोई खतरा है? ओरपेन के मित्रों की ओर से?"

ब्राउनली ने सोचा, तुम्हें केवल इसी बात की चिन्ता सता रही है। उसने सन्तुलित उत्तर दिया, "उसे खतरा हो सकता है। किन्तु ओरपेन मर चुका है। और उसने उसे जो कुछ भी बताया होगा, अब उसका कोई भी महत्व नहीं है। उसे उसको जितनी बातें बताने का समय मिल पाया, उससे अधिक

बातें हमें मालूम हैं। और वे जानते हैं कि हमें मालूम हैं।" तत्पश्चात् मौन छा गया। जान विस्मित दिखायी दे रहा था, मानो उसने इस बात को महसूस नहीं किया हो कि रोना अब भी खतरे में हो सकती थी।

पाल कालीन पर गुलाब के एक मुरझाये हुए फूल की ओर खिन्नतापूर्वक घूर कर देखता रहा।

"तुम स्वयं निर्णय करो, पाल!", ब्राउनली ने कहा, "मैं तुम्हें जो कहानी बताने के लिए आया था, वह यह है। सम्भवतः इससे तुम्हारी चिन्ता रुक जायेगी। जब मैं तुमसे और रोना से अलग हुआ, तब मैं अग्नि-पलायन मार्ग से ऊपर चढ़ा। इसमें थोड़ा समय लगा; क्योंकि मैं ऊँचाई पर चढ़ने में कोई कुशल व्यक्ति नही हूँ और वह एक कमजोर सीढ़ी थी। सामान्यतः पचास डालर की बाजी पर भी मैं उस पर नहीं चढ़ता।"

उसने एक सिगरेट जलायी और उसका चेहरा गम्भीर हो गया, यद्यपि उसके स्वर में अभी तक विनोद का एक पुट था। मैं खिड़की के पास पहुँचा और कुछ कठिनाई के साथ भीतर पहुँचा और मैंने एक बहुत बढ़िया सूट को नष्ट कर दिया। किन्तु ऐसा प्रतीत हुआ कि ओरपेन मेरे प्रयासों की सराहना नहीं कर रहा था। उसने पूर्ण रूप से मेरी उपेक्षा की। वह कागजों और पुस्तकों को चुनता हुआ, उन्हें एक सूटकेस में ठूसता हुआ दोनों कमरों के बीच दौड़ रहा था। मैं यह बात अवश्य कहूँगा कि स्थिति की परिहासमयता से मैं प्रभावित हुआ—यहाँ उसके मित्र थे, जो उसको जलाकर मार डालने का प्रयास कर रहे थे और वहाँ मैं, उसको घृणा की दृष्टि से देखने वाला एक व्यक्ति था, जो उसे उस पलायन-मार्ग से नीचे उतरने के लिए राजी करने का प्रयास कर रहा था। दरवाजे का जलना प्रारम्भ हो रहा था और दरारों से होकर छोटी-छोटी लपटें निकल रही थीं। कुछ मिनटों के भीतर ही सारा दरवाजा आग में समाजाने वाला था। किन्तु उसे विचित्र बात बिल्कुल ही नहीं दिखायी पड़ी। उसकी समझ में यह बात भा नहीं आयी कि यदि मैं उसके सूटकेस को चुराने के लिए आया होता, तो मैं उसके सिर पर प्रहार करके सूटकेस को लेकर अग्नि-पलायन मार्ग से भाग सकता था। यह बात सच है कि मैं सूटकेस में रुचि रखता था। किन्तु स्वयं कामरेड ओरपेन में मेरी रुचि बहुत अधिक थी। उसकी कीमत पचास सूटकेसों के बराबर थी। सम्भवतः वह इस बात को जानता था।"

तत्पश्चात् ब्राउनली का स्वर खिन्नतापूर्ण हो गया। "धुआँ बढ़ता जा रहा था जब मैं सोच रहा था कि वास्तव में मुझे उसके सिर पर प्रहार करके उसे बाहर ले ही

जाना पड़ेगा, तभी दमकल वाले अग्नि-पलायन-मार्ग पर आ गये और उन्होंने खिड़की को तोड़ना-फोड़ना प्रारम्भ कर दिया। उनमें से एक ने चिल्ला कर हमसे बाहर चले जाने के लिए कहा। मैंने आज्ञा का पालन किया; क्योंकि जब कोई दमकल-कर्मचारी कार्यरत होता है, तब आप उससे वाद-विवाद नहीं किया करते। किन्तु ओरपेन एक 'सेफ' को, जिसे उसने किताबों की एक आलमारी के पीछे छिपा रखा था, खोलने की कोशिश कर रहा था। अतः दो दमकल-कर्मचारी कमरे में कूद पड़े और जिस समय दरवाजा जल कर गिर पड़ा और आग की लपटें उसके कमरे में प्रविष्ट हो गयीं, उसी समय उन्होंने ओरपेन को पकड़ लिया और उसे अग्नि-पलायन मार्ग पर मेरी बगल में खड़ा कर दिया गया। मैंने नीचे उतरना प्रारम्भ कर दिया। ओरपेन चिल्ला रहा था—'सूटकेस, सूटकेस।' एक दमकल-कर्मचारी ने, सम्भवतः उसे प्रसन्न करने के लिए, सम्भवतः बिना किसी कठिनाई के उसे नीचे उतारने के लिए कहा 'अच्छा, मित्र। वह यह आ रही है।" और उसने सूटकेस को खिड़की में से नीचे ओरपेन के पैरों के पास फेंक दिया।"

ब्राउनली रुक गया। "मैं पीछे ओरपेन की ओर देख रहा था। मैंने सूटकेस को गिरते और खुलते हुए देखा। ओरपेन उसे बन्द करने के लिए झुका, किन्तु वह बहुत जल्दी के साथ चला और वह उससे टकरा कर गिर पड़ा। सूटकेस अग्नि-पलायन-मार्ग के किनारे से टकराया और प्रत्येक वस्तु उसके बाहर निकलने लगी। कोई भारी चीज—मेरा ख्याल है कि वह इस्पात का एक बक्स था—कुछ सीढ़ियों के नीचे जाकर टकरायी और रेलिंगों के बीच से होती हुई सहन में जाकर गिर पड़ी। और बिना बंधी हुई चीजें उसके पैरों के चारों ओर बिखर गयीं, और कागज के सैकड़ों पन्ने इधर-उधर उड़ने लने और तत्पश्चात् उड़कर सहन में स्थित पेड़ के ऊपर पहुँच गये। मैं हँसने लगा। हां, मैं हँस रहा था। और उस क्षण वह तनकर खड़ा गया। वह सूटकेस के ढक्कन को अभी तक पकड़ हुए था, जिससे वह उसके हाथों से नीचे लटक रहा था। उसने मेरी ओर देखा। तत्पश्चात् उसने नगर की ओर देखा। उसने सूटकेस को नीचे गिरा दिया और तत्पश्चात् रेल के ऊपर लटक गया और वह गिर पड़ा।"

यहाँ वह रुक गया।

तत्पश्चात् पाल ने कहा, "क्या उसे मालूम था कि आप कौन हैं?"

ब्राउनली ने अपना सिर हिलाया। "नहीं। मैं—कोई भी व्यक्ति हो सकता था।"

"क्या वही उसका कारण था ?" जान ने पूछा।

ब्राउनली ने कहा, "मुझे नहीं मालूम। मैंने दस कारणों के बारे में सोचा है। कल तक मैं और पाँच कारण सोच लूगा। फिर भी, एक कारण ऐसा है, जिसकी ओर मेरा ध्यान बार-बार वापस लौट चाता है। जब मैं स्वयं को ओरपेन के चरित्र, ओरपेन के विश्वासों में रख कर सोचता हूँ, तब यही एक कारण मुझे कुछ सार्थक दिखायी देता है। तब मैं उसकी मृत्यु को एक स्वीकारोक्ति के रूप में देखता हूँ। अविश्वास की स्वीकारोक्ति, पार्टी के प्रति विश्वास-घात की स्वीकारोक्ति।"

पाल आगे की ओर झुका। "रोना ने भी प्रायः यही बात कही थी। उसने उसकी मृत्यु को एक अपराध-स्वीकृति बताया था, उनके समक्ष। हमारे समक्ष नहीं।"

"उसने और क्या कहा ?" ब्राउनली ने जल्दी से पूछा।

"कुछ बहुत अधिक नहीं। बिल्कुल साफ बात यह है कि मैं उसके दिमाग को ओरपेन से दूर ले जाने की कोशिश कर रहा था। यद्यपि उसने एक टेलिफोन-वार्ता का जिक्र अवश्य किया। वह ऐसा सोचती हुई प्रतीत हुई कि यह वार्ता महत्वपूर्ण थी।"

ब्राउनली ने सिर हिलाया, मानो उसे उसके सम्बन्ध में पहले ही मालूम हो गया हो। एक या दो क्षण तक वह बिल्कुल मौन होकर बैठा रहा। तत्पश्चात् उसने कहा, "रोना का कहना ठीक है। ओरपेन उस वार्ता द्वारा अपने कार्य को उचित सिद्ध करने का प्रयास कर रहा था; किन्तु उसके मित्रों ने उस पर विश्वास नहीं किया। उन्होंने अपनी योजना को तत्काल कार्यरूप में परिणत कर उत्तर दिया। उसके कमरे को जलाने तथा उसके रेकार्डों को नष्ट करने का प्रयास एक बहुत ही सीधा-सादा उत्तर था।"

"एक निर्ममतापूर्ण उत्तर !" जान ने कहा। वह अपने शिष्य राबर्ट कैश के सम्बन्ध में सोच रहा था, जो इस कहानी पर कभी विश्वास नहीं करेगा। कैश कम्यूनिज्म का एक रूमानी प्रारम्भिक विद्यार्थी था, जो अभी तक उसे उसकी अत्यन्त आदर्शवादी स्थिति में ही देखता था। ओरपेन जैसे पेशेवर कम्यूनिस्टों की तुलना में स्काट एट्टली भी अर्द्धकम्यूनिस्ट ही था। किन्तु ओरपेन पूरा रास्ता तै कर चुका था। उसने न केवल उसके अन्तिम तर्क को समझा था, अपितु उसे स्वीकार भी कर लिया था। "फिर भी, ओरपेन ने पलायन करने के सम्बन्ध में अवश्य सोचा होगा। सूटकेस—अपने कागज-पत्रों को एकत्र करने

का उसका प्रयास....वह क्यों नहीं उस सीढ़ी से नीचे उतर गया और क्यों नहीं वह समस्त बिखरे हुए कागजों को खोज कर अपनी योजना के अनुसार लापता हो गया—" जान बीच में ही रुक गया। उसने पुनः कहा, "किन्तु यह बात अवश्य है कि वह जा ही कहाँ सकता था ? वह कर ही क्या सकता था ? उसने हमारे जगत् को अस्वीकार कर दिया था और उसके जगत् ने उसकी निन्दा की थी। क्या यही बात है ?" पुष्टि के लिए ब्राउनली की ओर देखा।

"आंशिक रूप से। किन्तु केवल आंशिक रूप से। आप इस बात को भूल रहे हैं कि ओरपेन एक पूर्ण कम्यूनिस्ट था : वह कट्टर आदियुगीन धर्म का एक पूर्णतया दीक्षित सदस्य था। स्पष्ट है कि हाल में उसने कुछ निष्ठाहीनता का परिचय दिया था। वह निष्ठाहीनता कुछ भी रही हो, वह अवश्य ही कोई ऐसी चीज रही होगी, जिस से पार्टी इतनी अधिक भयभीत थी कि उसका मूलोच्छेद और विनाश तत्काल करना आवश्यक था। जिस समय ओरपेन ने उस सूटकेस को बाँधा और पलायन करने का विचार किया, उस समय वह अपने विद्रोह के अन्तिम चरण में था—सम्भवतः वह उसको दिये गये दण्ड के विरुद्ध एक प्रतिवाद मात्र भी बन गया था। किन्तु जब वह लोहे के उस संकीर्ण मंच पर खाली सूटकेस को अपने हाथ से लटकाये हुए खड़ा था और जब उसने पलायन को इतने उपहासास्पद ढंग से विफल होते हुए देखा, तब उसका विद्रोह समाप्त हो गया। और अपने विद्रोह के समाप्त हो जाने पर वह पुनः पूर्ण आज्ञाकारी बन गया। पार्टी सब कुछ थी और वह कुछ भी नहीं था। वह अपराधी था; वह सूटकेस भी जिसे अब उसने अपने पैरों के पास नीचे गिरा दिया, उसके विरुद्ध एक गवाह बन गया था। उसके पलायन और विद्रोह से पार्टी कमजोर हो जाती, जिस प्रकार उसकी मृत्यु से पार्टी का अनुशासन दृढ़ होता। अतः उसने अपराध को पूर्ण रूप से, शांतिपूर्वक आज्ञाकारिता के साथ स्वीकार कर लिया। और उसने न केवल अपने को दिये गये दण्ड को स्वीकार किया, अपितु वह उसको भोगने के लिए भी तैयार हो गया। उसने स्वयं को फाँसी पर लटका दिया।"

कमरे में पुनः मौन व्याप्त हो गया।

"और उस सूटकेस में क्या था ?" जान ने अन्ततोगत्वा पूछा।

"संघीय खुफिया विभाग को कागजों के पीछे काफी दौड़ना पड़ा।"

"क्या आपको नहीं मालूम है कि उसमें कोई मूल्यवान वस्तु थी ?"

"इस सम्बन्ध में हमें नहीं बताया जायेगा।" ब्राउनली ने मुस्कराते हुए कहा, "न हमें यही बताया जायेगा कि 'सेफ' में क्या था?"

"तो कमरा जला नहीं?"

"वह केवल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ। दमकल वालों ने उसमें बहुत अधिक पानी भर दिया।"

"ओरपेन के मित्रों के लिए यह एक निराशाजनक बात सिद्ध होने जा रही है।" पाल ने विचार-मग्न होकर कहा।

"हां। पुलिस ने एक व्यक्ति को, जो अवशेषों को देखने के लिए ऊपर पहुँचने के लिए तनिक बहुत अधिक प्रयास कर रहा था, रोक दिया। उसने अपने को एक संवाददाता बताया था। एक दूसरे व्यक्ति ने एक कैमरे के साथ अग्नि-पलायन मार्ग पर चढ़ने का प्रयास किया। यदि इस समय तक कोई वकील घटना-स्थल पर पहुँच कर ओरपेन की सम्पत्ति का प्रतिनिधित्व करने का दावा कर रहा हो और उसके समस्त निजी कागजों को ज्यों का त्यों मांग रहा हो, तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।"

"तब तो 'सेफ' में कोई मूल्यवान वस्तु अवश्य है।" जान ने कहा।

"ऐसा ही प्रतीत होता है।"

पाल ने कहा—"किसी दिन, जब हम लोग प्रातः कालीन समाचार पत्र हाथ में लेंगे और भूमिगत कार्य करने वाले शत्रु के किसी नये रहस्योद्घाटन, किसी विध्वंस-योजना का पता लगने, किसी प्रचार-गुट का भण्डाफोड़ होने, सावधानीपूर्वक आयोजित किसी दंगे के रोके जाने, 'एक क्रान्तिकारी स्थिति' की सृष्टि के लिए किये गये किसी प्रयास के विफल किये जाने—के सम्बन्ध में पढ़ेंगे, तब हम लोग परिणामों को देखेंगे। और हम लोग इस आशय के एक या दो अनुमान लगायेंगे कि हमने उसके प्रारम्भ को देखा था। हम इससे अधिक कभी नहीं जान पायेंगे।"

"प्रायः उतना ही," राजर ब्राउनली ने स्वीकार किया, "किन्तु मनुष्य जो कुकर्म करते हैं, वह उनके बाद भी जीवित रहता है....अनेक व्यक्तियों के लिए अभी तक ओरपेन की मृत्यु नहीं हुई है।" वह उठा और उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। "कम से कम आप उसका विस्मरण कर सकते हैं।" उसने जान से कहा।

"मैं आपको दरवाजे तक पहुंचा दूंगा।" जान ने कहा।

"मुझे भी जाना ही होगा।" पाल ने कहा।

जान ने उसकी ओर देखा। "नहीं, तुम नहीं जाओगे। मैं तुमसे कुछ चीजों के बारे में बात करना चाहता हूँ।"

किन्तु पाल उनके पीछे-पीछे हाल में चला गया।

"क्या आपने अपना काम छोड़ देने के सम्बन्ध में पाल के विचार को सुना ?" जान ने पूछा, "वह कहता है कि वह 'ट्रेण्ड' को छोड़ने जा रहा है। क्या यह एक कठोर निश्चय नहीं है ? मैं इसके विरुद्ध हूँ।"

राजर ब्राउनली रसोईघर के द्वार पर रुक गया। "हां, उसने मुझे आज बताया।" उसने अपनी ऊँची कुर्सी पर बैठी हुई बारबारा और उसके सामने बैठी हुई रोना की ओर देखा। "हलो, तुम दोनों ! अण्डे की वह लपसी कैसी है, बारबारा ?" उसने गुलाब के फूल से अंकित तश्तरी में पीले पदार्थ की ओर देख कर यह सोचा कि यह भयंकर है। किन्तु वह अण्डे की लपसी अथवा दूध के हलुवे का आदी नहीं था। यद्यपि बारबारा उसीसे पलती हुई प्रतीत होती थी। एक चम्मच और लपसी लेते हुए उसने अपना गोल गुलाबी चेहरा घुमाया और वह उसकी ओर देख कर मुस्करा पड़ी। वह चम्मच को अपने मुँह में ले जाना चाहती थी किन्तु वह उसके गाल पर जाकर लग गया। "इस पर अपनी नजर रखो," ब्राउनली ने बारबारा को परामर्श दिया, "यह सामने के दरवाजे में जाता है। मैंने वर्षों तक कोशिश की है, किन्तु कान तनिक भी उपयोगी नहीं है।"

"विचित्र आदमी है ?" बारबारा ने रोना से कहा और अपने चेहरे पर से लपसी को पोंछ डालने दिया।

रोना ने द्वार-मार्ग में एकत्र पुरुषों की की ओर देखा। "हाँ," उसने कहा और वह मुस्कराने लगी।

"इस तथ्य से कि उसने आपके एक भी शब्द को नहीं समझा, बचने का प्रयास करने का यह बारबारा का विनम्रतापूर्ण ढंग है," जान ने स्पष्टीकरण किया। तत्पश्चात् वह पुनः यह कहते हुए मुस्कराया, "यद्यपि उसे आपका चेहरा अवश्य अच्छा लगा होगा अन्यथा वह विनम्रतापूर्ण व्यवहार नहीं करती।"

ब्राउनली ने कहा, "मेरे चेहरे को केवल दो वर्ष से कम उम्र की औरतें ही पसन्द करती हैं।" वह बोलते समय रोना का निरीक्षण कर रहा था। "नमस्कार !" उसने उन दोनों की ओर देखकर हार्दिक मुस्कान के साथ कहा।

"स्पष्ट बात यह है पाल," उसने जान के वार्तालाप को जारी रखने के लिए हाल में रुकते हुए कहा, "कि मैं नहीं सोचता कि अभी तुम्हें अपना काम

छोड़ देना चाहिए। मैं नहीं जानता—और मैं आशा करता हूँ कि मैं गलती पर हूँ—किन्तु मुझे ऐसा लगता है कि हो सकता है कि बहुत जल्दी ही हममें से बहुत अधिक लोगों को अपने काम छोड़ देने पड़ें।" तत्पश्चात् वह द्वार की ओर बढ़ा। "आखिर, तुम 'ट्रेण्ड' में लाभदायक काम करते रहे हो और हमें वफादार सम्पादकों की आवश्यकता है। ब्लैकवर्थ और मर्रे जैसे व्यक्तियों के लिए मैदान साफ कर देने से कोई लाभ नहीं होगा। मुझे विश्वास है कि तुम्हारा मालिक वीडलर इसी प्रकार का विचार रखता है। मैं जानता हूँ कि आज प्रातःकाल तुम काफी परेशान थे और कुछ कार्रवाई करना चाहते थे, किन्तु...!" उसका स्वर मन्द पड़ गया।

लपसी समाप्त करती हुई और तश्तरी में से गुलाब के फूल को खुरचने का प्रयास करती हुई बारबारा का निरीक्षण करते हुए रोना ने नमस्कार किये जाने के दूरस्थ स्वरों को सुना। अचानक वह उठी और रसोईघर के द्वार पर चली गयी। "पाल," उसने पुकारा, "कहानी का अन्त किस प्रकार होता है?"

पाल वापस आ गया। "कहानी?"

"हैट और चेरी और 'बो' वाली दरियाई घोड़ी?"

"नीला 'बो'!" बारबारा ने सिखाया।

"आज सारे प्रातःकाल वह मुझसे इस कहानी को समाप्त करने के लिए कहती रही है। और मैं समाप्त नहीं कर सकती।"

पाल ने भद्दे ढंग से कहा, "मेरा अनुमान है, मैं—मैं कहानी के अन्त को नहीं जानता। मैं भी अटक गया हूँ।"

उनके पीछे बारबारा ने कहा, "मुझे एक कहानी सुनाइये, मुझे एक कहानी सुनाइये।" उसने कुर्सी से नीचे उतरने का प्रयास किया।

जान वापस आ गया। "आओ, पाल, हम लोग एक बार और पियें। मुझे इसकी आवश्यकता है। तुम आगे बढ़ो और इसे उँड़ेलो, तब तक मैं पेगी को बुलाता हूँ। और उस कहानी के लिए एक अन्त का आविष्कार कर लो, अन्यथा हम लोग इस बण्डल को कभी सुला नहीं पायेंगे।" उसने बारबारा को गिरने से पहले ही उठा लिया और टेलिफोन की ओर ले गया।

रोना ने कहा, "राजर ब्राउनली के कहने का अर्थ क्या था?" उसने मेज की ओर देखा, बारबारा की तश्तरी को उठाया और तत्पश्चात् उसे पुनः रख दिया। "क्या उसका अर्थ यह है कि तुम दूर जा रहे हो? पुनः?" वह 'युद्ध' शब्द का उच्चारण नहीं कर सकी। इसके बजाय उसने कहा, "क्य